

क्रियोक्ष. विर्ट्स क्रिक्स है. त्र है

गाव सुदु ही देवाबाद्ये सुवावर।

चतः यथः स्ट्रेन स्ट्र

श्चितः यद्याः यो श्वात्वः मुश्चात्वः स्त्रीयः यसूया वियः यद्याः यो यद्धः मुश्यः यवसः यो यः यसूद्या

गाव सुदुः से देवास द्ये सून (यट)

द्यार:ळ्या

र्वेन अरन्ने न मुन्धे नेन।	3
गो अर्केन् नर्हेन्न्र न्या अवस्य स्वस्य सुरुष ना	3
कें रे के दर्श्य के वार्ष हो हो सक्त वार्ष के वार के वार्ष के वार के वार्ष	8
त्रो स्रार्नेब निर्देश	
५८ में मुब्र में अर्क्ष में ब म्मर्म	25
रे अर्क्ष्व र्देष द्देश	
३ कल्पना नुर्ने अर्थेन अर्के अरने ले निम्न निम्म	
न्द्रिश्च संस्कृत निर्देत् द्व स्वास्य स्वर्ग स्वरं निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश स्वरं निर्देश स्वरं स्वरं स	32
वर:रु:र्नो:व:वाबुर:वी:र्नेबा	
ત્રો હ્રમ્ફિરઃર્ટું અ. વહું. જો જા. જો. જો	6
५८: में हुब में सूरवाक् धेयावदेवया कुंया	37
শৃষ্ট্রপান র্ব্রান্থান্বর র্বান্ধ্রা	
चबिष्यात्ताब्रम् चीराचेत्राचीयात्रम् चर्चे ची	
चत्रे पर्वे देदशयो नेश मुश्य मरा चे द्वी हुन्य ।	
দৌ বপুণ্ডু'বৃহঁঝা	
५८ में क्वें क्वेंट्र की हे ब ५ क्व अपने बेट अपने सुव क्वें का के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय	

*5्*गार:क्रग

7	धुदिः र्षेत्रा तद्देव पत्ने त्रा पत्रुता	4
	ब्दः नी र्धिद्या व्यद्भित्र चल्लेद्या चसुत्या	
বাই	केशयाहेबादेयायहेबाब्यार्स्स्टिक्ष्रयर्स्स्टित्वयास्त्रीत्वयाद्वीयाद्वीयाद्वीयाय	51
શુક્ર સેં	[रक्षेत्रक्ष्यायम्]	51
كرلد	ब्रु-रन्ध्रदःय।	51
ليا	<u> </u>	54
71 5°	थ'वर्डेस्क्रेर्'र्गाव	54
55	र्धिक्वेर्धरर्गावर्द्धवरक्षेत्राक्षेत्रस्य	54
γ	र्देर्ने द्रायाचायाच्याया	54
	ছেস্বেম্ন্স্রী র্ট্রশ্বর বিশ্বর বিশ্	
	र्रे स्टावर्ड्ड्साथ्या	57
	२ विवर वर्ड राष्ट्र।	58
37	क्रेन्न्गितिन्धेः व्याच्याया	
	শ্রহশ্ব শূট্ট ভির্বাধ সংখ্য কথা মা	
	કૈવ ના કૈયા તાલે કે આ લો રે. છી. અર્જ્ય અને ક્રીં રાલળ ના રસમાં	
	ક્રેશ્વાસંક્રેન્ન્યાત્વસુદ્યાસેદ્યાનું સુધાનું સુધાના મુખ્યત્વાના મુખ્યત્વાના મુખ્યત્વાના મુખ્યત્વાના મુખ્યત્વે	

*द्*गार:कवा

7	ন্ধ্রন্যন্ত্রুদন্ত্রীর স্ত্রী মী নিমান্য নত্ত্বাব্য	39
27	देशक द क्षें धी की किंवा इक्ष प्राप्त क्षु द्वा	96
	ंभे ⁻ ह्या ⁻ पते ⁻ बिन्।	
55	र्रे हो ह्वा र्ह्य हुँ र वहूद य	102
বাই	श्रायान्त्रवर्द्धान्त्रम् इत्रम्	107
শ্ব হ	ষ'ক্কু'ন্বৰ্ষ'শ্ৰী'ন্ত্ৰিব্য	127
55	र्रे प्यम् ग्री इस नविन ही रान्ड्र दान	127
7	শ্বুদন্ত্র শ্বী দানী দানী দানী দানী দানী দানী দানী দান	27
	১ প্রশ্ন শ্রী শেষ শ্রাধ্যমা	127
	२ रमामि प्यस्य पति।	129
	র অন্ট্রামধানাধ্যা	129
	८ यमःग्री द्रमः नृष्ठी मालद प्यम् मन् न्या	130
	५ वर्षान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भा	131
27	वश्चुवःवुःद्वोःवदेःषयःद्दःदेःदव्यःवम्द्रधाः	33
	প্রমন্তর্শেন শ্রী হে বেলীর ব্রুব মুর ব।	

५गार:कवा

শৃষ্টপাশ শৃল্ভ শৃষ্ট শ্ৰমা দু শেশ বৃদ্ধ।
रे १ देन विश्वस्तर के साहित की सम्मान स्था
८ वर्षेत्रचतिःकेषः ५ क्षेत्राषा
१८. म्. १८. १८. १८. १८. १८. १८. १८. १८. १८. १८
নাঙ্গিত সংস্থান ক্রি ক্রি ক্রি ক্রি ক্রি ক্রি ক্রি ক্রি
१ रेश्चित्राचर्त्रसूनाचसूत्राचन्द्रम्
? ^{ক্র'} বৃধ্যুত্র বিশ্বরূপ তিন্তু বিশ্বরূপ বিশ্
২ শু ^{হা} ন্ধ্ৰুণ বকুন্
द् केलिर्वेरसूनायमञ्जूना
२ वि प्रेन्व अ ग्री सूना न सूर्य न मृत्य ।
🤈 ত্রীব্র্মান্ত্রা
৫ মানদেশে ক্রুনা
३ र् इत्वर्शेत्रेष्ट्रमान्वर्था
🤈 ব্রীহমান্ত্রান্ত্রা
৫ শেনের্বিশ্বনিশ্বীশা
৯ বি শ্বর্থ ব্যাবস্থা বি বি শ্বর্থ ব্যাব্যা

*न्गार:*क्या

भ्रे क्षेत्रीय वर्ष्या नर्ष्या नर्ष्या । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	191
८ व्युतः श्रुवा वसूत्रा चत्र्राया	192
य े देव नवि पते केंब हो नृष्णे अर्क स्था हेंबू मालया मन्स्या	
ठ वरपतिषद चेंद की हो	210
ক বন্দ্রীশ বাষ্ট্রীৰ, ব্রন্ধীন, ব্র	215
५८:यॅ:ब्रु:अ:बह्बाया	215
नर-र्-तुःसःनङ्गेदःय।	227
র'য়'ৢ৾৾৾ব্ৰাইশ্বান্ধ্ৰব'র্ক্তুথা	233
র্মুব'ঝ'ঽৼ'র্ইঝ'বৃঝ'ঝী'ঝধুব'৸'র্মুহ'র্মুঝ	234
उँ १ विदायायारीकें अविदायी अर्कस्य केंद्री स्वायाया द्रस्या	252
श्चन सेन चर मी र्स्ट्न तर्मी	263
ग अनुवर्षः सुः वर्षे विदेशे	263
इस्टों अर्देर वक्षुद्राया	
নাষ্ট্রশ্ন ক্রান্থ নে নান্দ্রনা	
रे हैं देंबा	266
🤈 শ্লুবঝ'দ্রর্বীদীবূা	

*5्*गार:क्रग

इस्टों इड्डे च अर्देस च कूदाया 	266
গ্রন্থ ক্রম নাম ক্রম নাম নাম নাম নাম নাম নাম নাম নাম নাম না	268
र्रे अर्केन निश्वा श्रुवा श्रुवा निश्या	268
२ वे वे वन सकेन न सुरा से से से से से साम व साम व	271
१ अद्याः कुषाः दृर्गी दः स्रार्केन	271
३ केंबा ५ में ब स्थार्के म	276
३ न्नो तर्त्र न्नों ब अर्केन	278
र्रो न्गॅब्रसर्केनानी देश केंना नम्निन्या	279
ঽ ৠৢৢৢৢৢয়য়য়য়ৢয়য়ৣয়য়ৢয়	281
द यदः प्रदः नक्ष्यः चुः नक्ष्यः य	284
२ द्र स्त्र ⁻ र्धिका	284
2 বশ্বসন্ত্রা	286
२ े गुलुर र्नेषा	88
নাধ্যমান স্কুমাধা এই নাধানা এই নাধানিক ক্রিয়া	301
वे रे देश हैं या सदा के साही राष्ट्री सर्क समार् हें स्वत्य या र समार्थ	309

*न्गार:*क्या

M	ইটা	গ'নষ্ট্রী	ন ্ট্ৰী'ট্ৰ	à51.	•			•		•	 •	 •	 •			•	317
z	५८:र्से व	ग् <i>ल्</i> रः	₹ ∢ ∵घ.	957	11					•	 •	 •	 •	•			317
z	गुड़ेरा:	1.\$].5	বি.শ্ৰন	75'51	١.,					•	 •	 •	 •			•	323
2	हों	V&V'5	<u> </u>) [.] ন্	52	रे तु	5 5 1	Ž×	171	1	 •	 •	 •		•	3	23
2	(শ	प्रधिंद	7.95	۲۱ .						•	 •	 •	 •	•	•	3	27
3	र् श्रे	XX.2	भुद्धि	ijŦŦ	1					•	 •	 •	 •	•	•	3	29
کے	रे दे	গ.প্রুব		• • •	• •					•	 •	 •	 •		•	3	30
4	5	ট্র'ন।		• • •	•			•		•	 •	 •	 •		•	3	31
3	5 5	'ঠুঝ	हि:सु	(पोद	র্কুণ	1.				•	 •	 •	 •		•	3	32
	2	र्श्व	'বর্কু'।	ছ্র্	ベカ	बे.क	41	•		•	 •	 •	•	•		•	332
	2	万至	্ম'না	ने।	• •			•		•	 •	 •	 •	•			334
	3	È	ı'ŋ゚'\$	অ'শ্য	•			• •		•	 •	 •	 •	•		•	335
ขั	\ 5	¥7.2	IJ.	• • •	•			•		•	 •	 •	 •		•	3	36
	2	Ŋ5	প্রবহ	11.	•			•		•	 •	 •	 •	•		•	336
	2	বর	{ བ་ བུ་	万芒本	[]					•	 •	 	 			•	337

र्गार:क्या

<u> </u>	337
रे देश हुँ र क्रेंग पदे हैंया पदे हैंया विस्ता	337
ঽৢৢৢ৴ঀ৾ঀ৽য়৾য়৽য়ৄৼৠৣ৽৻য়ৢয়য়ঀ	339
र्रे शेस्रशंड्य र्ने वंडेर्ग्डेर्ग्डेर्स्य हिस्स्।	343
নান্ত্রীর দেছুনা নী দেশ্লুন দ্র দন্প ব্যা	345
গ্ৰী শ্বানি ক্ষুন হ্বা	345
ว नहरःक्षेंबब्धः र्ह्यन्थेन।	345
३ इस्रायार्क्न्सेन्।	348
३ क्षेरहेर्क्त्येन्।	350
न्यादः चः कॅन् सोन्।	354
ঽৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢ	356
क्रुः े वेद न्तर्दा पते केंद्रा हिर्गी सर्कस्य क्षेत्र विषा निरस्य	359
ন 美্রম্প্রম্প্রম্প্রম্বর্জ্বর্জা নির্বা	369
५८.त्र्रेच्याच्युच्याच्ये	369
শৃষ্ট্ৰপ্যয় শ্ৰন্তি ব্ৰশ্ব ব্ৰহ্ম বিশ্ব ব্ৰহ্ম বিশ্ব	372

*न्गार:*क्या

5	মদুণ:	খ্রী-দ্বিশ্য						• •				391
			র্নীশ্রমণ									391
5	गुठ्ठेश'य	'ग्लुर'र्दे	(শু:মাধ্যঃ	u.গ্রী.পাঈ	य:दर्देश	·545.z						395
હ	गी.श्रॅ.धु	াই:র্কুমাঝ	'বঝবাঝ'	ট্র-দ্রিগ্				• •				402
z	ব্ৰ-ইডিব	र्डेन्'ग्री'र्वे	'र्देव'श्चेर'	ক্ষুৰ্'শা								402
z	गुड़ेराय	'ग्राबुद'र्दे	५:५२४:न	95'51.								403
_			रेकेंग हो न									
ঽ	ยี.พษ.	₹ળ.પશ્	ংগ্ৰী:দ্বিশ্					• •				424
z	T-31-35	গ্ৰহ	ব্যুষ্ণথ'নেই	ব্যুগ্র				• •				424
			रायायदे									
2	美產	देळ्य.च	24.গ্রীপ:	বুমাশ:শ্রু	্বশ্বীক্	٦١.		• •			4	33
Z	गुठ्ठेरा य	অব অব	।'चरुद्र'स'(ষ্বুঝ'বা								438
Z	ন পুরু:ম	'ধুম'র্কুব	ঝাঝু'বার্ই	ัพ:ฮ:ผร้	বশ-উদ	ॱॿॗॸ॔ॸ॔	₹'चलें	रे दें	ÍX'A	i A J	۲۱۱	445
ر ر	(धुरःहं	বৈশিক্ষ	নুষ্ঠ্যসেপ	रदेगशः	u:दर्देश्						4	46
			ភ្រភ្មូត។									446
	3	বৃহ্	ไป.ปฟี้ฬ.	নই'নার্থ	, অ'নেইব	N 1 .						448

*न्गार:*क्या

🧎 ধ্বন্ধ শুণ্- বৃত্তী মন্ত্রণ শুণ- বৃত্তি ক্রি প্র বৃত্তি বৃত্তি প্র বৃত্তি বৃত্তি প্র বৃত্তি বৃত্তি প্র বৃত্তি ব	450
२ र्रे सं क्रुक्ष ५५ र त्र हो या चति च क्रुप्ति व क्रिया विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय	51
ว चक्किन्यते वर्षेत्र पदेनमः न्देश	451
२ वर्डिर.श्रूर.जन्म	455
इस्सें कें तर्देसर्शेया नते र्श्वेष प्रया	455
म्कुरायानरार्देरार्चेतानतीर्झेतातमा	458
নাধ্যম'শ'ষ্ট্রী'মান্দর্রীশ'নারী ক্রিন'মোমা	460
३ ५वरःवलै'स्वेद'या	62
বল্বী-মান্ত্র্বানস্থ্যস্ত্রিশা	465
वःसर-न्यो पः सह्या यो न्या	470
५८:र्रे मालुरमी अहमा र्नेबा	470
নান্ত্ৰীকাৰ্যান্ত্ৰীকাৰ্ছনাৰ্নিবা	472
বাঙ্গুঝ'ম'বাঞ্চু'ব'ঝুঁঝ'ঝঝা	487

७७॥ ग्लॅर स्ट्रेन स्ट्रॉव र व्लॉवि र वा तर्ने न स्थाय होता त्या

चबर.यी.कैंगेश.यिर.क्र्य.ई.तस्यु. थेता.जीर.

श्रेव प्रचार स्ट्रायदे यस स्ट्रेन

बेया चुः चः चतुषाया श्री।

र्वेषाः सरः द्यो यः सुद् सी देवा

गो अर्केन् नहेन् न्र ज्ञायम् यर न्रमुखाना

व से ब्रा रायक्ष या श्राहा है। या

श्रीयात्र्व्याय्याय्यात्र्यात्र्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्रात्र्याः व्याप्त्याः व्याप्त्रात्र्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्रात्र्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्रात्र्याः व्याप्त्रात्र्याः व्याप्त्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्र्याः व्याप्त्रात्र्याः व्याप्त्र्यः व्याप्त्र्यः व्याप्त्र्यः व्याप्त्र्यः व्याप्त्र्यः व्याप्त्र्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्र्यः व्याप्त्यः व्याप्यः व्याप्त्यः व्याप्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्त्यः व्याप्याप्त्यः

यार मी लिया या वर भू प्राया की देश या मी स्वार ति हुंगा प्रति स्वार या मित्र प्राया मित्र मित्र प्राया मित्र प्राया मित्र प्राय मित्र प्राय मित्र मित्र मित्र प्राय मित्र म

यदे यन्त्र त्रें त्र्यम् क्षेत्र दे त्रें त्रें त्रें त्रें त्र त्र स्थूत् स्थाय विषय।। यह अप्तुरे त्रें त्रें त्र्यम् क्षेत्र क्षेत्र त्रें त्र योर्थार्ज्येर्थात्राह्ने त्राद्ध्यात्राह्मे त्राद्ध्यात्राह्मे त्रात्राह्मे त्रात्राहमे त्रात्राह

वह्यास्त्रीरायह्यायदास्य स्त्रीत्र स्त्रीय स्त्रीय मिर्ग्या *द्यवाया हे त्युदा हे वाया यह या पति* :यद्य या स्वाया स्वाया स्व ववायावित् त्र्यायमञ्जूषायदे वहुवा लुवाया ग्रीया। विरावित्र विराधिका मुराहेषाया प्रति मूर्वित केताया। <u>इ</u>.ज्रेन्द्रं इ.स्वचर्यायायार्थ्यायायन्त्रीयया। *चेषाञ्चा*गुद्गाद्याद्ये त्य<u>च</u>ेत्या हेवा प्रस्तेता वाहेत्रा द्वीः स्रोदः रेदेनः बेदः प्यदः श्रुवः श्रुवाशः वाहेदः स्रहेद्वा। र्देन् वाषया मूर्टि केव व्यायावित इया वर्दी रावा। यह्मायास्त्रेन् स्त्रीर प्रतिः ब्ययायाया स्त्रीयायायने यया। र्नुयान्युयागुर्वायाद्वेरायञ्चात्रम् विद्यान्यायीया। वत्यानेरावन्यायेरास्यत्याम्बल्याविरायेषावस्त्रुरा। यरयाक्चियान्नीरायते प्यरःसूर्यःसूर्यात्तुर्यातकरः।। गुरु प्रबट म्बर स्वर ब्रियंश या मुर्शेय प्राप्त देवस्य त्यवायायात्रहेवाहेव न्यान्युवा श्ववायाहेते तस्ता। त्र्वी न वर्षे र प्रवेदि पति देन द्रिक अर्केगा विवार्क्न देव स्वार्ग्ने केव द्वार विकास तह्रवायायोद् क्वियाचते स्भुवार वार्ययाचा तदेवया।

र्यः योश्रुः क्वियः यदः श्चिः यो बुवाशः यद्वः तद्वुरः ।। तहत्व्युषाईहितः ह्यु पह्नेषात्रु या वा न्द्रीरः योनः द्युषायः हे व्यक्षिणः वसूयः सुवायदिः सु।। श्रीतश्चरत्रमामानदे हें हिरामार्श्वा मंतर्नम्य। ख्रिक्ष्य. द्रया पहुर्य क्ष्यं सुप्त रूट जीया या ही। यन्त्रभूयःयसूत्रःयतेःकुवःसर्कतःवहेत् सर्हितःसर्हितःस थेंब नुब बें र मुदे सहि सद केंब ग्रीहै। न्ययः सूत्रः स्रात्रः विषयः या वार्षेयः यः यने प्रया प्रयामाणुवाः स्विमाञ्चानामा म्बर्यार्श्वेरयायह्यायदे न्युरयान्देयागुरायद्वेत हे।। न्तुरसेन् स्वायाहे प्ययासूयान्यो नदीन्वेया। म्बर यत्र केरा ग्रीसूट चर मर्शेयाच वर्ने नर्शा यक्कुन्यासुराद्वीत् वियान्वीरसायते स्वारक्ते हिवासा। ब्रूट पति अवर द्वीत केंग्र सुदि क्विय सेट पहेगा। यर्नेन् अदे अर्वे व र्ये के प्रे स्ट्रम् लुवायाया। तह्रवायायान्यात्र प्रमानम् अर्थान्य स्थान्य स्थान र्वोट्यानकुरम्बायायवे नर्वे नर्वे व्यास्त्रीत्रा तेवा भेर केंग ग्री न्वीर माग्री में ब्रदार रूपा। *-*दुअ:वार्युअ:यद्य:क्वुय:गुद्र:क्वेंदे:चेंदेंदें रदः बोबाबा केंबा सुराबादेव सुवा बेंद्रव वाहेंद्र पादी।

यर्या.योषध्यत्य्र्या.या.याज्ञूत्या.या.यहेयन्या। इ.यपु.सं.मा.माञ्चूत्या.या.याज्ञूत्या.या.यहेयन्या।

यदिरसामार्वे रातुदे वेद् श्रीसास्त्र यासेवासहित्सा वेद्या यात्रसायदे सुर्वे स्वर्थः यद्या याद्या स्वर्थः स्वर् यदः प्रीतः दूरः ।।

यारश्च्यः रेरावे प्रथा श्चिश्चार्रे या बिरायता हुः प्रयादायते रेया या दिहें वाया याराध्येव या।

दे:द्रमा: व्यव्यव्यक्तं व्यव्यक्तं व्यक्तं व्यक्तं

म्द्रित्र्व्याधिन्यात्र्वेत्व्याक्षेत्र्यात्र्वेत्व्याः स्वान्याः स्वान्यः स्वान्याः स्वान्यः स्वान्य

नङ्ग्रायानः स्ट्रेट र् वेशयास्य नगरान्य यदःवियार्वेश्यः व या हवः दुः चने हो दःय।। नने निवेग्यानासुर स्नुव ननु न है केया की ह्या। यर्वा वीयाञ्चेत क्षेत्र र्रा करा वीया विद्या यर:बुवा:बाह्य:कुञ्जीयरा:बाधरा:बक्ता:कीर:ता। <u> २गॅ्व अर्क्र्या गश्रुम क्रीप्पेंद ५द नवसमधी विना।</u> ने याने रामे या इसा द्वीत तर हो प्रतिता है।। यश्रीयायाद्वीयाविषायब्दाराद्वायाया 'नगॅव'सर्केग'सर्केन'र्रेक'र्यस्य हेन्'नगदिवेट'।। इस्रायर:ब्रेंवायाय:देव:केव:ब्रु:केँवायादरा।। aa र्रो क्रुव्य वरे वगाव वरे गुरु यस्य हेंद्रा। खुःषे:अून:न्दःयु:न्दःगर्वेन:क्वेन:अून।। বর্ত্তা নাগার গ্রী শ্রু রমম ই র্থমান।।

खेँ वित्र दिन स्थित के अपित स्थान स्

र.लर.के.रर.ये.शपु.र्घयाया. इया रर.यावया क्र्याया वर्ष्ट्रीयश्रया यम्या वर युषाहेवःवाळें वाह्यानहवः नदः युषावाञ्चीदः ये चिन्ये वा विन्यं य नुष्या वर्त्त्वायाः भृत्ते विद्वा विद्व विद्वा विद्या विद्य विद्या विद्य यम् यो म्हणायम् व स्थेन प्रति स्थेन त्यान्यमात्वा न त्यने त्यूम मार्चिमान सामी से से स्थान बुरा गहेश्यन्तर्यायते र्केश्वायायेर्ध्यासुरिकु बुरावायरी श्रवायायवरायी बृरायश्याश्चीयश्चित्रस्य स्थान्यात्वर् दे प्रमा क्षुप्रश्चीपुरस्य साद्योव स्थाने व यास्यायाय स्टाप्ति स्वाराहे यापाय देव श्रीयाय देव स्वीराय प्राप्ती प्राप्ती स्वार्थिय स्वीराय ध्यायाङ्ग। र्रेया.य.ष्ट्र.र्कूय.ब्री.जगायच्या.ययया.क्री.त्र्रा जया.यच्या.लूट.क्ट्या ग्रीन्द्र-प्राप्येद्र-प्राते केंब्य-द्रम्या देवे ब्रह्म होता केव क्षेत्र केवा केव क्षेत्र क्षे र्बेर्यायाधीन याद्वीन यावदाविषाणी इदार्ख्यायादे राजाधीदादी रेन। ने धीदादार्थी विग मी से से दि नर्मे द त्या की तर त्या विद्या में सुन मी नयस सुदि सुन नस्या रवार्यायती स्ट्रीया में विवाद प्राप्त विवाद के व

न्वातःस्वाःवाहेशःये वयः त्तःस्वि न्वातः सर्वस्य राग्नीः स्वेतः न्यारः तद्यवः वे तदः तद्वी श्चीतः रेदीः यमानः सुमारो यारेदीः क्वानः सुरः रेप्पेतः कुर्ने विदेशाहेन श्चीः वार्षेदीः केंबानिन स्थापन केंद्र क्या प्रदेश स्थापन केंद्र स्थापन केंद्र स्थापन केंद्र स्थापन केंद्र स्थापन केंद्र स्थापन श्रुवा तद्रेषाया या नवा तस्र पर्वते वराव वर्षा के से सुवा पर्वते पर्वते पर्वते । यकुन्द्र-परुषायाः वर्षेत्रप्रते प्रविद्याः केत्रप्रे विषाः धेत्र विरोत्रा वर्षेत्र विषाः वर्षेत्र विषाः वर्षे येन या द्येन से तर्वो क्रुं दे तन् रूप द्या स्था से त्या से त्या से त्या से त्या से त्या से त्या से स्था से त्या से त् पर्यायात्रस्यान् भीयायात्राचान्यान्यान्यान्या पर्यायार्ज्याः य्यायार्ज्याः व्यायार्ज्याः व्यायार्ज्याः व्याया वि.च.क्ट.भाक्षेत्र.ययायाम्मेच.क्ट्र.च.लुय.तया विरायट.वि.कूर्य.कु.वि.च.ट्रे.क्टर. हेराद्व क्षुः प्रुवः दुः क्षुरः वः या गर्हे ग्राया यो दः परः वद्या पदे विः क्षुयः देः वरुवः वर्गः ह्नेदः यतः श्लेष्रायः रेर्द्र्यः रेर्वानः श्लेषाया ध्वानः नर्विनः नुः नुनः वर्वो के रेन। नः प्युवः रेटः र्शेट व सूर र्शेट की द्वान र्कट या हेश यो ५ रेट ह्यू यट वे रेट। ५ या वेंट शा द्वी केंश श्चीम्बर् प्येत्रात्रा यद्देत्रात्र स्वर्थात्य यद्देत् । यद्देत्र स्वर्थात्र । यतः तुषायायने वृत्रम्मित्रावेषावेषायषया विया द्वषा सुन्ता तुषा सुन्ति वित्रायी सुन्ति स्वा भूर् केवा वीयाविरावया सुरासुरा वी केर्रा वा विराविरावी के वा वी व्याविरावी के वा वी व्याविरावी विराविरावी विरावी विराविरावी विरावी विराविरावी व रेट चेंदि केंद्र वा वहें मा कुदि की केंदि दुषा केंद्र मा है या गा सबर बुमा बद चदी का दया बर्पितः होताया विवाधितः वे सेर्। रुषारा सुरावा बेरा सुति रामुति सूरावा तर्षाया वेट्रामिष्ठेयाः भ्रीत्रस्य देनाष्ठियायाः याचे याविषाः येद्वियाः सेदार्थेद्। विष्याः सूदः क्रें ययात्रदात्र ते सून् केवा बेर्या विका या क्रेंन वा वीर प्रवन सूर नुया बेर कुंदे वस्रय उर् व पर वेर पदे पदे पदे वा या पदे र्या केत में पदे या वेरा त्या वा व्याप्त स्था विरासी र विरा यार्शेट दे दिवा विस्था वासुसार्श्वेट या वासुसार्थेदे तहेवा हेद क्वी विस्था की क्वी खेट दिट । सार्शेट दे दिवा विस्था वासुसार्श्वेट या वासुसार्थेदे तहेवा हेद क्वी विस्था की क्वी की कार्येट केट पञ्जन्याद्वियायाः व्याप्येन् दिः यारेन्। स्टायाद्वदः याद्वियः प्रस्याद्वयः प्रस्या र्क्ट्यायानकाः द्वीत्रावह्यायत् कर्त्रा यद्दा यद्दा यद्दा यद्दा यद्दा स्थायानकाः स्थायानकाः स्थायानकाः स्थायान ह्माःश्चेतः र्यदिः यके से 'व' प्येन् दि रेन्। यके 'चरः सुरः दयः दयः दिमा विमा प्येनः येनः वर्चे ने य है : य दे | के य दर्गे य व र्ये द : भ्रायय ग्री से केंद्रे व ग्रूर य व दे | मीर्थाप्तरायस्यात्रा ५८ में द्वीर्थायते सर्सेन ५८ दे प्रमानुष्या विवासते मान्या भ्रम्मम् इस्यान् स्ट्रिंन् प्रियानितः नुसार्केन् मास्याने सिन्। श्चरा कें स्नेर्चाम्युम चेंदि तर्याम लिया पेर्चान या हैया पसूर राज्य से कार विचार है रोता रक्षाराप्रदावी यप्रदाष्ट्री क्रिया केवा हि. क्रिका ध्येवा केवा चिका क्रिया या विकास स व्वैरायासविदावीः क्षुं रेवा रुव। । प्रयः दुवावविदादुदावी स्वित्रासदिय। । वासा ५वो क्वेट क्व त्रु अवेटिया या श्वाया । अधि यह व क्वेट या श्वीय अधि र स्पु प्येट मुर्या विकार्यरार्थे होयाया लयास्यार्थे अ.स्वारायायायायः क्रुयायायाः यदः। दिजःक्रीःकःवयःश्रःश्र्रःदेदयःक्युरःक्री दिगारःवयाःवन्नयःतःश्रुदःवदेः योव याची । वालव र पेर्प र यदी या सूर के सार दे सकर । विश्व से र या लेवा - द्रशः व्याचित्रः । देःदेः स्वरः त्र व्याद्रः क्रें व्याच्यतः व्याच्याः व्याचः व्याच्याः व् डेवा वीयातशुरावती रुषा शीर्वरार रुषेंदा स्रो मानाविक वितर्भवा वस्या शीर्विरावी नर्भेर्रित्यमा भी बेरानदेशी सेदेश्वर्षण महित्य स्वामी भी की कुरा लेगा भी विरोध ज्राक्तिं अक्षेत्रः स्ट्राक्तिं व्याप्तवराव। श्राप्तवाक्तिं द्वात्तिं वास्त्रवा स्ट्री ज्ञासी र विश्वामीयाया द्वारा राष्ट्रिया योहेया स्विता स्वारा रेया ने:यानुयान:रायाने:नुरायायो क्षेत्रन्यायी:वी:वया क्षुत्रन्याकुः क्षेत्रःवया

म्बर् स्ट स्वया वयर स्वया व्या स्वया स्वया स्वया ययायायार्येदावदेखीं कुषा देवषयायदादेखीयायार्येदा ব্ প্রথা र्भृते भ्रवमायापम्यमञ्जू वहराष्ट्रमायमार्से स्वर्थान्यम् स्वर्षा वदिः अविद्वाचित्रं विद्वाचित्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचित्रं विद्वाचित्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचेत्रं विद्वाचेत्रं वित्रं विद्वाचेत्रं विद्व योल्याः वयम् । योर्षेरः यञ्जीलः वयम् । र.पि. वयम् । स.स्ल.स्. स्याः स्यम् ह्या ह्या वी ययय क्षे बिया ५८ वु क्षे ५ डिया या यहिं यथ यथ सु यथ सु यहिया ग यनार्थः क्रुवि द्रदायायद्रेयाया लेगा दर्गोव या धेव वा दर्के विवस्य विश्वेयया अव वर्ने सूर्या प्रस्था की प्रमेत प्रस्था प्रदेश स्था महेता गात्र विद्वार मी प्रमेत प्रस्था प्रसूर वर्षामवेदिन्वरायेदिन्यायेव। देन्द्देन्द्रस्योवन्तेव। गुवन्द्वुदायराद्रदाहेवः श्रूर्याक्रां यद्यायात् व्यापात् व्यापात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्या यशन्दर्भेत् सेर्वर्भा क्षेत्रप्रा क्षेत्रप्रका सुमा नम्या क्षेत्र सेत्रप्र वित्र पित्या रट विवाय न क्रेंट व ने या कुं लिया प्येव या रेटा देया व कुया श्रया लिया सुया यरे.य.५र्ट्रे.क्यर.यो.६.श्या.तमा । ४८.यो.यरे.य.रे.य.क्षेत्र.५ट्ट्यमा । विम.रे. 'सूरम्बर्द्धा ५'रेब'ट'र्केंदे'वावयार्क्ययायाययाः क्षेत्रेवाम्प्रहर्वे क्रियाः मीयात्रिरं वया स्वारं क्षेत्रा है तयर च न्दरं तदा चरा स्वायया स्वीरं तद्दर होत नेयात्रयाचेत् कुति में स्नित्रया विताया वित्रायां वित्रा महेशगादे द्वित कर ग्रीमरे सूना या वर्ष विमा क्वा सून साथ विवा क्वा ने विवा त्दिते में ट.कॅट् से ट्रमें या व प्रसे से वेया कुते वें र. तु र ट. यम हु यें व प्रते व्यवसायेम्य र्ये विषा की स्मानका न्द्रा विष्या नका न्द्रा की सुधि की प्रीव त्या ने दे विष्य न की निर्मा की प्रीव की प्री की प्रीव की प्री की प्रीव की प्रीव की प्रीव की प्रीव की प्रीव की प्रीव की प्री की प्रीव की प्रीव की प्रीव की प्रीव की प्री की प्रीव की प्री की युषाधिद नवस्याद्वरा देना द्वाद स्थाप से से से सुधिद सुद स्वर या न्यून हेना उर्वेर क्रीक्रिया पर्वे प्रकृत मुक्त प्रकृत शुःकूराजिरःशुः ध्यः भैप्रा स्यानियात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रा स्त्री याश्चीत्रात्रम् स्त्रात्रम् विष्याम्बर्धाः यहाः यो देशी त्युरा हे व त्या यह या क्षा यो देशों हरा या हे दे किया वे रहे । यह सुरे या वेवा या अर्केन वा दाने हुं। देश के निया प्रमानिया प्रमानिया के निया तुःत्विरः वे दुवाः यः रेदः व्री युषः वेवः यदः क्षेवः यव्यः क्ववाः युवः रेदा चबर.ग्री.श्रद्याःभ्रिशःकूरःक्ष्रीयात्रपुःहेषःजश्राःश्रद्याःभ्रिशःक्षरःक्षरःम् चरात्रश्रुरःवः रेत्। यदःतवादःरेषःद्रषःकृतःकदःबुःधःरेःयदःबुद्ःबुद्रः। दृग्रीरःवःतववाः ब्रैंदा ब्रेंबायायायबुदावयाबीववाद्यायायदेखायादुःखुदाव। दादयावादा याकर्रिरा क्रिंदर्ययात्रीर्ष्ययात्रीयात्रात्रीय क्रूयार्रास्यायात्रीराया यहवासेन्। याबाराष्ट्रयाबाग्रीन्यास्यावावात्रस्यावन्यात्रस्यावन्यस्यावन्यस्या ययः सम्दः वेजाः पेदः दे सः सेद। र्डसः सः गाः पीः से हेजाः मुख्यः सुदः गुदः। । से हेजाः सरात्मिक्ते स्वास्तिक्षात्मिक्ति । दःश्रीहेशायह्याहिःस्वरःत्वतःश्वरःश्वरः। अर्थे तेरस्यः यः वक्कुः धीर्थः ने द्विः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्व स्त्रीय:यापरा। व्यव्यव्यन्त्रिय:यापहणान्दा। यतःस्त्रीय:प्रव्यव्यव्यव्याः वै:रेरा श्रु:क्रय:द्वयःव:यर:श्रेव:वार्डर:म्;वर्धेव:श्रेव्यय:र्रावयवाःव:दवे:

पश्चेष:ब्री:र्बेश:पाद्मश:प्वा:क्ष्या:श्रुप:श्रुप:पारेदा वार:क्ष्र्य:पाद्मर:ब्री:पाद:पाद: युर वेदि दु इदयाय भूर दु रेदा वृष्य येर येर वेचि विष्य दुर श्रीवा वी कुया यर्द्य श्ली युषायानिकान्यान्ने रहेयान्ने रिवाने में यान्य स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स ब्रुट्राम्युयायद्याः स्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रा इस्रायन्द्र के द्वीया <u>ञ्च</u>ेया ।८,र:ङ्क्रीया:क्वृत्य:सर्क्रद,तह्नद,दान,र्रथ:क्या ।वेब:यास्ट्रय:दारेना देः यानवर के दर्वाचा विदाय र दुर्ग होता प्रवेश से विवाय कर द्वी यह कर देवी क सर्केन निहेत प्रेत परेता स्नानी प्राया सर्केन प्रति लिट स्परीत परिता नञ्जनाम्बुर्याक्ष्रमान्यमान्ये वाक्षीत्र सानु साम्बन्धान्य सानु साम्बन्धान्य सामित्र स यस्यस्त्रीयः क्रुप्तायः देवा स्पर्धायः स्त्रायः 'र्यटः दटः द्रवार्यः या क्षेत्रः श्रीत्रा दे त्यू र श्री दा र्योदः संद । संद त्या प्येट्र या स्वारा द्वीतः प्रति स श्चें प्रवित र र प्रायदे केंग श्चे पर्र से शेंग व्यायें र मार्श्वेर केंग या रेता वरे स्वर हेंत श्रेंद्रशायते वद्राक्षेत्रायते क्षुवायकेषा वद्गे व्यावेद्रशाक्षेत्र क्षुवाये व्यावेद्रशास्त्र क्षुवाये विष् त्रमाष्ट्रमान्त्रभान्, प्रमान्यम् स्ट्रियमाग्रीमा क्रमान्त्रमान्त्रभानस्य स्ट्रमान् यश्चित्राची वर र अभ्यार तर्हेया द्यीव प्यारेता र र विवाय के के विवाय स्थार क्षे:क्रॅब् क्षे:यमाप्तें वामाप्त प्रमान क्षेत्र क् चन्द्राचित्रः स्नाच्याः सुरस्याः स्वाधाः स्व कुंदै: द्वर में क्रें कुंध महिषामध्रस्य पेंद्रा द्वर में क्रें कुंध की मादर हिसस येम् क्येत्रस्य तुः स्वदः नदेः नन्दः नीय। निष्याः न्दः निष्याः से व्यव्याः निष्याः से व्यव्याः निष्याः से व्यव र्वेत कुः र्थेन याने यया केर से राज्या माना निष्या निष्या स्वीत स्वीता के स्वराय स्वापित या

रेत्। तेःसूराधेवःतुषायार्देरावःत्यायादेःस्वाःश्चीःवेःयादि। वावादःवेःयायादीः वित्रक्षेरियः भूरा अर्धेन्य्य द्वाल्य येन्यर र्केट यदी यर्षे व्याप्तर स्वालिया धीव व के या या सुरु व दे प्यान प्रेम प्राप्त व के प्रेम प्रमुद्ध स्थान प्रमुद प्रेम प्रमुद प् यारेता देव ग्राम् विन्नुमानसूत्र श्री स्वाप्तु मित्रे देव सेवा पदे या पदे या वि रट.ज.म.लु.जब्र.च.म्रोट्र.तम.रुट्री स.ट्ट.जेंट.नपु.कूट्र.जब्री चेम.ट्ट.चीम. यदे श्रुभायम लेग प्राप्त रहेत। रट श्रुद् वित्र वित्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व श्रमः यदः वुदः चः वृः चुः चेदः । देः वृः स्थान् चुः व्राम्यः क्षेत्रः चुः चविः द्रायः विः केंगायदी त्याचन्य महीं च हर द्या व्यास्त्र का मी स्वास्त्र केंगा स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के स न्येरत्र्ञु क्रिंग् चीयायहेन् यदे क्रिंत्यायायुरयायदे केया शेन्द्र शेनिय हिन्सू सु गर्ने न श्चित दे व श्चित ये श्वेत शास्त्र श्चित्र भूत श्चित्र स्वर्थ मास्त्र स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स् षर वहेंद्र सेद वहेंद्र यं गुक्द दर व्यापदे देव द्रा दे विक केद्र की के सामी क्रा विदेशों वयायर म्यूरयाय पेर्नाय रेत्। लु. मेया दार्चेन यो देव शी केया वर्ने नुया हुना यः क्रुवः क्रीः वित्रेरः वेरावाद्वारेका क्रिया क्रि सुन्नम् यदे में वा व्यापास्य प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प न्येक्त्रिंश्युःव्रक्षुःवर्नः व्यदाः क्वियः वर्वेक्त्रिंश्यः वर्वेक्त्रिंश्यः क्वियः वर्वेक्त्रिंश्यः वर्वेक्तिः वर्वेक्त्रिंश्यः वर्वेक्तिः व विगाणिव या रेता ने भ्रानुति गसुर गी के तसुवा श्रीका के का स्रेव यति स्रेव यति तपर र् नुषान्। गर्वान प्राचान से वार्के वार्षे के स्वान से वार्षे वार्ये वार वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे व्यट्यासुतिः स्रेव प्यति वासुटा विष्यतः रेवा सुवासुतिः स्रेव प्यति वासुटा छनः यर-दु-दु-ब-क्रीवाया-अदि-योअया-उत्-द-र-केन्द्रि-दु। दे-प्यद-द-र-केन्द्रिया वस्यया

<u>७५:जाविताविताविताविताविकाविकाविकात्र</u>काराक्षेत्राचे के जाराविकाविताविका सुराचित्। देव् ग्राम् मार्के सुन्तुते सेस्राय उत् की में विषय प्रति मार्वे मार् इस्रायर ब्रिंब वस्रा सह्य प्रस्य सह्य प्रायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन लचा हुन् चार्यक्षा चार्रचा भा भा भी भी ने साल स्थान स् यर्न.क्षे.चं.बुब्ब.जूब्य.पर्वीय.पर्वाश क्षेंदु.बर्बा.क्षेत्र.चं.वादु.वेश.त्र.वुंच्.वेश.क्र्य. रुषः भ्रुः र्कं वः ग्रुटः ध्वेदः दर्शेषः यः रेदा देः विद्वेदः श्रुण्यः र्केषः द्वीट्रयः गर्धः येदः यरयाक्च्याची: सुष्प्रयाद्मा प्रमान प्रमान स्थान स मुः सर्थः क्रेंसः वासुरः स्नानसः न्दान्या सर्वेदः तत्यः चुदः स्वानः स्वानः वर्शेदः स्रस्यः स्वानः यर:५७के:य:रे५। दे:के:वदि:क्रु:यर्क् डे:रे५:डे:४। यरय:क्रुय:ग्री:व्रीव:क्रुवयः *देविः*श्लेन्यःस्पृञ्चःस्यःत्यःतुवायःप्येन्।तःनेवित्वःञ्चनयःनेःस्यःकेन्।श्चीःनन्वायःन्यःर्केन्यः वयवयास्त्रीयः स्त्रुदः वीयः वद्देवः स्वयः दवियः यदेत। ५:५८:५५:यः व्यव्यः स्त्रुयः त्युषायोग्रयाच्यात्राची स्वीत्राची स्वात्राची स्वीत्राची स्वात्राची स्वात्राच पहुरामा महूर की निहुमा महूर मान महूर निष्य मिन महूर निष्य मिन महूर महूर निष्य मिन महूर महूर महूर महूर महूर महूर व्यव तिर्वर परुषा वावका तिर मानेवाका सु वार्षा । विषय परि स्वीता परि विषय परि स्वीत विषय विषय विषय विषय विषय वि वयायरयाक्त्र्यादिरावस्यावया देराची याक्षत्रम् देवा चीयाक्षुव द्रर्यायास्य तु यरयाक्क्यायादेवाकी सेटावयाविवायावतुवायादरावद्याकेट्यापेट्याया सेट्रा रुषाम् वाम्मुः स्रोधारा स्वास्त्र स् र्ट्स है। या न त्येत त्या प्राप्त क्या या श्रीयाया श्रीयाया श्रीय या वर्ष है। है। स्री न या हो न या तर है। यात्रीयात्रीयात्रम् विवास्त्रीत्यम् क्षुत्रः इत्यात्रः स्त्रीतः स्तर्वः स्वतः स्त्रीतः स्तर्वः स्तर्वः स्तर्वः सहयास्त्रासारेत। गुःरुःदेवाधे केया नृतास्त्रवासे देवास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा रे। ।गशुरुषायाद्या द्वायाञ्चरायायदात्वपुराञ्चीत्रयार्थेद्। ।डेबा गुरुद्रयायाधीत्रायया टायटार्के केंयाधित्यादीयाकाया सुवा केंयाद्रयाविः भ्रम्य र्मा मेर्या के स्वामित्र के लिक्के ते मेर्स मेर्स स्वामित्र के वक्कि.जयार्.एयोवः क्रुंटे.तार्ट्रेषः क्रुषे। इ.जर्ट.वर्ग्नट्षय्याकः व.जाः क्रुंयाः क्रुंतः ट्योवः वन्दरः र्श्वेति । यदः वश्चेरः वश्चरा स्त्रेत्रेत्र । यदे । य में कुं भें न वे ने न के वित्त वसूत्रयः षट दर क्षे अर्वे वे र्द्वाय र्द्द्वा कर्। केय वे या क्षेट्र व या रेट्र याययः श्रीयाः कृदः याद्यः याद् र्केर्याणेव वा न र्ष्ट्रेव से क्रुप्ति से गृव त्या वेटा कुरि केर्या गृव पत्र पत्र स्त्रा स्रित से स्त्रा स्त्र बेर्याम्डिमा त्यालिम विम् हिन् हेरिमा यमे क्रिया विम् विम् विम् क्रिया बेर्यामिश्या विना नःश्रेक्तातर्वाः बेबका श्वेनः यनुषः यदेः नेषः करः विनः क्वारा व्यवस्थायमः श्र्याः स्त्रिः सः स्वः त्रुतेः यश्राः त्र्वेयाः स्रह्माः नुः त्रव्याः सः सेन्। वेवः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स चॅर्बाळेंबाकुसबाखुःचेत्रायानुगायास्यानुगीत्राचाखुसाधीत्रात्री रेत्। देशस्त्रवानुबाचेत्। र्दे साने र्डमार्केन या समेन ने ख़र धीव नुष्य नर से ने रावकी सर वेषा

न्वीं या क्रुप्ता ने या बनया होन् पेरिके प्येत ले त्रा के क्रियालु क्रुप्त ने या क्रियाला प्रत विज्ञाला स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स् नविषा विषाक्षित्र नविषा ने नविष्ठ नुः क्षेत्र ग्राम्य नविष्ठ मान्य विष्ठ नविष्ठ नविष्य बःक्रुःने के लिया यायव द्वीन सेन बेस्या वित्य यक्तिय वित्य या या वित्य या वित्य या या वित्य या या या वित्य या या वित्य या या या या या या य शेयाचेन नरायुशा ग्री वर्के नसुन श्रें बायते सेना थेवा वीं शर्में बाय ने प्रति न युषार्दे विदादर्भ वादावरे सूना वस्या योदा स्वयं युषा बुदा क्रींचा कुरी केदाया केंग्राचर्स्नुवास्तुः यदादे सूराद्दा देवमा स्वाप्ता मन्दार्भन स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता ब्रेन् सेस्र संक्षेत्र के ना से देश विष्ठ स्तर स्तर स्तर स्तर स्तर से स्तर से स्तर से स्तर से से से से से से स स्रोत्रायन्त्रीयात्र स्रोत्रायात्र त्यायनुव्यास्त्रीत् युव्यात्रम् स्त्रीयास्त्राप्त्र स्त्रीयास्त्राप्ति स्तर व्यायल्याम् वर्तेन्द्राष्ट्रीः स्वायन्त्राम् वर्षाः योज्यन्ते वर्षेयाः वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्र ने प्यर विवा दिर वा देर के क्रिया यह विविद्धेया व्याय विविद्धेया व्याय विविद्धा विवा विविद्धा विविद्या विविद्धा विविद्धा विविद्धा विविद्धा विविद्धा विविद्धा विविद्धा केंबा विन्यार उव वी क्षुराययायाय हेव वया क्षुप्राय दिते वेंबा वया राष्ट्रा वावव वाहेबा र्नेव न्यून कुरि नेव ने भ्रानु विवारेन। ने न्यून या वेषाव वा या वेषाव षा वा यो वि कुं लेग वें राय दर तर हो। या विवा खर विवा की सी लेग की रादगार से विवा वें यारेदाबेरावात्वराणेदा दादुराधार्क्केवाबेरायराष्ट्रीवाबेदादेवीं विद्या श्चन न्दरन्त्रा सुन्तु र्वे रत्या न्त्रा सुन्तु त्वहुद न धीव व त्यया हेया केव से धीव। वीं भावीं के त्यापर दे प्रतिव स्थित। विष्टर त्या क्षेत्र त्युवा भावीं वा स्थित। क्षेत्र त्या वे भावीं भावीं वा

यान्द्रश्चित्रः भेष्ठत् सुंश्चित्रः त्रः भेष्यश्चित्रः स्थाः स्था

द्रियः क्रुः वाद्रः विवाद्य क्रियः विद्रः व

बेकुरः अरः ये विराजा सुराने वा चुते देवा अराये विषा वदेवे वरा दुः वदुः पवा पदा वर्षेदः यदिःकेन्-नुःचेन्-स्नून्वाःश्रेःश्रेन्-छेषाः ब्रह्मन्ने-नुःसूर्यनुः वर्ष्ट्वाः वर्षेत्रा नेःसूः नुदेःहेन्। ब्रेन् अर्ने तन्या अर्ने व म्यूअ क्षेत्रकन् १६ व विष्या मार्थे व व विष्य व विषय व विषय व विषय व विषय व विषय व र्कुयः हैट वेर वाश्वाधी वञ्चवावाश्वाधाय हम्मायेव छी द्वी वर्षा स्ट्रान्ट हिवायायते। <u> चर्चर त्राचर्चर क्रे.चर्चेर शर्वश क्रे.चर्चर चर्चर मुच्येत्र चर्चर मुच्येत्र श्री</u> वहिवा हेत क्षी विस्रका सु प्युत देट दु वात्रका लेका वासुटका ते देदे। देदी सुवाका वा की बैवाःतसूदःयःदरः के बैवाः वे क्रुः ये दः के दाः वित्रक्यः विस्रयः ग्रीः वसूतः यासे दादः वन्यन्थित्राचित्रं विवास्त्रात्वेषाः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्व त्रम्यायायार्थेकान्यकात्रक्षद्वात्राच्याद्वात् व्याद्वात्रात्याचीत्रा वासुरसायारेदा वाह्रसायवायर्डेवासेदायराबदावाराववदाता क्र्याक्रमामम् दित्तव्यामेत्। क्रियाचदीयगादाद्राचम्रम् चर्क्रस्य स्वापिति विभा हेत्। मलुर मगद धेर् ख्रकार रूट केंद्रि मलुर केत्र मञ्जू मञ्जू स्वा ने केर् लुचा.ध्रेच। क्रू.चाङ्चचा.जा.बजा.मास्त्री.चप्राचक्रिचा.चबचा.च्या क.जाचा.चयाय.मी.मा विवार्षः श्रूप्रः सेट र्नुषा याने प्रायम्भव या प्रेप्न या प्रमुखा ग्राप्तः मृत्रावा स्वाया विवास विवास विवास व वसूत्रयाविषाः वस्रात्रेत्। द्येरात्रहे सातुतारिते स्त्रात् वस्याः वस्त्रा सम्यान वित् सन्स्यान्स्यान्स्य वितानित्र से नित्र वितानित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वि याबेर। न्येन्नेन्यूरायसूत्रयाणेन् बेरावतरानेतीयत्रायरायेन। न्येन्दीनेति हैं याया यी मार्ये वार्ये या परने क्रुती पेव मुक्त कर्क कर यो नाम मेना ने प्यार की पेवि हैं या बेरायायर कुः सर्वेद पेर्पाय विवा पीद है। श्रीताय मार्वेद वाद्य स्नाप्य वा

रमायायते त्युयादे रावया और पति तर्यायते सुर ये त्या पहेन हे ई संया ही नया ता लेत वयातवीं प्रविवाधित द्वारित है निवासित है निवासित है निवासित है प्रविवासित है जिस है निवासित है जिस है जिस है ज <u>२</u> अर.बेट.ट्.चढे.ट्वा.बोर्शंश.जंशःश्रीश.तंड.कैंट.च.लूट.तं.केंट.वं.केंट्र. श्चरःवर्षायम् नः सेन् त्वनुषा ने स्टेडि लेगा यो नेव त्यायमन प्राप्त सेन त्या यदे केंग दे या या ब्रेंग प्रमाय मारा कर किया या के लेगा यदे देवा या प्रमा प्रमा द्यायते केंग्रादे श्चेरावगाय द्राद्यों द्याय <u>व</u>ीया क्ची त्राद्यों विद्याय स्थाप स् र्ट्रम्यायायाद्वेया यर्ट्रायायटाच्चायाक्रेक्ट्रा वृत्ययायायटाच्चायाद्वीया न्दःबदःयः भेदःबै:रेदा नेषःब:देदःख्याः वीषःवळदः १३वः ब्रेदः केवः वदिः स्रोदेः মূবাঝাবান্ট্রমাথামা মূবাঝাথাখেন খ্রী ক্রুন মূরী বার্মার ক্রুন कैंटी ईज.उर्वुर.कैंटी र्ज्यायायर.त्रर.त्रर.त्र. ख.यी गशुरार्शेर्गशर्भेर्म् प्रतित्रदर्भ वर्षे वर्षेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत यदिः क्रिंशः श्रीरः धीत्र। देः प्यरः क्रेतः चीत्रास्यः श्रीः यः यित्रः यात्रास्य यात्रास्य श्रीः श्रीः यात्रास्य स्थाना स्याना स्थाना स्याना स्थाना स योषु.रेर्य.अ.कुर्य.त्र्री जन्म.सीयो.की.कुर्य.त्र्री यत्र्यंत्रा.द्रीह्यां यात्रकृरं.त्रु.ही. केव ये ना शुक्ष की वट वका तदी हैं नाका या केव ये ति वका युति के का क्षेत्र पुरानु नाकी दे'यद'र्यार्ह्मेन्याकेद'येदा केंयार्ह्मेन्याकेद'येदा केंयारीद'री'यार्ह्मेन्या शु.शूट.याता. ह्याया.क्या ह्याया.क्या.यहूया.क्या.या.या.क्या.क्या.या.क्या.या. चलेत्र प्येन् या रेन्। ने त्या रहा स्वा सीया तकन् १६५ सी प्याप्त सुन् स्वाया केत्र क्ची के अपनित्या हेन होन के या के निवास के प्राप्त के प क्रुंद्र त्त्र्य स्वा द्वा द्वा द्वा स्वा विष्य सेवा या स्वय ग्राह्म स्वत स्वा स्वर स्वा स्वर स्व <u> ने सु पुते क्षेर पर्वे । अर अ कु अ चि यहे अ। देवा तहें व की विधाने अस्या ।</u>

योयःस्रेशःक्रियोब्रदःयःश्रधरःश्रवाःश्र्रद्रःयःयस्रेशःयःश्री व्रैःश्रदःयोब्रदःयःश्लेदः स्रेवाः सर्वेदःश्वायदःवर्ग्वेद्धिरः व्रेषाः विष्याश्वेषःश्वीः विष्यवेदः यदेः स्क्षेदः व्रेषाः वेदः स्थाः सर्वेदः निवास्त्राम्यायम् मित्रान्द्रान्यस्यायदे स्टानु त्वनु नाय्ये स्वा नेदी यदः निस्त्रान्याः यदिः इत्रायम्वायः द्या गुरुष्यम्भियः मुख्यः मार्गेदः क्रेतः यदेः यो स्वेत्रः श्रुष्यः यदः योशिशः हुर्यः शीयवीरः यद्या श्रीयोत्रः कीरः येत्रीर्यः यद्या विष्यः स्था विष्यः स्था विष्यः स्था विष्यः स्था व यद्दर्दर्देशकरःवर। यक्कुर्वाम्युम्भायादात्रवाःवाद्ववाःवाद्ववाःवाद्ववाःवाद्ववाःवाद्ववाःवाद्ववाःवाद्ववाःवाद्ववा गुत्र-सिक्व स्थ्री-संस्थित विदेश विदेश स्थित स्थाने स्थित संस्थित स्थाने स्थित संस्थित स्थाने सिक् न्वित्रामित्रस्यामित्रस्याहित् क्षीत्र्याक्षेत्रस्य स्थितः विषाः विषाः विषाः विषाः स्थितः विषाः डेबाया है। ज्ञुबा द्वायाय दे ज्ञीयाय दे दे देवा वा नेया बार प्राप्त के का ने देवा है। के वा ने देवा ने देवा के वा ने देवा के वा ने देवा ने वर रहेत क्षेत्रकेषायमाय या र केषायक र १९व क्षेत्र यवित ये प्रिया रेता हेषायाय केत चॅदिःकेंबादिःवान्तरःवित्यवान्याःवीत्वक्षुत्यार्वे वेषावत्ववायायायेवावा ब्रियाचराब्रेन्याबिन्क्षीरेयायावनेत्याक्षेत्रावर्षेत्रान्दान्देवावित्र्यायावित्र्यायावित्र्याक्षेत्राक्षेत्रा क्व वियाधित। हेंव तर्वो ने त्याधन। विन श्री स्युवाक स्यु विकास हेंव तर्वो गाुव चनरः सः अदः वयः सुरः सुरः न्याः द्वाः स्वाः स्वाः सुरा न्याः सुरा न्याः सुरा न्याः सुरा न्याः सुरा न्याः सुरा न यम्यायवर विषयार रूर केंब्रायकर विर विर विर विषय मायर विषय । विषय विषय ह्र्यात्रा.कुय.ता.कृ.८८.पठका.तपु.र्केर.ब्रुजा.कैर.विकाय.ह्याया.कुय.प्रांचय.पर्वी.क्षेट.व्र्या. য়৾৽ঀয়য়৽ড়ঀয়ৣ৾য়য়৽ঀয়৽য়৾ঀ৽য়ড়ৢ৽য়য়৻য়ৄয়৽য়৻ঀৼড়৻ড়য়৻য়৻য়য়৾য়৸৽ यः यान्त्र स्थायन्त्रे वे विष्यान्य साम्बाद्धान्य स्थान्य साम्बाद्धान्य सामित्र सा चॅति विद्क्ष्याय देन्द्रा देति ह्या तदेव प्यट बर यय द्यार चे । के द्र हो

र्वायन्त्र श्रीक्षेट्र वयाय्वीर्ट्र श्रीयाञ्चीर श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र बोन चुका वका वर्ने व क्रुं उव भें ने भेना के विकास निवास वका निवास करा के वा बेराया न्नायमाळे याम्डिमामहिषास्यायामहिमाषानु याम्यायस्यामहिराकी केना यद्रा भ्रुकेशयर्वे वक्कुत्यीयद्र्यात्रवे स्यायने स्यीत्रावर्ष्या कुत्री यावदावर्षे क्षेट विवा वी १९ सरा यो व विराज्य व सा बुद नाउट ने लिया नक्कि सर्म सर्म या नल्या सा कुरि इत् क्षे क्षेत्रा त्या स्वाया स्वाया स्वाया हिया सार् क्षेत्र यह माना स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया श्रॅट र्द्ध्य क्षे. र्यो क्षें श्राचेट र्ल्स्ट्र तासेष तास्त्रूश क्षेत्र तास्त्री ट र र ट र्ह्म्य ट र र र र र र वकर १९व हो र क्रुं रे हें ग्राय केव सेंट केव सेंट विया यी हें व वर्षे दे र या वर्रे व रेरा वदेवःदर्भागविवःविद्यीःगर्रेचित्यायायाः वेषात्त्रः याद्रः देवः क्वां केषाद्र्यात्रः यदिः ते स्वायायात्र न्यादे सादे यादा स्वीदः विषा स्वीदः विषा स्वायाया स्वीदः स्वाया स्वीदः स्वया स्वाया स्वीदः यन्ता हेन्यायायकेव येदि कुनायस्वन्य यार्थेयायाने केंप्येव यारेना हेवि तर्चेदिः द्या तर्देव तद्देव या बि दें या सुव स्वेव वद यी सूव तर्चे सूचया यो याया या केद गुत्र यद्वित वहिवाय ब्रीट वी द्वित्य वाहेर प्येत्। देवे क्रेंत् वा प्येत् क्रुंवे श्रुत र्योट र्ष्टी थै र्श्वेद दर्वेदि द्या दर्दे द ने र्रे गुद अद्विद दहेग्य क्षेट्र की दर्श क्षेत्र विस्था र यह्रवामा-भ्रोत् भ्री-पद्धितः मृत्यामा श्रुमा श्रुमा श्रीमा बोन्'तद्वेद'यर्थारेन्'बेर'धेद'यर्थान्यान्यात्वय'यङ्ग्रद'यर्धेद्। वर्कुन्यके तहेवाया योन् तसीय व्यया तेन् चेर विंद न्दर। वार्ड विंत दहेवाया योन् क्वा यदः शुः गुः त्र या यक्ष् नः या यो त्र हो। यह ग्राया यो नः क्षु या यदः शुः ग्रादे य न्य या या यदः शुः ग्रादे या या य यात्रीत्यस्य यात्रावदे हे हे रेट्। देयाओं क्रुव प्रमूव वहें व हे रात्रा देया हें या है'म्बन'यन'सूर'म्। देश'यहैम्बारोद'ह'समीन'पेन'समीन'ये। देश'र'

क्रु.ज.चोबर.चन्न.चन्नेर.त.चे.केर.लुवी यह्योग्र.जुर.वेश.चन्नेर. यार पति ये दे मुन्दर हेवाया केत्र पति वादत स्थाय दे त्या वाहिवाया पति स्वा यर क्षेर विवानी पक्किर या वार व र्ल्यूर ग्राट साचानव या वर्ट वया क्षेत्राय व स्वा र्ल्यूर यारेत्। तमातारे म्चायारे र्श्चिताया मृत्यातारे रेश्चितायाती स्थानी स्थिता स्थानी स्थानी स्थानी स्थानी स्थानी स *ঀ৾য়*৽য়ৼয়৾য়ৢৼয়৻য়৽ৠৄ৾ৼ৽য়৽ৼ৸য়৽য়ঢ়য়৽৻য়য়৽য়য়৾য়য়৽ म्रम्भारुन्यः विनः सूनः विभायर्द्धनः सुनः याने व्यूनः प्येत्। ने प्यनः सूनि वर्षोः सूनि व्यायाः श्रेंद्र व द्रेंश मिन्न मिन्द्र या विया या उन्न लिया ही वेद्रा द्रेर श्रद्र हुन या ही व्रद्र हा स्थार उन्'द'हेंग्रब'य'केद'येंदे'न्देंब'य्वि'हुसब'येद'वुन्'य'धेद'वेर'यदे'सर्वे सेर्ये रे न्दःवनः यें उवः निष्ठेषः ग्रीःवदः वः यदः यः देन्। यदः चः देनः ग्रुदः देवः १३ याषाः योवः गवन विगा हु : बेंद : पोन व केंद्र : केन : क्षेत्र हेते : क्षेत्र : घें उव : पोव : प्रवा केंद्र : केन : क्षेत्र : याक्ष्मराहेत्रेनु, याक्षेनु वयकाक्षेनु क्येन्। ने प्येन् हे राष्ट्र हेत्र न्याक्ष्मर ख्रादेश्यन् याप्यर नग्नि र्क्यालिया प्येत कुं ने त्यव या या माराया श्वा के वा क्रिव तर्वे दि साराया लिप्पया से विवाः यात्रह्रम् यदे 'द्रवदः वीषः धेम् । क्षेव्यायः यात्रयाया । क्षेवः याः यास्त्रुद्रयः। नुषा क्रुः योदानुः प्येतान्त्र । ब्रुः ययः उत्तः विषाः क्रुव्यादार्थाः प्येतः यायेता क्रुः योदाः यः यहिषः गाः सेन् : यदेः विया विया क्वायाः स्वायाः सेन् : यदेः न्ये : यदेः न्ये : यदेः न्ये : यदेः विवायः सेन यमयामा श्रुप्त मान्य विष्य प्राप्त श्रीन प्रति । यो विषय । य मुः अदे द्वा वर्त्ते द्वा वर्त्ते द्वा वर्षा वर्षा मुक्त मुक्त मुक्त वर्षा वर्षा मुक्त मुक्त वर्षा वर्षा मुक्त मुक न्देशम्बितः १ सम्बन्धः यो व र श्रीम्बन् र श्रीमः व सार्थे मान्यः विषा विष्यः या साम्

क्र्यः दर्ग्यः द्विनः ध्याः यद्भद्यः लयः युदः।

यमानस्यासहसान् वितायदिना विदारित हो।

वि ग्रान्डिंग्ड्रिंग

<u> ५८:मॅ म्लूट में अर्ट्य देंब नवदाया</u>

१) अर्क्वः देवः दर्देश

द्रेने स्वादेत ह्रेव त्याँ देर वा त्ये ह्रेव वा विकास क्षेत्र ह्रेव वा वा वे वे वा वे वे वे वा वे वा

पतिः स्वा मेत्र त्रवेयः प्रवर्षे उत्र साधितः प्रवादः देते स्वापः प्रवर्षे स्वार्धः स्वरं देते विषः यदेः क्षेत्रा देता देते हें त्राया के लियायदे देते ह्यू राता धेता यह देते विता हें त्राया के त लेषायषारे लिया डेषायदि हेता दर्शेषा सम्दार उता श्री किया सम्मार पुरासी मान सर्रेर.य.ह्यायालेयायाक्रायत्यायत्यायत्याची यर्तेत्रःस्राययावयाह्याया बूदःश्रीदःश्रीकाः तसूकाः प्रतिः केवाः वस्त्राक्षाः अदः देवाः प्राप्ताः विकाः केवः ये । विदः वाकायः यदेः यः केतः भेष् अदः श्रेदः द्वीरः श्रेष्ठीदः यदे यद्याः भेषा वाले श्रुदः यदे याने याने वाले श्रुदः यदे याने याने याने याने स्व क्षेर में देवे रदर दुः सावदुषाया सेद केर पेरिया सुः स्टरावतस पेरिया सुः हेवाया यया द ह्र्यायालेयायाय्दा देवाववित्रावन्यायाध्यायाह्यायालेयायाहायात्रा तिविताः बैदः तिवृद्यः चतुः चतुः बैवाः बैद्यां बित्यः वदः चत्राद्यः व्यवतः त्यवः बैवः बैदः चः वेः नु'विर्वेर'न'रैवा'यवे'रर'नु'ने'सूर'र्हेवायाने। विर्वेर'नर'यूर'न'वर्दे'नेवे'स्वासूर' वियाः धेवः यः नेत्र वित्वः स्त्रादः तत्र अष्ठेः स्त्र मः हेया याः विष्यः वः याः विषयः वायः विषयः विस्राः वयायात्व्यायादेन् यदे यावयाय्याया श्री दे चि न्ये र व वयायावदायो वयादि । ॱक़ॖॱज़ॖॱॸॹॱॴक़ऀॺॱख़॒ॺॱऒॸॕॺॱॸॖॱॻॖॺॱॺॺॱॺॸॺॱक़ॗॺॱय़ॱॸ॓ॱ*ॵॸॱॸऀ*ॹॱय़ऄॱॸॸॱॸॖॱ क्र्यायामयान् श्रीरावर्या स्वापित्र रहा स्वायालेया वासुरयाया से स्वाया ह्रेंबाबायान्दा यदाळेदायेंचीदायदे हुं यळंदादी सुन्दायो वेबाचेंदान्दा ঀৢ৾ঀ৾৻য়য়৻য়য়য়৻ঽৼ৾ঀৢ৾য়৻ৼৼ৻ঢ়ৼ৾য়ৼয়ৣ৻ড়ৢ৾য়৻ৼৢ৻ৼৼ৻ড়য়৻য়ৢ৻ড়ৼ৻য়৻ৼ৻৸ चुतैः हेवा याया केवा चे हो हो द लि गावा हिया ही प्यो यो यावा हिया यावार पी हे हैं।

<u> लूट्याला विचातात्वीं राचात्राचे त्राच्या भेटा त्रमा भेटा त्रमा माना प्राच्या प्रा</u> देवे हेंग्रयाय केत ये केट। देखा पुरे पहेंद मुद्दे म तव्यमान्यस्य स्वर्भेत्राक्षेत्रान्यस्य स्वर्भात्यास्य निष्यात्य स्वर्भेत्रास्य स्वर्भेत्रात्य स्वर्भेत्र स्वर्येत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्येत्र स्वर्भेत्र स्वर्येत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्भेत्र स्वर्येत्र स्वयः स्वर्येत्र स्वर्येत्र स्वयः स्वर्येत्र स्वयः स्वर्येत्र स्वर्येत्र स्वयः स्वर्येत्र स्वयः स्वयः स्वर्येत्र स्वयः क्ष्याःवीः <u>ह</u>्यायाः क्षेत्रः देः याः त्रुयाः <u>वा</u>द्याः यावायः प्ययाः याः विवाः योदः यदः त्रदा र्ग्नेट केन क्षेट वेया तकर पति स्नायराधीन पर्या ग्रेनिट केन क्षेट वेया ठेरा या सुट्राया सेट्रा देःवार्ग्नेदाकेदावेषायदिःदेवाकेषीदावा श्वीयादार्गेदाकेदावेषायाक्वाकेवाविदा लट्यात्तावयात्राच्याक्रेयाच्यात्राचीत्राचायाच्याच्या ट्राप्ट्याचीत्राचीत्राचीत्रा यः मूर्तिर क्रेत्र स्याद्युस्रकायदि सर्क्त्र प्रदाय द्वीय द्वारा मुस्काय द्वीय प्रकार विमाधीत द्वा केत्र लेकाया वयाया क्रेंद्र क्षेत्र ख्री देवा द्रारा राज्य व्याय क्षेत्र क्षेत्र ख्री देवा व्याय क्षेत्र क्षेत्र ख्री देवा द्रारा क्षेत्र क्षे यसूत्र याधीत यस याडिया वी सार्हेया साडेत द्वीया सार्डे ५ दिया सार्डे ५ दिया सार्डे ५ व्या सी सार्ह्य व्या या हिंद म्यायम्बर्यायाची अर्देरायम्बर्यात्राहेवायायाकेवायेति कुरायुरायवायया क्र-मिजान मुन्ति क्रियाम द्वार क्राय क्रियाम द्वार क्राय क्रियाम द्वार क्रिय क्रियाम द्वार क्राय क्वार क्रियाम द्वार क्रियाम द्वार क्रियाम द्व र्वे बर्मा अन् क्वां मर्के केत्र वेदि तृर तुः या तत्रुय या मेन या सूर तुः तत् या प्येत त्। বর্দের মাদ্রবীদ্যান ক্রুদে দ্বিলামান হৈ দ্বীর ক্রেনমা প্রবামান্য বের্থমানমা र्वोट्यायदेःवायट्यदेन् वटः सरायद्याययार्ह्यायायः केत्रेवि केत्राद्वस्यायस्य देः यः यहेव वका श्रेयः श्वे यः ये गाुव अद्विव श्वे अः रेवा व्यहेव वहेवा वा स्रोदः श्वीरः यः प्रेवः कु'तर्वो वार्याया मुवाप्यारे द्यापस्य स्था है स्क्रीर मेवा देवा यदे केया श्रवायास्त्रित्रकेत्रश्लेत्रधेवार्डेयाम्बर्ध्ययास्त्रत्। वद्गरःश्लेत्रधेवार्मेत्रवेवार्वेत्रवेवार्वेत्र

नुषासृष्ठितःन्वरावीषाद्धःवाधीत। नेषाद्देवाषायाकेत्रायाकेत्रास्कितःकेत्राक्षीराविषा यहूर। दे.ज.लर.कूर्य.पर्चू.रह्म्य.याष्ट्रीयाष्ट याप्पर क्रेंब्र वर्चेदि विदादर वा वर्देब् क्रुंब क्रेंक्यया येव विरावदेर वर्गेद्र या विक्र जन्नायद्रमा विवानासीयक्रेयनास्त्रमास्यास्त्रमान्त्री क्रीमा य.रेब्र्ट्य.तपु.चक्रेंरे.ता द्रवा.पहुर्य.द्रवा.तपु.चक्रेंरे.ता बेर.बवा.क्षेत्र.विर. ग्री नर्भु न र्वार्थःक्र्यःतानक्षुर्यःयासुर्यानसूर्यःहो यारःलेखा नगारःननयासुरःनसूरः कु.चर्केंट.ता झूर्य.लश.रचर.चर्सेंप्रकु.चर्केंट.ता शंवय.पर्का.चोध्ट.क्रेंयु. वर्क्नुन्यः स्रो ने स्थान्ति वर्क्नुन्यः नुवास्थवः क्रीः वित्रे स्वायः ययान्तिः स्वारं वर्षः स्वरं स्वारं वर्षः स्वारं वर्षः स्वरं स्वर क्वाइस्रायाक्षीक्षेत्राधुः त्रयासी भीवायायते क्वाध्याय प्रवास्त्रा । क्रेयाय प्रवास्य प्रवास्त्र । क्कीं स्रीया द्वित स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप ર્ને ક્રાપ્યુ:વવ:સૂવય:વય:કર્ય:શુ:સુરેય:વ; ક્ષુત્રય:વસુે કર્સે ક:વય:શુ: અક્ષુ:શુ: શું વ इस्रक्षः क्रीं व्यक्षः तस्ति सम्भाता क्रीं वाद्यं के क्रिं वाद मुद्राक्षेत्रायाध्येद्रायादेश्याचित्रद्रव्यापादेन्द्रप्रायाचन। रदापादीदाची केवा गहेरः शें शें वा क्रुन् युर् अव रगः श्रुवे वर्षे श्राप्त स्वान या नहें वा वश्रीदा वीदार्द्ववार्द्वेदावस्था सुवास्था विवास विः ब्रेन्टिः चः स्तुंबः स्वदः ग्रीकाः वर्देबः स्त्रेवाः स्वताः निष्याः चर्चेवाः स्वताः स्वताः वर्षेवाः वर्षेवा डेबान्यसुरबायबा देखुः तुदिः केना त्वीना नी विन्या सुप्यस्य प्रियाना सुरबा ने प्यत्र कर क्षेत्र के त्र क्षेत्र क्षेत्र त्र त्युद्ध त्युद्ध स्त्र त्यो दिन्द त्य विष्ट त्य विष्य त्य विष्ट त्य व र्ने विष्यानसूत्र पदे सर्वत श्री क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त हो। । ने व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वाप्त

बेयाम्बर्या ने प्यटा इसा सिंह के रायती देव के बी है से हैं से ने सी के सा यायुषायाञ्चादार्डेवा वार्डवा त्यायार्देव सुयादु साद्विव या द्वयायाद्विव ही यार्क्व हेद प्येव पर्या है सुन्य वन र्रो हें र पर है र सी देव र र । है से देन पर सबद पर्या की या विदे कॅर्यागुरु सिह्ने प्रति इसासिहर ही प्यो मेर्यास्तर प्राप्ति सुप्ति स्वा के हेर्यायापति । यरयाः क्रुयाः वर्षेत्राः वर्षेत्राः स्वरः विदेशे देश्यः सम्वरः द्वाः सेटः दुः सुटयः विदः। हेंबाबाद्यदिः धेंब मुबायायुषायायदेव द्यायहें सुर्वित गाुव चन धेंब मुबायायुव स्वाने हिन् भिरा ने भू तुरी श्रीन न्दर ले निर्देश स्वर था भेर्य स्वर श्वासी मानस्य स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर बिरक्तायदे में तियर अर्दे न ने बेर में अप वित्य राज्य की वित्य राज्य यहेव.तरायर्चीय.तथा.शरूच.री.वीर.शु.चीय.तथा योरील.वीय.शु.श्राथा.श्रय.वर. न्यायदे व्ययायान्त्री पदि छेन् न्। क्या प्रयायया येयया उत्राप्त प्रताय विक्री हि यसूत्र पते कें त्र कें त्र कें त्र कें त्र वि पति सें द त्य सेत्र पाने प्याप प्रमुख पति से प्रमुख पत क्र मश्रुमक्री मन्त्रा द्वाया द्वाया मश्रुमक्री क्रिया विकास मिन्न विकास क्रिया विकास क्रिया विकास क्रिया विकास र्या. चम्रमा. २२. क्री. भवर : ध्या. यू. रम्मामा. लीय. ह्या मायदः विट : क्रियः यञ्जीयः यात्या यू. यू. त्र्य. ग्रीट. जम. श्रीट. यी क्र्याम. क्र्याम. क्रिंट. या स्थम. म्राट. श्रीट. श्री. तर् वा वर्ने हिन ह्ये र होवा के तर्ने व्यवश्यार ह्याया ने व्यवश्यार ह्या या वर्ने ह योराजा हूर्यायाता कुषाता प्रस्ति । यद्यीया किषा प्रस्या कुषा योषा यात्रा स्वीया प्रस्या स्वीया प्रस्या स्वीया प्रस्या पनर में भित्र प्रशाह का अद्वित । यस प्रशास में प्रशास में प्रशास के प्रशास क यबाने भ्रानुते केंबा क्रिन ने हिन तिने वार्षेन यदी नम् मुनाबा सुकेंबा वा नाबा यदी केंवा মীম'ঊর্-মন্টের্ন্রমামথ'নমট্রব্-ম'থ'নপ্রমাম'র্ম'প্রমামাধ্রম। মর্ক্রনম্বর

वे कः यमा द्वीय सेमाय केया मले मन्या

यद्रतित्वहेंद्राच्चा दर्वास्या वर्वास्या हेदःदर्वासःहेद्वासःस्वासः क्रिंग्यले से हिन्द्रस्थेव लेव। यहें न्युः ह्युव से स्थित हें व त्ये ते विन्त्रम्य हुव वि मेनायासुन सेराप्तर त्रेयाय दे से स्वाप्त से से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त स बर'पदि'यत'र्भेत'त्र' वर'वर'पदे'यस'र्सेत्र'स्रावरायदे'यस'र्सेत्र'त्वो'पदि'पनेरामहेत् नम्नेत्र र्खुया द्वराया मृत्र त्या देते देवा द्वरा स्वतः स्वतः वी स्वतः दिवा स्वा सा २८. ध्रुप्र. भूष्ट. भूष्य. भूष वयरा में हैं से अर्था द्वादी से किया निष्या के किया निष्या में स्वादी स् देवे क त्यवा गा सू येवे के कि सम्माय स्वाय त्युया श्री सकेंद्र ह्येवा हेवा सम्माय त्येया सेवा वर्ष्यः ववर्षः सुः कुन् व्यः सुो ववर्षः वयः वयः त्रः वयः वर्षे द्रः वर्षे द्रः वर्षे वर्षः वर्षे वर्षः वर्षे व श्रॅट न्दर ख्रुव श्रेव क्री क्रूव तर्वो सर्देर व तदिव नहेंद व नयवाय सुट वीय क्रूद त्याय सु र्दः परः विषात्रा वेषा वेषाः गुषाः ग्रीषाः वितात्वावारः कुनः याः वितायाः वितायाः वितायाः वितायाः वितायाः वितायाः वयरा विराधर स्वाक्षि स्वाप्त ह्वा यरे यर प्रोप्त सावी प्रहें प्राधि । वरे वा यान्तर यक्षा प्राप्त स्थान स्थित स्थान स्

ग्रिश्याया अर्केन् प्रहेन् प्रतावस्याय स्थायस्य वा

नःगिष्ठेषायायकेन्यरायहेन्यादी वेयान्यायेतिःभैगाकुरागीयर्गे द्यारेया विवा वर्दिन्वयास्त्रियास्याक्त्रियास्यान्याद्वायास्यान्यायाः यासेन्। ।सुर्स्येमसङ्गुप्यसुवार्रसम्परसुर।वसमङ्गुरससेन्यन्तर्म्यसङ्गु नरेंबा । क्रेंविन रंबान्यापित महत् श्री सुनवा सुदिन नक्षेत् श्रीत श्रीवा क्रियमा विषयासुरयाहे। क्षेत्रामारादरायी यादेदास्यासदेवासरया क्क्षाः स्टार्यायादः वर्षाः वात्रुवायाः सुरवावाः यः स्रेता । विषायदेः देवा मर्नेन् अवसर्मिन्य तिर्देर तन्य में वारत्य की सेर क्या यह सेन् पित मिलि हिर् त्रशुराच सेन्यात्रिर तर्मात्रीर सेन्या स वयाविरक्रियार्चेयाय्वीयायह्यात्रात्रात्रात्रात्रीयाय्वीयाय्वीयाय्वीयाय्वीयाय्वीयाय्वीयाय्वीयाय्वीया यदःयायदःवर्वायाञ्चयायाञ्चादयायाः स्वार्थितयायाः स्वार्थितयायाः स्वार्थितयाः स्वार्थितयाः स्वार्थितयाः मैं ख्रेंद्र न्वीद्र अन्दर प्रदाना अवा ख़ुत न्वा वा ग्री देना या निष्ठे अगा न्वा या निष्ठे अख़्त ही। बूट न त्यान हो र यो दारि बूट केंट नही र यो न न ने केंट हुट तहना नी लेट विस्रयात्र या यातवावायात्रोदायरावसून्यालेकावासुरका देवीवा त्रुवाकासुवा केका श्री पा श्री पा श्री पा

व्रिट्याञ्जा न्यूना द्विनाम्मदायाष्ट्रियाया श्रुक्तियाञ्चा व्युत्याच्यायाया विषयः क्षेष्वे सके निष्य विषयः प्रकेष विषयः प्रकेष विषयः तर्यायदेः वर्षाः तस्य कुः श्रूर विः यर ज्ञाना व्याया ग्रीक्य प्राप्त प्रति प्रति । यदी प्रति यति । यदी प्रति । यदि । यद लट्राम् स्ट्रिट्र विरा श्रुव द्रायके विष्ट्र देश विष्ट्र देश विष्ट्र व वर्के वरि: बर्या क्रिंग्यायाया नुदार्यया क्रीं वर्त्त द्वीं यहीं वर्षिया नुवास्याया यह्मायाञ्चेत्रिताची श्रेष्ट्रीयायाया यहेर् रत्याययाया यहेर् रत्याययायाया यहेर् য়ৢয়৾য়ৢৼ৾য়য়য়৾ৠয়৻ঀঀৣ৾৽ৼৄ৾য়য়ৼ৾ৼ৾ৼয়৻ঀঀৣ৾৽ঀঢ়য়ৣ৾ঢ়ঢ়য়য়য়য়৾য়য়য়য়ড়ৢ पर्सेकार्म्भाय.लटा सेट.मू.की स्रोभक्षेट्र.पश्चिमी विश्वश्चायक्षेट्र. यार्श्वेष्रायायेत्रम् त्रुराद्राद्राद्रित्यायेत्रत्वयायाः व्यार्थेदायाः योत्रा देः यदास्रुर्वेष्रायाः श्चु तस्य देशायर विषयप्रास्य श्वया भ्राप्त स्वर्ता । क्रिया मरायस्य प्राप्त दिवि स्वर्या यं के नमून के न न्वीर संदर पो ने साध्या दर प्याय कर महिसासु से दायी गा नवाः सुत्रः ब्युचः नद्ये रः स्रोनः यः ने स्वरूषः क्युषः क्योः नवे निर्वार्थः स्वरूषः यो ने देवे नवाः यः स्वरूषः चॅति'न्वीरकाने'से'सेंन्याम्युयान्द्रकुन्से'नलेति'नहेन्वु'यास्यास्यामी'न्यापति'र्केका क्रेंबाचिक्रामा ध्वेतः या सेत्रा देवै द्वेदिकाय हेवा वाया ये तसवा वाया ये द्वे द्वे त्वे यदः प्रेतः प्रमा श्वापाः हेर्माः श्रुपः । क्रिम् मा स्वापः स्वापः स्वापः । स्वापः स्वापः स्वापः । स्वापः स्वापः म् । विष्याम्बर्ध्यस्यास्यास्यक्त्वाम्बर्ध्यास्याम्बर्धाम्बर्ध्याम्बर्ध्यामि व्यव यन्त्रे मुन्य प्येव यय देवे ध्रीय अपी मानुम्य स्यु सूर प्यर सिव्य र से वे देवे <u> इ.स्रेंट. एयर क</u>ैज. य. टेंट्यी | ब्रियायी इंट्यायी हे.स्रे. ये.पु. ये.स्रे.ये.पु.स्रे.ये. वावयःगावः वर्षः श्रीदे वि । स्वेवायः यदे र्षः श्रीवाद्यः व्यावः वर्षः देवः द्या यदयाक्चराक्षेत्रः श्रीया श्राप्तवाया श्रीत्राच्यायाची । श्रीः स्वायायायायायायाया न्वादःच्। १८:१८:१३:अदःर्श्वःअदेशः । । न्वोःचदःचनेषःग्वःवार्श्वायः वया । ब्रिन् यः स्वायायदे नेवः ब्रिन् व्यक्ष्मा । ब्रियः यास्प्रस्यः यास्य स्वा ॔ॳॱॻ॔ढ़ॱॾऺॴय़ॱॹॖ_ॱॹॻॿ॔ॻऻॴॱढ़॓ॱॻॻऻॖॻढ़ॱॻॶॴॱॻऻऄॖॺॱॿॖऀॱॻऻॿ॔ॻऻॴॱॶॱॷॕॸॱॺॴॿॖऀ॔ॺॱय़ॱ लव्यास्त्रास्त्रीत्रा वे विष्याप्तरीत्र सार्क्या विषया स्त्रीत्र सार्ह्य सार्वे स्त्रा केत वहिषायायो दिन विकास विकास विकास विकास विकास के व त्वरःक्वियावाद्देशंबेशावासुद्रयायास्रिताच्छेत्।वर्षेते वर्षेताचेताच्या ब्चीर वी अर्क्न प्रस्ता अर्क्न दे दर प्रवेश प्रदेश देन है सूर पीन लेना यस्त्रेतः ब्रेयः हैः सृप्याद्येतः पतिः पोर्या क्षेत्राः हेवाया । वयः स्त्रितः स्त्रियः होवाया । वयः स्त्रितः यात्रवार्यायाव्याद्वीत्रान्त्रहेर्याव्या हिःस्त्रेन्याद्वीत्रायदेः योः वेषायाव्यायव्यायाव्याव्याद्वीतः केंबागाुब क्षीःयाबद याबद सायदेबाय स्याधिव यदि स्याधिव यादि । दे दि दि दि से स्थापित स् *च्चे*न्यते तुर तह्या पञ्चे पते द्युया था हे ने तेन ते र क्चे या तुया था खु पर्यो न स्था श्लेवायानुयाना स्वाया क्षेत्राया स्वाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया मुन्धुरी र्वेचार्याक्षेत्रर्भेत्राचित्राकार्याकार्याक्षेत्रवित्रात्त्राच्याः भूराक्कितायार्येचाताः र्देहिःतकरः नर्देशः रेनः डेशः वाशुरशः यः रेन्। कें.तन्ने 'र्डसः नुःसः धीदः वाहदः श्रीःश्चीनशः र्भः ब्रिन् प्रमेतः ब्रीतः श्रीकाः स्वेत्राचा विषाः वास्त्रामा । स्वेतः वास्त्रामा । स याधीत्रायराहे स्त्रेन स्त्री नितः स्त्रेन नित्र वित्राचा नित्र स्त्र स्त द्यायङतःचत्रेषाः भेष्ट्रायसागाुत्रः तुः यवदः भेष्टेः श्चेष्ट्रायः द्याः वह्याद्यायः द्वाद्याः क्षिः सहंदः या सुरास्त्रं प्राचुरा स्रोदः यथा । सुरास्त्रुया स्रोधार्थे स्राचिता स्रोधार्थे स्रोदा यम्यान्तर्मा ह्येत्राप्तान्वाने स्ट्रिप्तान्या स्ट्रिप्ता । पेर्वान्वा इस्रायास र्क्षन् वा बुद्दः योदः धरः विवा । बुद्धिनः धर्मन् योदः धरः योवायः वावयः वयः स्वादः । । दोः दवाः त्रस्यानाम्यम् । त्रम्यानम् । विष्यास्य स्वर्षाम् । स्वर्षाम् । स्वर्षाम् । स्वर्षाम् । स्वर्षाम् । स्वर्षाम् । यम् । बोस्रयाञ्च सात्युयासम्बदायमाने प्रविदाने । विष्ट्याययान्माने वि म्राच्यास्य स्था विष्याः स्थानित्राः स्थानित्रः स्यानित्रः स्थानित्रः स्थानित म्बर्द्रयायाञ्चात्रा पद्मानी के स्वयामान्त्र की क्षुप्रयास्य कुरा गुत्र तद्वापदे ही । गञ्जायाञ्च यान्यायाञ्चित्रायस्रेत्रायाधेत्राययायत्वात्त्रात्व्याः स्त्रा त्येंबात्रवात्रिन्द्रन्त्वेरायोन्द्र्वीत्राष्ट्रीयार्थेवयात्वेयायर्थेन्यरावर्हेन्। विदेर क्रियायाया क्रिया हिता हो स्थान है स्थान है स्थान है स्थान स बेशायदे स्वा भूवा दिनेशावस्यायर द्यावस्य वार्ति वार्ति स्वा वार्ति । মর্ক্রমমান্ত্রী মানারি বির নামূর নমান আর কেন্ শ্রীমার্ক্রনা মমান্ না স্মান শ্রী বির **XXXX**

यर:रु:द्रयो:य:यालुट:यो:र्द्रवा

गो वरावुरात्र्यानविष्महमार्बेराक्वीयाहमसम्यायात्रायोदार्ख्या

५८:येष्ट्रिय:सेष्ट्रूट:याक्कुणीयायदेवयार्स्या

देश्वराद्धः स्वेत्वाकृत्वाकृत्वाकृत्वेत्वराकृत्वाकृत्वराद्धः स्वेत्वराद्धः स्वेत्वरः स्वेत्वराद्धः स्वेत्वर्वः स्वेत्वर्वः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्यः स्वेत्वर्वयः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वरः स्वेत्वर्वर

ন্ট্রিমানার্ম্রিরিমান্বনার্মান্

यार्युक्षायात्रकात्तुदःस्रेकान्तुःत्रुक्षायरःतस्रुता

वश्चार्यः वश्चारः वश्चा

वत्वराष्ट्राच्याचर्चेत्रा द्युवाराधीन नद्यीर स्रोन न्युवाराधीन विद्यार स्रोन न्युवार विद्यार स्रोता विद्यार स् ^अत्रयान्न त्रित्तानकुर्।यात्र्यात्रयात्र्यात्रात्र्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र श्चीर-द्रवुषःश्ची-विवाषायदिः विवायो-द्रर-द्रव्वीर-श्चेद-द्र-व्युर-प्रय-द्रश्चेवाषायावाहद-दे-हत्यः न्वींया नेयाके यत्राया त्राव्यायाके यया तेन वायायानु तकरायते नवींयाया र्षेत्रया ज्ञास्त्रीदात्वस्य सुर्द्वीसात्त्रात्वीय प्रति स्टाप्ति स्टीप्ति स्टिप्ति थो[,]वश्चान्यत्वान्यत्वान्यक्वान्यक्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्वान्यत्व श्चीप्रमास्याप्रसम्प्राप्तापाक्षीयान्त्रप्तास्य वात्रम् श्चीस्रोतान्त्रा विकास विकास विकास विकास विकास विकास व यदिः ज्ञासाधीत् यात्राज्ञात्रसायाओं क्वाता हैं है तकर केता यें प्रणा वार्या है यदे केता लेटा वेंद्र-द्रथम् अद्र-द्रु-वर्द्धेअः द्रुक्ष्यः सुम्बरः भेद्र-द्रिक्रे अद्र-द्रु-वर्द्धेअः हे द्रवदः वर्द्धेद्रः <u>शर्थाः क्रीयः हेयः सु: इतः पः दरः पश्यः पश्चितः त्रितः विद्यः प्राथः क्षीः द्रायः त्रीत्रः यः त्रीयायः </u> न्वींबाही हैंदिवह्वायबा अवींबायी श्राद्धात्वर्षावा विदेत र्देर्श्यात्रा वेशायश्रीत्रात्रात्राहियात्रात्रहित्री

विदार्शे रेट्या भेराक्या व्यापार केता या

ब्रेट्रें के क्षान्य क्षान्य क्षान्य क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षेत्र

वी.च.घ्रम्था.करं मिंचे क्योका.की.पर्वी.चर.त्वच. व्या.कुर्य.त्त्र्य.त्त्र्य.त्त्र्या. हेप्.ह्वीर.की. र्केन्दिर्वर्रे वेन्द्रसुरम् रदा स्ट उवा वाद्य सुवाय वेन्द्रम् स्टुवाय सन्दित्य या स त्तरास्त्राचार्यात्रास्त्रहेत् वा विर्देश्यात्रहेत् स्वरायस्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या खें क्रियः में हैं तकर की इसाय उस या लेकिर न्यय के न्या स्वापत तकीं सर विकाय क्रिया ने म्राया उत् ग्री क्षुमा मीया त्या रुत्या उत् या उत् दिया न ति विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास यान्यास्यास्याचार्याः इस्यास्यास्यास्याः विदायस्यान्त्रेत्। यान्यस्यान्त्रेत्। यान्यस्यान्त्रेत्। सर्टान्वेट स्वास्त्रे स्थाल विरास्त्राचार्या यात्राचारा स्टास्ट्री स्थाल स् वयात्युयाचावनः इयासूनः चीः केया नतुवः नकतः नवीया है। ने चानः वे वा मानः याः र्देहिते'न्रीक्र'गुर'रसर्देहिते'न्रीक्ष'गुर'न्रेरेष'स्यम्याम्'न्रीक्ष'गुर'नने'नर'नरत्र विषा या या हो राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्रीय । अप विषय हिन स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स कुंग्याम्बर्याञ्चरा अद्धः र्वेष्यारेषा स्वाधित्र र व्यान्त्वा वर्षः स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्व युवायासुवाहें भी दुर वद दि त्यावाया सेवा वीया वद गादी वर सूट दु विद्युद्ध्याप्त्रवार्ध्यायाहर्ष्यायाहर्ष्याच्युत्रवा विद्युत्त्रवा विद्युत्ता वीयानसुः स्नेनयाधीयाः स्वेतः दुःतदः स्रोतः सूर् स्वेतायाः स्वरः नः याः तद्देतः याः सालुवायायाः याः गहर्भेर देश पर्हेर्। र रे भूर वुष के भुष इर व स इर । स इर व सूर इरायायार्शेन्यायते प्येताहत प्रताप्त वितायात्व प्राया प्रताया प्रताया वितायात्व प्राया प्रताया विताया विताय विताया नेति: अर्क्यमा सुः सुन् रः रें निगुः धुनामा सुः तत्तुनः निर्मेषा सुनः रें निगुः धुनामा सन् सेः चरःचञ्चचराः सेन् स्थान्यविष्यं प्रति से स्थितः स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य वर्नेन् क्रम्या भी सुन्न न्या राये की मार्चन विषय स्था निषय स्था निष्य न क्रू ८ द्रापर क्रु के वार्ड ८ वदे ह्र क्षाय उद्या वाहिका गावका वाहि स्वा वी क्रु ८ वदा वी र्द्र विते हुमाय उत्र हुमाय द्वीर सेंद्र वर वर्षा या विद हुद रेंदिश सुवाय सुवत्र न्वींका केंग्पिव व ने प्रकार्थेव से सुन् रे ने व सुवाक सुन्वन केंग्र व का अध्य सुन बदःयार्को नेषायाद्वयादुःययाद्वषायोग्रयाद्वर्याक्रीययायायात्रवाक्षेत्रेद्वरः ववःवरन्वस्त नेर्ज्यन् द्वेवःह्र्यः सूर्वितः स्वयः वीनः नर्वोत्रा नेः परः सूरः र्नेन-नगर-धिन्नेन-नगर-निका द्वर-नेन्न-नुन्न-केन्स्न-न-न्न्न्न्न-ष्रुः न्यरचि धुरत्वीत्र से सुन्दान्यात्र्यात्रियात्रा हुँ से त्येति इयायरावयया वया अँदगाराष्ट्रः द्यराङ्कुं यद्यराची वद्यावासुयाई हितीवज्ञ्यापादी सूराही सुरा क्रियरा चेत्रा देः प्यरारमा चेत्राक्ष्या व्याप्या विष्या व्याप्य विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय खूः हुँ वीश्रासर्वे प्रश्नुदात्वराधी वोदि तदार्धे दाराक्ष्म **श्रेन्दर रेधिवा धरायुदा** येयन्त्रेयात्वा विन्न्यस्त्रयपदिहिहेराम्युयस्त्रम्या । प्राचीता यम्य पश्चिर हेव पद्मेव श्वीर । सि हैवा खेर पर सु पद्भे पद्भे पव्से प्राप्त । विर् त्रुंबाक्चितानः खेषानस्थायकेता अर्थेन । श्विमः तर्देशः म्याः श्वेतः नेपान्यः । मास्रुद्र हेदी वित्र त्रुप्य प्रदेश मुप्य स्थाय स्थाय विष्य यश्रियायास्य रवाची क्षेत्रयाययवयायायते क्षेत्रायास्ययायन् स्थितः वाक्षायहितः क्रीमान्रयायकन् होन् खेरीन्यन् से त्यने प्येत्र हो। स्थ्रीमायासीन्यो नायक्रीन्यन् स् वुराम। युराक्षेत्रीम्याक्षेत्राम्याकेन्द्रम्या मृत्वेन्द्रम्या श्रीकेन्यायरः

श्चें द्रायत्रार्थेन न्याये साक्ची ययाया सेन्या साम्या स्ट्री स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स न्वें विष्यः स्टः ह्याः वाल्य या न्युयः नः न्दाः विष्यः ह्याः विष्यः रवा विद्यानि से प्रिंट अदि विद्या विद्या विद्या विद्या स्थित स्था अधीव स्था अधीव स्था विद्या वीयान्रमायदीयार्डे वित्रु भी द्भायहें दाया सुवा भेदा दे प्रतिक भीदा ग्रीसाय ह्वा स्रोमासा यार्वेन खेळा वेंना सुरद्गराया यादेव वर्षा ने न्या की द्वारा में हिन श्रीरा यावव वर्षा वस्नुवः क्रीतः व्यव्या अर्देरः त्रा क्रेन्द्रवरः देः व्यवाः व्यवस्त्राचाः र्धेति न्तुरासु भी जो दे भी जा न्तु उत्तर्भ दर्भ ने भन्दे से से ते से दे भी ते सान्तर <u> यर्यः क्रियः वस्यः उर्रः श्रीः ग्रायुरः पोः नेयः क्रेतः र्यंदेः ररः प्रतितः ययः श्रुरः प्रदेशः नेयः </u> युषाग्चीत्रदानी भी द्वीता प्रसुद्धानि विष्ट्रा प्रस्थान स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स् इस्रायदे हे हे जासुस सूनमा । डेस गस्ट्राया वर्षे वार्यम्या । वर्षे वार्यम्या ब्रेन्यते न्वर नु बुरुषा अ अ नु सेवाय यते र र व्यय र र वी भ्रेवाय स्रे सेन्यते । वट द र र भेषा नाम द्वेश भेषा द्वार में विष्ण के के स्रोत हैं नाम दे भे स्रोत स व्रेन र् तेन न्यर क्री इयाय उत्र ने प्यर सूर नते ग्रा व्याय स्या व्याय रेग पते ग्रा व्याय यम। १०१ सूनमासुयेव सेंदि सुंयानु प्येन प्यते सून सुराये। ने १९ ५ न हिरमा रेवा निर्मेर अर्दे स्वतः विर र्सेट की सूच या या खू की गा विते सम्बन्धिर हेत वर्षेयाक्षेत्रा विषामधुरषाया न्युत्रसावेषात्रयाक्षेत्रीषामाधुर्धातार्देगाः न्यरःश्री व्यव्यान्त्रीन् व्यव्यान्त्रीः भी विष्यान्त्री विषयान्त्री विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति गू भै निष्ठ में सूथ दिवा निष्ट स्पर्ट स्पर्ट स्पर्ट सम्बद्ध स्पर्ट सम्बद्ध स्पर्ट सम्बद्ध सम्वद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्य सम्बद्ध सम्बद्य सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध

योन् की प्यो को होत त्र दोत्य हीन दो वि ने वि स्थान स्थान स्थान होते । स्थान होते । स्थान स्, हेवा. सेट. च. पे. चंदुः त्रीया विष्या या स्, हेवा. ब्रेट च स्थ्र तु ब्रम्भ रूप्त वि देवा दगार ये रु त्वीत्य स्थानम् प्यट प्येत् स्थित्। थि हेत्र त्वेथ क्षेट ये वासुस्र गान्यार दस्र सम्बद्ध वास्त्र प्रमाय प्रमाय विकास यहिषास्रोत् द्वस्यास्रस्त्रेत् च्चेत् तुः वीत् स्राहिषाः खेतः याः सूः युः वीत्रस्य स्राहेतः तर्सेत्रः <u> ब्रिट न्यायाया पुरस्याया सुरिता नी ख्रेट प्रायुत्र प्रीया त्र्यु ब्रिया त्र्योया स्रायदा प्रायदा प्राय</u> लूर्तम्बा बर्र्रात्याचाराक्षरालटार्नात्वा पूर्वातस्याचार्या मक्र्यामा विषयम्बर्धा विषयम्बर्धान्या विषयम्बर्धान्य वेंद्र बेर दगार द्यार अधिर गासुस वर्षेका है वेंद्र बेर रेरे दे खे तका सकेंद्र यदे खू से सर्क्रन् इर्म के क्रियाया तहित्र या नयमा मुरसेन या तहिला ने से से दि सुमाया मान कर देने यम्रमःश्चिमःभ्रः श्चितः यार्त्ते स्वान्तवान् । स्वान्तवान् स्वान्तवान् स्वान्तवान् स्वान्तवान् स्वान्तवान् स्व श्चरत्रम्भरमा श्चीयान्या वया या स्टार्ट्स हित्री विया या सुर्या देते विरावे स्टार्ट्स हो र वस्रयान्त्र-स्रुर्रात्र्याने। ह्य-५८-स्याया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्व तपुःश्चीयःतःव्यव्यः स्ट्राःच्या श्चीयःयःव्यव्यः स्ट्राःश्चीःयासुदः हेर्ह्यो श्वीतः युपर्यान्द्रियः गुपः वस्रया उदः वितः यसः प्रया । वित्रान्यस्यायय। इंदेर्-देन्त्रियहेन् व्याकृत्रिक् दुन्दिका हेन् स्टब्स न्व्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान न्यायते वित्रास्त्रवर्षात्राप्ता प्रदेश स्त्राच्या विराधित स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त

विरे वर्षर श्रुप्ति

५८ में क्वें क्वेंट की हेत ५ क्वा या नित्या मुख्य की मार्थिय प्रतिमाया

१) वितः प्रस्यावह्म प्रविद्यापञ्चीया

नेतः सर्कस्यस्य स्वास्ति च्या ब्रह्ण व्याप्ति स्वास्ति च्या स्वास्ति स्वासि स्वासि

शक्रुयातात्रात्यात्रीयात्रात्र्या अत्याश्रियात्यात्रात्रात्रात्रात्र्या श्रीयाश्रिया ययः क्रेंयः भ्रुगाुत्रः तत्र्यः ग्रीयदतः यत्राः प्रीतः यययः त्या यद्वितः वियामा वितः श्चित्रासुयात्राहेत्रायाचेयात्रात्रेत्रायते देवात्रम्यासुयात्राश्चित्राद्यात्रेत्रात्वेत्रायते देवात्रा रेत्। त्रु:स:सहिद:वाहिकाय:वाहेत्:पदि:स्नावकाञ्च:सदि:वासुद:त्रस:केंबा:गुद:दत्या धीन्यागुर्वातन्या वीर्यास्त्रागुर्वातन्यास्त्रीत्राचन्याः हिन्नन्याः अवीर्वास्त्राचाः बिन्यिव्यायम्य निष्याय न्या विष्याय विषय म्च.त्रपु.से.रमु.पर्थं गीय.पर्या न्नाय.पम्.गीय.पर्या र्मित.से.गीय.पर्यं यदः भुग्रामा विष्या स्वर्था स्वर्था या विष्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स वया क्षेर्र न्त्यान् र्यादे मो स्वर प्यावन प्यावस्य । अनुवस्य महिना हैव स्टेन ह्या स **ष्यर्थाय विरुष्य । विषय् मृद्ये हैं वर्षे स्थान्य विषय् विषय् । वर्षे वर्षे** यन्त्रम्याः श्रुवित्यदेष्ठित्। श्रुवित्वते केत्रः वित्रक्षित्रः वित्रक्ष्म्या योशीरकारी रे.लर.श्रीर.रेरीकारेरे.तायु.म्रास्यवर.तायका विकायोशीरका मॅरि-दु:न्नु-अ-अद्वित-यत्र-मार्थुअ-यहेर्-यति:म्रीत-श्रीकान्न्यति:सुम्बाह्यः अर्थः नञ्चर नञ्चे। अन्दर्नोर अराष्ट्रयानुषाञ्चेर नृत्यामञ्चातन् न कुन कुन स् चर्तुग्रायाध्येत् प्रदेश्यक्वरे तद्याया देया चर्त्वे त्राया क्षेत्र्या विष्या विष्या विषया ঀ৾য়৽য়ৢয়য়য়ৢ৻ৼয়ৢ৽য়য়য়য়ৼ৻য়৽য়ৼৼ৽য়ৼ৾ৼ৽ড়ৼৼড়য়য়ৢঢ়ৼৼ৽য়ড়৽য়৾৽য়য়ৼয়ৢ৽য়য়য় मुरुप्यते मुद्रिया भुवराम् इव देव से साम्याय में विष्य याश्रद्याया कें तदी दर्दी या वस्रया उदा दी रे या श्रुप्य या वस्या होता या वस्या वि

श्रेन्यया श्रुवयावियाविवातियाः श्रेन् इयावियावरावित्ययाः चनर क्रेंब्र पर्द द्वेब क्रेब्र स.चर्द्र से.कार्य म.चिर् त्यारा विराध प्राचेष राष्ट्र क्रिया विराध हो। वर्ने बर्ने वर्ष प्रमुख प्रमा क्षेत्र प्रावेश स्था प्रमुख प्रमा वर्षे वर्ष प्रमा वर्ष वर्ष प्रमा वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष प्रमा वर्षे वर्ष वर्षे वर्षे वर्ष वर्षे वर् वर्षे वर्ष न्भेग्रायाने न्दायलेट्या सुवा ही क्षेत्रा विदेश क्षेत्र विद्या में र्शे । प्यतः । ययः ५८ हेर् स्ट्रेट्यः इया र्धेयः यश्चिरः यः थे। । वियः यसुद्यास् कुः यथा शेः दवो च दरा। यथा देः हे दः गुतः तथा श्चेदः च रः द्वेदः यदः हेतः शेद्यायः दवाः तुरा पश्चिर तपुर पर्यं या यी विषय यो श्रीया प्रवृत्त मिया प्रति हो या विषय यो विषय यो विषय यो विषय विषय विषय व यक्ष्यक्षी स्रायान्यस्यायन्यात्यः स्रीतायदेष्वीत्रा विषयात्रस्यात्रा न्या क्रेंबाञ्चयायदेः श्रुवायायवर ये प्रदार्था स्वयं यदे व्यवाद्य विष्णः हुः ययवायदे वार वाषा यन्ना य र्सेन्य य य अ हेन् सूना यस्य की नुना सर्के य स क्रेनिय य है वि यरे केंद्र विकासी विकासी है के प्रतिस्थित स्थानी है के स्थानी है स्थानी केव क्षि:विवर्धिर खेंदि होर व स्रूपकेषाया इति वर्षा वर्षाय वर्षाय दिया वर्षाय वर्षाय है । वतुः नसरसेर सेन्याने वे स्ट्रेट र दे से स्ट्रेट र दे से सेन्य सेन् वुविः ययः स्रोरा गुसुरः वयायाः स्रोतः क्रेंसः श्चानिरः रेरा श्चायः स्रावेतः यञ्चेतेः र्ग्रीयात्रविरायमाभ्रम। श्रुवमाग्रमाग्रमाग्रमाग्रमान्त्रविष्टात्रमा ।सामविः सः यायदयाक्कियागुरु दर्देय। ।ह्रमाः हुः सीत्वयः श्चीः चेरः पत्वमयः भैरः। ।द्र्यः यर्थिय.पर्यात.प्रांच.व्रीय.क्रीय.प्रांचया.क्षेय व्रिष्य.यार्थिरया.प्रांचेत्रा भ्राःपर्याताः स्रीः यार्ड्याःची:क्वेत्र-दुःतद्वयः येदःदुःचतुवायःसुःवार्ययः त्रयः पतुवायः येदः प्रयः प्रययः न्वींबाय रेन्।

वर्षाः वर्षाः वर्षेत्राः वर्षेत्रः चलेर्यः चर्सुत्या

नेय प्रविद गुद ग्रम्पनेट य सुम्बर्धि । विष्य मुस्य प्रदेश स्वित मिर प्रदेश नसूत्रा ने:प्यर:वर:वी:प्येंर्य:वहेंत:ने:वार:प्येत:वे:वा रर:वी:कुन:वय:इत:य: न्दः लेखानलेब नाहेखारी निष्यः क्षेरः न्वीयायाधिव। इवालेखानलेब नवाधिनः मशुक्षात्रमः कुन् त्याक्षी मानस्य प्रस्ति स्वर्षमः नुषा क्ष्या कुन् हुन् हे सार् हर्मा विमान श्रेयमा सेन् देया पहेंद्र केवा देटा सामह्या प्राच हैया दुः ह्या परि है स्वाप्त परि है से स्वाप्त से से से से स र्द्रातर्वे यथा मुनायथ। द्रार्बे राष्ट्रायथा द्रार्वे राष्ट्रायथा स्वार्वे राष्ट्रायथा मुशुक्षः श्चीः भेदः पृदः पृदः प्रवादानि विदः दुषः भेदः प्राप्ति । दे व्यः प्रवितः महः वयः प्रवादः व र्श्चेव या लेखा यहें दार्केवा स्रो ४८ ह्यु दायरा या या खा खा खा सुराया दे ह्यु वाया की वाया है। बिया धिव। देश व १९व कुं १०६ १ रेदा श्री १९व कुं १०६ १ रेदा स्था कुरी ह्यू ८ दें र श्री म्बर्यासी महेन्यित स्रीताया इताया न्या विसामित विसामित विसामित विसामित विसामित विसामित विसामित विसामित विसामित म्रम्भारुन् स्वाप्तर देवायायदेवायर वेवायान्ता । विन्यमानु सर्वे यामेन्या स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स म् तिसर मृत्य मुर्ग त्रम्य नेया प्रति । देया येग्रम्य म् रामा प्रति म् स्याप्त स्याप्त म् स्याप्त स्यापत स्याप्त स्यापत स्यापत स्याप्त स्यापत स् यविष्यःतपुःम्। तसरःश्चीयःविरःक्वीश्चीः प्रचेषाः कृषाः प्रचेषाः प बर-क्री-क्रे-चत्रित-द्रथय-ब्रम्था-छद्-क्री-द्रवृद-वाद्यथ-दे-वेय-चत्रिद-धीद-धादे-। यद-तर्ने दर्भ द्व द्र देश प्रतिव लेग प्रहें प्रति द्रेश प्रसूद क्री सुवाय त्यापि प नमून भेन भागे निर्मेश र र र के तिर्मेर निर्मेश अभाउन मुस्राम तिर्मेन भागे निर्मेश भ অমামমাঝান্তমমানেল্রী নান্দামীনের্দ্দানির্দ্ধানার আনারনান্দানের মানুষ্ধানার্দ্ধথা

बेर रें। । ने सूर इव या वर्ने द्याय विकेंश की नरेंश मिल प्येव है। यनेश श्रीरश यय। नन्द्रध्वात्युर्यम्भित्रायहेन्यस्यन्तेन्ववार्यःश्चेत्रा । नर्मेद्रम्यान्वेन सुतिः यस पुराय सुन्। । देवे वर्षे साम सुन्य स्था स्वाप्त स्था सुन्य स्था सुन्य स्था सुन्य स्था सुन्य स्था सुन्य स्था सुन्य सुन भ्रम्भायम् क्रिंग्गाम् तहेषायम् तह्यूम् । विभागस्य सम्मान्द्रा विभागविषः वे र्यरः गुरुषः यः धैरुषा । विरुषः रवः प्यदः करः वर्रः वरः व्या । विरुषः गुरुषः । षदःचवाः पेर्दः यादीः द्वोः चितेः केषाः ब्रथ्यश्रान्तः प्रीः सः चार्षेत्रः हो। त्राः वार्षेत्रः यादीः यादीः यादीः यया द्वा विस्रयार्च्य प्रतामित्र नर्हेन्यहेस्सेन्या ।गुब्रक्केस्याननार्येन्यन्येवर्षे । ।नेरकेयक्ते यदे यर मुने मारा प्रस्ता । इस द्रा ५ ५ ५ ५ ६ म १ १ १ लिट्यायप्रायादायपुर्वेट्यम्भेराय। ।रयाची व्यापार्वेट्यम्पर्वे । वित्र गर्भेर नर्भेग तहेग्राय स्रा । नर्भ ल्या व्या व्या व्या विष यञ्चीया विषयाम्बुद्याने। मन्दरः स्ट्रास्यकानीयाः याः क्रुयः संस्थिताः विषाः विष् यारेदा क्रुवार्यात्वर्षार्येदेशात्रर्वेदायाद्वाक्षेत्रास्वदात्वेदात्वेदात्व्या देवेः यवा.ज.श्रम्।विश्व.वाट.वपु.श्रूट.कुवा.वषवा.श्री श्रम्।विश्व.२.२८८.वाट.वश्व.श्रम्।व ब्रेन्ने ह्ये चें र विरायकुषा वया नेयाहेयाया श्रेषा पर्वेन प्रीतिया विराय विरा यर संदि त्यवा हु श्री विदे द हो द यर से व बुर द त व हुवा हो। व हेर्व या दे त्या यदे.क्षेत्र। ब्रैंबा.क्षेत्रायोदायपु.ब्रैंट्रायदे.ब्रैंट्याया.क्षेत्रा.क्षेत्रायदेत्रःश्लेंट्रायदेत्रःश्लेंट्य

र्वेव ब्रिन् क्रिं त्रक्षे त्यवा तृ प्रवाहर प्रवेश क्रिंद्र त्य देवे त्य दिवा क्षेत्र त्या विवाध प्रवाह व ब्रिंन क्षेत्रे क्षेत्रे त्रा स्ववा प्तः वद या वदे प्रवा की या वर्षेत्र प्रवेषित्र या वर्षेत्र के वि देचें अर्भेरवरवर्भेरवयार्भ्यरविराव। ब्रिंदररार्भे वरविराव। कर् सी मार्चेर् छेषा प्रमृत्या देती माष्यामार्थे सामुद्रा क्रान्या स्वा त्रुपायर पेंयात्रुप्त्रुपायर पें त्रुप्या वें पायर पेंयावें सहेंया पें सर पें प्रत्या ञ्चास्त्रवः न्दः रेवा से देवा या त्र न्दः से त्र न्दा व्या त्र स्व त्र न्दा स्व व्या वर्षः वर्षे वर्षे वर्षे व वयाम्ययान्त्रन् याद्रयान् । तर्वे प्रमुवा वर्षे ग्राम्य पर्वे प्रमुवा हेया के विद्या पर्वे प्रमुवा हेया यदे । श्रेवाःवःन्यरःवन्दःकेःवया दवःसर्वोःवेःवार्वेन्वःवर्वेःवयस्य विःवार्थेनः निहेशः श्रीः नरः दानियायः श्रेष्युन्य स्पनाः नर्जेना उद्यायया श्रुद्रायरः येदायाद्रा શ્રીવા ची या प्रसु: ત્યુવા या रहें या या या विष्य प्राप्त के या प्रस्ति या विष्य प्रस्ति या या विष्य प्रस्ति य रैवा'य'श्रु'से'य'प्रविवा'व्यावाचनाच्याच्याचेयाचे । श्रुवायोद्द्रव्याद्द्र्यासुर्वेरायार्वेरः वादम् प्रवित्वित्वे प्राचायान् उदाञ्चनायमञ्जदा वद्यायदानु स्त्रुत्वे स्त्रे प्रदेशस्य मुरुषाः मुन्यस्य यदिः दर्देन् यः उद्याध्य स्थितः यद्याः इतः विसः यवाः धेन् : श्रीसः सूसः श्चिषान्य निर्देश्वर ने विषय से निष्ठ विषय विषय विषय से निष्ठ विषय से नि बुबासर्वे वरक्षेर्यायाचेषास्य विद्या देरक्षयाचेषा विद्याचित्र भ्रान्यात्तुरात्रयात्तुात्तुरयात्त्रीयमुरानया त्तुप्रे के स्नान्यात्ते यात्ते प्रतिस्थाययात्त्रया इैरायर पर्देन या विराधियार या विराधिया । या या विराधिया विराधिया । हे⁻श्रुयःइटः बदःवें वः प्यदःश्रेः वार्शेदः क्रुः विवाः प्रेवः वा विशः श्रुयः इटः बदः रेःवें विरः देशन्दः त्रुः विन्दे के प्यदः इदः वन् विन्देशा प्यदः न्विषः विन्दे विन्दे विन्दे विन्दे विन्दे विन्दे विन्दे वि व्यायाः झुँ छेळा व . घर नदः जुँवा सः नठर व राष्ट्र । जूर . दव्ये दे . याव राजाः सुर हुः

क्रेंब तर्वेदि विन धेया यह्न देखा युरा

श्चीर्या हेत्र स्वात्ते स्वात

गहिरायाहेव ने या नहेव वर्षा ह्वें हि सुर ह्वेंद्र नते हुंया नरें रामवन या

ध्यास्त्र स्रीतः स्रेवः वर्षो

गो क्वेरप्रस्वया

चक्षेत्रात्महेर् हेरायाहेर तथा ह्या हिर्म ह्या स्वार्थ ह्या ह्या स्वार्थ ह्या स्वार्थ ह्या ह्या स्वार्थ ह्या ह्या स्वार्थ ह्या स्वार्थ ह्या ह्या स्वर्थ ह्या स्वर्य ह्या स्वर्थ ह्या स्वर्य ह्या स्वर्य ह्या स्वर्थ ह्या स्वर्य ह्या स्वर्थ ह्या स्वर्थ ह्या स्वर्य स्वर्य ह्या स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्

विरायमात्रयम् वारावे स्थ्रवा यदे प्रवास्य वारा उत्तर मेर् स्वर्ण या स्वर्ण मेर स्वर्ण मेर स्वर्ण मेर स्वर्ण स् ग्रीयान्यय प्रयापा बुवायावया स्टान्द्रेन विद्यानिय विद्यानिय विवासीन ষপ্তর কুরাপ্তামন্ত্র প্রদেশ ক্রিপাশ্রী এপার বার্নার দুর্ব নার্ভিপার্নুর বের্মীয় पदः राष्ट्रेन् त्याप्यनः श्चेनरा श्चेनाया सेना यात्रा श्चेन् स्वतः यात्रा स्वी त्यस्य त्यात्रा त्यात्यात्यात्य चर्षात्रान्त्रस्विष्वात्रान्त्रस्य विदःक्ष्यःवात्र्युःयात्रान्तःवीःयात्राःविष्वात्रान्त्रस्यः नुःतर्वेच न्वें वास्ता नेते कुनियायाया तुष्वा वास्त्री ने न्वें वास्तान ने ने वें वास्तान ने ने वें वास्तान ने त्यन् पर्देन वीन प्राया की बराया ने त्यान् को सर्क्त के लेवा प्रान् प्राया या वराय दे प्रायत प्राया वराय दे प्रायत प्राया वर्षा प्रायत लेंब्र म्यूर्य यय देवे लेंब्र ह्व क्षेत्र य लेंब्र प्रति म्यूर म्य ल्य श्रीकानेकाय देवायश्रीय स्थाप तश्रीय श्रीय श्रीय प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प् वर तु खूना नसूय के न लेखा दे त्या सम्बन्धित से पी का सार्व आही का की सव। नर्देशःशुः वरः नवींशा नेश्वातः रहेन्यः श्रीशानर्देतः विराधशावरानवीः बुर्यायाओ न वुर्यायाञ्च यालवालियायायहेव न विष्याया सेना ने प्रतिव न स्था स्त्रःस्त्राः केवायाया विदानेयायावतः विवायाय हेतः विवा देवे धिरः यनेश्वानिहेत्रायक्षेत्रविष्ठेति यदुःयर्श्रेशःयाद्गेषः यवदःमुः बुवाः दरः श्रः वस्तिः यशः विद्रः यदः स्त्रृयाः यस्यः यद्गः यस्यः या स्त्रीत्राचारा होत्राचार होत्या विकास होत्राचार होत् । स्तर्भे स्त्री स्त्राचार होत् । स्त्री स्त्राचार होत् । स्त्री स्त्राचार होत् । स्त्री स्त् लुनानमा स्रोत् विर्वे भाषा क्षेत्र प्रवास प्राप्त प्रवास स्रोत्र स्था क्षेत्र प्रवास स्था क्षेत्र स्या क्षेत्र स्था क्षेत्र

क्षराच वर क्रेमका दीराया स्वापन स्राप्त स्राप्त क्रिया क्रिया में प्रस्ति स्वापन श्रुवा नश्रूवा श्रुटि हो द डिवा या वाहिवा या यो द दुया । सी स्वया श्रूर्व हे या स्ट या શ્રેવા મતે સુદ મેં રે રવા કંચા રે ૧૬ અફચાનુ કે છું અતે વચાનુ તર્શે વાયા વાય વાય માન यर्वेश्वायित्रेष् यस्रेष् यादे था. भरा व्यायम् वया सम्राम् वर्षे वरमे वर्षे वर्ये वर्षे वर य पेरिने। दर में ज्ञाय पहुंचा दर्वीय या चाहिनाया द्विः ज्ञाव ने स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प् सूरा शेर ये क्रिंत कर्न कर सामसूत लो हत सी ने पार रास सर्वे सी सेत यायतः विया प्येतः त्रा वालतः यायतः व्याया क्षुः या रेता द्राः स्टार्या व्यायतः विया प्यायतः विया प्रायतः विया यः विवा वीयायदे व ववा के सूर होता दे नया युर दर हेवाया यदे प्येव हव प्येत या विवायर्थ्यावयायस्वेतप्रविया है:सूरप्रायः यथा क्वाप्तवियः ग्रा रदःमाल्यन्माकेषायीदेवःकेयःत्यायाददःशात्यायायीसःयःभवन्यया ददःसिन्धाः पर्सेव या ने व्यापक्षण सी १६व। नियम के सारवीं कु त्या विस्व ह्वा या ने साम्यस हैं र्वेट्यार्ट्यात्र्यात्रेत्राच्याः स्थाप्त्रेत्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात् यश्रस्वाप्येव। वर्वेद्रम्बिसन्द्रन्यन्दर्भः क्रेस्स्वापस्यन् र्द्धन्यः या अनु विद्यास्त्रे विद्यास्ते विद्यास्त्रे विद्यास्त्रे विद्यास्ते विद्यास्ते विद्यास वबर में क्केंब्रिंब ओर बेंबर वु: वु: वु: वु: व्हेंब्र व: क्केंद्र या क्कुद : यथा क्कार : श्री: केंब्र : यथा यावर्यायदे प्रवेशायाहे व प्रदेश यावर्या द्वीयाहे। क्रुं सुव दर क्रुं द एस्वा से दारा केंबा १९४ : हे : देवे : दर्शे दबा या यञ्चय वा वा वे अंदे वे वु : वा ब्राया उदा की वदा वा वा वा यस्रेव या वार्ड किया वहिंव कुरी वार्व राकेती । दे विकाश का या र्वोट का र्श्वेट प्रस्त्राया वा यविष्यः यः नविष्यः हो क्षेत्रः यः यविष्यः यः त्राः यः यविष्यः यः यः यविष्यः यः यः विष्यः यः यविष्यः यः यविष्यः य यथ। गर्डे में सुराका सुन श्री पेर्व हुन में अर्डू में कार्य र वका सुन या सुन तु

ष्ट्रि कु:चवा:वितःमर:वैवा:जन्म

गा नवायम्बर्धेरःहेनःनगवा

<u> ५८.मु.४.२४.२५५४.क्षेत्र.क्षेत्र.स</u>्

१) रेजिन्यानायानसमामा

ने त्र या मृत्र विकार मृत्य के मिर्म क

याधीयायदे खूँचा ह्वादी प्रायायक्कित स्त्री ने स्वराधी स्वरायदे वायस्य प्रमुत्र श्चेराकेट व केंग्राम्ब्रुम मदी सम्बन्ध न स्तुराम लव मराकी विसामका नवान साधिव मदी र्द्धयः है खूर धीव ले वे ५ रेग रहाया या धी र्वाय रहा रही रहा लेग यथा न्देशक्षेत्रे वादिः वाद्यायात्रात्रास्त्रेश्चा ने वादाद्यायात्रायात्रीत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र वी'न्स्यायाम्ययान्द्र'न्या'हे'कें'हे'विरामहियान्य पर्वे नस्ति ने नवित्र'न्य द्वायायावरक्तुंदरविरयावादयावियादेशयादेशयायरवरळ्याक्रीयादेशयाद्वा तर्चे र भर । व तर्चे र प्र ही र र व व र र र व र र व र र र व र र र व र र व र र व र र व र र व र र व र र व र र व र न्यान विनायन्ता के दिरासुन्दा मुलिया सुरुवा विवाय सुर्यात्री ्रमु: प्युत्य: दे: क्रींद्र: दे: बिवा: य: प्येव: ब्रम्थ: ब्रम्थ: व्युत्य: व्युत: व्युत्य: व्युत: व्युत: व्युत्य: व्युत: व्यः: व्युत: व्युत: গ্রীন্থে রমমান্তর বিমমানাম্মানেরি মানমানমুমানের মুনানমূমান্তর ভীরা यर-तुः विस्रसाम् सुस्रा द्वी में दि सार् स्रस्रा या सर्वेद स्तर् स्वेदा मादा स्याप स्रोदा परि दि द नुषार्केन् वन्। कें दिरायर हे प्येत तिरी प्येत कोन्यते रायते रायते रायते विष्या श्रुवा प्रस्था द्वा वाम अर्थ देवा स्थाय सुर प्रते श्रुवा प्रस्था पेत् या सेता है ॔क़ॖॱज़ॖढ़ऀॱॸढ़ॱऒ॔॔॔ॱॻऻॶॖॺॱॸ॔ॸॱक़ॕॱॸऀॸॱख़ॗॱक़ॗ॓ॱॸढ़ॏॱॻऀॱढ़ॸऀॱऄॱॺॱऒढ़ॱॺढ़ऀॱऄॱऻॕॺ॔ॺॱय़ॱॸढ़ॏॱॸ॓ॸऻ वर्दे अव कर क्षेत्रे के विकाय वे वावका पति प्येव हो। या यो विकाय। के वाकी दर्र न्गे म्र्या दें से न्या कुरव्ययाधीन केया की स्वाप्त स् र्रेयः तुः श्रुरः यदेः स्र्रेवः यः वालवः यः स्रुवयः सुः दिदेवः यावव। सुः स्रेवायः ग्रेटः नयः देः र्हेः र्ट्ययायाः क्षेत्रया यह्याः स्थाः स्थाः स्थाः व्यवस्थाः विष्णाः विषणाः विष्णाः विष्ण য়য়য়ড়য়য়ৢয়য়ৢৢঀয়য়ৢয়ৼৢয়য়৸ঀয়য়ৼঢ়৾য়য়য়ড়য়য়ড়ঀয়ড়ঀড়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়য়

र्बेर्व तर्वेदि विन धेवा यद्वते लया युरा

१ विन्यम् क्षेत्रं त्वे म्यायम्

१) रदःवर्द्धरःखा

मिन्नेरायाय के त्या प्रतिया मिन्न विदेश के प्रतिया मिन्न विदेश के प्रतिया के प्रतिया के प्रतिया के प्रतिया के प **अक्तर अव्येग प्रमृत व्यन्द प्रमृते । । रह क्षेत्र वर्षेत्र प्राय्य केंद्र** ले अप्यादे केंद्रा स्तर ग्रेशन्द्रधेत् भ्रीयावसूत्रो धेरः सूत्र न्दर से कॅट न्दर खुया न्त्या श्चेषा विषाणसूरमा भेदीत्युषाहेत्यार्थेनात्र केषाद्र स्थायह्या चुर वी क्षु भे क्षु मा भू तु भे प्येष प्यर । देर क्षे प्रया भे कर ही क्षे भारा भे किया देशवादान्त्रेयान्त्रीतान्त्रस्यान्त्रम्भूष्यान्त्रः स्रीत्राच्यान्त्रम् वित्तान्त्रम् वित्तान्त्रम् वित्तान्त भ्रेंब या द्वेंब। केंबा वा बुद बाद बाद में बाद पर केंबा दर बाद में बाद की विकासी हैं त्युषाचित्रायाः श्रीतिः त्युषाः हेवः चीः तद्वीत्राताः नृदाः विषेत्रा व्यापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स याक्ट्रम् क्रियाग्रीमियास्यातश्चित्रम् ५ रेसाश्चित्रम् वराय्या वर्चेरवन्दरम्भेषा यदःयुवान्त्र्वसः स्रुवान्त्र्वसम्बद्धाः या युवायवतःतिवितः पुः श्रीयातः केवाद्यः स्थाः स <u> २चुयःसुःश्चेयःपदेःतर्वेरःपयःसुवःकीःवर्वेरःपः५८ःगसुय।</u> नेवे श्रेट रा त्रमास्त्रम् स्वाप्तान्त्रम् स्वाप्तान्त्रम् । विस्तान्त्रम् स्वाप्तान्त्रम् न्दार्वेते स्वाप्ता क्रेंबायाद्य हेराक्रेंबाक्षें रालुवाबा विया व्यवायाद्या हेबाव बार्वेवा व्यायां विवास विवास विवास विवास विवास व र्यर.ब्रीम.भ्रा.रेब्रो.य.ब्रि.य.ज.ब्री.र.यम.क्र्य.ज.क्विय.क्रीयाम.य.जयामाय.ज्यामा

वेशःमश्रुद्दश्यया ने भ्रुत्वति त्यश्यात्र स्वीत् स्वात् स्वीत् स्वीत् स्वात् स्वीत् स्वात् स्वीत् स्वात् स्वीत् स्वात् स्वीत् स्वात् स्वीत् स्वात् स

ये यालवःवर्धेरःस्रा

यहेश्यः याच्ये वाच्ये वाच्ये

रदः हेदः देः यः यः बुवायः दः यदः येः वेवायः यः प्येदः पदः। বার্হেম'থা नपुरस्रित्रविष्यात्रात्रात्रर्भाषाक्चीतिष्ठेत्राचान्द्राचिष् चनुष्याचित्रेत्रात्र्याञ्चेतः रदःयाल्यःवर्द्धेरःख्रा ।लेयःयास्यस्यःयय। वसूत्रःयदेःश्चेरःल्यायाः प्रवोः यदःयनेशःमहेनःयमःविदःक्षेपेदःतिन्द्रितःविमायस्नेनःसःस्यास्य बैब देंब योदा देयाया बैब व केंबा मयाया उदा ग्रीया केंब होदा वेया ग्राम या योदा दी देवःञ्चःसदेःग्नम्सर्यःम्यः देवःवस्यःञ्चःसदेःसवःम्यःगेर्यःसः चेवःनुसः क्वःसर्वेदेः त्युरुप्याध्येत्रत्। नेत्युप्तुतियनेयामहेत्रप्तयाध्येत्रहेरानेतियाप्रयाप्याधीया हेशस्य महत्य विष्य क्षेत्र व्यायहेत् त्र शक्र प्रमेश यश्य महत्र विष्य यास्ट्र में जाबन वर्षेत्र स्थापना ने सूर रह वर्षेत्र स्थापन वर्षेत्र स्थापन त्र्वीरावावकुर्ते । यदासावरा स्थायक्तास्य स्थायक्तास्य । क्टा क्रियायर देयाया योदाय क्रिया विद्या हेव या देव हैन दुर्या क्रिया हेव या देव हैन दुर्या हैन दुर यरत्युरा विस्थार्टेशयास्त्रुर देवाय्। र्यायेवा । व्ययविवाद्यय प्रमाय **गर्हित्रगुत्र अद्भित्र हो। ।ग्रहिर्श्य सुरोद दिन्द केन ह्मा स्टाब्स् । ।**लेखा मास्य स्थार है। दे: धरा वस्र अन्य स्टार्थ कर स्टार्थ विषय मुस्य । यावी में रि. प्रत्यत्र स्था स्था स्थते प्रथा या यक्कि प्रति रि. या यकु प्रता यक्कि प्रति स्था स्था स्था स्था स रदायार्कदावदे वावर्षास्य स्वाहेवानु श्रुरायदे स्वीत्य स्वाहेवा से निष्टा स्वाहेवा स्वाहेवा स्वाहेवा स्वाहेवा स क्रेव सर रेषाय से दाये कें सुर वया विषया सर्वेव में सुसूत्र सुरा सुव क्रें विदेश विदेश सम्बद्ध स्वीय यह वासायी । विद्यापी खु सु स्वया स्वार से हिना व। । न्युवाबावदीव न्युवाबा ह्या विद्यावादा । व्यव्यावादा विद्या वादा यग्रयाचे दे दे दे अर्दर है। विश्वाम्युर्याया सुन्तु प्रेत प्रयाय के क्रिका सर्विता व्यापके पदीर पके पदी सूर पके सेवास देश या सेन पति से पदी सूर व्या से सी पदी ब्रेन बन वर्षा तक प्रति के वा विषा हे वा पर्देश होने ने के वा प्रति वा विषा याश्रीरुषाया याश्रीत् तदी देवाषा ग्रीस्थर व सुव स्थे कें तदी दर स्वया वर क्षुषा योद ग्री युवावार्श्वीवार्र्यात्रोत्तर्भुत्वीं स्वायावादिवा हेवादी साथीवायादिवा हेवायादेवा वाववा विया हु : श्रेव : यर : तशुर र वे : ध्येव : या श्रुव : या व्यव : दे : दशुः या या व्यव : दे : दशुः या या या व्यव ब्रेन न्वेषा धेन्वायन्त न्त्र त्वे धेन प्यत्ये वेयाययान्य धेन येयायर अ८:ह्रम् नह्रवः स्रोदः यदेः त्युर्वः हेवः यदेः द्रदः म् चित्रः म् व्यविः स्रूदः नः यदेः चदुःर्रेचे.चर्षेता.लर.चर्षाश्चीयाशुःविच.च्र् व्रिच्रंक्र्याताश्चीर.ठ्रचा.ची.री. यःवीः वः स्वः शेरः नुः तर्श्वोः साधिवः व। ५ व्यूतिः स्नुस्वश्विरः तर्केः सःवीयः सेयः स्याप्तः। याक्रै तर्देव नेया यदी त्या तदीय। यद क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र त्येत्र त्येत्र त्येत्र त्येत्र त्येत्र व्या यदी त यद्यर दर् क्षे: विवाय वा से वर्केर वर्ष क्षेत्र क्षेत्र वा स्वार विवाय वा स्वार विवाय वा स्वार विवाय व रु:पङ्कःत्वुदःग्वयः विदः यवियः वियः दरा ययः गेर्यः दयवः यरः या गेर्दः ग्रुवः यविष्रःहै। विषयःयथा वरःयदःययाःयः नरः स्त्रंत्याः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्र न्वीं या भूरान्वीं या ने से व के या इसका यस विवास निराम

विरायर क्रीकृष्य द्वीर प्रायत्य प्रक्षा प्रायत्य प्रायत्

३ केन नगिरीन्ये या वर्षाया

हेन न्यादे न्यायाययय प्रयास्त्री न्ये स्वादे हेन स्वाद्ध्य स्वत्य स्वाद्ध्य स्वाद्य स्वाद्ध्य स्वाद्ध्य स्वाद्ध्य स्वाद्ध्य स्वाद्ध्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्ध्य स्वाद्य स्य

बिर्यायया नः रेका क्रेंब प्रयायाया पर्यान् वस्य भी नगर मिरा क्रिया परि न्या वा वर्चेर मुःहेव वर्षे देवा वया र वावव गाव व्यायव यदे के या द्वार वा वर्षे वया वयान्यात्वेरित्व र्वेन्द्रत्यात्व वस्त्रात्व वस्त्रात्व वस्त्रात्व वस्त्रात्व वस्त्रात्व वस्त्रात्व वस्त्रात्व तःश्चियःत्रपुःहेवःशुःहेद। व्रिश्रःत्रश्चा क्षुःवश्चःश्चाह्रश्चावशः वशः श्वरः प्रश्चेतः प्रदेशेतः यर र्या सम्भेत स्ट्रा निवास में विकास में बेना वर्ने सूर्र द्ये धैया यसूत्र वा यर्ने व्यया कु यर्के केर वायेर वाहतः विदान् नाया सेन्या प्रयाप्त सुर हो दे प्यदास्त्र न्या ग्रीस द्या नाय से सुर सहित्र र्येति स्ट्रेट त्रा विट तर्दे स वाट ह्या त्रुवा उत्तर विवा स्नुन हेवा स्पुन र्डस त्या सट से स्ट्रेन यर कुर मिश्र देर य दर। कु अर्केंद्र मिहर लेग हि रुष स्वय थेंद्र य थें पकु रे थ बेरमारेरक्तामळेँदि।वायायतुर्मायावम् लेवायेर्मा रेप्पराञ्चर्छवायुर्म्या यश्रीकृत्यरस्य तर्ह्यायर्षे प्रत्ये निर्मेश्वर निर्मेश्वर निर्मेश्वर निर्मेश निर्मेश निर्मेश निर्मेश निर्मेश नि र्वोदःवीःविदःवीःद्रयःत्वाःयःरुषःञ्चयःद्यैःञ्चेत्रेःरुद्रःयःश्चेदःरुयःविवाःधेवःव। याम् अदि त्युका हेव ह्वेन यम् नगाव लेका या सुम्का वे रेना न ने त्युम ह्वेन यम नगाव यदःश्रे त्युषा देव : बद् : बद् राया केया होत् : या तदी होत्। दः सदः हैं बाद विस्य विशे वर्ते । पर्ने वर्वेदि हेन या पर्शेन नमा वर्षेन प्रमा । विषान रेमा पर्वेदि स्थिति । युषाहेब हेन परनगव परहेन व रेव घर उब विषा येव पेन पविव नु। तयन्वरास्त्रार्भराम् वीत्राचे पार्चियाची न्यात्राच्या वित्रास्त्राच्या वयानयम्यायायते नर्येत् वयया ने हेन् वत्यर सूर्य वया ये । चतः त्र्याः मृत्र स्वार्थितः द्वारा विषया । विषयः दवः स्वार्थितः चायाः वी कुः दि ।

दब्रायरावर्त्ते तिश्चुराधी द्वाषा द्वारा विवास राष्ट्रदाय दुरावर्त्ते त्या वी विषय दे द्वार हि तर्त्ते नन्दा ने देवे धुरले व न्या हेव ने व प्यन्या हुरायदा के विदेश की न्यो न नमन्यायात्रात्र्याञ्चीत्रधीः सारवार्येर र्द्यातर्वी त्यमातर्वी सामलव र्पेट् वी सार्येट्रा र्युतर तकर पर त्युर र्रो । प्रयो सूया की शक्य ग्री सूर की स्थित । विश रे सूर . Mट. इ. जया नु. क्षे. क्षेत्राचर राज्या टव. क्षे. यावर श. देवा हु. खूट रवेशे वाया है या है । वर्गे के वेदार में विषय के प्राप्त के के प्राप्त के के प्राप्त के न्दः श्री सहया सर्वेद्र या दे हो । विषाय सामें विष्ठा निष्ठी निष्ठी सहया । बिट पर्दय की में राज्य है। या यह या प्रयास सम्बन्ध की में राज्य सम्बन्ध की में राज्य सम्बन्ध की सम्बन्ध सम्बन् श्रे। श्रेन्युर्वाणीव याया दुदावर्शी दिराष्ट्रित स्थेताय रामाह्य महिवास विवास हो। सर्वत्याधित्र ते रेत्। सर्वत्याते तुत्र त्वी स्वाया क्षी त्युया हेत विवास ह्वत स्वित या धीवनवन्त्रवार्योदन्देन्त्रीवन्त्रेट्र होट्यायन्तुदन्त्वत्ते नित्रेदन्त्रा विन्धूरस्याधीवन्यरादन्त्रः केंबा खूब क्षे: बार प्येन प्येन (वर्ष) केंबा (वः व्यः पर्वेन वे क्षेत्र यः वेन प्येन प्येन प्रेन प्रेन प्रेन प् न्दः ह्यूनः संवेशः व सर्वेदशः द्भवाः ययः के नः धीवः वे । । ने ध्यवः कनः श्रीशः ह्येनः नगिवः द्ये वायम्यस्य स्थितः द्या

८) व्यद्याग्ची विद्यस्य या वस्रयाया

ব্'বे'ল্রাব্র্রা'ট্রা'ল্রব্র্রা'ব্র্রা'ব্র্রামার বি **শ্রমশন্তর 'র্ব্র্রা'ট্রাল্রব্র্রা'র বি**

अर्वेद्धा व्रिक्ष प्रतिवृद्धीत प्राप्ति अदि अद्भार अर्थे वर्ष विकार् वे विकार विक मैर्यायसूर्वाते। ५८:ये सेस्यास्य स्वास्यास्य म्यास्य विषय्येस्य **इव.लुव.क्ष्मात्तात्र्यात्त्र्यात्रात्त्र्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्र्यात्राच्य** युषाहेब महिषानसूर बषादे महिषाग्री स्राट हुट मी महिषा रहेत स्वी महिषा स्वार स्व चर्यस्त्रिं चर्तरात् चर्यस्य द्वी स्थाने वित्र कुनि श्रीन अवद्य अपनामा र्डम लिया न्दर। श्रीम श् देवः बरः बयः द्यः वर्षे राक्तः वादगावः बिरः। श्रीनः सम्बदः बेयः या सावस्य हिरा वियाः बेर्या ने शर्य अविषा प्रीत् यथा श्रीत् यद्यवा या नाषा यात्रे त्ये प्री श्ली त्रा वा शुर्या वा नुष्ठायानविःश्रोम्रायस्य ने सर्वत् र्वेविः श्रीमास्य स्थान्य । धीः नुष्रायाने हित्र र्वेविः श्रीमास्य र्द्रमालियाः नृहा यहायीः नृज्ञायाः श्रीः यो स्वर्षाः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स र्डमालिया प्रीव व नुनावर्शे निष्ठेव स्वेदि स्नामा स्वाप्त स्वीपा प्रीव । नुनावर्शे विष्या स्वीपा स्व यावकार्प्येन् याने र्डमा श्रीका श्रामः वोका बुका यान्या नियम विकास N'Q'देर'पदे'दर'दु'दवु'द्व'र्ड'र्डस'पेंद्र'द्व'रुडेंट'रें के 'वे 'प' क्री 'रेप' के 'दे 'प' के 'दे 'प' के 'दे 'प र्वेच। । न्वर में क्राञ्च कॅर क प्यर । वहेन हेन वहैर सूर ने कें वहेते हुः यालया स्वर दुः या प्येरका स्वरं याका नुः वित्त । या प्रस्त स्वरा स्वरं स क्रीयमें यास्त्रायामा में निया विनया क्रुं से नाया क्रेन्य या क्रेन्य परि से माया से माया से स्वाप्त स्वाप्त स दे'यदःर्क्यार्थे च लेका से खुका खेत र्क्यालेग से। द्येर द स ही। वैद ही लेका यन्दरत्र। देत्रन्त्रेषात्र्यः स्वात्रात्रात्र्यः व्यात्रात्रात्र्यः व्यात्रात्रात्र्यः व्यात्रात्रात्र्यः व्या सर्वेदशः भविः प्रमा सर्देरः वः श्रेषाः यसः विः वः यसः वेद्याः यसः विद्यानाः साम्वः देः यः भ्रीत्युषान्ध्यायीचालेषानासुरका देवान्नान्ध्रीनात्रदेवासा देवीन्द्रवा न्वो क्षेत्रायायायवित्रके वियास्त्रा यह्या मुखानसूत्र यान्द्र तस्त्र केटा ने या स्राया यतः द्वर वीषा श्रे खुषा बुद्धर यर लेषा वाहेंद्र केंगा वी । केंबा वले वाहेंद्र या हे वाहेंद्र स्मरमञ्ज्या विरामश्रद्यात्र द्यायदे के विष्या के विरामश्रद्या विरामश्या विरामश्रद्या विरामश्या विरामश्रद्या विरामश्या विरामश्रद्या विरामश्रद्या विरामश्रद्या विरामश्रद्या विरामश्यव विरामश्रद्या विरामश्रद्या विरामश्रद्या विरामश्यव विराम र् रूर मेश न्यून। मल्द र्वो पदि त्याय त्यों र पदि केश समुद्र मल्द श्री शे युषादी भें युषादेव में के सुन्तु प्षेव व दे सुद्रायदी सुद्रादर मुबद महिषादेव न्यसून सम्बन्दे ने सुन्द होता सेदि सून साउँ साथ रायो न पाया न समान रदःहेदःयःदेः **क्वें क्वें केंद्र व्याक्षुर केवा गुरु अधित। ।**विष्य मार्युर या नुसा क्वें क्वें के केवा के क्वें क्वा या सुर यातश्चरायात्रे, राष्ट्रयास्त्रीयायास्यातश्चरायायहवासु देग्गार रेवासी के सितायास्य **यसर्वियन्स्रद्यस्य महिंद्रगृद्धस्य हिद्देश** । बिर्च केरायसाय बुवाय द्वा अवरः व्याः वी: तद्यवाः तु: व्याः वेचः श्रीः तरः तुं व्याः वेदः वेदः वार्ष्युवाः श्रीः द्याः तुं विदः। यसायदः द्वाया होत् व्यवाया या द्वावाया यस द्वावाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व कें राहे हो न साहे मा के साहे साह साह हो न साहे हैं के साह साह है साह साह है से साह साह है से साह साह है से स **া**ন্ত্ৰম

हेन, नगा श्री भारती हो स्वारित स्वारी स्वार

दे^ॱW८ॱतहेषाॱहेषॱध्रीॱऄॱॿ॓ॱरःपःदेॱॺ॓ॺॺॱक़ॖ॔॔ॱक़ॖ॔ॱक़ॗ॔ॱॺॣॖॱॹॖ॔॔ॱॹॣॱग़॔॔ॱऻॎॿ॔ॱॼऀऻॻॱॹॖऀॱ लट.कुं। वि.स्टर्य.कुंश.ट्र.चंट.वुंट.यावया वर्ष्ट्वेट.वि.वकुंश्वा.यां.श्वं.श्र्रा क्रेव मार प्ररावस्य व प्रेति स्वित्रायाय सुराञ्चा प्रयाप्य प्राप्त मार मार्य सामित्र स्वीति स्वीत <u> ब्रे</u>न्द्रनेश्वाच्ययाया ध्रिम्त्रद्वात्रहासुम्बन्निस्त्रीयाच्यान्त्रते ह्यो श्चीयराञ्चीयर्था क्याराञ्चर यद्गिराञ्चीतर्भाया त्यार्थर यो केरा है हैं योर.ब्रोट.क.ब्रोटी यङ्का.योट.ब्रीट.त्र.बा.च.ड्का.योट.ब्रीट.त्र.च्री यी.प्या.प्र. श्रीव व श्वीर यह द दे प्याप्त व दे प्याप्त स्वाप्त स्त योशीस्था रेतर्थः विवादयायः श्रीः वास्यादः श्रीः प्रकारः प्रवित्या हैयः योशीः श्रीः स्रोयाया कुर नती क्रुं सर्वत क्रीया तर्र सेवा या प्रीता रे निन्न वित्र से क्रुं या प्रीत र त्या से भ्रान्यायहेवाहेवादेवायम्यानम्याद्याद्यायम्याद्यायम्याद्यास्यानम् श्रीतः भ्री चित्रः यात्र राज्यश्रास्तरः नुः तथयायाः श्रीतः चत्रः वसः यात्राः यात्रः यात्रे विचाः विचाः

हेन कुति वनषाने न्योर व विषायया यी क्वा नयया येनि क्वी वाया १३वा व्रैभःपःकुरःदुःवःपवरःवेषायःभःपन्निपःत। पर्यमःभेदःदयःपर्यमःभेदःवःदक्षुरः য়ৢ৾৾৽ড়ৢ৾৴য়য়য়য়য়য়য়ঀঀঀ৽য়য়য়য়য়ঀ৻য়ৼৣয়য়য়ৼ৻য়য়৻য়ৣ৾য়য়য়য়য়য়ৣয়য়য়ৣ৾ৼ कुः भेरिया ने प्रविदार प्रतः के कि क्षेत्रीय भीदायया दीयाया प्रयासीय प्रविदाया प्रयासीय श्चित्र विन प्रवाद विन योग्यालेय प्रविद्य प्रवाद म्याद म्याद स्थाप में सी सारे ने प्रवाद में सी सारे ने प्रवाद श्रुवा तर्वो न या वन श्रेनि यावन ने युः लेवा धेन रुट तरे वाया रु तर्हेवा छो सुन नयू नया देःसूर्येभवार्डेवासुरा द्वावार्यंदायवार्डेवासुर बेरावादेःसूर्यं हैवा प्येतादुवा कैं ब्रेन 'नवीं राजे 'वा रूप त्या स्था स्था प्राची प्राची स्था प्राची स्था प्राची स्था प्राची स्था प्राची स्था यर शे क्रुं यश्चायम्बर्धायते प्येत् पृत्व उत्तर्भे तस्याया यात्रस्य प्येत्। प्येत्र सर्वेतः वः भ्रेवः द्वेवः क्वेः न्यः यदेः भ्रेयः चुः द्वययः धेव। देः वः नेः क्वें नः स्थापत्वायाया स्थापता <u> ३:ब्रेन्-नर्गेष्यः ने म</u> ने मुसस्यालया सामलुग्नाष्या स्टिन् मुस्याय दे लिया स्ट्रा अति रेट पश्चेय श्ची सुट शे श्ची स्वर पश्ची प्रवे য়ৢঀয়য়ৼয়য়ৢঀয়য়ৣঀয়ৣয়ৼয়য়ৼয়য়ড়য়ড়ঀৼয়য় देवे यस्य यनेश्वानित्रं व्ययाक्कृषाञ्च लिवा यो ५ त र ८ वालव वाहिश्वा गा व्यया विवा ति या विवर कुरि हेत्।व र्पेन्। ८ र र र र्के व र सर्वे व सूर्व र सूर्व सूर्व र सूर्व र स्वि र या व हिरा ना व र र र दिन इयानुदान्याराम्यायास्यात्वित्यायाने स्वरायसूत्रात्वात्राम्या केवा धीतायदा क्री यःभ्रःयान्त्रमुः द्वीतः क्वीः द्वरः देतेः क्षुः व्रंकातः दवः क्षेरः दुः क्षोः ख्रुरः चेरः क्षेवः व्यं व्यं व्य नम् नम् नम् निष्या निष् त्रवेथाने तकन्त्रविदार्थन्। अधीव याकेषानु रान्या माध्या विद्या द्वीया द्वीया केष वयाम्यायायाक्यः देन्द्रयायादे केव्याम्भः देवे वदः वयाने पक्षः स्वतः व्याप्ते प्रायदे । धीत लेखा यहें द्रापा सीत सी विटाद द रिंद हो राख्या ग्राट द्रापा यदि लेट त्र या द्रापा यस्रेवःतःर्यायदेःक्र्यायवुद्धायाः वात्राचि देवेःक्यायाःवहेषाःषारः चषाः वार्याः वयाः तर्गा विर्तत्रः श्रुवायात्रादे श्रीवया क्षीत्रः त्रुवा वार वावा वी क्षूत्रः वार हिवाया क्षीः नसूत्रायानलुग्रायाधीयलुग्रायाध्याक्ष्याचीयाक्ष्याचीयाक्ष्याचीयाचीयाचीयाचीया वर्ह्म्यराव्याक्त्रावक्ष्म् १३५ क्ष्याची स्थायकी न्यावर्ध्याक्ष्म्म्यरा क्रीक्तुः अर्द्वेदिः विदेश्वाद्वदः विदः दृदः क्रुः अर्द्वेदेश्वादेदः विद्याः स्थाः स्थाः विद्याः विद्याः स्थाः विद्याः यम् यास्य स्वाति । विष्य स्वाति । विष्य स्वाति । विष्य स्वाति । विष्य स्वाति । विषय स्वाति । विषय स्वाति । विषय म्रेक्षे,श्रास्यां,यर्थं,यक्षेरं,र्यां,म्राज्यायां वराष्ट्र, प्रशास्यायां श्रीतायां वर्षात्रायां वर्षात्रायां व रेवीं पर्का प्रेम वेंद्र ग्राम प्रमान केंद्र प्राप्त प्रमान केंद्र केंद्र प्रमान केंद्र केंद्र प्रमान केंद्र प्रमान केंद्र केंद्र प्रमान केंद्र केंद्र प्रमान केंद्र केंद्र प्रमान केंद्र केंद्र केंद्र प्रमान केंद्र केंद् ग्राम् क्षेत्रियान्यो यात्रियायाः भीतायायायायायायाः स्ट्रीत् विकासी विकासी

रैवा य उद य वह वाडेवा वीष केंवा । रे ह्यू र क्रेंद कें य गी वाडेवा वीषः र्केषा । डेर्स्यस्य। देःतदःदेसःदःव्हेतेःसेःसेंतदेतेःसःसंदःसेंद्धःसःवःपदःतदः विवार्थिवा वर्शे दे रेत्। राते स्वराह्मेत्र स्वराय वर्षा क्राया के व्यापित स्वराय त्यातः रेशः वरः श्वेंयाश्राः रेयाः यावशः वेशः यहें न 'न र्राः यावशः वेयाः यो। यावशः वेयाः यो। यावशः नुःवर्ह्मान्नैःसेन। नेःव्रुरःवर्ह्नाः ख्रान्त्रीः केनाः कुः सेनः नाः स्रोन्ने क्रिनः गशुम्रालेषानाईनिन्तुषान्यायदे र्केषारेन। ने प्यम्हिन् होन से से नियस्य प्रमायकन १९४ विषाप्रथा या प्रमेत् त्राप्त हेर् । चुः प्रस्तु पाया म्युया ११ स्था । यो ता चेरा प्रमेता विष् रैवा वाद्य ग्री सेट द्या प्रवट् द प्यट रेवा वाद्य दवाद रेवा के दि देव देव देव प्रवेत प्रवेत वि यन्येरावास्यावस्थान्देशावस्यायार्थेन्यायार्थेन्यायार्थेव। रेवानाव्या तवादःरेषःदर्भः भ्रीः वाद्येषः गाःषः स्वरं भ्रवाषः हो रुषः पदिः र्केषः ग्रीषः त्युषः योषायाः यक्षियानात्वाचरे स्त्रीत् स्त्रुच सुव सुव स्त्रुच रदावाबन यक्षियाना स्र व्याया वर्णे द वयःसूना नसूयः तुषान् हतः तुः योयः सनयः द्वीतः यः त्यायदेः क्रेयः येत्। दः यदः क्रैः वॅद्राया: पॅद्राक्कु: वॅर्ण्यट द्र्यायदि: केंब्रा प्येष्ठा वॅद्रावाच उद्गावदि: केंब्रा खूद्र छी: युवायोदायाकेंद्राक्षित्राक्षित्राचन्द्रवायुवाद्रव्यायोदा दःस्टाकेंद्रिःववाःहुःयेदः यदे द्यायदे के या प्रीत्या या व्यवसाय दे। वह सम्मीत स्रोदे देया या व्यवसायी सके या पुर शुरायाधित। वार्यायानानानानान्। नवीं यातर्ने नातन्ने निवासी स्वीं विवासी स्वीं विवास वयःहेन् कुःषोः पेन् स्रीः वेषः ग्रामः नम्यस्य स्रीः वर्नेन् वशुवः स्रावदः देशः नस्य स्रीः हेसः धेव। ने यस ग्राम् ज्ञम कुम ग्री सेसस मैंत में के त्वने धेव। तने धेन समावन है

वितानिर्में मुन्ति। मूर्यन्तर क्षेत्र नियाताया यार नियाम मध्ये प्राप्ति स्थापित यावर रेत्। नेया तः रहेत् यो वाया तः व व राया या वे विवा पीतः तुया नया यहैः केंगायर है है। या रेप्या की रेप्रे केंगा रेपरे प्रयाय या ने ना प्रयाय प्रयाय स्थान के निर्माण कर है । मुं.लूर्.ज.क्रूय्रायाययायास्त्रीयतास्त्रीत्यायः स्टर्धरायावयः रट.क्रुर्यावयः रट.क्रुर्यायः व्याप्तः विवारि वर्षीयः कुं पेर्नियम। केंब्र द्वित्रायाय रदः द्वेत् यीका रदः देवेत् यी प्रति वित्र विकार वाराया र रेः यात्रकुषा छेषा रे श्रुवा द्वषाया पीव। दे वर्षे राव विदार राय है साम हे केवा विदा विदःचन्द्रने देन दःवे वद्देरः वदे के विदः श्च्या वर्के विषय विषय विदः ने या बिट विट बेर नवें रापते कु सर्व दी। बेट क्रून ग्रीकें वा नट क्र्रेय वर्षा परे र्श्चेत् वित् ग्री युवायायुवयात्रयायम् । वित् ग्रीयायम् । वित् ग्रीयायम् । श्चायह्वा सुर्वाया ग्रीया बेट विट द्वार द्वार प्राप्त द्वार विट स्थ्राय ग्री के वा वार्ड विर व्याय विट स्थाय व यः धेवः ययः विदः श्रुवः डेयः चन्दः वः देवः ददः वर्षेयः श्रुः रेद। श्रुवः व्रेवः क्रेवः यदः र्म्यायायाष्ट्रियाची यद्युः स्वीयायायायद्युः स्वाप्ताद्युः स्वापायायः स्वीयाचायायः स्वीयाचायायः स्वीयाचायायः स्वीयाचायायः स्वीयाचायायः स्वीयाचायायः स्वीयाचायायः स्वीयाच्यायः स्वीयः स्वीयाच्यायः स्वीयायः स्वीयः स्वीयायः स्वीयः स्वियः स्वयः स्वीयः स्वयः स्वयः स्वयः स् बुषा: भेंदावा देंदा अदें दिरा दकी ओदार श्रुव सेवाया की दवीं दयाया दरा वसूत त्रया श्रूवायान्दरवियानदेकें वान्यवायोन्सुराययादि हैंवायायकेतर्ये में र्स्टिनस्त्रीर ষ্ট্রবা'ক্রী'র্কুম'র্মর্ব,'রামা ক্লুব'রবম'ঞ্জিই'নাম'রপ্রব্রীপ'র্মবমাঞ্জির্মুব म्बर्यायम्बर्यायम् । वित्रायम् । गर्वित र्कंट समा बेटमा सट में रालुमा करें रा प्राप्त मिन त्युट मास्य में बिन र्कंट रहुमा इ.च.च। श्रीयाञ्ची के कूचा याचा तर्मी च.थ.वर्ची च.घवा छे.चर्मी च.थी.च.था.च २.पर्ची च.शीरा दे'षद्र। द्वद्रासंबित्वाद्रदेशःशुवासेद्र। विःसावर्षेत्रःवसास्रात्रीः वर्त्वरा विश्वः हें हे वर्कर वीश्वः क्यूर व्याश्य स्था देशः व र्वार वी र्वार क्या

র্কুঅ'বর্ন্বির'বর্ম্যুদমার্বমার্ক্র'বা'বেই'র্কুঅ'বর্নির'বর্ম্বর্নার্ন্রমার'র ভ্রমার'র याश्चरार्द्रदानदेः श्चेत्रानहेत् त्रयायमेत् ये विद्राद्रद्राद्रयायो ये दाया स्रोत्राया स्रोत्राया स्रोत्राया स मी विवान सामने पाउन मुंची परिक्षुपिन सुपान। यने पाउन मुंची पायानगार यशक्ते ये विषाय प्रमेशयम् प्रयम् द्रयम् के स्थायके वृति है सातु वाय प्रमा के सा वर्डे ख़िते ज्ञुन्त न्या सूरा कें तिरीते सूर व तुव त्र राजीव वर्ड्याय दर सहस्र रु यरे.य.क्ष.रे.श्रीयश्रात्र्या शर्मुष.ग्रु.यं.रे.रे.रेत्या.श्रेर.तप्रधीयायश्चीर.ग्रु.श्रीयश्चर धेव वि रेत्। तिति वर वयात्र वयात्र रेता के वा व्यान हेव वया मञ्जून नयस्य पार्टी श्रेव प्यट कुव तर्देव क्रियाव तर्देव होन नयस्य य दर तर्दे सूत्र लिट सूत्र तर्देव या या सूर चुतः नविषा अविरान् अवाषा वर्षेषा सुष्टे चते विभाक्षा निष्ठ का वार्चिन केर्न् प्येत्। नार्वालिन श्रुवाय दे प्रमास्य अध्यानु र्रोत्य केत्र श्री मार्ची स्थेतः वर्वेदिः केंग्राविन् वर्ने सुराविन मुन्द रहेंग्रायकन् चित्र स्पेन् या वर्ने चन्द्र न्वेत्रायदेः कुः सर्वतः प्यदः वीदः चनदः सुरः सः ददैः हैवा सः यः केवः येदिः केवः द्रः राषा वादवः सः तर्ने नक्कुन्याका अति क्क्षेर विवानी सानते केंग्य कक्कुन्त विक्रें माणे वायरेना नेते स्रवियार्टे साने होते र केता स्रीट विया धीताता विति हैता स्वता स्रीता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता য়ৣ৾৾৽য়ূ৾৾য়৻৻য়ৣ৾৾৽য়৵য়৾৵৻ঈ৾ৼ৵৻য়ৣ৾য়ঀ৴৾৽ড়ৄৼ৾৻য়৾ৼয়ৼ৻য়ড়ৣ৾ৼ৻৴ৼ৻য়ঽ৵৻য়৻ড়ৡ৾৾য়৾৻ तर्वे निर्देशम्बिमिष्ठेशम्बिम्भवरायायोन् व्यवसायोन्य। दिन्मुन्याष्ठ्रयसायोत् चैर्यात्रयाः वीर व्या चिर्या पर्विर प्रतु र्द्या पर्वेषा प्रया व्या विष् देॱ**८८: भ्रु**मा अट ये की तर्वोर पर श्लेट रुषा भेंद्र के के विषय शुष्ठा विषय की विषय हो विषय है। तर्देन क्षे केंग विद्युत्तर प्रमुद्य प्रमुद्या विद्युत्तर विद्युत्त विद्युत्तर विद्युत्तर विद्युत्तर विद्युत्तर विद्युत्त युर मी क्वें निविश्वेर निविश्येर हो। देव क्रयम मुख्य प्रदेनका निहें र या क्षेत्रा मी। र्क्षी । शुवाय द्यावाय द सुव्यवाय द्या स्वाय ग्री स्वी । द्यीवाय प्राप्त से वार्डवा हिट त्रह्में व प्रेन् क्षेत्र व विषय प्रवेश के विषय के यायर क्याय त्र वी क्षेत्र वि से ने क्याय क्षेत्र वा व्यय कर त्य क्र न्यों या प्यया देः पर द्वेः क्वयः य लेवा वीषा कें वा त्वदेव य दे व्या अपूर क यम द य रेद त्वर् वा डेबान्नेरत्तर्वान्नेरप्परा। धुँवाबास्त्ररस्त्रद्वान्ववार्वे हेखान्नेरप्वयास्त्रु विवा हेन होन ये छन ने सम्याप्तर हारा ना विद्या हेन हो न में न यहूँ माने सही न विद्या यममः पर्वः विवासः रेनः तन् वा ने स्परः भ्रावेसः में में हिन हो भ्राप्तः केसः ठतः हवा या श्री: खुः वा हिया वाया वादा वा चोदा वा वादा वा शुरु। खुदी रहः । वादा वा शुरु। खुदी रहः । प्रवित्। र्सून् प्रवुन् न्या प्रति न्यीय प्रवित्। सूर्य प्रवित्र वित्र व यानन्यायाल्याक्षीः शक्षुन्यासुन्यायाः स्त्रीन् कानवन् सुन्यकन् सुन्यन्यायाः याक्षासून्यः चुर्यात्रकरा देव ग्राम देव स्थान नामा नामा नियान ने हो लेया है यदिः द्विया वर्षेत्र याने हेत् प्रयाय वित्र या स्थित वर्षेत्र वर्षेत्र यहेन स्थित स्था यायर स्वाया खुर वी क्षे प्रले हैं प्रले स्पाया वाव द द क्षेत्र प्राले वा त्यया द र से प्रया या रेद

यह। वितर्देव रेतर्देव दुष बोबाब ने वा वाहर हे डि. डिंबा खूवा यह किया हे वा देव इब ब्रेन नर्गेषा यन्र स्वने स्वन्त ख्री क्रु स्वले सङ्घ्र स्थित ख्री क्रु स्वले ने यार प्रिव लेव। हेव कुर्चित्राया क्रिव प्रिव प्रिव प्रिव प्रिव विषय होता विषय प्रिव प्रिव प्राप्त प्रिव प्राप्त प्र प्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र ब्रिन्डमामी में व्याप्येन् देश में ना न्यामित माने प्रमान माने माने विद्यान माने प्रमान माने प्रमान माने प्रमान विनेयमाध्येत्रायम् विनेत्रुरक्तियावर्षेत्रायान्दारे स्रीतायने स्रीतावर्षेत्रायान्दा ने स्रीव प्यट क्रुव र र पने पा उव की लिट प्रमाय पा र र ने दि मार्ड में स्वर्ग व में दिन र पमा स्रोत वर्विर: न्दः चड्यायाच्या व्ययाक्षे प्येन् देरः नुषः क्रुवः यरः म्यवायविष्यः नविष्यः यरेन्। ने पर्ने प उत्र थ क्रु प्रति कु प्रत में प्रीता विषय पार्ने या प्राप्त प्रीत कि की कि ययवायाञ्चीयाञ्चराधिवाही हेव कुं चिवाया क्रिका लेखाय दे खें या दिया धिवाय परि অমা ক্রুক্রিবাম নমবাম স্থ্রীন স্থ্রুদ : তার অক্রেবাম নমবাম স্থ্রীন স্থ্রুদ : বী বার্ড নি স্থা र्वेश'तत्तुरा'स्'नवश्वाश क्रुं'ने'पीद'हे'ग्रायर'स्याश ग्रीसुर'यरा'पीद्या नश्याश श्चरः मी मानदः प्यतः व्यमः पद्तः यः प्येतः तः देः प्यदः देते विद्रश्चः शुः तद्। देः हे स्वरः हो दः न्वीं अपन् रेअपन् केंद्रिकें अधिन श्री वर ने व वार्कीं विष्णे व प्रश्ने अप्यापनि व व व निर्देश यर्क्षियः पर्वे। हेत् कुं च्रेयियायया च्रेयिया च्रिय्या हित्र स्वया हिता स्वया प्रस्ति । ५५:त्रमः मुन्द्री भुवयाय में या विष्य मुन्द्रिय में मुन्द्रिय में स्थान में यश्चेत्रपादे प्यत्त्वसात्व्रत्वेत् व्यत्वस्य वार्डे चि वार्डवा प्यवा दे प्यतः हे स्वयं वस्त र्दिटा विषया हेर्न क्रुं में विषया क्रेन थ्या क्रेन क्रेन थ्या ह्या विषया क्रिया विषया विषादित्यम्भिरायषायत्ये। वैवाषायरम् क्षुः वर्षेत् त्रयषानिवा वर्षायापार्योषा

ने भू नुति क्वेत त्या सँग्राया सेर्म्य स्वीत क्वेत क्वेत क्वेत क्वेत स्वीत क्वेत क्व यर श्रीय वश्रश १८ में श्रास्था श्रीय ग्री में त्यार हिता पति श्री र श्री यःविर्-छेयःग्रीश्रेश्रश्रान्यः। क्रेंट्-छेन्-ग्रीःश्रुःच। यन्याःश्रेन्-हेर्गश्रायदेःश्रेशःस्यः याशुक्षात्याञ्चयाः प्येन् त्याने व्यान्त्रित्त व्यान्त्रित्त विष्यान्त्रित्त विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्त्रित्ते विष्यान्ति विष्यान्ति विष्यान्ति विष्यान्ति विषयान्ति विष्यान्ति विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयानि विषयान्ति विषयानि व चिर-किय-ग्री-भ्रममान्त्रमा चिर-किय-ग्री-भ्रममान्यमाने प्यर-क्षेत्र-हेर्य-प्रदेव-दर्ग्य-यलेगाये तत्र्या ५८ ये प्रमायवाद ये त्रात्र व्याप्त के वा विष् रेन्द्रियः कुरेन्। केंग्रायगुपाय केंद्वीया श्रीन्याया वना नेषाय केंद्राय या ग्रीया कें तर्दी त्या यदा कें तर्वेद व्यवा विष्टे द्वाद खदा कुदा हु क्षावा यदा द्वाद कि षदःतवादःरेषान्वषयःयरः नदे नः उदः वः षोः श्चीः नवीं वः षयः वदः यर् वाद्रान्यवः रे.ज.श्चेंर.जमायध्यायभ्यात्रश्चमात्रश्चमात्रायमात्रायमात्रीत्रमात्राचेना व्यापारास्त्रीया यमयामाञ्चीतः श्रुदः कीमायद्दा क्रममायोवः मावदः दुःश्चीव। श्रेवः त्यमास्मायः न्यायमामर्कममञ्जूराम् विराविसमाम्बनायमाम्बनान्यायस्यान्यायस्य योदःश्चीःस्वयायाध्येदःह। सुमायाश्चीःदेदः चेदःययास्वयायद्वायः वृद्धः। वियायदेदः वित भें न प्रमा वने व उत्तर्भुष्ठात व्या उति हुँ र नु भ्रुका य प्रमा विवास भित्र श्रेयश्चरम्याः स्रोदः यदे वा स्रुद्धः स्रोत् वा प्यान्तः । प्यान्तः स्रोत् वा प्यान्तः स्रोत् । प्यान्तः स्रोत ववीत्र यदे लिट विस्रास्त्र स्रासास्य स्रासास्य स्रास्त्र हें प्यान विद्या होते । विद्या प्रास्त्र स्रास्त्र स् यः भेतः तः त्वेदः विश्वश्रादे द्वाः पृः क्षुः यः ददः याचिताः यः भेता विश्वः विश्वेतः क्षुः विश्वेत्र स्वादे विश्वेतः विश बिर विश्वस्य परे प्राप्त विर विश्वस्य सर रेवि परे क्रीन रेवि स्वार्श्वेन स्वार्थस्य र्द्भेष्वायायादिस्यार्थेन् याष्पराचने चाउन्याधेन् ययान्दार्थेन् सुञ्जे चत्राव्यायादवन् न्वीया ने यः भ्रीयान ध्रीराविरानराव द्यायान्याव रावने वर्ष स्वाप्यस्था सराधी ब्रिट से दर्वे रायासास स्रोति यो स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वा ૹ૾ૼૼૹૢૢ૾ૺ૽૽૽ૡઽ૾ૺ૽૽ૹૹઽૹૹૢ૾ૹૹૹૢઌ૽૽ૹ૽૽ૼઌૹ૱ૢૢ૽ૢૢ૽ૡ૽ૺૡૢૡૢૡ૽ઌ૽૽૽૱૱ૡૢ૽ૡ૽ૻૢ૽૱૽ૺ वक्ष्याः योदा ध्रेषः प्रदास्ति वेष्ट्रा र क्ष्या वर्देदः क्ष्यायः श्रेवाशास्त्रों ताः व्याप्ति । वायवाः श्रेति वाश्रुसासी प्राप्ता विषयाः श्रेति वाश्रुसासी प्राप्ता विषयाः श्रे वययविष्यात्र्याः विष्यत्र विषय तर्वे अः कुः वे विषयः वे विषये विषयः यत्त्र्यायहें द्रायकें द्रायत्या चीदा कुर्वेषायायाया के प्रया द्राया विद्राय के द्राय के द्राया विद्राय के द्राया विद्राय के द्राया विद्राय के द्राय के द्राया विद्राय के द्राय के द्रा क्रूयायायययायात्वेदादेशयात्रात्वेयात्रीक्ष्यायाङ्ग्यायाच्ययाचीदादव्या क्रूयाया गर्रेशरे हेंग्राश्वत्रार्वित यार हैंश प्रमुत् ह्यू। होत हुं तदेते शेर या हेंश प्रहेंश प्रहेंश बेरा रःक्रेंबायदीः वयाकेंबारा लीवायर्डवाया र्ख्याकार्त्यः कर्णा वदीवे वरायाल्यायार्व्यः वितः पेर्नः वर्ष्याः भीतः वर्षाः वर्ष त्रदःचते वर वर्षा भे त्रदःच भेषा योषा भोषा भेषेर चित्र क्षेत्र त्या श्लोच षा भीषा । प्राप्त यर्ट, पर्लुष. यु. चीर्या प्रमी. क. प्रमी. चू. यूष. प्रेर. प्रमी. क. प्रमीर. छ. प्रमी. पर्रुय यो पर्या चीर्या चीर्य क्र्यार्ट्यायश्चित्रकृतिःश्चेंवायात्यायन्दायश्चिताःश्चे। नवोःश्चित्रःश्चेवाःश्चरः रेःश्चेनःश्चरः बिया प्रीय व प्युता खुर ही खुर ही रेन वया कें तर्ने या यने बिर धु या सुन या वर्षे श्रुः बैदः कुः भेर्। देवैः वदः स्वायः देशः कः वावदः द्वाः यः वेषयः दयः व्याः सेरः दा

व्ययः उर् पर् वर्षः श्रीर वर्षः श्रीर वर्षः श्रीते वर्षे वर्षः वर्षे वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः स्ति वर्षः वर्षः रेका क्रीलिट स्रुच छेत पहुः चारका यदी त्या दे स्टिस्ट क्रेंका या प्राहे त्या तकी प्रसुद दियो तर्तु स्वतः प्रस्ने स्वगुरः स्युवा से प्रशासितः स्वतः । र से व जारः व वा से राया र विभार्यर क्षेत्रायम् बिर श्चितायद्वार श्चितायद्वा श्चितायद्वा श्चितायद्वा श्चितायद्वा श्चितायद्वा श्चितायद्वा विंद्रिकें अक्षर देत्। द्वेंद्रिकेद क्षेत्र अकेद व्याप्त विंद्रिक म्बार्या भी स्वयः इतः विषाः प्रवः विषाः प्रवः विषाः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवः प्रवः विषाः प्रवः विषाः प्रवः महिकाक्षेत्रम् वात्रम् से नामान्यस्य स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स ન ક્રેન કે સાખન કેન વાર વાસર્કેન ન રે વિન વાસ વેર ક્રેન ક્રેન ક્રન ક્રમ ક્રો સર र्देवायायदी: दर वाडिवा योग्ययावाडिवा या प्येद यदी ह्यु कुया रे या हेवा या या अवया वाहर रेषातर्केषायानित्रयाने रेटाकेषायानर्जे ख्रात्रयान्त्री नत्तु स्ट्रे क्षेत्र नरु त्यायह्याया ह्र्यायायप्रदेश्यक्र्यायाक्षीत्री देशह्र्यायात्रीयात्रीयायायात्रीयात्रीया क्रूरालेब चेराय लेवा रूप वो चुरा दे सेब से लेवा वालब क्रीय ग्रार ने स्थूर प्रयास वर्षेत् भेर्पन्त वरा ने वर्षा के वोष्य वर्षेत्र भेर्ता वेत्र स्थान वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वटानुःश्रीः यदार्थेन् विः देन्। विश्वास्य सुंदान्ययायाः श्रीः विश्वास्य सुराष्ट्रयायायाः उद्देशित्रम्याः क्रुवित्राः निः सून् । स्वेताः स्वेत्राः निया स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स यया भ्री मा प्रमुद्धे भ्री या या यय या यवित । या वित से स्मित स्मित स्मित स्मित स्मित स्मित स्मित स्मित स्मित स पर्च. बर. ब्रीयार्टर या की जा क्या या अ. की स्था की या कि स्था या वि स्था या यान्यक्तिका ययायान्यक्तिमात्रस्याच्या श्चुन:ग्री:क्रु:पीष:नगतःरय:पीन:बे:बा:रेन। ने:केंक्टि:कुट:पीव। गय:हे:ब्रेन: श्चै'भीयानर्थेन् त्रययायानयम्यायायायान्यन्यायान्। सुयास्ने नास्चे विनास्ची र्देशियङगार्सेन्। रदार्सेशासाग्रिम्सायसुर्द्वातुसाद्वार्यस्यादेन्यार्धेन्सेन् व्ययमान्द्रम् क्षेत्रम् व्यायात्रम् व्यायाहिताया शास्त्रम् स्यास्यान् । विराद्यम् स्यास्यान् । विराद्यम् स्यास हेरायायरायायायार्वेदा ५ रेरायङ्का घरावीयायेस्यायञ्जीदावत्सायकेदासेदार्थे ब्रेट्र अपुर्वा प्राप्त हिन्तु का विकास के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स लयः ग्रम्थः स्ट्रिन् स्वम् अरः भेरत्रेज्ञायात् । तर्ने मसूत्रः भारते अययः उतः श्चीरेत् श्चीः रेयः में विषा धिवा दे सु तु विषा यदी र यर्केषा या कु में या करे मर्थे द वस्तर में दा यर सूरे जु. हुं या या प्राप्त कुं वे त्राप्त प्राप्त की या की प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प पश्चितःश्वरः। विराद्धश्चार्श्वयात्रात्वात्वात्वेतः स्वतात्वात्वत्वत्वत्वत्वत्वत्वत्वत्वत्वतः स्वति । पञ्चितः श्वरः। विराद्धश्चार्थाः स्वति । स्वति वुःचःचङ्क्ष्रचर्यः हे वेदःबुदः द्विष्ण्यः यः केव्यः क्षेड्येवः यो लेषाः सुरः वेव्यः देः सुरः वेरः चलेवः र्थेन्। पैत्रत्यपराद्यावरायराष्ट्रश्चेयात्रत्वावर। यदायरावेन्यावयावी म्बाराक्ष्यायाम्बर्यायदी द्रवासूरायदाद्यीयावयायदेशायते स्त्रीत यद्वा लुवासे । वर्तः वार्रे विष्वसूत्रः प्रदानिविद्याते देवा केता व्यावसूत्र कुरोता वर्के वार्षा वार्रे विदेश वार्षा नसूत्र या योग्रया उत् द्युँदि देया में प्येत यया देया यया नसूत्र केंग दर्रेया दर्रेया या प्र देः पर देर यर वी तर्वे त्युवाय द्वया वया यर्वे व विवा वया या या येवा हेवाया केवा र्कर वी द्वीत या पर्देश विवा डेश ने र हेरि से द से द यशः श्रेंद्र दुशः सुः चचराः

दुषः रदः रदः वी वर्देदः श्रेषः श्री विवा दयः वर्षे वाषः विवायः वी दुषः वी दि विवायः रदःरदःश्रीश्रीतःरदःद्वीवःवदःवःभ्रीदःयःप्रयाःग्रदःख्रुवाःप्रथयाःश्रीकाःरदःश्रीवाःरदः मीयायशुरायादरा यमायारे दानुरादारे स्थायम् स्थायम् स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य र्ट्यावेयास्त्रीत् स्त्रीत् स्त्री सर्वे यातस्य स्त्रीयाः स्त्रीयाः स्त्रीयाः स्त्रीयाः स्त्राये स्त्रीयाः स्त पवतः भराये वाषा स्तर्भात्र विष्या स्तर्भात्र वाषा स्वर्था स्वर्धा स्वरंभी स्वर वयार्वर न भीव मासुरयास्रावद भरासर से बुद्र सेरा याक प्रवीद हो तवात रेया कःचक्कितः याचुदः लेषाः भीः कदः त्वायदः राभ्येदः बः भयदः लेषाः केदिः याः रेदः व्येदि। यादिरः वः বিবি: শ্বন্ আইবা আবেদ আইন ব ই ব্রিদ্ অর্ক্রম্য এমা ঠান্দ নম্ভূব আ প্রথমের श्चित्र कः प्येत कुं चेदाया वनदात राद्य वार्ष्य वार्ष्य विषय हिता वार्ष्य विषय हिता वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वा ८८.पश्यात्रपृष्टी २.त्र.त्यमायायात्रपृष्ट्याम् ४.त्रह्याम् ४.त्रह्याम् ४.त्रह्याम् कुंदे क्केंद्र यया तरेवया रे क्षेत्र क्षेत्र प्रवाप्तया द्रया निया वीया यदा र द द्रया क्केंद्र या रे यः बोदः यदेः देविदः ष्ठाः व्युद्धिः बदः गविः वदः क्षुषाः येद। देः श्लू रः व्युदः द्विदः प्राप्ते वदः व स्यानकुः ख्रेषाची द्वी तद्व या सूर्य ख्रापति ख्रातिषा स्राप्त स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स तदेति से त्या सर्वेद वा तर्वेद साद्येष प्रशेद वस्य क्षेत्र स्याप दिन स्थित वा वर्ते भू तृते द्वो वर्त्त पते वर्त्त केविषा बेर्या रेरा यहवा त्रा रामी सेयाया ग्रीया श्चात्रा दवःश्रॅटःचीःश्चेःश्चेंःचेट्यःरेविंवाःनवाःनवाःरेट्ययया वद्गेःयहवः यावर या मा मा या केया चे पर्वे व्याचे कर में या या केया चे या विष्या विषय । या विषय । श्रेदे प्रबर र्द्र प्रमानिता या क्रुदे क्रिं प्रहें मा श्रुप्त या श्रुप्त वर्षे वस्रयान्त्रेत् सर् स्रोत् या लेवा प्रकुष्ठ सुवान्तर त्येत् के सुवा स्रेत् या ते। स्रुत्यूसा पुरे त्यसा गाः स्टरः स्टरः विवादरः यहे यववाद्या वार्यरः ववावी दो विरयम् अस्त्रियाय

रमान्यानी मुमानामर्मित्रम् नम्यानम् न्यान्यम् । यान्याना वेषायदे षार्केन्या श्रेवषानुषा वाकन्य हेराकेषाञ्जवा कन्यापीवा ने के श्रीया यहरायम् प्राप्ते वर्षेत्र रहे सुर्थे या अर्देन् व सुर्थे मलुरा या वर्षेत्र र कृष्यान् नरानु न्यान्यविरानुसान्यान्यविरान्यात्याः विराधियाः तुषाचेराळॅटासुरुटाख्या ञ्चायळेट्रातुषायो केंगायाच्या न्यायाळेषा यान्गाराम्बाद्यान्त्रान्त्राः भेषात्राः प्राप्ताः न्यात्राः स्वाप्ताः स्वापताः सर्केन्यः सैसः रेवायः चुर्या वर्वेयः वाद्यः सम्मायर सावता वार्येयः ले योश्याद्यायश्चीतात्राप्तराष्ट्रात्यायाञ्चत्रयात्रेत्र की प्रवी सावदात्र प्रवी की विश्वास पर्कूर्यावयाः श्रुर्याययाः यक्कियः स्त्रीत् । द्रयाः क्कियः द्रश्रुः देयः द्रेयः द्रयः श्रुरः स्वराक्षायः स्वर यद्यात्रम् वर्षेत्रः वर्षेत्रः द्यादः देवः ध्येत्। ब्रिट् इस्रव्यः श्रीकः द्योः वर्षः यदेः यदः य यद्यान्त्रः श्रीः व्यवस्थान्य स्थान्य स ५८। ग्राब्यायर देशयायर १८८ म् क्यायर मार्गिया विद्यापार है के बिर्माया स्वर विवायाक्रेय ये प्रिन्यया ने त्य हिन यम स्वावय स्वेना नवी तन्त्र तन् प्रति बिट⁻याने'नर्येन्'न्य्ययान्यम्यायायायान्यस्य प्राप्तेन्यस्य न्याने याहिकागादिः द्वातः धितः यादेत्। नयो त्यत्तु यादे द्यो राज्ञ वादे वाद्या वादे वाद्या वादे वाद्या वादे वाद्या वादे वाद्या व वस्रसार्थनायानुनाधिकायायेन्। ब्रायास्रेयाचा नर्गीयास्नाधीस्रीनानीः शुःची प्येता विकादमान वस्याद श्रेमि सम्मित्र विकासक ৼ৾য়৾৽য়ৢ৾য়য়ৢ৾য়ড়৾য়ড়৾ড়য়য়য়ড়ড়৾ড়৾য়য়য়ড়ঢ়য়য়য়য় लैयाः यीषा नर्गोरः कुः उतेः यारः त्रश्रुरः तः नुश्रुव्यः नतिः कुः रेरः याने निः प्येता वियायः

लेग'मीर्थ'न्भेव'यदे कुं'न्र'न्यो'तर्व 'यदे बर्थ'य'त्यम्। रुट कुं उव लेग'महव वर्थ श्रेव। द्वीव पति त्यवा वया देवा प्रवा प्राप्त सहित प्राप्ती हिन् देवा वीया स्वा वीया न्वायःदेश। नेःवर्शन्वीरःधुःदेःविवाःवः वीःवःवःयः सन्नान्वान्वयः दशः हनेनः वुरुप्यरुप्तवादः स्त्री श्रेंना वार्डेन् मृत्दर्बना वी स्थिना या वार्डना यु लिना प्येता व निषे तर्व स्थाय विषय श्रिन मस्या गर्डे र सदी तहीय दिहें व ही निष् सर्देरव ने ने न न सून ने स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत वयानञ्चनः क्रॅंरानः क्रेंययः श्रीयानः विर्णिः नोः विनान्दरः ननोः वनुवावनुवादाः कर्मायाः क्रेंदाययाः हुःसरा नवेविःगलुरःसराने नवेवःस्वेवःस्वेवःस्व हिन्यरानुः हेवः इस्यायस्यान्नः यह्र्य व्यापान्त्री प्रत्येत्र क्रुं ने के विवाह योग्यायया प्रयाह्रेया सुधी प्रताहेता प्रति । नेति तर्धेर प्रज्ञ वर नी क्षेत्र श्रीत श्रीत श्रीत स्राम्य मान न निर्देश स्वत प्रदास यदःक्वयाकेत्र त्वेषा वसूदः द्याञ्चेषा यात्रा स्वाप्त वाकेद् हेव दगार ये त्या दर्शे पीः बोद्दार्भ हें के प्रवासिक वर्षे देश वर्षे प्रवासिक वर्षे वर् व्य.धिर.च.क्रेच.लुष्ट.चर.वच.क्रें.पुरा ट्रे.पुर्स्च.च्याक्षेत्राक् र्धुवायात्रयायेत्रयायात्रावदार्के वात्रर्के तार्ख्वे राक्कु ध्येदान्ने रायावदायदायदाये द्वारी हिंदी। ह्येंद्रा देखें केंद्र संदर्भ विवादा बन से बुर्भ दर्भ हेश सर वर्भ दक्कु पेंद्र या बेद देंद्रा देवसायदार्क्वमार्यदायात्रदेविक्षेत्रायात्रसायाप्येन्यविद्वेपिक्राया मुद्रायान्त्रेन् विषयार्थेन् न्दरायनार्थे प्रदेश में मेर्यान्येना मुद्राययार्थेना स्वराया

खो क्रेन्याक्षेत्रायदे:क्रेंब्याद्वेन्य्यी:ब्रक्ययाःक्वेंन्यलयःवान्यया

है: ब्रेन्-र्-रु, यावयः ग्रुनः ग्रुक्षा क्षेत्रः येथा ग्रुः यान्-रेयः सेः युक्षः वेनिः यः वदी विंक्षेत्रम्नद्वयार्वदायदार्थाः वियाया । १५ देयावद्वायेदाकेर्ययार्थेदा याहेबःश्चेदिः दरः। । वश्चेदः तस्यासः वर्देदः विविविदेशः श्चेशः । सी द्वोः सी । रुटः सर्वस्य स्थाने स्थ याश्रद्भायते श्रुप्त सुर्वे स्वाया श्री स्वाप्ता यो या तर्वे त्व सुर स्वे। प्रदेश से अपने स्वाप्त स्वाप्त स्वाप ৾য়৾৾য়৺৻৻ৼ৾ঢ়ৢ৻ড়ৢ৵৻য়ৢ৻য়ৼয়৻য়৵৻ৼ৾৴য়৻ড়ৢ৵৻য়৻ড়য়৻ড়য়৻য়৻য়ঢ়ৢঢ়৻য়য়ৣঢ়৻য়য়ৢঢ়৻য়য়৻ঢ়ৼ*৻* वयारेविवादा वेवादगादावदे केंद्राचाववा कुरेदादगादावदे वदावी द्रोवि वे प्योत त्रम्यस्वरम् मेर्ना स्रेस्वरम् वर्षात्रस्य स्वर्भात्रे स्वर्भावा विकामस्रस्य व ষ্ক্রী'ব'র্ষ্ট্র'ঝ'ঝ'বার্ঝ'র্ম'র'র্জ্ব'ব্র'র্র্বা'র্ঝ'ঝেম'ন্ট'বমবাঝ'র্ঝ'রেইম'বম'র্ন্বি'র্র্ঝ' नेयातव्यययार्यालेयानात्वयायीयात्रेयात्र्यंत्रम्यार्येत् कुरत्ते। तुयातत्यायती धुँचार्यायायस्यार्स्त्रे चित्रम् वाराव्यार्धेम् द्वीः धेवासावेयासाम् इयास्प्रम्या ययायम्बायायीर प्रध्नाया विवाद्ययात्रा यदी वार्वे राखेयाया सुवास्त्र या द्यःयः वेजाः यदेः वयाः विजाः वः सूजाः रुषः केः व्युजायः वः वसूष्यः व । प्रस्थाः वदेः वदः वयाधिरावाकोधिवावययाक्कुलिवान्दा वर्नेनलेवान्दाकोरास्राकेत्युवाया विवानी क्रुंच प्रत्या यह येवाय हेय ह्यर दें र ही वाव ह से विया ॔ॴॱॸॺॊ॔ॺॱक़ॕॱॾॣऻॸॱॻॖऀॱय़ॸ॔ॸॱक़ॗॺऻॱॸ॔ॸॱॶढ़ॱॸऀॸॱॺऻॸॖॺॱॿॖऀॱॻॸ॓ॱॻक़ॕॱॺॗऀॱॴ*ॸ*ॱय़ॺॱय़य़॓ॱक़ॕॺॱ स्रवादिवादरावितास्वात्रेवास्वात्राच्या रहास्रीतायास्रम् स्रवादेवास्य न्वादः कुंदि-कें प्रियाः युः यापीवः न्दः तदः व। यदः यक्वययः रे श्चीनः नुषः न्वादः नुषः ८८ क्रुट् के देर में पेट्र पायु लेगाय कुट बट्र पद्भाग को पीत्र त प्रथम क्रु ५८। ५८। यदे हें शर्र व्याप्त हें श्रेष्ट्र विषय है हैं विषय विषय है। श्चे पः र्ह्येदः सः श्रेः सुर्यः र्ह्ययः सूर्वः रहेतः रहेतः द्वयः देतेः स्नूपयः सुः पर्यदः द्वययः यादः यः यार त्रक्यारे त्रयायाया श्रीं र पाओ प्येष व प्रयास श्रीं भू पु पु पूर्व प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप् लट.रेग्र्य.री.चर्चेष.त.४म.रेम.रेभर.पंट.४म.स.चयु.सेचम्य.ता.पीट.ह्येम.ग्री.चर्चेष.ता. यहूर्य क्रियः स्रोता चार्र र स्वर क्रिय हें तर्र हें त्या चारे सारी हिर्द ह्या करिय ही हो हो ती सार येव हें[र न अ व द क्रेंव या अ क्या दवा रे वेन या या ओ धेव नयय या कु दे सूर धेव। सर्देर्द्वाक्षेर्भ्वासाम् द्वसायदेरादेर्द्यास्य मेश्रासासासेत्। यदेवः विष्यस्त्रिम् विस्तर्भे स्वापन्यस्य विस्तर्भात्रास्त्रस्त्रस्य । निम्म विस्तर्भात्रस्य म् रेग्र में म्यान स्वर्थ निया में स्वर्थ निया तर्वा वेट के क्या पेट की सेया विषया सुर या है। रुय द सुर वरे द्वार दु वुरात्राक्षे के तदिते देट सुट में केंद्र के कंट्रा लेवा प्येत्र क्षे के प्यय क्षा राज्या श्रेषाः वीषाः देः त्वायः प्यत्ये अर्थेतः। त्राप्यत् दः त्रुषः ग्राप्तः श्रेषे वाद्यः विष्यः वयास्त्रीयरस्त्रीराहे। षास्रीन्द्रन्द्रवास्त्रीयास्त्रीय म्यायदास्यायस्या तर्ने त्यरान्त्रीय द्यादासूर्य यय सामुद्रा क्षेत्र त्यर स्वेत् यदय। न्वातः वेदः क्रुन् वेदः वाहेषः गाः योन् धरा यावेदिः क्रुव्ये ववाः वैवाषः यो विन्दः यदः स्त्रीयः स्वरः स्वेयः यः यः स्त्रा देशः स्वयः स्त्रेयः स्वरः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स् कुः भेंद्र प्रदेश्वेंद्र प्रयास क्षेत्रा रदः समें रदः मीर्याम भेंग्या है। दः रेतुः रेतेः वदःवयाधीकें हेर्गयावया वी नदे हेर्गयायायददः यानकुनः परा है याकः रेशः तुषाः केँद्रावर्श्वाः वीः व्योद्रायः येद्रा वेद्वाः स्वर्त्वः याद्रवाः विकासीयः कार्योदः कार्योदः येद्रा तकः यन्याः वीः यशुः सः स्यान्याः नेः सीः नेषाः विषाः वीषाः स्याः सोनः त्वीः यः निषाः पीनः सः सः रेना ने वया श्वीया वाराय व्यविष्या विषया व नुषायार्वेदषायायायषयार्त्तेचान्द्रम् वारावर्त्तेन्द्रम् वर्त्तेचार्वेदे वान्द्रम् वर्त्तेवार्वेदे वान्द्रम् विवार्वेदे दे। यमाग्रीक्रुम्दे कुर्वेदे मालुम्द्रम्यद्र। ।यमाक्रुम्कुग्रूम्ययाद्याप्या वर्ज्जेव विश्वाम्युर्यायाधेवायया कुःसूःशुरायामाहनःवयाकुन्याकुःने। यानने न्वा स्टार्यं प्रतानित्रीया वा वा स्टार्थं हैया सुरत्वर द्यार वे विषया कुः बुः क्रोत्रायः क्रुवा पर्वे वा तर्व्वा प्रवास्य वा स्वीतः वे वा स्वीतः स्वी यन्नेन्द्रत्द्रवर्ष्ययाश्चीत्तुरःषीयादेद्वयादर्वे यरः द्युषाद्याद्यायाया नेना ग्रिक हेते सुरानु तहेवाय रुट वीय सूत्र क्या वस्य हे तर्वे रुया न्यर वी वाहन श्रे विवा वार व स्पेन ने स्पेन या आरोता स्वर प्रक्ते या श्री ह्व न ह्या तर्वा महेर हुँ र दर्। विषयम्बर्धर या है। वी वया द्वार ये दे दे विषय दे यःइब्राधीःबेश्यायः इद्यायब्राध्याः छ्वाः छ्वाः छ्वाः छ्वाः छ्वाः छ्वाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्ष

तवादः रे: न्वा: रु: प्रचुरः। दे: त्यः श्रेश्रश्यः न्वा: प्रचुशः न्वा: तर्वादः रे: प्रचुशः न्वाः तर्वादः रे: प्रचुशः न्वाः तर्वादः रे: प्रचुशः न्वाः तर्वादः रे: प्रचुशः न्वाः व्यादः रे: प्रचुशः रे: प्रचुशः रे: प्रचुशः व्यादः रे: प्रचुशः र गर्हेर विया होता वनाव रेगा हेर श्रेन अप्त सुन सुरा दे यो न अप्त दाना हेबादास्त्राच्याम्बर्गाहेदास्त्रीत्। वियाच्यायास्त्रीत्रावादान्यान्। स्त्राचेदायाद्वादायान्। स्त्राचेत्राः र्दायक्ष्रयायो द्वारा विषया विषय र्क्रेण्यायाः से प्रस्ति व्यवस्थाः स्थ्रीत् स्थ्रार्क्रेण्यायद्वात्तरः से प्रस्ति व्यवस्थ्यायाः से प्रस्ति स्थ यमः यम् विष्यं म्या वास्त्रास्य यास्य व्यास्य व्यास्य विषयः व्यास्य विषयः विषय नवना चैत्र सेन् कुः धैः नाहेरः सासूः तुषानह्युषात्र सार्यने सूरान्येरातः ह्युति साधारः ৰ্মান্ত্ৰামানুগৰি মঠিলালী প্ৰুবামাই শ্ৰীৰ ক্লবমান্তী ইনি প্ৰিবান্ত্ৰন শ্ৰন্ উবা মীমমাথে ধিল क्रॅब्राचर्यायाच्यां च्याच्याची का स्वताचु लेवा प्येत्राचित्र क्रेंब्राचीया प्राप्त स्वया बूद तिर्वेर विते सूना वसूया विदे सूर होति वित्य संह्वर वित्य स्टान्य र विदानीया यदेयुः वरः वर्षः वरः यदुः मूर्यः वर्षाः वर्षाः वर्ष्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व वर्षा ३.५२.५२५.सेज.च.चनर.तुर्युष्य.चर्षात्र्या.क्या.क्या.त्त्रीया ट्रे.केंट्रट्रेय. नेयान्याययाञ्चेलेवा छो ज्ञेन प्रसूप्तियाया महिवाया यह क्षेत्रियाय वियापति रदः ययः यः वेदः क्षेत्रः सेदा देः सूत्रः योवः तुत्रः दः रेत्रः व्यरः यदेः ययः स्रूरः विवा : चेवः यः विन्यायदी विस्ति की किया विस्ति के विस्ति की व वॅर्-रु:क्रुकायवे:ब्रिक्-क्रुवका:ब्रीका ।धी:वो:दुवा:याव हेव ब्रेट्-व :धटा ।८वटः येन त्युम योन मञ्जूर्य द्वादि न्यीयाय योन। । सूयाय ञ्चात्य द्वायो न स्थाप योग द्वा वदा १२:८वा:वहवा:हेब:क्रुंकें खवा:व:क्रें। ।व्यय:य:क्रेन:५८:वय:य:व्यवायाः

बेरा बिरामसुरसाने। मरसास्त्राचेर्त्रीसाकायरीप्यामब्दार्द्रायरा `ऋष्ट्रेर:ब्रूट:ऋष्ट्रेत:कें?ऋषाया:वेजा:पदे:क्लें.द्रेण'चग्राचाने'ख्नाचु:क्रीक्'पका:ह्रका:दर्सुवा: पर्वे रेगा या अवस्य या सर्वे ग्रमा ग्राव्य यदि स्रो स्था प्राप्त । वसा विगा ग्राप्त स्थी केंबायाकेंबायुवानुःक्षुःनदेःच्चित्रःक्ष्मनवाःचीयाकुरःषायदेःयरःत्वाःक्षुःनदेःनुवात्वा न्वरायुरास्रदारवारवार्सिवार्यार्वेवान्वीयायाधेदानुस्र। न्वरासार्वेवायुरासा चर्झेब्राक्कुः नश्चेषाश्राकुः षाद्वेश्यायाः स्रोतः प्रदे । दर्शे हासूरः न्दरः दर्शः नः ने वहैन हेत क्री क्री चे प्रवास के प्रवास कर प्रवास के प्रवास कर हैत स्वास कर के प्रवास कर कर के प्रवास कर कर कर *`*लुग्रयायाञ्जारेदाचेयायायुदयायायेदा देःसूराधेतातुयार्यायायायेता यराया विद्यारम् स्वारम् स्वारम् स्वारम् स्वीत्यर्थः स्वारम् यदा देवाकी सेट वया केया देश के विषय अपना कराय राज्य से देश प्राप्त स्थाप से प्राप्त से प्राप्त से प्राप्त से प ब्रें स वेत्र पदे ज्ञया स निवास श्लेपका से । सर वर पदे हिंगाया सु स वित्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स स्राया विकास के स्राया के यश्रेन्त्रस्याकःसम्बद्धाः न्यो पारे प्रस्याका साम् वितरापायका स्रम् होन् न् त्रशुरःश्रीः श्रुवः यः देशः वः कवाशः सेदः व्यंदः वीशः यदः तदः सुरः वाशुद्रशः हे। सर्वेग ग्रुस व भक्ते ग्रुह प्राप्त । । श्रीस्र प्राप्त स्त्री यर्द्धेष् त्याँ अत्रात्र विषयः यश्चित्र यश्च स्यात्र स्यात्र स्यात्र स्यात्र स्यात्र स्यात्र स्थात्र स्था स्था यावयान्यायान्त्रीवायकेवायाय्यायाः श्लीतात्रवायाय्यात्रीःश्लीतावातायाय्यात्रायाः ५५:श्रूबाल्य्ने,तपुःस्यावया विराक्ष्यात्रस्यात्रे,श्रुवायस्यात्रे,श्रुवायस्यात्रे,तपुःस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य

व्याः सम्यः यत्रः वाश्वः सः द्वायः भेः दुरः यः देः सः वर्द्धवाः यत्रः वर्द्धे वः वर्ष्यु सः दृरः वयदः यः श्चीयालेयायायुद्यायायेत्। स्नुवयावर्शेदीयालीय सुद्याये योज्ञाय सुन्ति । सेवा स्रेत यर्-र्यायायिक्याम्यातित्वातित्वात्ति । स्त्रियायायाः स्त्रियाक्यायकर् १६४ म्हिन् यदे स्निययायाः स्त्रिया स्त्रा स्त्रा स्त्राचा स्त्राच शेसराहिःसूरावर्भेुद्राकेषा वसास्राविदेशम्बदाद्दरासहसायदेशसम्बर्धाः <u> इनः ब्रुवा प्रबूथः ब्रुव्यः इन् इनः प्रवः प्रवः विदः विदः कुवः यः दर्वे नः </u> द्वींया वर्ते इस्रया ग्रीया स्टानेते या सामानित स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त भ्रीतुषायषात्यवान्त्राद्यायाः देवित्यायाः वास्त्राच्याः नेत्। विदे त्रुस्ययाः मुद्दार्द्याः तदःवरःसूत्राःवसूत्रःदरःव्रवःवर्देन। वदेःवःदरःवस्दःवर्देनःव्यदःयःवीतःव्यदः भूर्यायात्रान्त्रयात्रात्रयात्रविष्ठात्रयात्र्यं विष्ठ्याः विष्ठ्रयाः विष्ठ्याः विष्र्याः विष्ठ्याः विष्याः विष्ठ्याः विष्याः विष्या वर्ष्ट्रयःवरः सेन्द्रिंहः वर्षेत्रः यत्ते इस्रयः क्षेटः रेहे। तन् इस्रयः स्वाप्तर्यः न्यः चला चरे.च.रर.र्जेथ.त.खुबा.चुर.र्बय.था चरवा.बाङ्बा.स्.ङु.र्जेर.क्वैर.क्वर. शुरा धेरादायदी वया उद्देश्या प्रमूपा शुरा स्रीया प्रमूपा प्रमू वित्रायाने मञ्जूयामदि स्रेनियान्दर तुषाया विवाणिन निर्वेषाया ने प्रदाया यो ने प्रदाया यो ने प्रदाया यो ने प्रदाय यालवः यायहेवः हे : ब्रययायालवः लेगा यर्थयः द्योगा दे : यदः क्षेत्रयः दर्ययः यार्थदः याने सुः भीता न न ने निर्मात कर्मा मित्रा स्थान উৎ'৲'ইবি'মৎমাক্ত্ৰমাষ্ট্ৰমাষ্ট্ৰমামনি'ষ্ক্ৰ্ৰামান্তমান্ত্ৰ্যমামসক'নেন্ত্ৰমান্ত্ৰীম'উ'ৰ্বমামন'ই বিভিন্ন याधीवाव। द्यायद्याक्क्यादे द्याची सुग्याच सुद्रा चित्रा पुरावर्षेयाया सुद्री द् र्मेयरान्त्रीयाः या स्क्रीताः वर्षाचा मा स्वीताः स्वीत तर्वात्रास्त्राचित्राचित्रं सेस्रायाः स्त्राच्या स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राचः

यष्ट्रियायाक्केत्रात्रगावासुक्षात्रीक्षात्रीः स्वयापुः स्वयाया

१) वस्यानुराक्तेत्र क्रीक्षाविकायायक्ति।

ने त्याचार विचा चायव यम् चु चवेर स्नाचया या के किया या विचाया या विचाया या विचाया विचा क्रिन संस्थित क्रिन होना वी र्ह्स्न तर्ह्या दिन तर्द्न्य विवाय स्पन्त स्थाय होन त्या । वबर लेश मुःच तरि छेन तकन विन चेन चलेन परि स्नवश्य विर स्वर छेन नर पेर व्याः सरान्वो पाः सर्वतः क्रेर्याः या प्रताः सर्वेत् या राज्ञेत् या या स्वायाः या स्वयायाः प्रतानि या यालुर देव या या यउन केव ये या हे या है। इत से र धुत से व यो न र इत से व य वीः क्रेंब्र तर्वो वाहेश्य ग्री देश या प्येंद्र या दे त्या या प्राप्त स्वा क्रिंव क्रेंब्र तर्वो त्या ५०० वर्द्धेर हेन नगव नर कें के हमा केंग्र राष्ट्री होन मर नुमा र्थेन परि वर क्या होन म्पर्दर्भेन्यादर्द्वरह्नेरन्त्रायम्बर्धस्य स्थान्यादर्द्वरह्नेर्धरन्त्रायः युग्रयास्त्र सेंद्र ह्ये रायस्यायासेंद्र हो। देर्दर सुत्र सेत्र हो व्यग् हु प्यस्यायदे भ्रम्यराधित। देःयः पद्यदः मधिराधीः द्वीः मः मधिराधीः वस्यः वुदः क्रित् श्चीः श्चेः वियामक्किन्द्रा देशकन्द्रें भी से वियायामक्किन्यमा न्द्रियायया कुन हेव प्रवर्ष व व र्ये के पी स्रोधाया । विष्य प्राप्त स्त्रुव प्रवे हेव प्राधी रहेव बैरा । ब्रिन्यरम्द्रन्श्रीश्राचैदन्दन्त्वास्यविष्य विषयन्दर्भेषाः स्वयन्दरः वे वे ब म प्रमा विषय विवास्त्र म प्रमा विषय क्षेत्र विवास क्षेत्र के साम र यक्रा भूरिकास्त्रवीसायस्याचिरामुन्याचीसास्य विस्थानम्परी निर्मायाक्र्या **ग्रीयम्यान्त्रम्यम्ययदेशि ।**बिषार्वे विषाम् मिष्याम् मिष्यामि 55:21 याया हे : क्षे. त्यु अर देव : क्षेत्र : क्षेत्र : या या विष्य या सुद अर हे। न्यावर्द्धेत्रः स्ट्रूटः वदिः यु अः हे ब र ने रहेन् य र र नावः यु वा अः झु व र अर र श्चे व्याय अया ह्वे व व र र वा कुःश्चित्रस्वरस्यानगानायः स्रे। हेत्रसे श्चित्यासी व स्वाप्येव स्वा न्यात्वेरित्वर्षेत्वकुन्रक्तावदेशेत्युषाःभैषाःभैषाःभवत्यषाःन्यसान्देवात्वावायदेशेरात्यःभवः यें के व्यव नु व्यव प्रव देव के की की की न्या की वा का की नाम व्यव विकास की नाम विकास की नाम विकास की नाम विकास हेब नवर या तुर में के पी को समा । विषा मासुर का मका सुका हेब नवर में द्या त्वेंर्यकें वक्कुत्रकंट वार्क्ट्याद्र द्वाद्यां वक्कु वित्र क्कि ख्रुया हेत्र व्यया ग्राट वार्वाद्या थेव सें ५ त्युका हेव नव ६ में भेव माया व ६ मी को सका हु र में के लेका ह्वें छेका व्यर तर्हों न याधीत्रात्राचसूत्रात्यान्नास्यास्यात्वीं साय्येतात्र्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्व येग्रयम्वर्षेट्र, देश्चर्यस्य अविष्ठा स्वर्थः विश्वर्षेत्रः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्व तदीयाञ्चेषा सुषा या ह्रया या हेर । या श्रया अत्र अत्र विद्या प्रति । यो प्रति र्ने । वरायायञ्च्यायदे हेवानु की सुर लिया । लेवायायुर वायवा ने सुन्तु नुदे क्रिंट.जर्मा:बी.म.ची.म.म.ची.म.म.ची. वरानयु.जर्मा:ज.वी.वी.म.नयु.प्रमानयु.कू.म. न्ञ्चन्यदे हे ब दुः से दुर लेटा । इन यर न दुन क्रिस चे ब दर दुन ख़र

नर्र् भ्रीत्यकासुं शुरूराया श्रीत्रा । वित्रायरात्रा तदी त्रका नास्तरका यदी नर्त्रा भ्रीका बेब य वे सु क्वें द क्वें वे के वे वा कु क्वें व यदे यह ह की या के व क्वें व के व वे व वे व व <u> २८.ज्. २८.च्. क्रूप.२८.भधीय.तय.तयात्त्रवात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्</u> <u>রের্</u>রাবাম্যমমন্বি:শ্রুবামেরি:শ্রুবমান্ত্রীমান্ত্রর'রমান্ত্র'র্মবা থেমাথে:শ্রুন। क्रेंबर्द्राद्वेत्ररेपवित्रुत्कुवाहेरवायाद्दावाहेर्द्रित्रुंबर्पवित् ।देःस्टर्वुः डेबायायाञ्चेतिः यतुन् न्दानु व्याची यतुन् याष्ट्रिया भेता श्चेतिः यतुन् वित्र न्त्र प्रति स्त्रेः हें बर्जे द्राया विष्टा नर्रः इस्रयः भेवा र्रः ये निष्यः वहितः श्रीयः निष्यः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः व येंबालेंबायते व्यवानु विन् वया बरावते व्यवावानर कन् विन् याने वा केंब्र वेर्वायते यर्द्द्र-इकान्नेरःयः भेवा नवायक्का क्षेत्र्यः ये त्यायद्वायद्वेत्रः त्याके यात्र्वेरः चदः सूना नसूय या ह्युं नित्र या सामा सेन या या ही नो ना या ही ना या सुन चेंदि चनु न से सा यसन्भूतःयःसम्बदःरुःसःधुनःयरःक्वें श्रेंगःगैःवरःकरःग्रेन्यःयःवक्वेःवर्गःगैःवरुरः बेर। वर्द्दाद्यादारवाद्यदासुवात्विराद्दावरुषायश्योक्तिवावीः सद्दाख्या तयरमायम् ने सुः यार्यमायाने साहे साहे सामाया है । त्रा सामाया साहे ना सामाया सामाया सामाया सामाया सामाया सामाया ्रवेतः चुतेः चतुः न वे राम्याने : न वा मनु न प्रते । यनु न प्रते : विष्या स्था सा तर्भायते पर्या केता केता के विष्या में भारते हो । त्या महेता का सम्मान वर्ता वर्षुर में भेषा वर्षे के वर्ता वर्षे त्र समा वर्षे त्र समा वर्षे त्र समा वर्षे त्र समा वर्षे वर् बर्भार्वे रावहें क्रम्बर्गीयनुन्या सेम्बर्भाया हो ह्या क्रम्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था यर्द्रायात्राक्ष्या देः प्यरः यद्मेश्वः त्रः स्रायः स्रोत्रः प्रोत्रः प्रोत्रः प्रोत्रः स्रोतः स्रो र्कुयःगुवःह्येन्। व्यययः उन् से से स्राययः यात्रयः या । विन् यर ने स्यर मे नुषासुः ज्ञार्थार्क्रमाम्बर्धर्यायाय्याः क्रुं म्वरायायाः निष्याद्रम् । स्वर्थाः निष्याद्रम् । स्वर्थाः स्वर्थाः ८८.वर्षेय.हे.कें.बर्श्यर.क्रिय.होट.कर्ष्यय.इर.वर्थर.था श्रीय.क्री.व्याट.धेयय.इर.वर्थर.था श्रीय.क्री.क्री. यक्रत्यः क्रीः देवः तुः लेवाः धेदः यः देः क्रेरिययः वङ्गात्वाचाः कुः वर्षोयः कुः क्रीदः यः वार्तेवायः यो दा ने या नर्र गुर्भ निव क्षेत्रा नर्मन्य प्रायति ह्या या के प्यें र के वा स्ट क्रू र क्षेत्र वे विषय नुवाः भृष्टे हे हे नुप्तयम्। वेवायि व्यवायि व्यवाया विद्वविषा क्षेत्र हे नुप्त बेवायि व्यवायि व्यवायि व्यवायि व व्यानाने के निर्मु अध्ययाधी निर्मु ध्येत प्रति ह्रम्या नेति ह्रो प्रति हित्त के र्वेयो.यर्जेज.ज.सूर्योश.त.धुँ.पीर.बुी.भुैथ.रथ.शर.तू.श.यशश.अ.श्र.ययय.श.थंय.पुर. केंबायाधीन भी केबायम क्रीं चुमानु केंब्रेंबा चाया विद्या हेवा क्रींसुव केंबाबायाधीन यानतुन् ग्रीकान्त्रित् श्रीकानत्त्वकायते ह्वाकाने हिंदर वी क्रुन्यातनुर न प्येत यकाने क्षेत्रचर्त्रःश्चित्रः चेत्रः यद्भावेषा । यद्र्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः कवायाले स्ट्राचा है स्याप्त स्वाप्त स्व ब्रेट्यायते स्रेवया के रुष्ट्रीया। श्वीर स्रोसीयाधियात होता स्रोद्यायते वालवा द्वार उत्र विष्णित सेनि नेति तर त्रायार मालत नर साम सम्मानिक स्वास्य सम्मानिक सम्मानिक स्वास्य सम्मानिक सम्म सर्देव शुरुष्ठव दुःशुरुष्ठय। हेव सेट्रिय पदिते द्वार दुः सेट्रिय प्राप्त विष्टि प्रमुद्ध राव याचित्रवारर्द्राचर् स्वर्षात्राच्यात्राच्याच्याच्याच्याच्याच्यात्राच्याच्याच्याच्यात्राच्याच्याच्याच्याच्याच्या नवर नुः श्रेर व विर नुः नुषा श्रेर व न्र वर्ष वर वर वर श्रेषा गर्छेन यदे हुः अर्ढेवः

श्चित्रानुवाःवासुस्रान्दरनुवाःख्रालेत्राःवार्त्यन्ते चित्राःविद्यास्य स्तिवाःस्य नुवाः वीःश्रीरः नेः नवाः व्यान्य नवाश्यायः येन्। नेः स्थान्युतेः नुवाः स्थान्य विष्यः विष्याः विष्यः विष्यः विष्यः व महिषा भर यथार व स्मारि प्रप्या नेर जुरा मिला विषया सिर्धा मिला विषया सिर्धा स क्र्यायञ्चितः रथः त्रायशायञ्चीयः यधुष्यः त्रायुः श्रीयशः त्राञ्चीर्यः त्रायायायाः त्रायायाः त्रायाः श्रीयः विवा हि न्वेच या वे या के या के या की अर्थे रूट विवा हि देया नया यया दवा रूट वी या चलयोत्रात्तात्रराह्मयो.मे.चचलातात्ताह्मये.जलाक्षीये वाह्मीय.लूचे.तालाचेलात्तराह्म्याता थी कर हो र य र र वा खुआ यो वे वे ब वा यो वे ब वा यो के ब वा यो के ब वा यो वे विवास के वा यो वे विवास के वा यो व केंबायान हें बाया क्रीन पर्देन इंदा बना पेन सारा नहें बाय बुबा बबा प्रवास के किया प्राप्त की स्थापन र्या हिन प्रमा १ १ रे या या रे १ ५ ८ हे या या प्रमा वित्त प्रमा वित्त हो । वॅित्रन्दर्द्वेर्द्वयाद्वयावायेर्द्वयाद्वयार्वेद्वयार्वेद्वयार्वेद्वयार्वेद्वयार्वेद्वयार्वेद्वयार्वेद्वयार्वेद मेन्यम् तवातः मे इसावायेन वीषात्रने त्यायेन्य सेन्यस्य स्थाना स्थान यार्द्रराम् वतुराक्कु वर्त्तेषाकु यो प्राया वायार व लेव की यो येवि नवरा दु वर्षो चारे स्रूरः थे : थें राज्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र सूर पर्डेश विशामशुर्शि म्बाबर क्षी विशासि बिशास्त्र मार्थेमा या से रा नेप्पर लें हुम बेंबायदे सुप्त है। । यब कु सेन सुर सुर हा । विषाय सूर <u> नियम् त्राध्यात्तरः वी ज्ञाः वेवा च न्यः कंट या प्यटाने त्यू मः प्येतः या त्यू मः याने मः त्यु या वी या वी म</u> यानर्देरानते सेते रेवायाया ने रामया वावता वियान्तर वार्यवा नरा विवाया सेनिया *चे*बायाक्कुवार्येतिःकन्यावार्येज्ञबायायबायन्त्रस्यतिःकेन्।नुप्रया यी'द्रया'हेरा' केन दे त्याया माना न हो त्या न स्था न वयार्केयाश्चीःसूरायार्थेन्।देवास्रेन्।ययाने।न्दानुम केयासूरायर्केयालेयाया

क्रेंबर्य सीवर प्यट केंबर या पीवर सार्देवा की बारवादर देखा 💎 क्रुवर केंबार देखर देखर हैं हुर तद् रेव ज.वी.क्षा.क्षा.क्षा.कुष.कुष. ही ही वी.व.वी.व.वी.व.वी.व.वी.व.वी. यः वक्कवात् सुनु कुन् विन वस्रायाः भ्रात् । ने स्रीतः प्यरः होन वग्यायः सुन वावायः वस्रुवः तपुःरूप्तान्तान्त्रीचुरःक्वी कूट् कियाकी कियात्रह्याकी मूर्यायान्यान्यान्यान्यान्यान्या *ॺ*ॴॱॸ॓ॱॸॺऻॱक़ॕ॔ॸॱॾॖ॓ॴख़ॗॱज़ॹॖॴढ़ॏॴॹॴऄॕॱढ़ॏॴऒॵॴऄॱढ़ॏॴऒॕॱढ़ॸऀॱॴॸॆढ़ऀॱ इट द्वाद के वस्त्र वस्त देश होता प्रति स्वेर विषय विषय द्वाप वस्त देश देश होता स्व ज.ब्रैंट्.श्विय.क्य.ट्रं.ट्रं.चर्यी श्रूट्य.श्रूच्या.वस्ता.वैंट.क्र्ये.ब्रीय.श्रुच्यय. यक्किता । वेकायासुरका है। वैव हि सुव बिर सेरकाय दे रेवाका खेवा वेका रतःग्रीःश्रूरःवादुरःबदःर्रुयःष्परःस्रोदःयःर्क्षेयःक्ष्र्यरःतुवायःवियःग्रुयःग्रूदःर्वेयःवयसः श्चें अया मुख्य हो दे स्कू ते स्कू वा ना स्वाप विद्या हो स्वाप स्व भ्रैन नेंन्य मान्य कें स्थित स्थित स्थित स्थान स्यान स्थान स त्रात्रस्यान्दात्रस्यान्तान् स्रोत्राम् स्रोतः स्रो वर्ष्ट्रित्वराष्ट्ररावयाद्वयाद्वयावङ्क्ष्यायदे स्त्रीवियायाद्वयायावङ्कर्यो यर्वा तः क्रें अ: क्री त्वायः च्रूर स्वायः यदे क्री विश्वायस्य स्वार्धः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्व १९८७ के अप्रोधित स्वाया का का का के स्वाया का का की है। के का की की का की ख्रेम्बाराब्रियायाचुद्दायत्याख्रम्बायाया देख्यातुःम्बार्यरातुः चुद्दायदेश्वे देदैः स्नैयर्थायायपुर्याचिर्यायाहेर्याप्रस्तात्व्यायस्यात् स्रिक्केत्रस्यायराज्या यदीयमेशमहोदा सुराद्यायर्थयाहो। दराये यहुव यरादायहोदा देव्हिर्यः हुँद्रित्वञ्चवायरः व्याप्ताद्वा द्वार्थः व्यञ्चित्रायः ध्वेत्रः व्याध्येतः व्याध्येतः व्याध्येतः व

वर्देर्क्ष्मराधीमहेर्दिक्षास्य स्थापानक्षित्र कुर्द्रा लेख्द्र मीमहेर्दिक्षराय पर्श्वेराकुः प्यवः करः श्रीका यहेवः ये प्यहेवः द्वेषा । यका प्रवः वेषाः हुः प्रयाः वश्वेषाः श्वेषाः श्वेषाः न्वाचेन्द्राचनवाराक्ष्याचेन्द्रविषा योःयेषावायेन्द्रवाचित्रावर्षा यक्षेत्र त्याँ याक्ष्य व्याज्य त्याच्या याच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच् रदावीयात्रक्षा सूरववार्यवीत्यात्रत्त्रत्वीया वहवायास्त्रुत्याश्चीर्क्यारेत् वर्ष्यात्र देशात्वुदावर्डेशास्त्रेत्र सुदायाः भोत्रेशावाः सुराविष्ट स्ता स्ताने स्ताने स्ताने स्ताने स्ताने स वर्डेरायदे र्कुवावर्केरा उद्गरेत वर्षा सुरादा कें वर्ते दे लेदाय वेंदा वर्षा होता म्रेटिशायदेःग्वत्रान्तरः नुसुरायदेः सुदाये रेन्द्रम् ययस्यादः वेशास्यासीः सुराया मर्शेवायायतेवराकुःवार्शेम्रायायदियात्राम्भ्रत्तात्रम्भ्रत्तात्रम् ने वृत्ते के वादवार में वादि वादवा के के का वाद्या के विकास का की की का वादि का वादि की वादि के वादि क यदिवा विकार्येवान्यवायरयायित्यवित्रहो विष्ठेवास्ययेन निर्देव क्रिम्सः स्वायम्बर्धेत्। विष्याम्बर्धर्याते। स्वीर्यः विष्याम्बर्धाः विष्यः महित्यति स्वीर्यः विष्यः स्वीर्यः विष्यः स्वीर्यः स्वीरः स्वीर्यः स्वीर्यः स्वीर्यः स्वीर्यः स्वीर्यः स्वीर्यः स्वीरः स्वीरः स्वीर्यः स्वीरः स्वीर्यः स्वीर्यः स्वीरः स्वीर्यः स्वीरः स्वतः स्वीरः स्वीरः स्वीरः स्वीरः स्वीरः स्वीरः स्वीरः स्वी रट वाल्य वाहेश यय छी द्यायदे छें या वर्षे वर्षे वर्षे वाया वर्षे रावर वर्षे दि हो वा श्चित्रयात्रवरात्रात्त्रवर्षाः श्चीदे विष्णि स्त्रुव्यात्र देव विस्त्रे विष्णे यावर्षः स्नायर्षः ख्रायदः हेर्षः वे रादेवा की यवि स्रोदेरः स्नोयः दुष। गुवः चेदः स्वायः येदिः मुन्यमा वर्वेन्द्रसेन्यवर्वेन्यदेर्वेयः सन्दूरा । प्रस्मारसेन्यस्यः ययायायार्वेदः श्चेतायातुदा । विषानासुद्यायासुराययानीयात्रयाद्याया यावर्षासुन्द्रम् नुस्य यह्या गावासाद्येव केषा श्रीकृषा संविषान्ता याद्येषासुन्दे नि इव.क्ष्यं.स.चयुःधः शकारम् क्षिटं क्ष्यं.रम् वर्षे व्यान्त्रः वर्षे व्यान्त्रः वर्षे व्यान्त्रः वर्षे वर्ये वर्षे व व्येत क्षेत्र ह्येत्र विषय म्यूर्य ह्या । दे प्यत कर क्षेत्र तस्य वृत् क्षेत्र क्षेत्र ह्या विषय

यः यक्कितः यक्ष्यः में विश्व विषयः यक्षियः यहे यक्षः श्रीतः यक्षः याः यक्ष्यः यक्षयः यक्ष्यः यक्ष्यः यक्षयः यक्षयः यक्ष्यः यक्षयः यक्

१ रेशकन् क्वें भी सी विस्तर्स समाय क्वाना

रेशकन् ह्वें पी भी विभाद्रमायायकुन् ही। **क्वें न्याकुन विन्न प्रवेदिन्न** वया वर्देन् श्रेन् लग्यययय वर्षेन न्ना सूर्वेन सूर्या वित्र में श्रेया या श्री वहेंसायकासम्वरायम् । ह्रिसायानुसकानिरानुसार्कमारयानाने। । देशासन् र्त्ते[.]भै.भै.पूर्वत्राद्रयात्रात्रक्रिट्री विट्यात्त्रात्त्रक्षात्रीत्रयात्रात्र्वात्रात्र्यत्रा यदे रें र र र व्या विषया सुर र है। है स्नूर है। विर प्रते सुँ त र सर सर्वेदः प्यदः क्रीं च द्वरः वदः यदे। विसायि प्यवः प्रवः प्यवः प्रवः प्यवः प्यवः प्यवः प्यवः प्रवः प्रव येत्। विषयास्त्रस्त्र विस्तित्विस्तित्विस्तित्विस्तित्विस्तित्विस्तित्विस्तित्विस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस् कें तर्देते सूना नस्य दर दर सेंट नी सूना नस्य दे कें या तहेना सामी से सामिर सूना पर्वताताः क्रेयाः पर्वतः त्रीतः याः में प्रम्यत्याः प्रम्याः यहेताः याः पर्वतः विष्यः । पर्वतः याः क्षेत्रः पर्वतः त्रीतः याः में प्रम्यतः याः पर्वतः याः पर्वतः विष्यः । त्वुयाम्या त्रिराचायमारेमायरात्वुराचते सेसम्यास् सुर्विमास्य म्बर्यस्य प्रयादिर प्रम् लेव वेषा मी रेया द्वार सेन प्रयासे के या प्रह्मा प्रदेश के र यन्देन्दरम्बर्भेग न्द्रायदे बेराद्दरम्बयाय बेर्षाया स्वरायदे बेर्षाद्दरम्बायाया ব্রব্যমামী প্রের মার্ক্সী মির বিশ্ব ক্রী বেলালা ব্রমারমানের থে মাথে মী র্ক্ট্রর মার্ন মালর বি

वदिः यमः सूरिः सः न्दः महिषा वर्ने नः स्रोनः वम्रायसः वर्षे दः न्दः विसः यस्। श्चीरव तर्देर यदे प्राया प्राया द्वार प्राया प्राया वित्या स्वर्त वित्य स्वर्त स्वरत स्वर्त स्वरत स्वर्त स्वरत स्वरत स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वरत स्वर्त स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्त स्वरत स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य र्शेन्रभावाकन्याक्षित्रभेत्रभावित्रभावित्रभ्या वर्षेत्रभेत्रभीत्रभावन्यान्यान्य ৡৼ.ড়য়৾৵৻ঀ৵৻৴৾ঢ়ৣ৻ঀ৵৻৵৻ড়য়ৢঀ৾৻৸ৼ৻৸ঌ৾ৼ৻৸৵৻ড়ৢ৵৻ঀৢ৾ৼ৻ঢ়ৢৼ৻ড়ৼ৻৸ৼ৻ৼ৻য়৾ঀ৾ঀ৸ गुब्र र्श्वेन स्वाउं राज्याया यो मिला दवा परि गुब्र र्श्वेन ने मिल्वा प्रवासी र हेरी है उं या प्या या ही नमासूनार्थे केंद्रासाञ्चानु विवाधित। ने त्यन्ताने प्रति नवे मानिकान्ति न त्यन वर्डेरान्गवलेराम्युर्याययानेन्द्राचली भीन्यो स्थ्रीवाया भीवहेर्याचेराया म्रीं यार्युया: क्रीया: येता: येता: यायायायायाया क्रीं या के से या यायायायायाया या विष्याया चर्यम्बार्यायात्रे अपरासीत्र देशायत्रसात्र हैसा चर्चा सी मान्य सी मान्य सी मान्य सी मान्य सी मान्य सी मान्य सी वि'नदे'यय'म्मा ययान्दरः। नयम्'नदरः। नयमान्दरः। र्ट.मृ.क्ष्य.तत्रार्ट.खेयोत्र.विताःचीत्राःचीत्राःक्ष्यःकृषःहःट्य.रट्ट.ट्ट.ट्रयःत्रात्राध्यवदःधिरः यः विवासमा र्केमाया में मार्थिया मार्थिया में मार्थिया मे में मार्थिया में मार्थिया में मार्थिया में मार्थिया में मार्थिया न्गे-क्र्रैग-क्रुॅन्-ग्रीअ-वेत्रअ-प्रश्नप्यानायश्यानः यश्यानः व्युत्ते क्रुंन्-रत्र-रत्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः क्रिंयायाक्ष्मयाक्षेदाद्याक्ष्म्यात्रयाचाक्षे विषयायाष्ट्रीक्षावराष्ट्रीत्ययाया *ଵୣ*୕୕ଵୣ୶ॱढ़॔ॱॾॸॱॸऀॻऻॺॱॻॸॖढ़ॱॿॖऀॱॾॣ॓॔ॺॱय़ॱॸॻ॓ॱॻॾॣ॓ढ़ॱय़ॱॺॱॺऻऀॸॖ॓ॺॱॸॻ॓ॱढ़ॖॕ॔॔॔॔॔य़ॱय़ॱॺॱ महिरायाक्षेत्रवायाप्तवाची क्षेत्रायालुकाद्रवापी प्रमुप्तानु प्रमुप्ताची

बर विर म्रेसर मुल महिन की के मान महिन महिन महिन मा गर गै क्वें द्रश्चाद्रशार्थे द्राग्यर देवे प्रस्ताय सर्वे र प्रस्तु द्वें सासूद देवे द्वे देवे ঀ৾য়৵৻য়ৣ৾৻য়য়৻৸ড়৸৻৴ৼ৻য়ৢ৾য়৻ৡ৻য়ৄ৾য়৻ঀ৾য়য়৻ড়য়য়৻৸৻৴ৼ৻৸ঽঀ৸ यायर स्वाय भी कें र बुवाय वया कुर क्षेत्र यर में र पर निर्मा कें ने ब्रियाचराब्रेन्याम्नम्भरादमान्त्रीर्देभायास्याद्ये वित्रम्याद्याद्यात्रात्र्यात्र्यात्रा नश्रूदःचरः सुः अःददः अकेदः श्रेवायाः यः तवायः वः यः विवायः यः विवायः यः विवायः यः विवायः यः विवायः यः विवायः य न्यः क्रियाः क्रम्याः यः स्त्री न्यः क्रियाः यः यद्यायः क्रम्यः तद्यः रयः प्रविदेः नृत्रीः प ल्रिं प्राथम। रयापार्वे म्ह्रम् राज्याम् कर्यायान् स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप বার্ষাবহাবপর। । উষাবার্ষার্শার বরি র্ক্তর্না থাবর বিশ্বার বির্দ্ধার বিশ্বার ব रेशकन्त्रें भी भी विस्तर्वस्य प्राचक्कित्। विस्तर्वास्त्र स्वर्ते के स्वर्था विस्तर्वे स्वर्था विस्तर्वे स्वर्था योष्यावेषात्रव्यत्त्रेतुं, त्यत्रात्त्रं देत्रत्यः त्यत्रः ह्ये द्रयात्रात्रः द्रयात्रात्रः त्यत्रात्ते त्ययः क्रिट देट दुः श्रेट च। देते श्रेष्ठिम् अप्या स्रोद प्या वरा वरि म्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा त.र्रेश.त.पश्चिर.तु.री पर्या.ज.क्रूब.क्री.प्याज.श्चर.क्रियाबातपु.क्री विषा. चन्ना नीय केंग्र चर्ष्य चर्ष्य चर्ष्य त्याया क्रीत त्या ने सुन्त मुंत्र चुर्त्य चुर्त्य त्या सुन्य या परि कें से दे-दर-तस्रद-निवेद-तद्वा-निषयाद-र्या क्रुद-वा-निहेष्य-दिश्व-निह-स्रे-दर-रे-चलेन नुन्या चरुत रे मुर्या हे ते सूर की विकाय मुद्दा चाया वा वा सून रे चलेन नु हेंवा लिय हो द दर्वो राय रेदा वाय हे हुँ व्या स्ट्रिंट त्य द्वा यय या द त्वें र यदे हुवा नर्यः परः व्रेचा तुः ज्ञुरु राज्ञुन पर्वोगा ५५ या को रायः ५८ राज्यः वर्षः वर्षः तर्वा नममाना प्राप्त विष्टा मित्र प्राप्त प्रमुक्त प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमुक्त प्राप्त वर्नेन खेन कवा वा लेव स्वेवा वा नेवा नवा के ना नेवी नव न नु से राव वा ने व्यव खुवा ही। तर्देन चित्र ह्यु या ही यया या नामू या त्या या का या वित्र ही। वित्र ना ন্দুমা'নমম্ম'ৰ্। वरुत्। रदःक्षेत्रःश्चीःगातःक्षेत्रःते वेष्यःदतः वात्वाः यः उत्रः वात्रे व्याः विवाः रेदःवर्चे वर्षा प्रकारमध्य स्वरं चार्य राष्ट्रा रदः स्वरं व्याप्तवया वर्षः रदः स्वर् यर ब्रेन् 'नर्गेषा दे'नुयः नमः पेन् खूनः यषः रमः बेशवः रमः वीवः नमुवः नमा रदःवीकारदःवस्यावानविवा साद्यो स्थिवाःवस्यावाःविद्यानवाःसेद्रायविक्रेत्रःविर न्वो थः क्षे प्रदेश्रेष्रया सुवायान्याया वी म्यादे स्याध्यापति सुवाया स्याप्ति । रदः हेदः नवाः भेदः चेदः यदेः वनसः यः तनदः दर्गेषा यसः सवदः भेवः हेदः केः नसः यर्ने स्वर व्यव्यक्ते हुं। वेर्षया या लेवा यया ग्राट व्यवया हुवा यदे हेत्। वर्षे र प्रयया या व क्रुन्यानक्षेत्रन्त्रीय। क्र्यान्यक्रियान्दर्यायायन्त्रयानययात्र। नेदेन्हेया न्भेग्रथः इस्रयः इतः यरः द्वयः द्वयः च्याः स्वरः क्रेंयः न्दः द्वाः सः यः स्वरः। हेशः श्चेतः श्चेः सर्द्रः यदि द्वार्या प्रदेशः है। यन यस स्थार्यः श्चेतः श्चेतः स्थाया स्थापायाः देंद्र कुट देंद्र मी शहें वर रे प्रविव दु देंद्र मिया या रूट हिन् ग्रीया तपन पान्या चलेत् न्तुः सान्गीत् सर्वेना या नार्वेया चारते चर्चा साने। **र्ह्मे सूर्वेया सुर्वेया मु**र् रुअविता विसमिवियन्स्य स्थानिक्रिंगुत्रस्वित्ही विश्वेष्युसेन्दि **देव-ळेब-न्न-य-यद्धिव। ।**लेख-याखुटख-हे। दे-सूर-रेख-ळ-द-न्ने-पी-यी-वियाया प्रवृह्य प्राप्त हिन्द्र स्त्र हिन्द्र स्त्र हिन्द्र स्त्र स्त्र हिन्द्र स्त्र स्त्र

र्केषाश्चित्रिषायायायराक्षरायोरायराञ्च्यरायरायाहेरि हेवा यराने सुप्तुते र्वाराहर र्वेर:दशःवसःयेवाःम। वसःवेविःम। वसःदसदःयदेःधेवारावःसःवार्हेरः र्रवायागुरायविराकेयाग्रीक्वायायाविरायविरा श्वायायविरायसेतीयान्त्राक्षेत्राची *ऱु*:५८:ग्लेंद्र:केब:य:विकेश:खु:ओ५:यत्या:क्कुःथ:च:गुब:५८:विकेश:खु:ओ५:यते:द्वेब:केब:सः चतः मुः अद्विद् : अद्विदः लेशः नशुरुषा देवरः र नाः वर्दे नः वर्दे वे : वर्षः सुरः वहे नशः योन्'द्वेत'य्यार्वेन्'चेराष्ट्रीयायार्द्न्'पायीत्'प्यायात्रियास्युयेन्'ने देत्रेत्रकेत्न्न्च्यायाद्वेत् मस्रस्य यात्र मिष्ठ स्वित स्वति स त्र्यः ग्राटः टः क्रूनः चर्मुनः मार्युयः त्नाः यदेः लव्यः क्रीयः चर्यादः द्वेयः मार्युयः व्यवः सः चदः त्नाः यः ञ्चित्रयः वासुस्रः सासुस्रः गृदः तर्तुषः क्षेटे वे वित्रां वित्रस्य सिस्यः वासुस्रः गृदः तर्तुषः सः वः मशुक्षागुद्दात्रदुषाग्ची दे ति ज्ञासाधिदायमा दे त्याम्बर्धियाचा च ह्रा च किया च किया च किया च किया च वें। ।दे.लय.कर.क्षेत्रास्य ज्ञूट.स्रिट.स्रिट.स्र्येट.स्रिट.स्यूट.स्यूट.स्यूट.स्यूट.स्यूट.स्यूट.स्यूट.स्यूट.स्य हेन नगरे विन सेंद था विन मद रादी हुन नु पर दे स्था हो या है। यं सुवयात्वें येययावसुन् क्रीयवें वर्द्धात्रयात्वें द्यात्वें रहेन द्यातः दुषान्यकाञ्चीत्रम् वरायान्यानात्रका स्वान् रेकान्यावर्ष्चीरावर्षे नक्कन्यते । युषाहेव लेवा होन प्यानिया वित्या वित् यरायात्र्युयायात्रेवा होतायायायाय्येवायात्रे प्रवादायात्रेवा प वें र तुरु डे पर्याय व्युवा बेरावा दे के विदेश वर्दे दे दे वार्ड का विवार दे । द्या वर्दे र ही 'ॶऺॴहेब'वदिवे होट'वयाविक्र'च' व्या भेद'ची'तुषावयादा द्वावाया हींहा

र्वातर्वेरावर्श्वमुन्यं र्क्तावान वस्वावुन्यम् स्थान्यानम् । रेशकन्त्रं भे से विस्यायानकुन्ने पकुन्या है या यह दुवा येदि क्रेस वह सी पहला । यम् न्यावर्द्धेमञ्जीकेषाकामित्राक्ष्याम् । स्यान्त्र श्रीनेताया बर यस मुद्द कुत निश्चुत द्वीय नयस्य पदि त्द्व प श्चि सेसस्य प्राप्त स्थित न्वींबायायेन। वर्ने सुप्तुवे ह्रेन्यरन्गाव प्रवे न्यावर्द्धे रही हेव प्रवर्त हुन् वा रुक्षे प्रकृषा यम। इस्र मार्थेम खेरिक्षे मुक् चे प्रमानिक क्षेत्र क्षेत्र प्रसूत ततुः चीं यातव्यकालचा है। खूर्य ता खुवा अक्क्रीया श्रीया देश हो है। देश का याया प्रति देश वरुतः दरः वरुषः है। दयः वर्द्धेरः क्षेत्रेक्षः यः वरुष्य भेतः दुनः क्षेत्रः दरः। देः वयान्धन् इटान्धन्। यहवायान्त्रेटायहवान्यास्यास्य स्वराहेवायास्य स्वराह्यायास्य यावर्ष्ट्रित् सूनयादेरावद्यायवेरहेयासीयार्ष्ट्रित् सावेद्यायवेरहेत्सीयस्। र् सेर्द्र पहुँ भ्राम्बर्ग पर परमा पर्द्य में भ्रामे निर्मा पर्देश में भ्रामे निर्मा पर्देश में भ्रामे निर्मा है। नधुन वहेंवा श्वेयाया द्वेन कुं वे विने यव कर द्वी श्वर केंद्र या वा वह वह श्वे यदियाः सर्दुरसः धीतः सः सेद्रा देः तस्य : श्रुतः श्रीः सह्याः पुः द्रयोः यः सेससः उत्रः श्रीः देतः त्यः নষ্ট্ৰ'ন্মীম'মী।

वि कें की ह्या यदि विदा

८८:मु.भू.भू.भू.मु.म्.मू.म्.मू.म

न्दे यायकन्त्राहिकाया के की हमायदे विन्यमन्याया वने या के दि विन्य कुषायायषा धुःर्सेद्राग्चीतहेवाहेदायायष्ययाहेर्याह्यायायस्त्रीयाया दरा <u> पश्चर् भ्री तर्वो या प्रथम या है भी ह्वा या पश्चिम या ५ साय ते भ्री या वा प्रथम या स्थाप वि</u> हे भे ह्वाया क्षेत्रया क्षेत्रया क्षेत्र न्वाये या निष्या वयातक्रीक्षायान्ययाम। न्येन्त्रियुक्तियायानययाम् द्रेयान्त्रिया मीयानसूत्र सेन्। तद्त्र स्माप्तद्त्र क्षे सेन। या न्यूप्त न्यूप्त नस्या क्षेत्र स मिन्ने । विद्यास्थितात्वास्थितात्वास्य विद्यान्त्र विद्यान्त्र । विद्यान्त्र विद्यान्य विद्यान्त्र विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्य विद्यान्ति विद् हेबॱदब्रेवॱदब्रीमॱतुष्पःदर्नैर। ।क्क्षेंब्यःवषःदर-तुःदवःदर्बेट-कुनःमर्थेबः व। विक्रिन्द्रवेदसङ्ग्रीद्भेत्रवेषयास्। विक्रियस्यरवर्द्यस वीकावर्त्रीत्तरः। विषयाक्रीवरःविकाकार्त्वीवाकार्त्वीरः स्वरंत्वर्तेत्रा सिन्दरः द्वार्त्वीनः **डिप्पैकायद्द्र्ययेत्रुका । प्रस्त्रेते पुत्राव यहिषाकाया मैवाक्तु के। ।** विकार्य ये गामिक्र प्रमार यामिका मीरा कें की हमायते वित्र मह्म या धीव वा वितर देवे शुः बद्दा ब्रुषा देवा स्वास्त्र स्वा नमभार्भे नम्दर्भ भूदानिहार नम्भायाः

यदैःचरःतुःग्वत्रयःयःवदैःष्परःश्चेःहृग्वात्रयःसद्वरःशेःचतुत्रःकुःग्वेगाःगीयःवहैगात्रयः वयानार्च्याप्यन्त्रीय्य्यायात्वेषाय्येत। नेयात्रान्तर्वेतिय्य्यात्र्यात्वरात्वाः वेत्रा यह्नानी सूर या भून्त तर्रे त्यासान से प्येत् नययय त्या येयय या सूर्ति न नसूरे प्रतान स्थान पति हे 'र्यो वया न्यात न्यात न्याव र यो न शी यो याया यव र या न शी या वया वर्षे यःवयः वरः र्येदः यः यञ्जिषः स्तरः रेष्ट्रेदः व्येदः सः र्रेष्ट्रिः। प्रः स्त्रः व्येदः से स्त्रेद्रा यरमु रद रुवा वह्या तु क्षीर यदे स्रोदे से व्यादेश या से द्वा वित्व द द स्वर दुश क्षी न्तरःमीयाक्षेःश्लेम्यायादेःश्लेम्ययायावियात्। वीःनययाधीनःयायोनःयात्रयादक्षेःनः यर य देश वा वो वो दि र द्वी य वे वा ची दि य र दि हो या हो र य र वक्षे वि र य र य देश वी र यदः शे'तर्श्वेद् :यदे'द्रशः यदे रहेका विवानसूतः द्रशः दश्वातः दर्वेषः तराया श्चेरानुःवान्यस्यस्यानेःस्रीःह्यायानञ्चेर्यायदेश्वद्वत्यस्यस्यञ्चेत्वत्त्वा सूराद्येः रुषासुर्द्धेत्रायदेश्यरषास्क्रायरम् यत्र्वा पङ्गायायादर्देश्यासर्द्धेत् त्रास्रम् वर्षे विगार्चेत्रत्वरामानुवानुन्यमानुः सेन्यिते नित्रस्ति सार्वेत्राचा हे हिते सुन्त्रहेराया ने के पीत पर योग्रया उत्तर हवा वहीं व उत्तर त्राया ही में वा श्रु ह्या प्राप्त व विषय है व यसूर्वा दे.र्टर.यर.र्टपु.इंश.शं.व्रुव.तय्वाश.लंजा.ब्री.क्वेय.र्ट्या.शक्या. यिष्टेया सुराळेब राक्का देश से स्थान्य एक स्थान श्चॅंपःक्रेंबः मस्या हे:वयरबा:हेर:खा बा:श्चेंदे:ब्रॉट:बा:इब्र:खा: र्रेट ज्ञेंट इस्र गहेसा नगाय न हुन पर्द हुँ ग्रस्त स्थास र से नुग्रस ग्रस्स नगातः वान्रयशावायरः होतः वीः वन् वया है विष्यनः ख्रुषः नृतः हे प्यनः ख्रुषः त्यः स्वीयायः

श्रेर में 'न्रेस मुन पर्हुर न पर्हुर न पर्हे त्या पर्हे न स्टें ने स्टें न स्टें ने स्टें न स्टें ने स्टें न स तसुवार्चेषायायायोदायादे के प्यतायवस्य स्थाप्त । स्वाप्यते । स्वाप्यते । स्वाप्यते । स्वाप्यते । स्वाप्यते । स्व वसूत्र त्रान् भूति स्नूवरा सुर्थे क्रुया ह्या ह्या या स्वराया 'क्रर'भेत'ता र'रर'र्द्धेते'युष'यय'रत'श्चे'श्चु ग्वय'श्चेत'रत'श्चे'श्चूर'शेष'रेता चर्चा क्रम्याचा द्वारा सार्वे अवास्त्रुप्ता स्त्रुप्ता चर्चा क्रम्याचा स्त्रुप्ता स्त्रुप्ता स्त्रुप्ता स्त्रुप नेया क्रिक् वा नहेत्र या उद्यापा नहत्र या विवा के या पेटा देता ने या ने या विवा के या वि वित्वरायायद्वेयावदेः युर्वाददेः यात्रसायदेवा वी देशायाद्वा विस्तवेशावित्राची र्वे ह्रेट र् नु विवयम्य या सु तु तदि त्य त्रमाय विवय ही हे माय पेर्न या मारेन । सु र त्वि त नन्ना में त्यान्य या से से माना न से साम में से प्राप्त के से प्राप्त निष्ट में से सिंद से से से से से से से स <u> इत्याक्षे कुष्यम्याताः ज्ञाचीयाताः क्रुत्यात्रीयात्रीयात्राच्याताः वि</u> उर्वेर.च.बोच्च.च्रह्रेट.श्रटय.बट.संथ.श्रीश.क्रूबोश.तपु.क्री.ट्रट.झॅट.बेशश.बीट.शवर. वक्रीयदेश्वाद्रमाथमा स्ट्राया सेन्द्रमा स्ट्री स्ट्रीय सेन्द्रमा स वर्त्तुद्दादिद्दात्त्र्व्याञ्च प्रमुक्ष्याः स्त्रुद्धात्र्याः स्त्रुद्धात्रे स्त्रुद्धात्र्याः स्त्रुद्धात्रे स्त्रुद्धात्र्याः स्त्रुद्धात्र्याः स्त्रुद्धात्र्याः स्त्रुद्धात्रे स्त्रुत्ते स्त्रुद्धात्रे स्त्रुद्धात्रे स्त्रित्रे स्त्रुत्रे स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रे स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रित्रे स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रुत्ते स्त्रित्ते स्त्रुत्ते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रिते स्त्रि वर्षमा विषयम्बर्धस्याममा देन्नायः वस्यादः स्ट्रिवः युषाये द्याः सुन्तिः र्कें ब्रुट सदे ब्रुट केंट व्रुप्त पेद प्रयाने नया ग्राट ह्या पहता पेट पासा पेद वें। । यदावर्षावर्षाकात्रीं क्रियायायम्याञ्चीयम्दावा स्टाउवावर्ष्याञ्चीदा बी की त्या कें केंद्र त्वदी रेद्र केंबा बाह्य विवय वाली बाह्य विवय केंद्र केंद्र विवय केंद्र केंद्र केंद्र विवय केंद्र विनेत्रयाविन स्वाप्ति विक्रमेन विक्रमेन विनेत्र विन्ति स्वाप्ति विक्रमेन विक्रमेन यालव : प्यट : तर्के क्रिव : वे : शुट : लेट : तर्के : क्रेव : वे : यट : यथा वर्के : क्रेव : यथा या :

वक्रे:चवे:क्रेव:वे:वेव:हु: इस्रयातके:क्रेंत्र:रेन्:वर्शे:च:ण्यान:स्रन:स्रेत्र:हे। सरा विकेष्यते क्रेविक विक्षा । विषय विकेषि क्रेविक विकास । विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वर्किया बिशालार्षे दे वर्षा वर्षिरश्राता क्षेत्र प्रकृष्णि वर्षे स्वाता वर्ष्ण वर्षे वर्षे व तुरावात्र अर्थित् भी भी भाषा वाष्ट्र वाष्ट्र विष्ट्र व ૹૢ૾૱_ૻઽૹ૾ૼઽૄૹૹૡ૽ૡઌ૽૽ૹૢ૿૱ૹૹૹૹઌ૽૱ૢ૽ઌ૿ૹ૽૽ૹ૽૽ૺૹઌૹઌૹઌૹ૽૽૱ૹૢ૱ૹ૽૱૱ૢૢ૱ विषा दे के व्याप्तरास्त्री प्राप्त स्थायक कार्यक स्थाप स क्षेत्रवाक्षाम्याक्षेत्रायुत्रवाकाश्चीत्वरात्रुत्ववावाण्या। व्यत्ते क्षुःकेरारेवायायवा श्चेन म्युया से म्या से दायदे स्वेत न्दर विद्या विद्यो निद्यो स्वित स्वेत निद्यो निद्यो निद्यो स्वित स्वाप्त स्व सर्थेट्या भिर्मेयायेषुःभ्रात्वे वयास्यायेषुःभ्रात्वायःभी । भ्राप्या प्रत्या स्थाप्या स्थाप्या । चर्षत्र-दुःश्चरःसर्श्चेषायातर्शे विषयात्रस्यस्यायः स्रोता यात्रेषाः यास्त्रीतः বর্ত্রী'ব'বিমম'বাম্বুম'শ্বীব্'ব'বাম্বুম'র্য'বেব্'মী'দ্ববা'ববি'র্কুম'ঝ'বমমান। र्बेन विते देश की बना निवद हीन देश र की सेंद्र में की यी वित्र में महिना हैं से कि से कि महिना में महिना हैं से मीयामिर्देशया भेरावर्षे नामित्र हित्र मित्र मित्र हित्र भीति है नामित्र हित्र भीति है नामित्र हित्र भीति है न नश्रेकायदे त्रवेका रहीय। है। इना वसा ह्वा नुष्य विदेश रही स्वा वर है। व्यानहेन परिष्युवार्शे मित्र हो। भी इसमा श्री न प्रवेत परिशेषि से स ह्य ध्रुवा र्यते कुं श्रे ह्या अहं या यदे त्या रहें श्रे ह्या स्ट्रें या पर्ने राय है। यदः से म्हण्याया सर्वेदः स्टें स्वास्त्र स्वास नुरन्दर्व क्षेत्रं से स्वास्य करे क्षेत्रं स्वास्य करे क्षेत्रं के स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्व गशुर्याम् न् नर्ष्यादार्श्वी सेता सेयस् इस हेन् सूदानी विकर्णे न् रावदासे सूदा

ठेवा:भून:ठेवा:वीश:वशुर:वर्शे अर्नेर:व:भ्रु:व:वस्रशःउन:वर्क:वर्व:रम:विदा धेव। वक्रैनार्स्रम्थाने नाने रेषा वर्षेत्र स्वार्ट्स्यूरम् वर्षेत्र स्वार्ट्स्यूरम् वर्षेत्र स्वार् र्क्यायाप्यमधीतम्बाप्यम्बवाद्देशे.मुवारम् ब्रीत्युम्यामध्यायायायस्य वर्षात्रके.मन्बा थायाद्रेट सुया यक्किय दुर्भा याडेर सुर्योका खेट ख्रा सेंट हेर खेट हु। याहेर म्मिन्या विकायित्या वि सर्धिः द्रियावस्यः सुन्वित्रं याद्राद्यात् वित्रे वदावस्यावस्यात् यात्रवात्वस्यात् स्वराविरः नुःश्चित्रयायोदः सर्वोदः सेन् दुर्वोद्भवेद्याः श्चुः तायन् द्याः तश्चितः स्वा विद्यान् स्वा विद्यान्यस्य थेन् व कं अन् क्वेन् न्वें व या लेवा न्म। व स्नुन थेन् व या न्वें व या लेवा तारम् प्रधु प्रधु प्रदेश स्था प्रदेश चलेत् : पेर्न : त्र : प्राया तर्से चलवा त्रा : र्नेत : केत्र : वाक्ष्या : ये : वक्षे : चति : स्रीवाया : वाक्षे : या विकास : वि म्रोबः पदेः बदः बयः म्रोबः यः दस्यः वादाः केवः ये बिवाः वीयः पहुस्य यस्यः पसूरः यदि यः वीयः वयार्सेट्याम्बेट्राय्यायदाद्वीया

यिष्ट्रात्त्राचित्रः हेर् स्त्री स्वयाः सः ययदः या

याम्बीरा विषामासुर्यामा केंग्यिन्समास्याम्बर्धान्यस्यास्यान्तरा युरायदीकी ह्या यर सूर यी क्लिया थु यु लिया धीत त पर । दाये दे सूर्य स्वरायदीर क्रुटः अविभागन् गात्राया भेषाभागवे त्वनु प्रति तुन् न्दा वर्षे भागने भाग यश्चिताःताः अक्षेत्रः प्रदे त्वर्गे अः प्रदे त्वतः देवा अः यः स्वा अः प्रः स्वे वाः वीः स्वृतः ववाः वार्वे दः *चे*न् ग्रीकृत्रे क्षेत्र वित्र वित्र या येन यय ने के या या के या या न्या वित्र वित्र या के वित्र या या वित्र वि चिरः यः म्र्यायायदे मृत्यायम् याद्वायादे स्ट्रियः याद्वायः याद्वाय मूर्यमायाबेष.रेयर.भाक्षेप्र.तपुरी बिमायोगीरमाना योवेष.क्रीमायश्री.घयमा द्यायवान्तरासेन्द्रविन्त्रेराचायासेन्वयायान्नव्यन्तरास्त्रस्यास्यास् ररः नियरः भ्रतः मदे । स्वीयः त्र्रीयायः नुषः तर्ने रा । बिषः वासुर सः यसः ररः हेनः ૹ૽૾ૢૺઌૢૹૹ૽૱ૹૹ૽૽ૹ૽૾ૹ૽૽૾ૼઌૠઽૡઌઽૻ૱૱ૹઌ૽૽ૼૢૢૢૢૢૢૺ૾૱૱૱૱૱ न्वरःश्रेःथव र्रें हें विरःथवा रेन् संवेरःवरःस्ट न्वरः वेवः र्रेटः। स्टःथः केंबान्यक्षुनावरेंद्रा क्रीबेशवार्येद्रा केंबालुखदे स्वायायेद्रा केंबान्यस्याये भ्रम्यरान्द्रावियायदे हेतार ब्रेया सुसार हैया रायेषारा रायेषा यो प्रतापित हैया रही । वही रुषायक्कित्यायोत् देषायदे केषा भेषा होत् दर्शेषा ते दर्शेषाय केषाय सुना सुनि हेत्यः रमायमा विषरः पश्चिरः हे प्यत्रम् केर्यः पश्चितः श्चुः ने श्चीं पायुयायः

रवा'यस'य'दर'क्वें वासुस'द्यी'वार्डे वें सेसस्य या रवा'यस'यस'दा ५'रेस'क्वें मसुस्रान्नो नते यस यस यस विष्ठा वहें मान्ने स्राप्त ने प्यत्त वहें मान्ने स्राप्त वहें मान्ने स्राप्त वहें मान् त्तिताक्ची, भविष्यक्षेत्र, भविष्य, भवि वर्षेवाः स्वीताः स्वीत्राच्याः प्रमान्याः विष्यः स्वीताः विष्यः स्वीतः स्वीताः विष्यः स्वीतः स्वीताः विष्यः स्वीतः र्-द्राप्तर्वेद्रिक्ष्र्र्यार्थेद्राद्या विषयप्या देख्र्रात्वेद्ध्याद्रमादावदेख्यस्य विवार्केवायाः विदायाने वावदाकेवाने वाकेवाया वर्षे की सेयाया क्षेत्रायया की यो व्यंशर्देव केव प्रश्नुर वशर्देव कुर वाप्त्रह्मेवाया देव केव वाह्व श्री परे पाप्त व्याप्त कुःति नक्षुरावयः देव छ्टाळे तदिवे नदे क्षुदाक्षव गश्यायः देव गहेरा चुयावया। केंग्रायर वुःग्रवर वुग्रायञ्चर कुंग्रायग् स्वायर क्षेत्रायग्र कुंग्रायग्री स्टर दुः की कें क्षेत्र वर्ष र्शेट वया दय वर्डे र र्डे से खुय हेन नगवा हेन व नेव केव धीव य ने कुन योज्ञेष चित्रात्र वार हो प्रमुच हुन प्रमुच प विराद्या विराधित के दुर्वियाया मून विषय में भूषा उत्र की विराद्य प्राप्त विद्र। वयर मन्नम्नम् निर्वे विद्या मुक्त क्षेत्र विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या भ्रीसिन् प्रति महिन न्दा है। नु त्या से माना । त्रीया मान्य ही। स्नी प्रति से समस्य <u> ७५</u>-श्रे'तव्ययंत्रिर-दे'द्यायीः दें त्यायसून्यर तदेंद्र-यश्रः सूद्र-रेगः ग्राट तद्ययायर श्रे तर्नेन् छेटा भू छे यो छेषा यरा य बुटा यदी खुषा दर्ने । प्रतेषा या विषाय या नुषाया हुषा या हुषा या हुषा या हुषा र्नुत्रव्यवास्रोन्,युव्यावास्यवासास्राद्धी व्यावास्त्रस्य स्वरम्भेरावस्री स्वर्धाः <u>७८.तूर्या इंश.श्र.पट्टी अक्षेत्रायज्ञु.वीट.वयकाश्रट.त.श.वटी चेङ्ग्रत्तर.</u> वर्द्धर देश प्रदेश स्था विषा पर्या है। दहित विषा प्रधान स्था विषा प्रधान । वेंबासहेंबान्त्रा क्रिंबा क्रिंबासहेंबान्त्राचनवायायात्रात्रने यह नुवायुव सेटा धेरी

तर्वोरः चरः तक्रे चर्वा की लवायायः श्लो त्या चर्झेतः श्लाचया वर्धेतः चे वावयायः वृत्तु वर्डन में बिवा की विष्णा धुवा में सुदे में या अहे राजे खुणे तवान णा प्रदेरि से प्रहर से मुंदी देवा प्रेम स्टर्ग व्यय दिए में प्रोप स्यय में मुंदी विषय है प्यर योद्रायम्। द्वाम्याञ्चीः बद्रामे कुः वाचेवालेदावञ्चेम्यायवे दुषास्तु। मर्काद्राकेः वदेवे नग्रमा अद्रस्य मुझे द्वीद दे क्ष्य स्वर्ष विष्यम मुस्ति विष्ट सन्दर्भः भुः नः रे से द त्रा यदः यवा वा येवा वर् दे ने संविद्यः है। न्त्वारायरात्यर र्द्धरायायार्वेर नुषा रेतिया द्वारायर न्युका पर्वेता स्थाप बूदःवरःषा वीचःवविषाःणेःरेःचःदेःदेनुषःरेदःश्वेदःचःरेद। अयःश्चेत्वदःदयः वार्श्वेष्ययाम्य स्त्रुवाम ५५८ । सन्दर्श्वे में हि स्वेशवहर्मित रुषा विषयासुरमात्री रेनिः क्षेत्रस्य द्वासेनिः द्विः तराम्बनः मात्रनः स्वास्त्रः an.भी.की.५४०। ट्रे.२वा.चीय.५२२.३८.८.२.२वा.ची.वि.वश.भी.पक्की. नेति नुषा सु वार्षेत् भेति द्वार त्युर है क्ष्रर सहें साग्रद स्व र्शेवा या स्रोत है सर्वेति सु वि यम्। उदः विः श्रुः उः श्रुः र क्रिः त्रम्। वश्चः विषयः श्रेदः श्रृवः दः श्रुदः वीयः श्रिः वर्धे वः शुवी.चि.क्ट. अहू अ.क्ट. चे.कू टे.कु अ.चें.च. टेट. । शु.रेट. शु.र्शे अ.वे.च.व. रु:तर्वर। अर्वेदि:ग्लार्-पार्वायवर्वर। क्षेर-इक्पर-प्रेर्चिमानी-रामकु:गहर-वया वि:८८:वाठव:वावव:की:वि:वर्श्वात्रः है:भी:वार्ड्ट:वदे:वर्शः ह्याः हु:कुरः याः याः बन्यबरपोयेन्तुः बुर्वे प्याप्यवादारे ने सूरन्र हिन्तु या वित्र राया

য়ৢয়য়ৢ৾ঢ়য়৾ঀড়ৣ৾ঢ়ৢয়ড়ৼৼৣয়ৼৢয়ৼৢয়ৢয়য়য়৻য়য়ৢঢ়ঢ়ঀ৾ঢ়য়ৣ৾ঢ়ৼৢঢ়য়য়য়ৄ। क्रीं अर्थे व से दे है दे । व स दे दे रे प्युत्य व र दे व व स स्वीव कि के । विषय व सुद्र य यम। श्रेट पत्रे तर्तु भाषते सुट ये त्या द्वाद ये गृत्र स्ट वी त्यु भाषी वा पर्द प्रति सूद यथा यापी अरथान्द्र इस मुँचा मुँचा या माने माना ना ना माना माना स्थाप से माना स्थाप से माना स्थाप से माना स्थाप से माना यह्मारायानित्र मुळेदायां के लिया प्यान् के त्या विद्यारायाते स्वाप्य विद्याराया स्वाप्य विद्याराया विद्याराया यो सुर मी तहेवाया पति सुपति प्येता देणार या पी सुर मीया रे केत में वार्षी पति सु ५८। कुदिः सुराजीया क्का अर्के किताये विश्व स्थिता प्रतिः सुराणीया प्रति । क्रूट वीश्ववाशक्य केंद्र में दिवर देंद्र वदे श्रुवावाश क्रूट वीश्वर्य वीश्वर्य श्री वर्षेर्द्धुर द्वा ये बुद वदे श्रु भू चु ज्ञा का या प्रा देवे श्रेर दु प्रा प्रा प्रा वदे । न्यायर या न्या सुरा सुना न्या मुरा त्या या सुन्या स्वीता स तकर:ब्रेटः। ५:५८:वाञ्चःवाचवःवाद्वाःयदेः८रःश्मदः५८ः। विःकरःह्युटः५८ः सुद्गःयते स्रूदः चः वः श्रेन्या यः चरः देते 'पुवा दः वहेन्या यः विदः हुः के चः चवदः केंद्रः स्रोदः याः सृप्तुः धीका देः प्यम्भ मार्थेकाः स्वेतः याः है। ह्वा विदेशः क्रुयायम्द्रायाधेवार्येद्रा देन्द्रियायम्द्रियायम्द्रवा देण्यराग्रस्त्रीया विवित्त कुन् क्षेत्र प्रित्र प्रदेश मर्डि विश्व कि स्वित्र म्यु कि स्वित्र म्यु कि स्वित्र प्रित्र स्वित्र प्रित्र प्राप्त स्वित्र प्रित्र प्राप्त स्वित्र स्वित्र प्राप्त स्वित्र स्वत्र स्व विंदः द्वीवः पर्वः वदः दुः सर्वस्य यः यलुग्यः वयः वसूदः येद्। सर्वस्य यः

चलुग्रराष्ट्रीत्ररायीतिगायायाकानेतीत्रीतायायायायायायायात्रायात्रेता यकेन्द्रवर्षात्रीयन भेषिषाक्षेत्रीत्वा के स्वर्षाक्षेत्र प्राप्त के स्वर्षाक्षेत्र प्रमुखान्तु स्वर्षात्र के स्व देर् चेर विर रूर वी या विषय विषय विषय वी सुव ज्ञु कुर वा बु वि हे हे कु या यह व बेरावालिया प्येन्याने प्यान विश्वेमा देशिक्षुया यह्म बेरावाने विनिया विश्वेष्ठ स्था यहिषाधिव। विन्दरासहसानु सुरा सुरा सुरा सुरा स्विषा सारा बदा प्रसा ने सा से पा श्रम्। वीव्याञ्चरमाम्बर्धाराज्यात्वेयाः वीर्यास्यायाः स्त्राचीरम् विस्तान्त्रेयाः स्रामक्षम्यायानवुग्रमायदे नवीं रामे विवास वुर्ते ने कर इतायदे भ्रीतिया केन ये ति बुद्यान्य न्यान्य देति श्रीन यदि यो या या अर्थान्य यो विद्यान्य देती द्यान्य प्रमुद्यान्य देती द्यान देःसून्दरेःहेटःटेव्हेंबःयासहस्यायरायवनाःसू। यरादेवेःसेससाउदाश्चायादुः बुँब र्बोट्। देखूर बुँब स्नावकावर देवि क्षेत्रका छव ख्राद्या को दारा विवा की स्नुदावा न्दर्भः वाञ्चेवार्यायते स्मूत्रया विवाया विदायदावी साध्याप्त स्मूत्रया विवाया यक्ष्यः देरः यरः १३या वया ची यात्र्या यो यात्र्या सुद्धुरः दया चित्रा व्यायाः वित्या याद्याः नत्रु रुष्ट्वित या धेता वि रहाया नहरू से हा यह र स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री क्रम्यास्यास्यः स्नूनः क्रम्यास्यान्यन् । अस्यास्यानस्यानुः न्दर्यम्यान् । चैयाल्रेरी स्वार्म्स्यूयायाल्रेरायाल्यी लुवावालराश्चेराहाह्यहे हि कियायक्या क्रीय:द:देर:श्रःजीय:बुच:जुर:बुच:जायश्रय:तर्वर:वश्य:विश्वःवश्यःववर:त्रुव्याःशः ह्नेन् प्रसूप्तिक र्योन् ग्राह्म यावर्षा विद्यास्त्र प्रस्ति या हिन् यो स्वित् । स्व दब्दायायादबायायायायायीव। विदायपादुः श्रेषा उदा क्वी वियायुः तुःयायायहरः यः भेता र ब्रिंट वर्ट त्र वर्षात्र र वेट प्रति वर्षा सुषा भेट । ब्रेका खास वर्षा र व्याप्त स्थापित

योशीरकार्यकाष्ट्रीकृष,त्रांतुवा,यी,प्रयाविष्यकाञ्चनात्तात्वेवा,यी,क्रीरायकात्त्रप्रत्यकार्श्वरा नेर विंद वीष धुर स्वाबिवा द्वारा यय वार सेंद क से द द सुरा ने सुःधेव ले वा तु चे दे हे कुया सर्व की शक्षे विवाय पश्चित कुरि थी प्राप्त विवास वा से दे वुस् यम्रे.स्य.क्री.ल.भपु.यार्थयार्थःयर्थेयर्थेयःयं यार्थः ट्रंपु.लीज.र्य.म्रेह्राम्चेज.भष्ट्यः जासमूर्यः श्चिम्र । वेत्र । वेत्र । वेत्र वित्र वित् यहेशस्रित्रः द्वार्यस्य हुँ त्रस्रवया द्वीयस्य स्वर्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्या इ.कि.ज.षक्य.क्रीय.ट्.च्या.च्या वृट.चि.षा.विय.त्युवा.विय.यया.क्या.वी.ट्या. रेट में उत्रा सुरा में प्यट पीट हुँ च लिया यो त लिंद सु स्वर में प्रदेन रा चलित होत. थॅर मैक थॅर ग्रुर। देर है खूर ग्रुक ग्रुर चर देंदि क्षेत्रका उक् या युका केर प्रका हेब ये न मानका ये न न निर्मित स्नुया ये सुन मीका हिराया ये वित्र प्रेया ये वित्र र मी श्रेमश्कीतिविः हेत्र स्त्राचित्र त्युर्या हेत्र वार्वेत चित्र स्त्राचा लेवा त्या स्त्राम्य स्त्राचा नेत्र देरविर्याक्षेश्राञ्चवायाद्रा विर्याची श्रुवाश्राद्रवीर्श्यायाद्रदे वार्श्वस्थी योव खूट : ब्र र : यदः वे व व : ज्ञान । व : ब्र व : या व व व चे चि व : यो देव : या द 'क्ररम्बर्यायेन'हेव'येन'नु'व्व्वययाम्बेव'वनुम'नमें स्यावयास्यायःविव'हःक्रें क्री योष्याः सैयायः सेयाः या सीटः टया द्वीः सा सीयः या राज्यः सोटः। विष्याः सीयोः निर्मा भ्रेया देरहे मुद्दि वेर क्रिया हिन्द् पर दुष्तर वार्य सेना दे देर यह वयाचेवादेरावाधीवा हिनामराविवाहीः वीचे केया सेनाविवान्या से विवान्या से विवानिया से विवानिय से विवानिया से विवानिय से . लट. शुब्र. च. ट्रची. तपुर, विच. प्रियम स्थापित हो. स्थाप स्थापित हो. स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स हेब केंबा ख़ब ख़िवा हु क़ु ना की जोब स्या तदी ख़र ति खुम ब न स्वा के हो हो न हेबा

मुश्रुद्रश्रायम्। तुःर्वेश। नम्द्रितिः इत्रालेशः देः मृत्युन्यसः प्यमः देः मुर्वेदः तर्वेदः र अर्थेर अर्द अर्द्धअयाया विषा सेद्रा र व्यर्भेषा या देखिया से नेयामहिषामा तत्रुया के यदा ये प्येत्। क्रीय तिमा त्या सेमाया तत्रुया के प्यकुत्त प्रति । यक्ष्यानु तर्वो नत्त्रेत पते स्नान्या क्वीं त्रान्नु नेंद्र केत्र पेति तृद्र नु क वास्त्रात्य नर्वो रापते । कः योष्ट्रेशः याद्रशः भीवा तम्रेषः श्रोदः। कः योष्ट्रयाः सुत्यः दुः त्युश्राः याद्रेशः स्वाक्रिं स्वाक्रिं स्व मुंदारक्रियः ग्रीका देदा मुना विषय । विषयः देव विषयः व यात्रराद्रराज्ञात्रस्यातः व्यापात्राच्यात्राच्यात्रयात्राच्यात्रयात्राच्यात्रयात्राच्यात्रयात्राच्यात्रयात्रा ৻ড়৻য়য়৻ঀৢ৾৻য়৻ঀৣয়৻৸৸৸৸ড়য়৾য়ৼয়৸ৼৼয়৸ৼ৻ড়ৼ৻য়৾ৼ৻য়৾ৼ৻৴য়ৼ৻ৼড়ৄঀ৻য়৻ৼ৾৻ড়ৄৄৄৄৄৠ৻৸ঀ৾ৼৄ৻ यातुषाया ने सेव न सूर्ने र से किये व न न सूर्य के से से से से मार्ग के न से स वोः र्रोज्ञेज्ञायः देः विया कुः यदः देः विवा वे देदः क्षवः यदः वदः दुः द्वद्याः यदः । देः व्हेयः दः भैयम् र्रेया पर्मितारम् सार्श्वीर प्रविष्ठ स्त्राम् स्त्राम् विष्ठा पर्मेर प्रविष्ठ विष्टा स्तर स्तर तर्राक्षेत्रान्दरः श्रुवान्दर्याणार विदाणी सुवायि हेससा वसूत्रा व्याप्याप्या न्यस्यात्रयात्वस्यात्रीत्। नयस्यान्वत्रान्तेनाक्षेत्राक्ष्यान्तेनाकुः यय। न्वे त्वा अया प्रवासी के विष्या में मार्चे के विष्या में मार्चे के विष्या के विषया के विष्या के विषया के विष्या के विषया के विष र र्ह्मेन हिंदि दर अध्याद स्ट्रांचया सव या धीन ह्यू रेदा द ने स्ट्रीण उन हो या उन धीव व धीव द्वारा वेषा विद्या स्वेषा द्वेत प्रति । व दे से दिव स्वेद । म्युयायार्थेर पेर्न यायेर सेर्न क्रुंचायेर यायेग्यार्थ दिवा क्रेर पेर्न यायेर् तु ते दि हे कुण अर्क्त क्षेत्र ने सूर बेर लेर यात्र क्षेत्र ने ता ते तु त्वा क्षेत्र स्

स्वाप्तरादेवे । स्वाप्तरादेव । स्वाप्तराहर से के स्वाप्तराहर । । से से से स्वाप्तराहर । । से से से से से से से बोन्'याञ्ची ।कुन'कुन'र्रान्द्रान्द्रात्वन'खेन'कुन'। ।बेर'र्लेन'स्रुत'यार्क्नार्स्क्ना'स् रवःरैवःकेषाःषीः वदः दुः व्यक्तिं सुदः षीषः वयाषाः यः सुरः दुः तुदः र्योदः। देः प्यदः वरः देविः श्रेम्बराक्ष्यात्राद्धितः भ्रेष्या श्रीः स्त्रूटाचायदीः त्युः चुः स्त्रोत् । यदः म्युः सुः भ्रेष्टा स्त्रीयः श्रेष्या हेश्यत्रश्यर ने न ने श्रीट त्रश में श ने हिंद हैंन न न न न न हु लेग भेंदा याश्रीर राजुर्या विरादे वर विरादि स्विता पुरि पिर पिर पे दि विषय पार भू प्रि स्वर केत मृषुम्। यर्गम्यायषुष्यः पर्मान्याया न्याप्तायायः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वाय ब्रिन् सः प्युत्यः वार्डवाः संयुत्यः स्ववाः स्नेन् : कः बीचः हुन् : नृनः बीकः वार्युन्यः नुन्याः विका ह्या कुं अर रे प्रदासीय स्त्री त्याद रे त्या ह्या रहे साथ राष्ट्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स् यरावान्नवार्थेदा नवदासेनावरान्दिःस्रेससाउत्ने नेरावाधितानुसाने स्वीतावारा र्शेरक्षेत्रपुषुरशेर। वनवारि हेर्नि संस्थायह्यानु विद्यास्त्रीर हिन्ही यर्व वयान्तर लु होर नदे से नहु मुस्य नर हेव नहु मुस्य विषा या सहसार् सेरा ग'वो'र्के'दे'रे'दर्वो विवा'या'यर'दर्वो बाव बार्केट क्षेत्र सूचा के'रेट पेट विवास केटा मल्दाम्ययाञ्च में मारासेंदाकायो प्राप्त मिन्न में साम्यान स्वाप्त मिन्न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त नर दें विकार्योय की केंबा तदेते द्याद विवासी तद्या तदी वार्बेद धेते दुवा सु इ त्या तहवा भीन वा श्रुप्त वर्षे वा वर देती होया होया हु सका वो वर होने पा श्रे का है। र्वोबा व्याश्चीर प्राप्त सम्माणीय ग्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र सक्रानु तम्रे न सार्थे न स्था स्था स्थान स

दे तद्ते क्षेत्र यम सक्ते प्या से तदेत्र से अत्तर्गाम समान सक्ता हु तक्षे केता तर्गा डेकाभीन क्रेंब चुका केंद्रा ८का यम देति विका विवासि है कि विवासी ने केंद्रा यनरक्षुःहेर्नेर्यर। देळेंबर्ययाबिर्चेष्ठेषाळेंबरहेर्नयरदेवरम्बर्याञ्चेयवरास्त्रे तुतै तेन वसायमा येनि केर से वर्षे नर न नुदाय देन र है वा नसून या पेता से र रबार क्रिंब केर वर देंदि श्वादेर बेर वासुसाय श्वावा त्रवा वस्या स्वावा स्वाव स्वाव स्वाव स्वाव स्वाव स्वाव स्व श्चार्वेन्ने के देश बेब्र व्यावन्त्र व्यावन्त्र श्ची द्वाविष्ट निष्टे के स्थाविष्ट स्थाविष्ट ब्रिना श्रीमा वायाने वासुसाबेन वासु विदाने मानसुसादे हैं ममाने साम सामिता वियाः सुरुषा नगीवः नगीवः केषाः सूचः श्चीः श्वियः रे नगीव। । पर्वेवाः पर्वेवाः सूचाः रुवः क्की विभारे पर्कृत । स्रारास्य स्वारास्य स्वारास्य स्वारास्य । असी स्वीरास्य स्वारास्य याञ्ची विषासूनासुर्वेष्ठार्भुं होत्रिं देनाये दर्विर विर विर देन प्राप्त विन हिषा वयातस्य संकेलिया चक्कुन ने प्यर प्यर स्वन स्वेता प्यर वित सीया हेया वरुन वया ब्रिन् ग्रीयान राने दि सी मध्य या उन् त्या तरी त्यू राने निष्य कि माने विकास के माने विकास के माने विकास के माने मबिवः मरादेतिः ब्रेंबा ब्रोंवा प्रमाना वार्षा व्याप्य देव प्रमान विवास क्षेत्र प्रमान विवास स्वाप्त विवास विवास ট্রিস্ট্রেমট্রেস্থর উঅলাম্বরেমমের ইই ক্রুএমের্ক্রট্রিমা वर रे पतिवर्त् पर देवे क्रिक् यथान्य पर्दे क्रिक्य सम्मान्त्र विषया सम्मान्य सम्मान् ૽૾ૣ૽૱૱૽૽૱ૹ<u>૽ૣૹ૽</u>ૢૼ૱ઌ૱૽૽ૢ૽૽ૺૹ૾ૼૹઌ૱ૻ૽૽ૣૼૡ૽ૺૹૺ૱ૹઌ૱૱ૡૢઌ૽૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૼઌૹઌઌૡ૽૽ૢૢૺૼઌ૽૽૱૽૽૾ૺ रे⁻ह्नेन-थेन-हेन-रेन। ८-५८-ने-श्रेय-चेन-ग्री-स्वाय-य-वासुय-थेन। देन-इयय-नर-देति:श्रेश्रश्रश्वाच्याचे वर-वर्षान्तर-कःके:वेषाधित। विनः नश्रुशः वेचिषाचीवाः

क्रम्यायोत्र होत्र मानत्र वित्तर रेत्। द दि सी स्पृत्य त्र मा सीत्र वित्तर वित्तर वित्तर सा हुत् यस्तर्र्र्र्र्यं शुर्वा विवा यो व द्वीं स्वायस्य स्वाय सुवा प्येत्। स्वायस्य व्यवस्य गर्डर संविषा संहेद पर देंद से किये वद दि से महिंद पर दें से बारी दें प्राया से दिया वेंत् ग्राट मात्र शर्कंट मार्कंट आने र मार्ने मारा देवि स्नामका विदेश मात्र शर्मा मारा स्वाप्त मारा है। युवानमाधिन वित्र में रायुप्त वित्र रायुप्त वित्र रायुप्त वित्र प्रमाणिक वित्र तहेग्ररादेन्ये के रे तहेग्रया । क्रें क्रें पर देवें तस्र रे क्रें । विश्वे के तिर विर वयायकेयार्वेराविवायुषाययाविष्टराष्ट्रीं सुप्येवाविवायवारेटाविवातुः स्टि सेवा यदः हेर्यः यद्यात्रयः स्थेतः दृदः यत्यदः कुः योदः यात्रुद्यः ययः तद्वा र्ड्या ग्रुया षीय हिन् सूषा भे नवीय। रय ले विदेश से ब्रम् लेगा मलेम्य पेन प्रयानिय नवीया ब्रिंत्रायानक्षी नवीयतियमेषावानेषात्रानेषात्रम्यात्रम्यायात्राहेषीवानुवायारा यें निस्दान्य विष्या विषया नवो न बिन यान वे ने या या करा की स्थार की स्थार ने स्था ने स्थार न ৰ্থা খ্ৰী মাস্ক্ৰান্ প্ৰমান্তন্ শ্ৰীকা খ্ৰিন্ শ্ৰী নুৰ যে মা ঠ বেনুৰ বেৰিৰ আন্মান মাৰ্শ্ভিন শ্ৰী ইমা थः भ्रेषाः येन् : क्रीन्षे न के त्या वास्त्र त्या वास्त्र विन विन क्षेत्र या विन क्षेत्र या विन क्षेत्र या विन में भी के दें ने ता से प्रका किन भी तर में ती की ने ती का तरी का भेत्र प्रशाद्विया वार्डर या दिवा या सी खुर्या सेंसा खूत्र दिवा योत् सुदि द्वाद द्वा वर्षा यर्नेवान्ययः रेराओं क्रुवः रेवाये केते दुरानु तत्त्वाया द्वायो वानन् वया नेराक्केवायया यम्यायान्याता रुषायस्यात्रात्रात्रात्रीत्रात्रेत्रेत्रात्रेत्रेत्रात्रेत्रेत्रात्रेत्रेत्रात्रेत्रेत्रात्रात्र रु: र्रोट द सी द्वाद वस वस वस विश्व मुस्य दुय विष्ट में मा द सी प्याप दु

तर्वा प्युत्र श्रुदः प्रकाले क्रियाया सेंदा वित् श्रुत ज्ञात्र स्था ग्री देव त्या स्था प्रवास स्था । तर्वेविषाः प्युत्र मुद्दः प्रकार्विदः तर्वेद्दि को ५ वि दे व्युः प्युः पर्वता प्यदः हेदः कुः से वद्वा र्थेन्यन्तेयान्दर्यन्यस्यार्वेन्त्र। न्योन्यालेन्यन्यन्तेयान्नेयान्तेयान्तेयान्तेयान्तेयान्तेयान्तेयान्तेयान् येत्। ५:५८:वावयःक्टःवार्डरःयाःविवाःयःश्चेतःययःवहवःवयःश्चवाःश्चेःधेवःवेरः वयःश्रेषाःवयः यक्षः यः वः रः रः वर्देवः चलैवः य्रेययः ययः यवः व्हंवः श्रीयः वर्षः वर्षः वर्षः गु:रु:हे:ब्रु:तेंर:बेर:बेरा बिंद:ग्रीत्:र्रो:वारु:रे:ग्राट:रु:बेंट:ग्र्युट्य:यर। विंबः ्च पः र्हेन् या विया केन भेरिना मी प्राध्यान्य या सुमा उँचा चुरा से मिल के ने दे से सक्सा सून्। से दे से सक्सा सून् कःचन्द्र-विद्यास्त्र-विद्यास्य स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः स्थितः स्थितः कर्मिन्द्र-विद्यास्य स्थितः स्यासः स्थितः स्यतः स्थितः बेरक्षा पुःर्वेद्वन्द्रम्ययापरायक्षेत्रायिक् के क्रुंसूः येवायवेवः विरास्रिरदेः विरावयातस्य देवातस्य राष्ट्र देवास्य स्थान्तर्वा स्थान्तर्वा स्थान्त्र स्थान्त्र । स्थान्त्र स्थान्य स्थान्य स वर्षाबिन स्टेन नर बिन के इर बन सुमानर न नर तर दि सु लेग पेन। बिन मिन हे क्रें भी किया है है। या में देश क्रिया है से प्राप्त क्रिया क्रिया है से प्राप्त क्रिया है से हे केंबा क्री क्रुया में दि सनुबन्द सार्वेद । देंदा केंद्रे देंद सन्द नवा बुबा बेंद्र साहया वर्जेन् वर्ज्ञवा सेन् प्रतिवा सेन् । स्त्रीन वर्षा वर्षा वर्षा स्वाप्त वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्य यः या यो क्रिया या जावतः त्य युद्धः या यतः स्थितः या स्थितः या स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थित ने के अवा सूर वीयाव कुवा लें राने वाने रासे रास्त्र या स्त्री से सु छोता नु याबेटमा भेगान्दरम्भासके सार्व्यन्यतेन स्वास्त्रित्या स्वास्त्रित्यंद्र ८८. खे. य. हु. की राजिता की त्या की त् षार्रेग्रवाश्चर्यः याद्वीदात्रार रेत्रहेग्रवा डेश:बेर:पर्वद:ब्रॅश:वेंर:र्। यह्मयार्न्ट्रमी सुद्गाया । यश्चिमया सञ्जीमयायया सुद्गाद्मया । प्रद्यम्म । त्युमः त्युमः सम्मनः स्तृतः नुः त्युमः । व्रिः व्रुः त्यमः मन्त्रः सूनाः सूनः । है। बियाविरादिरादे प्यरास्त्रा ह्या हिया है या है या स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स હિંદ્ર-શ્રુ-વાદ્દેયાયમાવસદાવાદ શુંતાયમાં શુંત્રેના વાતા કાર્યા છે. જેને પાતા વાતા વાતા વાતા કાર્યા છે. ने सूर क्रेंब यय तनेवरा वलेब प्येंन प्रया हिन सूर्या के नवेंबा हिन यहिया या स देन उवार्क्ट याया रेका सेका स्थापन विद्या स्थित । सिन् विवा सुषायार्केन् तके पालेषायदे न्वान केवादने सोस्याउव गावि वादेन पालेव प्रयासिन म्रोमना स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त् व्रेन् प्रतिष्ठ प्राप्ते प्राप्त व्रिन् ग्रीया प्राप्ति प्राप्त विष्ठा श्चिर्यात्र वर दे सूर्वायय श्चे स्वाया वर्षेत्र या प्रेत्र या वर्षेत्र या वर्षेत्र श्चे । विद्र श्चेया स्वा श्चे यर्षे दुज्यं ये देवाया विषय होता यहीया अध्याय होता सामे ह्या क्षेत्र होती है. त.ज.भर्ट्स्, यर्ने प्रश्नाः श्रीः श्री प्राप्त प्राप्त प्राप्त श्री प्राप्त स्थान श्री प्राप्त स्थान श्री प्रा डेश बेर र्हेर क्षेत्र स्वार रविर र्वेर सा बुर वरा वि र्वेता स्नुस में सुर वीरा रेत या चलेत्र तर्वा नवर सेन सर ध्रित सेंद्र वास्ट्रमा ने स्ट्रिर वा रुहे ह्वा देंद्र वे र की ह्या

यकेन स्वायाय केंया स्वार ने कें या पर ने दि तह वाया सुवा ने सूर हुन पाया सन् र्देट र्रोके दशुयानर सुट क्रुर रे सूर सुना दटर या दर्गेया न ट र्केया दशुयाना या त्र्वी प्रति कः क्रीतः करा प्रश्चिमा द्रवी किमा द्वी किम য়৾য়৽য়ড়ৢ৾য়৽য়৾ৼ৽য়৽য়ঢ়ৢৼ৽য়ৼৼৢয়৾৽য়ৢৼ৽য়ৼৼৢয়৾ড়ঀৼ৽য়৾ৼ৽য়ৼয়ৣৼ৽য়ৼৼৢয়ৢয়৽৻য়য়য়৽য়৽ श्चे कुं प्येत तर दें र्रिंग के चेत प्रोर्ग माय है स्टारा श्चे रुट प्रयेत व हैं हे कुया यर्क्त क्चीत्रं के किर किर किर के का स्वाप्त की निक्षिण की निक्षिण कि सम्बन्धिया है का निक्षिण का स्वाप्त का रःस्र क्रिंते क्रिंद गुडेशन्यरयाने के नेति वर्षे व सर्वे सुंग्रेन यति नेति व व गुर्थे व व प्रायि व त न त्रवेद द्वा न्या न्या निर्मा न धेव विषानुषाय कीवा नर्देश मानवश सुमा नस्य ने सूर हिंद निवेद धेंद परा टार्केश रटा वाब्र वाहेश या प्रथम हो वाहेट सामेश द र्रा विवाद रेत्र विवास वार्य स्वा देवा ओ'र्पेर्-श्रे-वेश'र्शेर्ना ने'यश'ग्रुट-सूत्रा'ओ'रेर-'तशर्या कुंवित्रा'पेता न्ह्युय'त' वः पेर्नः यदेः बोब्रबारुवः नेः केर्निवः बोन् । वास्त्रवाः वास्त्रवाः वास्त्रवाः वास्त्रवाः वास्त्रवाः वास्त्रवाः ग्राम् योन व विन वन्ते के लुका व का क्रुं यर्क्व ने के विकान में का प्रमाने हे का विवा वा गु:रु:हे:ह्व:देर्:बेर:हअरू:र्रः अयादर्शायादिषायात्रर्गे वात्रर्गे देशेस्र यायर्के के दे के याद्र स्राप्त स्थान स यर उत् दर विदायर क्षेट हेते सेस्र ग्रीस वर्षेत् वर्ष वर देति सेस्र अस्य स्वर्षेत्र के:बेरायव:ब्रेंचार्या:सेन्यावीवार्यावर्याः वार्युट्यायः सेवा ने:स्पटः ब्रेन्यात्युटः यः बिया यी सेंद्र दु: प्यर विंत र वो निर्देश स्था कु: प्यर विदेश देश का या यो निर्देश हो । दि विद्या यीयः विदः योशेशः प्रविदः प्राप्ते प्राप्ते स्थान्य दे राये प्राप्ते स्थान्य स्थान्य । वृत्ते हि हि हि या सर्वत क्चैं वित्रपति स्रेत्र वया हुया छ हिया प्रवित वित्राया या स्रेति वित्राया वया सुप्रायी सुप्रा श्चिमानेराधिन सम्मा विदायीमा हिन् श्चिमा स्वरायन सम्मान क्रॅंब वया यावया कॅट लेगा छो हो दाय स्यापाद दुराया हो दाय लेया या सुरया दुया वयान्यास्य स्थान्त्र विरावदीयान्वाद्रवारीद्वीद्रात्रेवाद्वियादुवा रावारादुः विरायराष्ट्रीः ह्वासीद्वारायदिः स्रमास्त्र वर्षा निष्मा रेन तन्त्रा सम् । से ह्वें वर्षिया वी केन नुस्तर ने विभागस्य वयायदीयायवयाय्यायाय्येवाल्या हिंदाक्षेत्राचेत्राच्या विद्वा र्देते:स्नुत्रमास्याःस्नुं प्रद्याःस्यायाम्याःस्याःस्वे स्वदःतद्वा वितःस्रीयाःस्याःस्वाःस्विरः चदः सर्वः क्रें से चर्यः क्रुं दरः द्याः या स्वतः क्रेंद्रः क्री लेटः विस्रसः सुद्धः चदेः या दस्यः रवा के तद्वे अर ये बेंच होर वा दे के हिन् की धोर वा वेंबर विदेश स्था क्कें गर प्येत प्यर सूना यय ने नय विंत् ग्रीय न्या या यात्र हुँ नि ग्री बिर न्द नि न उत्र ૹ૽ૢ૽૽ૡૢૺઽ_૽ૺઌૹૹ੶ૹ੶ૹૢ૽ઌૣૹ੶ਖ਼੶ૹઽૹ*૾*ૹ૾૾ૢૹ૽૽ૹૢ૽૽ૡૢૺઽ઼ૺઌૹૹ੶ઌૢ૾ઌૣ૽૽ઌ੶ૡઽૢ૾૱૽૱ઌૢ૾ૢઌૢૹ૽૽ઽ૱ઌ महिन्दरक्षे द्वारिया हिन्यामियानस्य क्षेत्रस्य हिन्दी स्था वर्दे नवा कवायाधीर क्षेत्र्युया बेरानाधीय दुया विचित्रुं राष्ट्रीय सुरे वर्तु वायानार वाया निहर रबायायायते वरानु पत्वापे विन् श्रीयराने स्ट्रिंट यदे खुषान्दर दे ही वया हेट तित्रुयः क्री:युक्षः विहेकः ये:क्रेंट वात्रुवाकः धेवः युवाकः विहेवाः अर्द्ध्दकः धेवः यकः हिनः श्चिषाक्षे प्रदेव प्रमाय प्रदेश विषय । वर्षी विषय प्रमुख । वर्षे क्षेत्र प्रमुख । प्रदेश प्रमुख । तर्या जयात्रात्रश्चान्तर्देहिक्चेतात्रक्ष्यक्षेत्रक्षात्रयात्रम् क्षेत्र्या स्रूर्ण्या परादेविः बोबाबार्काः व्यासदि । बोबाबार्मा व्याप्ति । यहार्दे हिः मुलासर्व मुसारायासद्व सूरायेंद्र प्रमानवुर मुख्यायद्वर से विदानी न्वें रियायर ही व्यया दे ही व्यया प्येता विंदी दे दे राम प्येत ता वे मार्थे द मार्थे व प्याया विंदी राम राम प्य गा ख्या कुं भेंद्राया या यद्दा प्रायद्दे । अं प्रायदे । अं ब्रेन्द्रमा विकाग्रामर्ख्यानस्थान्यान्त्रमानुषाह्या न्टेन्यानुषान्या यःगर्नेग्रयःअः द्युगः श्रेःवेयःयरः द्युगः क्रुवेः द्ययः धेवः ययः विचः वः द्युः द्येनः न्वेयः वेरः वयः ॱॾऺऺॴय़ॱॺऻढ़ॖ॓ॺॱग़ऻॺॱॺय़ॱऄॖॱढ़ॖॕय़ॱऄॺॱॵॖढ़ॱॸऀॸॱॴॻॺॖॸॱॻऻॶॸॺऻॱॱॱॸ॓ॸॱॻऻॖॱॸॖॱॿॖॱॱ तेन् वेर की नवीं र रायर। यो या यने व ति हैव या त्रवा की लेव या हैवा यो नव या कुन यावद्यरम् वर्देशसूरावायान्देशक्षेत्रक्षीविषानान्द्रस्यार्केन्यशन्देशक्षेत्रः क्रुराक्चित्रं पुरत्तु त्याया हर् क्यार त्ये द्वार्थे दिया या रेट्। यय प्रतः वी ट्वीयाय प्येट्ः यमार्थेमाधीम् दम् सेटाया दे तर्वी नममाया सेन्। तर्वी नवीं मारी सुनाया तर्दा यालेगा वितान प्रमायन्त्र मा केयाल पुर्वा वितान वितान प्रमायन प्रमायन वितान वितान वितान वितान वितान वितान वितान बिरायासर्क्तर्दरायमें द्रायसाह्यद्वायरादुः तथम्यायाचे प्रति पर्वे स्वतः स्वेदासे द्राया देश्या श्चीन्वातः प्रस्तुः प्रस्तुवायः स्त्रीवायः स्रतिः त्युयः प्रस्तुः त्विवाः योदः प्रस्ताः प्रस्तिः स्त्रीयः प्राय मनार्केन रेन नर्ने र अवशा वे त र अ हिन व रेन व का होना हेन व है अ यात्र प्राप्त विष्य प्रकृत प्राप्त विष्य प्रमुख्य विष्य यक्ष्यान् स्वेत्रया नेराकेट प्रवास स्वेत् प्रवास स्वेत् प्राप्त स्वेत् प्राप्त स्वेत् प्राप्त स्वेत् प्राप्त स्व योशीयाक्रयः खुर्याः मह्यूदः त्या हिंदे क्रियः योषया। यदः श्रृदे म्यूदः यदः द्वेदः स्त्रेदः स्त्रेदः स्त्रेदः स् योशीरकार्यका विका यहै.यह.यक्कै.यक्कै.हुँर.हुँर.हुँर.हुँर.हुँर.हुँर. तर्वो नम्भाया सेन् हेमालुमा ने नम्भाया स्यम् निम् नानम् सेन् । यः विवा से त्वत्वा वास्रा ने त्यः से त्वे कि स्था निस्ता निस्ता निस्ता निस्ता निस्ता श्चीस प्रमान क्षेत्र स्थान विषया विषया विषया स्थान स्य या. लुयं बिया लट. शूट. हो. ने राष्ट्रियं यह है। यह रहे अर्थर मुन्य हो है या यह है या वयातव्यात्राने।वटास्नेटार्चायया सेटावयाक्कायह्नटावटायरावास्त्रयात्रीयाः यक्ष्यायाध्येत्रप्रमाविदाक्ष्याया । विद्वार्थियाप्रमाया वर्तेते वर है वर् लेग नयू लेश ग्रुर्शर्श्या विस्त्र सामा स्रेट वर्षणा यरमाने नमून। विंदा सरायेनमा सरायर विदान हों से से की तर्मा नमसा वसमा गावाळवात्यावदावदुदामावस्यावदामदास्याचेत्रा देरावेदादुः स्रेनराःश्रीयराः वर्षः वित्रः क्रुः साम्राम् रुवाः रुवाः स्वाः स्वीकाः वरित्रः । अर्थाः स्वारः स्वारः स्वारः स भ्रात्तुत्वापर्त्वाप्यश्वात्त्र्भेटः हे तदी तद्वे पर्वे पात्वेवा मुन्त्वा स्रो भ्रेषे । वटाया वर्षः यानवर में बिना नर्य में निया होत् द्वीय द्वीर या ने से स्टूर बिना यय ही र स्रेचराः स्रेचराः विराधिरः स्रेटः तिवाः तथा वर्षेवाः वर्षेवाः वर्षेवाः वर्षेवाः वर्षेवाः वर्षेवाः वर्षेवाः वर्षे वर्डेम । द्रोत्र द्रोत्यम् मार्थः वर्षः वर्षः द्रोत्। । क्रें क्रें चरः देवे वर्षः वरः भ्री विदःकुरःसरःद्वरःत्यश्वरीःकुरः। विद्योविद्यायाःविद्योविदेरःविद्योः येत्। विशः क्रेंत्र्यः येतः चलितः सेवाः यदः क्रुवः तथः सरः चवः सेः दर्शे वः वायत्।

देर विंद अर्श्चियाय सेर सेवया वया विंत्व चुर से भूत क दे विंद यावया वद स्थान विवा पर्रवा रेवाय द्वेर दर्वाय द्वेर पर्वेरय हे क्षेरिवा ये विवा वी वर वया ये बर वर्षा ये। मिलासक्षी हें हैं मिलासक्ष्य लेश होर राक्ष रे विश्वास्य राष्ट्र का से प्रुत्त स्थित स र्शेट न्या विट मुम्मार क्रीं न कर्न यो न सुन्य है या ने त्या न सुन्य न स्थान सुन्य न स्थान सुन्य न स्थान सुन्य न स्थान सुन्य स्थान सुन्य स्थान सुन्य स यर् द्या के लिया स्तर हो दार्य राज्य स्त्र मुना हो का देवा या के विषय स्तर हो स वयायनायावयान इत्से यायदन्यायाय स्मून् कान विन्ति विवास निर्देश विन्ति । र्शेट क यो द रेद प्यथा द्वीय कर विर्दे द र हुमा कु या रेदा द हुमा व स्नूद क वेर् कु या लेदा पृ:इंशःहे र्क्स्यायम् न्युयाम्यान्यायायाम् विदःश्चिः श्चीःविदः विस्ययायने याउनः श्चीःविदः सः नुः विवा त्या वित्व वे तिह्वा न्वे विषा ने स्थेव प्यान मानवा निवा कि साम सुन्या बःरेदःश्रःतद्वाःदवीदयःहेःश्चें वयःददःचबुवायःयेदःदुयःवावेधःयदःयःवःद्वेदःक्चेदः वुषाव्याक्रम्भः देः प्रायाः सेंद्राचारेद्रा सुः चे द्विः ह्वात्याः मह्यस्य स्वर्धे । स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स तर्यः प्रमास्त्रीतः श्रुदः मी मदः वमा विदायम् अतः विमा प्रीतः । श्री मा देवे हे अप व अप विका मुर्जा क्री. क्रुंस स्ट्रेंस अंतर्भ संतिष स्त्री न क्रुंस मानव स्त्री मानव स्त्री मानव स्त्री मानव स्त्री मानव ख्र-र- द्व- उत्र दे के वाय- क्षुण्यात्र वाय- विष्यात्र के विष्या क्षु- विद्यान्य विष्याः विष्याः विष्याः विष्या ल्रें व.र.क्रू.मृं में अथाया लेवा तार्वार अर्थ तथा मुर वीषा देन यदे सुवा वसूया है। र्कुयाने कें भी जालन व्यासाजिन सामरा व्यासी वेदरा जानू जु सीन व्यानु साधान मेरा सामित वरक्कें वुरसुरद्धेरद्धे वेदरव विषा ग्रह्म भेषा देने देन वी देने विषय के वा विषय कर्तायापरानेत्वर्त्तार्थेतिराबेशस्त्रश्चराचेरावेश नेत्वरायवर्ताव्याः केर्पायतेत्वरा

ग्राम् त्वर्ते हे तहेवा हे द तदे ते हुँ दिया ही हा साधेद नयस्य द साधे हवा यदे तद् हो स पश्चेत्र'नवींबायबार्ययायीयाने'इत्। दवावींबाने'वर्हिता वाल्वरायायदार्थः ह्वायदेः इव वसुवादे हो द दर्शेषा देः षदः। षेदः वाहोदः यः श्रम्रास्य स्वरं होः नर्झे अया वें राष्ट्रित हो। श्री ह्वाया नर्झे अया दर अववाद वेंद्र से द कुट वा ह्या नर्सेन् यदे खुग्रा श्रीयानस्या न्या वर्षा वर्षा वर्षेन् यदे लिट स्रार्केन प्रदानि वर्षा न यन्दरम्बर्गामर्स्दरम्भाये हेर्याम्ययास्त्रम्भ्याम् स्वराम्यस्य स्त्रीयात्रः क्ष्यां व्यवस्त्रः विष्टे हेराने देर तु भेग गर्भ अधि रे भेरिन प्येन स्थान देवा प्येत दें। । नेरा द से नर में यह्रयात्राञ्चया रुषः क्षीः र्लायाः स्रोत्र यात्रुया रह्या यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र सर्द्रमाग्रीमार्श्वेचासी सुनाया मार्थिमान्द्रयान्याच्या न्द्र्यायी विमान्त्र च्चा कुं त्रेरा वर्षेया वीया स्ट्रियाया या रेटा स्राचयाया वर्षा द्राययाया स्ट्राययाया स्ट्राययाया स्ट्राययाया য়ৢঢ়য়ॱয়ेःवार्वेतःয়८ः८ःविয়য়৽तःसेंदःतुषःवञ्चुत्यःश्चनःसेंदःतःदेःसेदःसेदःतःदेःसेद। ल्रिन्देशायाकुल्पिन्छेत्। क्रिवासुमाकुराचर्यायायायान्देःसूचायदेःसून्देशायाक्रमा विवाःविवाः याक्ष्मः याक्ष्मः यात्रुवाः यात्रः स्त्रो यात्रित्यः वर्षेत्रः यात्रात्यः यात्रः यात्रः यात्रः यात्र नेन्द्रत्वयानार्येन्यायारेन्। न्ययार्वेन्त्रियानहरानुसार्यान्याया ल्रेन् ह्या तर्ने वयान्यायते ख्रेळ्या इयान्या द्या यात्वायान्या त्या तर्वा यात्रीयान्या तर्वा यात्रीया

वीयादारेदायार्थेदा देखस्य उदार्थी स्टाला वार्वेदाय से से स्टाली या स्वारा यःभ्रःतुःवित्रः धर्याः अत्रात्तर्या भ्रुषाः से स्वार्थः तिविदः से सम्वतः वास्तुसा यामित्रम्यत्रात्राचीत्राययायापुर्याक्कृतातुः त्रञ्जूर। श्रीणुर्यात्रात्राह्मरया यवर्षः चयाः इ। ज्ञान्यः देवायः च्यायः व्या क्षेत्रः व्यायः वार्ष्यः यार्ष्यः या वश्चरकेर्न्ययार्वेर्य्यदेश्वयाद्यरविवागित्रयाविष्ठ्याविषायाद्यतारुदा वर्देरःबूदःविर्वरःववः वुःचल्याः वा स्त्रेदः ये स्त्रेदः या वद्दी स्त्रियः वदः स्वरः वा बूसः वदः श्रूर.य.जभाश्राम्याची,यन्नभाय्येन,य्र्यास्थ्र्यास्थ्रीयानाःश्रीस्थ्री यस्ट्रियः योष्ट्रात्तिः स्वासी प्रमानिकार्यस्य विद्यायस्य स्वित् । या विद्याय स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स क्चेंत्र्यं ह्वायी प्रयाययात्रया हेटा दे त्यस्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत ह्रमामी प्रमासम्बद्धाः स्वाप्त र्वेज्ञ स्वायन्त्र दे त्यवाया यदि र्वे र प्रमुन रेदा के पर्यन्त द्राया या वाया है के सी ह्यायबारुबाह्याहुर्म्या अयाव्यायब्दार प्रमुखा श्रेष्ट्राया श्रेष्ट्राया श्रिष्ट्राया यश्चेत्राया भ्राम्या भ्राम्या मुद्रित्त्र मुद्राम्य मुद्राया मुद्राम्य मुद्राया मुद् नुवायार्वे रात् स्रवार् पत्वापित्र वात्रायारी स्थाप्य प्रवास्त्र वाया स्थापित है। भैःयथ। ८:५कै:प्रयादिग्याद्यार्थः विभावके:कःभेदःपञ्चेस्यः नर्झेर्क्सर्वस्य । त्रकेरमेन्याकृषाःसदेः नर्खन्यः भन्नेत्र । । नः त्रके नदेः त्रहेषास्यः वॅर्रेन् म्या विषाम्बुर्षायासूर्यके वेंत् क्षेत्राम्नेत्राक्त्राह्मेत् वके सेत् क्षेत्र वर्डदः याचेदः वर्चे वया दे त्यूराया सेदः वसः वर्के वा सी ह्या या वर्क्के या देत्। <u>देःसूरःश्चेरःदर्शहेशःगश्चराक्रःपश्चराक्षयाशुःयेदःदर्गश्यःदःदे विदःम्हःर्गरःयः</u>

ন অম'র্কু'বরম'শ্রী'রিশ্

८८:मृ.जग्री, इयानव्या ही रानसूत या

१) सुर-मुःसे'न्यो'नदेःथमा

০ এ্মান্ত্রীএমান্বাম্মা

द्वी विद्मार म्यास्य स्वाप्त स्वाप्त

देःवर्षाद्भरम् सुरम्भः विष्यान्यस्य विषयम् विषयम् विषयम् विष्यान्यस्य विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम्यम् विषयम् यासुरा होता याहीत व्यवा व्यवायाचेता इता महासा ५८. ये मिले सी न्दरनु तर्मे व्यासेमारा पुत्रा मार्सेन मुद्री सेस्र एक सार्वे रामर ने सामा त्रवारा वार्केन् क्षेत्रवारा क्षेत्राचा वार्केन् व्यवसायवा कुन्ना स्था सुना ख्रेंना नी न्वर थें ने रूर अपी विदेश केंद्र था दन्नाना या के निवास आर्थे रावास स स्वाप्ति भेर्यं स्ट्रिया वर्त्ते वर्षा विस्यापि स्वित्याया स्वित्याया स्वित्याया स्वित्याया स्वित्याया स्वित्य रवः व्युदः धोदः दः श्रेषाः वार्डेन् यदेः बन् द्वारा श्रेष्टा यात्र न्याया विदे न्दः श्रेष દ્યુંવ એવ ગુરુષાના શે સ્ટ્રેન્સ ફ્યુંન્સ અનલે વે ગુસુસાના શે સ્ટ્રેંચ સુરાસ સ निवास सम्बन्धः स्वास स्वीता स्वीता सुद्धार त्यक्रमः सम्बन्धः स्वीतः कर्मा स्वीतः कर्मा स्वीतः स्वीतः स्वीतः स समायरः श्रुप्रायदेशम् वर्षः स्रामित्रं वर्षः [ૄ] કુમાયતઃ કુંવાયા વાકુ ત્રાવયા વયત ત્રાવય ત્રાપ્તા કોમાય કો માત્રા કો માત योव या रेता मुन्दर या द्वीव योव या है या या द्विया के कुर द्वित यर प्येत हो। द्विया वयान्नद्यायायानम्यानेर। अमुन्दान्यार्थे कुषान्नद्यायायाराजीवायरान्नद्या यारेता दे सूरा द्वारा के कुरा की हिता यारा उंचा की वार्ष्याया वेजानाधेम्राद्वी वदीःवानावर्षामाधेवःया दुर्वामाधेवःया देनार्वाधेर्वाः पर्येट.च। कुर्याग्रीयापर्येट.च.सूर्यायाग्रीयारीवार्यःची:च.रट.याष्यःकी:कूर्यातायाध्रेटाम्प्रेयः चुराद हेराय ख़ूर्या यर के या धेद हैं।

१ ८मा'मी'यस्यन्ति।

रमानी ध्यमा महिमा सामा द्विमा स्मान हिमा स्मान हिमान है। यम। १८.मू. ह्रम. त्या. चालम. चर्ची. यर्ट्र. क्री. चम्मा. तम्म. चर्मे. तम् श्चर्यायान्द्राचित्रा की केरा मुख्यते सुवा कर्वे विषा केदा विष्णे दार्थे दा कर्वे व र्चीय.त.भ.सूच.किर.सूच.भट्ट्या.विश्व.थंत्रा.विथ.की.भर्चा.सूट्या.स्वयंत्राज्ञेश.भर्चा.योल्या. याधीत्। दवाची से दवो याचा है स्यास्य स्याया सदेव साद द स्रेवा साव है सारी र्न्ने न प्रेन प्रमासम्बद्धाः मिना के स्वत्या मिना स्वत्या मिना स्वत्या मिना स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स र्यर.ब्रीम.पदीर.बयम.मर्स्य.संस् विश्वाम.क्ष्या.संस्य.व्या.संस्य विश्वासम्प्रमा नहेंद्र पति क्षेत्रा सून के तदी था देवाका क्षेत्र कार्क पति पति क्षेत्र कार्क वाका पति । बिर्यं स्पूर्ण विषयं त्यरः क्ष्याः श्चायः वहत्रात्यरः रेवः श्चेरः वार्यवाः ब्चेरः व्यवः वार्यवाः क्र्याः सूतः तुः योर्ने यार्था । पत्ने यः स्वाः यद्वियः द्वी । क्रयायः सूरः स्रोः पद्वेयः । योन् क्षीरवा प्रमुद्र स्वस्था उन् रचा विद्या धीत व्यो विद्या स्वर् स्वस्था स्वर् स्वस्था स्वर् स्वर् स्वर् स्वर नमभार्श्वेरनासम्बर्धमानि विर्धास्तरम् स्थानि सूर धेव वें।

র অস্ট্রাথমানামুমা

यश्चारभ्रायश्चार्या ५८ में यावतः श्ची स्वायश्ची यावे र स्वायश्चार्या यावे र स्वायश्ची यावतः श्ची स्वायश्ची यावे र स्वायश्ची

याञ्चन्यायात्त्र्वित्रायाः वाल्वन्त्वित्रायाः ले स्थूटः द्र्यः विद्यायाः विद्यायः वि

यशःग्रीत्रयः प्रश्लेषात्रः प्याप्तः प्रमृतः या

अदः। यवःवर्देवायःयः ददः व्यवः कृतः । श्विदः ददः वार्वेदः यः व्यवः श्वीदः र्रो विभागसूरमायम दे:स्रियंदरम्भानेमायाके:विभायत्रवर्षेण्यायते रदावी कें तदेतीय या विषय वयया यय सुदा बिदा ह्ये रावया वयदाय द्वारा पित 5₄ क्चे लिट द्या वर्डे अया वर्गे टाव दर दे वले बाव विवाय यह सुर्थ पर बार से अया ग्री या विषाः सुराया नवीः वनुवायिकः विविद्या विषयः सुरायाने स्ट्रीयी ने नवाः वास्त्रयः श्चीव प्रयः सर्वस्था स्थान श्चे न्वे रायरा सर्वस्था सेन् मियरा देश न्य स्थान स्था वः सर्वस्थया स्तर्भे स सुन चुर्यान्दर। चुर सुव स्रोस्रय देया मन्यान्दर। । सुनि या मार्थिन दर न्यो तन्त्र ही। तन् नदे ही देवा पाइस्य । । सर्वस्य स्वर्भ । निर्मा स्वर्भ । ह्री वि.त.मक्ट्रम्प्रेयान्त्रीयान्त्रीया विष्यमहित्त्वयाम्बर्ध्यानास्त्र र्रो । भूषा याने इसमा द्वेन त्युषाया श्री वन त्या श्री यान या या विषायत्या योषयः यान्त्रेनः नुप्ता योषयः क्रीयः यान्यः ह्याः सुर्यः सुर्यः सुर्यः यान्यः सुर्यः यान्यः स्वा देव मंडिया या तुर्याया परे द्वयया द्वया द्वीय त्यदा पा धीव हो। प्रया त्या सेवाया परिवा

याङ्गाः धुरा । वस्रमः उत् चुनः यार्थः चल्नितः स्वा । लिमः वास्ट्रमः यार्थः स्वा। । विमः वास्ट्रमः यार्थः स्वा।

श्रीन्वो नदी व्यक्ष ने इसका ग्रीत्व्यका न् वी ने ने ने ने ने ने ने का क्षेत्र भीत्वका न् । स्रम् क्षेत्र क्षेत्र व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष व्यव्यक्ष श्चेत्र कुं प्पेन्। ने प्यम इस श्चेत्र की त्वम तुः पृत्य ताया से नवी न नवुः ये निर प्येत प्यनः गुत्रःक्षेट्रं ले सूट वी द्वट वी य वुष्य य धीत त्व द्वाय य सुष्य व दर्दे दक्षाय थी: श्चेयाहै। क्यायाययायाद्यान्यायर्थे चरावर्थे। विष्ट्रमान्याये नुस्याया वयेत्। भ्रिंद्रशायस्याकेरातुत्रावर्शेरावर्शे । ब्रिसामसूद्रसायते ध्रीरा र्रा । ने.वयाक्री.प्रधेय.क्री.पर्यका.यी.का क्रीट.पाक्री.प्रधेय.टेटा व्रीट.पाक्री. वयान्व स्थान्य यर्ड्र-श्रीशक्तंश्चर बेट बट अट। अधिव न्नट्यायय येट यार्श्वेट न्त्र्या येट वर्श्वेट न्त्र्या येट वर्श्वेट न्त्र चयम्बर्द्धः वर्ष्ण्यः स्वाद्यः द्वाद्यः द्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्य वयःशुःश्राह्र्यःसः नटः न्याञ्च उवः नुःवश्चरःश्चृ। ह्व श्चीयः यटः क्षेनः यः शुरुः यः श्चीरः यः यने ययः यविष्यः यहः बुहः चिष्यः क्रीयः चर्त्युः च। सः ययः विष्यः सः यस्यः विहः यहः चह्यः विहः यः र्केलाचाउदात्वुदाकु। क्रेंगासुचाग्रीयातुयाह्याहात्रीःक्षदायार्वेयाकुन्दरायदायीयार ५८-भ्री-सद्भी-दद्भव-भ्रीन्याय-सुद्दाच। वद्भव-श्रीस्याधीय-ध्याप्यस्याय-

म्रम्भारुन् स्रीत्यान्यान्दार्भारतेन्याम् । वर्षेन्यम्भारम्भार्वेषायाः श्रुवाद्दर्वेदास्यराच। वेवात्वस्यावाद्यर्वाद्यायाव्यवस्यः रर.श्रेश्रश्वायिविविक्तं सूर्यायानु स्थायिव स्थायिव स्थायिविद्या विद्याया स्थायिव स्थाय स्थायिव स्थायिव स्थाय स्था याश्रद्यायय। श्रुराणदार्श्वेत् श्रुष्ठा श्रुष्ठा राष्ट्रित् स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्र स्त्राप्त स्त्र म्चित्रम् स्र्राचीया स्वर्धिता याचेन् स्वापन स्वीपा याचेन् स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व थःश्रेष्यश्चास्यस्य स्वरं व्यवस्य स्वरं मी.यचकान्यः त्येष्व प्र. यन्या यचका स्थाया न्येष्व स्थाया न्येष्व स्थाया न्येष्व स्थाया न्येष्व स्थाया न्येष्व <u>शः द्वीयोशः केष्रश्रः श्रः द्वायः यः स्याचीयाः दरः योष्यरः श्रः क्वः यः श्रेयोशः यः श्रेयोः यः योर्वेदः </u> यापेर्यन्यते स्वाक्त व्यास्त्री ह्या व्यादीत त्येत ही सामार्येत या प्राप्त त्या सामार्थित स्वापान स्वापान स्वाप कवायाययास्यान्ते के चति यायाञ्चे स्त्रा विष्या विषया स्त्री यायायाया स्त्रा विषया स राक्षाया श्रीकृ इत श्रीरायेट्र राष्ट्रीत् श्रीति श्रीराय श्रीय प्राप्त स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्यायराप्युयापीदादुः सीर्वेदाचराङ्ग्री स्वासूचाग्रीराहेन्द्राचार्यवासास्रीरा यंत्राचीर प्रपृत्ति वा स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्र स्त्रीत्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र नुराक्षिम्राक्षित् है 'येन् से न्ह्यूर'न्ह्यूर'न् मुत्र'येन या वह्य से स्राम्य स्थान क्र्या रुषादवःक्रीसूर्यायवृदःक्रु। गर्वेर्ष्येययाक्रीयागर्वेर्प्याद्रदःवक्रें याञ्जः क्षी:प्यायाः स्रुवा वेवाः भूषाः वर्षे रावाः स्ट्राचः त्राच्याः स्ट्राचः स्ट महेत्र सेन् परि सक्त साम्री पाया सेन्या सामित हो। । भ्रीसाम् प्रीत प्रमास सम्प्री साम्रीसाम् प्रीत सम्भाना साम त्रश्नाद्य त्रविषात् के विषायायात्र विष्य श्रेष्ठियाया श्रेष्य श्रायति विष्ठे से श्रेषा स्राचित्र व

र्वे। । ने अत्र क्ष्म श्रीमा स्वर त्वाका त्वा त्वे त्वा का त्

१ वस्तुतः मु: द्वो वदे त्यसः दरः दे तस्र वन् या

ग्रेशयान्युत्त्वान्त्रोत्तर्भायात्र्वत्यस्य प्रस्तित्वस्य स्थानस्य स्थिति । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य न्येरक् श्रेंनाः अप्यन्न-यार्च्यात्वेनाः नीयाः श्रेंनाः नार्चेनः स्थेनः यदेः स्थेंयः ययाः सुन् प्रस्थायः योन् परि द्वीरात्र खेँवा या परुन् पार्चया क्वीया खेँचा वार्डेन् खेँन परि नवी पायार्चत होन् पा योत्रायान्दरानेतिः स्रेदार्श्वेषाः वार्डेद्रास्त्रायाः सामान्याः स येत् र्श्वेट प्राया वट्ट पाल्य या श्रुव प्राया हिंदा व्येषा प्राया येया सुरुष त्राय स्था स्था स्था स्था स्था स वर्शेरः। ईव.सर्थावयावरुषःतरःश्ची स्थासर्थावयावरुष्यःतःध्ये क्र्याः स्चित्रः स्वरः स यहूर्यान्द्रावाहेष्याच्च्यायहूर्यु। यद्भवाश्रेशशासुद्रशाद्रशादर्याद्रहर्या नेयाचेत्। गर्वेत् येययास्य यय म्याच्यय स्नित्र हे पर्देश्य हित्या वर यायवः श्रेम्बर्गित्र वृत्ति स्त्रस्य स्वर्गायम क्रुप्त्यम दूर द्वी स्वर्गा मी इसा प्रवृत्ति व यीन् केषानुषात्रवात्रेता हेत या न्या नी सुन्य र नी कुन्य यह वी सुन्य स्तर नी न इस्रयानुषायान्त्रीत्वरुष्टिन्धरायालेषायरावनुरास्त्राची ।नेःसूरान्नीयावरुधीः वर्चेट वीय वर्नेट विस्रया शुःख्री केन स्या हिट दे वहेन न्दर वर्चेया न विस्रया में टि

स्रम्यस्य स्वार्यस्य स्वायस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्

दे विस्रकार्यन्यमार्गीत्रमानिकार्यम्

याश्चित्रायाः क्रीत्वर्ध्वरः क्री यो प्रेषः व्यक्ष्यः स्त्री र्या क्रीयः स्वार्धः स्वर्धः स्वार्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्

व। विद्यार्श्वेन्यानेवान्याद्यायवेषाहेषात्रीयहरा । श्रुकात्पुन्यादीयादीया वयान्य । व्ययावे नियम् विष्या विषयः विषयः विषयः । विषयः यश्रिकायान्दायो सुवाउदानी विकास स्वा वै। विश्वयायावक्करायदाकुरायदाकुराया विर्विवासीवराद्वाया व। विद्यकार्यः केन्द्रः द्वीतः यमः विद्यम् विकायास्य स्थान्यः स्थाः निवासः स्थाः स् श्राम विमान्ने त्या प्रमान में क्षित्र होता स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स्त्राम स् **षट कुर् वेश हैवा वर्ष अपट के वर्षे प्रदेश मान्य के वर्ष मान्य के वर्ष मान्य के वर्ष मान्य के वर्ष मान्य के वर्ष** राञ्चर स्ट्रिय विवास प्रतिस्वा विवास स्ट्रिय विवास स्विवास स्विवास स्विवास स्विवास स्विवास स्विवास स्विवास स्व लरा विश्व ३४ द्वा द्वर त्व त्व व्या स्वर प्राप्त विवा विद्वाय स्वर द्वा व ययमाञ्चात्र्याप्यस्त्रा विभागस्यस्यापविभागे विभागस्य विभागस्य भ्रैन'नी'न्द्री'न'ने। सूर'सूर'नी'इस'य'नोर्डेंसे'के'नर'भेन'ग्री'ग्राुत'र्सूर'नोर्डेंके'न' लुबा ग्रीब धुर्ट क्याब क्रट चीब पश्चीट बबा प्राया वाया वाया विष्या प्राया वाया विषय हो । यःक्षेत्रः र् अत्रद्धाः अत्रद्धाः यत्र विष्टा विष्ट वर्षात्रदार्वित्रश्चीत्रवितात्रदाञ्चा मालवायवाश्चीत्रीयित्याधेवावा इसायासी न्वो'न'सूर'नु'सूर'णर'नेव'यर'नवो'यर'वशुर'वर्शे से। धेन'वार्डे'धेन'वे'रन'तु' भक्तिम्यायास्त्री व्रिकाइसाग्रावाकीः मन्दायाधीन । विकासिक्यायाः ५८। वर्रेर्-क्रम्याले सूट मिर्ग्यम्म्युमा । देया मुस्रेर्-प्यया के सी द्रमे वर्दे । अ.क्रम्थ.स.सूर.मि.सुम.सेर्। । देश.वस्तुर.लश.दे.दमे. चर्चा विषाम्बर्धरमाम्बर्धन्याम्बर्धन्याम्बर्धान्याम्बर्धन्याम्बर्धन्याम्बर्धन्याम्बर्धन्याम्बर्धन्याम्बर्धन्या बेब या महेब में बोदाया यब वर्षेण यद प्येंब एवं की बिद यो बिद यर हो है ्रायां य्याकेत् यां वाक्षेत्रा होत् दे त्याधेत्। ते त्याह्मा हेकायात् का स्वाहित्यायते । विकास ह्वा'दे'रेद्रा द्वो'र्श्चेवा'वार'प्येब'प्यर'र्श्चेर्य'त्युख'रवा'वीबाह्वा'हु'श्चेरबा'व्यरख' यर में ब्रेन्य न्दा यर्देन लेन लेन या प्रयाप में में में प्रयापत्य प्रयाप न न्नायायार्थेवायायान्वो स्थेवावायायायायायात्रेवायाः विवायान्वायेयान्नेनावर्नेनान्नीया ह्येन यन्दरमहिषा महिन ये स्रीन या ने स्थान स तयरचासूरमित्रेन ये से दार्पात्रा विष्युमा विष्युमामा महिका प्राप्यामहिका या प्रीत हे। द्रवोः स्थ्रैवाः वादः शुर्वाः श्रीः विदः वीः स्रदः द्रवाः स्थ्रेवायः केः कुदः दुः दश्चुरः वः धीदः प्रमायन पर्देशका क्रीलिट या साद् टार्के साङ्का या व्याप्त स्था स्था प्रमायन व्यव प्रमायन स्था स्था स्था स्था स वें निर्मित सकेना वी लिट रूप सूर्य प्रीका ने इस या सूर्यों निट र वर्षे वा निर्मे वा नि थयान्य न्युयान केन ये प्रेन पर न्युरया है। ह्या ५८ सर्वेन लेन याहेन ये बेदा प्रिंब मुक्त मार्के र खूब माली प्रका चुद्रा विकासका दे खू से का र भ्रैवा वाद व्रिमा केन सेरा त्र क्षुराय प्येन त्या ह्वा प्रदास सेन प्राप्त स्वा प्रदास सेन प्राप्त स्वा स्वा प्र येत्। । प्रेन् मन्येत्रम् व्यवस्थान्यसम्बद्धाः वर्षः वर्षः । प्रमे प्रदः से प्रमे स्थाः स्थाः केत्र ये खे। । ने नय नि न क्रिंन्य न क्रिंन्य न क्रिंग्य । विष्य म्यूर्य यय क्रिं।

यिश्रास्याब्दुरः देवि द्ये द्या हुः चन्द्रः या

विने त्र या प्रदेश की मालु पार्टी प्रतास के स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स वबरा विकामसूरमाही मेरिन्द्रमन् प्रदेशकान्यार वमासू विवसासीः <u> कुर कुर भ्रेत भर बिर र देश मर्शेर भर र र र र जुन र श</u> विषय से स्था स्था स्था से स्था स्था स्था से स्था से स्था स <u>कुर कुर रे भर देश के भर की मार्वे र मश्रम कुर महत्र अश्रम की मुद्रे र मर कुर रु भी क</u> लट.रेया.पर्वप्र.रे.सुंट.रेयूमा जमायाट.येम.योर.यमयामा.समम.२२.कुं.पर्यमा. तुनिष्ठीर्देवाक्कीराकुत्रोत्तुनार्वेज्ञायानानायायनार्वे श्रीतायरास्निन्ग्री नेतायदे सुनार्वे यययः विया थाः श्रीतः याध्येता याकाया दाया स्टार्स स्टा यः त्राराया सुवायाः सरावीः भ्रीः यार्ने विवाया याया व्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व यावर् र्यं.चाड्रचा.क्रट.सुट.हो नेवर.लूट्.क्रें.क्रुय.क्रीयावर.चेया.कर.क्र्या.तर.ईया. याने खूर की ना नानुसान प्राप्त विता वर उन ने के का की ना सामका का की ना धेव हे। वाद व्याद्यद स्थेद दे व्या स्थित । ये व्यावासुद व्या वे स्थद । र्कूर्य.क्र्याक्रीयाज्ञीर प्रवश्च श्वीयाप्रांचीयाप्रपृत्यांचीयाप्रविष्ययाप्रज्ञात्वाप्रवीयाप्रविष्ययाप्रज्ञात्व য়ৄ৾ঀ৾৾৻ঀয়৻ৼয়৻ঀ৾৻ড়ৢ৻ঀয়য়৾য়৻ঀ৻ড়ঀ৾৾ঀ৾ न्व्यूर्यः क्री. न्य. व्यू. त्य. व्यू. त्य. व्यू. व्यू ने देंबिंग के ब्रेन् ग्राम देंबा मका हुत होंद्र की नवीं काम ने ख़ानु वा वा पीता स्वायन्यान्द्रस्य निर्मेन सुना स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्व त.लुच.च। श्रुचाना.मु.च.म्.मी.चपना.मु.कूचाना.ग्रीम.कुच.सूपु.चि.ला.पग्री.मा.जूच.ता.

इस्रयाक्षियाः स्वापारास्याः वर्षेस्यान् । यार्ष्यः स्वापार्यः स्वापारः स्वापार्यः स्वापार्यः स्वापार्यः स्वापार्यः स्वापार्यः स्वापार्यः स्वापार्यः स्वापा ययायः रुषाः सः यः याद्यस्य देवा ययप द्वारा स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार इस्रा क्षेत्रा त्रा के क्षेत्र के क्ट्रिंगुंद्रक्रियायां अष्टायेद्राया अष्टायेद्रायायां व्यवस्थायाः व्यवस्थायाः ब्रेंट या भू नुति ने पति व के नाय मुक्कु के प्यट स्रोत्। के राकन या प्रायम ने के किं वर्ने यदे वर दुः श्रे ने वर वहेगा हेव क्चर वयेव यदे व्यापन दुर् क्येय वसूय यदे ग्रायर ळॅना:भैरायमा दे:द्या:वी:क्र्या:भद:ब्रेंश:भर:ब्रे:वु:व:भैरायस्टर्ग तस्रवाश्वास्य मुन्त्रा व्यव्यास्य वित्रास्य वित्र स्वर्ते स्वर्ते । वित्र सामा वित्र साम वर्चित्रवर्चे। विश्वन्दरन्द्रा क्रेंद्रयक्षेत्रवासुक्रेश्वा विश्वन्यक्र्द इस्रम् स्ट्रायर त्युरा विमागस्य स्ट्राय हिता है। के स्ट्रिय स्ट्रिय है यें केत्र यें प्रति मात्रप्रम्यात्र तदी सुप्त मार्चे की सुप्तती सुमात्र सुर्मे प्राप्त सुर्मे प्राप्त सुमात्र सुप्त स्थाने स्वर्म स्वर्म स्थाने स्वर्म स्थाने स्वर्म स्थाने स्वर्म स्थाने स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्थाने स्वर्म स्थाने स्वर्म स्थाने स्वर्म स्वर्म स्थाने स्वरंग स्थाने स्वरंग स्थाने स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्थाने स्वरंग स्थाने स्वरंग स्वरंग स्थाने स्वरंग स्वरं नर्गेषा ने से र न न में से र से मार्से र न न में नि त न न से नि त न न में नि त न न न न न न न न न न न न न न न न यदः श्चेत्रित्रपते श्चेत्राया स्वाद्या विष्ठा विष्ठ पश्चर तर्ज्ञ प्रशाज्ञीय परि दुर्ग से द्राप्त दे प्रशास । सूर प्रशास वितर प्रशास के स्तर प्राप के स्तर प्रशास के ययः कुः तद्ययः प्रवास्तुः प्रयः ग्रुटः विपः द्वीयः द्वीयः विषः विषः विषः क्रेययः प्रवास्य प्रयः धीत्। खिर्-पर-तृः केविकायाः क्रीट-पदेः क्षेत्र-पर्वे न्दर्ग व्यव्यावालकः व्याक्षेत्र-पदेः च्या म्रे.मुॅर्ट.पकर.तपु.श्रीयथ.म्र्रा भू.भूथ.श्रट्य.मैश.वीट.भुश्रश्चीय.श्रीपुर. वयायेययाउव क्षेत्रें द्वायाद्वाययायाविव श्वीदायायविषायदे श्वया श्रुदि सर्वेद ल्त्रायान् क्रियायमा क्रुप्तव्यमा क्रिया प्रमानिक स्वर्था स्वर्णा स्वर्था स्वर्णा स्वर महिम्बा कुंदर्शरा भारत्वर्भात्र स्थानिक स्थानि

ने ता क्षेत्र पते क्षेत्र समायस्य मार ने प्रमुक्त पत्र हो प्रमुक्त समायस्य स्य समायस्य न्यू नर्देश निविदे त्ये निवास युर रद हिन युषा ने देव अद्यव ने देव हुन होन हुन ने निष्य युर निय हेवा यर-तु-दुर्गोर-विदेवि: बद-व्या रद-रद-र्शे श्रेश-रद-क्रुद-व्य-श्रेव-यया श्रे में या यरे : ब्रेन कुंगवाको न्दर्भे केंगानकुन कुंगान श्चेंट मैशास्ट वर्नेन लेखानकट न्या ज्या तर्के के यो क्रिया क्रिया मार्क्त त्राय क्रिया प्रकार के प्रवित्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया न्नरमा वरानु ने निया वी कु ने गाव हो निया वी प्यराय केन यर होवा यो प्यराय केन यर होवा यो प्यराय है। ब्रेटर् केंग्रियमुन् ब्रुवा ब्रेट्र्या क्षेत्र विवस्त्र क्रेट्र्य ब्रेट्र्य विद्या क्षेत्र विद्या क्षेत्र विद्य विरायदाविराधीः श्रेषा यया सदार्वित या विष्ठा वा विष्ठा यया सदार्वी यस्यावसार्श्वमा क्रिवासार्थन प्राप्त प्रत्याचित्र प्रत्येतास्त्र प्रत्येतास्त्र प्रत्येत्र प्रत्येत्र प्रत्येत् विद्रायदे हेत्।व र्षेद्रायमा ववाद्येषाय लिया प्रेत्र। केर्डमा सूर्या सूर्या सुरा सुरा सुरा सुरा सुरा सुरा सुरा रवाः सेर में नरेट स्मायतः लिया यीका रहा देता रहेता लिया नह्यू न लेका द्वीका या देवा सा यन्वाः येवारुषः सुः तर्नेनः यदेः वारः चवाः क्षेवाः येवः नुरुषः वायः वननः यवाः येवः नृरः सूवः यः सूः केत् 'ये 'क्कें रा पतित 'त् 'हेत् 'रे से 'पसु 'रेस' प्रसूप सूप हैते 'त्वो क्कें रा साम प्राप्त परि पर्से त 'त्वा सा सर्हर्यते वे क्रुका चे क्रिया क्रुका चित्र विवादाः सर्हर्म प्रति वे क्रिका चित्र विवादाः वयान्युर दर्गेयात्। गुवायद्वित हेन्यायायते यर्या क्वयाया केंन्ययान्युर स्री इपःह्री देःसहिदःयःदेःगुदःसहिदःही ।गुदःसहिदःभेःविद्यःसेदःयद्यः

श्रेव। विश्वास्ट्रस्याधिव। वेवास्ट्रास्यने प्रस्ताने विश्वास्य प्रस्ताने प्र न्वेरियातवीयानसूत्रावर्ष्याक्षेत्रेयासुर्वित्यात्र्या यथाक्षेत्रवीयविष्ट्रेरात्या यदिवाः हुः नगारः वदिः धरायस्य स्ट्रीरः वहिरागाः नवीः वः धरेनः या विवाः हुः वादवाः यदैःवयान्ययाः ह्यें रामहैयामाः से प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य स्वाप्त देया स्वर्धाः वया वर्षयायान्गारलेट ह्येंद्राचार्ययायाने सुन्तुन्तु वार्यार्द्राययायाचेया हुन्यार वदी व्यय गर्युया:ग्री:सूर्या:पर्स्या:के:वेंबाहींट:ह्यु। दगार:व्या:वहेबाखदेःववा:देवा:वहेबाखदेःववा:देवा:वहेब मन्याक्षार्यः देवःक्षीःविष्ठाः स्रोदावः देवोः यरावक्षुराय। व्याः स्रुवः स्रोससाद्रयः वात्युर्यात्वा वी से द्वी वा वत्रुत्व वात्र दावि स्मूचया से दाया सर्व वाति स्मूच्या न्येव् श्लेर हे केव येवा की वर्षा अनुर श्लर उव प्रवास साम्राम् पुनर । व्याने खेतु स्नर स्थान्त्री स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्था न्याराचा न्योरावावरारेकाळेकाचक्कन्त्रेवाक्षेत्राक्कीकेन्वाळेकाचक्क्ष्यान्य हेन'मलेटर्रा होन'म'सूरम्'र्रो रेन'दर्शे मर्याम्यसार्स्ट्रेर'न्यो सूया दर्श्यासारी न्गारः वर्षा चर्ष्क्षे अः यः नृष्टः वरः नगरः वा वर्षाः वा वरः नुः वर्ष्कुरः वा द्वैः विष्यअः यदेः गुत्रःश्चेरः येवाषाक्षेषाया द्वापाया ने स्वराधित। यदः यषा क्षेत्रः श्चेतः द्वीनः ये प्रदानितः क्षेत्रः શું સ્ટ્રેર નું સ્ટ્રેન ર્સુંવાવા વચારા સું વાદર તે અર્જ્ય રેસ્ય રેસ્ય રહ્યું મહીં વચાર ન સું અન્ય श्रीट.पर्चीर.ग्री.जन्ना जय.ग्रीटना.योथय.ज.श्रीट.पर्चीर.ग्री.जना.श्र्याना.लूटी ट्रे. त्रपुर्वे या श्रीव श्रीव र्ष्ट्रिय वे र्ह्नेव हे रुवा यो क्वीय । यय या रुवा हि यो खूव प्रवेव या वे या हो । र्या.यपु.पर्यंश.यी.जा.क्रीजातू.यायाजा.क्रीजा.क्री.यी.क्रा.ही.पी.यी.व्रा. 73

શુંદ તશું ર શું : અય અઢં અય એ દ શું : અય વચાય પ્રચ છે : અ ક્રવા અર ર એ દ : દું તર્શે : यः भुः तुर्ते । यतः मुस्याम् लदः यः श्चीरः वश्चरः श्चीः यया द्वीः र यो र द्वीरः द्वीः र ययः याः भूः नुने सूर प्येव वे । प्यट प्यया देया स्ट्वीर वे चित्र न्यूर ह्यीर व से प्यया से सुधा कुन्सी च न्य लिया प्येता वित्र स्थान चर्यायायदेः चार्याः स्रोचर्याः यादर् चिर्यादेरः चालेवाः नरः। वासः चर्याः चर्याः चर्याः য়ৢয়য়৽য়৽য়ৼ৻য়য়য়য়ৢ৾য়ৢ৾ৼ৽য়ৄ৾য়য়য়ৢয়৽য়ৼয়য়৻য়৾ৼ৽য়ৄয়৽য়য়৾য়য়য়৻য়য়য়৾য়য় यनवायाययाहे स्वयाद्यावी स्वेत्र दुः वर्षे कुः व्यत्ते । वाहेन संस्थितयाय विक्रं यदः श्चेर्यं यंत्रायन्वयाया स्थिताय स्थिताया है। ख्राया है। त्य्यों या न्दर्भ स्थिता स्थिता स्थिता स्थिता स्थित कुर्या क्रुका व कि सम्मान व विषय व षर-दे-वर्षद-दुक्त व द्याचित्र दे। द्यो स्वाप्त के वर्ष वर्ष द्वापति कु न्योः सः बनः तर्वो नः प्येनः या न्योः सः बनः प्यते क्रुः न्यते ते। न्योः नः व्याप्यः याः पश्चित्रप्रास्त्रीयाय। यावर्षायार्थयाया यावर्ष्ट्यप्राया वर्षायारावर्ष्ट्यप्रायारे इस्रयाधित। ययान्त्रोत्तायासर्वेत्तत्। नेत्याश्चेन्त्यानश्चितासरीयसःविषाः ५८। विःवरः वर्षियः वर्षे व्यव्यक्षः विष्ठे अः विद्यक्षः द्यो वर्षः देवा वर्षः वर्षे द्यवदः वर्षः बीव। ने महिषामार मी माया नु त्वर्मे बीव रूर हिन् ग्री गाव हो नि या रामा या रामा गुवार्श्वेट अदेव अर्थे द्वार्थिय वित्वे तयर देव या हेर ही यथ अप प्राप्त देवी या यह दि या वि শ্রুবামানক্র্রের্মার দিনেই নেইর নহ্নিরার মেই ইমান্ট্রাইরি মানহ্রুবারের এমার্মার। नेशम्बराञ्चनशन्त्र सेट या से क्षेप्तर हो न सेवर सुमा विवेर न यस स बेदा वर्षसम्पर्वः गुद्रः ह्येदः यः दः दर्दे दः दर्शे दः दर्शे वा देवा सः दुवाः यसः वस्य बरःचदिःवीं तयदः रुषः वाह्रवः रुषुवा वस्यः श्चीवदः रुष्ठे सुदः वः विवा श्चीदः दवीं वा वर्षाः

वयान्वो पञ्चायान्यस्य यान्यस्य व्याप्त विष्य प्रति । वर्षेत्र स्वर विष्य प्रति । वर्षेत्र स्वर । रवा ग्रीका ने व रहर व्यव व ग्रीका का ने व राका वर्त्वर क्षेत्र में का ग्री में विषर विषा में व राका यक्तियायावन देव से त्याया यावन देव हेवायायते ग्रुट स्वायाया स्थायायाय भ्रीयात् केत येति त्यसाया लुग्यात्र स्यास्याय सम्याप्त सम्याप्त स्वर् । स्वर् । स्वर् । स्वर् । स्वर् । स्वर् । गहेरहेरने न्यो परुप्तश्चन श्चीया प्रकेश प्रति ले प्रस्मालिया प्रति यया प्रीया हे सुप्तु व्यः व्यान्य स्थ्री स्वान्य स्थ्रीत् वस्तु स्वान्य स्थान्य स्वान्य स्थान चन्द्रयायास्त्री न्यायाम्युयास्त्रीयास्त्रयास्त्रीयास्याने स्वानुदेशन्यायाम्युया यवगायन्य या वस्र सार्वे रायसूर्य व हेव त्यवेया पीव लेखा वेर प्रवेश है। न्वो श्रेवा यः यहेत त्र अ त्य्य य यु यने श्र्वा त्य यु नः य अ वार्ष्या या यहेत त्र अ वार्ष्या वनुदःवर्भाः हेर् वर्षेया लेर्भा मासुदर्भा सा कुं सर्वर्भा देते हिमा सर्वे र में सु कुं वर्षे सा हेब डिट त्वेया त्वुट या गहिंग्या यदी । व्हिंया त्वाद पेंद्र या या पेंद्र वें। ग्रम्दर्भायराक्नुः राजेव यर विदागी वदादात्रेवराक्नुः राजेदाव व्यवस्ति के की वि हेंगायन्यार्येदेःवयाः हुः र्द्धरः देटः क्रुः योन्। क्रुः हेंब्रः येट्यः नुयाः स्थानः योन्। याः विद्यायाः त् सूना नस्य सूर्वेन सर्वेद देव से दाया हु त्वा मार्चन या निवा नहेव ही सा हुट यश्चितात्वात्वाश्चितात्वहेव श्चीरात्वहुद प्रयाहेव त्वेवा लेयात्वासुद्या दे सुर हु चुद कुन न्यूरा श्री व्ययाया नहेत हे तन्या न्युन्य कुन न्यूरा श्री स्वर हेत तन्या श्री स न्वरः वीश्रः वुरः वः धेदः थ। देः वस्रश्रः उत्तरेदः यरः वुवः य। देः वेद्रशः वुवः यः

रदःवीः अर्क्तः हेद्रः ग्रीका मुदाः या केवाका त्र शुरः कुः ददः चक्क्षुरः कुः चरीवा कुः वाहतः त्रका कोदः यरःर्श्वेन् यः विषाः धेवः वः वनेवः शुवः यः हेवः वहोवः श्चेः शुं होनः श्रेः सुदः प्यदः। यर सः म्याम् वायर होता राष्ट्रीय राष श्चराश्चेशामिदामी अहमाह। देष्टीराष्ट्रीदान्त्रेदायाधीनायती विदेशातमादाधीदाया य.लुब.बुं विश्वयाश्वरश्रयालुवा दे.लर.रेतुर्वःक्रींश्वरातुर्वः रे.प्रक्रीर क्रुंन्न्यनेवाक्रुं सेन्यते प्रतेव स्त्राचे स्त्राच स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व बूँब क्रिजें के नियम्ब्रीन यदी वार्विन क्रीन्द्र क्षेत्र क्षेत याधीव नवीं व्याप्ता ने सीव यम होव त्वीय श्रीन्वर नु वेद हो लीवा व वा त्वा या यश्चेर्राया विवाधितायाम्। वारायाश्चेरायानेराया ।देःयाम्रायायाचरायाः यः भेत्। विषानासुरुषा देः पविषु स्थिनः सुरु । विष्यानासुरुषा । वार्यायवित्र सेन्यान्त्रित्त्र न्यान्द्रित्यवित्रेत्र सेन्त्रे स्वीत्वीयवित्ययान्ते से प्यत्ते नित्रीया श्चेरायदे यदेव यार्ज्याया सुरा डेवा स्रोत यदे वात्र द्या स्रोत स्रोत हैं दि है दि वाहत या तये यस श्चनःयाधीत। क्रेंट हिन्दे अपदासाधीत यदि स्वायाया महेता वर्षुदावमाया सोन्यदे रदःचलेवःतुःवरःबेदःतुषा क्षेदःयःकेदःयव्यवःबेलिवःयःचानवःवःववेववः सुवःयः धीव। ने व्यु: धीव: यदी: क्रुं अर्द्धव: क्रींया क्रेंट हेव: व्युट व्यक्तिय: ये। वे: नट र्द्ध य। कुन्द्रम् मुन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् मिन्द्रम् येन्यः सूरः सूरः तुरः नुः तह्ना यदे यन्ना छेन्। सूरः यसः योन् यावदः योय। ब्रैंट यम पेंद्र सम्बद मेथा वमा ह्या कद यहिमा दिन की समद र मा सुद वदे हैंद हिद डे:वा इस:हेर्चा:विव्यायदे:नवर:वीर्याययायायायाया इस:यर:से:हेर्चा:यया

यमाभी प्रमान मुन्दे हिंदा हेंद्र सेंद्र साथ साथ सा सुद्रा । यस दी से साम यश्चिरःयः प्रेम् । योग्रयः द्वे प्रयाः क्रयायः द्वयः ग्रीयः प्रयाया । प्रयाः क्रयायः न्नवान निष्या । वित्राचित्र क्षेत्रका निष्या । विष्या विष्या विषया । श्चिन् न्दर्भ त्रियम् त्रमु होन् प्यते यने व या यति यो त्रमे हेव त्यहेवा प्यव त्या हेव त्यहेवा या न ययानुरावादेव प्रायदेव पाययानुरा। ३ सूरानुराव केंब्र हेर् देवि गादवा वी यदेव.त.दे.जय.र्भेव.हूंच.क्रै.वचय.पर्भे.श्रेट.क्री.क्र्य.घष्ट्राय.व्यय.व्यय.व्यय.क्रीय. वलैवर् । वश्चेर् चुर्द्र श्चेर् चुर्या या भूकि या या से वा स्वार्य विद्या विद्या यदेव गृष्ठेय द्वेर सेद दुं वेय व वेय रय शुः स्व य द्वा य वेय य धेव। वयत्र क्री. ब्रीट.त. ट्या.तत्रा क्री. यच्या. श्रीट. ध्रीट. ख्रीय. रि. च्रीया. या. या. या. या. या. या. या. या. बुद्दायह्वा वी स्ट्रेट दुः यस स्ट्रिंग या विश्व सुद्दाय या प्रहेव वया यह सुन्य स्ट्रिंग या विश्व स बुदायह्वा वी वी विषदा अदेव पुष्ठित प्रवेशि ने खूर धेव पुराध्य प्रवासिका र्श्वेदःहेत्रःवद्युदःबुदःवह्याःयदेतःग्रहेशःद्योदःश्चेदःश्चेदःत्रश हैःश्चेदः याहेकारदेहिकारत्वियास्त्ररायी यादेवालेकारदेशालेकारपदेश्वराया विशेषास्त्ररादेशा इक् लेखायलेक यया प्रेन्या सुसान्दा सी त्याया यर सुदाने राष्ट्री या सी यहेन यदि । इक्याञ्चीसूराक्षातुर्दे द्वा अस्मान्यस्य अस्मान्यस्य अस्मान्यस्य अस्मान्यस्य अस्मान्यस्य अस्मान्यस्य अस्मान्यस्य नेयानिक संचा भू न्युन्द हो। सुट हें र श्री मान या रे रे निवित या मान मुं से निहेन यदे प्रवार्भेन् प्रवारम् वार्यस्य विभागम् या वार्यम् प्रमुद्धे वार्यस्य वार्यस्य श्चिमारमा श्वित्यार दुः स्रोता स्वाप्या वित्यार दुः स्रोधाराय वित्यार स्वाप्या वित्यार दुः स्रोधार स्वाप्या वित्यार दुः स्रोधार स्वाप्या वित्यार स्वाप्या वित्या वित् न्वो योग्रयाहे यदः श्र्वा योग्रयाहे हुटः न्दः खुदः या वसूत्रः यदः न्वो स्वेविषः सुः वस्तुः रवः ग्वन् के से। कुं तन्न्य प्येन केया की स्वाप्त विष्य प्रत्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

रे केन वास्त्रायदे केन विद्यी सक्सा क्षेत्र विद्या वादसमा

यन्ना उना नी मुः अन्याया हे अर्दुर या न्या यहेन या ओन प्येन प्रमेत स्वीत विया वया ग्रेजियवयात्रिरःसूरःसूवःश्चेत्रःश्चेत्रःस्याया ।धीर्वित्वह्रवःविवावाविवाः क्षरः या यक्ष्यः व । प्रश्चाः विद्याः विद्याः यो विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः र्भेन्द्रन्द्रन्द्वे सुद्रन्यर देवाया विया वासुर्याने। ने प्यतः क्षेत्रवाय विया केया सर्व क्षेत्र क्षेत्र स्वर प्रत्य क्षेत्र क्षेत यद्ययायावरायाधेवाते। वद्रासूरास्चेवासीस्यायायावयायात्वा तहेवा हेत कें तिरेते सूर लेखा तर्रा त्यायति स्वेत की वा सुवाया सुवारी रात्या याययः यः श्रीतः श्रीः सुरः रोत्यविषाया तः देवैः या श्रुषाया द्वीयया दे। यक्ष्यया रोत्यायाः न्दः स्वादः तदः स्वा स्वाद्यायः नेदः स्वादः न्यः स्वादः स्वतः स्वादः यावर्षान्दरायाञ्चरायाञ्चराची यावरायाञ्चरायाञ्चरा क्षेत्रान्यान्यस्यायाञ्चरा चवा वर्च न्दर वर्द चवे सहें अहें अहें के क्रिन क्रिन्त स्था वर्ष के क्रिन का क्रिया मही र व्याकुःश्चेवावनार्थेन्यावनाञ्चेनान्यराधीः चे रातकुंवायाने सूरावधुरावान्या षटः सर्वस्य संदेश हो निष्य स्थान स्था स्था स्थान गर्नेरःवयापुः येदः गान्वः यद्भगाद्येदः वर्षे याप्येवः यदः क्रुः यळ्वः दे व्यः प्रया

য়ৄ৴ॱয়ॗ<u></u>ৢ৾ঀॱয়ৢ৾ॱॿॖॕॣ॔॔॔য়ॱয়৴ৼ৴৻৻ঽৼয়৾ঽ৻ঽঀৼয়ৢ৴ৼয়ৢঀৼয়৾৻য়ঢ়৾ৼয়ৢয়ৼয়ৢ৾য়ৼঢ়ৢ৾য়ৼ৾ৼ৸ৼৼ यार्डिया यी स्ट्रोट र दुः स्राटेश स्याधीत स्यारेदा रेश याश्युद्रश्रास धीता दे प्यट यार्लितः ૡૢ૽ૡ૾ૺ૽ૡઌ૽ૹૻ૽ૼ૽૽ૺૡૢૠૢૼ૽ૹ૽ૺૹ૽ૣ૽ૢ૽ૼૡૠૹ૾ૣૼૡૼૹ૽ૢ૽ૡ૽ઌ૽ૺૡૼૡ૽૽૽૽ૺૹ૽૽ૼૼૼૼૼૡૢઌ૽૽ૡ૽૽ઌ૽૽ૹ૽ૡ૽૾ઌૣૹૻૺ रुट य रेर शुरा र्श्वेव कर श्री धुवा ये प्यट देवे स्ट्रेट रु से स्ट्रेट यर द स्ट्रेस स्ट्रेट श्रेंद्रा व वेद्रची विच केव पर्व द्वा उव दी द्वा देव द्वा दिव ती विच ती हिंदा व विच ती विच ती विच व दरा वर्षक्वम्यरावरायवराय विभाषायाकेषवीयादरावयाचा वा हे[.]च:५८:तु:र्क्र:स:तर्क्सस्याय। वस्रस:यायस:या:स:सॅट:चर:से:वर्दे५:य:व्रेंग्:हु: विवानायार्शेज्ञायायद्देवाहेवाहेवाह्येय ह्यूनाम्यूवानस्वाउदार्डे वद्वे सर्वे वद्वे देवः स्वर्या ग्रीया धेदः यह्वः विधः या यहिषाः ग्राह्मः या सक्ष्यः व । विशः या सुद्रयः यन् सुरत्ते तदीरसूर विवरानदे रदा हुयाया ह्वा वियान विवा रदा भीत हिं नाय विवा यक्ति। यह अन्य अर्थे प्रति स्वर्था प्रति स्वर्था स्वर्था स्वर्धा स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर् धीव या सेन डिका नवन यका ननेव यस तिहेंव कुंडि धेनिने। ग्रावव नेवा गरिवा व यदेवःयरःयन्दःयःष्ठेःधेवःश्चेःनेषा यद्गिषात्रःविषःवेरःयःष्ठोःधेवःष्यरःश्चेशः र्वेन। वन्तेनेन्त्रस्वेन्ते। स्टावीः वैवाः वीवाः वर्षेनः वन्तरः स्टावीः विवाः व ववर्षाया वद्वेदःवद्देरःसूरःसूर्वे सुक्ते स्त्रीं स्त्राचारः श्रीः स्रीः स्त्राचे स्त्रीः स्त्राच्याः स्त्राः स् वर-तु:रर-छेन्-न्रेर्यासु:लुग्रयावया:येन्-प्रयाव। वन्नेव:न्रेर्या:येन्-यावया:सुय:रे-वर्षु विदःक्षेर ये से प्रतः प्रदेश विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व न्दै तर्दे न भेव कु नक्षु विन नहमा व क्षेट में यो न पाल तिव्या पट तिव्या यानर सक्तर्या सुन्न निर्मा क्रिया क

र्ने सुद्रायर रेग्ना विभागसुर सामा सेसमा सेन प्रते प्रेस हैं सुर तु विगा चतःचर्यस्य द्वीं विद्यान्य विवा विद्यान्य द्वीं विवा विद्यान्य विद पर्क्यात्रक्ष्यात्र्येश्वात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रेत्र ययायदीरःश्रूदःयविरामविःकेषायदीःवायोग्रयस्या विःकन्। नःदीःनेविःक्षेणियाः यात्रिं राप्ते वात्राविष्टा के प्राप्त का की विष्ठा किया कि स्वाप्त का की वात्रा किया किया किया किया किया किया यासुरकान्ने नेता ५ सुर विर वीकानेते त्ये क्या वर्ते सुर वासुरकाने। न्या याहेत्रचरात्रासुद्रदायादाधेतापदा। । यदायहीत्रविद्यायादायावात्रास्त्रव्यायासूदार्स्हेदा तयु.योषु। तिर्यःत्रमःश्रीयाःग्रीमःयाःयोषुःषुरःश्रीम्। वि.यम्युःक्ष्याःयाःयययाः भ्र.भ्रु.चयातम्या वियागस्य स्यापा स्रीतः देवायास्य स्रीतः स्रीतास्य स्रीतः स्रीतास्य स्रीतः स्रीतास्य स्रीतास्य रदःकवाःन्दः विःव्यवाःक्षेत्रः वाशुक्षाः वद्येवाः वद्देशः कतः क्षेवाः वीवाः वर्षेदः कर्नः व्यानवाकाः द्वेतः वैषायहराम् वर्षायारे स्थापार स्थापार स्थापारे स्थापारे स्थापि स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स वर-दुःस्राक्षेत्र-दर्भायत्तुःस्यास्योदःत्या देःश्रस्य स्युः दरः वादः धीवः प्यदः वर्ग्यम्भादार्थः नासूमा प्याता विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया मूर प्रति प्राया विष्या विष्या क्षेत्र मित्र स्त्री त्रुच.त्राट.क्यांबार्केट.क्रुट्बायांबीयांबीयांबार्वा बु.चर्षेकायांट्रेट्क्यांबादीट्यी क्षेत्रस्य म्यूयः क्षेत्र द्वेत्र क्षेत्र वित्व वित्य स्वा ध्येत्र या सेत्र वित्व प्रत्य प्रत अर्बेट क्रिन प्रेंत के ते प्राप्त प्राप्त प्राप्त के के प्राप्त के के कि के कि के कि के कि के कि के कि कि कि के र्ये प्रित प्यर द्वा की द्वातर चति प्युत्य द्वर से त्वा रहा कीत त्य सम्भाव स्वा रहे हुन स्व

यर। र्रायं अध्व वया श्रायं प्रायः प्रायः प्रायः विष्यः विष्यः स्वायः स्वायः विष्यः विष्यः विष्यः स्वायः विष्यः केंग्रान्तेन प्रवेता क्षुमार्भेन वरामान्यान्तु सुरान्तेन वराम्यान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र योत्। वरायाचरायदेश्वरायो भूतियाच्यावरात् वय्यावरात्राञ्चीत की मेरित्रा विवा धेव। दे.ज्ञा.ल्येव.श्रा.श्री.च्री.त्येव.त्यदे.क्ये.श्री.क्य.लूच. त्य.प्रतेव.श्री. यालव क्षे क्षेत्र क्षेत्र प्रदार स्वाप्त स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप ब्रेन्प्तत्वेत व्यन्य प्रमा रम्प्तत्वेत प्रमान मान क्षा स्मान स्मा म्बा बियाययार्थार्थिते क्रुंचितः स्टामबियाययार्थियात्। वर्षेषायाः विदा वर्शेषाया वर्देयःविरःवर्देयःवःसुवःयःसुनःचःधेवा देःवेःसूरःधेवःवेःवा श्चेव छ्व श्चेव श्चे वेट युविवा धेव धरे श्चेव श्चेर येता ह्या केंद्र या विवा था रेवा व 'वद्भासुवा' वी 'वद्वा' छेष' ५' 'व्यथ' क्रुं वाद 'पेद्। सुवा' वें बा 'वें बा दें दें से सारेदा ने या रेवा व स्वा या विदे रदः वा विका हे रदः वा विव स्थित। ने वा विव सी सु दूरः वर्चेवायाः स्वारः स्वारं व्यायाः स्वारं स्वा इतुः ह्येरायः क्यायाः क्रिरासदेः यादीः यादीः द्यायाः यादीर्थाः यादीर्थाः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्याया श्चेंद्र चुेद्र ग्रीक्ष्म यादे विद्र प्येद्र। वेंद्र श्चेंद्र श्चेंद्र श्चेंद्र ग्रीद्र ग्रीद् महिरासहसम्मिन सुमानी सेन्या द्वीन की सुन प्रति सुन प्रति स्वी प्रति स्वी प्रति स्वी प्रति स्वी स्वी स्वी स्वी स नेॱ**भर**ॱत्वियायवेॱतसुयाविंदाकेवाधें तद्वेते वरानुः कुँनाकं राव्याधे रायावत् नाता यमा वर्ने सूरम्बामाशुमा श्री स्वामा स योव परि क्रु यार्क्व क्रीया ने ख्रम्या युद्या यव परम् क्रुया ग्राम्य वि लिट क्रेनि डेबान्युर्वाते। देःष्परः हुरः वदः रेष्परः यवः यवैः तबवाया ववरः यो वकरः ववादेः ॔ख़ॣॾॴॿॖऀॸॖॱढ़ॸऀॱख़ॣॾॿॖऀॴॸ॓ॱख़ॣॾॹॖॴॹॱॿॖऀॸ॔ॱॴॹढ़ऀॸ॔ॱॳढ़ॸऀॱख़ॣॾढ़ॿॗढ़ॱढ़ॏॴॸ॔ॾॱ।

याल्य प्यर कुं त्र अर्थे र्या वेश रेया प्येय प्रमा यञ्चान प्रस्ता या हो र प्या अर्था श तपुःत्रवःकुषःत्र्याच्येषाःविजाविकावेषाःवरात्रात्रवः श्रुष्टाश्चिकावेषाःवरः हुस्य।विदः चरः क्र्रायायम् यम् द्वार्मे नियायस्थ्या सरायायस्नि पानु साम्यायस् कुं.रन्रराया हेत्.कुर.चकुवायायायायस्यावाचेरायावरायेरायासूरा म्बिमामीश्रास्त्र विश्वास्त्र क्रीं क्रीं स्थान संबिद्या स्थान स्य श्रेम् अस्य उत्राविष्ट विष्ट्र विश्व दे स्थान स्थान दे स्थित दे स्थित दे स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स चर:देष:ववुद:द्र-क्रम्थ:ब्रूट:ववुव:चद्रे:रद:म्ब्रुम्थ:वःक्रुं:व्रष:ग्री:क्रुव:सःस्ट्र-रा.लुरी लटा ग्रूंयां ब्रोटी श्रा. श्रुंटी राष्ट्र स्वया श्रुंचिया श्री वर्षी वर्षी स्वर्धी वर्षी ब्रियः ब्रेंट्यः द्यः पदेः इयः ब्रम्बयः । व्रियः प्रवेदः श्रेंट्रः प्रयः द्यः पदेः ह्यः ब्रेदः मा भिर्मेर्यास्त्रेराची त्यार से सार्यायायायाया विषया सुर्यायायायाया याबर या स्ट्री व्याया होत् स्री स्रोत् प्रते प्र ब्रैंटरान्यायदे द्वाचर ब्रेंचया वियायय ब्रैंटरीदे रेवाय द्वाय ब्रेंटर्ग विया पदिः देवाया यह्य ही हों वाया प्येतः पान् मान्य प्यान् हित्य पान्ने व्यान होया वीया प्यस्य प्रदेश हेया यद्भियाः मृत्यस्यायाः स्वर्ते स्वर्त्याः स्वर्ते वायाः स्वर्त्या स्वर्त्या स्वर्त्या स्वर्त्या स्वर्त्या स्वर् बीन्वेर्यस्ते व्या वी भ्रीवर्यास्त्र तर्देते वेया ने श्रीम्य प्राप्ते द्वारा विष्या विष्या लेशमञ्जूदर्भायाधीत्। देः प्यदः स्वाः हुः चुदः चः लेवा प्येतः तः हैः सूत्रः चुर्श्याद्याः वित्राः त्रशः

क्षेत्रायायदे रता तुर विया सुर विया सेता विश्वाना या सुर यर क्षु वी यो र वी विश्वारी केंद्र-दर्शेषायालेगाणेवावा देःचषाग्राद्यायद्वीत्रहेते होयादे दिःद्वायाया सुवावा - इत्रायदे द्वराष्ट्रम् क्री हे वाकी स्थाप के वाकी स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप द्र्य द्विमाय प्राप्त प्राप्त या र विष्य प्राप्त क्रिया प्राप्त क्रिया प्राप्त प्राप्त क्रिया प्राप्त क्रिया प ब्रेन डेन नेया ग्रम् केया सुना युग्न या निरम् स्वरा युग्न या तर्केया युग्न या लेगा स्रीतः हे विरूप ता क्रें अञ्चीत जीवाय जूर्याय अञ्चीत त्या क्षेत्र क्षेत्र त्या क्षेत्र क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या त्या क्र्याङ्ग्रीत्या विषयप्रास्त्रस्युषाद्वियायदेग्वस्यालुवाषायकरव्याद्वियावावावयः याधिताधाराक्षेत्रकार्त्तेत्रकार्त्त्रकार्त्तेत्राची हेकासुः क्षेत्रकारा वरावरावरावरावे प्रवेताया शेयशः कुन्दर्वा विष्वते प्रवास्त्र मात्र प्रक्षेत्र प्रवास्त्र प्रविष्टे होत्य हिर के त्या प्रविष्टे द्रवाचीय्रयाची प्रवास्वाया देते स्वीवाया सुर्यासी राजा वे द्राये राया है। त्रवा सिद्धा व्यासी या याधितायरावन्त्राक्चीद्वीत्रायायाचीत्रायात्वात्त्रीत्रायवित्त्र्यावराक्चीहेत्रास्यात्त्रीताक्चुा र्थेन्यारेन्। डेबाम्ब्रम्या द्वियायाद्वियान्यान्नव्यान्त्रेनाप्तरम्या मी भू न न म सु त्व्या पीन केया ग्री न न प्याय में न व्युट व्याय या सुट या न्वेत् रेर व्यवस्य स्टार सेस्र व्यवस्य विष्टु विदेश विष्ट के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त त.र्थात्वा.कुर्या.यर्हेष.र्थय.श्रेट.त्रा.बुट्-श्रप्त.र्थ.र्था.वर.कु.इंश.र्श.इ.जैर.र्डी्य.ट्बूश.स् तदेया हैंया श्रेव श्रे श्रें प्या श्रेप स्वाप स् न्यायदे हेया सुत्वाया नया हेया बेनाया भेता सुन्या स অবাশ:শ্ৰমা वियायिर्यायया श्वीरश्चीत्रात्रात्रयाश्चीत्र्यायार्धेर्यायार्ध्वर्याया

८८.शुषुःजीश्रादेव.शुःकीरावयात्रीययात्रस्यायक्तात्रयात्रायुःक्ष्र्यास्य भ्रम्य इर वर्षे भ्रीत्रे प्रतिषा म्या स्त्रिया स्त्रिय स्त्रिय स्त स्त्रीत् स्त्राचेत्राच्यात्रम् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्राच्यात्रम् स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्र यः ब्रेंद्र की प्यदः से दे काद प्येतः लेखा क्षेत्र स्वतः सूका द्रद्र साय दे क्षेत्र या दे क्षेत्र या दे क्षेत्र यार्च प्रीत्र। सूर्वा प्रस्था श्रीयात्रेया क्षेत्रा स्वीया यर्चरः क्रें क्षेत्रकाराये देवाका सदित्य स्वा क्षेत्र कर त्विर स्वर त्विरा क्र्येत या स्वा स्वा क्षेत्र कर त्विर स्वर त्विरा क्ष्येत स्व स्व क्रिंच क्रूरी या श्राभाय त्रव समाय त्रव स्था प्रचीता प रभायक्रतः विरायबुरावया क्वियाया वीराभित्राया विरायकेर्या वसूत्रायते खेवा श्रेन्यतः हेत्या कुयानन् कुरामते व्यस्य नवन् वालुग्रायान् स्यान केति । वित्राहेराचेत्याने ते क्षेत्रीन्या हेर्ट वी प्यट हे सेन् डेरा वास्ट्रा विन्यसन्य हु: वुद्र न स्त्रीद द्र वा र्के व्याया देव दुः वा हे र न लेवा धोव वा कुया ख्रवा लेना ख्रवा श्रयाः स्व ज्ञाते द्व द्व द्व क्षेत्र प्रश्रया प्रयापि । प्रमार्थः द्वे विष्य प्रमार्थः द्वे विषयः प्रमार्थः विषयः व न्वायःचर। अञ्चास्रोनः ले नवदेः नवासः सुनः वास्तिः यः स्रोताः । वालनः यः सनः निनः श्रुश्वरात्त्रेदा । वृश्वायात्रीद्यात्तात्त्रा व्याक्षीतायः स्रोतात्वरः क्चि.प्रकूरा द्विर.रवृष.तदु.रु.ज.लूर.झू.रा ।रु.व.र्थय.की.की.पकी.वीर. व। विषयः इ.चेव. वी. संवी. त. र र हुव. लूरी विषयः ने. यर र प्रेव. यस्यः स्वायाश्चित्। वियान्ता विनान्त्रेत्यायीतः श्चीत्। ववायाश्चित्वा मिनानपुर वित्रक्षेत्र । विदर्वेष प्रवेश विद्या विदर्श विद्या विद् यम्रेव व न्याय में विषय मार्थ र या स्थाय में र या स्थाय स्था

चुर्या रोग्रयायहमानविष्यानी प्रयामान्त्र या महित्याम् श्रीदाया से दिन्दी प्यान · झें दें दें दें दें दें चित्र के के अपनित्र के अपने के अपने के कि के कि के कि कि कि कि के कि कि कि कि कि कि कि गॅं.क्टॅर क्रेंग क्रें सू सुदे यग ग्रुं अ रुर पर यग या या या वें गाय दे यग या वें गा के र ह्यें श्वर द्वीय। व्रेश्वर श्वर या अर्थर प्वति प्वगाय अर्र क्रू द्वी मालुर या श्वर या या श्यापति होता हो है लेगाया श्रुट प्रमेशा ने ति प्राप्त स्वाप्त <u> सूना नसूय प्येत पर्ने वा नहुना न ने वा ने वा ने वा ने सुन में वे के प्राप्त वा सून</u> यसप्पर द्वाया वर्षे व या सी होत्। वी ता दे खेव प्यवा सा ह्या वी राया ह्या सा से सा चन्द्रम् स्वाप्त्रम् वार्याच्यात्रम् विष्यात्रम् विष्या विषयः स्वाप्तात्रम् विष्यायः ल्रेन्याम्बर्धाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षात्रम्यान्द्रक्षिणाकुः नवीत्राकुः १३व कुः म्रव्याक्षाक्षात्रम् न्गातः र्वो त्वः सूत्राः नेन्द्रवाः न्यययः श्रीन्। र्केशः श्रीः ययः त्रवेयः यः स्वाः नेन्द्रवाः षदःदर्शेषःदेःसूदःवषयःयःयः बदःयेगः सूःश्चेश्चः ददःये केषाः ययः यः सुः इसरा ग्रीया नहें ना नियाया नियाया से दार दें प्राप्त हो निया नियाया से स्वर्ध हो नियाया नियायाया नियाया नियाया नियाया नियायाया नियायाया नियाया नियायाया नियाया नियाया नियाया नियाय मु:दे:वि:रद:वा:वविद:वव:वव:व:क्वा:धेव:येदा शे:केव:ये:ववयय:वेव:उव:श्रीय: देः याद्येदः याय्ययात्वेयाचन्यद्वा द्वारार्थे राष्ट्रीयायाः यो प्रवादाः यो प्र चत्रुषात् विः रदः त्यायत् विवाषाः स्पेद् यदिः द्याः त्यायतः हितः लेवाः लेषाः विवाहिः ह्यो ना য়ৢ৴৻৴ৢ৾ ৗড়ৢড়৻৸য়ৣ৾ৼ৻ড়ৢঀ৾৻৸য়৾৾ गुरा । वि: वर्षः पवर्षः वर्षः पद्भारतद्भायः पद्भारा पद्भारत् । स्त्रीरः वर्षः स्त्रीरः प्रायदेशः

इस्राधरायवाया विद्यावासुरसायान्दा हे:रेद्राधिक्या वादान्दायदीया यस्या । नगर हुँ ग्रथः स्याः देटः कुँ श्रीरः स्रेरः यद्यीयः प्रदी । ग्रावशः रवः स्रूरः नुः ब्रुट्य.र्टर.क्रैज.विश्वय.ता ब्रिय.येशेट्य.त.के.वेध् १५.लट.क्रेंब.तय. वडराया सर्हर कुं हे से तरें हर कुं हगात से विंत वस्या व से त प्या से स्था कुं हो से हें त र्बेट्यायदे वट्टे व्यायाद्या के त्यायाया केट्ट्याया केट वर्षीवा या सराके वसाने दे निवरानु वितर दाविक वितर वितर सुवा वसूत्रा सुः सम्वर सेन्या ঀৢয়৾৻য়ৢ৾৾ঢ়৾৻ঢ়য়৾৻য়য়৻ঢ়৾য়ৢয়ৢয়৻য়৾য়য়য়য়৻য়৸য়য়ৢয়৻য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ঢ়য়ৢঢ় মর্ল্-মান্দ্রমান্ত্রম্বর মকার্ক্তকা ব্রিমকাশ্রী বহকামামর্লের মাধীর আ [यव, य. मृत्यं देत्र देत्र के व्याप्त क्षेत्र गिर्नेग्रारुक्षःक्षेत्रःश्चित्रंग्रीःग्रायाः याः याः व्याप्त्रात्वाः निष्टाः विष्टेश्चित्र्याः स्याप्त्रात्वाः स्यापत्रात्वाः स्यापत्याः स्यापत्रात्वाः स्यापत्याः स्या याह्रव यदेव में दिस् दुरे में देश हो या प्रतास्त्र प्रतास्त्र यदे स्त्रीत में की स्वास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त त्विर्पतिः बोक्षवाः क्ष्यः क्ष्यः व्याः क्ष्यः स्थ्याः यः न्दः क्ष्याः यान्दः क्ष्याः यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व ने यथ सूर्या हु सूर हे सूर्य रे यथ सुँच डेट वर्जे या यद वर्ष या ने से यव प्राप्त वर्ष येदः भेता सूना ये सूना ये भेतः यस सम्बन्धा सुदः ये दे सुदः ये भेतः या सी नेया नेया केंद्र सेंद्र राज्याया सूद सेंद्र या ग्रुस सी: द्वाद द्वाद प्रदेश प्रदेश स्था ब्रुवा प्रश्या ने स्रुवा प्रस्या प्रेव प्राची ने दुर व र देवा प्रव र र स्वर स्वर र ब्रेन्-नर्गेश्यम्था नेप्यश्यान्यत्ते स्थान्त्रीति न्याम्यस्य स्वत्यान्यस्य । वेवावयानुन्वयार्द्रान्याः दुरावन् देवा वेवा नेवा नेवा हो। नेवा केन्वि दुरावन् डेवा ह्या द्या देते से प्रीपदे पासुर वद हेवा देश सूराया दे से विश्व ते दिया है सूर न्देर देव केव न्यून याया द्यादाय वा स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्व वया क्षेट रुवा यो दाये यो या यह या क्वा या विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विवादिर रेजा विवादिर रेजाय दिर रेजा के दिस्त के प्राप्त विवादि वि लट विट बीया द से के विया विया देश के बिया खेरा हो मुखा से का महिया है मा धीव दिर देना विषय दर्ग वे के विषय देने देन के कुर द रे बा विषय क्रेंट विवास द्वीत दिया विकाम सुरुषा विद्या हेत क्वीत्रे का से विवास के स्थाप के स्थ वुःवःष्पण्याः संदिर्ध्यात्रक्षरः उत्राद्धः देत्। वदाः उत्राधेद् । क्षेत्। क्षेत्। स्वय्याः उत्। द्याप्याः वक्कुवः वयानेतिःतन्त्रयानुःश्चेवःतेरःनान्यःष्ट्रयाःधेव। तन्नैरःश्चरःतन्त्रयःग्चेयःग्चेन्नरेयःभेः यर ने खूर धेव वि प्रत्ये का विषय के स्वर्थ के स्वर ब्रैंन् प्रविव नु विव न्वीय व केय क्षेत्राय स्पु पश्चित प्राय्वव प्राविव विवा विया निवास हे न्वीया नेप्पर केंब्रालु याने या अर्थेट कुट की या हुए। व्रीयाया इस्रया कुष्राया निया प्राप्ता है । ॔ॱय़ॖॱॴॡ॔<u>ॸॱऄॗऀ</u>ॸॱऄ॓ॱॷॗॸॱऒॸॴॹॖ॓ॸॱज़य़ॖॴॱॿॖ॓ॸॱऄऀॱॴॺॴॹॕॱ ब्रेन् क्री कृत्र क्रान्यकाने सून्यन्य प्राप्त वार्षान वन्द्रम्य रेद्र हेरा वेद्र सेद्र हेरा मी वर्ष संभिन्न स्त्र में हिंद्र स यदे वर वदे त्यस केंत्र यदे वा रसस्य स्वाप्तस्य की तर विदीत की वर्त है। व्यापीवापाटा सी में कि विका में में विका में विका में विका में विका में विक केन्त्यानुम्कुतार्थेस्रयान्यतार् स्रयाणीयाय्यार्थेत्।यम्यायोन्न्त्यार्थन्त्यायन्त्रायेन् यन्ने रामर्डवाकी नर्गे रामरास्टायम् मुर्णेन्यात्रने यराष्ट्रीयान मन्दर्भेति सन् यश्चुरः च लेवा धेव। वर्दे रह हेन् क्ची वर्षे स्रायः दुः येव छो लेख रह हेन् यः रवाः

यययाधीत। येतःवेयात्रावह्यान्नीरानीः कुर्वेराष्ट्रीं न्यानीर्द्वात्रान्तः सुर्याने स्त्रीत्रायाः ययास्यासीयान्वाताब्दा क्रियाचित्रयाम्बेर्यासीक्रयासीन्ययान्वेरासीन्ययान्वेरासीन्ययान्वेरासीन्ययान्ययान्ययान्य क्षेत्रः यः धीतः विकायन् प्रत्यः श्चीतः यः धीतः त्रा विकानी विकायिः यदः विकाराने । यः योत्। वी:व्यात्र्युयःचरःश्री:सूरःचदिःयवः व्यायाः प्राप्तः ने:याः योत्।याः याः वतः त्रुरः व्येः वर्दे यः सूना नस्य के द्वेद केना धेद हो। देश यः नर्देना सर सूना नस्य हि स्लेद या विदेन यन्तुर द्वरायाने वृत्यायान्य हो । वृत्या सर्वे विदेशे श्चेन्या ।ने वस्य हुन्य वस्य स्वाय स्वाय दे स्वेन्दि । विस्य नय सर्वे द्वाय स्वाय । तायी स्वीता क्रीया वर्ष्या वर्ष्या स्वीत क्रीता वर्ष्या स्वीत क्रीता क्रिया स्वीता क्रिया स्वीता क्रिया स्वीता क्रिया स्वीता क्रिया स्वीता स्व *ॼऀ*ऒॱॸढ़ॱढ़ॎॼॕढ़ऀॱॺऻढ़ऒॱऒऒॱॴॸॱॿॸॱॶ॓ॸॱय़ॱढ़ॏॺऻॱॼॖऀॸॱॸॆऒॱॱ॔ॱक़ॕऒॶॺॱॸॖॵॼऄऀॺऻॱॸ॓ॱ ५८: ५वि १ से त्रियाय र १३वा १ देवे १६व १ स्ट मी क्रुप्त व्या कुर विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व ষ্ক্রীর ক'অ'মন'নীম'মার্ধ্বার্ম'নর্ধুবাম'দ্ব কিম'দ্ব-'মন'ক্কুদ্ব'বাদ্বিমার্ম'ম'রিবা'ষ্ট্রবামার্সি विवा वाहुवा वया बुर्नवा डिवा होन कुं प्येना केंग्रा वर्ग या वया या ही श्रुव प्येव प्यया म्राज्याक्षीत् त्यात्राच्छेत् त्या विक्वाक्षीत् विक्वाक्षीत् विक्वाक्षात् विक्वाक्षा लूर्तात्रापुरी रे.कूर्य.कुर्यासुच्यात्राजात्रात्रात्रात्रापुरा विरागरा लट.धेर्य.था.शुट्र.थायय.खेत्या.लुर्य.यो सर.चक्तेश्व.यं.संश्व.ता.शु.लुर्य.लट.ट्रेय.का.रू. नुवाबानिवायदानिवाय। श्रीपीवायतिवादिवास्त्रीत्वास्तित्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्त्रीत्वास्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तित्वस्तितित्वस्तित्वस रे'द्रवाषाक्चें त्र'त्र'व त्र्र'वा दर'ये 'चर'वी' दर्शेवा'वी'वाहेषा'या' वेषा दर्व

न्यारःक्रेलः विक्तित्वा व्याप्त विक्ताना विक्तः विवाद विकास ब्रैंन सेर पतर पेन। ने सुर पीव व ब्रु ने या ने व वी ति सर्व की न केर पा की पीव यश्रञ्चरकुःर्वेतकुःरुदेश्विरसेर् हो दिःसुरस्रेशम्पर्दा देश क्रेंड्रिट चन् पने दाय भेदादया सुभायया पान्याया ने सूट दिया ग्रुयादया वादांडी तर् विग विश्व वश्व प्रति । तर् वा स्रुया प्रविग प्रिं विश्व यहमान्ध्रन्यां में अर्थाः ने के अर्थे देश्या देशा देशा देशा देशा देशा देशा देशा है । थायहमार्खेयापेन्यापेत्रत्। श्रेषाश्चीयाम्बायमन्त्रः स्मानेत्रने थालेया वह्या डिया हो देखा दे के या वाया दुः वसूदः यदे के रासूदः दर ये दे प्येता न्येरत्वार्वेद्यायान्दरायाः वृत्ते प्रवाद्यायाः नेत्र विद्यायाः विद्यायः नवर्यने छो नदेव से नदेव सुसायते में केंस्य विवासेस्य व्याप्त स्टें राहे। यायम् प्रमान्द्र स्थ्रिमायायाने सान्ध्रीमायायान् । समया उत्तर्भयायायानु । समया उत्तर्भयायायानु । बेरावाद्या ययाकुंतव्ययाग्रीसावाहेबातवियाधीवाबेरा हेबातवियाग्रीह्मेदा ये क्रिंट हिन प्येत प्रशाक्षेट हेत ल्वुट न्वीय यो नेंब हें ज्यान में या ने कें छो यदेवःस्नुस्रायदे मेर्केस दिवा वर्षेत्। द्राये वर्षेत्र यदे मेर्केस दे त्या वेवा वर्षे मेरायः श्रीमा द्वै: यादे त्यायम विया येन दर्शीया यानु रायसून यहें या सुरया सादे हैं रिसी र्रेवाचित्रः वेत्रास्युमानकुः दुवाञ्च। वरः यदेः ग्वाचः सम्रदेवाः सदेः दर्देनः यदिः वरुषायास्य के विष्य देषा दे तर्वो वा खेट खें के व्या खें त्यूट प्रदेश का या स्थापना नेन्द्रियायात्रयो नयार्क्या नियान्त्रत्या मेन्द्रिया नेन्द्रियायात्र्या नेन्द्रियायात्र्या नेन्द्रियायात्र्या यन्तुरम् नेः स्नायम् प्येत् क्रिमारेमा सेमार्थः स्वाप्ति । नेप्तन्तेमा त्यन् या दिवा चुरा व केंगा रूटा सर्वी वेंब्रा या सा व न वा दिव सर्वी प्यट वेंब्रा यदि केंशा ग्राट <u> वयायरयाक्चियान्द्रचिदायेययाची स्थायायायन्त्राचीवा स्थित्रोचे याने या</u> ক্সি:মী:নিশা:মীর ব श्रेते वट वर्षा ग्राट र्श्वेषा क्षव दे स्थालेषा प्येव यश र्श्वेषा यश दव श्रृंदःयात्वर्ग्यात्रम्भवास्त्रेष्वरःयात्रस्युवर्षायायात्वर्षात् स्वेतःयात्वेवायात्वेवायात्वेवायात्वेवायात्वेवा व्यत् प्रात्ते श्री लेवा प्रोत् व रहेका व्या क्षेत्र र रूका देव व विषय स्थापन विषय स्थापन विषय स्थापन विषय स्थापन रेन् मुन देश लेश मासुर्या ने नया मन्त्र सामी स्थान स्यान स्थान स्य स्रा न्यायदेः येवायायवन् न्याययायदे वातुरायुवायाया हिंदिया वायया विता कु: ५८: चु: व: वरुवा: कु: व्येद: य: य: येद। दे: प्यट: यटः वीयः य: वहवा: ययः वाववः वी: क्रेदः र्यदि विश्व १ विश्व देव स्वि हे बासु व क्षुवा व स्वव से विद व से देव से सुष यन्द्रपद्रम् सूर्वियात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वित्यात्रम् वित्यात्रम् वित्यात्रम् वित्यात्रम् वित्या र्टातर्चायरावर्षाविरतेरात्यापी रे.लटाच्याचेद्याराष्ट्रीयाद्वीत्याद्वीरावी योष्ट्रक्रिक्रुष्ट्रियाः याञ्चराञ्च योष्ट्रिक्, व्याचीरा विद्युः रूपा स्युक्षेत्रारा प्याप्ते प्राप्ता ख्यः अर्केन् केन् प्रः लेगा विन् त्र या तर्वो प्रतित पर्येन् या या। भ সূর মাবে প্রাট্ট্র वयायेव नवीं यायायने सूरावने नवीव येव लेया व्यास्याय व्यासे वर्षे र्यदे त्यस्य मृत्यस्य से स्टार्स स्टार्स से से स्टार्स न्द्रम्याप्या मुन्यया वहवाहेन्न उत्तर्पत्र प्रयाद्र स्थाप्त स्कृत्येन्।

लयं.बुचा.र्झे.चाय.वीया.क्यर.लट.कु.लट.या.सुर्या ट्रे.यया.भीय.या.योशीयात.टट.र्झेया. भूवर्यापर में दासूर व्रस्त ने विद्येत्य में बादेश विद्या व रायाध्वीराञ्चरानिषानिरापरारान्देराणीतासुरात्रयाचे हैं हैं या येत्यर सेंद्रा पद मृत्यायित्याचे प्राप्त स्वा स्वाप्त व्याने विष्टि विष्ठिया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व व्यावेषाराम्बरायालेवातुः वसूषावषाद्वीयायोदाक्कुः रायायिदाक्कुः रुक्तिं वार्क्वया र्शेवाशायदी सुरायद्वा यथा द्विः साधीव सराराधीव सुसावशायसाद् द्विव। देवशा मृतः यात्रायान्दरः शुमाः स्नावराप्यदः मृतः यानेया आवाद्यया चेत्राचीरा द्विता विदा वयात्वी च ने सुरान्ते सुरान्त्र स्थाने स्थान म्निर् वर्दे सूरम्बेना सेन महिना सेन प्रीत्र महिना सेन प्रीत्र महिना सेन स्वीत्र स्वीत ययात्रदीयरावस्यात्रयात्रराधीत्राचीत्। तदीःगोर्वेदःश्चीतात्रयाःश्चीत्राचीदःतदोः त्रुः त्युः त्याताः रुट लिया यी या सुर्याया चुर्यात्र या दर्वे सार्केट सुन् । चाराम्मद पर्द्वाया हे विदाया प्रीत प्रया विन्द्रमञ्ज्ञीत्। दिन्याम्बिन् क्षेत्राम्बिन् स्थानस्य स्यानिन्न स्यान्यस्य स्यानिन्न स्यानिन स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन स्यानिन्न स्यानिन्न स्यानिन स्यानिन स्यानिन्न स्यानिन ग्रीयातकराम्बि सूरार्वेच र्योटा ने सूरार्त्ते विष्या अधि हेया सुन्यसूमा या दे न्नरतेंद्रकुः भेद्र। न्नें विषय के दर्शन या की तरेंद्र या तेंद्र निष्य या या विषय क्रीश विरादक्षीं या प्रेति । दे स्ट्रिय द्वाया यादी स्वाप्ती विष्या स्वाप्ती विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय यदे यानेयाया स्त्रीर ये रूट हिन या पेंदा या हेत सी खुरा रेत केत द रेया हेंचा पेंदा हु त्दिते विषा व्यामुन्दान्यो प्रति प्रवेशमाने वा प्रति प्रवेशमाने वा प्रति विषा व्याप्त स्रोतः ने व्यवस्ति वा विष यदे वान्स्रमान्य वा स्वा विवा नविषा ने स्वा विषय स्व

क्र्यः तर्म्युः विनः प्रमायम् देशवयः युदः।

द विक्रियतिः हेर्यान् भीवार्या

८८.मू.प्रिय्यप्तपुर्मेयो.यक्षा.क्षीर.प्रमाता

अप्रथास्य प्राप्त प्राप्त विवा धित विवा हिंवास प्राप्त केत में में प्राप्त केत स्थित होया ही भ्रम्यराधितायातरीकिन विवासवाय मरानु नवी मदी केर राष्ट्रीया महेर या है। मन् नपदी भ्रम्याययाप्तरायाची कार्याकेयायते भ्रम्यया दे त्याप्यरा सुदासे रास्तु से से स महिरायाळें से म्या मासुरायायाया क्रुं तह्य राष्ट्री हिन् इरुया से हिन र्रेट तद्देर त्विर वदि हेश द्रश्रेषा या भी विद तकद यदि स्मूर्य स्थित हो प्यट त्विर यदः भेषान् भीषाषालेषायात्विरः यदः सूषा यस्यायायम् । दिः यात्विरः यः श्रीतः ञ्चन नर्यः नर्यः प्रतः । चे चन हि रेन्या दुन से से से दे म्या नर्यः नर्यः प्रतः । अ'चउन्'गिर्रेश'ग्रीश'दऊन्'प्रश'दन्'र्वश'दिर्वेर'च'श्वेदि'सृग'पस्य'ने'त्वाश'पस्व बुषाव्यार्भेगयादुवाः वेर्त्वेदिः सूवाः वसूवः देर्श्यावसूवः बुषाः हे। रवाः वर्देवः गल्दः द्रथायन्दः प्यद्रियादे प्रद्रात्त्वाद्यायसूद्रः द्रवित्रः वास्त्रीतः सूचा प्रस्थायन्दरः कुंदी विनःमन्द्रिवः याम्युयाधीः नस्रवः नेवा नत्यः विचेत्रः हेनः नगावः नः प्येवः वा वयाने हेन्या र्वा श्री शास्त्री वा वा सहस्र सात में शासि हिना या प्रति है स्थी से युष्णत्रने या श्लीद दिन्तिया या येव व तदि होत नगत यद तदिया श्लादा विवा येव त्यायाया है। विवावयानीवारीपारायोराक्काञ्च विवापीयावा रार्केयायययान्नीरीपारावाहिरायी न्वींबायबाक्षुः नाहेबाया बेराना विवायो नात्र नात्र नात्री वाया के नात्र नात्र नात्र नात्र नात्र नात्र नात्र ना योदःदुः योः तर्वो विषः विषाः योदः दर्वो या श्रुः विषाः सुरः दर्यः वश्यः वश्य यावर्या क्षेत्रा की स्वतः त्या तर्की स्थाने । दे स्थेन त्व विस्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स यें तिर्दे केंत्र सेंद्र साम देवा प्रसाम सुद्धेत प्रति त्रवा परसा श्री त्यस द्वी प्रता दि । कुः धेरा महिना दरा महिना हुः मकु ५ 'दे 'स्रु लिर 'दिर दर्गर द्रमा स्था महिना महिना स्था । विराम लेका महेरि। द्या मलका महासाम मुक्ती तयर विराम हो कुम की हिराओं त्यावर वी तुर व इसमाद्र वद्य व प्रविश्व व स्वेर तुस्र वर वी तुर व दे चुअ'यदे'त्रदःत्र्याक्षेद्रं य'त्रसुरःत्र'चुअ'यदे'त्रदःद्रदःचुअ'यदे'क्क्षुद्र'य'त्रसुरःत्र'चुअ' यदे वर धेव या सूर्य हेर्न रेश सूर्य हैरी वर्ष वर्ष या श्री र वर्ष वर्ष या सेन्। रेशन्त्र सेंद्र मुसुस्र मुसुस्र दिर्देश मधी र से विस्था मुसुस्र दिर्देश स्था । दिर्देश मधीस्य प्रस्था स्था । यात्रयास्युः विवास्यास्य स्थान्त्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य स्यान्त्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानित्रस्य स्यानि थेर्-र्द्धन्ययन्त्रामहेष्यप्रम् स्थ्रिययन्यस्य विष्यप्रम् स्थान्त्रस्य वि देः प्यरायायाः निवाना हेत्रा चेरका ना हेना रहें या ना है या रहें या चीका की रहें दायर को या या उत्तर यक्षियाची सावित्य विभायते बारमान्याकेष द्वार्त्रया विराद्ये सावित्य सावित्य सावित्य सावित्य सावित्य सावित्य सा थेव। वर्नेन्यवे केन्न्यमें वरुन्य मुर्य वे श्वर श्राप्त वर्ष मुर्वे वे व्याप्त द्रवःश्चितः सुद्रः द्रयः यश्चास्त्रं विष्यः सेद्रः यश्चरः यः द्रयः वस्यः सुद्रः द्रयः द्यायदे सके सावित्य प्रमाण वाया प्रमाण सके सके के दारी प्रमाण स्वाप प्रमाण र्शितायरास्रीयाययास्यावियाचात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

हु स्पेन्त्व क्रुं अर्के केव से प्रवेश या अराम विषा स्पेन्त्व राम निर्दर विषय प्रवेश या श्चेत्राचार्यात्र्वरायात्र्वरायाः श्चेत्राचार्यमालेषाः सञ्चेत्रायाः स्वर्षाः श्चेत्राचार्यस्य स्वर्षाः स्वर्षाः वर्ष्ट्रवादि होत् प्रकार्या विष्ट्रवादी वि चर्यर्वात्रसम्बन्धः स्त्रीत्वो चालियाः वीषाः स्ट्रास्य स्वाद्यः स्वर्ते द्वादाः स्वर्ते विष् *ঀ৾য়*৾৽য়৾৽য়ৢয়৽য়ৢৼয়৽ড়৾৾৾ঢ়৽য়৽ঢ়৾য়ৢ৾য়৽৸ৼ৽ড়য়৽য়৾য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়ৼ৽ सबर तके प्रते म्वरायस्य सराया से प्राप्त स्वरायस्य संस्थित स्वरायस्य स्वरायस्य स्वरायस्य स्वरायस्य स्वरायस्य स र्षेया.यर्जिल.धेत्रा.धया.ता.शुट्र.टे.यू.सा.धेया.ता.ट्रेया.वी जीया.धेय.पट्टे.यु.यू.यं.यं या. येन कुं तर्वेर न कुंश कुं श्रीष्य यने न इंट बन रे ब्रिन थेन विया व्याप्तर । त्वातः रे.ज्ञुः वः कः रे.घः दः ब्वाः यः कः रे.धेदः यः देशः यर्वोः वर्ङ्गेरः दशः यर्धे रेशः ग्रीः वदेः वर्यम्, ने त्या वर् देशः सुष . धे. रर्वेजा खुर . धेमा स्वा त्यपुर स्था सूर्या पर्नेजा पर्नेजा श्रीरः नवींर्यायाधीत्रायया नयेरात्राक्षीत्रायाञ्चीन योतिवाक्षीयात्रायाञ्चीन यति स्मीत्रायः गर्छदःयश्रायदःयः सुराधिदः यह्रवः सेद। द्वो त्व्यशः स्ववः तुः ईसः विवाः ध्रस्यः सु श्चेंद्राचर्याश्चेद्राचर्यत्रसूद्राचरसूद्रक्षित्रास्त्राचेद्रास्त्रस्य देश्वत्रस्य हेत्रस्य स्वात्रस्य स्वात्य क्र्य-देशःश्रीतः द्वयाः योद्वयः त्याः त्याः त्रात्त्रः त्याः त्रात्यः त्याः त्रात्यः त्याः त्रात्यः त्याः त्रा रुषाप्पुतायानुस्रुव्यायवि विक्वित्यास्यवि तरानु यर्डे सु रेरा ने सु युवे विकासिन स्थेन यदीःदिविरः वदिः सूर्वा वसूर्या दिदिः सर्वेद सान्त्रे सान्तु वा स्वा १ र रेका क्षेत्रे सुन त्रदेतः व्या व्या व्या यथा खे रे या वृद्धः प्रविष प्या दि प्या प्रविष प्या विष्ठा या विष्ठा या विष्ठा या विष्ठ ব্যাহ্মান্ত বাদ্ধান্ত বাদ্ধান বাদ্ধান্ত বাদ্ধা योव क्षेत्र प्रदेश हेश माशुक्ष कॅट प्र लिया हो द क्षु में दे प्र विषय माशुक्ष माश्रव प्र या स्थाप यदेवरदेव गर्डे वे दे भीव वे ।

यिष्ट्रियायार् स्वायार् स्वायार्थिति स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स

१) रश्चितायदः स्वीतायस्यायम् रा

१ कॅंर्सुअयाम्बर्

মান্ত্রমান্ত্রান্ত্রমান इस्राय द्वा स्रो वर्षे वरते वर्षे वर नुसुत्य न स्वरान स्वराम स्वरा हेद हेद : बेद : वर्षा ।श्रूचा.जुन्न.चीर्च्चा.र्ट्स.चीया.वचर.चन्न.वक्करा ।श्रूच्येर.वीयाना **ब्रिअ**प्दश्चअप्यर दिन्दिन प्रदेश । प्रदार प्रदेश मामवा भी र मीमा दिन हुर । प्रहेरि । गात्र त्र व्यादि स्रोध माध्येया माध्येया । वेषा वि व्यापा श्वेरा ८८.योष्ट्रेश.क्रीश.क्.रेश्वा.क्री.क्रिया.यक्रिय.यक्षेत्र.हे। विर.तर.रश्चिता.यपु.यह्या.हेत्. हैन सेंब दा वियमस्ट्याम नुस्य निस्य यसूर्यायदे सर्वस्य स्त्रुप्य व्या ५८ में के दिस्य में स्वाप्य स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या अैयोमानस्रोयाःमान्योष्ट्रमानस्य क्रीमानस्य त्याच्या विमानस्य स्याप्य स्थाप्य स पश्चेषाःषीःशःषाविःवदिःकं:दश्चवः। इस्यशः उदःवःवाद्येषाः । विःवशः । विश्वेषः । विश्वेषः । विश्वेषः । विश्वेषः । व नुसुत्यः न्यवस्य नृद्धः स्यान्य स्थान्य <u> चार्या सेन्'य'लेवा सहसारी र'तर्</u>या हे'यत् सुंत'वाडेवा वीयावीया विवास वेरा प्रांतर्या न्वायान्यन्युः व्यवान्यरम् सुनुस्य सुन्यस्य सुन्यस्य स्वर्ते स्वर्त्तान्यस्य स्वर्ते स्वर्तान्यस्य स्वर्ते स्वर

र्म्यायम् विम् वित्रे से त्यम् वया यया सूम् वीया सर्वेत कार्यम् नम् विम् वया पुर र्दर प्रमा विष्याचीयाचिषायाचक्किया स्रोत्स्य स्रोत्स्य स्रोत्स्य स्राप्य स्राप्य स्रोत्स्य स्राप्य स्राप्य स्र ५८.चानुनःरेशः अश्रःशः रेशः विविधा अर्देरः वः चाडेवाः चीः श्लोः चडनः चाडेवाः चीः श्लुशः थेः योचयात्राः में क्ष्यः त्रात्राक्ष्यः वित्वर्धाः व्याप्ति । व्याप्रात्रः वित्रात्रात्रात्रः वयायर खूबारा मान्या क्षेत्र स्था क्षेत्र स्य वयाम्ययान्तराययान्यराचीयाप्यरावीया प्यराष्ट्रयाचीवानुता रेका विज्ञानुता दे सुन्तुते प्यटा की प्यटा के का ग्री सूचा प्यस्था विज्ञ का नुका प्यस्य देवा য়ৼ৻অ৻য়য়য়৻য়ৣ৾৾য়ঢ়ঢ়ৼ৻য়৻য়৻য়৾৻য়ৢঢ়য়৻ড়ৢ৻য়ৢঢ়ৢ৻য়৻য়য়ৢয়৻য়য়ৼ৻য়৾ৼ৻য়ৣ৾ঢ়৻ৼৢয়ৗ৾য়৻ मुजायारेत्। देत्रमुखायायदार्श्वेषायीतायात्रमुखायदिः तदात्रमानुः यद्यार्वेषाः धेव। ग्रहेराय:बेग्रावग्रदे। र्वेग्रायेरागर्वेग्राप्यःवस्वापे। योवीय हुए ताया स्वापिय तहेयाया सु रुट पा मुस्या ग्रीय रुधिया परि सोस्या स्वापिय हिंदी त्याया र्थे हुँ। वेदिः वार्ड्वा व्यान्तरः स्रवेदा वर्षा व्यान्या विवादि । वर्षु द्वार्थे यभिषाताः भूर्याषाताः यथ्या विषया क्षेत्राषाः कुर्या त्या देशस्य प्राप्ता स्थानि श्ची चे व्यामार स्रोधिय प्रस्ताचित्र याच्या स्थाप स्था न्सुत्य प्रते सेस्रय उत् श्रीय मे न परे प्रत्य उत्तर स्व स्व ते त्र न्याद प्रदेश स्व स्व से ब्रेन्द्र्रा ।नेःक्ष्रम्ब्रम्यब्रम्भ्रवयः यन्ध्रवान्याः विवान्याः विवान्यः विवान्याः विवान्यः विवान्याः विवान्यः विवायः विवायः विवायः विवान्याः विवान्याः विवान्याः विवायः विवाय यायम्यात्रमायम् प्राप्तात्रम् वात्रम् यर्श्वरायह्र्यकार्ये। क्र.जीयाययरायकायक्र्यांच्यातकायक्षेत्रामे क्रीरायः न्सुयः चतः सूना चस्यः क्रेना वः नयः ग्रीयः यक्षेत्रः तयः चन्दः स्वाः यन्त्राः सेनाः सेनाः सेनाः सेनाः सेनाः सेन

तरीत्र का के भेट रहें वा लेगा प्रमुद्ध प्रकार के कि स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वयं स्व यन्द्रभ्रवराद्रश्रुवाचार्यास्यास्यास्याम् स्वात्रात्वे स्वात्वे स्वात्त्रस्याः स्वात्त्रम्याः स्वात्त्रम्यः स्वात्त्यः स्वात्त्रम्यः स्वात्त्रम्यः स्वात्त्रम्यः स्वात्त्रम्यः स्वात्त्रम्यः स्वत्त्रम्यः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्त्रमः स्वत्तः स्वत्तत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्त्रमः स्वत्तः स्वत ध्रवायर वी प्रविषा देर प्रसूष प्रदेश या ग्री प्रसूष प्रविष्य ग्री प्रसूष ने दें दिन्युवा वसूय देन्यू र प्येव ले वा सुवाय वस्त्रेवा न्यर यर वी वाहुव केव से <u> तंत्राकृत्याचा मेत्रित्तर म् मुज्या मात्रियोय मात्रा यो मात्रा यो मुज्या या स्था यो मात्रा यो मुज्या या स्था</u> युवारा ग्री में त्युया केत्र में यो तत्तर ता ने त्यू त्तरे त्युवारा ग्री में त्यूया केत्र में या तकेर त्वेरा व वर्षेत्रवयावर्त्रक्षेवयावर्त्तवाक्ष्रचीत्यात्रकी युरायायरवरार्व्यवराणी रे.पर्ग्. बश्रम. बर्ट. बीया बोश्य बीट. ट. विश्वया येथा वयर तपुर रे. देवीया देट. योक्ष योच्च र त्युवा तदी योषाया त्या श्रीवाषा यदी स्वर्गी तक्ष्म उद्य र सु हु र यदी र से विष् म्राययम्बर्धाः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वयः यपुःश्राभात्रम् अभागत्वयाः वर्षाः तरः तरः वृः यदः यदः श्राभायः स्त्रीयाः सृद्धाः यदे वाषाः सु:रुर-व-भे-वे-वे-वे-व-स्वा-वन्भा-भर-वेर-दे-त्वे-द्वेर-द्वेन्। कें-केंद्र-वदे-कें-रर-ठवा तह्या त्रीट वी सेदी वे प्टा कु कु वा केत देवा या विदे लगा या वसूर त्या सुदी यावर्षाचीर यार्के न्दरन्तुवानदे वे च्यान्य याद्वेषाया निष्ठ्र व्यानविद्वे ते स्तुवा स्व क्रीच्रार्थां मायदाबीय तुन्तर्भय स्थाप्त विकास स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्य बर प्रते दुर्या से त्युवा प्रयास कुरि ने सुर प्रीय हो । प्रया के से से दुर्वा या हिस वश्यायर ते दें दें त्वेद्। । डेशायश दश्चिया म्बर्श मही याद त्वेद दि दें प्राप्त हैं। वर्वेद् केत्र ये विदेश गा वसूत्र है। क्वें सेद यदे खुवाय वर्षेवा दसर वर वी वर ট্রিমামীরেনমনের বেশ-দুনের্ভূদ্রমমাদ্রমার্মীর মানের্ভূদ্যনের স্কুদ্রনার বিমাদী ইমা श्चें रदः त्वीवावीयावीयाववरः दयाञ्चे योदाया याद्या याद्या

रेअः ब्रें हेशः प्रसेषायः क्षेत्रः प्राप्तर्द्धनः तया क्षेत्रिष्ठः वरः वाहेशः गाः स्वायः तुतः क्षेत्रः लयाना गुर्यायया यो खेरिता तुन्ति वा तिवाया यदि वता तुन्ति वा विवार इै. १ अर र पति वर दि किया प्रथा प्रके क्रु यो दाय र दु प्रवेद १ १ अया र पा पर्दे व पति व सी पी वुःतःस्रवात्वत्र्यः वेरः सरः धेरः वृवाः वर्ष्यः हुरः वर्ते । त्वाः यः कंतः दरः वर्त्रः यः रवामुःकं वादी वयरावदे ग्रायाया वैदानीया दिन्तुरावर्के । वियायया वसूत्र है। ५८ में र्कं चर्दे द्रुया विस्वार है से रवन र चलित मदे सुवारा सी वार्या ঀ৾৾৴৻য়৾৻ঀ৻য়ৢ৾৻য়ৼৢ৴৻য়৾৻য়ৠয়৻ৠ৾৽য়৻য়য়য়৻য়৻য়৾ৼ৸য়ৄঀ৻ঀয়৻য়৻য়৾য়৻য়৻য়ৼৢ৾৻ঀ৻ঀৠয়৻ वर्तः बोब्रायः उत्तर्वे स्तुः देतिः स्रे स्वार्त्वे त्वारायुष्यः स्वेदः वः वक्कुष्यः सः स्वरः वत्ववाः सः दृष् रतः हुः कॅ तः द्वी अुवाराः क्षेत्राराधारा स्वरः से तार्यु सः स्वरः सार्वियः तराः स्वीताः वर्षाः स्वरः स्वीताः तर-तृःतत्वाराः अः वर्षे अः सुवायः तश्चेवाः वीः सू अः तुः अः नृः विदः विः सुः विवयः अः विः वरः सुवायान्द्रम् सुवायान्द्रम् स्वेत्रम् स्वेत्रम् स्वायान्यस्य स्वायान्यस्य स्वयान्यस्य स्वयान्यस्य स्वयान्यस्य श्रुवा वस्य हीं हा सादवीं या विवय विवाद विश्ववा या दे वहा सी विवाद वी या सी विवाद यासराधेरासूना प्रसूथा दे तदा होति दुर्गेषाया धोता त्रे । । प्रमुद्राया स्राप्ते दे । यमायात्र रामे रामे स्वतः वायात्र राम्यमायाये रामि सूना नसूवा की केरिया ही रियो र्थेन्यम्यम्यम् स्थेन् देमाने निष्या हित्र ही स्थित हो स्थित हो स्थानि स रवा वीश्वा अर्केन से मुनाया ने तद् वते सूचा वस्वा ही र वी प्येन या गाम न स्वा करें वते योरः नर्येव । डेयः प्रयायाय प्रतर्भेतः श्रीः सूर्वाः नसूर्वः हो। सुर्वायः श्रियः योः त्वरः च हे त्वेर ख़ूवा य वहु त्वा वीषा वर्द्भेर खेंद्र यदे दर तु वहुवा वषा तहिना हेत क्षेत्र येद त्र वरा कं लें वर्ष कंत्र द्वा की यो प्येत त्या दे प्रवर्ग साम प्राप्त त्या है स

यः यञ्जावाः यद्भवाः यद्भवः यद् य-दे-दश्चाय-यायवर-योद-श्चीः यो-योव-याया दे-व्य-त्विद-दश्चाय-विद्यो-देय-गुव-वय-র্ক্ত'নরি'মৌস'নম্বীলা'উম'মম'সন'দ্যু'র্ক্ত'নরি'মৌ'বী' শিম। নুমুম'নরি'মৌমম'ডের'ছী' ૡૺૹૠઌૹૹ૽ૡૢૺઽઽૡૢૹૹ૾ૢૹૹ૽૱ઌૢ૱ઌૢ૱ૢૢૹૢૻૣૣૢૢૢૢૢૹ૽૽૱૽૽ૢ૱ૹ૽ઽ૱ૹૼઽૹૡૢૹૢ योव या नुरुष न निर्मा न <u> ब्रुवा नब्या अट में श्रिट दश से स्ट्रिन नर नब्रुया विश्वा वी से या ब्रुवा नब्या ने सुत्र</u> ब्रैंद द्वेष। वक्कद रूप वाडेवा डेयायय। क्र द्युया वक्कद ग्री यहवा स्थ्या वाबर प्रायोब। दे सूर्प्युति सं प्रवेर मुख्या विस्रमा प्रमुद्द स्व वा हेवा ये दाया दे सं नुशुवाधीत्र प्रदेशकत्र माश्चीर प्रमृत्र मी सूचा प्रसूचा प्रसूची । वी सूचा मु मिट साचीट । श.जग्र.पुर्य.श.पुर्य.श.चर्षेत्र.वर्षेत्र.क्रीश.क्रिया.चर्त्रजा.बुर.। क्रूर.च.क्रिया.चर्त्रजा. <u>ॱ</u>ठ्य'ने'ननुय'त्र्युर'ग्रीक'र्वेषा'कार्के'वा'र्याकारा'ने कें बन्'गिवे'सून्'कें नसूर्यायासूर्याया योव यर रह रहना मी विष्ठ स्ट्रुट मी रहुया रह मी खुरा व्याय सहेव सुरा हुई हो नी व लूर्तायुःभेषायाःग्रीयार्ट्यायीयदेश्यायया र.क्रार्यीयायराष्ट्रीयपुर्वे यस्त्रीययायः ने के के तद तद ते व्यक्ष हेका रेन तद्वा यका है यान वका वर्द हो ने खू त्ती हीं वाका वा र्त्ते [य विया से द्वियायाययय मुति र्त्ते सूर्य दर द्विया द्वीयाय सेत्।

१ श्रद्धाराम्ब्रुद्

न्स्यायान्यान्त्रेयायाच्यान्यस्य विष्याया । न्याया विष्या विष्याया । विष्याया विष्याया । विष्याया विष्याया । विषया विषया विषया विषया विषया विषया ।

श्रुवा र्येदे वर्तवश्चर्र स्तु विवाश श्री । वार्डेट र्रेट प्यर दे वादश शुन् पुवा स्रोतमा विरारेगार्द्धरावीमायहायदायराउँदी विस्तरस्य परास्रवायरा र्देवायञ्जा क्षिरवाक्क्ष्याकरायरवर्देशयायरा व्हिरवदेश्च्यायस्य वह्रवायरद्रगवयाथी । बुद्रवाशीकारववहरविदेषद्रप्यः चलुवा निर्वामान्त्ररायमूब् कुराम्न्यसम्मानामानामा निर्वायमूब्यम् **द्ध्यायर तया था है प्यक्ति ।** डियार्स विश्वामा यहिया निया यहिता विश्वासम्बद्धा यर्थः रे सूर्यः चेंद्रे तर्वयः र्रः सुव्यव्ययः श्री विषयः यथः श्रवः रह्याः वर्षः र् तर्देते हुँ। अद्युत् त्यामिले द्रादिर प्युमा वस्र या उत्तर में मार्ट्य से सुमार्थी स्थान स्थान ब्रेवसायरावश्रुराव। श्रदारेषाः सुदावीसावहवायदीः यदा स्टेवि। विसायसा म्यान्यतः रेवा मुन्यम् न्यारम्यादायते सुरावी स्वाया ग्रीयाय प्रमाय स्वारम्य यर:बुरु:पदे:यर:र्क्टेंदे:लेरु:सूर्य:पस्य:ख्री:र्क्टेंर:य:द्व्य:पेरु:अदर:पदे:यर:र्क्टेंद्र्य: नेति त्वर्यात् दे देशा अर्के स्र स्ट्रिया है। ही ह्या श्राम हिस्स स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया हिस स्ट्रिया है। यश्रदायादी कुत्रप्रक्ताद्वराष्ट्रयायराहेवायाक्ता ।श्चीदयाक्कृताकीकदायरा तर्नेन'य'णर'। व्रिट्रेर'नदेः श्रृषा'नश्रृष्य'न्रह्मण'यर्ग्यात्रात्राणी व्रिट्र्य'ग्रीश रवायहरावकी विदेश्वरायाविद्या । श्वाया देरावर्षेत्र हराको विद्यायायायाया त्याया वितः व्रेव, वया स्वाप्तः त्याया है। यक्ष्या विवासी विवासी

क्षेत्राचिर र श्रुवा श्री हो ह्वना नी सूना नसूवा श्री है स्वाचिरसा नसून रा प्येता है । व्यापा र्टात्री कु.च्र. उत्राप्त स्थापार पर्देश पाउन् । विषाय राष्ट्रीय परि स्रोधया क्ष्यः श्चीः शुर्वा ने त्युर्वा ने क्ष्यः भेरत् । सुर्वा वर्षा श्चानः विव मृत्या करित्व ने स्व स्व स्व स्व स्व नःस्याराःसःतःक्रेतःकः वारःन्रःतस्यःत। तःत्र्वारःत्वाःसःत्रःकःवःनःनेःसःतः विगायिव वि । निः प्यटः श्राटः सुदः वीः प्रदः श्रीका त्युका गुरुषः गुरुषः विकारिका स्रोतः विकारिका विका ख्रेय।तर.री.षु.यकारी.क्रेर.री.क्रु.र्ड्जायका.भ.री.ब्रीर.य.जवा.र्षयो.पियो.परीर.य.जा.थी. तुरार्द्रेयाना उत्रालेया गुरुया श्री सूग्राया क्री सूग्राया ह्या साम्याया स्थापन लटा क्रियायक्ष्यायक्ष्यायक्ष्यायक्ष्यायक्ष्याययः । विद्यास्थ्यायक्ष्यायः । विद्यास्थ्यायक्ष्यायः । विद्यास्थ्य तकै। विदे वदाया विद्या । श्वाया रेटा वर्दे व केटा कें विश्वया या या या तवाया वियायाय्यत्रक्तायीयाय्याकुरान्त्रियायाय्यस्या देःस्यायाय्यस्य वयान्य्वाप्तर्थाः हे ह्ये स्वायान्त्वा स्वायान्त्रा स्वायान्या स्वायान्या स्वायान्या स्वायान्या स्वायान्या स्व नेति स्ट्रेट केर्रिय प्रित पुरा स्थ्या प्रस्था प्रसाय स्था केर प्रसेत् प्रस्ता प्रसाय प्रस्था स्था स्था स्था स बुद्रषाश्चिषारयायहरलेषायात्युषातर्केचिते खेँचा वी बुद्रषाष्ठ्रसाखेँचा वी पर्दर्शा वॅरायतमा वर्षा में वर्षा की प्रकृत देश प्रकृत क्या वर्षे राव राव के विकास स्थान क्रीनुवायाकवार्यास्त्राच्या स्नान् क्रीन्स्वायाकवार्ययाः स्त्रीस्ववायायन्त्रास्यायाः स्त्रीयायायाः यर-वृत्राया रेट-वीया ग्रेन्ड्न वर्ने व स्टेट-सूत्रा वसूत्रा ग्री ते वर्ने न वित्र या ने ग्रीन्ड्न वर्ने व स्रिरः वार्यायाः वार्षेत्रः याः यास्रितः याः यादः यदः रेवाः विदः व्याः सः द्वाः याः दे वाः सः दे याः सः दे याः पर्वेन् प्रम्या विकालका क्षेत्र क्षा विकालका स्मिन् स्था विकाल क्षेत्र स्था विकाल स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान

योत्राच्यासुद्धेत्यायात्रास्त्रेतार्स्कृत्यार्यस्त्र सुर्मान्यत्वात्रास्त्र स्त्राम्यायाः बेराचेराचार्या वृत्रचेत्रवराष्ट्रवायरातवाराबेरायया यज्ञासूरावाराया र्टात्र क्रुव संस्था स्वापाया महिषासं विष्ठ स्वापाया विष्ठ स्व वेषायायविःर्क्यानुःवाषात्रकायर्गेवाः क्षेत्राये सः श्रुप्ताः स्रोत्याः स्रोत्याः स्राह्मयाः श्रीः सर्वेवाः क्षेत्राः न्यर:यॅर:शूर:य:ये:र्नेन:यक्वर:यर्नेन:न्यर:यॅ:प्येत:य:यूर:न्यर्य:यक्वर:वक्वर:क्य:तु: श्रूरययम् स्रुरवायय। ५.५८.विवायययने वयरा स्रुवायर सर्वेवाययर वनान्द्राचुन्तुन्त्रान्द्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या वर्षायाने प्रमुन्। डेयाययाने सुप्तुते सुष्पापस्या द्यी से रामा से प्रमुन् । सुर्वे प्रमुक्ता सुरम्वे प्रमुक्ता सुर्वे प्रमुक्ता सुर्वे प्रमुक्ता सुर्वे प्रमुक् বক্সিব্র অ'শ্রীর্ম বিদ্যুষ্প বিষ্ণা ব্রাম বিদ্যুষ্প বিষ্ণু ক্র বিদ্যুষ্প বিষ্ণু ক্রম বিদ্যুষ্প বিষ্ণু ক্রম বিদ্যুষ্প বিষ্ণু ক্রম বিষ্ণু ক্ शह्रे त.लुरो चर.रशिज.कु.कू.क्रेर.क्रें सेंट.र्थं लंदा क्रि.चर.कु.च्रंट.क्रिंट. र्गे रायालेयायदे प्युयावस्यादेदे त्यमु देवाया स्ट्राया तहवा मुद्रा में हो से देवे देवे देवे हैं वि र् क्रियाचे रायदे त्य द्वारेषा वा क्षेत्र कुर र् लेवा पेर्पाय ने वार ह्यू वा वाया वार प्रस्था वकुन् ग्रीष्परः वित्राकुः तुरः उदः पीदः पत्रा विः वकुः देवेः स्रक्तंस्राव्यक्षात्रे वाद्युः सः दे रे:धुरायान्नुर**षाने** 'नेयान्ने'केदाम्रार्थाद्यस्य वरादादे दुषाकुः तुरास्व 'ग्रीकेंक्द्र' हेंग्या यःधीवःलेषःग्रस्यःहे। यहेँदःयथा हैयःश्वरःवरःवयःयेःचकुः बिटा हियाम्डिमाधुटावया बटाशुराया । कु.तुराउवाश्ची कें प्येवा है। । मालव क्षें कें वें कें सुष प्रकृर। । लेख ने खूर मास्ट्रिया ने खूर चुते वार र्शिताक्रीः क्रियो प्रकृता पर्जूर्य पर्जूर्य प्रकृत स्थाप क्रियाक्षी क्रियाक्षी क्रिया क्रियाक्षी क्रिया क्रिया क्षेत्रास्त्रक्षेत्रका अदः स्टाहिया यीका श्चित्र प्रहेत् । प्रहेत् । यो स्टाहित स्टाहि त्देतिःस्ट्रेटःत्रश्रः व्ययः रेत्राः चेत्रः व्यादः विष्यः देशः उतः धितः यः दे विष्यः यः विष्यः यः विष्यः यः वि स्वरुषः त्रश्रः विष्यः यः येद्राः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय विषयः वि

३ हे तर्विरः ध्रुवा यः वरुः दुवा

नेवर्षकेष्ठियम्बर्धियायायञ्जन्त्रवायम्यात्री नेवित्रस्यात्रीयम्बर्धिया मर्जुम्बाया रियाम्ब्रीद्रःक्तार्ने.लीयावायक्यं.मिधियाम्बेरी र्र्म् श्रिमायावर्यप्राक्ष्यं. क्याळॅब्र रवा खेन् होरा | बब्बर वर्ष हे वर्षेर वन्दर वश्चर वस्त्र । क्रिन्ट गानाक्रमान्दरक्र्यामार्थेषाया ।ह्यान्नुपर्योधाबीराक्र्येन्यदेन्त्रेक्षेत्रा ।बेयाने चर्षेत्रः सुर्चोद्येः बदः यः मदः यः वर्षेवाया । वेयः यया वेदः दः चर्तरः यदः व्यवः मी सुमानस्यान्यमा हु सेन्या सेन्याने मलेक न्याने सक्षा मान्य सेन्याने सेन्य त्विरःक्षेयाःसःचञ्चः द्वाःक्ष्यःसःस्राःस्यःस्यः स्याःस्यः स्याः स्याःस्यः स्याःस्यः स्याःस्यः स्याःस्यः स्याःस सर्वेद करे वर दर वस्ता माना प्राप्त राज्य के स्वाप्त स्वापत स्व ८८:याहेशा वेंन्दिनिक्षेत्रेनिक्षेत्रेनिक्षेत्रिक्षेति दर यें बे सासुर क्षेत्रे वे वर्ष दे के तह प्येव लेवा हु सुरा न सवर से द सी प्राया महार से द से द श्चिरःश्चेत्रयाण्चीयाद्धरः वद्ययायायाचारयायार धेरादे क्षेत्रया वद्यदे सम्बद्धरः वद्या ल्रेन्यदेन्द्रम्प्राचा वयाश्वययान् केष्ट्विराधरादेन् भ्राप्याधवार्यस्यो व्या वःश्रीयः याववाः स्यायोः यदिः दिवयः विवाः यश्रियः ययः द्वादः सूरः वरः है। देरः वाङ्गेवाः क्रियादिया वयाक्ष्यक्षिः भर्याः भ्रात्यरायपुर्व्ययाताः क्ष्रीराद्रीयायायाः स्

क्र्यात्रपुः स्वात्वस्थाः भेत्। देवयाः भराविषाः स्रात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्व wr.रेर.लूर.रे.एर.च.ख्या.लूर.क्रंट.चर.चया.पर्चे.वियाचेया.रेथा रेट की यात्र कु सुर केत ये विवा भेट या अर्बेट दुया ईवि कर प्रमुख या केते ये यह र्राद्धः कें त्या को न्यूर की त्रर न्तु वर्ष्ट्रकायका ब्लेका कर्न ही ब्लूर व्यवस्त का का को निर्माद की त्राप्त त्र इत् दु त्र वि दु व्या वि दे र वि दे त्र वि दे त्या वि व्या नेराश्चेत्रातुःभुवात्राश्चीः अरु उत्रायदार्थे वार्चेत्रायदेः र्वेट्स्यास्य स्थानेत्रात्रेत्रास्य स्थानेत्रात्र विवातुः क्रेवाया व्याप्ते । व्याप्ते त्याया वर्षाया वर्षाय १ अर् न्वातः नः अर्थेदः नदेः श्रूदः नः व्यत्य स्वातः देवः श्रुवायः श्रुवा । न्वातः न्वातः न्वातः न्वातः स्वातः व श्चेतः दश्यात्रभः दुश्यदेतुः वार्योदः वीः वदः श्चेदः ये छिः यः पीद। यः विद्यायाः छदः युवायाः तद्वी वर विवा मु स्रोत वया सर्वेद क से र पदी या वा सर्वेद या पर से स्रोत पर । मिर्त्याचर मेथा पहुँ या स्वया स्वया स्वे चित्र विष्या या विषया या प्रविचा से स्वायावार्षेत्रयावग्रमाकेष्वेष्वायकेषिरायात्रयात्रायाचेषाः ने भुन्तु वित्वरा सूचा नसूया निवेद स्पेन् या ने अर्केव कित सम्पेव। ने देश सर्कन या स रयः चैदिः वे अदिः द्वायः क्या वेदः दे। यदः चैदः चै दे व्ययः वरः दुरु द्वाया क्या क्रमान्वातः या बेवा प्येन स्रूप्तः ब्राम् देष्टी वा स्वीतः स्वाम् देषाः नुः त्युर्वा व्यापानस्य वा तृताः बुदा विकानमार्क्याधिदार्वेद के याधीन। त्वायाद् क्षेत्र के प्रयाची देशें या उत्रः श्चीः अर्केत् कितः त्रवायः क्याः विवाः वी त्र ८ मुः श्चीयः त्याः स्थाः स्थीतः व्याः सङ्ग्रमः वीया पश्चीमः इत्रः श्चीः अर्केत् कितः क्षेत्रः विवाः वी त्र ८ मुः श्चीयः त्याः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स व्यायव रेपक्रेर के युषापडन वातृत द्वेन डेट द्वेर वर नगत पति पडन वातृत द्वेष · सूना नरूवा होति न ने द्वारा ने स्वर्था न देवर्षाः भूरः रावर्षः वर्ष्क्षेरः वदेः सुंधानुः धेन् । यसः हे । दिवरः देशः वासुरस्य खुवार्याः ग्रीः नयः यः रे : बेरः च नयः यः रेदेः रे : चे च र्डुवः वकवः क्र्याः १ अर्थः ५ ८ : वर्दे ५ : वेवाः श्चुर्-पाद्मस्याः श्चुःस्यापेत्र प्या स्याप्य स्थाप्य स्थापित्र स्थाप्य स्थापित्र स्थापि इे'से'त्र्यादवें न्'क्रीत्' प्येन्' प्यदे' स्रूट 'च' श्वरात्र्या नेराप्यर वाडेवा' दर्वो 'नुर्या सुवाया क्री' ૡઌૹઽ૽ૡ૽ૼૹૣૼઽ૽ઌ૽ૼૹૼૹઽઌૹ૽૽ૡ૽ૺૹૼૹૼ૱ૡૹૣઌૹ૽૽ૢઌ૽ૹૢઽઌૹ૾ૢ૽ૼઽૡૹ૽૽ૢ૱ઌઌૢૹઌઌ૱૬ गित्त हो न स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स थःश्रेवाश्रायदेःश्रेवाःकवाश्रास्ट्रायानुःस्रश्रायाःश्रेवाःश्रेवाःस्वः विदावत्वा यदःस्वः য়য়ড়৾ঢ়য়ড়৽য়ৄৼ৽য়৽ঀয়ড়য়য়য়য়য়য়য়ড়৾য়ড়৽য়৾৽য়৾৽য়ড়৽য়ড়৽য়ড়ৢয়৽ঢ়ৢ৽য়ৠ৾য়৽ঢ়৽ ख़ॖज़ॺॱॹॖऀॱऄॗॖॖॺॱय़ॱॸ॔ॸॱय़ॖॸ॔ॱऄॸॱढ़ॎॾऀॺऻॺॱॺॖॱॸॖ॔ॸॱॻॱॿॖॺॺॱॹॖऀॺॱढ़ढ़ॗॎॸ॔ॱऄॸॱॺॺऀॱऻॺॱॺॸॱ रेना यद्या वश्चराव उद्या । श्चेरिन्दा गाया व्यान्दा वया या विया वी प्रस्तु व्यक्ति विद्या के स्थि विद्या के स्था विद्या के स्था विद्या के स्था विद्या के स्था विद्या के स वयानस्ता कुःस्वादरास्रोत्वरातुःस्यायदेश्यानस्या स्रीतरामानास्या रट.चयात्रा सियात्रात्रा सियातासूर्यात्रात्मीयः श्रीत्रित् क्रीत्रात्रात्रात्रात्रात्रात् ह्वा हु वाब्र क्रीय वर्गेय बिट पेट्य सु वेट्य ह्यें द्राये देरेय वेदि वा बुवाय दे रट वी चेन्नेन्देयस्त्रा व्यामाञ्चातुः वाववामाञ्चलायाः चित्राचित्रः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः व

यो तत्तु न स्नुवर्ग विवा य स्विता यदे सूत्रा वसूत्र त्या सेवारा ये वार्य ये स्वा यदे न स्वा यदे व योग्रयाञ्च क्री देवायाञ्चवा वर्ष्या देयायो द सूर्वे विषय ही द विषय पा दे हैं है हैं वा प्येत र्वे। । ने सु त्रै कें न्युयः नकु न श्रमः न्युयः नकु न न स्वर्धः न के कें हे लेकि र याक्षेत्रान्दः इत्राज्ञद्रयाज्ञेत्वक्कृतः व्येत्याने न्याने वित्रान्तः वित्रान्ते त्रान्ते व्याने वित्रान्ते व सर्वर्सेश्चर्वेश्चर्वेश्चरायश्चरत्वेत्रचेश्चर्वेश्चर्यर्वे स्वत्र्यायः विष्यासः विषयासः विष्यासः विष्य तुं विवा याधीव यय। रूट द्रिया सुद्धि देशे वह दुः क्री खेद या विवा वर्क्षेयाया देशेया वुरायरायदेवाराञ्चवा वी सूर व दर्शराञ्ची वेर द्वारायराञ्ची विवाय हर से। नारेप्टर्व्याप्त्रमुख्यावरः भ्रेष्टेप्याचीत्रायाचीत्रायाचा भ्रेष्टेचेत्र क्षेत्राच्याच्याचीत्रा ययवायाक्यः प्रयाप्तः मुद्धेत्रावहेँ ययात्रयः प्रसूतः प्रवाद्यः विष्टित्रायः विष्टित्रयात्रयः विष्टित्रयः विष्टित्ययः विष्टित्रयः विष्यतः विष्टित्रयः विष्यतः विष्टित्रयः विष्यत्रयः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्यः विष्टित्रयः विष्टित्रयः विष्टित्यः विष्टित्यः विष्टित्रयः विष्टित्यः विष्यत्यः विष्टित्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्यत्यः विष्टित्यः विष्यत्यः विष्यत्यः वि विवारिः विदायका मुस्ति । विद्या निवार विवार विवा वहिनायाः सुना वर्ते व्यूराधेर् वा र्रे या सु सु वर्ते । तुर्व से सुन वर्ते या स् चैयाययार्थेयाः यक्ताः दे क्रू. यज्ञ् र वियास्याः दे यायाययाययाः सूर्यायाः देयास्याः वियाययायाः सूर्यायाः सूर्य व्रेन्'ग्रीकुं'याश्चा'र्येन्'ययास्यानेन्'त्रयास्यायानर्ययात्रा **इयाग्रम्यानर्राम्यून्** मिट व्यक्ष विद्युद्ध विदेश हो विदेश हो विदेश हो विदेश हो । वसूत्राने। श्वीरात्रात्वायासुर्याश्चीयाद्वार्यास्यात्रात्वेतायाद्वात्वार्यात्रात्वेतायाद्वात्वार्यात्वात्वात्वा য়ৄ৴য়৾৽ঀয়য়ৣয়৻৴য়ৢয়৻য়৴ৼয়ৣৢ৾ঢ়৸ড়৾৾য়৻য়৻ঽয়৻ৢঢ়য়ৢয়৻ঢ়য়য়৸ঢ়৾য়য়ৢঢ়৻য়৻য়য়য় र्क्रट.ची.जब्र.इ.क्.च्याच्यचा.त.प्रट.चीब्र.चेब्रा-चंत्रेच.त.व.च.च्च्या.ज्येट.वंब्रा-चंत्र्याच्यच्या यदे व्यवासुद्वार्या संस्थान निर्देश के सामित्र स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स क्षेत्रायन्द्रा इत्युषायाळेरायात्रुपायदेत्रः न्द्राद्रायात्र्याक्ष्याक्ष्यायात्र्यात्र्या

ब्रुवा नब्य श्रीदः तर्दे दः स्रोता वेद् राग्य दः यथा नथा व्यवस्य विश्व स्वर्थः त्रियः स्वर्थः त्रियः स्वर्थः व चर्षमः । अष्टेरा निष्या स्वान्त्रा स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त देशया शेय्राश्चित्र व्यव्या स्त्री व्यक्ष्मिया प्रमाण प्रम प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण वर्देर:र्वा:वर्द्धेर:क्री:श्रे:ब्र्श वर्षा अर्द्ध्व:क्री:न्नु:श्रःशहवा वरःश्रेंदिः यर्थ्यात्यात्रात्रेष्ठ्यं क्रिया यर्थाक्या क्रिया क्षिया क्षिया स्थित स्थित र्थेन् प्रते नुषाय निष्या न विषय प्रते सी न सी न विषय प्रते सी न सी न विषय प्रते सी न सी न विषय सी न विषय सी न यर दर्शेषाया दे पी तर दु सी ख़ूद प्रति व्यवसाय है ख़ूद प्रतिसाग्रद विवास लेका लट. ट्रेट. लट. ट्रे. चर्या अया अंट. च्रीया क्रीया पादे . त्या पादे च्रीया . च्री चनवार्यायाचीत्रायात्रदाष्ट्रीत् कत्रायायात्रत्राष्ट्रीयायात्रे त्यूर्यात्रके वार्श्वेयायावयायात्रास्य ৾ঀৢ৾৾৾৾৾৴৻৾ঽয়৾৾৽ড়৾৾য়৾৽য়য়য়৽৾৾৴ঀৗ৾য়৸৾৾৾য়৸৾৾ঀয়ৣয়৽য়৾য়৽য়৾৽য়৾ঀয়৽য়৽য়৾য়৽য়৾৽য়৾৽ नवित्र ग्रावत् श्रीक्ष ग्राट से वर्देद सेंद्र वेंद्र ग्राट द से देर स्त्रीक वका सूना नस्या श्री सेंद्र न इवार्थे वर्षे देव वर्षे स्पर्मा न्युयान स्क्री नित्र के नित्र के नित्र वर्षे के न वयाष्ट्रीव कर ने र सुने र वा का को स्रोधाय कर त्या स्रीट हे केव में प्रसूचा स्री ति वर्त स्रा चुतैः याः मृतः येययाः उतः से द्रायाः दे से दितः येदः दर्ग दर्गे दे सूर्याः वसूर्यः दे द्रायाः ययाः तदेव मुनःपर्व तुषाय उव लिना दया नश्चित्र या है यो या यह मार्थ प्रमा यह प्रमा नश्चिता यश्चर्यात्रात्र्यं क्ष्याच्या प्रति श्रेम्रशास्त्र त्री मुस्या हत् त्री त्यशास्त्र प्रति केन् नु पर्कृतिते श्रीर प्रदेश हे अ ग्रासुस स्टापित क्षेत्र अया यो ते । बेर अ रे र संस्था सामित प्रास्ति । न्वीं वाले वानवायान वीं वा रम् हिन् वीं वीं देशी वें पीत्र पति सूनवा श्रीवाया केंवा रेरःगुद्रःह्मेदःयेवाषःर्यःरेष्ट्रोुषःग्रुदःसर्वस्ययःरेरःदेवैःर्वेवाःसःर्यूदःसरःग्रुदःसःरोवाः

करा मिया प्रति प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्

४) थै:द्रवाय:ग्री:स्वानस्थानम्या

০ ব্রীন্মার্শ্বার্মানা

५.५.८४.श्रूट.ची.यायश्रम्भात्त्रचीहेश्र.ता.त्याचीत्रयायाः चीत्रयायाः चीत्रयायः चीत्रयः चीत्रयायः चीत्रयायः चीत्रयायः चीत्रयायः चीत्रयायः चीत्रयायः चीत्रयः चत्रयः चीत्रयः चीत्रयः चीत्रयः चीत्रयः चत्रयः चत्रयः चत्रयः चत्रयः चत्रयः चत्रयः चत्रयः चत्

इप्तरा देपलेब सेर व्यक्तिका से द्वाद प्रति पुरा विवाद प्रति विवाद से स्वित श्रीरायराश्चीवायाया । व्यार्श्वेयाव्या ह्वरश्चेर्रा स्वेत्रायायाया । व्यत्वेदा **ब्रम्यदे क्रेंचक्राक्रम्य।** बेरा क्रेंचा मन्या सुमन्य सुन्या सुन्य सुन यर्थ्यायर्ष्ट्रम् हो देःचत्रेम् सेंद्रायाः हम्मान्याः चित्रायाः चित्रायाः चित्रायाः चित्रायाः चित्रायाः चित्रायाः नु:चन्द्र-पदी:द्रुय:चदी:सूर्य:चस्य:श्रुट:साद्र्येस:में त्रःक्रस्य:श्री:द्र्यदादी:प्युय: नितृदानायाः श्रेनियाया के प्यदास्रोदायया सेदाया प्येताया साम् वासी निया सामा स्थान बरः स्नुयः यें कं चः के चया यो बेरा दायी सुवाया दे त्यूराधी दाया देरा वेंद्रशः ह्येंद्रि सेट प्यट से मानाया या विषयम्य प्रचार पित्र से देश चर्या प्रचार प्रच प्रचार प्रच प्रचार प यहर या अर र रेवि क्रें आविषा भेर्न या आन् में अपवाद यहर व्येट आ क्रेंन् ग्री और र आ क्रुं र्श्यापर में क्रुं येद यय ब्रुंश्यापर से म्वाययाया वय ब्रेंग्या वेर होद थे न्यायायुर्या वियाययात्रयान्यान्यात्र्यायायान्यान्यात्रयायान्यात्रयान्यान्यात्रयान्यान्यात्रयान्यान्यात्रयान्या यन् भूम् नुति भी नुमार्का भुषा रेन् किर सूर मित्र सूर्य का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का का स्वीतिक स्वी त्तत्रभ्रमायमारुमारवो प्रवासम्बन्धायमुमार्कमाया विवास्य सेन् रहेमायमाया स्रमाविदः रेन्'यते'सुरुपोन्देते'सुरुपञ्चर्याञ्चन्'यर्यासुर्यानते'सूर्वर्यानुरुयरानुर्यान्तरे'सुरु ताक्षालट प्राप्त प्राचीचीयात् त्रुप्त प्राचीचीयात् त्रुप्त प्राचीचीयात् त्रुप्त प्राचीचीयात् त्रुप्त प्राचीचीयात् प्राचीची **द्रम्य माम्युर्य** लेश यश द्वी: द्ववा की द्वी: वः श्वा राष्ट्र या या सूत्र या प्येत यश की दः यनद्रायलेब स्वीतः श्वीयायाञ्चा बदायी श्वीयायाञ्चा श्वीर्यास्य स्वीतायाञ्च श्वीरा गश्याचे ने ब्रीट्यान्य या मार्था प्रेच्याया मार्था प्रवास मार्थी प्रवास मार्थी प्रवास मार्थी प्रवास मार्थी प्र

वर्देशक्षां निवासी ने व्यासी विश्वास उत्र ने के व्यासी विवासी विव यह्माक्की:रेवा:वी:क्ष्य:क्षी:धे:माणट:यविष्यमा:धेट:यविरमावीद:र्य:वीद:यविरमावीद: न्वरन्त्र्व क्षेत्रका मुर्गे विवासे क्षेत्र के विवास विवेश सूर्य पाउव। वालव पर क् ग्रुदःददःवन्नयःतुःक्दःश्चीःव्रेदःवेदःश्रेज्ययःवनवःवन्तःवन्तःदःवन्ते। इस्रयःश्चरःदेदःदःयःवेदः यर'णुत्र'रेट'स्रे'स्नेवर्षा वी'त्य'वर्'र्'रेते'त्व्यस'स्नेवर'सूवर्ष्यस्य स्थापिर'तेट'र्ची' नर्देश ये नि इस्राया सेन्य म्यूर हे स्तुम्य प्येत त्याया बर निर हे त्येत स्राया हेरि यार्चर-र-जूर-पार्न-क्रियर-शुर-यार्ग्-यार्क्त्-उत्यार-प्रिय-पशुर-बिर-यार्क्त्-क्याः वेत्यः वयानयन् स्यातवृद्दानः सेन्यातदेन् प्रते प्रते प्रते प्रते ने स्यायाः सेर्यायाः स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप ५८:बराङ्ग्रीं आने द्वाया १३ वरा शुं श्रीं द्वाया पाने १२ वर्षा श्रीं वा पान्य १३ वरा विकास विता विकास वि थी-नृषायाने सेती सर्वी चिन्ते स्वार्क्याया विन्तु सन्तु स्वार्वे वार्क्यायया स्वान्त्र स्वार्वे वार्क्यायया स्वान्त्र स्वार्वे वार्क्यायया स्वान्त्र स्वार्वे स्वार् स्वार्ये स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्ये स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे ष्राच्चीत्र पास्त्र भ्रोत्तर स्ट्रियाया क्षेत्र प्रायु त्या क्षेत्र प्रायु त्या प्रायु त्या प्रायु त्या स्ट्रिय ઌૹઐઽૻૻૻઽૢ૽ૡૢૻ૽ૼઌૢૼૺઌ૾ૹૹૹઌૻૹ૽ૻૹ૽૽ૣૻઌૹ૽ૻૹ૾૽ૹ૽૽ૺૹ૽૽ૼૹ૽૽ૡૼૡૡ૽૽ૺઌ૽ૹ बिनाः हु: श्चेनः ग्रामः निः निन्नः सेनाः रुसः श्चेः बनः दुः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स यदः अर्थोत् यः हः स्र स्वारं दिः तदः दुः शेः तर्थो तिदः। देवेः प्रसः यः विदे दुवाः वीवाः स्रायः। तर्वो ता दुर वर रे व्हें तर दुवर पारे का व्हें ता खुवा व्हें र का दें का दें की वार । वक्का वा यात्राञ्चीत् सुः व्रीयात्राः सेन्द्र त्रत्रात्र सुः सेन्द्र । विवाधिते त्रतः तुः सेदः प्यतः स्रास्त्र वार्ष्ठवाः वीः

यक्ष्यायह्न त्यमायन्त्र स्वत्यक्षयायन्त्र हिं। विद्यायह्न त्यमायन्त्र स्वत्यक्षयायन्त्र हिं। स्वत्यक्षयायन्त्र स्वत्यक्षयायन्त्र स्वत्यक्ष्यायन्त्र स्वत्य स्वत्

४ श्रायदःजः क्रुं.च

नेयायराम्यताकुतारेषायाभीषार्चायास्यासुक्षेयायान्ता यरातवादारेयासूनः कर रद किर तके नदी बर रे नालब था क्षे र्वो बर त्वा नवा वर्षा देवा से यालवः याः यार्वे दः प्रञ्जीया स्टः याः यवः व्रेवायाः योदः यदेः व्रृवाः प्रश्नेयाः व्रेविः पाः तवादः रेः र्श्व कर क्षेत्र वाद हे सुव न्नदे त्वाय द त्वी द्या ने वा वार्व द वय हैं विवेच व क्षेत्र बर्डिण प्पर्नियम् ने वायहेव वयात्वी विवादीर ग्रामा सर्वस्य स्रियम रे वस्य स्राप्त स्रम श्योषाताः श्रीरः भषा चर्षेरषा वषा श्री समाचा । स्वोषायाः वषा स्वीषाः स्वीषः स्वीषः क्चित्रःच्चा स्वायःग्रीसःवाचे रःवयःवस्त्रयःयदेःचरःपुत्र्यःयःववाःयदेःदेरःब्वयः शुम्बेर्वि हु। अवदि हु अर्हेदि य रेवा दु हुट हु वा सेवा सपदे सूवा प्रस्वा पर्दे । वयःक्कृतःष्परःदुशः क्षेत्रायः वेत्रायः येत्रायः श्रीव केः वेत्राः नीः सूरः यः वितः वरा सर्वेद त्वाद रेका सर्वेद सूद दुः नि वार्के द तवाद रे वि दूद दि तथा था के वाका यदि म्बीयायाजीयास्तरम्बीर्यारास्यायाः विवादम्यायाची महीत्रात्तर्वा याने के विवादम् योश्रव तर्हे ने र प्रायत कुरि पी प्रयाश की रेवाय पी के वार पेर यावत ही नम्भारक्ष्रीर वसम्भारत् सी द्रयो न वित्त पीत्र प्रमार्थ्य सहत्र दे नहे महिमास विवाद सामा महिम्बारवर्षे वासेन्यने सुराधिव वे । विनिः स्रीराष्ट्री स्वानिस्वानस्याने इस्रयान्ययान्यान्य युर्वान्यविषा सुवानस्यान्यान्यस्या क्र-न्द्वितः स्ट्रेट व्याप्य स्विता हु त्येव प्रवेशिता हो। दः स्वेशितः स्वाप्ति स्वाप्ते स्वाप्ति स्वाप्ति स्व ८८. घ. ४. च. ४. च. १५ च. १५ च. च्रेच. क्रेच. च्रेच. र्श्टेन नवें राष्ट्र नवें राष्ट्र होन नवें राष्ट्र राष त्तैः युरु प्रतः यो त हो द शी कुं दे के या सुषा व्येद् के ता विद्या विद **रोरःष्ट्रप्येद। ।** विरुपाम्युद्रयायय। क्रुप्येद्रयार्श्चेद्रप्रदानेद्रप्याप्येद्रपुरुप्यायर दर्गोद्गः अर्केना नी 'बिदः राज्यः अर्केन् 'याचीन् 'स्रोता अरः दत्र 'श्लेंदः कुरा वना नी 'दर्ने 'च याञ्चीत्रायाण्येत्राञ्चा वत्राय्याकृतायायत्र व्यायायत्राच्यायायत्र व्यायायायत् व्यायायायाया सुत्र-सुत्र-रहेंग्राय-रहेंग्राय-रहेंन् स्री-द्वी-स्री-रहेंग्रिय-। शेरःषू:५८:वह्रःवगेगशःचुशःवसू५:४:७:५गशःवःसुं)वदे:कुंदेःगर्डेंचें:धै४: অধিহেপ। ৴ৣ৸৾৾ঀ৾ড়ৣ৻য়৵৻ঌ৾ৼ৻য়৵য়৾৵৻য়৻য়য়৻য়ৢঌ৻য়ৢ৻ড়য়৻য়৻ঢ়ৼ৵৻য়৻ঢ়ৢ৾৾য় यन्यात्रा वज्ञवातुः भीत्रवावात्याञ्चीः भीत्वीवायवे ज्ञाववात्यात्वन् यात्रञ्चीत्रा देर:ब्रुकावकाद:ख्र:देख्:च्रुके:ब्रुका:वब्रूका:ब्रुक्:च्रुके:च्रुके:चर्ववायःदिर:देर:ब्रुके:खेद:खे:वक्र नमन्नमान्त्रित्यादे के त्या क्षेत्र हे नक्षेत्र प्रकेश मान्य प्रकेश मान्य प्रकार र्द्धर प्रथा भुस्य स्युः यो दः द्वीं या स्यो।

३ र् ५५ तर्वेदि स्वाप्तस्य प्रम्या

१ ব্রীহমার বার্মানা

द्रवाश्वात्र विश्वात्र विश्वात्य वि

यहैनाश्रम् है। निर्मिण हैर हैं नियश है अपन्त स्वास्त दें र हैं र श्रा विश्व हैं नियश है अपन्त स्वास्त स्वास स्वास

१ वि'तर्जेर पति'रेग्या

त्रवित्र क्ष्यां चार्य क्ष्यां चार्य क्ष्य क्ष्य

थुनानियान्त्रम् ५ ५ ५ ५ स्वतायायायहिना क्ष्री वितास्यायहिनास्या यदः भ्रुवा र्क्ष्वः श्रीश्वावान् द्वारा मुवा तत्रुरः वाहिश्वः श्रीश्वायः त्युदः स्रदः ये विहेदः यद्वादः । ब्रु'र्ये'सृ'तु'ब्रु'स्वा'ब्रे'ब्रु'वर'र्द्'ववा'य'वक्कुषा त्रारकेत'य'खेवावाखुका ह्रान्यवित्र या दे:श्रीब वाञ्चब वाञ्चब वातृ सार्योदे स्ट्रीस से विषय वासून दुषा के वह ते सूवा वसूवा याहर् स्रोता सर्रे रत्रुर् त्यों दे रेया या समय उर् से समा स्राह्म र हे र की या त्रा में रकाया भेवायका में रका मेरा सुवाया देवी प्रायम के का रवा भेवा रवा भेवा रवा भेवा रवा भेवा रवा भेवा रवा भेवा र योद्रश्चित्रवाश्चित्रायोत्रात्रीत्रवाराश्चित्राद्यात्रवाद्यात्रम्भूत्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रवात्रवात्रवात्र गुरुवा अर्द्ध्या धोव व र् र् र त्वीं दे त्यु अ क्षेत्र य ग्री अ श्री अ त्यों (य क्षेट्र र र र तर त क्षुर र्शेन्य नित्र भी भूत से दिया प्राप्त स्वर्थ सूर्व स्वर्ध स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं *ફ્રેું*દ-५ર્ရેશ-ફુંદ-વ-પૈકા દેઃખદ-૬૬-૯ર્લેલ-શેઅશ-૩૩-ફ્રી-ફ્રેં-ક્રૅન-ભ-દેશ-પાસેન-ફે-तवादारे के वङ्गवाचर भ्रुवाया यह व्येत् वादवादारे क्षेत्र रेरायह व्यत् अह तु क्षेत्र व यम् सर्त्रः भी न प्यरः सरः नम् वे के दिरः नः यः देरः नवे के ति श्रीमः सूना नस्य दरः ब्रदःचःवःब्रदःचदेःक्रेद्दःश्चेःब्रुवाःचर्ययःयेदःदे । । ५५ त्वर्षेदःब्रुवाःचर्ययःदेःब्रययः क्र-्गुःर्न्न्यम्भूषाम्। यास्रवतःस्रेन्।यदेःस्याःस्याःश्रीषाःम्बरःयदे। विषाः यय। यर्द्रस्तर्द्रत्व्राचिक्षाः वीत्युष्यः स्रोटः वीः स्वाः वस्याः यस्याः तस्य स्वः स्वः स्वः गर्या चेदिः सूर्या प्रस्था नुषा गर्रिया था हो दि । प्रस्था प्रस्था प्रस्था मुस्य । प्रस्था निष्य । प्रस्था निष्य या वन्याराम्डियामी ब्रह्मी चिया सुमान्हा १ प्रयम् चेहि विरारे रेदि ब्रह्म वयाकुः गवया गर्येद् याया यास्या वार्येद यादीय यायायाय स्वाया वार्येद चल्रेत्रः स्नेदः गारः द्योः चर्डुवायः दयः वार्यदः द्याः । १ र देवायः स्वित्रः स्वायः यार्थदः द्यारः धवायः याः

यर्र्र, थ. र. जे र. त. या या या या प्रत्य की या या विष्य विषय यो या या विष्य विषय या विष्य विषय या विष्य विषय **र्यादेव महि सुमा सुव मर प्रकास माम्या ।** डेर्का स्था हि हो र तुमा নার্ম, ক্রীমান্যার রক্ষানম্বাদকার বিক্রা কর্ম কর্ম নার্ম বিদ্যার বিদ্য केन चेंबान् सुवायायायात्रवेन यान्या हो ह्या हु या है। स्वा की स्वा की स्वा विकास स्व विकास स्वा विकास स्वा विकास स्वा विकास स्वा विकास स्वा विकास स्व গ্রীম'র্ব্ব'বের্ল্রবি'বারম'র্য্য'বত্তিমম'র'অম'র'অম'র্ব'র্ম্বর্ত্ব'ব্রর্ল্বর'বর্ত্রেম বিভাষম'রবি'অম' यद्वित्। ।व्ययमेवियन्यद्यस्यस्यमिन्गुद्रस्यद्वितःह। ।वार्ष्रस्यस्यनिन्दितः श्चैव श्चेरि श्चे प्रचेष प्रति प्रविष्य विषय श्चिर श्चेर श्चेर श्चेष प्रति स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर र्द्र तर्वेदि सूना नस्या श्रिट नदीन मदी सेसस उन दे तस्य श्री न स्वाया सामा थयाने न्दरने तद् नयम्यायानि न पति यो स्थापन न स्थापन स्थापन न स्थापन न स्थापन न स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन चर्यायान्त्रम् सामे द्वारा या वार्षेत्रम् व्याप्याया सामा वार्षेत्रम् स्वाप्या विद्वारम् से त्या नति नन्या यो म्रें सूर केंस्य या सुर देया यन तनु म् सूर्य यति सुर्ग्य र रेत ये के बिन सिवेता ৼৼড়ৢৼৠৢয়ৼ৻ঀয়৻য়৻য়ঢ়ৢ৾য়ৢয়৻য়য়য়ড়য়৻য়ৢঀয়৻য়৻য়য়য়য়ৣ৾য়ৢয়৸ঢ়ৢ৾ৼ৻য়৾য়৻ঀয়৻ न्मवः पतः श्वें वाषाः सुः वीत्यः वषाः त्यान् सवः यदः श्वें वाषाः सुः सीः वाहे माले स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा वह्रमाधरागुन्यवित्रकेषाहे वित्यवित्रा महिषायेत्राम्यविता वर्षण्ये देवा केता वर्षे या बिद् श्रीया पद्मा मी तदी ध्रीते श्रुप्तया मान्या दर हेन सुर मान्य प्राप्त राज्य । लेया याश्रुद्रश्रायाधीत् वे । ।दे । ध्यत् कद् । ग्रीश्राद्भ विश्वेषाः ग्रीश्राः श्रीः श्रुवाः प्रस्थाः प्रमुद्राः प धीवाया देख्यकारुदायाचींदावनदासूराचावकाद्दा सुकाहेवा वर्ष्या कें.क्र्र-१८-१वे.वाबर-अ.ब्रें.र.वर-श्रेश्वरायायोव-क्रुं.रे.वियावेशायीव-या म्रूरायरावन् होरावायेता ने सुराद्व र्शेरावी सुवावस्थायावस्था र्से वहरा ब्रें रर विवा मुन्तर या येयय सुवा खूर रे तर्वे वा ने वा ब्रें वा वेया वेया वेया नेति स्ट्रेट नुस्वा नस्याने यस वर्षेत्र क्रीनस्य सम्वर्षेत्र क्री स्वापनित्र विवासित्र स्वापनित्र स्वापनित्र स <u> ५८ मिष्ठभागाः अष्ठभानुः तर्हे अनुभागिष्ठभागिष्ठभागे अप्याद्भुमान्य अप्याद्भ</u> बेर्-व-दे-प्येद्रा दे-द्वर-देश-व्युद्ध-वी-वर्ष्य-य-त्वार्थ-द्वार्थ-दिवा-क्रुर्थ-य-दे-द्वर-वसूत्र हे दत्र सेट वास्त्रा दर विवाय विवाय सेवा से दत्र स्वाय स्वाय सेवा से द्वार स्वाय स्वाय सेवा सेवा सेवा स मूनर्यायविष्ट्रम्यदे यविष्याया सुन्याप्त सुन्याय विष्याय स्थाप्त सुन्याय स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त सुन्य भ्री होत् प्रति त्या परुत प्रति । त्राष्ट्र प्रति से स्वर्भ प्रति से स्वर्भ प्रति से स्वर्भ स्वर्भ से स्वर्भ स म्रम्भारुद्वा स्था देव द्वा देव यव न्या में वर्दे देश में मारा हु। वर्ष श्रुष्रश्र.दे.रेच. वश्रश्र.३-८ं-उर्दयु-ब्रैच. चर्नतः क्रैं.उर्देश.चेश्रूश.रेट.चेल.चर.क्रैर. क्रमायम्यम् त्यत्ते स्वत्त्रस्य प्रत्येयाच। ने प्रत्याया स्विमा सुराद्वारा स्विमा सुराद्वारा स्विमा सुराद्वारा यतः क्रेंब्रायः म्हार विवास मित्र मान्य विवास मित्र मि ८८. प्रचुलायाक्षे प्रचुलायासुर्याञ्चर ५८. १ देते क्षेटारी यास्राम्य विषय सूना नसूय ५८ वय न लैना नसु से ५ ५ में दि सकेंना नसुस में बित इस या सबिदा बेयाम्बर्यायान्त्रम्यान्दायाचाक्षेत्रम्याचान्त्रम्याच्याचान्त्रम्याक्षान्त्रम्याक्षान्त्रम्याक्षान्त्रम्या न्वें रात्रे रेन्। ने सूर वर्षेयायाय विस्व की क्षेत्र राष्ट्र र्शेट वी वात्र या मुखार्थ कीत प्यट देवा मानुवा वी सेस्र मान्य का सम्मान देवा में स्थान नर्झेय-नर्गेय-विर-यर्नेर-व-इव-वयय-उन्-व-श्चेर-व-येयय-वर्सेन-नर्दयान्विः

न्रीम् रायोन् हेरा नर्हे न्या ने हेरा में हुर स्वर्थ माया के ना धीत है।

च्चे भ्रोते: सून्याः प्रमुखः प्रमुदः या

जानम्याञ्चित्वहरम् तर्नुवानायुरावम् तिवर्तरास्त्रम् वर्ष्ट्रा ये। सिवायक्ताक्यायक्तायक्तातर्भेत्रायक्ष्यातर्भेत्रायक्ष्यायक्ष्याय इययःक्रिया । भू देययः सुषः मैं या यक्ताः जू। विष्यः योशीरयः तथा दः यदः सूना यस्या के दारी नासुसा ५८८ स्रुक्त व त्यके देः सूना यस्या की कुर्ने के दारी यही। रेते स्रेट र्या स्ट्रिय प्राप्त र्या स्वाप्त स র্থা ক্রীমার্নিকামের স্থুবা বস্থুথা মী'বর্নি, মার্স্রবা, দু, মনামর স্থুবা, মন্থুথা तर्ने न्या में विद्यानि स्थानि र्मेय। यर्मेल यर्भेश लग्ना स्वा प्रस्था श्री स्वा प्रस्था स्वा प्रस्था स्वा प्रस्था स्वा प्रस्था स्वा प्रस्था स यालयायर र्वेयायर्जना द्वीः ययार्वेदः र्वेरायावेद्वः ह्वी र्वेयायर्जना हेयायर्जना स्वामा युरायबाद्योगववग्यायुः तुर्वे । दोष्यराधीः प्रुयाधीनः ष्यरादिविरावदेः म्रवस्यः इस्रयान्त्रे स्वाप्तस्य स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्व वर भेरिया था दे सी वह वायर सुवा वस्था ह्या ह्या ह्या हिर हिर वा वर से दाने विदे 'सुरा,विस्रयाधीत्'वयास्यायायायायास्यायायाचे वर्षाच्यात्राच्यात्रीं चुरानुः वी तर्वा वर्षाच्यात्री व श्चिमा बेनमाया भू त् विभागववत र्कटा भी क्रुं सम्मिति स्टिंसमा सु प्येट् या पा सेट्रिया विभागवा वर् क्रिन्सून गर्म या मन्त्र यो निष्य विष्य व्। ।वार्येत्रात्तरम्बेराक्षेत्रात्मकतात्री रटाक्रवाच्यारम्बेतात्रकता योत्रःबूदःश्चेःत्ररःवदःवदेःवःवूदःवदिःह्रस्रशःखूवाःवस्वःश्चेःहुःवदुःश्चेदःयःतः मूना भेता ५ : ४६ : क्रेंश श्चे ५ : श्वे ५ : १ व र यर्रे कुँदे वियाया त्र कुँ। कुँ वाया वीवाकु। कुँ स्थाये दशा हुँ नियाया उदा वादाया चर्यायात्र क्रि.क्रियो.त्राचक्रीय.त.ख्रीयायायोष्ट्र्यायायाट्ट्रायायाट्ट्रायायायाया र्शर मी सूर्या तस्या हुँदि द्वीँ या प्येत्। द्येर व सु ११ मा या परिया या सिया दु नवनाव से में प्यता सेनावत र र सेनावस्य सुनानस्य सुना ह से र न नविना स्रोधारा त्रवा श्रीया प्रत्या प्रत्या स्था विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य वें। । यदः श्रुक्तावादक्रियन् द्वारी स्वारी स्वारी विकास स्वारी स न्ये प्रहें वा यदे कुं अर्क्व वी कुंव कन येन यर पनि पति यें या हवा है। पति य ग्वर्यासुःसवरायमञ्जीः मावायकेते कुः वे किवायित विषामस्यायाधीत। देते वदःवयः क्रीःचतः सूवाः वस्वयः वयवयाव। यानुः विदेशः ग्रीः सूदः नुः वेदः वः प्येवः है। यानु निहेशाम्य नि निह्या विस्रका त्यन निहेना त्वीसाय सु नुति सूना नस्या केन में र्थेन्ने। र्अः क्रुन्देन्देने केया यानु निष्या निष्या प्राचीया सेन व्रा विश्वास्ट्रियायादे तद्वे सूर्वा प्रस्था केर्ते । का प्रते सूर्वा प्रस्था है। म्बर्धाः विष्ट्राच्याः विष्ठाः विष्या । विष्यविष्याः वर्षाः वर्षे विष्ठे राष्ट्राः गठेग । बर-न विमा बर-परि तत्र मीन दर महिषा । वर स्रो व स्रा मीन विक

व्यट्सिंबाप्येर्पर्परम्या विषामश्रुर्वायासूर्य केरिन्देरसूटमी द्वापासूर र्क्षेत्रयायदेवरावयाके हे सूरावत्। वे हि सूराक्षयाय वेयाययावके पत्राची ह्वायाम्यामाय्याद्युराविदेश्वेरात्येवाक्षेत्र्याम्भेष्या यर्ट्यार्च्य क्रांधित्वास्त्रीयार्त्यमुदिः व्यायात्रयाद्दार्धीतायदास्यार्थीः युषा त.रटा श्रैथ.मु.चश्चित्रवटाव्यायटा.मु.लुब.चन्नमाविता.मुट्रामावराष्ट्राटासाम्बरा याहेर:अञ्बन्तानः त्यवाः वाच्यूयावः विदः स्रोठाः विद्यां वाच्यायाः वाच्यायः वाच्यायाः वाच्यायाः वाच्यायाः वाच्यायाः वाच्यायायः वाच्यायः वाच्यायाः वाच्यायः वाचय क्षेत्राचत्राचित्राक्षराक्षेत्राक्षराक्षीच्चायाः स्थान् विद्यात्राची व वः क्रीः ययः रहेवः करः तिविवाः वयः व्यः हिरः दुषः नरः स्रीः तद्। युषः सृरः यः नरः तदः नरः श्रेयशः क्रेंप्यः क्रिय्या क्रेंप्येयः क्रेंप्यः क्रेंप्यः क्रेंप्यः क्रेंप्यः क्रेंप्यः क्रेंप्यः क्रेंप्यः क्रेंप्यः वयानुन्ने नीन निमानु सुरानुया भी क्षाया निमान डेबायासूरा वाह्रवालीयायम् सार्वाच्यास्य स्थान स् रेन नुषा क्षयाये सुवा पस्य श्रीय वार्डेय है वालव प्रवन से नवीं य र होन ग्रीका ह्यूर-तु-तिक्वे पर-विवा डेका क्केंब्र प्रक्षा तर्रे प्रका पर मुवा तर्वो प्राने खूर प्येव वें। वि.यद्यः सूना यस्यायायस्य स्त्रीं यहरावा वरावर रहा से वहा तवातः रे तह्रमः चेंदिः रेमः श्रीमः वाद्युतः त्रमः वाः यो वाः यो रः तस्यमः मेः भ्रीः श्रीवाः वार्चेन् यः तवादः रे वाबेर कें बद्दावें ब्राया श्रवासी वाबेद वाबेव दि विक्री कें व्याप्त हैं व श्री सूर्य या के व. यो च. या दर्श कर विया त्या व. या दर्श का या या है या गाया श्री मुन कुति की लिया को ना नियम का से बन निम्म कर की मुन बन निम्म ना की ना यान्त्रीचीटान्नयास्त्रयान्यस्थान्त्रीयान्यस्यान्त्रीत्। वनायान्त्रयास्त्रीत्। वनायान्त्रस्यान्त्रास्त्रीत्। वदावास्त्रीते स्ट्रीया प्रविदासी व्यवस्त्रीते स्वर्षा स्ट्रीया स र्वेरःच। हेत्यरः महेन् ः वेवा द्वर्यः स्ट्रास्त्र महेन् स्वी स्वेवाया सर्वेतः वा महेन् वर्षयापर महिन् भी तेर वा सेर स्नया ववर्ष रुपा वार्षे म्या स्वर्ष र सेर स्वर् ८८.४४.कूर.म् न्यप्तः स्वान्यस्याः अर.मू.कू.लूर.म.४८.म.मू.स.म. नेयाक्कुलियाध्येत। यदाने प्रते प्रयोग्यस्यायायस्य क्रियायस्य ब्रयमाञ्चरक्रीत्र द्वाराष्ट्रीया द्वार्यमा प्रदेश देश देश प्रित प्रयासी द्वारा स्वीत चुतिः वि'वि'या स्वरं राष्ट्रीं सूर्वा प्रस्था हीं र प्रवित प्रिते स्वरं स्वी प्रस्था स्वी र स्वी र स्वी र स्वी नेषायदे भेदे भेषा द्रषा सके अप्टोब्स पा देदे से स्ट्रम मुक्र में का पार्ट द द्रषा । वेषायदे भेदे भेषा द्रषा सके अप्टोब्स पा दक्केन्यास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास् क्रीयाक्षेत्राचरार्ने ह्रिवायात्कराविवायराविवाक्षेत्रके हे दिराविवान्यान्यात्वरात्वा इसया नुयानुन्दुन्वविद्याया अर्थेट्निया यो अया या द्या नियानी या स्वीदा या या प्राप्तन नु शुर्वयाय्येव ये वि वे याष्ट्रिया वि या वि या प्रति या वि र्बी'युवाचेरावावदेवी'स्ट्रेटावाबीटाविषा'याम्हिषायायायुषा वीटायटायुवादेटाची र्शेट व सी केश कु रेट पर्शे वे रेट्। शे केश पेंट के व सुट बट ह्या हो के या होट श्र्यार्क्यान्द्रातर्श्ची नात्वान्त्रात्युद्धान्यात्वीन् स्थात्वीन् सालिवा ध्येषा ने तद्दाने स्था ल्रेन्याश्रेश्रयाचेष्ट्येत् चर्छित्या भीता श्रेचा छव से वा स्वर्धा स्तर दिवाया श्रुवाःश्रृवाःवश्रृवःकेषाः क्षेत्रवाःक्षाः वक्षःवः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व यदःश्चेतःन्येतःधेत। विषामशुर्यायःभ्ना यःविमेदःत्यारत्यःश्चरा र् स्रोतः या स्रान्त्र स्रूरः वा महारा उद्गारा स्रोता क्रीया क्रीया यहारा स्रान्य स्रान्य स्रान्य स्रान्य स्रा ब्रेट वया युया क्षी त्वुद व ब्रुट प्रवेश या धीव वि । परे ख्रूर क्षी का व विदेश हुना

य्रा प्रत्याचित्र म्या प्रत्या में स्वा प्रत्या में स्व प्रत्य में स्व प्य स्व प्रत्य में स्व प्य

र् े अंश्रेन क्रिंस्य प्रकृत प्रमा

यां स्थान्य स्थान्त स्थान स्य

र्देवा वी तर्नु लेखा दर्वो च वालम त्याया स्थाप स्थाप विष्य के च त्या थी हो स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स्थापी स क्षेत्र ज्रार्थ हुँ र स्वर हूँ वाया जास्या र्र्या हुँ। वया स्वर स्वया र व्या स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्व या विवासन् सुर्वे सम्मानित्यासुरम् सम्मानित्रा सुरमा नर्शन् न्यायान्य स्वत्या क्षेत्र्या क्षेत्र्या क्षेत्र्या क्षेत्र्या क्षेत्र्या क्षेत्र्या क्षेत्र्या क्षेत्र द्यायाधीत इसमाने र्क्या श्रीमान्यम् समान्यम् समान्यम् समान्यम् समान्यम् समान्यम् समान्यम् समान्यम् समान्यम् सम क्रीयर्र्द्र से पेर्ट्र यथा भ्रेष्ट्र यथा भ्रेष्ट्र या या विष्ठा या विष्ठ विष् के.ज.श्रीयादीर ग्रीइयास्त्र रे. दें ब्यायाजायास्त्र क्रि. प्रीत्र प्राप्त प्राप्त यायाया लूट.श्रेपमाजीयालुषास्यास्याः भटातुः द्वायाक्रियाः यायायान् केटा राज्यमाजनः रे.रच.क्री.ह्रम.वम.भर.चर्चील.वृट.सैचम.ह्य.चपु.मष्ट्रमृष्टम.क्रूचम.क्री.मह्य.क्री.मह्य.क्री. विगिष्ठः वश्चुराव क्षेत्रः सर में बुरावासु वु स्थित। रे स्वा क्षेत्रे स्वेर स्वेर स्वेर स्वेर स्वेर स्वेर स्वेर याधीदाश्ची निवसान् हैं निवस्य युवात्र क्रुं न ने क्रिंपट रद क्षेत्र क्षेत नवर मीयामालक त्यासमा नेवा नर मानुवा स्वास्य स्वीत्र या होन्य या ने होन्य क रूट हिन ૹ૽ૢૺ૱ૹૣૢઌૢૻ૽ઌ૱ૹૣૹ૽ૹ૽૽ૢૼઌૼૹ૽૽૾ૢૺૼૢઌ૽૽૱૽ૺૹ૽ૼૼૡૢૢ૽ૹઌ૿ૡઌ૽૽૱ૹૣઌ૽ઌ૱૱૽ૺૺૺૺૺ

७) केंद्रः केंया यक्ताय वराता

र्षेया.यर्जेज.पं.याक्र्या.पर्शेट्य.श्री.लूर्ट.जा टे.जग.पर्ट्रीयप्राया.क्री.जीयश.क्री.यी. यातकैतर्वे न्दानुन्वते सूना नस्यानिका ना विकासी न्या या विकासी न्या विकासी न्य त्या क्षीति देवा से स्वारक्ष्या प्रक्षा निष्ठ वा स्वार से दिवा से दासी स ५८। विश्वायाद्वीसाळवायाद्वरायुषाययाद्वी व्रिव्याळद्योद्वरायदीहुतावद्वीदा बुर्यायक्कीय। भिर्मे दूर्यायक तस्त्र प्रदेश हो न । बुर्याय स्ट्रियाय । वक्रीयते पूर्वा विद्यात विद्या चदुःदक्षःस्यान्य्यः ५८:कृषःययाः श्रुःश्रेषः याः व्याः कृष्ट्याः कुः युषाः याः कष्यायाः कृ श्र्यायायवीदायात्र्यायायाया र्याचित्राच्यायाया धेवः भरः वे : रवः (वरः भुवः विश्वाः वः श्रेश्रशः वावशः वशः श्रेवाः विहेनः वहुँ अः अरः भें शेः ब्रेन्यने स्वात्रे म्याय के स्वयाय स्वात्त्र स्वयं क्र्यायाय क्षेत्राच्यायाया विष्याविष्याची विष्याविष्याची स्था विष्याचिष्याची स्था विष्याची स्था विष्याची स्था विष्याची स्था विष्याची स्था विषया गुरुरःत्रराष्ट्रम् वर्ष्यायाद्दा वीः स्ट्रां मुत्राम् वर्षाः विष्या स्ट्रां स् त्त्रीय त्या स्ट्रिस् क्ष्या श्रीया दे स्ट्रिस् स्ट्रिया तर्वे सुर नते सुवा नसूय ने लवा नत्त्र या ह्या र नवे रात्र सुवे लवा नत्त्र ने सेवे वे र यतः तः श्रेः व्यान्त्रः तम्भुः भूः तः प्येतः यय। देः तद्वेः प्युतः देरः व्यादः स्यान् । ययः त्रुवः वयः त श्चिरित्वः सृत्वेतः सूना वस्या देः निः ज्ञवः सूरः ज्ञवः द्वेदः यदेः वरः यः श्चिरः दर्गे य। या बुवायाया बुवाया यो द्यायके त्यं दि सूर्या यसूर्या या देवा सुद्रा स्थान स्थान व्यवस्थान्यान् स्थान् स्थान् स्थान्य स क्रम्बर्भिनः क्रम्बर्भान्य विद्याने वर्षेत्र वर्येत्र वर् मी विष्यानस्य क्रिव से कर सम्मित्र पर्या विषय मस्मित्र सम्मित्र सम्भित्र पर्या विषय मस्मित्र सम्भित्र सम्भित्र र्शे । १२.५.विद्युत्तावस्थाः वास्तुसः देवासः दुवाः वादः दुः क्षेत्रसः सूवाः वस्त्यः सेदाः विवाः योद्रायर सुवा वसूवा क्री रदावलेब व्यवायावद्यायादे सुराधीब यदि द्यो है सु तु धीब बेन। येदेर्चन्युन् श्रेन्यंदिन्तु र्यादेन्तु कुयर्द्वेदन्तुन्तु त्। अर्द्धेव क द्वेव चेंदि हे स्थान्। भी नार्ड प्राप्त नावकायास सुन्ति विवासिव गश्रम्भार्भा । योदि दिन सुन्तु तिवा या ग्राव्या द योषा क्रिया यदि सुवा नस्या ५८ द उ श्चिम् मेर्याया मेर्ग्याय विकास करा होता है, सुन् मुर्या स्वापाय से स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स वर्ष्ट्याक्की स्ट्रूप क्षेर्राविर्ययते यहे श्चित्री यश्चित्र श्चित्र श्चित्र श्चित्र स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर् म्, अष्ट्र्युः सःग्रीरः रं. क्र्रेरं वं शं. शवरः श्रव्यरः यः श्रेरं तथा वर्षेत्रः विक्रायते में प्रतिन्तु कर्न निष्या वर्षाय विक्राया वर्षे कर्मेन विक्राया निष्या है। वर्षे कर्मेन वर्षे कर्मेन अः ब्रेन् यायतिवादिरायदे अर्देवः श्रीयाक्ष्यायाक्षेयायान्त्रीवायान्ता अध्यक्षित्रायरः व दे साबिया ये बिया या राव प्येन दे दर तर तर प्रति राव ते या व स्थान स्थान राव दे या स्रोत्रायदे द्रोत्ते स्रोत्राच्या व्याप्याची त्राच्या स्रोत्राच्या स्रोत्या स्रोत्राच्या स्रोत्राच स्रोत्राच्या स्रोत्राच स्रोत्राच स्रोत्राच्या स्रोत्राच्या स्रोत्राच्या स्रोत्राच्या स्र तर् स्रेन्त्वा स्थ्रूय श्रीकंट वट र स्रुट व र त्वा चीय बेब वय विश्वु या विविध यो र या र ट तर्द्रो । ने स्मानमान स्वापान श्रेयाक्षया । पी.न्यायाच्यायाची स्ट्रीयाययाक्षया । नुनावर्ची वार्ष्याः या यश्चितः प्रच्याः विश्वाः प्रच्याः प्रच् थैयानुस्य | विविद्यान्वाक्षिः स्टेंसाय। विदेश्वाद्याया । त्त्रेव। विश्वाम्बर्धर्यायास्त्रेरास्यास्त्रेयात्वर्यस्यते सूर्यायस्याते स्वयास्य स्वर्याते सूर्वेर्रियस्य प्रमुत्य संभित्य स्वित हु स्रोस्य विवा वा स्वर्मा स्वरंभ स्वरं ষ্ক্রীর রমানমূদ র্মেদ্র যা শ্লের মান ক্রমান क्रुं तद्यकाया धीन केका वर्षे र तर रेका तत्तु र वी ह्यें तर्रेका क्षेत्र किया क्रुंन या क्रुं विद याधीत। दे श्रुकात के वदिव देव कुट वियादे कि धिर्मिक विट श्रुद्ध दर देवी याया श्रुप्त ब्रैवायायायहिमायाविवायर सुवाया ग्रीयेन विदा नेवे स्नवयान नाम है ८८ वीया श्रुका वया वहिषा हेव कें वदिवे स्वत केंबाया है त्या त्या अर्थेट स्वा स्वा व्या अर्थेट स्वा स्वा स्वा स स्निन् देवार्ड्याप्यत्येत्रायात्रेयात्रम् स्वत्यत्यात्रदेश्चर्यं चेत्रात्रस्य स्वत्यात्रस्य वेंद्र देश है। हे देव चे केश द्या वर्डे द्र हे द्र न्या वर्डे व्या चेंद्र केद या । भिन्यानीस्रमास्रास्राद्धेतन्त्रेत्रम् । यसावन्रसास्रानस्राद्धेतः यदः र्वेया पर्वेता द्वेया । प्रतः प्रदः प्रयाप्य द्वेष्य । प्रे स्वरः प्रयाप्य द्वेष । प्रे स्वरः में समानमान वित्राचित्र प्रति सुद्र स्विन स्वापा । वित्र ह्वे दि स्वाप्त स्वाप बिटा । १९व सर्व्य गाव १५ वराय देव याहेर हों । व्हुट व दे कें देश वव्हुट हुने साय यम्या विकासविम्मन्यस्य म्याम्यस्य मित्रस्य म्याम्यस्य मित्रस्य मित्रस्य स्याम्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान देशावनुदाक्षुकायविकॅदाणुदादे भ्रानु विवाधिता विवेदानविवानका देशावदी समे মই ৼ৾য়৾য়ৢয়য়য়য়ৣয়য়৸ঽয়য়ৣ৸ঽ৾৸ঽ৾য়৸ঀয়৸য়য়য়য়য়য়৸য়য়৸য়ৼ৸য়ৼ वर् छ्व क्रिया च त्र्य्वा त्र्य्वा व प्यते सूर वर वया या त्र्य्वा व सूर् यो स्वापा सूर्य प्रीय । ब्रिन्। देव नुः वर्ष्या तर्ष्या वर्ष्या वर्षा वर्षेत्र वर्षा वर्ष्या क्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्य

वें। विवेर वर्ष सूर्वा वस्या रही सूर वर्ष मुवरा है रवह वर्ष होंया पेंहा है ्वरचेरप्रयानिकार्यो प्रत्ये विकार्यो उँका पुराने के कार्या प्रत्ये के कार्या के कार्य त्युर्वाच्या यहिषात्य यो दान्येषाय सूरायदायदाय वदाया सूरायेदा विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास व सूना नसूर्य द्वर द्वर दिन होते से स्टेरिस द्वर में स्टेरिस होर में से स्टेरिस होर में से स्टेरिस होर से से स्टेरिस त्र्यूयायाधीवाहे। हेर्नेहिन्ययास्वाखाहेरवायत्रद्वायास्वाचायाः इयातर्वेरायालेगायीय। वितायत्याहेयात्याहेयात्याहेयात्वात्राचीत्यायायायायात्र्या बुषायमा हेर्निमाञ्जेमाणटार्केमाग्रीत्रदानुष्टीचाणीत्राम्बुदमा देरदेन्सी। तर्या प्रमानम् देव तकर भ्रम चिमानम के मान है पर के मान ग्री: बट: नु: हो: न: प्रेव: या श्रुट्या विकास के मृत्याबुरायोशेत्या तराची याबुयायोशाकी वराया भूराय ग्रीराय विरायवेता स्थाप वर्चेत्राक्षेत्रायाक्कितायद्वातविदायात्रयाद्वात्राक्षेत्राक्किता क्षेत्रायाचेदा त.जुर्चाम.कूर्य.दे.जम.कूर्य.चुर्चा.चैर्याय.कुर्चामा.मभाराचारीरमा चौ.च.रेपु.चमम. यम। ब्रैंरियायमा वेवा केवा क्षेत्र में स्वया वाया प्राप्त प्राप्त स्वया से द्यादःरः वरः ध्रेवः छेटः वरः ब्रिअषः विवाः हुः श्लेदः केवः धेषः अर्देः श्लेवाः विवायस्त्रा षट तर्चे अर्द्धे व प्राये प्रथा व का अर्दे तर्दे व प्राये प्रकारों ने प्रकार के कार्ट आ विवा प्रश्लेवा । र भे ये वाया या विषा वाया स्था विषा वाया तर्देन या व्यया हिटा दे तिहेन पञ्जी या या द्वादा के ति दुवा सूत्रा सूत्रा सूत्रा स्त्री या वी से या वी से या वी चैमार्यमा स्थान क्षेत्रा वर्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत् षदः सः द्वेदः यदः तर्वेद्यः द्वेदः यदः तदे व्यूदः तुषा दशः देः त्यूदः तुषः ग्रादः तर्वेदाः वी

बोद्रायार्केषाटे बादे ज्ञायादु प्यटाबी दार्जी दार्जी दार्जी दार्जी स्वाप्त हो स्वाप्त हो साम होता है । व्हिर्यालेयायम्यानियास्यायायायात्रेयायम्यान्त्रम्यान्यस्यायस्यान्त्रम्यस्या गशुरुषा ने प्यर दर में कें तरी क्लें या नहर तथा रेथा ततुर मी क्लें नर्छेषा श्रीतः न्यायाद्वया देवा क्रुंदाया क्रुंया व देवे स्ट्रेट द केंया यावव या यसूय व यावि व या केंया ह्या न्या क्रिया सेन या सुन्या सारी ने वा प्यान मिया या सिन्या से सिन्या से सिन्या स वःवङ्ग्रीरःवःदरःङ्ग्रीत्रःवक्कृवःयःदेःषदःधेदःदरःषदःईवाद्यःत्रोदःरुवःवाद्युद्दरायदेःदेदः श्रीव विवा क्रुन् वारेश प्रमास क्रिन्विंश विश्व प्रायेत हैं विश्व য়য়ৢয়৽য়৾৽য়৽য়৾য়৽য়ৼয়য়ৣয়৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়৽য়৽য়ৢয়ৢয়৽য়ৢ৽য়ৢ विवा भीत प्रमास्त्र न मा भारतह्वा कुः ने वाया केत ने त केत भीत या ने मानवीं मा वर्देत्रचु नत्वा वर्दे वहेषा हेत्र विरंत्र न यश्ची वर्षेत्र न वर्षे हुँवा नर्देश धीत प्रशने यश बरःचदेःबचरार्स्चेनःस्वितःस्वित्सःसःसःमार्हेम्याःमाल्यःसुःष्यरःषेदःदगादःदेराःषेदःय। नेबाब विक्राचित्र चित्र स्वा चर्चया चर्चे वाय विज्ञाय चर-र्-क्रिव्ययायात्त्रर-क्रयाश्चीयायया रे-श्चीयाययाद्वर 8781751 र्शेषायायायार्नेरावाणेवान्वराष्ट्रयायाउन् श्रीनेवाषावीत्वरीणेवायया तन्याग्रीयातहेवा हेव तन् वया केया तिवस्तिया या वा सुसाया पश्चित्र पति हेवा स्याराप्य श्रुवा नश्या नदेव मातदे वासुद्यामाधेव मकाश्चेव कदाविक्र नते वास्या वास्यास्य हे सूर्वा नसूर्य सार्से हत्त्व सूर्य प्रते सेयस निवा पेर्न द्वा वित्र स्थान स्थेत सुर ग्रायाके हो। दे प्यादाके या निर्मात हों ग्री क्षा हिंग है। प्रमूद न्या देवा हो देवा हो ज्या हो ज्या हो हो। त्रवस्य द्रवेषि है। कुं वार से वार्डवा खू वार्डवा वसस्य या वार्डवा सुर वार्डवा डेबायायलेबाद्वीबायायया दे देरावीं रादे द्वायायया **अट** हें देश देश हैं ' वैवा[.] ब्रिस् व्यास्तुः त्यासः वैवा पुः श्लेषयः श्लेषयः सुत्रः वहः वहः वहिवा प्रस्थः प्रस्थः विस्टरः वीः या बुराया प्रमुख स्वराया अर्थेट रहुया । बुराया बुराया विषया विषया विषया विषया विषया । बी. ब्रॉन्डिल क्रि. त्या के रामा ने प्रमान के अप या तमात रे अप रामा के अप या निवास के विकास में अप के विकास के र्याः श्रें या तस्र्रात्वयाः श्रे या वयः वियाः या तया या स्रुः स्रुः श्रे श्रुवाः विया द्वाया या या है या गाः वेराचदिः हेवः विष्येर् याध्येवः यया रात्रुरः द्येरायार्द्वेवः वा वाववः क्रेवः यराक्तुयः याञ्च प्रति सेरानेति से हिना सुसार र हिन लिना यना जें र हिना प्रह्या में रान्या से हिना यर.त्रुष्ट. स.च.स्याचात्रयात्र्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट्यात्रुष्ट देशःसद्यःम्बुःमञ्चरःवयःमद्यःसयः देश्यमः व्याः व्याः व्याः व्याः हेशःदेदःवयः व्याः व्याः व्याः ঽয়৾৽য়ৼ৾ৢঀ৻ঽৼ৾৽য়য়য়য়য়ৣ৾৽য়৾ঀয়৽য়ৼৼ৽য়ড়ৼ৽য়য়ড়৾ঽয়য়য়ড়য়ৼয়ৼৼ৽য়য়৽য়য়ৼ৽ ग्राम् भारामा विषय के प्राप्त का मान्य प्राप्त का भारत का मान्य का श्चे यम मु:र्स्ट्र या विन्यंति रीयम पश्चिम वश्चिम वश्चिम प्रमा विन्यंत्र विन्यंत्य विन्यंत्र विन्यंत्य विन्यंत्र विन्यंत्र विन्यंत्र विन्यंत्र विन्यंत्र विन्यंत्र विन विंदिः चर्यस्य स्था व्याप्तस्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्य विंव कुं प्येंद वर्षया दशक्षा वादेर वेंद्र दशका वादेद दशका वर्षे विषय हो द दशका वाद सर्केट बेटरा विवा वीरा दवारा मुद्दा सबद सेट डिवा हु विर प्रया प्रायु रा रहेत वरःब्रूटः विस्रकात्रकाः ख्रुः लेवाः वीका ५८: येः वस्रसः यासाः त्वीवः |हेशःश्चित्वःतःत्व्यूतःश्चेत्। ।डेशःतन्त्रःयःतहेषःहेतःवश्वशःशः<u>य</u>ाष्य र्शेट न प्रीक त्या है के प्रावित्यु क्वा का सम्बन्ध सेन है त्या समी त्या के प्रावित्र है स्ट प्युवा की यार्स्चित्रयार्त्रे राव्यान्गातार्स्नेताः यदः र्यतिः सूत्राः तस्याः स्त्रेतः सूत्रेः देवः विवाः यदः र्ये रः रदः विसार् सामाने विसार् के निमाने में मिन्न मिन्न में मिन्न मिन्न मिन्न में मिन्म में मिन्न में मिन्न में मिन्न मिन्न में मिन्न म ने'यम'कन'ग्रीम'र केंगा नय'वर्गेर हेन'नगवा क्रु.शु.ध्य जन्न.श्री. ૡ૽૽ૼૼ૱૽ૻૡ૽૾ૹ૽૽૱૱ૹ૽૽ૹ૽૽૱૽૽ૢ૽ૼૡ૽૽ૢૼ૱૱૱ૡ૽૽૱૽ૺ૱૽૽૱૱ૡ૽ૹ૽૽૱૽ૺૡ यवित्रायनाञ्चर्याक्षीत्रकुन्यावर्देरानेते स्रेटान्यार्देतायेन विनायान्यात्र र्थे तर्दे रेश पर में दर्गेश था रद रेश हु येद दर्गेश विद श्रुट यद दे सुर हो द न्वींबायाधिव। ने युवाबाग्रीकार्त्ते हुँदायावर्रेव हुने। र्केबायाबन ग्रीका हिरा શ્રી હોર કેંશ સઘર ધ્રુંત ૧૮૮ શ્રે ધ્રુંત ભ્રાં શરે સારે ખેત પ્રશ્ને ક્રુંદ કોંશ ક્રેં પ્ર્યા ક્ષ્ बोद्दा मलुद्दानगदार्थेद्दानुः विमान्यादकदानुषायायाः वाद्वानुद्दान्यमायाः यःस्रूरःनुः धेवःययः स्वावायः यः देशः नवीया वेयः वासुरयः शी

यो क्षेत्र पति पति केंद्रा विद्योग सर्म्य स्थ्री सत्य मान्यया

वयायितः यद्यतः ५८ : यद्ययः पदिः देवायः दुवाः वी : दर्वो : वः यः यद्यः यः यद्वि : यः विदेवाः क्षरायेत्रा सुवयायेत्रावित्वया वर्षयायेत्राचरानुस्य युःवर्तः इरायः क्षेटः रे:हे। वर्तः वरायाः छत् स्याः वर्ष्याः वर्षः वर्ते वर्षाः वर्षेत्रः वर्षेत श्रुपु:व्युत्व्यद्वाः वर्गोद्वा सूर्वाः वस्यः रवास्यः स्ट्रैतः वास्यः स्रुप्तयः स्रुपत्यः स्रुप्तयः स्रुप्तयः स्रुप्तयः स्रुप्तयः स्रुप्तयः स्रुपत्यः स्रुपत श्चिर द्रविष्यः श्चे सुवा यया विष्यः विद्यः विद्यः यो स्वयः यो विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष् यरे.य.लूब.क्रूट.वर.लटा विय.पे.यम्भायायः सार्वे रुगः सुरावेते यरे त्यायायाः सीटावे योन्।या ने:यने:यायारेन:स्याप्यस्यावीयारेन। न:रम:र्केश र्सेन:यविवाधेन: लुष्-जाशुर्-भै-र्वेचा पर्वेजालुष्-तदुःभै-अक्ष्य श्रीयायवर भै-यू लार र्वेचा पर्वेजा वृर्षः धैव है। दे धरा के बेंबा के रेना के थे। व रायका रवर्षा वीरवर्षा कर्रस्वर्षार्थेष्य्यार्ट्स्यराचन्द्रन्त्रं स्वाची वेर देन तर्वेन या शक्ष्मा प्येत्। नये राज्ञान त्रिया प्रति ज्ञान विषय क्षा ज्ञान प्रति विषय विषय विषय विषय विषय वि त्रदार्वे रेदा अर्द्धम्यासर्क्षम्यासुष्ठाराष्ठात्रायदान्त्रे स्वामीयास्याप्ति दे या बद्दार विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास की का स्थाप । स्थाप स्थाप स्थाप । स्थाप स्थाप स्थाप स र्मेच.यर्जा भवर.रेच.रेट.वेजा यर्.य.वश्रश्चर.रेट.रेट.र्जेय.तपु.श्रट्य.क्रीय.क्री.

में तयर या तमें न नमें मासूसाय दे नमसाय स्थेत या तमें नदे से तमार्के मासूस नमें मा वै.रेर्। रे.क्षं.यंदुःश्रंश्रश्राचन्नरःचश्रायः द्वश्राद्याः तक्ररः च.रे.लरः द्वश्रायः वश्रा ब्रेन्न्द्रः क्रेव्यायया ब्रेन्कुरायया देवादे या विष्या वया देवा ये दाने। श्रेश्रय १८४ मिया क्रीय १ १८५ मिया १ १८५ मिया स्थाप १९५ मिया स्या स्थाप १९५ मिया स्या स्थाप स् यदे तुषाया यो दात्र के सुरादमें दिने वा दार्यरा सुरायया रहा के पिरिसीमा या हुम। विद्यानम्मानुदार्भार्भिति वदानम्मा यदःद्वतः वे विषाः येव। दः वृतिः स्नुवयः वः दः यदः येवयः विषाः येवः यक्रिया योष्या यक्षिया श्रीता प्रथम स्ट्रास्त्री प्रथम श्रीत्र का स्ट्रीत का NEN क्रिया क्री प्रसूत प्राप्त स्था प्रसूत (ब्राय प्राप्त के साम स्था क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय हेराः भ्रेपर्या ययः हेर्तः द्यो प्रति प्रतेषाम् भेतः रे प्रतः तस्त्र द्रया स्राध्या विषाः वर्केयः कुरिः अद्युवः क्रीवः स्टः दें वाबवः दें वादिशाना वयः हें वायः येदः वा वदः वादिः श्चैव पर है अदे ग्राया अर्थेट दर्द अर्थेट श्चेट । श्चेव ग्राव वर प्येव हव ग्राव ख्व क्चीः हेर्चायायदे चुर कुरा राष्ट्रीय प्रवेश स्थ्यायदे केंद्र स्थयया यह सम्बन्धा प्रवेश । श्रीव मिडिया प्रेन निर्मेषा दे स्रोन व स्क्रिया स्रोता स्क्रिया स्रोता स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित क्षराबुरम्य क्षेत्रायार वाया विरस्ट वेया केव सार्वा राष्ट्रिया वेया रस्म क्षेत्र क्षेत्र स्वा प्रदेश प्रदेश प्र यार्थेर्प्याधित। देराबरावह्यान्नेरावीप्ययान्यायरार्थेरावस्थात। यर्वेश्विरा वयाः यहिषाः गादेः वदः वः केषाः धुयाः केवः हेषा शाकेवः यहिषाः गाः लुषाः वषाः केदिः धुदः गाः

त्यत्यायास्याचे प्रिन्सेन्। ने स्ट्रिविष्यस्य स्विष्णी सुन्से स्वाराणयात्रस्य तयर वर वुरुषा क्षेर हेते दे र्ज्या पर से वे वर्ष हे द्वात रेद सेद सदे तद पर से क्षरायां विया अर्थेर कुं पेर्रा दे के हिं पीवा बे के दे तर या यहेवा व व व व व धेव यय। केंग्र केंग्र कें या केंद्र या केव प्यान केंग्र थेया वा विवास धेव हो। देव केन यार्थर ब्रेन् सीन न ब्रेन् क्या पड्न तर्वे या सुरुषाय भूति स्थर र तर्वे न या धीना नेयान प्रतानानम् हिन्यायायते नुष्ठा कुता क्षेत्री निष्य हिन्याय प्रतीन याया नुस्या स्निराहेते म् मुंद्रित्यगाम् हेर्च मुरक्त भी योगयय देरा क्षिय म्याप्त स्याप्त स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्यापित स्थापित स्याप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप नुः क्लें तिर्देश याने वान्य स्वार कुरा श्री यो याया या विषय या यो विषय या या विषय या या विषय या या विषय या या मल्बर यं लेगा खेर हो। यसमाय या सु ह्या चर्मा छेर र र वे यहेगा हे व त्रदेश । ज्ञुः सेन् सुनः स्वार्थेन । ते पे सः न सुनः सेस्य। । देः न्वरःकुषःयः सुरःवहवः न्दः। । श्चिष्यः सबयः वृह्वाः यदः श्चेरः हेः ५८। विष्ठियायाधी विषयायाया विषयायाया वर्षेत् वस्रयान्दरायो विषयो क्रिया केवर की केविया या देश हेवा या नदा य वस्त्रवायुरादेगिष्ठेषायीयायाद्वी देते वराद्वीवयायीयायी सावा श्रेम्यान्यस्त्रीत्रः वार्यवात्रायते त्रायावास्याये स्तर्वात्रायात्रस्याया स्तर्वात्राया स्तर्वात्राया स्तर्वा नेवारमायमार्थेन। नेवारा औंचाहेवाहेतुं लेगमहिन्या केवानहेत् यदा देखेशकामञ्जेदाश्चिषाञ्चवान्त्रेवान्त्रेवान्त्रेवान्त्रेवान्त्रेवान्त्राम्ब क्रथार्वेचान्त्रेनार्क्षेक्षुरुविष्ठुरावाध्येत्। येययावस्त्रेन्त्रियायान्त्रेत्रा वर्नेतः र्गे.क्रे.इ.च.चुवा.चलवाल.चर्चें ताला वर्गे श्रु.क्रु.इ.ज.चर्गेज.वंश्वा. विजानिकाः कीटा कर को कीटा तर हैं से कीटिंग होता तर कुर होता है कि कीटिंग हैं से प्रीया है है से प्रीया है कीटिंग हैं है से प्रीया है कीटिंग हैं है से प्रीया है कीटिंग हैं है से प्रीया है कीटिंग है कीटिंग हैं है से प्रीया है कीटिंग है की वैं रेना दें व ने भू नुदे रोग्या पश्चेन ने कुन या है भू र हो न वी वा व ५८-श्लेट-इ-मिक्रियायामहेत्रत्वयाञ्ची-५विषा देः प्यटास्यामिक्वाः तुः मसूर्यान् श्लेटः हेते विर्यास्य तर्मा भेता हिन्य प्रति वुर स्वाय प्रमान स्वाय स्वाय प्रमान स्वाय प्रमान स्वाय प्रमान स्वाय प्रमा र् श्लेर हे नाय के त ध्येता अवर श्रुवा अर रा क्युरा की ने तथर हें त रहर द्वीया रा योन स्त्रीय हेरा मालव नेंब सहित हु व्यर्थ ख़ूर्या यदि सहित या मालव ने प्यय सेन या ने ख़ूर ८ के राष्ट्रिया के वार्ष विकार के विकार भ्रमायरमाश्चेत्रयायरम्बन्दिरविरावदेशम्बर्धाययाद्देशम्बर्धाय देवयाररः थः व्यव्यव्यक्तवाः वीः देवः केवः वाङ्गवाः युः देः वुदः कुवः ग्रीः बोधवाः कुदः वः क्षेत्रः कुः वें देः धिवाः ने प्रीव व न न के व्यव न न में प्रवेश्येयव का यावर न व या प्रते व या के लिया हो न हो। यदः यदः वतः वीश्वादे स्थूरः द्वीशाले व। दरः धे वशः देवः द्वारा सुरः सुरा श्रीश्वेस्रश्राहेः वलित्र यः क्रें) दी त्या देत्र। देते 'क्षेत्र प्रतः ये 'गृत हें वा वुदः कुवः ग्री को अव्यायः श्रुदः प्रवेशियः कुनः क्षेत्रभेर्याया स्टास्त्रम् व्यास्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् कुनः क्षेत्रो अध्यक्षकुनः वास्त्रीया वनसाया स्त्रुदः वसाने वानव निवासी सानवीया नि ౻**ઽ**ॱਜ਼ॺਸ਼ॱਖ਼ॱक़ॗॱक़॓ॱਜ਼ॱਜ਼ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱक़ॖॖज़ॱॻॖऀॱॺ॓॓য়ॺॱॻॖऀॱग़ॖॖढ़ॱक़ॣ॓ऀ॔॔॔ॸॎ॓ॸॣ॓ॵॣॸॱॾॖ॓ॺॱॺ॓য়ॺॱड़ढ़ॱय़ॱ रश्चीयायायाद्यात्रेयायात्रीयार्ह्यायाद्याद्यायायायात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या

योव लेवा विक्राचित वर्षे वर वर्षे सूचा चस्य हीं रावलेव यदि स्रोधार उत्तरि स्राधाः उन् ग्रीश तर्ने न कु नश्या कु नने न धीव यश तर्ने न या नने न तर्ने न या श्रूषा धीव से नि वेंत्र:ग्रह:यहे:यदे:कुंद्रवो:य:यञ्चय:श्री:वेश क्षुवा:यक्ष्य:श्री:वर्देद:श्रेद्रा यह सूर्वा तसूर्य हिंह हो हु से ह्वो न वि व हो है सर वे स्था र्-ुक्वायास्य प्रति स्वेतिषायायायाया स्टान्या क्वाया श्रीया विदायवी प्रविदायी प्र म्रम्भारत्ये स्टार्न्दे स्टामामानुष्यायाम् स्वाप्तान्यायाः स्टाम्साम् स्वाप्तान्यायाः स्वाप्तान्यायाः स्वाप्ता यम् रे यम् मिर्म र्स्या श्रीमासी स्त्रीमासी स्त्रीमासी से सामासम स स.म.चैकातपु.चेरकाक्र्यं.क्रीर.काक्रुयं.तृषु:सेकास्ययं.क्रीकायच्ययं.दें.क्रोर.तार्ने.क्रीर.करः यःक्वियानाननेत्राधरःक्षुानदेःनगादःक्ष्मात्राधेत्राय। हेर्यादह्यान्त्राधदेःक्षुेर्यानुःनुः यदुःजीरःष्ट्र्यःत्रात्तरःलूर्यःत्रात्तरः। क्रीं.यद्यश्चायश्चीतःश्चरं.यद्यःशह्यः क्र्याम्भारत्व स्थायार्क्त साम्री क्र्या मान्यस्य मीन्य मान्यस्य मीन्यस्य मिन्यस्य मिन्यस्य मिन्यस्य मिन्यस्य स्य सिन्यस्य मिन्यस्य मिन्यस चदिःशेश्रश्रः विश्वाः श्रादः श्रीतः स्तरः श्रीतः हेः श्रीः श्रुः द्वारः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स वयायेन् प्रदेश्वे विवायिव नुष्या क्षेत्र के हे न त्या हे विवाय व्यापन न विवयन न स्थापन म्रायमाला से स्रायम् स यालव क्षेत्र याचेव स्त्र स्वायास याचनु वर्षो प्रतिव स्पेत् व ते त्या न क क्षेत्र हे लिया सेत् व्यया येत्। त्रभू त्रुया प्रति वाष्या स्यापि वर्षे प्रयोग विष्या प्रीत् स्याप्त বর্নন্দ্রীন্ নর্নির ঐন্ কর্ন রমমান্তন্ দে ক্রিই ধামান্ত্রীন্ মান্ত্রীন নরি মৌমামান্তর বাহিবা

क्षरायो रे.वश्रयात्रराक्षियात्रायाचीरात्रपुर्यास्यास्याचीरात्रायास्यास्यास्यास्यास्य वश्चुदःवाद्ये दासूदीयायाददःद्वी वासुर्ख्यायोद। देःविद्ये दासूदीय्युषादिदीयाया षर धे द्वारा की सूर्वा प्रस्था हुँ र द्वार स्रोता सर्वे से होवा स्ट विवा वी सार्थ स्थार भ्राष्ट्रेय वर्षा वर वर्षा वर् र्थे प्रेन् केंद्रा अः वार्क्दः चतिः स्याद्दः वासुरः द्वे क्वायः रेत्वयः वर्षे चलेवः यः प्रेन् व क्षेर हेत्र क्षेर हे रे अ के विकास मिला है से कि स्थान स <u> च्या पृःक्ष</u>्रेय दया स्प्रित्यार ने स्रावेश दया नव्या स्या नव्या दा हेरा दया वेश नुसा वर्क्केन्य के इंग्राह्मेया के के हो। ने ख़ुर व्रम्भ कर प्राप्त ने प्रमास मार्थित प्रमास के प्रमास के प्रमास के नेयात्रयाः श्लीराहे श्लीपाने श्लीराहेयायोग्ययाञ्चरायान्ययायायाची ने स्थिरा श्चीर है न गुरुष युरुष्य व विवाय से दाया विवाय से व से विवाय साम से विवाय स चबर से सूत्र। चर्याया चबर से र्क्या लेवा की या सूत्र या तुराया (या प्येन विवास) ৠ৾য়য়৾৽য়৽য়ড়য়ড়৾য়য়৽য়ৼৢ৾য়৽য়ড়৾য়৽ৢঢ়ৼয়৽য়৽য়ড়য়ঢ়ৢঢ়৽ড়য়৽ড়য়৽য়ঢ়য়য়ঢ় नेयः रवः श्रीकः हेवाकः द्वादः त्यः दक्षेवाकः यः लेकः वाकुदकः या दकः क्षेत्रकः उद्देः व्यथाः इतः क्रुवाः वक्षाः वा ५४ : ४४ : यो दः वा ५४ : वतः वि रः क्रुवः वः वा वर्गे दः षया बुरा वाहिषा प्रतास्था स्थाप स्था ब्रैंदि.त.ज.चर्ययाः ब्रैंद्रः योधेयायायाः यहियाः तालीयः यः क्रीजः योषाः योदाः क्षेत्रः योष्ट्रायाः योदाः र्श्चेव ये दार्श देवाय कुर दे या क्षेवा सुव र्येट व प्येवा दे सुर वयय स्त्रीं व हिंद रूप

क्रेंशःविवाःत्र वृत्रः नवेंशि सरःश्रेवःवःवहवाः हेवःविवाःत्र वृत्रः नवेंशि देःसरः वहिवा हेत् क्षे क्षेत्रायात्रयात्रया क्षेत्राया विवासी विवासीया विवासीय न्गारः वया सर्वो सान्गारः वरः वञ्चवाया धीवः यः रदः वीयः धारः ने खूरः नुः यः वृयः वुः धीयः याचेवाव। यायक्र्यान्याचाचाचाच्यालेवा छेयानयया हो यो हिंवा खेंद्र यदी हे या सुर वहार वयार्के हे यावया ह्या येया केर र्योद स्वर्म द रहे या क विद्या रहे या यो यो यो यो या यो या यह या म्रीट मी प्याया में केंद्र में दि सी दे केंद्र प्याय दिया है व चे र पायदी त्याय में क्रिय में त्तरः त्रात्वीयः वेशः वी विद्धः ध्रेवः भ्रात्वीरः त्रास्त्रीः चिवः भ्रोवाः स्रक्षः स्रायः विदः स्रोवः हेशाग्रीशाग्राम् व्यानी प्राप्त के प्राप्ति। वहिमाहेव प्रह्मुप्य हे ले वर्केट्यानि र्यात्ताम् राज्ञात्यात्रम् वर्षेत् ग्रीयः तपुः र्ययः स्थितः स्रोतः स्थारः स्थारः स्थारः स्थारः स्थारः स्थारः स नुःहे भूर्यस्य र्यो प्रिन् र्रेक्षि नेते वदः वया तयातः रे न्या द्यो विवि स्मूनयः दर्जे ह्ये वें म्रायायायास्य तहेवा हेवा क्षेत्र की वायायास्य स्थान स्था यर र्ये प्रेर्। देवे द्वेर केंबाओ त्वा वा या रेट आ स्वा वा रेट्। वस्तुवा वा स्वा प्रेषेवा षदःत्र वृत्तः वेदः। है अर्रे रेरषदः षरः श्रुरे वेदः श्रुः वेदः वा अवश्रुवः यरः वस्त्रवार्देशीराधार्यावेयाविषार्वेषार्तेवायेन निष्ये । । नारेयासूषायर नुष्यार्धेयार्थेन याञ्चेया हेर्यान्दान्त्रायाग्रियाग्रीयायायेदा न्यायदे हेर्याग्रीञ्ची त्वीयात्रया ल्रेन् स्राप्तरात्वियाः प्रवाद्या क्रियालु कुरिक क्रिया क्रिया व्याप्तरात्वि द्वारा स्थाप्तरात्वि द्वारा स्थाप्त दक्किन्यालेगान्यास्य मार्चेन्य नार्चे वास्य नित्तास्य नि

चायायाया क्रियायहेवाहेवावहेयाची अर्था अस्तर्या स्त्रीय क्रियाया कर् वयार्केन् रे बेव न्वीयायत्या बेव रव यदि नुषार्केन् या क्षेत्रका र्थेन्। क्रेव क्षेत्र त्या ঀ৾ঀ৾৽৴৴৻ঀয়৴৻ঀ৾য়৻য়৾ঀ৾৽য়য়ৣয়৾৽য়৾ৼয়৻য়৾ৼয়য়৾য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়ৼ৻য়৻ৠয় ने: यदः क्रुकार्थे रतः केवा प्येतः तः क्रुका यदिः हेतः तका वीं राक्षा तक्ष्मः प्येनः ने कें दिने श्रीः वाहेकाः ૹ૽૽ૺઌ૱ૹ૾૽૽ૢૼૼૼૼૼૼ૱૱ૡૺૹૹૄ૽ૢ૽૾ઽૣઽૻ૱ૡૢ૽ૺ૱ૹૢ૽ૢૹૹ૾૽ૹ૽ૹ૽ૡ૽ૼૺૢ૽૽ઽૢઽૻઽઽ૽૽૽૾ૺૢૻ૱૱૽ૢ૽ૺ૱ श्रीयायोग्याकेयाश्ची क्रिटायोग्याचेटायायो देनि प्रीयाद्वायायी यदीर विया प्रिन वा कें खेर ग्री त्या कें यक्तिय दुर्म कें प्राप्त कें प्रकार के प यथा ल.रचय.चबर.त्रुषु.चि.ऐ.ज.१४४.चुर्या चर्च्य.कुं.यचर.कुं.चाहेय.या. चेन्द्रे रेन्। वेद्यायदे श्रम्भने प्रेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विःविः तथा ह्यः सेदः वदः प्येतः यः ददः वीत्रयः वैःवैःविःविःयानेत्राः गाः दुयः विदेवाः रेदा बरायात्वरात्रमात्रमात्रोत् वार् होरार्च्या होयार्क्यरायायीत्। स्रोत्यार्थासायायी *ऀ* वियाःभितःनुष्यःक्रयाःवियाःवर्हेयाःन्येषिःवःक्याःवियाःचवयाःन्यःवेयाःन्येषिःवःवार्नेयायः तर्युतः कुं मुर्वम् ग्रह्मः योदः योदः यथः पीदः ग्रीः कुतः ख्रीदः वश्चीदः ख्रदः ख्रदः यः देवः योदः ख्रेः ख्रीः यादेः चिरार्त्राक्षेत्रे प्रेरास्त्रेत्। पर्ययाप्ययास्त्राच्ययास्त्राच्ययास्त्राच्या ชุट.พพ.ชู.พะ.พ.ชู.น.ะะ.โ นพพ.ซึ้.สะ.ชพ.ชูพ.ส.พ.ช.พ.ชโ यशः हुं कॅट अयथा कॅर हे त्यू व हुं ओर धर बट कर या था बुवा के रेरा देवा युषादवानी श्रीत श्रुद्धारे रे वुषाव त्वा्वादेषाय दे प्येव। यद ये राववद वषाविदे इत्र मुर्चा या महिमाया प्रवादा प्रवादा प्रवादा प्रवादा स्थापि । स्थापि । स्थापि । स्थापि । स्थापि । स्थापि । स वाञ्चरायराञ्चन्यायाधीवावारार्यिवावारार्यिवावारार्यिवाचीराय्ये स्वानिवास्त्राचीत्रा वक्षेत्रयारेत्यातवद्वद्वरेषीत्। यदात्रार्शेदात्राचक्कृतात्रात्वर्षेत्राय्यदात्रेत्रो यारक्ष्यः अप्तीः न्यातः स्रोन् स्थानः । यारकेष्टः अप्तीः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थ श्रम्यः स्टेन्द्रम् । त्र्री चित्रः स्टेन्स्य स्टेन्स्य । स्टिन्स्य । स्टिन्स् इ.ल्.ट्रि.श्.री.श्.रेट्राचीवेय:ब्रेट्रा श्रुर्थ्य:ब्रीय:ब्री. अक्ट्राक्री:रुज:रुज:ब्रीस्व: रेत्। यरःवय्रुषात् भेविः सर्वेत्र्यास वेतः सेत्। सुरः वय्रुषात् रदः वी सर्वेत्राः ने भूर क्षेत्र यर वर्षे वार तर्षेत्। ने भूर अर्केट वा उत्र क्रेंत्र उत्र श्रुवा वीवा क्ट. ब्रिया पश्यात्र या समूदा ता सूच्या क्टर. ब्रिया तदा ब्रिया त्ये या प्येत्र प्येत्र प्येत्र प्या सम्प्राह्य क्षराधेर्। कुं अर्क्ष्र दे तर् याप्यया हैं प्रदेश के स्वीया परि यह या क्ष्या परिया · स्व : तर्यः सम्बन्धः स्व : स्व श्चून श्रेन श्चर वेर प्राया वर प्रताय वित्त हैं। वर प्रति त्या श्चे लिया प्रताय वित्र प्रति । व्यवसायात्वन्या क्षेत्रा विक्राचित्राच्या विक्राचित्राच्या विक्राचित्राच्या विक्राचित्राच्या विक्राचित्राच्या रट.पर्विष.ब्रीशःश्लेषात्वरायायाच्याययात्रीर्थः व्यास्त्राच्चराचिषात्रयात्राच्यायायात्रयात्राच्या यर्याक्रियाक्षीत्रे त्यारात्रीयायम् यराष्ट्रात्वेरायरा यराष्ट्रात्वेरायर्थेरात्वेरात्रे विष् विरिया वार्या विरिक्त स्थान विषय वार्या वार् पर्वतःश्चिःकेष्ट्रे, त्रुं, त्राचा श्चेत्रा प्रदेशके देशे त्राचित्रा क्षेत्र प्रदेश श्चेत्र प्रदेश स्त्र प्रदेश यर.श.विश्वतं । श्रदश्रक्षश्चेराद्धेरादेशीय.हरा ।विवृत्यत्वरायर.यर्पे.यः योत्। विकामासुरकायाधीता देवावायस्य मानवायस्य स्वर्थायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यायस्य स्वर्यस्य स्वयस्यस्य स्वयस्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्यस्य स्वर

उ वर्यायदेखन स्पूर्व की सिन्।

ने स्वरात स्वराय या वारा वायत या या वाया हिवाय या केते ये सिंहर केते स्वर য়য়৽য়৾৽য়ৄ৾য়৽৻য়ৣ৾৻ৼ৽য়৾৻ৼ৻য়৻ৼ৻য়য়য়ড়ৢয়৽৻য়য়৽য়য়ৼয়য়ৼ৻য়য়৽য়য়৸ तरम्, द्रेने प्रामुल्य में देव त्या या तरुद्र इसाया महिया क्षेत्र हो प्रति स्मूत्र या या । र्यर ध्रेते र्वेत त्वेति स्मान्य न्या न्य में स्वीति स्यान दि न्यन र क्रि हो पर्ड्यात्र्य तद्या ग्रीया र्वेषा स्थार रहेवा ग्री त्विर त्ये पश्चीर प्रते स्थाप । प्रति प्री यदेव यहीद केंब्रा दिवस यहीं राया थेवाया दे प्यर यदेव यहीद केंब्रा दिवस ही रा विरित्र विरेशेश देशेषाया वसूत्र दिन्य गात्र विदुर सुर वर द्वा गसुर या या यमकुरव्यमभीविद्यव्युद्यमधी देखित्रमायमकुद्रायमहेवायम्बु योशीरश्रात्रा वरायपुरस्य लुचारेटायचुरायोष्ट्रेयायक्षेयायपुर्वित्यारायोष्ट्रेया ग्रीयायर्क्ययास्त्रुरावया वर्षेत्रायायर्देवानुः चाययान्तरः स्यावर्षेत्रः ८८.पञ्चात्रमञ्ज्ञाचतार्यदिः देवाताः स्त्रीयः त्याः स्त्रीयः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त हुवायायनेवावित्रावित्रम्भेत्यायन् यदिः स्नित्रवायीत्। तदिते वीत्रियाया सर्वेति न्। म्नें क्रिंग इस निवेद में स्ट्रूट राज्य। ५० विदेश में ५७ त्यात में स्वास्त्रीय सें तर्नरःषूरःषी लेव यायायार्ज्ञे व्येष विष्राचित्रः विष्या विष्राचित्रः विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या यक्षित्राश्चीत्राष्ट्रीः त्राः श्चेत्रेत्राः तद्यवायवायाः स्त्राः स्त्रेत्राः नुवा त्राः तद्वानः देवः नुः यक्षित्रः

बुदिः बर्याने के खूराधेवाने वेषानवेषा ने प्यरा बरायदे प्येवा ने स्वरायदे प्रयोव ने स्वरायदे ने स्वर গ্রীমায়েন মীর্টেলা ঘমান্মান দ্র্রীনান বিশিষার ক্লুমান্তর বিন্নামানর বিশার্মীন দ্রবীমা। ययः रदः वीशः हेत् छेदः वाल्व देर वितः स्वायः स्वायः स्विवाः स्वेदः वः विदः वशः विदः वर्षः विदः वर्षः वर्षः विन् क्षे में के केन ने देश क्षेत्र विन् मन प्रमे महिष्य में देश प्रवेत ने प्रमे प्रमा ने यम न्दर्भे व्यापाद स्वरं बेना यम्यायम्यायम्याप्रमा यम्यविद्युम्यायः गर्यसम्प्रम् वासाम्भः देवान्त्रम् स्वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास् चुर-कुन-वासुअ:ग्री:वी:तयर-रेन। ने:नवा:वी:बन:वर्ग:यांचें,वर्ग:वीन:वीन:वी য়ৢ৾৴য়ৢ৻য়৽ঢ়৾ৼয়য়৽য়য়৾য়য়য়ৢয়য়ৣয়ড়য়য়ৣয়৾য়ৼ৻ৼয়য়৽য়য়য়য়য়য়য় क्रियासी वियास विया योश्ट्या प्रेत्या प्रेत्या प्रेया विया सम्बन्धिया समित्रिया के.क्टर.चिष्ठेश.की.वर्ट.जा दे.जश. ह्या.क्ट्रेय.ज.रेटी.च.ही.व.शर्ट्र.क्याश.चिष्ठेश.की.ही. नः यरः क्रिंयाया मासुया क्री ह्रा यत्वा मी वरः तुः ततुः नः धेता देः नासुया मारः ले ता र्शेर-वुद-सूर्याय-हे। र्शे-बर-५८-वुद-स्रोयय-सूर्याय-ग्री-सूर्याय-पीद-वा ने-वय-श्राचरक्किक्र्यायदे देवित्री देशत्ववुद ५८। वुद श्रेयशक्कि देवित्राव्य प्रमा याबर कृषाब ग्री दे चि द्वा सूर धीव था दे या शुरु स्वकृष व रद से सब तर्वा प्रति वर दे तर्वे या वर्षा त्रा त्र त्र त्र वर्षा त्र त्र वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर र्बेयाचेर्याम्रेयाचीराम्बेर्याम्बेर्याम्बेराम्बर्याम्बर्या वेरावराचीर्वेयामदी नस्यानु ने कें तिनेति नने क्रीन स्नुव नायुया यया हैं में या नाम्या नायुया ने व नु माने रामते । क्रॅंबाचकुर्ग्याक्रेंद्रिन्धेवाया ब्रेंबाचेर्ग्याराधेवावारेबायाया त्विर्यान्त्र्यान्वर्याः श्रीक्षां यार्के त्वरेतः वरः वर्षाः वर्ष विवा पर्डे अ सीव वि व वि द व अ सु व अ दे व द द द र ता पडत सु दे के बर सी सू र वि व र यर्यायायीर क्रेंप्यु। यर्यायुम्याक्ष्यायमुः दरास्य क्रिंप्यू रदःक्वियःक्वे:क्रेंक्रेंक्र्यां वस्य व्यवदेश्य वदः दुः तद् वदः व विष्ये विषयः विष्ये विषयः विष्ये विषयः धेव। वर वुर बेशवा के बेंग प्रवादित प्रवाद विष्य विषय । नर्म्यान्तुःन्य प्येत् लेखा रदः देवः भेदः न्ते देशः भेतः हो देशः भेन्यान्य सरः नदिः चुर-कुन-देव-दुःगहेर-न-दे-श्रेमशन्डव-वस्यशन्डदः श्रीदेव-दुःसःनयस्य व वेग-दस्यः यः वीयः वेदः यः धेवः यवः देः दरः देवः धेदः द्वेदः ग्रीः द्वेदः श्रीः द्वेवः धेव। वेद्वः द्वेदः देवः ल्लंबा इंश्वर्षेत्रके श्चेंद्र-याक्च अर्के स्थान्य वार्श्वन क्च दे रेदा दे प्यट विट क्व राश्येश श्चेंद्र म्रम्य उर् क्रिन्वे दिया देव प्रसूष व दे प्येव वे रेन्। दे व या वाय द स्वाय क्रिक्य क्चीतिष्यासूराने। र्केसावीनाम्ब्रीनार्क्षेत्राचीनाम्बर्धाः स्वीतानीना विन् क्षेत्रेयायमाविन्यत्मान्वेरायेन् नुहेरायेन् नुहेन्यायविन्वायह्यायह्यायेन् प्रविः वृत्वा गिलेन्त्राक्ष्याःगीयानबुदान्यानदेःक्ष्रिदाञ्चन्तःक्षेताःक्ष्रीयायदेःयोःनेयायदेत् नुःबुदायदेः यायर स्याय श्री विया यी प्रोर्थ प्रेत प्रेत प्रेर प्रेय प्राय प्रेत प्रेय प्रेय प्राय प्रेय प्राय प्रा श्रुप्तः द्वां त्राच्यात्राच्यात्रा स्राच्या स्राच्या स्राच्यात्रा स्राच्या स्राच स्राच्या स्राच्या स्राच्या स्राच्या स्राच स्राच्या स्राच्या स्राच्या स्राच धेष.ब्रुंग.र्यंग.पङ्गा रट.क्यैंग.र्यंग.पङ्गा ह्र्यांग.तपु.वैट. कुपः क्री में तियम में निया में विषय स्थित। ने स्थम सम्भित्र साम्राया स्थम स्थम सम्भित्र सम्भित्य सम्भित्र समित्र सम्भित्र सम्भित्र सम्भित्र समित्र सम्भित्र सम्भित्र सम्भित्र समित्र समित्र समित्र समित् हेर्याया वार्षरःक्रें-क्रेंर्-समयान्य-वारः वयाः वार्डवाः तर्करः क्राः वरिः वार्मययाः नाः हः

न्यान्वीं वाराधीत नुवा विदेवा हेत न्या हेत वार्षा व वदःवयायहैवादेवायदेवायायदेवायाहित्युः स्रीतः वीत्यदः स्वातः होतः स्वात्यः यम्रेव वया बराया चीर क्या वाश्वा की व्या वर्षेत्र की व्या वर्षेत्र व्या वर्षेत्र व्या वर्षेत्र व्या वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्य वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र व वर्चेर क्री केंब्र केंद्र वर्ष व्यवस्थाय वयद दर्भिष्य या धेत्। दे स्नुष्य वेस दर ये त्रात्त्रव्यात्रात्र्यं विष्यात्रात्र्यं विष्यात्र्यात्र्यं विष्यात्र्यं विष्यात्र्यं विष्यात्र्यं विष्यात्र्य ता.बुचा.म्रेन.चर्चा.कुंचु.म्यायवीं स्टिन.क्य.तपु.कुंम.वया तीर.बु.क्र्य.कुंस् यश्रम। हेर्यायायदेःक्र्यायस्यायायश्रमायाः हमयायो स्वापायस्य विष्यस्य। यादा वर्षाः वी.चर्वा.शर्.हेवाला कुल.चर्वा.रवालायाश्रेर.तर.हेवालातप्र,धेव.रर.रेवा. पर्ड्याक्चित्वयाञ्चाराष्ट्रयापित्राचाद्रीयाचाद्रीयाच्या गुत्राञ्चेदार्या गुत्राञ्चेदार्या ८८.८म्। स. मुन्द्रा विया राज्य की वराया का अधिया है ए से प्राप्त वीट स्थाप वीट स्थाप विषय है ए से स हैं कें पं लेग हें ग्रंथ भें पूर ग्रंप क्षित ग्री को अध्य ग्री का अध्य भाषा ग्रंथ का अध्य भाषा ग्रंथ के अध्य तर्चे न प्रें श्रूषाचेत्राम्युत्रायादेःवालुग्रयादर्गेषायाधीत्। देःच्रय्याउदाःसायाद्याया বষ্ট্রীর্-শ্রী:বমম'মম'রীর-র-ঝুলম'অ'লামীর-বেন্সুর-গ্রীস্ট-শ্রীমারীর-ম'মুর-র্ন্ রমম' व्यवसासर द्राप्तायायासे द्रापती यदे सुरा ही त्यसाया लुवा साद विष्या है। यदा वेवा केत्र গ্রী'অম'অ'র্দ'লৃষ্টাম'ন্ট্রীর। ইদ'অম'ঈ'অম'শ্রুদ'অম'র্মম'র্মের'ম'অম্।

श्चर य दर द्वाद गाय वर्ष श्चेद याया श्चर दर्शिया है। यया दे हे शेवा यदे श्चेव श्चेया श्ची रट.यार्थेत्र.ज.सूर्यात्र.तत्राचीट.यहेया.या.या्.यत्तर.पश्चेत.वीय.तत्र.यांशीटला श्रीर. ययार्हेन्ययायाळेवारी व्यावायावार्ह्ययायया र्ह्हेयायेन। वीवाहार्ह्हेयायेन। रवाहुः श्रें रास्रेन प्रदास्य स्वाप्त स्वास्य स्वास्य स्वाप्त *षु*वाचा सुत्रः सुवा गठेगाः सुतेः न्याः क्रैयाः मीः क्रुनः वस्ययाः हो। गाः नगः विग्रयाकेन न्दर्भ्या मुदार्भिन म्या मित्रया मि यद्यतः रु: धुन् वे वे दिरः त्त्राच्यात्रवे च केत्र चेतिः श्रुप्त श्रुप्त स्त्राच्या वे विष् न्दिः शुद्र-क्रॉट्याधिद्र-प्यतिः व्यक्षः क्रेन्याया लुग्नुषाः ने क्रें त्युष्या वर्ने वे विश्वेषा द्रष्या वर्षा वर्षा प्रमान्त्रा यानुमाळुतानु तियमार्थितायालीयानुमानुमा तम् सुरानुदे केया क्षेत्राचामार्थीन्य तस्र माने स्रोतान में प्रमान के प्रमान स्रोतान यराज्या द्यो प्राप्तु। यरधुन्दुव यययायाह्न प्रति। यात्रुवाया येन्-वति वश्चेन-देय-न्दः ह्वाय-देय। तिः ध्रुवा त्व-द्वयः वदेः यया विद् র্ববা রমম ডেন্ র্যাইবাম নের মনম ক্রুম র্রন নের নমম ন ন্ম ন মুন ন্র্বাম নমম । याने ह्यें रान्देश हेश माशुरा रार्क्त होन र्कंट नशा हराश यो ता हु ने वर नती यत प्येत શુ:વિત્:મૃત:ધ્રુઅઅ:સુ:બેઠ્ન:ભુવાઅ:તે:ભૂત:ખેઠ્ન:વાસુદઅ

क वर्षेयाम्बेरायस्रेयः स्वृतास्री विता

५८:स्.सं.सं.सं.सं

इ्यायायनेयायहेदायहेदायदेत्वित्यन्यस्ते। श्वेराञ्चायायहेदायरा सरसः क्वित्रः त्या वादिः ते क्वितः विवा वगातः स्रोते क्वितः त्यातः स्वा विवा वी वितः विवा ग्राम्या स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वाप ইম'ম'ঝ'ঋম'ন্নু'ম'ম'নম্বীর'মম'মম'নরী'র্মি'র্কীর'ঊর'দূর'য়ৣ৾য়'য়৾ম'নে'বিল্ अर्वेदःक्रुः येदःयः यः वदः कें क्रुः प्यदः येद। वदः व्रुदः वव्रुद्धः प्यदः व्यव्यवः व्यदः यः व्यवान्तर्यः व्यव्यान्त्रेष्यः द्वीत् द्वीताः विवान्यः ह्वीत्रे स्वान्यत् द्वीतः स्वान्यः स्वीत्रः विवाद्याः विवान्यः र्धुवायावारत्वे द्याश्चा विष्यत्यत्यत्य विष्यत्य विष्यत्य विष्यत्य विष्यत्य विष्यत्य विष्यत्य विष्यत्य विष्यत्य यदैः वाव यः ने वः विनः याववः यने यः वाहेवः वयः क्रुयः उवः विवाः यर्वयः है। ने वः यहेवःकुः वें दे त्यायवेषायाहेव यहेव यदे विदः हेषायासूद्रषा वदिरः दया वदेवः हीः न्देशनसूत्रसूत्रात्यारम् हेन् ग्रीसे सम्बन्धार परि द्विषाया सूर द्वाया परि प्येत हो। केश त्रयाल्यायाः ग्राम् हेर्या हुँ मिर्गे से स्वाप्त हिर्मे स्वाप्त स्वापत स् र्टाच्या विश्वायायाश्चित्रायादे श्वाद्यानु प्रविश्वाचित्र प्रमेत्र प्राचे देव श्वीश यसूर्याययाः श्वायाः यो प्रवीया हे है सूर्यो प्रवीया लेखा प्रायाः स्था वहवायाय। वरानुः त्राः या व्याः वर्षे द्याः व्याः वर्षे द्याः व्याः वर्षे द्याः वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व श्चें पाया सरारे विषय श्वेष्य श्वेष्ट्र स्वित्र श्वेष्ट्र त्युवाया प्रदेश सुप्त सूत्र स्वाप्त स्वित श्वेष्ट्र वयानेयान्वीया नेययान्दार्भित्वायान्वीप्वतीयनेयान्वेवायह्वायान्वययाः र्देशक्षायम्बरार्स्च विष्टात्वा श्चीराक्षित्रे स्वीति स्वीति स्टाम्पिका ने विष्यापति स्टा र्कुयायमामात्रात्रम्भायात्वेषाय्येषायात्रयष्यम्भायाने सी क्रेत्रम्भात् विषाय्येषा से स्रोस्नेमा ने चुैरायदे प्रमुख्य उद्गणीद यस्य तस्य वाया प्रमुख्य । सी वेरायस्य स्थाप व्रैषायासर्वी वार्षेवाञ्चाया क्रेषा क्रीका वञ्चीराञ्चाया स्वापा विदेशे से सुरावीया वर्जीता यासु तु लिया प्येत या सुर रा है । द्ये रात्रा क्षु ग्रा स्वित रा तह या सा से सुर है । दु सुर है । लूर्य-य-व्येर-लर्यालीयो.कु.लर्यरेरा। शराजायोलीयो.कु.शरालुयात्रायोतीयो. N.र.च.र.मुबा दे.र्ट. प्रदे.चर.व्रीयायार्थी श्री व्याप्तर विवास व्याप्ती श्री व्याप्त विवास व्याप्ती विवास विवास शेशश्राद्धरावादरावश्चात्राचावदेवावाङ्गीलिरास्योणपरावाणीव। देख्यरणीवायदे र्श्चेव वे से मार्थे उत्र से नमे नदे नमे समानेव नर मुम नुसर्ये मायस या विनायसे ने सीव प्यर मालव की मार्थे सुरु रूप रहा हो दा द कुर न प्येव प्यर हे दिये रास्रे कि वा यावतः सृः त्रें त्र्याः यदेः क्वियः यें त्रन्यः यञ्च रः लेखाः यदिष्णः यदिः त्रें यावाः यदेः केविषः ग्रीः कुयः र्ये प्येत्। व्रेतः र्ये मार्थे रः स्रेया छेत्रः यः विवा प्येतः यः विवे व्रेतः विवे व्ये प्येत्। र्रेया वी क्विय र्ये प्युत्य त्विर सुद विश्वाय विवाद र दे त्य क्वित र्ये ह्वित क्वी सुवाश उत विश्वा यालेगार्थेन। ने प्यराद्यायान्दर मुःर्रेगायादेशाळे मारामी न्याने प्येता ने सूरा . त्व रेट वी द्वा प्रेव प्रकार के त्व दि स्व प्रकार के त्व का का वि स्व का सम्बद्ध का स्व का स्व का स्व का स्व यश्रास्त्रात्र्वश्रिवः विवाद्यः रेवा वी र्ज्ञेवः ये देशद्यः रेवा सम्रम्भ उत्तरम् वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

नवन्। नःरःक्रेंबात्ववावयाविकेन्द्रिवायरायाव्यान्ध्रीवायराव्यायतेःरेवाक्षीः तर्वापया देत्रयानसूप्राचियाः श्रीकायवीं वार्णवात्रयाः वर्षाप्याः द्वाप्तवीं वर्षाप्याः ब्रिन् केंबार दे ह्या तर्ने मस्या उन् विवाय या ब्रिन् उवा या दिन स्या तर्ने या या स्वार स्वार स्वीया यन्तर्यासूर। क्वें बस्रस्य उद्गावित्र स्वीत्र स्वीत्य स्वीत् क्वें क्वें क्वें स्वीत्य स्वीत् स्वीत्य स्वत्य स्वत् त्रज्ञरानु तयदा स्रे स्ट्रां यान्य र सेट्रा क्रिय क्षेत्र विवा ज्ञावा स्रेत्र विवा ज्ञावा स्रेत्र विवा या स्रेत दुवा या ब्रम्भ उद्दाद्म वा नसूत्रा द्रमा वर्षे वा त्रा है। द्वा देवा वी से दा दु द्रम्म वा न क्रमा देरा द्वार्रे वा क्रिंट स्वार्थेट क्रिंग विश्वाद्य द्वार्थे विश्वार्थे स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्यित स्वार्य यमस्त्रेन्यन्यन् वाहे नमानस्य न्यान्य स्तर्मा स्तरम् स्तरम् स्वायम्बर्भ्यः व्यायम्य स्वर् स्वर् देश देश देश विष् वै'चु'र्रेषा'षी'र्ज्ञेव'र्ये'र्श्वेव'र्ची'श्वेषा श्वेष'र्वे वा स्थावे'रेर्द्रावया'यित्रेथा पदिः स्नेत्र करः १९ व र्डें साधारा साञ्च सामान्त्र । दः ह्ये व र्वे वे रेवे वे समान्य सामान्य । कर्यायउर्व त्रावर्ते सूरायानी ग्राचेत्र त्रुया क्षेत्रावर्ते सूरा वुषात्र वा चेता <a>८२०:अर्वे : श्वे : प्रकारा देवा : श्वे : प्रकार देवा वा श्वे : प्रकार : বদ্যাপান্-শ্রীকার্ন্রবেশ্বর বিশ্বর বি ऱ्र-विन् ग्रीयः वेयः वेयः यर्वे च हवायः स्नियय। त्रवायिः क्वायः वियायवित्रः विराधियः विराधियः वि विरिद्या र्वायक्रमार्वेषाः हुः र्ह्युत्य स्वायमा व्यवस्था देन क्ट वायर विन वर्षे निष्या चेर नुष्या तुषा यदी ह्रें व र्षे प्रेन के छो। यने व सी न्वींबार्नेबासेन्। वबराद्येन्विष्याव विष्य प्रति विषय प् ब्रॅन्। तुष्णयते क्वियायेषा साम्भन्य या द्विन स्वेट प्रवासित ह्विन ये प्रवासित स्वासेषा त्रमः नेतः क्षेत्रः त्रवा विष्यः त्रमः विष्यः विष्य कॅट वट दु विद सेट से। विद वे सावसाय क्षेरिया उत्र पीत यस दि केट विदे विदे र्कर प्यमा से बित् कु प्येत् प्यमा बनमा ने मा भीता है प्यम प्यमा सामा बता की ती है । श्चीर्रायाः साम्राम्यस्य स्वाचीरा स्वचीरा स्वाचीरा स्वाचीरा स्वाचीरा स्वाचीरा स्वाचीरा स्वाचीरा स्वाची यदे.लट.यदे.खेब.यत्वद.तता क्ट.शबादे.ज्याबाबाबादे.केंद्र.चेंद्र.केंबाच्यां वुःरेवाःवीःक्षेत्रःयःभिनःहेत्रःयदेःत्रम् स्थेरःश्चर। हेत्यरःवुःरेवाःश्चेःयःसम्बर व्ययाक्ष्यः भ्रीतायक्षा यक्ष्यः भ्रातुषाया इययः श्वीः यात्र मेयया मुस्ता वी क्रेंब र्येष द्विय शुर द्विय द्वय वय वस्ता केष द्विया द्वार्य वी क्रेंब र्येष वी स्नेवय वैवान्दर वसूत्र हे द्वारेवा सर धे पेंद्र सर सेंद्र सूत्रे सर हैत सूर सेंद्र स्वा द्वेद सेंस चा.श्रुवा.लया.त्.क्रीश.ज.धेष.यीट.क्ष्म.खेया.धे.ची.५:५४०.षा.वाक्षे.५:विर.वयाची.५४०.धेया. पतः स्ट्र-इरायम् स्वायान्ति । द्वीयाने स्वायान्त्रीयाने साम्रीयाने र्रेवा इस्रका क्रीका तुवा प्रदेश केंद्र रेट से रेश से तयद प्रका किंद्र से का त्या र है । तुवा प्र वस्रकारुन्-वृत्यःसेन्-नृत्युर्द्रास्त्रा नेन्द्रास्य स्पर्नास्य स्त्रीत्वास्य ने स्त्रीत्वास्य स् श्रेषाःषीःचक्कुन्द्रायःध्येदःचेरःश्रेव्यःधेन्द्रायःध्येद। नेषादःचनेद्रायःश्ली सःवीःधनःदरः ने सूर्येवा ने देवे द्वीराव प्यान निवासिक स्थान होता विवासिक करा है। व्रेन कुं यान्यो प्रति प्रमेश याहेत न्द्र न्यो प्रति व्याया प्रमेश प्रशासवाया कुं इस

यगाुद्र-तृःवायः के:वःभीदःया नवो:वदि:वीवायः से:दे:प्यटःव वटः से विवादवीयः यः योर्नेवाबाहार्थों प्यटादबार्खायीत प्यटाहेबासु प्रमुवायबायदादी यारेदा ग्रुवः यद्वित वहिनाय द्वीर नीय। नक्ष्मन यंगुत द्वी प्येत प्रत हेनाय प्रवेदीय। क्षिय. तुः द्रअभः द्रवाः व्यः यहेवः यरः यञ्ची । हिः सूरः अखः व्यः व्याव्यः सूरः द्रु। वस्र स्रम नर या वहेत या ने प्षी हेश सुरवर्शे विशानस्र स्थाप यरः र्बे्स्यःयः याश्रुसः क्चीः पक्षुतः क्चाः प्रस्तिः क्चीः यात्रस्य स्वर्धाः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः wr.रचा.तपु.मुचा.वयाचश्चव.वीपु.लूच.भव.म्बन्धय.कर्.लप्.रवेच.री.हूचायातपु.सु.री श्चेरानु:न्यायःयळॅदःहेन्:गृदःख्दान्दःदेःचेच्यायःच = देःयेव्ययःयःश्चेयःहेयःयः त्वींवा व्यवस्थिता विवा त्या यहेव द्वींबा दे यहेव व द्वींबाय पे प्यवे द्वींबाय प्रें क्कि.चोर.क्की.प्र.या.ता.तापुर.येचाया.पीर.पे.व्र्य.रेथ.रेथ.या.प्रकृता.ची.क्रिंथ.तया. यार यदि त्रयाश्चर्य विया भेर्न् वे रेन्। ईत न्व क्षेत्रयाश्चर ने र वेर स्वयाय वि रदः यः खूतः क्रुतः क्रीत्रः क्रीत्रः क्रीतः यो देवा प्योतः प्यादः देवः युत्रः त्यादः क्रीतः विवासीतः प्यादः विवासीतः प्रादेवः विवासीतः विव য়৾৽ড়ৼড়ৢ৾য়৽ঀয়ৢঀ৽৸৻ঽ৽য়ৢঀ৽য়ঀয়৽ঀ৾৽য়৽য়৾৽য়৽য়৾৽য়ৼৢঀ৽য়ড়৽য়৾৽য়৽য়৽য়য়য়৽ र्बेट दुराययाय दे यट र्ड्न द्व क्रिट्टे नश्ट रड्न दु त्र क्रू र न यीत लेश मश्ट रायायीता देते क्षेत्रा क्षेत्राया म्यान्य स्वर्धित क्ष्य स्वर्धित सालेत्रा स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित रःक्र्यान्यः व्रिजाः पुःत्त्र्रः स्ट्रेष्टरः वक्क्यान्यः नवोः वान्यः स्ट्रेषाः यात्रेयः विषाः स्पर्नाः स्ट्रेष कु: ५८: ५वो: श्रेवा: १६२: यो व: श्रेवाव ५: १वे व: स्वा: वश्व: प्रव: प्रव

ययायार्वेरावरानेयाकुनिन्वो वदीवनेयावाहेतायायात्रहेतायराहित्यारानेया यान्ययायान्ग्रार्योन्। प्राचन्याद्वीतिः ययाञ्चेत् । वेष्यानेयानुषाञ्चरः बन् प्रसूप या बस्या उन् द्वीत उ वें वा प्रते वें वा वसाया स्रोध प्रीत वें ते रेन प्रवें ते रेन। र्शेट्यायायुर्ययासुरद्वत्विषाणीवाण्यदासुर्वेशाचुद्वयायात्यायहेवाव। देवीणेवाहवा श्चित्राविति कुन् त्यत्रासुन् इतः विवा द्वात्रास्त्र वात्यस्यात्यः वहवा श्वनः स्रे न्यो स्त्रा बेदि ब्रिदु श्री मार्ट या श्रीर खेट उदा ब्रीश श्री द्वा यक्क द्वा यह में द्वा यश्रीर यश्चित्राची सूर्ट वियाद प्रदेश केन मुख्य मार्थेन कुन्द में प्रदेश या की या या या स्वास्थाया हेर्मा क्रेंन्यदेन्यकेंगर्वे न्यानेत्रिक्षात्रे हियासुल्यामाने यनेन्यायकेंद्रिक्षात्र्य नु: भेर : प्राया वि: भे क्ष्रयात्यः यम्भेतः व्याप्तः । विष्यः यस्ति । विष्यः विष्यः यस्ति । विष्यः विष्यः विषयः यस्ति । विष्यः विष्यः व यन्दा वहवाहेब वाह्रया क्षेत्रं वाह्य क्षेत्रं वाह्य बॅरिन्युटर्दर्स्स अभा विदेश रेनिश्च स्वाचित्र वर्षे वर्षे स्वाचित्र वर्षे स्वाचित्र वर्षे स्वाचित्र वर्षे स्वाचित्र वर्षे स्वाचित्र स् यद्या विषयमद्रम्याद्यायेषा यदःषाञ्चायद्वेष्ठा द्रवायद्वयवायः यहेव यश्चिषाव। । प्रतायर ध्विव हेषा स्टाया विदेश । प्रताय दे स्वाया विदेश । लुना वि. इसन् बुर रूप यामाना विनासना रव पर खेंचाना <u> २८.५ज्ञ</u>्चीम् अ.व.लॅ.२.चष्ट्र.खेट.वट.टे.खिट.वय.टे.४.के.पख्चित्र.ज.लूट.तपुर, द्व.खु. वेंद्र कु भू तु अ मिर्मिया योदा हेया मासुद्रयाया धीवा है। कु लिदा वदा दु विदाया दृदा यक्षानु कृत्रम्या शार केंद्र प्रया श्रम्या या चेंद्र द्रया की पा प्येद पा ने प्रवेद प्रदेश प्रया प्रहेद रगरा वि.च.र.कैयाक्री.झे.वयासेरा ४.च.के.यक्ष्यु.पव्यायावयासेरा डेबायबायबरामहिबामायार्थेदायदीत्यो सुरात्रा र्यामी सेन्द्रायायसूद्रा यदे वुःच न्दः रे च के ब 'षदः की वर्ने न्या सदः ये विदः कुः विन्य न्यो राष्ट्रा वुः वीतुः वीः योथ्याक्चित्रकृतात्त्रा योष्टर्ज्ञास्त्रीत्वेयात्याची द्रयायाची स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स प्रमुतः मुयाये प्रमुत्या युपाते । युषाते या स्रोत्रा स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स् बुद्दर्ग्याबेयायरावादकयादया बुः बययाउद्गीयादे यावरावदि बुँग्याया चर्मेश्रावश्राल्य्-र्येश स.सर.स्रे.जुच.चिर्येच.धे.उच्च्राचश्राचनंत्रश्रावश्रास्या र्देन'णर'वि'तुन'तुर्वेर। देर'य'सर'वीय'वि'र्द्धेन'य'वेर'देवाय'क्षेय'सुना'र्देन' षाम् योज्याः क्षेः स्थायः तयायः यद्भायः यस्याः रूपः क्षेत्रः । यः वरः रुः क्षेः तयायः यद्भिरः यदेः स्रीयर्था वैयः देवः सेवः भेः स्वरः यः विया भेरागार्थः सर्वेदः स्वरः देवः देवः स्वरः ययावार दया दुवा दुवा डेया वर्हेर तर्दवा केंग्या या सर वीयाया गीर है। या नर खेर बेयार्चेत् या पर्हेत् ग्राराया सरार्चे हे सेत् सर्वा क्रीं प्राया क्या परिता सेता स्वाया स्वया देव्यायदायादयदायाद्येव ये सुराहेदाव दे कुण ये राव क्रे लियायवदायया स.सर.सूर.कु.सं.योश्च.धे.योच.वेश.चर्त्री वी.सूर.वेश.योवर.वर्तर.खुर.योवश. तयर अर्बेन र्ये नडन् न वा अर्बे अवा विवा ता विविद्य प्राप्त वा शुःवि हैवा ग्रार सेन स्नुसा प्रथानुःष्यसार्वोद्दास्यराङ्गीयाञ्चायम्। रेवाःरेवाःस्रवेदःधेदिःद्वादःवाःरेवा डेसः योर्च्चात्रक्चरः खुवा द्येरः श्रीयया सःसरः धरः द्याः तस्र रव्या दे दे दे रवयः न्गुद्रायारेग डेबायहेर् डेटाने या वर्षा गर्वे गाळुदायसुराबार बारा या रहें स्रुट चेद स्रुवर सम्मान सम्मान स्तर्भाव स्तर सम्मान स्तर सम्मान स्तर सम्मान स्तर सम्मान समान सम्मान सम्मान सम्मान <u>लयःचोष्ट्रायसरःचोर्ट्रन्,नायुःकूष्यःमानेरःभारायाःचाचानायुःकूषःभार्योःप्रेन् कृषाःसन्</u>

गर्डिन द्वीन स्नान्याया स्मराधीताया केया हेया सुग्योन प्यती र उंडि उत्रायनिंग सुगा स्नापा स्वापा स्वापा स्वापा तर्ने तर्द्र या द्वा प्रकृते कुया भें जा या तें या ले या कुया भें राया प्रकृत या राया वर्षी यवानते ज्ञवानु प्यत् सार्सुन पति नयो ने खूर पता या नहेत तर पति यत स्वारा ग्रीभारदायाम्बर्दिन्यान्येरादासुमार्चेदान्चात्वान्यक्किते न्याद्यास्यात्रीत्राची स्त्रीत्वा र्हे नितः मुखान्दुः तर्मे स्विद् । सास्यदामी हेषाया मक्रुमा प्रषा स्टार्से मुखामा हैरी। राजायर या द्वीतराय यु प्रीती दे सुराव वर्षा या या पर वर्षा दे द्वारा या या या वर्षा वर वर्षा वर् ह्नेन कुं ने हुं न अर वेंदि नेंब गानव की तन्द्व या योग्या हेया रहा गावव व्ययया उन की र्ने के त्या प्राप्त के त्या प्राप्त के स्वाप्त के स्वप्त के प्राप्त के स्वप्त के स्वप नवींका नहवाकुने प्यरक्तियानदे नगाद भे नयर ये निकावित न सुरक्षे नये र दे हैं गाःवीःगाःवः यहेवः व्यावेरः युः यहवायः यः सूरः यहवायः द्वीयः यः विहेवाय। सुः यः यः यहग्रय:दुग्रव्हर:वड्। श्लिंव:य:य:यहग्रय:यापर:यर्केट:वड्। गस्द्रयाययायह्याकुः ने प्यराद्रराये यह्ययाद्रवीयायायहित्ययायहेत् क्रिं राज्या यहग्रथायाचेत्रस्त्रीत्। तेत्वयस्त्रेवानुतिन्न्यानेत्यास्तर्वित्रः केत्रितः विगार्स्यः प्रमेशः त.लुच.बु.च। क्रैज.च.प्रॅीट.कुच.तना र्ह्रेच.चार्नेच.व्यच-व्यचाया.वाक्ट.व्यच्.या योषु त्या व्रियः ५८ स्त्रेटः हे स्क्रेन स्यायः स्वायः स्वयः स्य ष्रकृतः श्रुप्ता । स्रम्या । स्रम्या । स्रम्या स्वाया । स्रम्या । न्देशनिक्षियो में म्यान्यानम् । भ्रायान वा भ्रायान वा भ्रायान वा स्थान वा स वर्षेत्। विभागस्य हो स्ट्रिंग्स्य विभागस्य स्ट्रिंस या विभागस्य स्ट्रिंस स्ट्रिंस या विभागस्य स्ट्रिंस या विभागस्य स्ट्रिंस स् रटः रटः वी विष्टः ययः ब्री तवायः ब्रेटिः सम्बन्धः ब्रूचः त्त्रटः र्ने रः ब्री विषयः मस्ययः उन् सिब्द यासाजन्। सात्रवितायमार्श्वेन्यसातन्त्रायासम्ब्रीसार्यम् सार्वानायस्य स्तरिष्

ब्रेंन ने शे ब्रेंन पति पेंदे के वाया अवश्वित शुग्रा कुन र्चेया वा विन परन् वयराः श्लेट हें केव ये प्रटा नेया रवा श्लेट या होता हुट पु त्वीया यदी खेव हव हिन्य रख्त क्षायः क्रुनः वायदवः वा क्षेत्रः नदः स्नृतः क्षान्तिः यक्षतः नेतः क्षेत्रः यीवसू नदेशने स्वारीः विषय्रोग्रयात्रम् क्षीति यहित्ययायात्रम्याक्ष्यातुरायोग्रयात्रीत्रुयायारेत्वेर केया थाधीवाधाराधीवाही हार्चे केदी कार्ने खाया क्षाप्तवासी हैन गुवान वारा वें। अक्किंदवाः सन्दर्भेतः गुत्रः द्वादः वें। ।दन्ने खें। सन्दे खें। सन्दे खें। ।दने पदेः यसेयामहेद हें द सुवादया । बिंदा वार्यम्य यदे दें द बेद विदाय । बेया মর্মিরা প্রধ্যক্রীপাশ্রীপার্ছ্রনান্তর্ম্বর্মানার্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মানার্মান্তর্মান यदयाक्क्याञ्चाद्रदेशाग्रीयातद्वादर्गयायदेशययाञ्चावाद्यात्यात्वात्यात्वात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्या মার্থুমা: ব্রুমার্থার ব্রুমার্থার প্রত্যামার মার্কুর ব্রুমার মার্কুর মার্ক্র ম श्रुयायते भ्रुग्वा श्रुग्वा भ्रुप्ति स्युप्ति स्युपति स्युप्ति स्युपति स्युपति स्युप्ति स्युपति स्युप्ति स्युपति स्युपति स्युपति स्युपति स्युपति स् यदैः वादः व्यवाः यः यङ्केः ५दिः र्द्ध्यः यङ्गद्वरः ५वीं र्याः वे । वो दः सूरः ५ स्वयः वर्गादेः यङ्गुः वः यह्र्यत्त्रत्त्र्व्यत्यावम् वात्र्यात्रम् वात्र्यात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम धीव या देट स्वर क्षेत्राया सर्वे द्वार स्वर्थ या क्षेत्र द्वी प्रति प्रति स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स् वर्त्ते दिन सहिन प्रवित प्रेन्यम् हिन्दि क त्रम स्मान्य कुरान्त सहिन यासहस वा इस्रायदे क्रव्यास्य मुर्भात्र प्रदे ५ द्वारा मुर्भात्र । स्याप्त स्थान यार वया रुषा वारा यो स्थान कर की वा मुंदि के विकास कर वा प्रवास का सुरा सहिए परि कः द्रथः क्षेत्राया अदेः यो अया उदः स्ट हिन् या नगादः द्वेदः के नदेः देया द्रथः यस्या क्षुयः ययःग्रदःभ्रुषाःयःभ्रेषःयय। भ्रेषः प्रदान्यः मुकाःग्रुषः ददः यहवाः व लट्रा विमातः इत्रस्य क्रुयः क्रूट्रिय्ययः ख्रुवायते सर्वेत्। विष्यः देते ख्रुरः याश्रद्भाने दिन्यम् नुपायदः स्यायः सून्यस् स्त्रास्त्रः स्रातः सर्वन् स्त्रेन् स्त्रः विषाः करः प्रवेशिवा वे साम्यादे प्रवेशियायाः सुराप्तुः सुराप्ता प्रवेशायां विष्याः विषया विषयां स्वीता विषयां स वर वी निवर विवास व्याप्त विवास र्ने व त्या अविषाय। व स्त्रे व स्त्रु व स्त्रु व त्या श्रु व त्या स्त्रु हेर्यायायदुः वर्षः वर्षः वर्षः या श्रीट्याय। १ अययः श्रीटः यीः वर्षा स्त्रीयः याः याः यीयः यद्गेश.क्षेत्। क्रुॅन्.तपु.बर.वथ.क्रं.क्रूयोश.क्रुॅन्.त.योवय.तव.रट.पर्रोज.य.क्रेंट.ह्रंश. यानुत्यः चुःत्रदेवः यः स्रो ने स्वः युद्धः प्येवः प्रवः यक्कनः प्यवः वियाः प्यवः नवीं यायः गर्यस्थायान्ता नेति स्रेटानु चर्चुनायति चित्रास्त्राच्याके वान्दर स्रेचित्राके लिटा चुः वा क्षर प्राप्त अद्वित केत् येदि द्युत्र कीत् क्षीर र त्युत्र वा प्रति यय। प्रकृत या वा क्षेत्र प्राप्त का ल्रेन्द्रम्मार्था क्रीन्द्रम्मा सुनान्द्रम्मा स्वीतान्द्रम् स्वीतान्द्रम् स्वीतान्द्रम् स्वीतान्द्रम् ववृद्द्रः भ्रेष्ट्रवायाद्दा व्रामार्विद्याद्या विष्याव्यात्राम् वद्देः क्षेत्र-देवीं बार्जीय व्यापित हेवा नवा त्या त्या व्याप्त हो निष्ठी व्याप्त व्यापत व क्षेत्रक्किः क्ष्यायद्वेषः वित्याः द्वेषाः प्रवास्त्र व द्वेषायस्य यत्वाः क्षूत्र व्यव्यायदे ह्वायाः स्वायाः स्व ध्रदःचः ध्रेदः हो। क्रें या क्रुचः क्रुचः क्रुचः क्रुवः क्रुवः ख्रेवः ध्रेवः व्यव्याः ध्रेदः च्यवः व्यव्याः योत्। श्वाराहेरायावनःश्चीतः श्वारायते ह्यारास्य श्चीतः हे केतः रो स्वरायरायावनः देतः थार्भ्रीट्यायेन्यन् स्मृत्विषायान्यो प्रतिस्विष्या मित्रे स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा ऀऄ॒॔ज़ॱय़ॱऒऀॺॱॺॱॻऄॗॺॱॻॖॱॴऒऀॺॱय़ढ़ऀॱॴक़ॕॺॱऄऀॸॱक़ॕॸॱॻॱऒऀॺॱय़ऒॱॸ॓ॱऄॱऄॗॱॻॖॱॿ॓ॱॺऻ षदःगुवः सिद्धेवः दिद्देण व्यः श्चीदः वीवा । श्वरः ने ः विवः दुः के ः देण वः नश्चदः यतमा ।यक्षेत्रविकाक्ष्मकायरार्ट्यकायते हिरावुर् । विकायकारव्यकावुः योष्ट्राज्ञीय विद्याल विद्याल विद्या स्त्री स्टर्स स्त्रा स्तर्भ स्त्री स्त्रा स्त्री याश्रुरमाने। व्रमाने पतिष्ठा दुर्जे देवामा प्रशुर पायाश्रुर दुर्मा व्रमाने देवि पर वी. देवार्था वि.च. वार्डे. वृद्रः प्रचंदः चर्यः देवार्थः ५ अर्थः श्रेः प्रच्याः प्रचः देवार्थः श्रेः ५ अर्थः पदः द्वाः याने विर्मा माने विर्मा के विर्माण के विर्माण के निर्माण के निर्मा ८८: मु: अ: लेवा : वी: र्कुवाया : वहें व : कुं वार्के विं या वा हें वाया खें वाया खें वाया खें वाया खें वाया खें पदिः कें अपदेश्व कुं व्यानम् सार्त्वे की महितानम् नक्षे मन् मान्य स्वर्धे मन् स्वर्धे स्वर्थे स्वर्धे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये <u> इ</u>ट.चं.टी इ्य.चयत्रायच्य.चं.चय्य.शुर.चिंय.ज.खंचात्रा विव्य.तय.ट्यूय. यन्दरम्बन्बर्भन्नः वदन्दर्देष्। देकेँब्रेष्ठ्रस्यस्यदेकेद्दुः वस्यस्यस्य वयानपान्यक्तिकेते केयापवर्षाया हेता है के के व्यापन वा तर्वा वर्षाया होता है व श्र्याश्राश्चित्र प्रदेशसुत्र रहेर्याश्चायवाद हिया यी देव त्या तुर्याश्चारा वर्षा हिराया द्याराया वर्षा यी। नु न भूर नु र कु रे क्वा र रे रे व देश न में र ने र र व व व र र व व व र र व व व र र व व व र र व व व र र व व व व मी अक्रमा मी या द्रवा या केंद्राया सुरा होंचा या दे हुंद्राया यद होंचा या यो दाया यो दाया दे हुं। नु'नक्षेत्र'भे'द्रत्यर'नासुरमा ने'य'णर'वैन'तु'य'नहन्यत्र'तेर'स्यस्र हो। र्बेव की क्वेत तर्वय कीया वें र वें र या हों र वहें या वा वा र वें र वें र वा भ्रुव भे अर भे अर महामान माना माना स्वाप्त माना स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त त्रुयः मृत्यग्रमः प्रश्नः अधियः नयः पद्धः स्यायः अर्गः स्यक्ष्यः स्यक्ष्यः स्यायः स्यायः स्यायः स्यायः स्यायः स सक्र नेयायात्रम्यादेवाचे वाच्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्या दवःयदःवीयःरदःक्रुद्वार्यस्य क्रुरःयरः क्रुरःवयः दवे दे दे ददः दे स्वः तुः धेवः वयस्य य र कुल हे के रु बेंद्र वा बार्ट्न पति र कुल उन दिन पति सुल वा सुन् तुन्द प्यार श्वाकुः भेरा भरत्वायः रे व्याकुरः व्याकुरः र्युवा प्रस्ता विष्या विषयः विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय न्ययः प्रथात्र विष्या श्री भेव । ज्वा यो । श्री प्राप्त । ঢ়য়৽ড়৾৾ঀ৾৽য়য়৽য়ৄৼয়৽য়ঢ়ৢ৾ঀৼয়৽ঢ়ৢয়য়৽য়ৢ৾ৼ৽ৼ৾৽য়য়য়৽য়৻য়য়য়৽ঢ়৻য়ঢ়৾ঀৼয়ৣঀ৽য়ৣ৽ঢ়ঀৣৼ৽য়য় कर्तान्ते तर्द्व हैं कि निर्वाचित्र व्यास्त्र व्यास्तर स्वाम्य के किंद्र निर्वाचित्र के किंद्र निर्व निर्वाचित्र के किंद्र निर्वाचित त्रमाश्रीबःस्वःत्र्वेदिःग्वव्यःश्रुःविदःत्र्वेत्यःदेःचयःहःसूरःसूग्याःग्रुदःस्टःचयःसूगःपदेः लूच. ऐच. २२व. खुर्चा. भूच. च. चर्हेच. भू. १३व. तार. चीर्बिट ली. चीर्बिच. की. चीर्चित की. चीर्चित हो जीर्चा नार हुन. जी. ब्याया हे स्वाया सहेत हेया स्वया स्या स्वया स्वय लूब.त्रम् अह्य.चर्षेत्राक्री.कूर्यातात्रा रेभव.त्रम् वेत्रमा.यहेव.तत्रा.शु. देभव.पक्री. ब्रेटा । वर्गाराययायायस्रेतायश्चित्राव्यात्रात्रात्राच्या ब्रुच त्य्यूराचा । दे ध्रुराचर्वा त्य्या वर्षेरा ब्रुरा च्रुरा यस्रेरा परा व्या । विया वर्षेर्याः यय। द्येरत्रत्र्त्रित्यार्क्षेत्रयाययायात्वेत्राण्येत्रत्। त्रायाञ्चेराययायावेत्रा यस्रेव य द्वा क्रिया स्रोता स् ह्मिन सामहित त्यम नु वित्याया ह्मा साह्मिमा त्यम त्या वित्या प्येत हिना सेत हिना धेव द्रमें या क्रेंच या क् बेशम्बर्यस्थार्भेर्द्रायम् दःक्रेय्यस्य दः याप्तिम्यदः वाद्यम्यस्य विष्याः विष्यः विष्याः विष् विया स्रीक् व योदः यो वेदः स्थाने द्वा वेदः देवा स्थाने वेदे देन। हे व्यू युदे वेदः या सुदस्य है। षर द्या पते क्रुका तु दुका क्षेयाका करि स्नावका वदी र क्रेट्र क्रुट्रे वे के या क्या दुका या हवा दु वर्केट्र श्रे हेन् श्रे हेन् यं केन् र्ये पीन हो। अद्यतः न्या पीन हन वर्हे र वर्ष ह्वा या त्री । सरमःक्रुयःगुत्रःक्षेःद्युवायःहःयःवेयः(वयय। ।वारुयःविदःयेरःयःक्षेुयः

नर-दुःमुःअःनश्रेदःय।

वञ्चवःयदेःश्वेदःधेदःकेषःदेषःवेषःश्चेद्दःश्चेषःइषःधेषःश्चेदःवःयदःवश्वेदः न्वींबाही वर्तायबाञ्चवायायवींबायेबाञ्चीयायान्या । विद्यावायवायायायायायाया न्या प्रेमायदिवायायया वस्त्रेमाय । वियावास्त्र प्राप्ता ने प्याप्त स्वाप्ता श्चीत् हिन् श्चीरा यन्ना हेन् या वन यदे यन् वेश यञ्जीन यम द्वीते । विदेश या सूत्र ही । तर्नु विषायञ्जेन प्रमानुही विष्ठा मुक्त मुक्त राष्ट्र । विष्ठा मुक्त राष्ट्र । विष्ठा मुक्त राष्ट्र । विष्ठा मुक्त राष्ट्र । नेयानश्चेत्यम् वुर्वे । प्रमोप्तदेयनेयाम्हेरायाञ्चर्याययाययादे तर्नेया यश्चेत्रप्रस्तुर्वे विषयाश्चर्यस्य प्रम्दर्भे प्रविषयः स्राधिक श्चेतायाम्बेराकुन्दा कुयर्देवित्रं रामुर्येदायवित्रं केदामुर्वेदाययानेदान्येदा यावर्गारा चर्ने वः मुः त्या न्या के वः से द्या स्वार्थः द्या चे स्वार्थः व्याप्त स्वार्थः व्यापत स्वार्थः व्याप्त स्वार्थः व्यापत स्वार्थः व्यापत स्वार्थः व्यापत स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः द्यःश्रॅटः वी ख्रुवा वस्या यथा श्रुवा यदि केट् ट्राव्यया दया दवी वदी विश्वा विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व सूर-तु-तस्रेव-दर्शेव-राधिव। नस्रेव-त्युवाय-ते-प्यट-स्रेव-याः वक्द-ते-तद्याः स्रेव-ग्रेशन्त्राचसून्यनेत्र्वःषदःष्येन्। ह्यन्यरःनुःत्वःस्रशःस्रेत्यःस्राधःस्री यात्रशः स्नान्यश्वर भी यात्वी यञ्च द भी प्यान्य या याया थी व रहा के यम या सुद्र स हो। से यात्वी द्यःतर्वः त्रेयः सुर्वः स्तृते खुर्या । त्राः सुर्यः स्वयः सुर्यः स्वयः सुर्यः स्वयः स् केंगः त्रुः द्वेते देते द्वार्या विवादया सुर। हिंदाया पर द्वार ह्वे वया द्वार हिंदा है। वयेता विषयमनेवराषराधेर्यमा गरावगावगवररेर्त्ते स्थायराधी इक् क्रुं केव में उक् पोर् दे शब्य राउद विषाद विषा यूर विषाय में विषाय है दिव वा क्रिया येव वर्ष्ठिया ग्राट्स की द्वीद सर स्थिया क्षु अद से निकाया व्यव्याय है। स्थाय विकास स्थाय है।

ष्णज्ञायर उत्र केंग्र ५८ केंग्र भेत भी ५ मी ५ में १ में ञ्चार्याके वो के व्याप्त विश्व व्याप्त विश्व ग्राम्यानुमाने विकासे विकास विकास मान्या के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स নপ্ত.বাব্রপানপানপ্রসূত্রিবার্ ক্রিমার্ ক্রিমার্ ক্রিমার্ ক্রিমার্ र्रायमायह्वायाविवार्दा वर्तेरायमायह्वायाविव युदामायस्वायमा तह्रमायान्दरावरुषाम्बुसार्येद्राया देवे ब्रह्मायान्द्रमायान्द्रमायान्द्रमायान्द्रमायान्द्रमायान्द्रमायान्द्रमाया चरुरायते:न्न्'यते:गुरुर्ह्येट वीयार्ह्याच्यायार्श्वेयावायुरावायवायातीन्द्रेन्ने ने ने ने युदेशातस्य स्वार्थाया है सामार स्टाया बन वाहिसामा तासन स्वार्थाया स्वार्था वर्देन ययातह्वायानेयामें तरीवे तरीने भ्रीतास्त्रवायास्त्रया श्रीने वार्यायास्त्रया स्वायास्त्रया स्वायास्त्रया स्वायास् द्यानञ्चर्याने रे.ब्रिवा क्रेयान्द्रा सरामञ्जेष वियानुयाम्। त्रिंद्र'च'यश थायहेबाब्याहेनायावर्षेयाहोनाह्या न्यायायायाच्यात्रायाच्या जर्भास्त्र स्त्रेर जर्मा होया ज्या ज्येर मुर्मा स्त्र स् वक्क्षेत्रः हेर्ग्यायः यद्भावः प्रदान्यः प्रदान्यः विद्यान्यः विद् कः नदः भेरित्व न तिर्द्धिरः कथा श्रेषा था द्वेषा द्वया द्वेन । यदः नेत्र उत् । ने तदः ने तदः ने तदः वाल्य वाहेश गान्त्रभुनते तर्दे द्या उदाधिद लेषा ग्रायुद्या यदायुदाया निष्ठा निष्ठ्या या से गठिवा प्येन यात्री वीट वी ने वाहिषा गा सापीत यदी ह्युत ये वा शुस्र उत्तर स्या नसून है। सेुदुरे सहसानवग निर्दे रेंदि रेग्या स्माया सुन् ने सेया या प्राया ने

<u> ५८.५५, खेळ. ५४. चर्चे १.५१ का. क्षे. इंक. क्षे. १५.५५, मा. ५५. व्याप्त १.५५, १५.५, १५.५५, १५.५५, १५.५५, १५.५५, १५.५५, १५.५५, १५.५५, १५.५५, १५.५</u> <u>२८.भधेषा.चे.पर्केच.ता.चीत्रश्चरता.चे.म.कूचा.चटा.कूषा.ता.खुळा.तायु.धेय.जुषा.क्षा.लटा.</u> न्नायरायह्यायायुर्वायया न्नायान्दर्भेयास्या व्यायान्दर्भेदाहेत्र्यया र्षेत्रयः भ्रेंस्यत्रः त्राक्षेत्राया भ्रेंत्रास्य स्त्रात्र्यात्र्यः विराधिराधेत् वियाधेन न्या सूर न्र व्यव यया सुरा न से वा निया या धीत है। यहीं से वा निया प्राप्त न याथया रेवायाग्रीम् हिन्ग्रीयान्वी मदीम् विषामाने साथा विष्याम् स्थापन श्चें प्राया स्वाप्त मार्चे प्रायम्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप भ्रीयञ्जाराञ्चितामाञ्चात् ज्ञानाम् ज्ञानामाञ्चला द्वाराप्त द्वाराप्त द्वाराप्त द्वाराप्त द्वाराप्त द्वाराप्त द ক্রথে ঐব্ ম ব্রি মর্ক্রবা ম কর্মা শ্লে ব্র থে ঐবা অ ম দ্রব্ অ ম ম বা মুমে আঁর্ ম ম। यक्ट्रियास्यावयार्केष्वयानयवायायदेःबिटान्यायार्थेव्यववयाग्रीवटावयास्यान्टरा रयामुः क्यूरायाञ्चा याधीव। दे धीवाया हिती ही सावाया ज्ञाया देशीवाया है या है से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त स तर्षात्रीदे वित्यान्गेव सर्वेना वित्याधिव यद्या अदया क्रिया वेता प्रदेश हे। व्रि.म.स.स.चे.पद्यंता विमामत्मा क्षेत्राम्म विमामत्मा विमामत्म अदः त्रुः साद्यीत्राः विदः वस्रकारु दः यी दे विदेशी क्षेत्र के त्रुः तुः दे दे विदेश व्याप्त स्वार्थ । त्रुः साद्याः स्वार्थ । त्रुः साद्याः साद् कुषाञ्च याळेषा १२ प्वविवाञ्च या द्यो वद्वा है। । गुवाकी हो दारी ज्ञाया धेव। व्रिः याद्यया केवः हेः दुःगा विषया गुरुषा देः द्वाः वीः वीः देवः हैः वृत्रः यीव लेव। यदया क्रिया श्री रदा प्रतिव त्रश्ची रापा से द्राया प्रति सामेवा स्थित श्ची केंब्राश्चायीवायाने त्वायायाया विद्याया विद्याय विद्याया विद्याया विद्याया विद्याय विद् न्ग्रेंब : सक्रेंब : चले : या सक्रेंब : ब्रांब : सक्रेंब : सक्रेंब

त्यमा विश्वतः द्वान्वयः पदः सुदः व्यस्य सुद्रः या स्रोदा विश्वेभः या व्यस्यः स्री स्राप्तः स्री स्र व्यायञ्चयाया अर्केन । डेयायया वेना या अरा विदायीया यहेयाय होता प्रविता हो। ने प्रवित्र मिनेवायायया वार्ड्र प्रवादार्च व्याक्तियाची मीदी प्राप्तु सुप्रयाययाया क्रिया तेर्-सुर-वानुवायते स्याग्रीयावस्नेत्वाग्रार-नुयाययायवायायावायेरसर्वेवा हु शुर यन्दा यदन्ते भुगानुदाया मह्माया वर्षे म्या महमाया वर्षे म्या प्रति । यमगादिः में या प्रम् विष्यमायमादि स्वीं साम्य स्वीं साम्य स्वीतः स्वीतः स्वीतः सित्ता साम्य साम्य साम्य साम्य स त्रम्भित्रात्र। श्रीतात्रास्त्रीयात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वाश्चीरित्वायात्रम्भारुद्वा र्द्ध्यः दुः व्रिंद्धः यदिः यद्यः क्रुयः यः वङ्गेदः वगुरः व्रुयः यदिः वर्षेद् ः द्ययः देयः योः वेषः ग्रीः ययाल्ययार्म्गानीयायहेयायायञ्चयान्वीयाने। क्षेटार्यायोदायदेवाहेटा वयाक्षेट ये उव क्षेप्त वय्यायेव द्वीयाव। व्यायाय्यायाया वित्रया हैन यञ्चितः नवेशियः भीत्। ने स्यारः स्वयायान्य स्यायः वाल्याः यात्वायः स्यायः स्याय न्वीं भारते। त्रास्त्रे भारत्या स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्व वाया हे त्युषा चेषा या बुषा व । या द्युषा ह्या या या या या या या या व व व । या व व व व व व व व व व व व व व व व नःरे.वु.न्वेंब्रामःधेव.हे। ज्ञायात्रामञ्जाया यातुवामःधिवाःवीवाः यहा विषाम्बर्धस्यापयार्थे निःसः तुति विषयार्भेग इसायाम्बर्धयाया हेता वया स्वाया नर्दः से सः यया गयुरः पदे वन नर्दः क्रुं केदे ने दिरं न् कुन्य मान्या नर्वा या यवरः श्रुवः यदेः यर्षे नः यद्यदः विषाः वीषः यहेषः यरः वीदः द्वीषः है। द्वेषः यदेः বাৰ্ষ্যব্যাধ্যাবসূবা্যাধের বাব্রামান্ত্র অস্ত্র অসাবার ব্রিমামান্ত্রিবান্ত মিনি স্ট্রী

र्बेर्व तर्वेदि विन धेवा यद्वते लया युरा

यश्च प्रति प्राप्ति प्राप्त स्वर्थ स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स

য়য়৻৴য়ৄ৾ৼয়৻য়ৣ৾৾ৼ৻৸য়ৣ৸৻৻৻য়ৢ৾য়৻

देः प्यतः श्रीयः त्वः या यस्त्रेतः रुष्यः ययदः त्वयः ययः द्वेषेट्यः स्त्रेतः यस्त्रयः ययदः यः त्वी ने प्यतः नवीं त्या ह्येन के त्यून प्रमुच नवीं या लेखा हित प्रायकेषा त्या प्रहेत प्रति प्रति प्राय ५८। युर प्रशासे में वायुर या रेडिंट प्रतिमा । हवा हु रखें वाया परि हुं रूपा र्ट्-अर्क्र-इन्। अर्भु-द्याः सेन्-प्रकाञ्चाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर क्रून्व पत्वायायाये भेव नियायाया कर्ष्य स्वाप्त विवासी विव वर-र्-वर्ड्-व्युवावयावर्षयायविवार्-रर्व्युन्यावदेवायाविवार्चेन-नर्वोत्या हे <u>พरःवाद्यात्र्यायात्र्यात्रात्रात्रेत्रात्रे स्थितः विषाः विषाः विषाः विषाः तृः वर्षयः द्याः द्याः द्याः द्याः विषाः विषाः तृः वर्षयः द्याः द्याः विषाः विषाः तृः वर्षयः द्याः वर्षयः विषाः वर्षयः वर्ययः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्ययः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्ययः वर</u> चत्रुषा हे : भीवा हे वा तर्के या चाया वा वा स्वारं ने अर्द्धान भूषा स्वराय हिताया सूरा न भूषा स्वराय राज्य स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय यार्नेन प्रेन प्रास्त्र चुति ज्ञासाका वासान विष्यासारेन वापना सूर्या चुर्के वासन नुःतयद्यायायद्यायरः सूराश्चिः श्चुः त्युः त्युः सर्वित्रा सर्वेत्रा यद्ये रहे स्वेत्रा चेरा स्वेत्रा । स्रेहे सूर स्रे प्यट त्यूर पा सुर वा देवा त्यों स्वार ने विषयी । देवा वा देवा वा विषयी । भ्र.म.परेयायात्राचयात्राचरा । वरार्यभ्रेषायाचेष्रेयात्राचयात्राचरा । वरा सर-देवेट्स-क्रेंट्-पश्चन:यास्त्रवस्यायी । श्रिक्रान्देवे स्पर-देवायस्यायाः वर्ग्चा विषयमञ्जूरमायभेषा विरायरार्नुः सूनामाग्रीः सूनमास्युः सुनमानमा

त्यांचा वचान्वांस्य क्रीन्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य वच्च स्वान्य वच्च स्वान्य स्वान्य

क्षेत्रायाप्रदार्देशव्यायीयम्बर्गायाक्षेदार्ख्या

नमून है। दे प्यट केंबा या बुवाया स्टाइ के मुंब से बिदा बिदा प्राया के वरः ब्रीः ब्रेंकायातकवानानकृतायाधीताते। न्याकेंकावन्वानवे व्ययान्ति व्यवान्य व्या श्राचरकी:र्बेस्यायान्तरयाना हेयार्बेर्याक्यावेयाययात्विरावरावेत्रावी। देश'त्वुद्'चर्डेश'श्रेव'लेग'श्रेद'पते'क्रेव'श्चेश क्रेंश'पते'श्रे'शश्रुव'र्स्वेगशहेश'पर' ब्रैंद्रियायम्, भूदाया सेवायायम् स्वात्त्र्यायायाया स्वात्त्रायायायाया स्वात्त्रायायायायायायायायायायायायायायाय क्चिर.त्रा.चर्नेत्रा.तत्रा.कृत्रा.त.तकता.च.रेटा इया.कुर.झूर.धियात्रा.यावेष.तत्र.श्रीत्रात्रा र्ट्या विषयम्बर्द्धाः स्थान्या विषयम्बर्द्धाः विषयम्बर्द्धाः विषयम्बर्द्धाः यः केत्रः येदिः यसः क्षेः क्षेत्रः लुग्नायः तयः चुरः कुतः स्रकेगः हः स्रेसयः वश्चेतः ग्राटः। येन इस प्रविषार्से सार्चेन बिर विर प्रियं तर्मे गीय साम के साम है बिर सिर नदे सूनरा ग्रीया मान्त्र स्व देव महेर श्री ग्रुट कुन रोयय दर न्या न देव सूर हु। र्बे्बर्न्बर्क्ष्यात्यः स्रीः याव्यायात्रस्व याः धेवरिष्ठा यायात्रः स्वायाः स्टेश्चेयायात्रः ५क्कीयात्विरामाह्न देशियालुमाना न्यास्त्रीत्याराष्ट्रीत्यात्रीत्यामाना निराद्यास्त्रीत्यात्री न्वरः ब्रेन्वरः वले विवासारः। स्वितः स्वेन्देशः विवासी व्यासी विवासी विव यदे:रेअ:य:ब्रूट:श्रेट:इअ:८व:८व:ब्रूट:वी:रेअ:य:८ट:वी वेश:रव:<u>र्हे</u>वाश:यदे: रैयायार्बेस्याव्याद्वयाद्वयायराधीर्देश्यायदीर्विदयाद्वराष्ट्रीयायात्रीत्र्यात्रीयात्रीत्र्यायायाः नर्स्त्रियःयम। र्स्नुद्वर्श्वरे विवादिना स्टास्तुद्वर्थः यद्वर्षः यस्य विवादिने यमास्त्रः सम वश्चर्यान् वर्ष्या विषयम् वर्षाः वर्ष न्मन्यत्यत्वरः न्दुः स्त्रुरः स्त्रे। यमार्गिया चत्रमायमा स्त्रीत्वः के व्येषा मुः स्त्रुरः यात्र ने स्त्राच्छि શ્રી અશુર્વ : શ્રું નાચા છેતા વા કર્વા શ્રી ના ખારા આવર ના તરી વા આ દ્વા આ વારે કર્યા શુરા કર્યા હ્યું અને કર્ય

यानुदः प्रयादिन् प्रदेशया स्थित प्रदेशया प्रयादिन । प्रदः सुर्भाया स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स र्श्वेर्रायञ्जा ।श्वेर्ययपेर्ययग्रहार्याय्ययात्रहार्यायाः रूट क्रेंब से से से सम्बद्ध | क्रिया हे दे दे दे प्रसास समान स्थाप क्रिया | विरा यास्ट्राप्ता है प्राप्ता स्वाप्ता स्वापता ठन्:ग्रीःग्रव्याय्यायान्। वेन्:ग्रयायायन्त्रयायान्यायाः सः प्रविवः प्रवे व्यापः प्रविवः प्रवे व्यापः प्रवे विव विवासिक स्वापः स्वा न्यार्श्वेषाच्यायायाययः सूरान्या केटा क्रुक्तार्श्वेषायाः सूरानययायवयाः योनायाये यात्यादेते देवादे साहेवायाया व्रें या व्राया स्थान स्य यदे क्रेंट क्रेंट दे खेंग्राया यहर ख़ूट नदे क्रेंट क्रेंट क्रेंट क्रेंच लेगा या यकेंग क्रान्त हो वययः उर् याभ्यः भेर प्येव लेयायदे स्वागीया तुर ह्यें वा से। वे रेंदि ह्यें र या लेयाया वनाः सेन् भीः क्रेन् पाः क्रेन् प्रदेशेन् प्रदेशेन् प्रदेशेन् प्रदेशेन् प्रदेश क्रिक्त स्त्रिन प्रदेश स्त्रिक्त स्त्रिक स्त्रि तर्ने त्युः यः यः ह्रें वार्यः यः द्वाः या वार्षे वार्याः यो वार्यः यो वार्य वसूत्रयाधिताते। क्षेत्रायाधित्रयाद्यात्रात्ते प्रायाधित्रयाद्या ॔क़ॖॱ**ॸ**ॺॱॾऀॱक़ॣॸॱॿॺऻॱॸॾॸॱॸढ़ॎॱॾॣॗऀ॔॔॔ॺॱॸढ़ॸ॔ॱॺऻॴॴॱढ़ॿॖॕॱढ़ॕॸॱॸ॔ॸॱॿॖॴॸढ़ॎॱक़ॕॴॱऄॖॸॱॹॖऀॱ त्विराधीयमान्वत्रात्राचेरमानामेन्यति हैन्यी द्वारा वित्राचित्र मेन्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त तर। देशः हेवा हाश्रायायुः तिविका चराले ह्या ग्रीरा ही तिविश्वार विश्वा विराद्यी:वीं प्युत्य:क्रिया:स्रात्याविषा:व्यायादीरत्य:वक्तरायादी:व्यायहेत:वत्या येरत्य:दरः या.लंट्याचिरं.शुरं.कुयातपु.कुयां.सैया.र्च्याची.वैयाता.शुरं.तरा.शुरं.तरा.शुरं.तरा.शुरं.तरा.शुरं.तरा.शुरं.तरा.शु वें शिक्टर पद तुर वें वा स्त्री तुर वें वा के राय सेंट तुर कें वा स्वा के रायर वें स्त्रि देव ब्रेन् स्रे बुर्यायते स्रिया स्रोत्रा स्रोत्रा स्रोत्या स

য়৾ঀয়ড়য়৻য়ৣ৾ঢ়৻৴ঢ়৻য়ৢ৾য়ৢয়য়য়৻য়ৣ৻য়ড়ৢঢ়৻য়ৢ৾৻য়য়৻য়য়য়৻ড়ৢ৾৻য়ঢ়৻য়য়য়ৢঢ়৻য়৻ र्श्चेव यय यय द्रद्र से से त्येव य स्वात् हो क्रिंद य वेद याद र से क्रिंव से से स्वार तत्। वियापया श्वीराश्वीरायायात्यात्यास्यात्रेत्याश्चीश्वीराया याकवाया बेब ये न भी क्षेत्र या वा बेवा वा या क्षेत्र या के रावा केवा वा वा वा रावा रावा वा वनुत्रः यः श्रेषात्रायः वाशुरत्रायः ने व्यानुः सः यात्रः यात्रः श्रेष्टितः यात्रे स्वान्यः स् বাৰ্ষাথান্ত্ৰাষাশ্ৰহ হে ক্ৰুন শ্ৰীষ্ট্ৰৰ থা বৰ্ষাষাৰ্থ্য মীন্ত্ৰীন ধম স্থ্ৰীৰ থা দিব দ্বাষ্ট্ৰ हेबार्ड्येट्-ट्र-से:बोस्ययायदे:हेब-ट्गार-संदि:द्या-म्बन-द्यी:सेवा-ट्ट-वर्ड-व-ड्बा दे ક્ષુય'ખઽઃકેંચ'દ્રેઽૄકેંચ'ગ્રીચ'સે'ક્ષુય'વ'ક્ષુ'છે| કેંચ'દ્રેઽ્'લર્રે'યચ'દ્ધુ'અચ'વસ્થુય' नुःगर्रोत्य। वियाययार्केयार्षेयायान् केयायवितानुः सार्वी यस्युत्र स्रियार्थीयाद्यः र्शेट-तृःवर्श्चे नदेः कुः होत्या उत्राधे केंशाया देत्व राकेंशा ग्रीका सी सुवा केंद्रा वा श्चेंत्रायर्क्टराकेत् ये उत्रायदी द्वा त्यराञ्चा यात्रायर स्वायर हिरायस्वता है । यदे सु र्श्वेर श्वेर वार्युय इयायर द्वायदे त्यया श्वेर त्या दिन यर यहं न द्वाये त्वेरा मर्शेयाचावनेवरायाधीतार्वे। । यदा व्ययस्वकैष्यसम्बद्धाविष्यं विराध मुर्। वि.क्रूर् लूजलर र्मा ववैर मुर्चित्र मेवा मुख्य राष्ट्रर लर लूव भेव. उत्तर्भुक्षा | स्थित्वादि स्वराह्म स्वराहम स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराहम स्व वर्ष्याक्ष्याःम्रदःद्दःयं वार्द्धवाद्वियवाक्षीः वङ्गवाय। वाह्येवायवाहितः देश वश्चवाया व्यायुर्याययाः वेयारवाः क्षीः वश्चवायः प्रदाः तवायः वदः हेयः श्चेष्वः वश्चवः वयः नसुनःगशुअःश्चेःश्चेःशस्तुरःश्चेंग्रयःथशःश्चेंग्रायरःसुःशःथःग्रशेवःयःवदेनशःयःधित्।

देः परः। वरः यरः वर्कः परः वावयः वीवा वेरः यः श्रेद। विवाधयः स्वाधः वर्षः यः चित्रयःग्री:पञ्चपःयः सम्बन्धः श्रेटः येययः दृदः च्याः दय। यटः हेदः दटः यरः दयः वक्रीयरावेश्वराष्ट्राचावश्वर्यात्रास्त्रींवाश्वाचीश्वर्यात्रास्त्रा वाश्वराद्वराप्तः बैंवा गांक वेंद्र अर्बेंद्र वार्शेवाय प्रदेशेंद्र स्यावेंद्र अर्बेंद्र सेवाय वाले कवाया श्रेश्वरायस्त्रेरावाधीः दुव्यश्चातुः तृत्रदा सूर्वायाः केरायः केरायः विद्यास्त्रायः स्वर्थयः स्वर्थयः स्वर्थयः सेन् यदे नस्य मान्त न्द्र व्यान्य द्रामा भेट वित्य मान्ति सुदे थट के प्या कःचलवाःबः प्यदः द्वीदः ध्रीः देविः चीवः केवः विवेदः स्यः व्यः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः प्यदः। ५ : दुरः ध्रीवः कदः विर्मात्राम् अवव्यामुविष्यम् । त्रिम् प्रमान्यम् विर्मात्रम् । विर्मानम् । विर्मानम् । विर्मानम् । विर्मानम् । वर्ष्यार्श्चेत्रन्तुः अर्वेदः वर्षः श्चें विषाद्यः व्याप्तया वर्षे रः सूदः स्वेदः स्वेदः स्वेतः स्वेषाः याः २.२८. ध्रीय. १. त्यव्याया या देवा यी द्वी. या सु. तु. ५८. । व्यव्याया सुद्राया स्वर्ता प्राप्त प्रमाण्ड प्राप्त मुँय। विवास वर्ते स्वापास विवास वर्षे मस्त्रा साम्र्या साम्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व र्न्धेर्-श्री-भेशन्यान्द्र-इसायराज्यान्यान्यार्क्याः ह्या पतितृत्वे सामाने विकास हिता बिटा। व्रेंशयदे पेंद्र हत्ये राष्ट्र यह क्रुन यह वीषा भीषा भीषा यह पेंद्र हत्य क्षेत्र। ८८.८.वु.५.के.वे.खेब.लुब.लुब.च्यायायु.याद्य.याद्य.ट.क्व.व.क्वयाक्वयाक्वराच्याया विद्यायते द्वेयाय उत्र श्ची यद्वा वित्यते त्र यी सुवाय वृत्य व स्वा भार्यातर्ने त्यमाञ्चा समाप्तस्य । विभान्तः सुराप्तस्य सामान्यरः श्चेन व सूना यया सी प्रव त्या प्रव प्रव प्रव प्रव त्या सिन सुन्य । रवश्रह्मश्रश्रह्में वित्रहरा । । र.क्चित्रः द्वा ग्रह्मा । देशः यास्ट्रस्य याद्र देव प्रतिव प्रायः भ्रायः भ्रायः भ्रायः भ्रायः भ्रायः स्वरं प्रतास्य स्वरं प्रतास्य स्वरं प्रत

उर् भुक्ति योर प्राया श्रीता के अपने स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स ने यस वुरावा भेता यस ने सुन्तुते न सुर्सा वेदा सुन्ना सम्बन्ध स्थान स्था यमयामुक्रमाञ्चासम्बद्धारम् । कुरानिसमाग्रीम् । हैरारे वहेंत्र क्चीत्युषा नेषार्या मित्रा इस्रा इस्रा दुर्या हु वार्ष्य विषा वार्ष्या या विषा या प्रीता विषा वार्ष्य विषा वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष वार्ष वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्ष्य वार्ष वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्य वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार वें। । यदः क्रिन् वर्ष्य वर्केर यदः वर्द्दः वर्दिवे वात्र वार्जेर क्षेत्रका । प्रतिन या सङ्गेनः क्षर प्रदक्षितः भेर खेर प्रदेश । विषायर श्रीष्यर क्ष्येश श्रूर सालेगः पदी व्रिंश मक्किन पदि प्यास स्थापन रेयायायवित्रानुः यञ्जयायायुर्याश्चीः श्रीः सञ्जता श्चियायाः स्वितामानः रेरोरेयायसूत्रात्रयाने व्यया मर्ज्जेन।यरम्बेर्यायायनेवर्यायालेन।येन। देःस्यरम्बेर्।वरत्रेरस्यरायनुत्रहेतेः यवर्ष्यस्त्रेर्यसम्भा विषयः प्रकार्यस्यः विस्वराश्चीतस्रितः प्रदेशः सम्बद्धाः स्त्रीयायः स्त्रूरः व विनःस्विषा रेवाःयःहेवःहुरः। इसःहेवाःवसुःक्वेदःवेषःवासुर्यःयःसुरा रदःक्चें पुत्रः क्चें क्वेतः वर्षे देव वर्षः क्वेतः कवाः क्चें विवाः वीवाः देनः ववितः यः वर्षे दः वया म्र्येट प्युत्य त्र म्रीका वका म्रीवाका स्वाधा व्यविष्य स्वाधा स् यदे वे राष्ट्रया की खें वाया था के रावया विद्वार की सम्बद्ध के प्राप्त की या विद्वार सर में सक्रानु तर् विर ने न्या वा सेस्रा क्री स विर हिर <u>से</u>र प्रयादिस स्वादिर । यर चेर्पया तह लेया रे स्मरत्योय छीत स्पर्पाय स्यानेय स्वानेय स न्वरानुः स्ट्रीयने सूवा रे सूँ सान्दायने वासेन स्त्रु सारी पर स्त्रीया पीवाया से वासार यदेव लेव । अ त्यव्य ग्रीय लेव केंट क्याय वय कुय । वयय यद सेंद्र यावय । क्रींद्र या श्रें र म्रे दे तथा स्रें र प्रत्यास्य प्रत्य त्र दे त्र हैं दर त्र होता प्रते हे ते वा शुक्रा सहस्य स्रुवा ही ।

यवरार्श्वेराविराकुंदरा दवेवायायहेवाग्यरापराकुंदाविराष्ट्रियारेरया विषा त्रमान्त्रेयम्भ्यान्त्रेयात्रदेश्वास्त्रम्भ्यायसूत्रम्यान्त्रेत्रम्यान्त्रेयान्त्रम् क्रीमान्यास्यानसूर्वयाप्यत् देरामस्र्रीयात्यान्यास्य स्टान्राम्यायान्यास्य यङ्गेत्र या श्रुपायम् । बोस्यायन्या वहेत् व्ययान्येत् परिनेत् स्यान्या स्याप्या स्याप्या स्थाप्या स्या स्थाप्या स्था स्थाप्या स्था स्थाप्य स्था स्था स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था स्था स ह्यराष्ट्ररातुः हेन् सेट्यायदे द्वराद्वर् द्वरात्या यया सु: तुरावा सामिताया स्वरास्त्रीया क्ची:लज.ची:क्षेत्र:प्रट्य:क्षेट:क्ष्मेंची:क्ष्रट:चयु:वीवट:क्ष्में टज:च:ट्रेव:क्षेट्:क्चीवे:ब्यावीय: पश्चित्रप्राक्ष्मित्रुत्। । यद्भुयायरञ्जायरञ्जायाञ्चरायाविषायदे। । विषयविषा रवायी वसूवायदे शे सह्र हिंग्यावसूत है। हिंदे ग्राव हुंदि तह समेदि हुंवा वहेंस यालवः क्रुन् प्यराधायन् व्यापदे न्यापदे के क्रिया स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स वयात्ररः क्रिट् क्रीक्यायास्ट्रर वाः याः भया वाः याः विवाः यत्रः स्त्रिट् याः वास्त्रितः स्वाः वीः यादे याः स् बुग्रयः सृत्यु केर्यः पक्किरः दर्ने : ययः सुः स्ययः पङ्कियः पुः प्रवेशः । वियः प्रयः यह्माह्रेष क्षेत्रेळ्या मक्किरमार लेखा हेराया महेराया मामाया महेराया म व नवाद बिर ने या कवाया वया ने नेव नुवा हो या नेव सेवा सेवाया सेवा तः र्रेया यक्ता श्री श्री वार्षेत्र तार्श्वेत् तार्यक्षेत्र विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र विष्ट्र वार्ष्य विष्ट्र वि सलामदिः वादः त्रवा वीत्रा देवः वाहेर हो द सुः द्रायदेः क्रेंत्रा वात्रा व्यवा व्यवः श्रेंदः वदेः क्रेंत्रः वक्किन्धें तर्ने व्यवास्त्र स्वाध्यायस्त्र व्यव्या तर्ने इस्रवाययास्त्र स्वाधित स्वाधि श्चिन् सूर्वा रें क्रें यान्य स्वयं उत् यी नवाय यो नय यो निर्म के से से सूर्व या स्क्रीन यर सहिन्दु वार्षेय लेख वार्षेय य तदेवय य धीव ही । दि वय बस्य उद्धी सह्या मुगार्थे वा तर्ने नर्था पति देव प्रस्ता वि विश्व विश्

रुगर्सेवा विस्तु वर्ष वस्य सुरु रुप्तु रुप्तेवा विस्त्र म्यास्ट्र राज्येवा विस्त्र म्यास्ट्र राज्येवा ने प्यर द्ये द्ये उत्र क्रिकेंग अर्द्ध्य स्याम महिषामहिषामहिषा क्रिक्त क्रिक्त स्वित्र प्राप्त वित्र प्राप्त स्वर वदः श्रुवः षरः इतः दुः वार्षेवः लेषः वार्षेवः वदेवषः ग्रीः देवः वसूः वः धेवः हे। विहेदः वर्ष्यावरीयमा ब्रियामा विषयमा महित्र महित्र मिन् यहेरा अर्द्रवायदेखयायस्या श्चेत्रीयास्यावहरा यदेस्वावीर्वेशः क्चेंत्र हे नन्या हु त्रहेंत्र यदे गहेन् त्र झ्या अन् न्याद न हिया गीय हेत् त्र य नया क्याया सू क्रियाया:क्री:क्री:व्यया:क्रीयायदी:याहीद:क्रींको व्यया:योद:विव्यय:विव्यःक्रींव:क्रिंद:क्रींव:क्रींव म्बेर्न्, नु: पुर: न: न: नु: प्याद: या ने न्याद विकास के ने स्वाद के त्या के ने स्वाद के त्या के ने स्वाद स् चै.चयु.चयरा.चेया.चै.का.ट्रांचि.कक्या.यीठा.चर्नेच.धै.याक्रुजा.खेठा.याक्रीट्रका चि.क्रीच. यर्न व्यया श्रुप्त र प्रमुद्ध र प्रमुख्या विषय प्रमुख्या स्वाप्त स्वाप योशियायपूर्यायपुर्यायद्भ्यायराष्ट्रीयातूपुराच्चायीयायपुराचित्रायीयायपुराच्याया <u>ॱ</u>ॷॱॸॖॖॺॱॺॶॖॺॱॺॱॸॸॱॺढ़॔ढ़ॱॸॖॱॸॿॖॸॱढ़ॺॱॺॺॱॻॖऀॱॷॖॺऻॺॱॾॗॣऀॺॱॺॏॺॱॸॺॗॺॺऻ र्षेया.यर्जिता.क्री.जैया.य्रीया.यंयात्रया.क्रिया.यर्जिता.क्रै.क्र्यूयाया.तपु.विश्वया.या.क्री.ता.ट.य. वर्दे अञ्चित्रवर्ष्यायायेद्रायावद्गीवद्ववे यत्रायाः विषाः वी विषाः यववाद्याः वराद्याः योद्र-प्रतिः स्तुन्। त्यदः त्युः त्यूनः त्यूनः स्तुदः त्यूदः त्यूदः त्यूनः त्यूनः स्तुदः स्त्रेदः स्त्रेदः स्त न-दर्भम्याः इत्रम् विक्रायदे में तयदाया तर्वेद्याय सहित्तु म्येवा दे सूर श्वायाहासुनयात्रीयाञ्चेतायाययात्रीयहेरासुरान्ययायात्रीत्त्वासान्यायात्रीत् बुं खुंबाचाबीरकात्तपुर त्यां देता देवा सूचा बाही तक्षिरकाता दे त्या कर सीका त्या के व यक्षित्र प्रस्तेत प्रति दिन ने स्वर्ता प्राप्त प्रया ने स्वर्म्या सा केत्र देश से प्रस्ति प्रया मी क्रेंब्र तर्मे तर्मे त्या क्रमा अवतः य र दुः द्यो प्रति केट या माशुआ बीया पर्वेट या ब्रया प्रवृत्

यायया वरावावाबुरार्ने वायायाय प्रताविका श्रुवा श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता श्रीता ८८ विष्युत्र स्रोत् वर विष्युत्त विष मिट द्वा रो ने तकन १६४ : प्रेंट या है वा या बेट या वा विवा वा वा वा विवा या विवा या विवा या विवा वयः द्युवः श्रीवः वदः चीः र्श्येवः तर्चोः नृगीवः सर्वेचा चार्युसः श्रीचयः श्रीचयः तर्चो वयः चयन् न्वींया ने रेर वी केंया विनाया बरावती यह प्येत न्याने वा विहास विकास वन्द्रपः भेत्रायादेश्यावस्याञ्ची स्यदः वार्तेद्राञ्चरः हो हेस्यद्वतः श्चेद्रः होत्रा व्यवस्या देॱ**षद**ॱभूवॱयःचबदःपदेःद्यःदर्चेरःह्नेदःदगादःयःश्रेष्वश्यःपदेःह्वे भूषाः इसःयःचित्रः नेयाप्रयाम्बर्धाः दिस्याया स्त्रीत्रे स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स श्रीमालेशमाति। स्रोत्रामात्रामात्रात्रात्रामा ने सुमार्यात्रामा स्रामा विर्याचायाधीन्वावावविक्रुं सर्क्ष सूवा वस्य भेर्नि समाभेर हे विराध वार पुःस्रुका क्षर-क्रिया-प्रकृत्य-स्रोद-प्र-विया-स्रोद-त्या हिन्य-प्र-दुः त्यो प्र-देया-प्र-विया-स्राप्त-विय-षरःविर्द्धशानेविर्द्धशानेविर्द्धवायावदीयासूनानीस्त्रुत्वनायात्रद्धस्त्रीयास्त्रीया श्चित्रः भ्रीति भ्रास्त्रे स्थानित्र क्षुं स्थानित्र स्यानित्र स्थानित्र स्थानित् स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्था श्रेव प्रति तर्त्वे राष्ट्रिय पर्द्या व सूया प्रस्था या हव व या से द प्रत्या सूया प्रस्था थया बर श्रेंट च बिवा थ पर्वो श खें ब न्वों श नुश्वा ने वाट धिव च सुश वेंट कें बुट कुव याश्वा की वी तयद दे भी देश देश देश की वा निवास की वी तयद था ही वा निवास की वी निवास की निव पर्वेज.व.सं.मं स्थाने त्राचेत्र भीता भीता है. यह स्थान है. यह सामा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स भ्री भ्रीत्राप्तरायात्र विष्यायायेत् स्रोत् यदःजयः भवः नयः अवियः व्यवस्थाने । प्रेस्ट्रें स्वियः विवादि । स्वियः विवादि । स्वियः विवादि । स्वियः विवादि ।

यासुसारी दुर वद्भादवीं दे दिये र दाविद साम दे प्राय दे प सदिगिहेन्से के सुर्वे त्युर्वे अरुष्य स्वरं विवादि । कुर्या से प्रते पर्वे प्रदेशिय वर-र्-ुकुर-श्रेर-पर्द-विस्तुन-पर्द-प्ययाचर-चर्या-विया-विद-द्वीयान्। वर-श्रेर-पर्दः रात्राचने च के प्येन् केरा नेते चने च प्येन् या केरा कुने प्या बरा चति यत प्येन् विरासा चरुन्दे भूरानु चत्रवा पर्दे वराया न्दा यो हुन वेदेशान्या चर्डे सान्दा चाहिराया रहा कुराया रहा कुराया न्या पर्वसास्री ने प्रिकासित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व यदः मेवा यद्या यदे क्रु यर्द्य हे लेवा रदः देवः यदः मेवः क्रिक्यायः यदः सेदा यास्रोयसाउत् वस्रायाउद् रश्चित्रीत् सूना साद्या स्रोधायाउत् वस्रायाउद रथा स्रीत स्रोधाया यामिवियायम्। रटार्नेन वियने र्नेन पुरामिकेरान्या सुरासे स्रेन मासुया की तकन छन <u>२८.जभावश्चरातायोश्रभाकीःशेषायाज्ञेषायेश्वराचेश्वरायायायाचीयायाः भेटः दृश्यद्वरादरः</u> तर्वाचा परि क्षेत्रा तह्वा ता बुवाया यया । वन्वा येन खेन पर विकार क्षेत्र हेवाया खेया ঀ৾ঀ৾৽য়৾ঀয়য়ৼ৾ঀৼ৾ঢ়ঀয়ৠৣড়৾ৼ৽ঀয়ড়ৢঀ৽ড়ৼ৽ঀ৾য়ৼঢ়ৼৠ৻ঀড়য়য়৽ঢ়ৼ৽য়ৼয়ৼ৻ঢ়য়৽ व.वर.त.लुच.त्रा वर.च.व.वर.त.पुच्य.चपुःचवरावर्थाःवरावराच्याः चित्राय्याः में विद्यान् विष्यायाः स्वाचन स्वाचित्रायाः स्वाचित्रायः स्वाचित्र केन वरायाक सञ्ज्ञ ही त्यमानान नाया केन निमान स्थान के स्थान केन स्थान है षर:न्**रु**क्षःवर:क्रुक्षःव:चुर:रुवःर्झवःपदे:वानवःवोवाबःश्रेवःश्रेन:रर:वर्देन:धीन:च्रेन: थाहै:श्रीन्।वास्राञ्चयाचाने:श्रीन्।नु:जुन्रुक्वाले:वाहेंबास्रायते:स्रम्साक्काःश्रीकींवस्य हेंवाः **बी:ब्रुव:यर:ग्रेंब्र्ट्या देय:द:८ व्येंब्र:**यद्वे:बर:यय:दे:वद्य:ब्रे:६द:हे। यालुर-द्रा यम योत्य-दमन यम यो हेर-गान महिन हो । विमाद वेर ही महिन प्राप्त महिन हो । यन् भेता ने भटाने त्यायमान्यम् याने स्वर्णा ने देवायमायानु यान हमयाये दारी दार्च वा वित्र स्मार प्राप्त के के स्मार के के स्मार के के स्मार के के समान के के समान के के समान के के समान के के के समान के के समान के के समान के के समान के समा चिर-केचाचार्रां अप्तेष्ट वर्षा वर्षा वर्षा प्रचार्षा वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा क्र-ालर.जैव.री.क्र्. चयु. ब्रथाक्र-राष्ट्रिय ता.ह्याका.तयु.वीर.क्रियाक्री.यु. यसर.री.यर्था. न्वीं भारते। अर्थाक्क्षाश्चीः सर्हन्या सेस्या उत् श्चीनेंद्रा य्या वाल्दान् सेन्द्रा देवै वी तयर दे क्रिक गान वर प्येन हन गान खन । अर या है वाया क्री प्येन हन क्रा या के स्मृत्युः अदतः वायीव स्यान्दा अद्विव वार्ष्ठे व्युषा वाश्युका श्ची स्पेव कि वर्षेत् स्रोदः स्या सदतः বর্ণনামদানাম্যুমারী রদ্ধান্ত্রার শ্রীকেরি মার্থী বর্ণনাম শ্রীমারী ব্রিবাধর দৌর্শী করি বা तपुरच्यायः २८ इस्य प्रह्मा मी प्रस्नेष प्रकृष प्रमुख प्रमुख प्रस्नेष प्रमुख प्र याने त्या बरायते त्यव प्येव प्यसूव या तरी प्रवाणिक। नेते स्वीरा बराया यव प्येव उव । विवाधिव यानेषा नेति स्नेट तु वरावति वी तयर विवादीन की सुने वाराधिव क में द्रमें या दे में द स्रुवाद केंद्र में दि त्यया वा लुवाया द्रया यह या क्रुवा में विद्यह र्वेत य प्येत दुर्ग र र र्वेत्र र्वेत्र र त्या यञ्चित त या यञ्चित या रेट य रिया यञ्चित र त्या श्चेशन्तुः केत्रः र्यदेः त्यायाः वत्रायाः निषा वन्याः श्चेष्याः निषाः नि र्वा यन्ययायर मातः विषान्द सुवाः विषान्ते या यन्या ने प्यट सुवाः विवाया केत यं बेर नदे क्रुं अर्द्ध में क्रेंन्य केंद्र ये पीद पदे क्रुं यर्द्ध क्रीय पीद। में क्रेंन्य है के रदः देव के कें व कुद कुद लेवा या वस्र संविदित द्वाय से वाहद पर ले'वा योबर पूर्व क्रिक्रुय मु.राम्बर लग्नानपु मुग्नाम उर्व योश्या क्रिंग मार मु.राम्बर क्रिंग मार मु.राम्बर स्थान मु

षाष्ट्रायोथ्ये प्रमाण्यात् स्थान्या मित्रात्त्रा स्थान्या मित्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् व्यव यदि यम दे या श्रुभाव केव यदि यम लेका ने रामवा दे पीव व श्रुभाव केवा र्येते त्यस ने त्या गुत्र ह्येन हुन हुन ही स्थेसस निम्म निम्म हिन हो हिन स्था कःसञ्जा देःवः पदः देदः वसः हेःवसः सुदः वसः श्चीः श्वदः यदः पदिः हेराः वासुदस्य देः पदः देदः ययः देः र्केनियः निष्या हेः ययः देः वश्चेदः हेनिया सुरः ययः देः र्हेवायाक्षेत्र नर्हेयामाबिदि विनामासूर न्यानमा विवायाकेन नर सुतामुन विनाया गहैराक्षेत्रं क्राहें न्या हें न्या में या सम्राधित है। सम्राधित स श्रूम्यायाययाययात्र्यात्रुद्धाः देश्चित्रकरामी मित्यदाने त्यूवाया पेति वे सेत्। दे स्ररात वरायते यत प्रति क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र चित्र <u> नर्था वासून नर्था पीत्र यास्र मेश यस्य विक्राच वारेश वर्षु रास्रुका</u> र्षेत् 'हत् 'ठत' दु' सं 'वेर्यायया बर'या देत् 'वाहेर' श्री'वद्त्य'या वर्ष्कीद सं 'वेर्यायर। विराय वार्याय विराय विराय विराय विराय प्राप्त विराय विराय विराय विराय विराय विराय विराय विराय विराय बराय लेशाय लेगा भेराय नेशा कुरोशा सूरा यो दायी यो यो विताया भीता विताया यो विताया यो विताया यो विताया यो विताया न्देंबाखुन्देराक्षेत्राकेत्। नेदीययायालुग्वाबाद्यायान्यान्याचीत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा यद्रेरञ्जेनद्र्यायाया ययञ्चित्रययाञ्च्यात्रव्याचित्रवात्रवेत्रवित्रयायः व्यव्यवा व्ययायदी: भ्रूषा सूर्वि सी सूषा सूषा सूषा सेवा देव प्यायायादार वसूत्रः भी त्रेयायया न्नाः सान्यो प्रतिः प्रतेयायि सामित्रः स्त्रितः स्त्रेयः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्र नेविःसूनकाः श्रीकान्नो नविः निष्कान्ति निष्ठान्ति । त्री श्रीकान्यो । देवे बिर-दु-द्वो प्रवे र्श्वेषायाया प्रस्ने क्रिया द्वार स्थ्रेषा प्रवे र्श्वेषाय विष्या स्थ्रिया स्थर स्थ्रेया न्वीं ने प्यतः न्वी प्रति प्रत

भ्रैवायते में वाया ने के वहवा व्यवस्थीय वहवाय स्थान भ्रेत व्यवस्थीय वस्त्री श्वर व्यव राष्ट्रीय या देवा या श्वर या त्रा स्ट या वित ख्रीय के या सर मात श्वे। यार्टे साथायत्त्र क्षेत्रा क्ष्रा विदार प्रायक्षा यसास्त्रा त्रा विद्या प्रायक्षेत्र । यः श्रेयः दे। नगरः श्रेंगयः श्रेर् अर्द्धेदः वश्रेरः देः देगः वश्रुरः ने वययः दुया नर्रः क्षेत्रा क्ष्रा वित्राद्या नक्षायाद्या नर्ता नुष्ठा श्रीया श्रीया श्रीया निवास वित्र स्था व वर्त्वरःक्षेत्रीः द्यादः वरः द्याः देवाः द्वेदः वे रेदा देः क्षेत्रः धेवः दुषः केवाः वरः कदः द्वेदः वै। धुःनर्वेषःचुन्वेन्वेन्यःभूम्यःर्षेन्रःक्न्याम्यद्गः ब्रिंग्र सं धित निया निया धित। देते धिर द्यो प्रती प्रति या केत प्रति स्वा द्या श्चायः कुन् स्वेदः हेयः यादः या लेवाः धेवः शेवः यसः कुः यायः के लेयः यायुद्या क्रिंट.ज.श्रीट.इ.ज्रेट.व.क्र्य.व्र.जेंट.जाक्री अक्ष्य.व्र.जेंट.प्र वर.जंश.क्रेंव. यदि यमेश माहेत दें या लेगा रेट बेर मेश दगाय या धेता वेंत् सार माई के या रट था बरायसा स्रेतायदीय अवस्थी प्रतीय दिया में किया में के प्रतीय स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत यर्हेवाया कुलावस्या कुलावस्या कुलावस्या केता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्य श्रेव। दे.चक्षे.देशूंश्व.वे.के.श्रावराष्ट्र.प्रता ग्रा.ज.चर.तक्ष्रश्राश्ची.ज्येग्र यनेयामहेत्रःक्रीं विवायां लिया हेत् त तेया त्वीया या प्रीत्यायां प्रत्यायां वत् सूया यी रेत रेता

ञ्चन्द्रम् से नर्गेष्ठाने नययः स्थ्या स्था नर्सेन् सून्मिन्या से निवास বাধ্যমার্মির্নমার ব্যাদ্রা মর্মার বিশ্বা ক্রুমারীর মা এম सुःयः पदः लेका वासुद्रवायः प्रेता ५.५६ वा नुस्रवाद्या वस्त्रवा स्त्रवाद्या स्त्रवादः व्यव्दुर्या वाद्रयस्य क्षेत्रा विकासी विकास विका षर प्रवेश महिन प्रहम्भाय प्रति हिर तु हुँ र रूट हिन ह्यू प्रथा प्रवट पे हिना रेन प्रेन सेन रदः वदः यः चलवा वसः चल्यः दर्वोस्या वायः हे स्त्रेचः सः च वदः दे लिवा वी सर्क्तः हेदः वयः रदः वी द्वो क्वव वयः श्रेवः श्रेवः यः रदः क्षेद्वा यः रदः क्षेदः श्री श्रः व्या स्टा वी यः पर्डराद्रराथयायापविषाद्रविषादी सेत्। देखेरादाउट खेराक्के विषादी पर्वा नुःश्चीःवर्षेत्रायाः सूर्याये । ने वयायवेयाविवः न्यायः हेन् । क्राय्येयः यदे दुषः सुः सेषः गुषः वदः वेद्देन् सेन् यः विषाः गीषा है सहन हिन् वेषः ग्रीषः हिं वीरकाकोञ्चार्यायायवोवायाद्या ज्ञासकाकेषाक्षुरावीयावायकुवायादे द्रिका ग्ना वित्र होत् क्षेत्र हो देश के से स्वाप्त के से स्वाप्त होत् हो स्वाप्त होत् हो स्वाप्त होत् हो स्वाप्त होत् हो स ब्रैं र दर्श हे या ग्रुया कॅट पा लेगा हो द सुरा द गें या या या या र द से या र पा ग्रिया श्चिमः वैदायः देवा स्वीदा स नम्भमान्। ज्ञासान्सामिति स्वराधितानुनानी ह्येन्यितासिन्यति स्वरानु स्वरास्य वर्देशकाओ हेर् प्रभार्वेश या भेता र्येर दान स्थार हैं वारा प्रमाय स्थार हैर से चल्या युषारयाची यश वेषाचष्याचेषायत्रीयायति चु च यारा दि यारा प्रीक दे दिरासूक

क्रवाः हुः सुदः स्त्रो व्यवः स्वयः स्वयः द्विवा स्वयायः यः स्वयः यः स्वयः स्वयः स्वयः यादः । बुषाचुेन्द्वात्त्रात्त्रदेश्विषाद्देश्वरद्ध्वायायद्वेव्ययाने सुरार्यर वीष्पर कुंद्धर न्दर चुःवः कुर-दुष-वीं केत-धें केंद्र-त्रषा केंवाषा केत-धें त्रत्या त्वीं च धीता दें है त्यू र धीत लेता र्षेयोग्रायर्ने त्वमाश्चीर प्रप्त सैयमा क्रीमा स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्था वगुर-५८-वयव्यवस्युर-द्युयाद-हेर्वयायया द्युः वे हिंद-धर-व्ययुर्या स्यायिः यान्ययान्यान्यो द्वीत् द्वाययां व्यान्य स्थायम् स्थान्यम् स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यान योव यर यर या सुर स यो कें तर्दित होर व स कें स है द र स ये तर व दे स स से व स स से स यःश्रम्हरःजन्नाः व्यविष्ठाः । अम्हरः मुक्तः मुक् यवर्याता सुर्यात्वया वस्त्रवाचि सहर स्वा यवर्षात्वया स्वा साम्या स्वा विकास स्वा विकास स्वा विकास स्वा विकास स यधर तथा तथे खेंबा कि स्मेर्य तथा की राजा विषय तथा तथी । राजा तथी हो अपनी यानबूत्रत्रेत्रियाद्वर्शेदायाञ्चीपति क्षुप्तयम्यायायेदायुदा ५ रेयायी श्चीपा यदेयुः मृत्याः वकाः भ्राः त्याः क्ष्याः भ्राः विकाश्वादः विकाश स्वार्थः विकाश स्वार्थः विकाश स्वार्थः विकाश स्व ॴॻॷ॓ढ़ॱॸग़ॄॖॸॱॡॖॖॖॗॕॕॱढ़॔ॴढ़ऀॺऻॱॴॻॖऀॺॱॻॖॸॱॸॗ॓ढ़ॱॺढ़ॱऒढ़ॱॿॖॖऀॴॺॸॴॱक़ॗॴॖॖऀॱॻॱॴॸॱॻ॓॔ यानक्षेत्राचगुरावुर्यायदेष्यतार्थेत् वेयाचीर्याम्वेत् स्वाउर्याम् मास्रुर्यार्थेत् ते रेत्। पर्यान् वस्त्र भी सेवाया हैवाया प्राप्त । स्वाया प्रीप्त विवाय हैवाया स्वाया प्राप्त । स्वाया प्राप्त विवाय स्व स्रक्षायर प्रविद्या प्राप्त के राष्ट्री के राष्ट्र विद्या स्विद्या के राष्ट्र प्रविद्या के राष्ट्र विद्या के राष्ट्र विद्य के राष्ट्र विद्या के राष्ट्र विद्य के र गहिकार्ह्म्याव्यायदे त्व्यवाय्य स्त्रुपाहिका न्याय हिंदा श्रुवाया धिवार्वे । । दे स्त्रूय हिंद नुषान्नायानभ्रेत्रायतिः दुव्यायानेषानिता। न्नायायानभ्रेत्त्वाभेषान्यविष्याचित्राचे मुः अदे निष्यान्यान्दरः अत्यस्ति प्रयादि राजायने न्यादि स्वापि सुन व।

तर्केता.क्री.पसट.जथ.भ्रा.घर। जय.टेट.जथ.क्री.पर्चेश.पी.ह.केर.लुच.त.थ.चेश. तस्र प्रामेत्। द्रमायते केषा ग्री क्षेत्र त्रुवाषा त्रुवा ग्रुवा व्या स्वय प्रामेत्र विष्य थी वियायहर्या भू वुरुषा विषया वर्षा विया स्थाय विया से चलेश्यानेत्रः न्यायाया स्त्रेत्रायते क्रित्या चेत्राया चित्राया चलेश्या चलेश्या चलेश्या चलेश्या चलेश्या चलेश्य व्ययः इर् ज्या भ्रयः भ्रेरः सूरः सूरः विवायते वर् नर् रः श्रेषः मुस्यायस्य । वर् द्विः विष्ठेशः वासी वर्षे विषयः वर्षे वास्त्र वर्षे वास्त्र वर्षे विषयः वर्षे वासी वर्षे विषयः वर्षे वर्षे वार्या विकास के विकास मिल्ला विकास मिल्ला मि बन् प्युत्यन्त्रयायात्राङ्कान्त्रा स्रामान्यन्त्रयात्रया श्चेनान्येनायात्रीन्त्रीन्या दे। ।ध्यस्य प्रस्ति विद्यस्य स्तरम् । । विद्यस्य दिन दिन दिन दिन । क्रिया । भ्रेट्य. उत्र. दे. वे. तक्ष. चर. तक्षेत्रा । विषय. क्षट. वाश्यट्या ये। पे. पेत. वः रदः वीः येवायः हेयः श्रीः यद्वः ययः रदः वीयः यः वर्द्धयः व। सूर्वायः ययः यः यः धीव प्यता त्रवायाव हेयाया दे त्यू राष्ट्र के वा धीवा देवे वर वया देव केवा ये क्र्यायाळुटाळुटावीयातव्युवायादे त्यायादार्याचे रावाधीदात्यायात्रात्राद्यादे त्वयुवायरा ब्रेन्यायाः बनर्याः सेन्यन्यां वनर्यान्याः केषात्राः नेत्रायतः ब्रेन्ययाः नेत्रायाः वि रवा वी क्षेत्रा मुर प्रश्न वे के केर्रा द्येर द्या सर ध्रित द्या प्रतर स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त श्चेत्रयायार्थेज्ञायायार्श्चेत्ययरेर्ध्वज्ञायार्याः ज्ञातिज्ञाययरे व्यवस्थायायात्रात्रहेत्ययरस्य प्रा वी दें विश्वास्त्र की सार्रे वा पुरिक्ष के स्वास्त्र की स

वस्य १८८ वे। वियासया केया स्वान्त्र प्राची विया मासूर साम स्वान रेना ने नम्पन देव मान प्येव ले वा बर नदे त्यया श्रे ने व पदे नु न बर महिला है ने पदे नु न बर महिला है ने पदे नु ৠ৾য়ৢ৾য়৶৽য়ৢয়ৣৼৼঢ়৾ৼ৾য়৽৻য়ৣৼয়ৢ৾৽য়য়য়ৼঢ়য়ৼঢ়ৼঢ়৾ৼড়য়ৼঢ়ৼঢ় बोन्दन्दर्धेतिवेर्याचायाक्षेत्रे भेष्ट्रीय देते सूत्रवा भीवाद्वर्यात्र प्रमुवा ब्रम् म्राम्य विष्या म्याप्त विष्या म्याप्त विष्या म्याप्त विष्या म्याप्त विष्या म्याप्त विष्या म्याप्त विष्या चदःचःचःचगाम स्वान्यस्थःक्षःसःचःक्र्रःयःक्ष्यःवेदःकुःस्रेन्दो रुणःविदःकीः **इ**'च'अ'र्केन्'वा यय'वा'र्केन्'यय'न्व'वी'र्क्कुव'र्क्ष'र्केन्। नेते'र्श्वेर'रेय'व्युट् योद्दान्त्र स्ट्रिंस म्ब्रिं वियाच लिया में विया योद्दार्य स्ट्रिंस स्ट्रिं देख्रमन्त्रेनन्त्राम्बरम्बर्भन्यितः स्रितः स्थितः स्थानितः स्वितः स्वितः स्वात्यस्य स्वितः स्वात्यस्य स्वितः स वर्डेरा यायाधीत यालिया श्री श्रु द्वा विविद्याया वर्षेरावा वर्षेरावा वर्षेरावा वर्षे युग्रम् वर्षेयाम्बेर-द्यायाद्देः सूर्यम्म्यायादीर वस्त्रेत द्यादेते द्वीद्याद्वीद नश्चनः पतेः भ्रें रः ने कें प्येवः वा ने निषानी होत्र केंद्र स्वाद्या पते विक्री केंद्र वा निष्या विकास वयानुसाक्तुवायर्नेवाञ्चाया न्याये क्रिया वी विवाय वया वी पाये वाक्तु नेवा विवाय यायादेविदेवायारदावीयात्रयात्त्रीं वहदावयादेयातेयात्रेवात्त्रीं क्रियायाया नेविन्तिनिन्दर्भरम्भी कुन्दर्सिन्या केषायी स्त्रीयात्रया रास्टर्भन्या यस्तिन्य सिन्दर्भ लेगानी म्याया दुःतद्वा दार्श्वेष कदा सूना प्रस्था सी साम केंद्र से दी प्राप्त करें सी स्वीत स्वीत से सी सी सिन यमः स्रेंब दिर होता से तरी परे ही साय स्रेन्ति होता मालव से सम्मार शुरःकॅन् स्नेट हेते प्युयान् शुरुराय सम्भाषाया यत्र विवाश होन के विवान विवा पतिः र्क्षेत्रा म्रम्भारा उद्गारम् यादे प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप् र्कर या श्रुवा सी रेवा वयय। यहे या केत्र ये प्राप्त श्रेत् वेवा या सी प्राप्त सी प्राप्त सी विवा विवा वयय है। रेन्'भेन्। ने'भेन्न'न'र्नेस्रमाञ्चन'सर्'रेन्'र्य'द्यस्य सञ्चन्यस्य प्रविचायासः रेत्। न्येरः व व त्रायाञ्चवायायाञ्चव यावञ्चितायाञ्चात्र व विकर्णा चेवाया याचे त्यवः श्चेर्यात् के कुर में विस्रस्त र वसूत्र त्रमामसुरस्य वर्तम वर्त्त र रेस वस्त प्रदेश क्र्यायम् व्रेयायाक्ष्याय्रेतिक्र्यायम् वृत्यायात् स्वायाः व्रीयायाः व्रीयायाः वित्यायाः व्रीयायाः दब्दायावासुनावरत्वेरानदेन्ववस्यासुराधेरास्या सुरायानस्यान्ते स्व वर केंबा यहें स्वाब की वसूत यह राजा यह केंबा ये केंबा रहे वर है केंद्र यह वा कि वहिषा हेत्र से श्रुप्ते या देत् वीदि सक्त छेद क्रिंट या लेषा प्येत् त् सेया से व्यासी स्नूट श्री सेट वयायवर्शीव प्पर्भा वर्देते वर्ष यहे देव स्त्राय स्वाप्त व्याप्त स्वाप्त व्याप्त स्वाप्त व्याप्त स्वाप्त व्याप्त यायम् न्त्रीत् देवा र्यम् त्रवेषालेषायष्या कृति स्नो स्वायायायेय मुत्रवाद्यायायायाय यः नेयः यः श्रुद्यः दर्वोद्यः वैः रेद्र। यः श्रुवाः सः यः व्यः विद्वः यः विदेवाया ओ'र्पेर्'री'रीय'या वें रूट'वीय'रूट'यावें विवा'यावें त्वा अ'रेवाय'वेर'या व्यया उर् भी वर वया वावर के विवार्क्य सुवा युवाया छो विया वायू सु वे रिवाय र केव यात्राक्ष्य देश्वहूं या यय वे देश वर्ष वर्ष या यादा या वर्ष या या विकास वर्षे:श्रेंब:५८:वठ्यःकेंय:विदःश्रेंव:वी।

र्डे किन ख्रायदे केंग विद्यी अर्क्स मार्श्वेर लया वाद्यमा

विरायर प्यतः केरि पुर्वि क्वेरि वी क्लेर वार्डि वे प्रायय वया श्वतः क्वेर क्वेर वर्षे द्वाया इसया क्रेंब तर्वेदि र वा तर्देब तर्दे न र क्रेंब वर्ष विन क्रेंग्या का सुन वा वा विन विकास का न वन याणेता ने प्यर श्चिराव केंबा वन नाय तरी श्चेता स्रती श्चेता या स्वर्शेवा या श्चेता केंग्रा क्री क्रूव ने क्रेंच अया चर्चेव वया यो अया क्रूच क्री केंद्र केंद्र या पदि वद ने द्वा हो द केंवा धेव वि रेत्। देधेव व वें ब्रेंट्व कें केंब त्य कें ब्रुट व व त्येंट पाय व वेंद्र पाय व वेंद्र पाय व वेंद्र व व वै[:]रेन्। दविरावःत्यशक्तिःव्येषाःयायात्रन्तिःवःक्षेषायापाठेषाःयारमःनेतःनुःसुःमनः यमायन्मायाचेतायनेन क्षेत्रेने प्राप्ते प्राप्त विष्णा नेमान सम्मान्याया सी वियायानक्षर्यायम् वियाप्तराम् वियाप्तराम् वियापान्य के निरम् मुस्याप्तराम् वियापानरा वर्चे न नुरक्त में। । वाह्य में यदयः सुया । वुदः कुवः हुः वैः वाहवः वोवायः धैव। । वियः वासुदयः यः ददः। वयम्यायाप्तर्गित् यर्केमायस्मायायदे यर्दे दिन्दर्तु। सूर्दे देनुषा केयायस्तर् र्याःश्चॅर्यः युः प्रमुः प्रमु र्श्वेन त्यः क्रेंयः वयः श्रेंबियः यस्यस्य नयोः क्षेंदः दे त्रस्य ग्रीयः क्रेंयः वयः श्रेंदिः क्षें यात्रार्वेदान्यादे यात्रात्रीयाययात्वराचित्रातु सेत्रायात्वरात्र विवास्य स्तु सूर श्रदःचाया चर्ड्यास्वरं तद्यासीया सुरदेते सुर्वे सीशाह्याचनदः प्रयाद्योः श्रुर: दे. इस्रमार्यमा पर्युमाया स्वाप्तर त्युमा स्वाप्तर त्युमा स्वाप्तर त्युमा स्वाप्तर त्युमाया स्वाप्तर त्युमाया स्वाप्तर त्युमाया स्वाप्तर स्व येन नि । तहस्र न्ययः श्रीका र्केश चन् न प्रकारे विवान श्रुवा चर हुरेश या पीता प्रमा

देव्यावराने अदेव पराष्ट्रेण्यापरावर्धराकु पाणेव प्रयावह्याद्याया नेदाया यावयायाध्येत्रात्रे । बियावासुरयायाध्येत्रावासुरया देःचबित्रासर्रासुर् लर्। येत. धे. प्रश्नेत. त. र. थे. प्रप्त. तथा तथा प्रश्ने । विष्ट ग्रीट. धेर्य. व्या ८८.४८.कैज.श्रुभग्यसेश्चेर.४। ।८.४.थ्.व्या.विश्वराक्षेत्रं विद्यात्विश्वराक्षेत्रात्वेश्वराद्य बेयाचुःह्रो ।योययानह्येदादेवेययाययाययाच्याद्यदेवेतातुःह्यो ।वेयामयुद्या ने भूरत में वेंग नविषातिर न वष्य में वेंग रातिर प्राप्त की यार्सुवायायाञ्चयायाययार्से व्याप्तवीया कुर्वे ने सिन्से स्वीप्तवी सीट ने वार्षे यार्थे प्रवासीय वि र्देन क्वें क्वेंट्र राप्ते त्वेंट्र प्रदेश केंट्र त्वर केंडि त्वर विगाधीन विना क्वें क्वेंट्र केंन्यर्न या वया केंग्रगुद्र-द्वीयायान्वीकाः हुः तदुया । द्यदः धेः हेदः श्रीः नार्वे विदः बुद्रमा । भिन्नतने त्यवतः विवा क्रुवः नुः यहेव। । भिन्मः ग्रामः श्रुवः वः त्युनः वः धेवा विश्वास्य स्थाने दे स्थान के शामा स्थान है ना मु तर्मा विभायते देव हे प्रीव वेषाया के कुर वी केंग्रायर मा क्रायीया प्रस्व या म्राया छन्। श्री नामून ने ने नाम प्योत । ने ने निया मार्केन सामान ने ना है ना हु। तन् या मार्केन सामान ने ने न योव वास्तुरस्य यदे देव हो। रूट कुँद ग्री वदवा वहें व तद्या कु वे दे वाहे वाहि वह नुःतनुषायाधीवालेषायासुनायी।धोन्दिने रेन्। ने स्पन्टिष्ठिष के स्वाप्ति ह्या धिव। र्केश नश्चन वे ने निन्न गारेश दिंद श्री गारेद में या या से दाव केश नश्चन या र्ने अन् नु शुर्या भेव। के अन्यश्चयाय ने के अन्दि स्वायान स्वर्धित स य। यन्त्रात्रहेत् श्रीः त्रित्रेत् स्ट्रिंस् स्ट्रेन्स्य स्ट्रिंस्य स्त्राप्त स्त्र वहवानुन् ग्रीक्रुः साने वाराधिन लेन। यन्या वहीन के कुराया यसुक्रुः वने धीनः

गस्त्या देवे सेट दुर दुर के सम्मानमा सेट सेट सेट सेट सम्मान न्यर ये हेन् क्रे मोई चेर बुरुषा विषया सुरुष या धेन या मालन या रेवा र्धेक केंक या इस दिया देवा केंद्र स्था केंद्र स्थेत हैंद स्थेत हैंद स्थेत हैंद स्थेत हैंद स्थेत हैंद स्थेत हैंद नेषाग्रीःश्रुद्रा बेरावासूराधिदासेन्। देवाग्रामारामाङ्गीवाश्रुराने सार्देवानेषा योन् प्रति तहिया हेत् प्रया न इस्या क्षेत्रा लेका सी सुन प्रान्त । तहिया हेत् क्षी के कि भुें ने ने भें केर न्या भें केर नया में केर न या ती र में र में भें ने या से र में र में में में र मे यर्ग्। व्यय्या होत् प्राप्ते व्या वार्डे ने प्रत्ये स्थाया या प्रत्ये स्थाया व्याप्ति स्थाया विष्या हु लिया द्या लर विषेट भ्रीय थे भ्रुं हिंद वर्षीय क्रीय लूट नष्ट भ्रेषाय हु या मूर्ट साम्राह्म हेया ये स्थाप हैया स्थाप हैया ये स्थाप हैया स्था स्थाप हैया स्था स्थाप हैया स्था स्थाप हैया स्था स्थाप हैया स्थाप स्थाप हैया स्थाप हैया स्थाप हैया स्थाप स्थाप हैया स्थाप हैया स्थाप स्थाप है म् विषयः देवा बीयायविद्यपेतः स्मेदः कः व्याकः वर्हेवा स्ने हीद्रायमः महत्रस्य स्वाप्तायः चॅर्यार्डेच्र्यानुरम्पद्यीवायाधेत्राबेषावासुरम्याधेत्। देःस्पराद्यविषाः यायायाळावदिवः स्नूदायाचो रे उदालेया चे रायाधिदाद। दे प्यदाचो रे उदाचित्रया थेनिन्। वाडिवाःश्रेःवाल्वनःनवाःन्दःवाडिवाःस्टःकेन्ःधेवःस्थाःथयःस्टःवार्डेविःह्येन्ः न्वींबायबा न्यर ये हिन् क्षेत्र विर्वे स्वरुषा विषय्यवास्तर न्यर ये विषय व्य-पर्वेत्रक्षेर्र्यम् मुर्ग्या भूषि १५ या श्रुर्या प्रवेत्यय। रदावीया रदावीया यथः रदः वीथः रदः द्वाः यः विवाः व्युदः वः धीवः वाशुद्य। यदः। धीदः यदेः तयवः विग क्रुव ५ प्रहेव। विशयशा ने प्यट क्रेव प्रव ५८ सूग प्रस्था की रेग शहे तर्वेग र्वेग र्वेग रि.यय क्रिट रे जा यह यो या सूर्या दर की स्वी विदास विद्या स्वेश यो स्ट्रिय हे। श्रेप्तर्देन्यः है सूर्यः श्रेप्तर्दः सूरेप्तरे विस्रायाम्युस्य विदेश्यति मान्याः भीनः प्रायः क्ची:क्ट्र-द्र-त्रद्र:ब्रेशमाशुर्शदेव:भेर्द्र-य:स्रापेता त्रहेम्य:स्रुम् स्रुम्य स्रुम्य स्रुम्य स्रुम्य स्रुम

व्रूटः पट में भ्रेंट में में मार्थ रहेट स्वाप दिया विषय हैं र स्वाप स्वा नुषासु ने वा वार्ने दाये वा वे ना विकास के वा विकास के व रदावीयारदायार्केदायोवाद्येदाङ्गेर्स्कुदाद्येदायवार्थियादेखितायायेयावा यीदायदे यामिन्न्याधीः करावेटारेवायो नायाने खुः त्वेताधीन विष्या का विष्या निर्मा कुतातु डेबायाप्पर देवादु प्रदाने देवाया स्वापन के सामान्य हिमाना स्वापन होता स्वापन वया भै'यें च'ने'यें श्वुन डिया'या चश्चुर च'स्रे। रेव घर भेन या ने रेव घर छव बिनाः तुः न्यञ्च रानदे देवः धोवा श्चेरः हो बिना चेरः तुषः श्चेरः श्चनानारः धरः नार्डेनाः यदेः म्चें कु: ५८: भ्वें सूट रुव विवाधिव दवीं वायवार्थे वार्ष्य वाया दवाय वसूट धें दा स्वादा विवा वीयावादा। सूदावार्केयानुदयात्वरारेपोद्दायदेग्येन्टेकेयास्यावायेदाहुवायापीदा। क्र्यातह्मा हेव मार्ड्मा यमा ५८ त्युम्य महिया त्रुट मी द्वा महामार मञ्जून व र्ह्ये सूट र्षेर्-नर्वेश्वयः प्रेत्र विन्द्रयेर से विन्द्रये स्थित्व स्था बोदा । वेकायाक्ष्रस्येदा देण्यस्योद्दार्थेद्राचुकायकार्येद्रायेद्राच्छे येद्राच्छारा वियानी धेरदर्वियाक्षर्यायर्ययान्दर्यान्दर्याय्वे यारेदा रुषाद्वर्यस्रायाः ८४.५८.४४। ञ्च.२.४८.५५५ व्याचा की या पश्चात्र वार्या यथा वा की यो र देश र दिर बैराय र्श्वेर्केरिन्द्रः लेगा सेन्द्रम् द्रम्या प्रमान्यात्र विष्ट्रम् मी स्कूत्रः से किन्या से दिन्या से विष्ट्रम् वार्षेत् स्नुवर्वा ग्राम् वे रवरा दे के वार्षेत् स्नुवर्वे वार्षेत्। वे रायम तुर्वा वा वार्षेत् स्नुवर्वे वार्षेत्। वे रायम तुर्वा वा वार्षेत् स्नुवर्वे वार्षेत्। नङ्गवानवरार्केषा श्चित्रप्रवादावेद्याःश्चित्रवादावादावर्कस्यवापेत्रप्रवादाव

वियानाः स्वानीयाना वज्ञाने स्वानाना वज्ञाने स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्वानान स्व र्चेश्चर्चा अर्द्वर प्रक्षिर पर स्थान् । अर्थे र त्वया वर्षे प्रक्षिय क्षु स्थाप्य योव। देख्दादेर्द्राम्यायन्दावाचेर्द्रम्योदायविष्ठाम्यायेव। योवायविष्ठाम्यायेव न्यतः वित्र न्यार्टे साक्षुः ने बेर्टे स्रोनः यदिः हुन् सारोन्। यरः दर्शे वासी स्री सामान्यः स्री दर वार भीत भर देवाया समुद्र हो दुया वाडेवा वी तर क्त हो तहीं ना रेदा हिंद त्तर्थेत्यं विष्यात्र्यः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः श्रीः विष्यः स्त्रिः स्त्रिः स्त्राः ञ्च त्यु वार्डवा की खू कर । द्रीव त्यु वार्डवा की तेवा से से । या वार्डिव कर वया स्रे वि.च्.च.वि.वी.वेट.री.वीत्रातात्त्व.केवा.ताच.वे.प्रेया. हे.श्रव.तपुर्यंत्राच्या. वियाः धेरु र प्यता अंदेर्के या सर्वे त्यत्र वियाः यो स्टान्, स्टान्ये छ त्यत्र वियाः यस्त्र स्वा विर्मात्यायम् अस्ति विषाणित्र देशाते। सुर्स्सि वम्यायस्त्र वसाओ दे त्रा सु स्वायान्यानान्यानान्द्रात्याक्षान्यस्य नयस्यायाध्येत् क्रुप्रेद्रायानार्नेनाया रदानाराज्ञः नम्यात्रदीतम्यम् स्रोत्राचारतेत्राचार्यम् स्रोत्राची स्रोति स्रोत्राची स्रोति स्र ग्रथरःहिरःमी विरायर हे प्येर्। सुः ह्युया ह्याया तर् विषा या सर्हेत विया स्थाना धुँवायायोरार्षेरयायाः क्षेत्रायदे मुवायायमेयाः क्षेत्राय्वेतार्षेत्रायायम् उत्तर्वेयाः है। म्.स.ची.प.वुर.रीयार्जुरातायरयाक्षियाः क्षेत्रायहोता क्षेत्रायरायक्षेत्रायात्रीयाः गिदे यद्या हिद्दा के अपने क्षेत्र व्याप क्षेत्र व्याप क्षेत्र व्याप क्षेत्र व्याप क्षेत्र व्याप क्षेत्र विष् क्रिंग प्रवेश में विष्य त्या सुर से मिले विषय त्या सुर से मिले सर्वेर त्युपाया सुर श्रीत्वा वर्वायायाञ्चरत्रेयावर्वात्रेयाच्यायदेवाच्यायदेवाच्यावर्वात्वावर्वात्वावर्वात्वा

सूनाधिन प्रमा नालन त्यात्र से नानने सुन् साधिन में विकास सुन्या सून त्तुरी यावरात्तरापुरा इयाया सुया तर्क्याया न्दर सुयाया या प्रमुवया तर्ह्या लु. या र्वे भेता देशक्र व द्येरक् म् वयस सुन्त्र स्थिता लेस द्ये वर्त्र परि याया द वर्कर वर्वः हुन स्रावद स्पेन श्रीन याने विविध स्रीत स्रावन स्रीत स्रावन स्रीत स्रीत स्रीत स्रीत स्रीत स्रीत स् स्रमाने राक्ष्या के रहेता विकास है के स्रमाने उत्र विवा वार्केन श्राचका द्वेन पुरुषा रे पुराका ने त्या सर्देव विवा व्यव स्थान स्थान ঀ৾য়৻য়ড়ৢঀ৻ঀ৾৻য়ৼয়৻ড়ৢয়৻ৠৢ৻য়য়য়য়৻য়৻ৼ৸ৼৼ৻য়ৢয়৻য়য়ৼড়৻ৠৢ৾য়য়৻য়য়৾ঀৼ৻ঀৢ৻য়ড়ৢয় য়ৢ৶ৼ৾৻ড়ৄ৵৻ড়৾৾ঀ৾য়ৢঀ৾য়৵৻য়ৣ৾৻ঀৼ৻৴৾৾৻য়ৢ৾ঀ৾৻য়৻ঢ়৻ঀ৾৻ঀৼয়য়৻য়য়৸৻য়য়৻য়য়৻য়য়য়৻ षदःचन्देत्रःषदःष्यदः प्रिन्। देश्चिरः त्रुः श्रोरः त्रुयः यदि नदः यदि वाद्यव्याये वाद्यः प्रदेशः वाद्यः यदि । श्चीः भीतः नुषा कें तिने श्चीः महिषाश्चीः यया भ्रेत् कें वाश्चीया श्वयाया निर्म सन्दर्भन्तवत्यायोः विन्निर्मायाधीत्। यदः विन्नुदान्नस्य ग्रीकाः से ब्रेंन् ग्रेंके अवस्य मुंकेन्द्रयन् वाद द्यन्ये नद्यम्म वास्या श्रेन्य सेन्द्रया में कर विदः दर्भे विदः श्रेषिश देवः श्रेषे अदः श्रेषे वायशः श्रीदरः दुः वदः अवहष विश्वार्थे दिश्वः केंद्रवाद हे अध्रुत वार्यु अर्केट अअहमादु वर्दे अत्य स्तु व्येट्या वे वित्त हुट द्रया थी कें श्चीर या विवेर र किया र र केंगा था श्रे केंगा र र र र यी स वह या द्वारा का सुर् हें रट.बीबासटबाबबासी.च.रट.बीबाकीबा बैट.चरर.बीट.व.बाकुबा.बीबाह्य.की. व्याक्षराद्वरायाः क्रियायरा क्रियायरा विष्याया विष्याया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या

र्देट । र्रमुक्।वाविकाः भूषकाः वृत्यः यः यः वृत्ते द्वीतः भूरः प्रदः भूरः वाव्यकाः वर्षाः व्याव्याः লুমা येत्। देःवर्षः इरःदरः यगुरः तत्वयः हेत्। सः वेरायः देशः यदेः श्रेः वरा वक्कि.त.र्टर.शह्रद्रश्चित्र। वयायःवर्षश्चर्यःक्ष्यःवःक्ष्यःवःक्ष्यःवःक्ष्यःवःक्ष्यःवःव्याः बर धिवा ख्रें ख्र दे के वा कृत के या ता वी पा यो ता कु प्यें द प्र या के ता द र प्यवा है। रेत्। ५.२५.५.लूब्याक्ष्यां क्राच्या व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत मो.चेश्र.त.दे.क्ष्य.श्र.जद्मश्रम् प्रत्येश्वर्यात्राच्यात्राच्याः वर्षाः वर्षाः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः व श्रीयोग्या नुश्रुयाः त्रीराष्ट्रें ग्रायाः केतायाः वितारायाः वितार ने भूर प्येत प्रयायहिवा हेत यदिये श्चीत सूवा याहेया गाये केर सूद होंद सुवे सूवा या दे स म्बार्म्ययान्त्रीयार्श्वीदार्क्यायारेत। क्षेत्रास्त्राध्याप्त्रात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा बेरावासूराधितायकात्रहेवाहेताच्चीको ने के दिराधे हु। त्युवाका पवा वर्डेवा वरातुः चिर्चायात्रास्त्रे क्ष्यां विष्यं स्थाने योव यथा वर्ष्ट्र व द्वाद वे रेट क्रिट वे रेट हे तहे वा हे व खार र विश्व यथा हेबर्-रेन्स्ट्रन्बर्न्नेप्तत्व्युवर्वे रेन्। वीब्र्स्च्रिन्देर्नेर्न्द्वर्श्वर्षाम्यन्वेविन्यययः षयाने श्रीवः प्यटः केवा स्वाद्या श्री श्री त्युषा विवा त्या त्यनुवा या विविद्या विवा विवा विवा विवा विवा विवा व र्दः क्रें न ख्रे विवा कुर कुर वी तर्वे आतर्के ध्रिवा या रेया कुर कुर वी या छे प्यर से वि ख्रे ख्रे

क्रॅंकेन, वार्यक्रें रानु वार्ने रामेन व्याप्त वार्य वार वार्य वार पश्चिद्राया सुता सुद्रा श्चेद्रा स्ववा त्यवाता से त्या द्विया विश्व विश्व स्वेदे त्य स्व स्व स्व स्व स्व स्व स श्रुवा में प्रीत या वि श्रुम दु र वर्षे चित्रे सृष्य भ्रीत या देश व में की क्वा वार्वेव सुप्री व त विया क्च के त्येत क्चेंट दर विया क्च के कु हे प्यास्वय नेया केव क्ची हवाया सेवा कुट प्रवे रे रुद में सारवर्ष श्रीह्रवारा सर्वे प्रवेद प्रव र्यादि:यारवर्याक्षेत्राचारायरा। ।रराहेतायारवर्याह्येत्रायाद्य। ।तेत्वात्रात्री क्रुय.धेट.ग्रीया । प्रट.ज.संघ.शंया.क्रुयाया.तप्र.चीपा । ब्रेय.यार्थट्याय.चेयाक्ची. विवाकुः उत्रायर ये विवायाक देर पेरिवा कुन विदाय हेत्र या निहरणा रेया भ्रुप्रथायात्रयात्रीया प्येदार्येदायाप्येत्। दे प्येदादुषारी भारतीया विकास विवास विवास विवास विवास विवास विवास तर्वातर्व विष्याहेन्यते श्रीया हेवा स्प्रिया स्वाया स्वायिका स्वाया इॅन्१६८:बेट:क्रेना । माबव:यामट:यव:बुराव:रट:हेन:यने। । नर्गोव:यार्केम: यस्यायायात्राचा । प्रस्ति स्थाया । प्रस्ति स्थाया स्थायायाया । प्रस्ति स्थाया । प्रस्ति स्थाया । प्रस्ति स्थाय यत्रय्या । इस्राम्बर्द्या देः सदः सदः स्वाद्याः क्राः इस्रायः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्या व्याद्रमादानाञ्ज, द्रमा व्यादे के व्याप्तमावा व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन व रवःतरः पश्चः श्राववः रेदः दुषा श्राः यार्वाः श्लेखाः वाश्वया वाः याः रः वदः वार्वदः योर्थेय.लूट्-अ.लूब्-तंत्रा गीय.कुंश.ट्रं-ब.चबट.ट्य.कुं.ट्रेचे.च.लूट्-तंद्र:श.क.चर्जूट्. वय्याञ्च प्राप्त लेयागुर श्रीय द्वीय द्वीत प्राप्त प्राप्त प्राप्त द्वीत स्वय द्वीत स्वय द्वीत स्वय द्वीत स्वय योदःयदःविराधीदःयदःक्रुविःयोदःदी देकेष्यः सःयः सुवाःयदेः वदः विवाःयेदः विदःयः धेवा ने[.]सूत्र: चटः प्यट्याओं लेगा से या तस्यायायाया प्रेन् नुया न्दः या वया ग्या व्याप्त विष्या विष्या विषय के विषय योदादेः प्यदाविष्ट्रदावी प्रवर्शेदानुस्य प्रवेता विष्णा के उन्ने प्रविद्या के उन्ने प्रविद्य के उन्ने प्रविद्या के प्रविद्या के उन्ने प्रविद्या के प्र स्मान्याध्येत्र प्रमान्त्रेत्र विवा त्यसाया विवा स्मे प्यवा से रेन त्वे विसाने दे से सम्बन्धः गीय हैंदि निरामका तर है का की की तर्मी की प्रमानित होना निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा यहिंग्रां यहुन क्षेत्र केंद्र धेद । यहुन क्षेत्र का केंद्र । यहुन क्षेत्र का केंद्र । यहुन क्षेत्र का विया ८८ वसूत यदि क्केंत्र यस लेगा स्पेर र में सात रे स्पर सेर या र में ति से स्पेत्र योदःश्चें श्वदः वित्वः या या हिया या योदः योदः योदः वः हेवः या विश्वः यदः ह्वें या हदः या योदः योदः योदः योदः यः धेव। दे उव येदि याकायाय वेद व्यय ग्री श्री दावि वे या रेदा कुं य वेवा व *ने*शःरवःन्दः इसःन्धेन् क्षेः इयः वर्ते व व स्थः द्धयः न्दः सद्यवः यरः वसवायः नवे वायः रेत्। र्केट प्यमाये चक्किय व व ट मी य व ट त्या अमी हुट सून से त्र मायर। व धुः धुविष्यायाः क्षेत्रेर्द्रः रायाः विद्रात्ययाः सुविष्यायाः यविद्रात्तुः वाद्याः नविष्या देः प्यदः वर्ष्याः प्रतः तुषाः सुः वष्याषाः श्रुवः द्वीषाः सामित्राषाः सो से वादः वीदः सुन् वादः दूरः यहिषामादे सम्मादे सम्माद् सम्माद् सम्मादे सम्म नङ्ग्रीं अप्ते प्रस्ति व द्वार्य के अध्य के अध थेन नुष्ण महिन मदी नुष्ण सुरमहिन सुम निष्ण ने सा सुम म सुर सुर मही से सु ग्रीमिनिट हें बिन्वदर से नेया सैमानर्डम सन्दर्भ सेन सुर्वे विने से मिन्ना ग्राट येन्या नुन्दर्कर्नेदिखर्के हिन्या कुन्ववायया येषा ने नया नुन्दर्क ५८:व५:क्वुःगिष्ठैशःगाःभेत्। ने:व५:सेन्:क्वेन्स्यःक्वेन्डिंगःधेनःवै:रेत्। नेवै: म्रेट:र्-यावियायवर:म्रेट्-त्ययायेग्ययविट:स्वाप्ययायाक्वःविवाप्येट्-र्-स्वायाद्र

श्रीतिः रेवाका क्षेत्र ने श्रीतः व्यायवः लेवाः व्यावका क्ष्यां रेताः व्याद्याः व्यावका क्ष्याः व्यावका व्यावका रचर्या हेर विद्या यदि वार्या क्षेट्र या विद्युत दुवै द्वि क्रेवाया या क्षेट्र या यदे वाह्या की दर र्जा क्ष्या प्रमाय प्राप्त दिया हो स्था अधित स्था अधित स्था । ज्यात्रद्धिः मुर्द्धरावधुरावया विद्याः श्चेत्राः स्वायाः साम्याः स्वीयाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः र् वेद्रशन्दरम्यावनगानायायम् । विष्यावेषार्श्वेदाया नेषार्यरावावनगान वायम् विष्यायाप्त्रियाम् । त्रिष्टी वस्ययान्त्रायायम् विष्ययाप्ति । त्रे स्रिया ८:ब्रेंदि:श्रून्कदे:दर्श्वरान्त्रं माराययाद्युरावाधेत्वत्त्रं श्रुंदावी:श्रूवयावयावन्या धेवाया देः पदः श्चेदः श्ववाचिदः श्वदः यः द्वादः वः श्चेत्रं ययः विश्ववरः विश्ववरः यः धेवः है। है:ब्रुन्त्। ८:व.व.व.बें,व.चयानवाया ।सूरःचयवायाःक्रीःययः८वःवहेन्यः धेव। विश्वाम्बुर्यायासूर। भ्रीतिर्देरायते क्रीकार्ये रावश्वामा स्था वयःदवः वद्। वदेः सूर्वाः वहिंदः वोदः वीद्यस्य वदेः वुदः सेस्रसः ग्रीः वीव्यसः सुः दशुदः यशः क्रेवः प्रवादः चुदः प्यदः प्रवादः यञ्जे स्थानः स्थानः वितः स्थेतः प्रवादः चित्रः स्थानः स्थानः स्थानः स्थान दबः स्पृट् स्पृट स्पृट् विया व्याप्येट कुति भी वर्देन यदि विकित्यम विया मामान मामान विदान ८८.२.जुर.ध्याय.केंग्राटच.योलट.२.यश्चित्र। भुषे.८४.मूर्यायायायाया वनरान्यायाधीत्। ने नर्यान्यायते के रावने स्रीते वके निवन्यायो स्वन्या येन प्येता ने येन तुषाम्येन से त्रेति तुषा स्मानवा सुरायर प्रयायया ना चतः वरः नृः कः याः करः चतः श्रेटः कः क्रेवः यो बिवाः याचारः चते ः श्रूवयाः ग्रीया धीते । विते विते र यः भूर क्षेट्र वरः म्री प्रवृत्त्र या त्रोद्र प्रवृत्त प्रवृत्त मृत्या मृत्या मृत्या मृत्र प्रवृत्त वर्षे क्षेत्र वर्षे क्षेत्र वर्षे क्ष्या प्रवृत्त ने:धीव। क्रीव:रव:इं:बुर:यर:व्रुय:रव:वायर:नर:क्रीव:रव:वीवाय:सु:पश्चुर:वेय: क्षायाः क्ष्यायाः क्ष्यायाः क्ष्यायाः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्यः क्ष्यः क्ष्यः क्षः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः क्षः क्ष्यः क्ष

ह्य सेव वट में हेंव वर्गे

ग सुन्यास्युत्वर्शे नदेः विद्

५८:धें अर्देरः वसूत्रः या

चदः वचर्यः चत्रेत्रयः युः युः द्वेतः द्वेतः द्वेतः द्वेतः स्त्रेतः योः वेराः स्त्रुदः याः स्त्रेदः यरः द्वेदः यदेःदेरःकुत्र्यःकृत्याःचेतःकेतःभेतःभेता ज्ञाःयदेःह्याःवर्चेदःयःश्रेषःग्रुषःग्रादःहः नसूत कुं ने नहें राक्कु त्या हे कुं प्येत बेर नवें राष्ट्र प्येत प्येत रहें या पर हो या ब्रेन्-इ-सुर-केब-यंदि-कुन्-यया र्वे न्या सुब-केषा स्रुव-यिया वै। व्रियायानयम्यायाञ्चीतायाञ्चादायाचे । व्रियायाच्चायाच्चायाचे । भित्रा वृत्र त्या वित्र योषय प्रमुष या भूत्र या स्वर्थ प्रायम विष्य त्रअस्त्रियानान्दरास्त्रवानाच्या स्वयायान्द्रेयाचात्रात्रवाना विष्याचा नेत्रावना नेत्रावना योशर प्रक्रियोश्वाक्तीत्रात्रात्र श्राचित्र प्रमान्त्र त्या प्रमेत्र हे यो वश्वा त्या व्या स्थिति । देव'यदे'च्चया'मु'म्रेयायावया'वर्षिर'यवे'यवेंच्यवे'यवा'येयवा'यव अध्याप्त व्यवस्था वर्षा वर्देर् मदे में हिते होया याया लुया यायते याया या लिया यीया वारे वारा या लेया याया हेरास्, प्रसूत पति केरा ही हेर्या पतिति क्रया प्रेत प्रवा प्रेत हो प्रवी प्रा दे प्रा क्र्या ग्री क्र्रें या प्रतिवास माना प्रतिवास माना माना माना प्रतिवास माना प्रतिवास माना प्रतिवास माना प्रतिवास चैयास्ययात्रद्राप्त्रेयाय। स्यायाद्राप्तय्ययास्ययात्रद्र्यापस्याय। श्रुः द्यायमात्र्यायालीय। क्रेंबा इसका उदा हेर्दा लेटा यद्या सेदाया दे इसका धेवा केंश ग्री केंका प्रविदेश्यम यो दा हो दाया विषा मी का केंद्र प्रमाद प्रविद्या हो । त्युषाहेत् न्दावरुषायदे क्रेंन्वरुन् म्रम्यार न्त्र्यात्य प्राप्ते प्राप्ते स्वाप्ता प्राप्ते स्वाप्ता प्राप्ते यश्चनारम्यवात्वास्त्रास्त्रेयायदे वचा प्रक्षाः भीष्ययाययाः स्रीयायदे तद्यया प् বিষ্পরাধ্যার বিমান বেই প্রম্পান্তর শৌর র স্থ্রবা নস্থ্যা থকা মারের কামান্তর । चुर-कुन-नशुक्ष-क्षे:रद-चलेव-दे-क्षुःदद-यकाय-दर्य-य-यका-दर-चरुका-य-दे-ले-व-

पश्चायाया भीत्राया ने अर्थेन त्राया से त्राप्त प्रति प्रति प्रति विष्या या प्रसे ते हिं के श व्यय्यः छन् : श्रीः यान्ययः युवायः क्षेट्रः विदः यन्या योन् । यदः नेत्रं न्त्राः ख्रुवः छवाः क्षेत्रः यदेः योः या द्वायाययायास्त्रीयायास्त्रुद्धायाद्वीयायाः हेयाद्दा वियायास्ट्रयाययाः য়ৢৢয়য়৽৻ঽয়ৢ৾৾৽য়য়য়৽য়য়ৣৢ৾৾ৢঢ়৽য়য়য়য়৸য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়৽য়য়য়য়য়ৢঢ়৽য়য়য়য়য়ৢঢ়৽য়য়য়৽য়ৢঢ়৽ त्र त्र हे कुर ता नहेब पत त्या हेब दर । हेवाय ख़ब स्व यद स्व य व वि वःजन। विन्नाने जनः हेवाना यास्त्रेना स्वन्न ही ज्ञासा सामित र्यूट्यायक्रैंर.ध्रेयायायुः तासूया. ह्यायाचीर क्रियाया ह्यायायावयायस्रेयः पः क्रेंट्यः प्रमः वेयः प्रमः वा वायुट्यः हे। देः प्रयः वाववः प्रदेः व्ययः श्रुः क्रेंवायः हु क्षेत्र चर्हेष क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वेत स्वेत्र क्ष्या क्ष्या या प्रति त्र त्या या क्ष्या विष् तर्विषातव्हरकुष्परवार्षेत्ते। देख्रात्त्वहरत्तेत्रत्तेष्परक्रित्यायदेत्रः पर्वत्रः द्वीर्यायाप्यस्य स्रोत् र्योः यस्य प्रेत्रः यस्य विषयः यस्य द्वाः विषयः यस्य स्रोत्रः यस्य विष् चुत्रैः चर्याया अञ्चूदः मी मानदः विदः यर उत्र त्यः यहेतः तथा इयः गुत्रः अर्केमः वृतः श्रीः ब्रेंट हेन् वय श्रेंबर वी दे विंब हेन्। यने ज्ञवा हु हेवाश्रायर ब्रेन्यवे व्यवश्रादर थे श्चित्रयात्र्ये याः सर्द्वत् वा यद्भरम्बन् स्वेत् स्वेत् राय्ये स्वतः स्वेत् राय्ये स्व श्चित्रयात्र वे ति हित्र से से हित्य स्थित से हो से सके वा मान्य से स्थाप से स यः सरस्यः क्रुसः यः श्रुतः सेरः मीः श्रुपः सेरः यो श्रुः यः तरः यः स्रुपसः वर्षेतेः विरा । इत्राचार्यस्यानात्राः स्वराचयम् । स्वराधेरः चदः नवरः नुः नवरः नुः यूरः धेव सेंद्र तद्दे व्या सुव सेंद्र साधेव यदि स्नुवया दर्शे विया दर्शे व्यापाया सा

यष्ट्रियायाः क्रियायराय वदाया

१ क्रेंदिन

१ स्नुवसःवर्षेतः द्वेःव। दरः यः द्वेः वः सर्देरः वसूतः या

देशः तर्देरः श्रुवशः वर्षे रवर्षे रवर्षे रवर्षे रविष्यः स्वात्वे वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर

देशायेन्य श्रीत्राचालेना या वरायर श्रीतित्र स्त्रीता देवाया द्वारा स्त्रीता विवास स्त्रीता स् র্থপ্রতা:শ্বর্মানার্থা:শ্বর্মান্ত্রী:বর্মান্ত্রমার্থারিমানার্মান্ত্রমান্ सर्वेद द सर्देद सर्वेद पदे तद्वरास विषय सम्ब्रीय राम सुप्त विष्य से तद्वी पा पेद ब्री विद्युर्ययदुः स्वाप्तस्यायस्य प्रमायाः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वीपः विद्युत्ते स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्व र् महेर बिर र् र् यथ सुरुष स्वर्ति व वि सुरुष स्वर्ति । यय वर्दे सूर्व तर्भाष्ट्रम् व्रमान्द्रास्य स्मान्त्रम् अत्यान्त्रम् वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः व धेव। दर्ने द्वा की र्से दे हिन यर दी। श्रीन या अवद द्वा श्रूवा वसूय दुवेश त्रवायवायात्रः भुर्ते र्यायाय्या स्थायव्या स्यायव्या स्थायव्या स्यायव्या स्थायव्या स्थाय स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्यायव्या स्थायव्या स्थाय स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्थायव्या स्याय स्थायव्या स्थाय मी'तर्चर्यान्'यार्च्चन'नर'न्'स्रुन्यार्यु'तर्चे न'प्येत्र'त्रे । ।प्यन्यवत्येन्'त्वेर्यःनतेः য়৾য়য়য়৻ঽয়৻য়৾৻ড়য়ৼ৻য়৸য়য়য়৻ঽৼ৾৻য়ৣ৾৻ড়য়৻৸ড়য়৻৸৻য়ৼৼ৻য়য়৻য়য়য়৻য়ৣঢ়ঢ়৾৻ तयर वा तर्गेर पर सुर हे केंद्र में बार में वा कर्गा मार्थ वा सुर हो केंद्र में बार में वा कर्ग वा मार्थ वा सुर याने श्रुभाव्य केत्र येदि श्रुवया दर्शे प्येत्र हो । ने व्यया मार्केश श्रेया या या व्यापा वर्षे र्क्षन् यदे त्रह्या देवाया ने त्या यञ्चाया ने देवे यहा यही यही स्वाप्त हो से प्रह्मा स्वाप्त से स्वाप्त से स्व क्रेन र्येदि मालन न्यर न्युक्त या लिया प्येन यथ। यालन ने नि स्त्रीर यदि लियने या प्यर श्रेयश्चरम्याल्यः श्रेष्ट्रयाः त्रम्यः त्रम्यः च्याः चनः यरः चुः चतिः केनः नु য়ৼয়য়ৢয়য়ৢঢ়ৗ৾ঀ৾৽৻ঀঀৼড়৾ঢ়ৼয়ৼঢ়ৢয়ৣঢ়ৼ৾য়ৄ৾ঀ৽য়ৼঀৗ৾ঀ৻য়য়য়ঀ৽য়ৠয়৽য়য়ৣঢ়য়ৼ৻ঢ়য়৾৽ वै रेत्। तुषा के र्वयाया श्रुवया सुरवर्षे व विद्युत स्वित से या विवासी वर्षे राया स्वार क्क्याम्भी यो ने या पावया दुः यो दाय र स्कूदाया प्रहे या तर्चर्यान्तरे श्रुप्याचान्त्रयायात्रा रेषाची प्रमः नुःश्रुप्या स्रुप्यों श्रुप्तेषा स्री

ग्रे अर्क्ना ग्रम् अः स्ट्रेन्यन् स्या ग्रेने अर्क्ना ग्रम् स्यास्य स्था

देःवृरःचन्दःवेदःद्य। श्रुयःचुःकेःकुदःवीःश्रुवयःवर्धेःवदैःयःश्रुवयःयुःवर्धेः र्कुयायार्शेन्यायायादान्वन् ग्राटारुटारुटार्टार्श्वे मुत्रयासुरवर्शे प्रवे प्रदेशास्त्रया मस्यानेषाकुरोमायाके। यभिष्याम्यायम्बर्धाः विष्यामायानेष् न्गेंदि सर्द्भवा वासुस्र नर्देश नर्दे वानेवास सम्बन्धा । सम्बन्धः स्वा वोदे रदः चर्षय मुद्र-स्कृत स्थाय । द्वित्र-रूप्त स्वाय द्वित स्वाय द्वित स्वाय । सुद्र-**द्धुनःश्चेरः येदेः नरः नुः शुन्यः सुः यद्धे। ।** बिर्यः विः येगाः ग्वेषः निश्वः निष्यः निष्य यदःदर्गोत्रः अर्केवाः वाशुः अत्रात्वेश्वः यः श्वदशः क्रुशः केशः केशः द्वाः विद्वः वाशुः अदेशः श्वशः । धीव व चे र से या वेंद्र र से र रे र देश स्थान स् तर्व नार लेब लेब हैं या व स्ट्रेंच त्यव तर्ह्य र नात न से के लिब हो है से सार के या है है से सा या बदाया योदायया यो त्विषा गीया देया कर्दा क्वाया या वादा के त्या विष्ठा विष्ठा विष्ठा श्चीयोः वेषाः सूर्यः प्राप्तिः वाया हिनाया वेषा सुः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स् रेत्। देवःग्रहः वदः यः यह्या क्रियायः विवाः धेवः क्षेटः । व्यतः यहः वाववः क्षेः वह्नेवः स्वेवः याम्यादके यालेगा भेता सुवयादर्शे देशे देशे देश देश देश लेगा सामेया देश देश व्ययमः क्रुंचि प्रोव म्यावार्षिय स्वर्धिय स्वरतिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वरतिय स्वर्धिय स्वरतिय स्वरतिय स्वरतिय स्वरतिय स्वर्धिय स्वर्या स्वर्धिय स्वर्या स्वर्या स्वरतिय स्वरतिय स्वरतिय स्वरतिय स्वरतिय स् महेरविष्यायायय। अभिवयासी विष्यायरा स्तर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मदी | न्यों ब सकेवा वासुस क्षेत्र क्षेत्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास् बुवायायदे विवास हेन्द्र वहिंदा बियावासुर या है। यर या क्रियावासून यदे । क्रमः भ्रेत्रः भ्रेत्राः सः भ्रेत्रः तुवायाया विवा वीया ग्राटः ते स्वया नवीयायायाया स्वर्धा है।

यदःवहिन्नश्रायान्त्रमुखार्यादे नादः धेत्र लेखा श्चीरः विविदः विवेशस्य निष्याः विवास गुरुवा क्षेत्राप्तर देव पीट होट प्रत्या क्षेत्रा प्रदार्श्वरास्त्र स्वाप्त प्रत्या प्रदास्त्र प्रत्या प्रत्य प्रत्य प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्य प्रत् ५८:वासुस्राचीनिःवाः स्वान्वत्राः सुन्वत्रः सुन्वत्रां निःचित्रा नेः व्यवः निःचित्रः स्वर्केवाः यश्रमः संभित्रः सदिः श्रुप्तमः स्युः दर्शे स्या विष्यः स्योदः स्रोदः दे। को श्रुप्तः प्रस्या स्या श्चित्रयासुरवर्षे त्र्यास श्चित्र व श्चित्रयासुर्ये दिवस के स्वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र व क्रॅ्ब-यःमालवनःस्ट्रान्वया । व्रिन्यःस्ट्राच्याःस्ट्राच्यकःयायाःस्ट्री । व्रेट्याःस्ट्रान्यः विता क्षित्रं से सदयः या पेत् हत् हें निया विका निर्देश सामूरा तपुरवायमाञ्चा हेवामाची माजीयात्र हिवामा त्रुय १ माजीयात्र हिवामात्र १ क्रॅ्रेचर्या ग्रीया वाल्य तहेवायाया त्यया क्रेंच्यायते त्याया न्या वाल्या वाल्य देवः ब्रेटः दुःगुद्रावः के स्टर्के स्टर्के स्वर्धः ब्रुवायः हे स्टरः खूद्राययः श्रुवयः स्रुवयायः यश्चित्रास्युः यादः प्रीवः व दर्गीवः व्यक्चेयाः याश्चुयः ये प्यवा विष्यः व वे व व व व व व व व व व व व व व व व বেন্মার্মমান্যাম্মমান্তর স্ক্রীবামার প্রবামাই ঐন্মান্মর মান্যান্তর স্থাবা বস্থা ह्येंद्र पतित्र द्र द्र दिर्वर पति वात्र राष्ट्र वा प्येंद्र पति हु सक्त है पीत ले ता धिते यत्।यन्। यद्याः क्षुत्राः यः त्रोत्रात्यः क्षुत्यः यदिः क्षुः त्रः क्षंदः चः त्रोदः क्षेदः ग्रादः। . लय.जया.श्रुश्य. ३४. ४८. धेर.ज. मुं. झे. याङ्ग्या.ज.या १२. यथा. स्रीयश्र श्रीयश्र स्रीयश्र योद्रायद्वरः क्रुं शास्त्रः स्त्रुवा प्रस्त्रा प्रस्ता स्त्रितः प्रवा प्रस्ता स्त्रितः प्रवा प्रवा प्रदा स्त्र व्यवा विष्ठेश गाः कः वद्यीवाश सेटः वः दर्गोवः सर्वेवा वीः स्वाशः हेशः विवेदः चविः वावशः वशः शेयशक्तात्रदेव सुवायाणीव। देशाव स्टा हिन क्षीश सुवश सुवश सुवश सुवि वार्डे वें क्रेंब्र यान्दर वक्षुव यदी पेंब्र एवं नेवा क्रुं ने वेंब्या या हीन नु वाया के वा पीवा ने नेवा

५८:धॅर्र हर्ष ब्राया वर्ष द्वार वर्ष वर्ष के देश वर्ष के वर्ष र्येतिः केंबा ममका उद्दासकृतानु वर्षे कार्येद न प्याप्त मानि वर्षे कार्ये केंद्र न प्रमुक्त । वर्षे कार्ये केंद्र न प्रमुक्त । वर्षे कार्ये केंद्र न प्रमुक्त । र्धेति वर वर्षा नर र्धेर चलवा र्हेव च्रायां श्री सुन नगाय वर्षा र्थे चेर न ने स्मेह में स्पर्ट से नयालेगायार्द्यराच्या देवे बराव स्रेव प्रयास्ट हेरायुर पसूव पायार्द्य स्रे प्र तपुः क्रींचर्या क्रीयालया चरावया वरावरा क्रियालया लिया वराव्या प्राप्त क्रिया न्येंब न्यव चे बिषायर शुराया धेव चे । । ने प्यर न्नाय वने व्यान हो ना हो व <u> ५८ वरी ५५ यो वर्षे ५५ यो धीर के श्रायरी ५५ यो धीर की खेंचा </u> यदैन्द्रयन्द्रविदेन्द्रीयः भूवित्वर्षेदे स्त्रीतिः स्त्रवस्तर्यक्षेत्रः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्तर् वर्नेन्'ग्री'न्न्'य'ग्रेश्रेश'र्ये'यशन्द'र्ये'यदे'न्न्'य'भीत्'यशःमुत्र'श्रीश्रायश्चुर'त्र्या हेरायाम्हिरायाङ्कित्यविमानस्यास्त्रेत्रायाः स्थानम् स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्य स्था भ्रीत्मह्म ह्युंग्रम् केन से लिया प्येन सायान प्येन लिया प्यन सेन भ्रीत्वर्गे स्वर के वन वयासुर से द्रात्वेद ग्रीवर दुष्ठा हेया या या वश्चार वा दे अञ्चेत्र या सुर हो विद सूर हो। ब्रेन्यते व्यवस्था में विषय स्थान स् श्चित्रशत्रों न्दः वार्षेत्रात्रनेवर्यात्त्व्या वेरः सदः ये वर्षायायात्रः नेत्रः नुः वार्तेः स्वा वीर्यः वर्ची चन्द्र । वद्रुव यथावर्ची च। बे सूद वीयावर्ची च र्ड्या बिवा या विदेशाया श्चित्रयादम् सम्बद्धाः स्ट्रीयास्त्री

१ वुःच्याः अर्ह्याः यासुसः संस्थित्य वृदः या १ स्टब्सः क्षुरुषः द्रोति स्थितेया

नेयात्र न्द्रायात्रहेवा यदि यक्ति । वास्य यो न्द्राया यो वास्य वास्य वास्य वास्य वास्य वास्य वास्य वास्य वास्य क्रुयः लेयः यः भ्रुः वायुत्रः क्रीः वदवा केदः उत्रः लेवाः धेत। भ्रुः वायुत्रः दे। व्यट्यास्त्रा स्वयास्त्र्वस्ययास्त्रा । ने वयास्त्र्यास्त्राने निष्यप्तस्यास्त्राने निष्यप्तस्यास्त्रा योद्रायतिः सदायवित्। द्वीया सम्यादाद्या प्रतिः यो विकावया स्वादाः सुः त्तिः देवः व्रेन्यते क्रम्यारे विष्ठ्रम्भून्य। यो नेयासूरया हेवाया सबराध्वेन यते रेवा यते । दें चि केंबा सुस्रा हु स चतुर्व क्वी चत्वा क्षेत्र दे त्य हेंबाबाया यो नेवा केंबा सुद्वा विवा वा सुद्वा क्रेंबान्यर प्राची विज्ञान्य मुक्षान्य मुक्रम्य मुक्षान्य मुक्षान् बेयानहें न्या भेता वियानायुरयायदीन स्क्रीयानसूत्रे निर्धारयासुत्री वि विरायित्रक्षात्रात्रवि वित्रिम्मायक्कित्र्रम् । त्रिम्मायक्षित्रक्षात्रम् वित्रक्षात्रम् वित्रक्षात्रम् वित्रक तुपःशेंदःपदेः श्रेंपराः श्रेंकः त्राप्तवाः प्रावा प्रविदेः प्राव्याः स्पृपाराः श्रेः सूदः कदेः प्रवि , प्रतः स्ट्रेट् वा त्रुवा या ग्री: स्नू रः प्येट्या या सुर्धिवा या परे या त्या खू व्यु ता क्षी रहता विवा विवा लुव.ब्री विकासी.कु.पर.लुव.ब्रा पत्त्र.यपु.ध.या.कुर्य.ता.यकुरा.क्रिय.पर्या. क्रीयाची वेचायायायायाची वाया वया वह्या चुति ह्यी टावरी राण्या न चुया सुः सुः न व्याया वयायह्रम् यायञ्जाविषाश्चीः यह्म क्रेव प्रमुद्द्र या हो। क्रेव श्चीः विषय विषय विषय विषय मनुषानुः क्रेन्यायस्त्रायः विष्युः स्थान् । यदाम्याने म्यायाने स्थाने । गर्डर अदे ग्वर अप्ता ख्रुर अप्त अप्ता विंग क्षेत्र ले अप्ता क्षेत्र या व मुया वियानास्त्रायायाया । यरयामुयाने वस्यान्यायायन्याये यम्रे प्रते सुवाका है। अर्दन् प्रते तस्रे व त्यका कर्तः सामान्य विवाधी वा याराव सु: भ्रेवावायावेरातु:याके सुट बेरावायावेरातु:यदि:ख्वावादिंद केट वटायायाकीः र्नः यालेया स्त्री विद्यात्रान् हिमायन्यान्ययास्य लेखायदे हिमायन्या केता र्थे लेग प्यत् यस्य सुस्रेग राय देश द्विस यत्र गाय द्वार यस्य रात्रे। द्वित श्वीस द्वी भ्रेंदिःदश्रमः नुःर्नेदः क्रेनः भेंदिना में सावा नेदे नदः नुःनुः न सेनः सदे सो साना गीया वित्रात्य देवे स्ट्रेट दुः स्वय व स्वव से बिवा द्रा देवे स्ट्रेट स्रा स्वव से बिवा वीया वापा द्रया वर्डम् नुवा पर राव वे साथ र्डमा क्रीसा खेवा वार्डेन् या ने तर्दा वर्षे साथ विवा শ্বীবা, হীপারপা ব্রিট্র, শ্রীপার্থ হারা সহসা শ্বীকারান্ত্র, সহসা শ্বীকার করে প্রত্যা প্রত্যা <u> २८. घर्षा १२८. प्राष्ट्रिय. त. त्रा. तृष्ट्रा. त्रा. तृष्ट्रा. त्रा. त्रा. त्रा. त्रा. त्रा. त्रा. त्रा. त्र</u> स्रुयायदेव।वाष्पर्याययास्य स्रुप्तेवायायदे वार्षे देवा हु र्द्धन्दो दे त्यूरा वार्षे वाया क्ट.वियाने अट्याक्तिया विद्यावस्याता यट होता विद्यापा स्वाप्त यह या क्वीया श्रीयायद्वित प्रतित प्रतित प्रतित प्रतित प्रति विष्यायद्वियायद्वियायद्वियायद्वियायद्विया श्रीया श्रीय श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीय श्रीया श्रीय श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीय श ब्रिअन् दुर्वेत्। देरस्वैन्द्वेदिः त्रज्ञ अन्दुः येवर्यायन्दरन्देरः त्वर्यायत्वर्याः अवगः विदः यमःश्रमाय्येषायाद्वरा। द्वायमाञ्चाद्वरा श्रुवायाद्वर्षायाद्वरायाह्नेताया र्शेन्। या व्याप्त विष्ट्रिया प्रमुखा प्रमुखा प्रमुखा प्रमुखा विष्टु प्रमुखा विष्टु प्रमुखा विष्टु प्रमुखा प्र र्वे व्यायम् अत्राह्म विकास वि रकार्त्रे हेकायते स्रेट र् हेकाया नकान्यायते न् स्त्रीमा स्राटी नुष्यायका नर्वेवाया र्थे खेत्। बीत्रवाद्यीताया १५वाववात्रवात्रवाया वित्यास्य स्थाना सूर्विकाय है। बुर-दु-दुर-कु-धोद-लुर-धर-राम्य-राकुरा-कुर-धोद-रोद-प्रद-वीय-व-राम्य-म् भ्रीमा श्रुष्या भेरित स्रोहेरिका स्रीमा मा स्रीमा स्रोहित स्रीमा स्री यासुरा । तर्रे द्या त्रहेवा हेत द्या यासुरा हो। । पर्रेरा खूत सद्या क्या द्या सी यदया । यदयः क्रुयः यदेवः ययः दुवाः यद्धयः व्या । वियः देः यविवः क्रेयः ददः दवोः त्त्व गिर्भात्र सुरावया स्वीया पर्य गास्त्र गास्त्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् বর্ষীয়াপ্রধারাধুরা মঞ্চের প্রমাইর প্রধার্ম। সর্বে শ্রীকা মনুর্পার্জির বের্বি মর্নির স্থানির चर्षेत्र र्नु चर्षेयायया साचिया चर्षेत्र र्नु वाचियाया चर्षेत्र या स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व याबर्याबेश्यर्रयाष्ट्रयायाकेर्युष्ट्या देयाद्वियावर्षात्रयास्यास्याप्रया क्रॅंब लुब प्या सूर्व र्वेष दे त्र केंब्र व्या केंब्र क्री क्री मुख से द दे साद द व्या वा म्या प्रति विकास के स्वास के स শ্বীবা'ঊর্ন'ম'ব্রিম্মেমন'দু'ল্লুম'বর্মরির'শ্রামের্বর্মারার্ক্সমান্ত্রমানার্ক্সমান্ত্রমানার্ক্সমান্ত্রির'আমন'দু बुद नदी बर नदी द्वो स से तद्वा रेस ग्रेश ग्रेश ग्रेश ग्रेश ग्रेश ग्रेश ग्रूट राम प्र बुद रेश सामा स ने प्यर न्या पर्डे या या क्रया श्रीका श्रीका प्रीका निया प्रीका श्रीका श न्वो सः प्रेन्या या यदित्। यन या क्षया क्षया क्षया विषया त्वेषाःषीःक्रीःतःत्येदःभ्रवयःविःदेःदेःद्रःयषाःक्षेषाःषीयःवद्यःभ्रवयःविषःविषाःवीयः यर्केर् हेव लिया या मर्झेर या लिया शुरूष्या रेवे र यो यदे र यो विवेश कुर व र यो र

तर्रिक्षात्रम्यात्रम्या क्षेत्रा भीत्रा स्त्रित्रा स्त्रित्र स्त्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्र स्त्रित्र स्त्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्र स्त्रित्र स्त्र ষ্ক্রীঝ'ঐ'নক্কু'ঐর'ঊর'শ্রুম'বি'মম'বীঝ'মন'দ্ব'ল্লুম'নস্ক্রীর'বেল্রুঝ'নস্কুমঝ'এঝ' नेरन्ज्ञ वर्डे अयदे में तयद विवाद अयदिर तयुर व्यव या दे व्यव व्यव विवाद य. यट्या मैया वे. या वे. य म्रम्यास्त्र स्वरं स क्ष्यां अर्वे वे ते वे अप्यास्त्र हैं स्थान वर्ष स्थान स <u> अर्थःक्रियःयः अर्थःक्रुयः पर्द्यः भूतः देतः केः धेतः तेतः वे स</u> श्चित्रयात्र्वे पत्रुवः सायया यात्रेवा गृहेतः यया यत्रा श्वीतः तृता । प्रोः नेया ज.लट.मुं.मैय.तथा विरय.मैय.तर्थ.पर्य.पर्य.प्रेट्य.मैर.मैया विरामिर्य. यन्दा वर्डें स्वतः स क्रीक्षे. वश्रवाक्त्यात्रवाचे नाक्त्या वृत्याचान्ता क्षेत्राचान्ता निर्धाना विराधना क्र या श्रेषाश्रामा स्वता प्रते स्वीता त्रा स्वता प्रता श्रेष्ठा स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्व ययात्रात्रत्यात्रेयाने प्रमानकें या स्वाप्त प्रमाने प् यःद्देःभूरः वाशुरश्रायः दे विं तः भूरः धेतः यः या विविधावात्वतः दुः श्रीः तश्चुरः वदेः दे विं तः *ऀ*३८७७,कुंल.ट्रेर.३८८,कुंश.ह.केंर.चेंदित्त.दे.चेंच्येय.दे.चेंच्येय.दे.चेंच्येय. শ্বীব্যবাধুমামান্ত্রমানান্ত্রমানান্ত্রমান্ত্ व न्या पर्रमाय लेका मसूरका दे व करका क्रिका वा पर पर्रमा करका क्रिका व करका क्रिका वा पर पर्रमा करका क्रिका व

यरयाक्चियालु द्वीयाया है। धीवाले वा वयवायाया सेंद्रा स्वा वक्चायाया यदे विरः कुव केषावा सुरुषाया दरा गुवा सबिव विदेश स्त्रीय वीषा ग्राम दे स्रिय हु याश्रुर्या ने सु त्रुते यरम कुराने है रेया य न्र त्वयम सु सु रा योवेयात्राता यह्या. हेव. अद्वियता श्रुका. तु. तत्त्या प्रते वा विष्या विषया ५८ सी वस्र अन्तर श्री स्रेत यर श्रुर य स्ट्रिट अ हे ज्ञा स्वर श्रीत। अर्जेत ग्रात वरा थॅन हन ग्रान खून क्री यद्या हेट थेन ने रेट्रा हे यत्नेन याने या स्ट्रा है । यद यक्ष्यं प्रचर स्यापिका रिये चित्र प्रकृत सुर्या सुर्या परिया प्रीय प्राप्त राष्ट्र । ঽয়৾য়য়য়য়ঽঀ৾য়ৢয়য়৾ঀয়য়য়য়য়ৣয়৻ৼয়ৣৼ৻য়ৣৼ৻ঽয়৾য়ড়ঢ়৻য়ৄয়য়য়৻ঽৼ৻য়ৄয়৻য়য়য় व। दे.चलेव.चालेवायायदे.च.सूदे.चिंद्र-चःवाडेवा.ची.चर्येद्र-वययाद्रदःवदःवदःचः ये⁻बाडेबा-न्द-त्रद्व-व-न्दा न्ये-चुन-वबद-ये-प्येन-क्र्न-क्री-वस्त्र-वस्त्र-चे-यक्ति। प्रि. यक्त्रां मानकी प्रक्ति मानिका योदा याविका नि. योदी सामिका मानिका म वड विटा ५ दर क्वेब अर्द्ध अर्थ अर्थे अर्थे दें क्षु दगार धे दे दर दत्व गर्डेंग हें र प्रसूर भ्री:सर्देव:य:वाहेश:देर:वाहेवाय:सेद:यर:वाशुर्य। दे:वय:व:दे:वलेव:वालेवाय: यतः अति व सुति। तुर तु रेति प्येत प्रत प्यर से सिति क्षे वे त्र स्या ग्रीस वहिन ग्रीस सी वार यने स्मानुने प्रविव गर्ने गर्याय दे सुदि स्पेन प्रव न्दरा गर्यु र के सुन्तु ले ना म्बर्दः तर्मेना व्यवः श्रीः मदेवः यदे दे मिन्दि। मङ्गवः यः म्बर्वः यः म्बर्वः यः म्बर्वः यः मह्यवः यः मह्यवः य यावर्याया होया स्त्री न्याया के का यो प्रतिवास के प्रत यावयासुःतर्वोद्दायते कुः यावेदाया क्रयाया व्ययया उद्दाश्ची याकेवा द्वारा वास्तर द्वारया प्यय

स्वायान्त्रीत् स्वायान्य स्वयान्य स्वयाय्य स्वयाय्य स्वयाय्य स्वया

१ केंग्र'न्गेंब्र'सकेंग

ने तथा निर्मित् अर्क्या या के श्राया ने कि स्वार्गीत अर्क्या प्रीत स्वार्मीत अर्क्या या के श्री स्वार्मीत स्वर्मीत स्वार्मीत स्व

न्वींया वर्वोवायने व. बी. क्रेंयान्य व्यायने व. बी. क्रेंया विष्या व्यायने व. बी. व्यायने व. वी. व्यायने व. वि. व्यायने व. वी. व्यायने व. वी. व्यायने व. वि. व्यायने व. वि. व्यायने व. वि. व्यायने व. वी. व्यायने व. वि. व्यायने व. व्यायमे व. व. व्यायमे व. व्यायमे व. व्यायमे व. व्यायमे व. व्यायमे व. व्यायम रदःचलेवःदुःगवयःयःलेवाःस्रे। अर्वोवःयेः द्वाययःयय। वादःलेवाःवादःवीयः कवायान्ययान। विनेत्रविध्यासम्बद्धत्वेत्रच्याः विष्ययान्त्रयाः तर्वोवान्यन्दरः। विकास्रिक्तिनदेवन्यन्द्रवान्वोकानस्रुका विकासकार्को ।देः यदःवर्डेबःवृत्वद्वःवद्वःश्चैवःवासुद्वःयवेःर्हेबःदी येग्वयःयदःवासुदःयःधेवःही वर्दे वा र्ज्ञ्जा या द्वा या द्वा या द्वा विष्टु वा राज्य विष्टु वा राज्य वा विष्टु वा मीयारेवायरात्वातारे इस्रयाधीत ययारेयाहेवायायते केंग्रावस्य उत्तीत्वावा तसूया व्यन्याधित। नेति श्वीरावहेन श्वति नेता व्यासे वात्रा केता वात्रा केता विवास नित्रा नहें न हो न ही है के पार्थ में राय राय प्रदानी है रा है इसा न वना इसाया न है राये न है। श्चेंत द्वें प्रचित्र प्रों के स्वीया भ्रें व प्रदे द्वा के या विषय है या विष हेंग्रथं प्रति प्रति । विषयं मुख्या दे मिक्रेयं या दे विषयं प्रति । विषयं मुख्या विषयं विषयं । वुदिः क्रें वयान्वे व प्रामित्र व प्रामित् यरयः क्रुयः द्रययः ग्रीयः केयः नसूतः या । विदेवः यः ग्रीयः या प्यटः द्रगः यहेवा विषामस्त्रमा नेमिहिषार्थे इरारेका ग्रीरेनिति क्वें वर्षा यन्त्रमा गुबः हैं वः सूचायः हैं बाया इतः देवादता देवादया हैं बाया है बा यदः हेर् ने ने ने के के प्रति व व ने ने ने के प्रति व व ने ने ने ने के प्रति व व ने के प्रति व व ने के प्रति व न्वर्यानसूर्य्रानसूर्रात्रा क्रिंग्यानस्र ५८। हिंग्यायहें १ ने सुत्तु ५ ५८। श्रिया स्वयायित हि क्याया ८८। भिर्येट विषय तार्यय त्रात्र हो । योश्री राज्य त्राया प्रश्रेष र्था विषानासुर्या देः आरानाहेन येति क्षेत्र स्था से देन नासुरा नुत्र त्या यानुत्यः चुतिः क्क्षेत्र्वरुगन् च्राच्याः च्राच्याः च्राच्याः चर्षेत्रः विद्यान्यत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः न्यान्यत्रे व दे सु पुते खुर की केंब्रा सु सूर प्रविधित्ये । पर्या येति क्रीत की पर्या की विष् धीयो तर्रुषाय व्यवस्थित स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व ये तर्षात्रात्रात्रात्रात्रीयात्रात्रात्रीयात्रात्रीत्रात्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्र क्षेत्राची हेत रु: शुराया भेता हेता याय दे भेता रुवा श्री हेत रु: शुराया या भेता था र्यदः हेव.रं.क्रीर.त.जश.र्जे.लुरी रं.क्री.चंदुः श.जश.क्री.ईश.चर्या.क्रीश.त.वीर.क्रेच. श्रेयशन्यते श्रेश्चेन न्द्र विन्यम् नुः सर्वे व में वुस्रश्यास्य सर्वे न्यते नगिते नवे नि देव त्रचोव्य य क्कु के य सुर्य देव सदेव हेवाय ग्री देय य पसूर य से र धुैव सदेव हेवाय क्व रहा वर्षे केट केट के का नविष्य नक्ष रायते सुर्व स्वास्त्र स्वा श्रान्ता विनायमानु न्यायान्य स्वायान्य न्यायान्य स्वायान्य स्वयान्य स्वयाय स श्र्यायाययायस्य। देवित्रद्देहिधेयायदेते कुदेस्ट्वेराययस्याया ८८. द्रमा तह्ने प्रावित प्रमूप्त प्राया स्मारा द्रमा प्रायति स्रायति स्रो स्र्रित स्रो स्राया स्री स्र ववुद्दाना सूरानु ध्येषा नेषा त्युदान्दा हें ज्ञारायते निद्या हिन् की केंगानी प्राप्ते नि यन्द्रयाधीत्रयम् केंग्राद्रांत्रयकेषायीः धेत्रकृत्वेग्रायादेशास्याकृत्यः श्रीः यक्षेत्र.त.चेत्र.ज। यक्षेत्र.त.चेत्र.त.देत्र.चीत.त्रवदुः द्वत्र.चलवा.खेवा.क्षेत्र.तत्र.

३ दशें त्रदुव दशेंव अर्देश

ने वश्यान गेवि यह के वा मासूयायान वो वन्द्व प्योव हो। ने प्योव ने दिव देव वि

मुंजिल्लुब्र भेष नम्भेर क्षेत्र मुंबर मुंबर मान्य स्थित्र अपना मान्य स्थान मान्य स्थान मान्य स्थान स्थान स्थान धिव है। अर्वे व र्ये बुअरायरा है सु है स्ने द व व वि । धि वेरा व विवास यन्त्रायदेश्वरा विश्वरश्वराये विश्वरश्वराये विश्वराये वि व्यवः हेन्। । ठेर्यायासुर्याः हे। हे व्यायः रेयाः यदेः व्यवः हे स्रोनः यारेयाः यदिः प्रवि: मृत्रा वरः प्रो: विश्वाची वाषाः यः देवाः यदिः प्रवि: मृतः प्रवः वाश्वा देः चितः वुर्याः व्यवस्य स्युः बुर्य प्रति वर कर्यः स्रोर्यः यसा क्ष्यः देश्वर स्थाप्त स्थितः व्यवस्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य श्चैय यश श्वेय प्रति भेता भेषा श्चीय यश श्वेय प्रति भेता न्यत श्चीयायकाश्चीत्यायदे प्रेत्राप्त्र प्रताप्त्र प्रताप्ति प्रताप्त्र प्रताप्त्र प्रताप्ति प्रतापति हरामहिषानसूर प्रथारीमार्चे वार्षे वाह्य प्रसान है। सुन्तरी थेव निवानकार के निवार के सामा करते हैं मानि के निवार के न नेवि वेषायक्रित र्येति न्यो तन्त्र क्षेत्रे रे वि स्थित त्या १५४ र र स्यो न्यो तन्त्र त्या यहिँद तःरेवाः<u>च</u>ित्यः क्चैःक्षेवायः तयः न्यवः प्रयानेतः प्यवः त्यवाः सः त्यः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः क्रीयाद्वी:वरःवी:दवी:वर्द्वरवसूव। ररःयुवायायाः क्रियः श्रयः यायावयायः वः सूवाः मी.भ्रुषाःभ्रेषाःप। रेपाःवहितःश्चीःषाःयाःचलुग्राषाःयवेतःवेदाःस्वाषाःयुत्रःस्रुषाःयायाः नदः **พ.**चेशक्तीः नितर प्रचित्र पर्वे क्रिंश क्रींट स्र्ट अपदिवा हेन प्रमाय प्रचित्र की श्चित्र-१८-१ वर्षः मध्यया उत् दिते तर दु न सुन प्याप्त वि

र्भे दर्गोत् सर्केना मी देश केना यत्र या

दे.क्षेत्र:श्रम्भः क्षेत्रा विश्व क्षेत्र:देश्व क्षेत्र:वेश्व क्षेत्र:श्रमः क्षेत्र:श्रमः विश्व क्षेत्रः विश्व

यर्केन हेन धुरा विद्युर प्रायेष धुर प्रोव यर्केन हेन विश्व मासूर या है। विद्यानम्मित्रं द्वीराद्वीरा विषयम्य। यद्वित्रायवीयम्भित्रं विषयः उन् याः कवा याः विवायाः यो नायाः विवायाः ने यन् वा वा वा नु सी श्रीन् उन प्यीन् प्रवीत सी विवायाः नि 'ऄ॔ॱढ़ॻऀ॔ॱॻॱऺॴॖॕॺॱय़ॱऺॸॱ। वङ्गेॱॻढ़ॱधऀॻऻॺॱॾॕॱॺॖऀ॔ॻऻॺॱऄॗ॔ॱॱॶ॓ॸॱॶऀॸॱढ़ॻॗऀॸॱॻॱॿॕ॔ॱ बेयायया हेंद्र सेंट्यायया ने या द्वीया हेंद्र प्यते प्येट्र स्वर सेस्य स्वर सम्बद्ध द्वा वर्षाचवुःस्रद्यात्रस्यात्रस्यात्रहेत्वरायात्रः। वहवाहेवःश्ची क्रुवःश्चरःहेरः र्टा अर्क्या हेर् हीरा विषायका वहेवा हेर् वस्र वा स्ति ही ही व दि ही होरा विषय है है बन् भी में बादा चन चन चन के प्रमुक्त के प्राप्त के बादी के बाद यव विवाय प्रतः स्वेर प्रयास्य स्वर प्रयाय व प्रदेश हेव है । की क्रुव द् श्रुर प्रयाय व । सर्क्रिया मुरत्युर प्रायोग्य प्रति प्रायम्य मित्र प्रायम्य प्रायम् प्रति सर्क्रिया स्थान स वर्ष्ठ्यात्वरार्श्चेत्रायदेः अवरः वृष्णायाने रहेरान्त्रीत् अहेषा प्येत् यय। अदया सुर्याणीः क्रेंब्र-याप्यम्प्येब्र-द्वेष्यम्। बेर्ग्यान्यम् देवाप्येन्वेष्यः क्रेंब्र-प्राया । द्वारावाष्या मुवानदे पुरावाद्यमा वर्षा विषान्य सुर्यायम् स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स् पुराधित। दे सूरत्यपट केंबादे प्यट सूर्व या बद्धा की वाद्यी सेंदि की वावा ग्वन रु. की त्र हुर प्रति श्वीरा दे ग्विश गायन र्स्न हेन रुर प्रहेन या भ्रानु प्रीन है रेत्। देते ध्वेरदेश्वरते यथा दे चुर वी वर्षया व श्वुव यते ख्वत यर ख्वीया यर्क्त हित् वी रेअ'यरयाक्चयां व्याप्यरायलया देखयाकेयाद्या देखिक्याक्चियां क्रियाक्चियां व्याप्ये सुन्वर्भुवायान्वोत्तर्वाधेवायसान्वोत्तर्वाहेसासुन्ववायाधिवा

४ श्रुवरासुरर्वे र्ख्याचन्द्रा

यट स्वरम् कुषाया केंद्राया केंद्रायायम्। न्वोत्तर्द्रायायमा न्व्रीयायदेः म्याया मित्रा क्षेत्र स्वर् निवाया सामित्र स्वर् । वित्र क्षेत्र स्वर् निक्ष निवाया निवाय सामित्र स्वर् । वित्र म्बर्याने निवे त्वत्व प्रीव प्रमास्त्रे व्यास्त्री व्यास्त्री त्वा स्त्री प्रमास्त्री व्यास्त्री व् वर्चे वर्षे दे दे ते वर्षे के वर वर्षे के वर्षे त्र्वी न्दार्वा स्त्रीय राष्ट्री स्त्री स्राया में स्वर्ण स्तर्भ स्त्री वर्चे वर्दे रदायुग्या श्रीस्वाय द्वाय द्याया वर्षे द्वाया वर्याय वर्षे द्वाया वर्षे द्वाया वर्षे द्वाया वर्षे द्वाया वर्याय वर्याय वर्षे द्वाया वर्षे द्वाया वर्याया वर्याया वर्याया वर्षे द्वाया वर्याया वर्यायाया वर्याया वर्याया वर्यायाया यालन क्रुन या च्रिन चेन यदे नगीन सर्वेग यासुरा या सुनरा सुगर्स स्वास्य स्वास्य व्यायर वर्दे र या कुरि क्षुवया वर्वे दिरा। वर्दे यर द्वित वेवा यया दुया वस्त्रीयाया ঀ৾য়য়৾৾ঀ৾ৼয়য়ৼৼৼড়ৣৼয়ঀয়ৢঢ়য়ঢ়ৼয়ঢ়ৼঢ়ঀ৾ৼয়ঢ়৾ঢ়য়ড়য়ঢ়ৢয়য়ৢঢ়য়ঢ়ঀৗ৾ড়৾য়৸ यापीद्रायमानेषायदे र्कुया श्रीयषा श्रीयषा श्रीयषा स्वापी प्राप्त मित्रा मित्रा स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी स्व न्वींबायर रदा बुदावी पो लेबावारें निवब क्षेत्री स्वेतायदे रदा या सहसायर वहें वा क्रै. ट्रे. क्रियो माला में भारत प्राप्त प्रति स्वित स्व त्देतुःश्चेच्यात्रज्ञाः त्रायात्राविषः त्रयात्राद्वरः त्रयायायाः व्यवायाः व्यवायाः तर्नेषाग्रहः में भ्रिया युवा क्षेत्रा क्षेत्र में प्रदेश स्वर्धि में में प्रदेश स्वर्धि स्वर्ये स्वर्ये स्वर्धि स्वर्ये स्वर्धि स्वर्ध यायवयान्त्री स्थायाञ्चितयास्यायहेती विरयाक्चियायाञ्चितयास्य मकुर्ता विष्याताः स्नीयमान्याः मान्याः परियो । तर्वे । तर्वे । तर्वे । यर्वे । विष्यः र्देव या तुरावा भी दे प्यार मुख्य रे सुवा या यो ये या के दे स्या का या विष्ण मुज्ञाबाद्या जिल्लाकुरा सुर्वे न स्वत्या स्वीत्वा के बादा स्वीत्वा स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्वीता स्वता स्व अवरः व्यवाः अदयः क्रुया देः आदः अवरः वाहुवाः वः क्रेंयः श्लाः वाडेवाः यः आदहेवः यर शे तेंद कु ने सरे स्वाया वस्त्र उत् सवर वुवा द वेंद्र या पर ति त्यव के वाहिवा ता वननायाध्येत्राहे। कुनान्नायाया। सुनासुरानदीर्क्यास्त्रासुरा । योना ष्ठिर तहेन प्राप्त प्रमान क्षेत्र । क्षित्र इस महिन्य प्रमान परि र्क्रेम्या । मान्त्रः श्चीः सुप्रयः मात्रयः याध्येतः वे । विष्यः मास्यः याध्यः याधः । देः षरः रदः श्रूदः देवः क्चीः देव। स्रोवः वः केवः केदः ददः श्रदः स्रोदः सरः चलुवावायः सदीः यदवः क्रियानेते.सुं,नवो:वन्त्रा वार्युट:नयःक्रिया श्रुवायायटयःक्रियासुं,वाद्ययायाः वः भुग्नाश्रुयः नगेवि यकेवा वी रदः चलेव नुः दे चि विष्ठा यर शुन्य य ने सूर धेव ने। मुन्द्रम् मुन्द्रम् भुन्यत्रे अद्यामुयान्त्रम् विवादार्क्र क्षिः भुः उतः धुरा । वेर्वेगयः क्षरः देः भीः यद्यरः सुवाः धुरा । वियः दरः। भोः वेयः चैयःतःजन्ना रेचः सूचः चेजः चषुः श्रुभनः श्रूनः क्रुनः चिनः विनः विनः स्त्रीयः विनः विनः स्त्रीयः विनः विनः विन ५८ व। पिन ५ व द्भुव हें नाय ५ वो १ व ५ व १ विव द्भुव हो वा विव द्भुव हो वा विव द्भुव हो वा विव द्भुव देने वा व सर्केव । डेश वासुरस प्रसारी । देवस सुवस सुवस सुवस स्वित हैं यातार्ज्येश्वारायम् वर्षाच्चारात्युश्वारयाची के वाषाय्ये व कुलिया न्दरा युश्वारयाची कें ग्राम्य सामित्र सम्माने सामित्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

শ্বীবশ:এর্ট্রা

क्रियः प्राप्ति द्वा क्रियः प्राप्ति द्वा क्रियः प्राप्ति क्रियः क्रियः प्राप्ति क्रियः प्राप्ति क्रियः प्राप्ति क्रियः प्राप्ति क्रियः क्

শ্ব ধর ঐর দেশ নামুন ব্র নামুর মা শ্ব ধর ঐর শ্ব

বিদ্যান্ত্ৰীয় বদ্য বিশ্ববহান ব্ৰজ্ঞান কা ক্ৰুবি ক্ষ্মুবকা বেৰ্ছী আমন আঁন স্তি ঠিকা আঁদ স্তি व। नयेरावावयामाविरामवरायाम् क्रिन्यन्तरामाने प्रविवानगीवरामकेया योश्रीयात्राः श्रीत्रवराः श्रीश्रीदः प्रतिः योष्टर् श्रीः सम्राचितः दे । प्रति तर् प्रति । प्रति । स्राचितः । श्रीः श्रुव। दे वित्ते दे त्रीत् अर्केन मुश्रुयाया वहेत द्रश्या भी देने वा वसम्बर्धा स्थान श्चीवः यद्यातः व्यवदः द्यादः वया येवः या विष्यः वया विष्यः वया विषयः विष्यः वया व्यवदः विषयः विष सबर ब्रुवा सेन पाया विदेश क्रीय विवय विदेश केन प्रवास विवय विदेश केन प्रवास विवय विदेश केने प्रवास विदेश केने चलैक निर्मित्र अर्केना नास्तु अप्यान हेक पा भी । भिक् निक निर्मे ने पा परि सम्बन्धि । र्क्त। दे.लर.वर.तपु.वीय.शवयःश्ची.य.वीय.शवशःध्री.यश्चीर.य.ध्रीय.ज.श्चीयशःपत्त्री. क्रिट्रप्रश्चित्रसम्बद्धिः वट्यो विद्यप्रस्ति । स्ट्रिस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रिक् यर्वा कें.यं.वीय शवकाध्र, यायश्चीराय खेवा जा श्वीयका उत्त्री का श्वीय राष्ट्रीय स्वीय शवद विर ष्राष्ट्र्या.योश्रीय.जा.खे.श्लीट.येश.श्लीचया.शी.पर्जी.वी.तु.लूपे.चयाया.क्षी.प्याया.स्था.ता.सूरी. श्चिरियोन्त्व। नेप्तन्ते सुम्मेयायायीय सुन्त्वरायायायीय प्रतियायान् भेषाया स्थित्। हो। नेर सर वर्षस्यान्त्रीर मी सी मारसामक्कार पर्व है सुर्ख्या ने वदा प्येत या या वदा हेत्र रे पतित स्नुप्तरा ह्यें या ह्यें ता रहीं या परित्र हुं। या स्तुप्तर पित्र स्तुप्तर ह्यें पिर्टियं र

नेयात्रयादमीत् सर्वेवा यासुराया सुवया सुर्वेदा। देः प्यदासाव हटा विवासीत् वा वर्षे ५ द्रम्म का सम्भाव की ५ वो संस्थित सम्भाव सम् श्चित्रयात्र्वे वि र्षेत्राया वस्रया उत् र्यी मिले हेता प्रेत्र में। र्षेत्राया गृताया पेत् सेत् भिन्नेयम् स्रीयः स्ट्राचायाः स्ट्रीयः स यन्दरहेरत्वे व्यवस्थान्य वर्षा याद्र वर्षेत्र रुष्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र कर्यन्तर होत्य ने स्थान निर्मात अर्थन मास्य हो स्थान स्थान निर्मात स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स केव र्येति याव या लेया प्रांच प्रकेषा यी सूर या सेन यति सुव यति सुन र प्रेवा *न्गेंवि*ॱसकेवा'वी'क्कुन्यत्यत्यत्त्रहेव'वयापेव'हव'न्यत्यत्यते'हेयासु'तवीं'न'बस्याउन्त्य श्चेन न्दर वि नवे सुद र्केन या स्टर सुन्य या श्चेया वद् न न यो व ने या द र्केया न द से या स न्गोंब अर्केम य नस्ने व नगुर की अर्केन य स्था व नगर महा ने दे रे ध्रीरावरीराभेर् स्रुकार्यके म्वानिव चीकायार्द्धव केर् छीकावराभ्यायरा बुवासराह्या वयरा उर् दुः सुन्या तर्वे कॅरारे विदेश के प्रति के प्रति विदेश के प्रति विदेश के प्रति विदेश के प्रति विदेश के यसद्द्वुप्व के वसूव ग्रुट सुवस्य दर्शे क्रिय में क्रिय विषय क्रिय विषय दर्शे स्थापित स्थापित गशुराय:५५:गुरा:वुरा:४य:गर्थय:प:र्षेत:५८:पर्याय:प:प्युप। यय:५:पर्यो अवरः व्या तिवरं प्रति स्वा पर्वेता त्राया वर्षा वर प्रति हेन क्रेन सहसा नु ति व्या परि साधित । र्वे।

ये वस्त्रवः

देः यदः श्रुवका सुः सेदः वा उदंशः श्रीका स्रो केवा यदा श्रुवका वर्षे दिः वस्नुवा द्वा देः नेवाः नर्गेषायाधीय। ने त्यान्यायाये तस्त्रवाद्यायास्त्रया वस्त्रवाये वस्त्रवाद्या यश्रमा कःमध्यःक्चीःनस्रुवःवीःयश्रमःस्रेन्द्रयाःयमा न्दःसःन्यानायदेःनस्रुवः वुःगशुरुष्ये चे छिः तद्वः दिवाः धेतः देवा । अद्याः क्रुयः यः श्रुवयः युः सेदः त्रयः दिवाः हेतः तपु.र्जे.ज.स्रीयम.र्शे.भ्रा.पञ्ची क्रूम.ज.स्रीयम.र्शे.सूर.यम.र्शमम.र्थन.ज.यायूरे.पद्रू. श्रीचेर्क्त न्वीतर्वरायाञ्चित्रवास्य स्वीत्रवास्य स्वत्य स गहेरायामञ्जूनायदेगञ्जनात्रुवादी, यहराक्कियायाञ्जूनरात्रुवेहात्र्यानहे चरःचालेवार्यः मदेः श्रुःचा बुवार्यः श्रीः हेदः घदः राष्ट्रदेः कवाः नुयः प्यवः कन् व्यः यन्यः स्त्रुयः न्देशःश्चित्तन्त्रःभेषःश्चिषान्दन्यान्दःग्रुषायाञ्चेत्रायान्दा। क्रेषायाञ्चन्यास्यःश्चिदः वयार्क्यान्त्रीवायकेवायी हेवाद्यवायास्ट्रायाध्यात्व्युयार्क्याप्यात्व्युया मक्र्या नर्द्र मा श्रीतन् वेषा नविना वषा मक्रेन या तन्य विना निष्य या होना निष्य प्राप्त होना निष्य प्राप्त होना दर्गोव् अर्क्रेना थः श्रुप्तरा सुःशेदः वयः द्यो यद्वः दर्गोव् अर्क्रेना यो हेवः स्यः हुः श्रुदः यः वयः बन ख़ून य रो रे विवाय प्रवाय र्स्न केंद्र या दवी यद्न दे विवास केंवा दे रे रा शियद्व नेयानवनात्रया केयान्यायम्बन्यते हुन्ययायानसूनान्वीयायायीत्। का सञ्ज्ञ क्षिप्तञ्चन कुःषर दे द्रायर वर्षा यर्देर्द्र केंद्रिन्द्र धुः यर पीट्र हेंद्र क्लेंचाहर विवाय या विवाय दिन्तींद्र यकेंवा वास्त्र धेव हो वदीव राष्ट्र वयायावत रेप्या ह्या । प्यराय व्यव शुर् ही ह्या बर ख़ुर श्रेन्। । नुग्रेन अर्क्जा ग्रम्भु अर श्रेम प्रसेन । ने अर ने अर यह्रवःयःगा्वः हुः देवः व्यदः व्यवा । विष्णाय्युद्यः हे। देः प्यदः याव्यः यः दुः श्रूरा

याम्बर्यान् श्रुप्तार्यदेश्या वर्षेत्र श्रुप्त श्रुर्वित स्त्रुप्त श्रुर्वित स्त्रुप्त स्त्रुप्त स्त्रुप्त स् শ্বীদ। ব্যামানবি দ্বীস্থানা প্রুদ শ্বীদ শ্বাদ। দুর্গার মার্ক্রমানা শ্বামান্ত্র মান্ত্র্যান শ্বামান্ত্র মান্ত্র য়ৣঢ়য়৻ঀয়ৣ৾৻ঀঀ৾৾৽য়৻য়ড়৻য়৻ড়য়৻য়য়৻য়য়৻য়ঀঀ৻য়য়৻য়ঀঀ৻য়ৼ৾য়৾ঢ়ঀঀ৻য়৻ঀ৾৻ঌঢ়৻ त्रपुर्याम् म्यान्त्रम् म्यान्त्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् नर्भावी क्षेत्र सेन् स्वर्भावी स्वर्भीत्र सेन्। श्चिरारेयाश्चिरामें पिटाया क्षेमें दिर्प्या होत्राचीया देखामें वा में पर् वर्षेर् होर् ब स्नूर वर्षर स्नूर ७ ने १ ने रे ने रे निष्र प्रश्ने व वर्षे अर्के व से सुन् न्येरावानेटास्यार्केसाधीयार्क्केसास्यायवान्यान्यायक्ष्यायात्र्यः वी वी वर्षास्यान्यने विते म्बर्यन्तिर्क्तेन्द्रित्विम्बुर्यार्थेर् न्वर्यस्त्रेर्ये हःविम्वःयः वःर्रदेहःहःवेदिः व्यात्रः वर्वेन् वर्द्धः मृत्रः नृत्वस्या बेयः मर्थेवः वर्त्वयः वेतुः वर्त्वः स्थः वेतः वर्षेन् यः नेः वः विः सुवाः अं प्यानिवानी साया सम्मानिका मह्युमा प्यानिका महिन्सुवा की सुवा की स श्नेन् प्रमुच या या श्लेष र से विष्या यो कितुषाया सम्प्रात होत् विषया सम्प्रमा विष्याया सम्प्रमा सम्प्रमा सम्प क्ष्रव र्यो विवाय वी नवीं वर्षे राये नव्यु राहे वा वानिन विक्षेत्र होनाने सुन्तु प्येवा बन् बन न्दरक्तु केते देव बन या ने के हिन् बीन की किया कुर यते देवा वया तबीर देवा की न यालियाची प्राप्त स्प्रदास्य स्था या या या रिया है या देश है राया है या या या या विवास स्था या या या या या या य पर्वत्राधेन्या केंग्रावेग्यान्य सक्ति विवायन्य स्थाप्त विवायन्य स्थापे स षेवाःवाबरः क्रेंबः इस्रयः यः बेरःचः यया वगातः ५८ : वसूवः वर्केशः र्द्धनः यः देः वर् बेर तुषाकुषारेत्। देर षर वस्र अषायदे केषाधिषा दे केंद्रे हेन् होन् ही क्षेत्र द्रश्चित्रविद्देशयद्वी कुः स्त्रीत् याण्येत विद्वी प्राप्त विद्वा विद्वी प्राप्त विद्वी विद्वी प्राप्त विद्वी प्राप्त विद्वी विद्वी प्राप्त विद्वी विद्वी विद्वी विद्वी विद्वी विद्वी विद

ये गलुर र्नेबा

स्वायित्वोत्तर्त्ता प्राप्ति स्व स्वायित्वे व्यायित्वे विष्ये व्यायित्वे विषयेत्वे व्यायित्वे विषयेत्वे विषये

क्री मुेज साम दित हैं या की साम प्राप्त की प त्ररायहूर्यत्रक्षे विश्वकाक्षीक्ष्यार् स्त्रीयकाश्वीत्वायार्या वर्षायाच्याक्षेत्रायाः নার্মান্ত্রমান্যা ধ্রুরার্মান্যের মান্যবাদ্যান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত हेंग्रथःसबरःध्वेत्रःयःचनेःचरःग्वेग्रयःयदेःदेःचेःनेःयश्चेःचदेःसःचःग्रयुसःग्रद्धाःनःवेत्र। लान्या यावतःतर्वे से ने प्यानः वित्र स्वायाः विस्तायः या गुरु तर्रु अ ग्री दें वि सु अ त्या क्षेरि मार्थ अ त्युवा । दें रिका श्री मार्थ अ स्था है नि मार्थ । ८८:यशःग्राञ्ज्याश्रमुं ले विं रवातवुस्रश्रसुं नरःववे धी न्रस्या वहेत्। वरःकरः र्ययाचरिस्य च रेक्स हिन् स्रुप्ते यो द्यायायायायायायायायायाया स्वाप्ता हितः सुवाया ग्रीया तर्वे नदे भे ने य ग्री अवित तर्वे य वेविष ग्री कुंय नु वुष प्रम ने भू नुदे स न व सुरा वाञ्चित्रमास्य वर्षेत्राचा चर्मेष सामान्य वर्षेत्र वर्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व त्रमा यच्यान्तुतः स्रुन्यात्रम् त्रमात्रम् स्यान्त्रम् स्यान्यात्रम् स्यान्यात्रम् स्यान्यात्रम् स्यान्यात्रम् याशुरायदेग्वनेग्वयास्यावास्या स्यान्त्रया स्यान्त्रया स्यान्त्रयात्रया म्रोममा । दे. व्. प्रमान इत्रामा इत् प्रीयाय विष्या । विष्य स्रीय विष्या नुःस्रुपयासुः यद्वी वियागसुदयायया क्षुः वदागयदायने पविवः क्षेत्र स्यया र्ट ह्रीर वा र्गुव अक्र्या यश्चा यश्चर याया श्वे त्या ह्या वही वही हैं। यः वार्याश्रास्त्रीयः वरः वीः श्रीययः वर्त्तो यस्त्रा सः सुरः व्रवाः योदः सरः चित्रः वियाः याः याबर नते सुन्य तर्वे नसूत्र। देने रूट नतित सुन्य सहित न्यीय तर्वे रखीय पर यायर हे वि.य. केर क्री स्मित्य पर्वो सम्भेष तत्र क्री या हे क्षेत्र प्राप्त क्रिया है त्या स वयावर वी सुन्या वर्षे के तर्रा भीवा बी वी राभर प्राप्त सकेवा वासुरा त्या वाबन र् अञ्चरमञ्चरकार्द्रेग्रायास्य सुर्वाया यदे यर ग्रेग्वरम् नेत्राया से हिन् की देवि व्यव *ऄॖॱ*नदेॱॿॖॆढ़ॱक़ॖॖॖनॺॱॻॖऀॱॖॖॖॱॸॱक़ॖॱॺॱॸ॓ॱॹॱॸॱॺऻॶॺॱॿॖऀॱढ़ॸॱॺॏॱॸ॒ॸॱय़॓॔ॱऀऀऀॺढ़ॱॸ॓। ब्रेट मुंग पर त्रमुर प्राचित्र प्राच्या वर्षे मारा म्याया स्तर्भ स्तर मुंग प्राची स्तर में स्वर्थ स्तर स्वर्थ स सर्केन्'न्र'सर्केन्'य'द्यसम्य उन्'श्चि'त्र 'त्रमाञ्च स्य सर्केन्'य'सर्केन् 'पीत्'न्यसुरम्। मुः अप्तञ्चत केरः अर्केर्प्याप्यरः। व्येषा गुष्या था राष्या व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था भूरा ग्रीया अस्ति । इ.इ.एकर मु.या मूच रचीरा विश्व के र मुंत्र पर्यात यमाम्बरमा देरसा वर्षेयाववुरमिक्तमामा वर्षस्यक्रियायम् गीय अधिय ही। । भार में अर अर्क्सा है हिन सम र सही मा । बिया मारी साम सिम र है व्रीतः त्रुन्याय वृद्धः द्वरः त्रीः यवुदः त्रुः यादीः वश्चवः याद्यः राज्ञायः वृषाः व्याप्ताः विषे चदुःचर्नेश्वानेष्ठेषःवर्त्तेःचदुःवराःवर्त्ताः वर्त्ताः वर्त्ताः वर्त्ताः वर्त्ताः वर्त्ताः वर्त्ताः वर्त्ताः व तर्वार्क्वान्दानमून्वान्याः भूते इयार्रेवातर्वायेन पुरायरानमून्वायापा। न्द्रीरः सेन् याधिव यसान्येराव। ज्ञानवि दे वि वि वि वायाध्य स्टेंसा क्रीया बूट रहुंव के खुट की वह केंद्र दें के दु ज्ञ न जिल्ला के जा विष्ठ का विष्ठ र न हो सूर र्रे । विकुत्यत्देवेत्युवायाग्रीस्यविष्ठुवय्यत्रेवात्देवस्यवयान्स्वत्यायार्देवस् बूट श्रेट खूट वरुट ब्रम्थ उट ले क्रिट केंद्र श्रेति श्रु ग्री ग्री र श्रु ग्री या श्री रे लाय र ट्रा खूट र योश्यायायम्य। रदारेयायाः स्त्रेरम्याश्रास्त्रेरम्यायाः स्त्रेरम्यायाः स्त्रेरम्यायाः स्त्रेरम्यायाः स्त्रेरम् ब्रूट ज्ञवाबार देवा वासुस्र ख्रु स्वाबार केंब्र होट हु । त्यावा हु साद हा सुराया गुन हु । र्वे अविदःदर्बेदिः देवान्। वायदः वः योअयः ग्रीदिर्वेदिन् ने रदः वेदियः ग्रीयाः वाययः हेया योनः

र् नेयायदे पर वा स्त्रीर में नर्ह गु रुर तन र या तर्र न स्त्रीर रेया की नवर्ष हिंग्या रैअ'ग्री'नडुर्। वावर्य'स्वाय'ग्री'अर्ढर्य। अव'रवा'वी'अर्5्र'भेव'यर' गशुरुषायषाञ्चायागुः रुवि द्वा इयायाग्रदार्श्वेयापदादर्श्वेरायशाग्रीहेवा विवस्त्रुराता र्द्यायाम्रोत्र्यायाः विद्यायाः योद्यायाः येद्यायाः योद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्याया यमःग्रीमः देवः ब्रम्भारः इतः वश्चानःग्रीवः व्योदः देः देवेरः वा क्रियः वस्रोवः विदः यरः क्वियायवे रितर्तयायदे महेत् ये त्याम् रुद्रमाये दिः सुस्य राज्या सुरत्या सु तुः यः अर्देव व द्वा ये हिष्टुर श्रे। द्येर व गुःद्वा श्रु। ह भ्रदः गुरुः। यावतःब्रैटः श्वायाः भूरः तुः चुर्याः हे वर्षुवाया ने के वातुः याचुतिः ने वातुः वतुः याचुनः श्री इयाया गलक नसूक या उठिया जिका इना ये हा हुट सु नु नु नु नु से हि में ये दिन स्नु द ये तर्वाचायायाळेका हु चर्ष्यायाया दे हिंदा श्री सुति इयाया चर्सुर रहें या वालवाले वा स्री गुःइगःनेः सः नदेः श्वः नदः। हः अधीवः देवायः नद्वा । धः धुरः नेः क्ववः छैः र्ख्यः दुः बुषाग्राम् क्रिया । ग्रा र हिन स्रुप बेन स्वा तहिव स्री में पित स्वा स्वा वेन हिन पस्ति । यश्चेत्रायात्वा हे श्रुराष्ठ्र दुत्रवाषायायात्वा युत्र प्रेत्रा वित्रा श्ची देवा वर्षा द्वा ये न्ययः केत्रः तनुषायः वृत्तुः के स्राकेषाः श्रुवः यः वगावः वश्चनः ये गिष्ठवाः तुः वनुषायदे हेः वर्डुबररेन। वर्देवर्न्यीयविंर्यीं वर्षात्रायम्बर्धरम् मनमानेषायी र्खुवर्न् त्रवेयः नरः नश्चनः प्रयो प्रस्ति । द्वा वीयः नश्च्यः प्रते स्वीयः वाहेयः स्वयः प्रति हैः

श्रुर-५'तर्तु यात्र वार्त्ते, रेवा तहेत्र वाश्रुय-५८ थी श्रुव-धते वया श्री रेवा तहेत् सूत्र गुनःरेगःवहितः हे सुग्नसुराः यतः यगः वतुतः भूतः श्चीः वीः वयदः यः श्चीरः वर्ते। न्यालि विकार धीर प्यर ने व्यापक्षेत्र या हे पक्षेत्रा क्षुताया क्षुताळेता हे. यक्षेत्रः क्षुतः प्यतः वयाः चलिः चें क्षेत्राः क्षेत्रः याचे रः चलितेः यतः र याः योः यात्र र र र याः याः याः य विवानायाकेन्द्रम् धीन्याङ्म्यन्तुयानुषाधीन्याञ्चीः सुन्यवानुः योदायाङ्मुवान्द्रस्याने। रदः भी द्रमः गुत्र तद्रुषः सुः वर्ष्मुम। भी द्रमः वर्षि वर्षः भी द्रमः वर्षः द्रमः स्था वर्षः द्रमः स्था वर्षः तर् नरनक्षेत्राद भी द्राक्षी भ्राम्यका उद् ग्रीलया समेद द्राप्त व्यादिक मुनाव पुराव प्राप्त । बेबाने सूर्यम्बर्ष्य वित्रा वित्राचित्र वित्राचीत्र वित्राचीत्र वित्राचीत्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र र्द्धवाद्याद्यम् वस्या स्रितः इसार्द्रवाले द्याः दिन्दाद्याः द्याः स्वाधाना स्रितः इसार्वे विश्वासः स्वाधाना स् वसूत्रयाधीत्रत्याधरार्टे विष्ठाराष्ठ्रम् त्वायाष्ठियाः यात्रात्रत्यायायो त्याया यह्वा भे ने या ग्री में राव प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् बुद्दिन्द्रम्बर्श्वीत्वद्वार्थिः व्यव्यक्षात्वद्वार्थित्यवा व्यव्यक्षात्व व्यव्यक्षात्व व्यव्यक्षात्व व्यव्यक्ष र्ग्रीयात्विरः मध्यक्षास्त्रम् म्रायत्वे सार्र्या ध्येत्राया वेषा द्वीषाया ध्येत् वे । ।दे प्रवेतः यविदःदर्गे वः अर्द्धेन न प्यरः। वया न दः पो ने या ग्री यविदःदर्गे या मयया उनः मकूर्यत्र। योशीट.तास्त्रपु.मुयोग.२८.सूर्य.जग.जग.की.मुयोग.सममा.३८.की.पर्वर. व्यः श्रुप्तः सः सः वर्ष्वः तथवाषाः सः श्रुव्यः सः नदः। स्वतः तर्वो से रः वोदेः वार्दे रः स्वा योबर य.ला.चेब्रा.की.चावर उर्जी. मा.के.ची.च.क्र्योच.क्र्योब्रा.की. व्यव्याचित्र देश. यक्रेयायाधीत। देवे क्रुयळंत श्रीयायाहेरावार्ये विष्युतायदे केत क्रुया

ने इसस्य त्वुर प्राधिता देव की विषा वस्य स्वाप्त हिस्से के वित्र में ति प्राधित वित्र की युरायी वी द्वा रा कुरा युरा क्षु तस्या केत के तर्रा त्र समान माने वित्र ही 'युवान्नराम्यात्र केत्र प्रवादा के क्षि क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वाद्य क्षेत्र स्वाद्य क्षेत्र क् यर्के किया रमयः रम्ह तर्र क्रिके वर वया रमा क्षेत्र कर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र र्येते कुथा से सिन्दिर त्वर समाने इससा सुन्विमा सर्वत की इस वार सामार है सि यह वित्र येत्र या यर्देर व स्तुवा व्यवयाय दे केवा त्या थेता विवा श्रीव मावया निर्देश होते । विष्या श्रीमाया माया स्थान <u> २ च</u>िर्मात् नत्तुवायायदे ले विर्देशियायाम् दियाविष्ठी विर्मात्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त र्श्वेद्राचेद्रमाञ्जूतिःवेदःद्रदःवेद्रमाञ्चेद्र्याः स्वीद्रमान्याः मन्त्रमान्याः मन्त्रमाण्याः स्वीद्रयः वर्चेरः या म्रयाया उद् र श्रीः सूया वा वि वा वेर्ड से हिं स्ववा से विद् र प्याया दित्र स्वाया स्वाया स्वाया स्व न्तुषासुःत्वुद्यायदेः मर्के क्वाया इस्या श्रुयायान्द्र श्रुयायावि प्येत यया श्रुप्या श्रुया श्रीया श्रीया सूर्सुरावाधित। देखात्वेतात्रम्यात्र्यास्यात्र्याः हीत्यायाः सूर्सु म्रम्भान्त्र-म्राम्भुमान्त्रीरामेन्यियान्याः क्षेत्रः स्वायाः वर्षुभान्यो । ने प्यतामान्यः वर्चे लेश यदे रेश केंग के सूर लेवा केंश द्वीर श क्वेंश य दर व्या यदे दर શ્રીઅ અદેવ નુ અદેન ય ને જેંચા કેન્ શ્રી આવવ વા વર્શે નવે નેવ પ્યાવ અવ અવવ વર્શે गसुराधें गट नर्से रास्त्रुन हो दान सुति सूट न गस्या नते दुसासा सूट या उटा वर्षम् यो वर्ष्याया में वाया यो निष्या वर्षे या यो निष्या है या से वर्षे या यो निष्या है या से वर्षे य यश्रियः भ्रेतः यः क्षेत्रः सः क्षेत्रः स्याद्यान्यः स्याद्यानः स्यात्यानः स्याद्यानः न्रहेन् याश्रीम् श्रामानाम् निवरण्य स्थाके ना धिवरण्य स्टार्मे व्याप्त स्वरास्य য়ৢৼ৽য়ৢ৽য়ৄয়য়য়৾য়ৣ৽ৼৼ৽য়ৼৼয়৽য়৾৻ঀৣ৾য়ৣ৾৽য়য়ৼ৽য়য়৻য়য়ৼৼ৽ঀয়৻য়য়৻ঀ৾য়ৼঀয়৻য় यमाह्य प्रमास्त्रम् दुः वर्षेति । देः यम श्रीमाद ग्रीमाम सेमा न स्थाप देश पर्दे योर्वयात्रास्त्राचार्यास्त्रा विषयायद्वात्त्रेत्त्रास्त्रीत्रम् विष्यायद्वात्त्रास्त्राच्याय्या त्रुव। दे.वथा स.र्भेट. ह्यया. जुपु: ४८. प्रवृष विदः क्ष्यः म्राज्या विद्यः प्रवायः यः कुर्ते सः विवा कुरावाशुक्षात्या यहेव विवासाया यो विवासी सः विवा कुरावाशुक्षा करिव द् ब्रेन कुर्चे वर्ष व्यया अर्क्रवा हे हे क्षेट विदेश हेवाया देश की वायन विदाय राज्य लिया प्येय यथा ने व जवस्य सा मार्थे न सुरा न मेरिय मुर सुन सी से सम यासुस्राञ्चीस्राम्यन्। ५८:सॅ.विश्वुरःचःस्रेन्।यदेःचन्याःहेन्।यःयार्थेःचःस्रेन्।यरः यावयाययाव यावयाया सः लेखायायुरया ने भू तुत्रे सन् ने न् महेव न् ने ने र्द्धयः नुः सुदः नावयः या सुदः ने नार्धे लिदः चर्से नि । यदे चे नः ययः च नि नाः येवः यया इस्र ने साग्री ने दाप्यसाम् सुरा वस्र साम्य साम्य स्वाप्त सुरा मी सादनु हो नाय दे प्री साम्य साम्य साम्य साम्य याचुराकुताचुीर्येय्यविषाचिषायो स्रो देख्यास्य स्त्राचुराच्यायो प्राय्यासास्य स्त्राचु इ.योश्रीयार्ष्यूर.जू.कॅ.वंश्रालूर्यास्यायीयात्राचीयात् न्तुः अर्दे अर्मुद्रः अरम् सुस्र। न्तुः अर्दे श्रेमिः सुद्रः न्दरः चरुषः प्रथाः प्रस्रुः श्रुम्पर्देगः हु:बुजा:य:दे:व्य:य:व्यक्ष:ब्रेज:यदे:दृहका:अ:र्कु:बीजा:दृगार:वेदि:रह:वर्षेद:ख्दावादका धीता नापर्यारे मारासे साम्याद्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

वदीत क्रेंस क्षेत्र क् न्नर-नु-नु-भ-न्य-प्रम् । धीन्-ची-नु-स्थेन-त्य-र्र-मु-र-महिन्य-दे नि-नुन्निमान्य कार्यायाः र्थित्। इन्त्युः अन्ते वाद्यार्द्धया द्यीन्त्र न्त्रु व्यात्र व्यात्य व्यात्र व्यात्य व्यात्र व्यात्य व्यात्य व्यात्य व्यात्य व्यात्य व्यात्य व्यात्य वयर केंग हो। इ. र्.मुर यहेश ग्रीन्ग्रिय त्ययान्त्या व प्येन् ययान्त्या व रहेश *ॼऀ*ऒॱॻॿॺऻॱॺॱॸॣॕॺॱॿॖऀॸॱॹॖॱॺऀ॔ॹॸॎॱॸॣॱय़ऀॱॿॖॺऻॱॸॸॱऻ ॸॖ॓ॱज़ॱॾॖ॓ॺॱख़ॿॖऒॹऒॺॸॱॸ॔ॱ য়য়ৢয়৽য়৽য়ঀ৾৽য়য়৽য়৾য়ড়য়৽য়য়৽য়ৢঀ৽ৠ৽য়য়৽য়৽য়ৢ৻ৠৄঢ়৽য়ৢয়৽য়৽য়য়ৠ৽য়৾ৠঢ়৽ यासूराद्वातस्यादार्रात्रालेषाम्बर्धाः सुरायादे। सरामित्राच्यादाः म्बर्द्धान्त्रात्रम् वार्ष्ठम् स्वरंभित्राच्याः विष्याम्बर्द्धाः विष्याम्बर्द्धाः विष्याम्बर्द्धाः यव रवा या वहेव व स हे हेंद्र पते दें वें उव केंब्र हेन हेंवा वय छी हम्बर होने यावत बिना प्रेन प्रमा हेना प्रदे प्यन प्रमा न्दर ही खून प्रमा हित्य बिमा मसुद्रमा ने खू चुति सःवास्तुसःचेन्द्रे त्युसःग्रीसः वस्या उद्ग्रीष्ट्रीःसे प्यान प्रमान प्रमान सः स्वान याञ्चातह्यायते कुः यळ्वादेते प्रेयाचे । सात्री मास्याया प्रेवाच स्वाप्ताय । वसूत्रवेशत्राद्रायायहेत्त्वश्रीमायेदेःयशयायास्यत्रय्यश्रीयश्रा बर्षा भी खेत्र या केंद्रा वर्षा या प्रतामा निष्य भी वर्षा भी वर्षा या वर्षेत्र वर्षा য়৾ঽ৽য়ৢয়ৼ৽৻য়য়য়য়য়৸ ৼয়৽য়৾৽য়য়৽ৼয় য়৾য়৽য়ৢ৽৻ড়য়৽য়৾য়ৼ৽য়৾য় में अर्थी अर्डे हिनाया वित्यम् देश द्वारायाम् वित्यम् हिनायम् वित्यम् देश देश विवयम् न्याक्चीन्त्रास्ट्रेंदायाबदावयार्वेद्य्यीयदानविष्युक्षाय्येष्यया नेविःसुदावीयाष्ट्र याः यात्रयात्रात्रात्रयायाः व्याचात्रयाः व्याच्यात्रयाः व्याच्यात्रयात्रयाः व्याच्यात्रयाः व्याच्यात्रयायः व्याच्यात्रयायायः व्याच्यायः व्यायः व्याच्यायः व्याच्यायः व्याच्यायः व्याच्यायः व्याच्यायः व्यायः व्याच्यायः व्याच्यायः व्याच्यायः व्यायः व्याच्यायः व्यायः व्या न्तुः सः लेशः न्युर्या ने स्वरः सः मस्यान्ता यदः विष्टे स्थे स्वर्थाः सः श्चीचें चरे के त्र श्ची दिस्त वें। अश्ची द स वेंद या श्चेंद र श्ची द सेंद र श्ची द सेंद र श्ची सेंद र विष्रः वी क्षेत्रः सुवायविष्विष्रः वी वाष्ट्रः वाष्ट्र वाष्ट्रः सुवायविष्ठः वी विष्ठः वी विष्ठः वी विष्ठः वी व श्चर वुः येति तिर्वर त्ये वियाया गरिया पश्चर व नित्त व नित्त हो । नित्त नित्त सेता गर्डुमा में राव्यायावि विविद्या विवासीम् याचन मुद्दीय प्येन स्विता स्विताय केत चॅदिः श्रूपर्यायदिरः सः दिर्वरः पति वा गर्डे विरः ग्रवरः तु प्रसूतः पदेः श्रूपर्या धेतः प्रया देःवर्षाक्षुःवें नदेःकेदः ब्रीःदिवरः वें सः तद्वः ख्यानुः वें निहेषा अधीदः यः वेद्रयः ब्रेन्स्युवायदेविरावेर्स्यास्य स्वत्यादुवाद्यस्य वित्रात्ते प्रविरावास्य स्वर्षेत्र स्या.पर्वेष.के.स.प्रियाल.मूर्यायाया यार्ट्र.य.जीय.यायया.स्याया.कर.जा.स.ला.से. ययायवियाने कवाया पेर्याया पेर्वे विषया स्वान्तर्वः दुन्याकेशः स्तुन्दिन्दः द्वित्तः स्याः स्त्रितः स्तुः नः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः षटःत्र कुरुवः नटःत्र कुरुवः महिषा की क्षेत्र की की कि स्वार की योन् देवा वीया देव तवा वादेवा से कु के नि से प्रति से प्र र्वा प्रकृ कुं पर्ने वा वशुरा के र्ये वे कुं राप्ता वशुरा कुर पर्ने गाव हिंचा या उत् गर्डें के नदे हें द से रस न कु न दि न दे हैं र ज्य र स न र सहस्र में द कु न ने से द भेः क्षेत्रा भीः हेत्र भीत्। येट्या श्चेंद्र विद्रा तेया त्या कुष्टा देवे विद्रा किया।

वर्षभःभ्रेः विःक्रवाः क्ष्रेंदः वदः दुः क्षुः चलेवः प्येंदः धरः प्यदः वाशुद्रशा वेवः ग्राहः वार्डे केरः ब्रिनःब्रेन। क्षेत्रःक्षु। ब्रुरःशेयःसःचत्रःक्षुरःखःस्रो। श्रेंनाःवर्देत्। योःसहस्रा ब्रुनःब्रेन। क्षेत्रःक्षु। ब्रुरःशेयःखःचेंध्येत्। नेःयसःश्रेंनाःवर्देत्।यःक्षेरःगारः यावकाने ख्रीया तहूर तर होता का का क्षेत्र हो यर यावका वका दे र तर्वय वका लु यर ब्रेना वियाबेनायुर्वाचीरयानामनयाने कामन्याकीयायाचीना ब्रेन कुर्नेन न यावयावयान्त्रवायात्वीवरद्वायाः यावयान्त्रीत्। श्रुरः योवाञ्चाद्वारः यावयावयात्वीरः ववुदायाः व्यावायाः सुदावी विष्ववायम् सुः विष्यदार्थे व्यादान्य विष्यदार्थे व्यादान्य विष्यदार्थे विष्यवायम् विष्यदार्थे विष्यवायम् विष्यदार्थे विष्यवायम् विष्यदार्थे विषयवायम् विषयवायम्यम् विषयवायम् विषयवाय याबुर-वु-धिर-वार्थेय-२.क्र्य-वर्षेयायो सु-धिर-क्रै-वंबा-वालयाययाकी शु-धिर-श्रु त्वा वार्षेव वया हु। या वेद वी ह्युद का यह या दु वया श्रीयाय या वेदि हुद ८८.वीर.भ्रेर.क्रीय.भ्रूटा विषेत्राम्यायाच्यादीर.वी.क्रुटायावार्ड.व्यायाच्यादीर.वार्यायाच्या ८८ हिर खेवा अह्या नव्या न्युया की नव्या नहेव व्या हेट सुट अववा र्तेषाञ्चर प्रसूष प्रमुक्त प्र चित्रः स्टर्माना चुरुष्ठतः नुष्यः स्टर्मान्यः स्टर्मान्यः स्टर्मानः स्टर्मान यन्द्रपतिः स्नुयमः सुः स्रायवायः भीत्। सर्देरः द्रासुरः देः यः द्रसः या विष्यः हेः यमः स्रीः क्रुंद विवादरा थे वेष क्रुंक् क्रुंद इयाय विषयी यथ क्रुंद दवावय थे क्रुंद र्नेच्टियास्य विवान्त्र्याद्यस्य स्वान्य स्वान र्वेत य दे त्यु तु धीव वे वि विष्ठाय विष्ठा य विष्ठा य विष्ठा त्ये धेव है। विस्रवाद्भरका सेव भे दिना राष्ट्रसाम किया वा साम का ह्या परि पर

चल्रेत्रः श्चुः वार्डुवा वी रें रें प्येवा द्रदः द्रस्य रुक्तः स्वते राये रदः वित्र वास्य राया स्वारं प्राया र यशर्रे मुद्र में यस प्रमुद्द न्यायन या धीत्। दे महिषार्थे यस स्वत्य संस्थित बन्नाराष्ट्रीयायदे सावन्याययायायान्यवाचान्यः हिस्स्यावर्धे रायदे रायदे वित्रात्र चलुज्ञरात्ररात्ने वित्ते देशद्वारा वर्षे स्वत्य र्थेन्। सः क्रुमः विवा त्ये वास्रुसः में हित नमान हित पति समान विवा स्वा धीत प्रसासः गवन द्वार वाया युषा मवन मार्ड के। क्रुंट मवन द्वार वाया विष्य मिर मार्डें के। विवा यो वाद ५ ५ ५ वर्षे न या पर्दे द या वाया के। ने व्हार सुर विवा योदी यावर्वाया महेवावर्षा सामान्या व्यापा स्मित्या अर्था सामान्या स्मित्या सामान्या सामान यहिषारे यहिषारे विषारुषायायञ्च ययायारे रे पर्योत् वयायवर स्वा यी सहिरा यद्भितात्मात्रीत्वानुष्यात्रुवानुष्ट्रात्रे स्थान्यक्ष्यात्रे हे तक्ष्यात्र व्यापायाय्ये स्थान्यात्र स्थान्या है। गुद्रायद्विदायहैग्याक्कीरानीय। देखिरायुयादीयो नेयाकेदायेदी हेवा विवेरामहेन् वतर दे विवेषानुष्य सुवाया विस्थान्य स्वायर त्रभूराचामहेर्यामा विष्युराचा सेन्याचे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त यासरक्षेत्राव्यायाद्दीयतेव वित्रामस्ट्रियाकी । वित्रामस्ट्रियाकी भैपर्याशी अर्थेर. ह्या. जुषु: प्रदायध्य विर. क्या. जुरायशिर्यातयु. चिर-क्रिय-क्री-श्रेस्रस्य देन्या हेर्यास क्रिय-स्रोस्य स्रोतिय स्रोतिय स्रोतिय स्रोतिय स्रोतिय स्रोतिय स्रोतिय बेयाम्बर्या ग्लेट ख्रे त्या श्रेम्याया त्रे स्थान स दवाः श्रेषः प्रदः व्युदः वीः भोः विषाः विषाः वाष्ट्रद्याः या ह्रुयाः विषाः व यविष्यः यहवाषाञ्चीरः वीः शुरः देवः दरः तसूवः वः तसूषः यः योदः यवे देवः दयः वेषः । योशीरश्राता श्रेश्वा भेटी प्रतायिष क्रीश पूर्व स्वायाय विषय मित्र स्वायाय स्वयाय स्वायाय स्वाय स्वायाय स्वयाय स्वयाय स्वायाय स्वयाय स्वायाय स्वायाय स्वयाय स्

यदःश्रीतःत्राप्यतः कर्तः वाद्यायदःश्रीयः वाद्यायदः यात्रवादः यात्रवादः यात्रवादः यात्रवादः यात्रवादः यादः यादः र्दे चे हिन्यमामानम् विवासास्त्रीत् मेन्यमान्त्रीत् विवासास्त्रीत् विवासास्त्रीत् विवासास्त्रीत् विवासास्त्रीत देव दे नमूव य धेव वे । दे व य दे वि रूट नविव मुग्न य हे दे द मुग्न य विदर वा विरः कुनः क्षेरः येति वरः ५ स्रुवयः सुः सकी विषः वस्र वस्यः येते देवः दी दे सु तुर्दे तुष्ठा वा याव का यदि यो स्वेषा केवा यो यो विषा दर्शे त्यु राष्ट्री त्याया दर व्यानःरेषायः वुरः कुनः श्रीः बोब्याने देश्यक्ष कुनः वहितः वुनः योः वेषाने किनः किना वीः ह्याः नयार्स्चेन्यार्स्यासर्देवायार्म्या सर्वत्ते क्षेत्रावस्त्रायते यो स्वेत्रान्ते स्व ट्रे.च्रे.ब्रेट्र.ता प्रट.चलेव.चार्यकाचा श्वीया है.वयाया ताराची नायायीया हुत्याया है.वयाया ताराची नायायीया है. यायो वेषा विषय विषय हो स्वाप्त हो सर्दराययरदेशदेर विषय की वाराय स्वाप्त स विवा पुरस्य वित्र प्रति वाष्यया परिष्ठी प्रति स्त्री परिष्ठे । दे । या स्ट । प्रति वाष्यया पा विवा मुः विरामका भ्रुवाका हे गुर्व द्विम हो राप्ते किया के राप्ते के विवास हो राष्ट्र दे। श्वामाहेति रेवा पार्टे सातहें मुस्ते प्येत प्येत प्याप्त हेते हे स्वी स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स क्ट्रायाञ्चर्यात्राहेतीर्भवाञ्चर। दहित्रकतीत्रम्भाहेत्वाप्टरादर्वीवात्रात्रमाणुयार्वेवा हुःवरायाधीः म्रायाद्याः प्रायाः मेना हुः स्वरायायात्यात्र म्रायाः विकासास्य स्वरायाः दे से अविद्रात्रादितः च्रीत्र उत्तर्भात् वित्रायायम् । या मानियायादितः स्वरादितः स्वरादेतः त्यातः । बिवायन्द्रयाञ्चात्रवात्र्यात्रयात्रयात्रयात्रयात्रवे । दिःसुःत्रवेरेरेवाःसूरःगान्वयाद्वायदेःयो

क्र्यः तर्मेतः विदः धेषा यद्भतः लयः युरः।

नेशःश्रुवःत्वाुतःत्त्र्वःयः प्रवाधः विष्यः यात्रः विष्यः यात्रः यात्रः विष्यः यात्रः विषयः यात्रः विषयः यात्रः विषयः यात्रः विषयः यात्रः विषयः यात्रः विष्यः यात्रः विषयः यात्यः विषयः यात्रः विषयः य

यासुस्रायः सैर्वाया लेटः यायायः वरेनया स्तृया

दे·พ_षःकर्:ग्रीकाञ्चीःवरःग्राकरःयः भरःग्राकरः ग्रावकाः स्वाकाः हे हितेः स्नुप्रकाः तर्वो प्र वरुषायावन् ने वे वेषा ५ स्त्रुवरायमें विदेश्वर विदेशे स्त्रीवर विदेशे स्त्रीय स्त विट चन्दर याधित। दे प्यट केंबा तदी हमाया यो व ही दाय विवा पी व कें ह्य होंबा नर्वोका श्वराविष्टरायाः क्रेवायकी नर्देकावावी हेकावक्रावासुकावाः क्ट्र-देश्या क्रूंब तर्धे त्युयाम्बद द्रामाम्बद स्थ्याम्बद स्थ्याम्बद्ध स्थ्याम्बद्ध स्थ्याम्बद्ध स्थ्याम्बद्ध ५८.वार्श्रियावर्त्तेचर्थान्द्रःचल्चित्रं क्रियां न्द्रमाचलित्यःस्मित्रमान्द्रमान्त्रः स्मित्रमान्द्रमान्त्रमान्द्रमान्त्रम्त त्वेंदिः क्रेंग्रया देन प्रमुख्य दया पर्दे द क्षे क्रेंग्या हे या सुदे द द्वा हे या पर्दे पा दर बियानस्यान्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य कुन ने अर्थ नियत स्थाय छन् भी हेवाय स्थित सुन नियं सिर्म नियं सिर्म नियं सिर्म नियं सिर्म नियं सिर्म नियं सिर्म श्चरः चः दरः त्रवेथः चः लेवाः धेवः यः देः चङ्गेर्यः स्तृयः स्तृयः स्तृ । चन्वाः केनः वावसः यदः सः क्षेत्रायात्रदेः प्यरः द्वायायाः याद्वाः प्रतिः याद्वेत्रायाः वदेः तद्वः याप्येवः ययाः यात्राविः द्वययः मर्विद् त्ववतः त्व्युरः सेद् प्यते देशासहस्य प्यानिष्ठा मुन्यस्य रदा मे स्व मार्वे स्व मार्वे स्व मार्वे स्व म য়ৣ৾৾৽ৡৼ৽য়ৼ৽য়ৢৼ৽ঽৼ৽য়৽ড়৾য়য়ৣ৾৽য়৽ঌ৽য়ৼঀয়৽য়য়য়৽ঀৼ৽য়৾৽য়ৄ৾ৼ৽য়৾৽ড়য়৽য়৽ড়৽য়৻ क्रुं देव में के सूर्वेषायायया युवाया वित्वत्वाद्य से स्वार्थ बुट्-क्रीयानम्बर्गा लजाना इसया दुवाया पर्वर मुख्यायाय समाया देवी हरा। चममान्त्र-विचानपुरम्भिक्राचारमञ्जूमा देवालवानान्यः वार्मित्रामान्त्राम् यदिः स्ट्रेट व स्थेट यो क्रेव से स्थियाय प्रवित र रे रे रे प्राप्त स्थाय प्रवित से रे रे स्ट्रेप यहितः यहिषान्दाः अर्वे वित्वस्थायस्य वित्वहेषास्य प्रति याने स्थान् विवा वास्य प्रति वस्य निर्वास ने भ्रान्ति रेत रे किते भ्रिम्पूर । अर् के ग्रायम् प्रेत मुत्र प्राप्त स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स श्रम् त्याःश्र्याया।यः र्त्याः श्रूः स्त्र्यायाः नदः रध्यः यदे स्यो स्त्रिः चेतुः तस्यः नदः वि स्त्रुः सहस्यः तपु.धे.भ.२८.धे.च.च.झेचान्यतपु.चार्य.की.होट.२ी ट्र.चू.रीन्याचानीना म्राया ७५ तर् यात्राचर्या हेर पर हेर क्री है व क्रिया सामित्र या व्या क्रम्याया विषाम्बर्मास्याम्बर्मा विषयाम्यस्य स्थानियः स्थानियः सूनर्यासर्द्र-दे नतुन्याय। धुनान्यस्यायो सुनान्यस्यायायः योर्ट्यायदे:र्कुय:श्रीयादिव:यो ध्रिया:योधेव:ययायात्रम्यायवया:यो:स्रेट्य:स्रेट्य: तके येन पो ने या ग्रीया ना ना निर्देश के नुया क्षात्र प्या निर्देश निर पवरायरावा हेर क्विया येदि क्यावा वेर प्रत्येत्। वा सेवाया स्रवा यदि स्रेट पु क्रिया वे सा न्यरधार्याम्बर्भरक्षीः इत्राच्याच्याचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा न्यायाचा 'युअ'अर्के कुव्य'न्गर'भे केन्य'न्द' की 'युवा'वहें व'य'न्द' अहअ' श्चेर 'ठव'नु' वर्श्वेया नर्ज्ञेब्रायाने प्यमानिकानक्षा क्षेत्रवायक्षा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् थे वेषा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा द्वेषा हो। देन क्षेत्रा थे वेषा क्षेत्रा थे उत्रा वियायर्देव यासूर र पश्चिम र विश्वी विराधिया देते श्वी वार्ड्या वया पर हेवा या केवा चक्कृत्रपतिः च्चार्यस्य अर्थाचे चर्रे वाया ग्रीः सुँता नु विष्टा स्वीत्य स्वाप्य स्वीत्य स्वत्य स्वीत्य स्वीत्य स्वीत्य स्वीत्य स्वीत्य स्वीत्य स्वीत् रेवा'य'र्डअ'नु'र्वे नसेवाय'ग्रीर्द्धय'नु'नर्द्धेया व्रयय'उन्'ग्रीम्न'नु'र्देय'सु'ग्राद'नु' यवर ये ज्ञु अर्देन अधिर गा उद लेग यञ्चेता केंद्रा ज्ञु गाुद ह यवर ये ज्ञु अर्देन श्रवरमायाप्यस्यात्रम् द्वाराष्ट्रस्य स्त्री महिष्यमाञ्चात्रम् विषयः स्त्रीयः स्त धुना निहेश सहस्र निहा भना स्त्रा तिया हुँ र सर्द्र द्ये त्यर न लेना हु न हुँ स्व नेति तेवा मु विस्या सु हे हे यो अया न्यतः सु अनेवा नगर अहे या बनया सुवा गुरान्य क्षयाः यहिषाः में द्विया तहिष्या यहार्षे स्वाया स्वायाः यहिषाः यहिषाः यहिषाः यहिषाः स्वयाः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्य क्वित्रक्षाः श्रीयानक्वित्रायाने तद्यानक्षिया नेति तिवा तृः श्रुत्या सुप्ताना नाता स्टाहे हे सु यर्चिन्नारम्ययाञ्चा विषयः श्चेत्रियः मुन्नामिक्यः स्ट्रीयः मुन्नामिक्यः स्ट्रीयः स्ट्रीयः मुन्नामिक्यः स्ट्रीयः मुवाबागारावर्ष्केवासूवबादिंदाया रवातुरावीकाख्वाबाद्धवाविद्वीया नेति त्या मुः श्चितान्येव तह्यान्ययान्येया मानेव श्चा यानेव स्थान्य स् नेति तिवा मुः गुः रु: ब्रें कोट रु: क्रुं कोर्च न नाय त्या क्रुं वा यति स्वर्ध स्वरं लेका धीवा कः इस्रायासुर्यायासुराने राज्ञाति क्रया उत्रा श्वामायाया स्वीमा सर्वित स्वरा यावर वाप्तर् केरा वायेव प्रया होत् या वतु त क्षेत्र वार वा वसूर्य या प्रवास की विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व नेति र्वेषा मुः अविष्य या ह्रूं व र्षुः माने प्याय सुं अने वा नगार न्यार श्री अन्य प्याय स्वाय प्राया स्वाय ब्ययः क्रुव्यः गुदः ददः धुवाः विदेशः सद्धाः विद्याः विदेशः विद्याः विदेशः विद्याः विदेशः विद्याः विदेशः विद्या बुदःवीःकषाञ्चतः द्वाःवायाहः लुःवार्केवः वःदेः वृद्धः वर्द्धेवा देवेः वेवाः तुः यहः केवः वीः याः भ्री मृत्यू सर्वा व्ययमित्र स्त्री व्ययमित्र स्त्रीय मुद्रम् स्त्रीय स

नवनानी सेट र वेंद्र य वके येद पो ने य की यह द से या नद न यसूयय या रवा हु द नी क्रमासहर द्वर प्रतायामा लुस्य नाया ने त्या त्री विष्या प्रस्ते मा ने दे दे देवा पुर के क्रमा यङ्गःततुरःगवयः ३ रें रःक्वयः येदिः कथः उवः में रः पवनः खेरः पङ्गेराय। याणयात्र केंया क्राया वि श्रेंद खेतु पर्वता याणेत् त यो केत्र वै रे रे ता यहत ह यायतः तर्त्तो स्त्रा अर्थे क्षेत्रा अर्थे क्षेत्रा हे दियद्य स्त्रा त्रीयाया सुरा कर या ने स्ना तर् विया प्रदेश देवै:वेवा हुःगुरु अद्वितःग्लेदः केर् स्यायद्वस्याः भ्लूः अदेवा दग्रस्यायायाः वयसः वाहेसः श्चीयःगुर-ठम। धुनानिक्षः ह्वायः क्रेम् स्वायः क्रेम् स्वायः क्रेम् स्वायः क्रिम् स्वायः क्रियः च रवा बुदानी क्रमा उत्रायह लुस्मवाया देवे वेचा मुस्मा वहें वा वहें वा मार्थे देवा वहें वा मार्थे देवा वा स्वाप्त भुः अर्देन्। दग्रारः यः द्रारः चर्तेः अद्रष्ठाः उत्रः ब्रायः श्रुवः गुरः उत्रः श्रुः यः सून्। यः क्रायः क्राः दगारः सद्दर्भ उत्राचीर्यः विदः द्वुः ङ्मे विरः वार्डुवाः हुः ङ्मोवाराः वसः श्रीरासर्वतः या क्षेयाः याप्तयः यार्केवाः श्चीतः दरः याप्तवः यः सृः चुरः वया यादवः सृरः दुः चक्करः यरः यार्ददः यञ्जानु प्रस्तिया नेते तेवा तुः स्टः उवा वी सु कुन त्वहेवा या यो न कुवा प्रति सु व्या प्रस्ता स्व वैंर.मी.क.जीमान.२४। भू.पर्कीर.४४१४१४४५६६। स्मृषेर.पर्हेथ.५५ूर.मी केंबाह्रमालव सव सूर न न न नेते तेवा मु तहेवा वा को न स्विन हों हु। यर्चेत्रान्यारायान्यरावालयार्क्षेत्राञ्जाःसूर्यायान्यरावानुदानुरानुरानु ब्नर्यःश्चेतःगुरःधुनाःग्रेर्यःशेययःहेर्ःरयःग्रेरिःचबुन्यःसूर्यःउतःर्न्यञ्चेया देवै देवा हु रद हेद क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाद्य का विदाय क्षेत्र हित्र वाद त्य ययायव्रेयाधेन् यदेः त्रुन् यङ्ग्रेयायय। ने सूरावर्क्न् प्राययायायः पश्चेत्रायदेः सम्दर्भेरः नुःतयम्याषा स्युवा श्चीया म्यूवा मुस्या प्रदर्भ विन् श्चीया सम् ह्नैदःमी:न्नुः यः रदः यः कें यः वर्षेयः येदः यः इययः दृदः। येः द्यः कुंदः श्रेः प्रवेदेः श्रः য়ৢঀ৵৻৴৸৸৻ঢ়৻৸৸৸৻৸ঢ়ৣ৾য়৻য়ৣয়৻য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻৸য়য়ৢয়৻য়৻৸৻৸৻ঢ়ৢ৻য়৸৻ र्देग्या लिट पर्झेया वित्यार दुर्जेट केत क्षेट विया यी पर्कुट या वहेते पी द्या या हैं चे निया केत्र तनुष्य या प्रेत त्या ने त्या ति विका त्य बुद देवा षा निविद्य हो नि र स्वर स्ट र स्व मी केंग्रामकुर्द्दर वर्षेया प्रति केंग्राय लिट इस्राया सुदि सुर द्वीय वर्षा प्रया अम्रीत्र (प्रथम म्यूयः र्रेयः पा म्यूयः हेः एके प्रप्ता म्यूयः मर्वेत्। सुरः पः पर्दुः र्तरः व्रेयः मोर्वेत। यरः र्याः सर्यः क्रुयः स्रुयः स्रुयः द्वरायः र्योः इस्रयान्त्रे निर्माययात्रे निर्मायम् निर्मायम् निर्मायम् वर्षे निर्मायम् वर्षे निर्मायम् वर्षे निर्मायम् वर्षे *ক্কু*অ:শ্রুষ:ইলৃষ:লৃষ্ট্রম:মর্ল্)র:র্ম:লৃষ্ট-র্ল:ব্রুষ:মন্ট:র্ন:শ্রুষ:ক্রর:নক্কুন্:অ:ব্রুट: वयार्षेत् प्रमानक्षिया वार्षेव क्षीययावाया १४ विषय सक्रेवा सुदाविषय क्षीया वर्षेष यतः १९४ : रदः तसवायः यतः दवो तद्व छीयः वङ्ग्रीरः वः दे वस्ययः उदः ङ्गुः सर्देवा दगारः ये केंबा में बाइ बाम बुया महेंबा के त्या के वा के का में के का में के का में के किया में में किया म चबेरमःसूचमःश्चेमःचबुवामःधेर्यःयरम्भयः द्वेमः देवमःश्चेचःश्चेःधयःयाःयः केंश'दर्गोद'सकेंग'गशुद'रदा'ग्री'न्नोगश'पस'पद्मेग'पदे'त्रस'प'उद'देंद'ग्री'द्र्'सेग'गी' वरावर्यानिराप्राप्रस्थानसूर्वाययाम्ययाउपाद्यीसूरायराहेन्ययायाकेराधिरासुर

तत्राञ्चन द्वा द्वा द्वा पत्राचल विषय या ध्या भी भी ते ते स्मान्य से मान श्रुवीयानुःस्वा व्यव्यव्यक्तःभीयः यञ्चरः ञ्चा अदिः विष्यः युदः यः नेः वय्यव्यक्तः व्यव्याव्यन् या 'क्रूर-५८'। दे:५वा:वी:वर:अर्ळअश्व:यो:वेश:५८:'यश:यश:युव:यदे:५४यः यर्गेव केंबा श्रुट सुद सा श्रुट प्या हु। दूर विद यर द श्रुट विवा व श्रुट यते सुद सा सा वा बत हें र क्षुदिःदग्रया मुन्दा म्रम्या उदावदा दुः स्था यो हिता या द्वारा । स्था सुन्दा म्रम्या उदा मुन्दा विषया वदा नुर्सुन्यसम्बन्धाः वर्षाः नुर्देस्यः मुन्दर्भः यो निर्देश्यः स्वर्षः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं भ्रीययातीयाव्ययात्रर्तात्राष्ट्रियायञ्जात्र्याचीत्राचीत्रात्र्याचीत्रात्रात्रात्र्यात्रीयाचीत्रात्रात्र्यात्रीया सु:नक्के:च:केक्:यें:सर्ह्-द्वारद्वेक्:यदि:नेन्-न्येक्:नु:नतुवाराःसेन्-यरःनरायाया यः या य हिषा न द्वा प्रयोग या विषा ग्रीया य हैं ग्रीया प्रदेश या द्वा स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय उदःग्रीश्राश्चातिदेदेश्वात्रशायाया यनाः वयः श्रीः श्रुप्तः सुरुषः न्युरुषः स्रीत्राश्चरः स्रीत्राः रुषायदी क्षान बुद से हैं है। हो दा तुद से दा से हिंद से सामित सी नार है। हा सामित सिंद से सिंद से सिंद से सिंद देव ये के होत् द्वयायायहिता होत् द्वयायायाय हेवायायीता होत् द्वयायाया तत्यः प्राप्ते । वित्रम्यायायमाम्बद्धायते स्मुत्यात्रः रेषाः विवासेत्। सर्वे २८४ श्चितः स्वाप्तवादार १८४ विषयः १८४ विषयः । स्याम्युमा । स्युद्धाराधेमा योदी स्टायित स्वुद्धारा स्थापा । दे सि स्टायित स्वित बियोग हुंदु न्यीय विष्या विष्य क्षित क्षित सुंदा से विष्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान श्चित्रयात्र्ये त्रत्या होरादे सूराययाया रावेशि क्यूनार् धीनान हे सुर्वा स्थाप क्रीयाक्त्राचीय्रायाचेत्राचीया वयवायाचित्रम्नवयाचीयाच्याचीयाचीयाचीया

ઌઃઽ૮ઃધૢ૾ઽ૽ૹ૽ૢૺૹઃશૂૹઃઌ૿ૺૹઃ૽૽ૺૹઃઌઙૢ૽ૹ૽૽ૹ૾૽ૹ૾ૺઌૹઃઌ૿ઌ૽૽૽૽ૢ૾૽ઌ૽૽૽ઙૢૢઌૺૹૹૹ૽૽ૢૹ૽ૺ लग.पुर. वृत्र. पर्सूय. तथा. पर. चीवय. युष्या अथ. वया या व्याची. पर हुं. गठिगःगीर्यान्तर्भेगःयःसूरःतुःश्चित्रयः प्ययः इस्रयः यः विस्रा देः त्राः ग्रहः श्चित्रयः याश्वरागात्तात्तर्भात्त्वर्भाश्चीत्तात्मात्राचिम। त्रामाप्यात्तेत्तर्भात्त्र्वर्भात्त्र्वर्भात्त्र्वर्भात्त्र् चल.श्च.प्रभागम् प्रमृद्धं मार्चेत् मार्चेत् मार्चे प्रमुक्त मार्चे मार्च *ୠୖ୲*୵ଌୖ୕୳୵ଽୄ୕୳୷୕୳୰୵୕୴ୠ୶୕୷ଽ୕୳୶୶୲୷ୖୄ୵୕୴୶୶ୖ୷ୣ୷୴ୖଽ୶ୄଈୢୄ୕ୢ୷୷୕୶ୡ୕ୢୖୠୖ୷ ने वया यह या प्रवास वया है । यय । यद या प्रवेश हैया हिं ते हैं या यह से स्वास है राष्ट्र राष्ट म्बर्यायात्रम्यायात्रेत्राच्यायायात्राक्षेत्रम् व्यास्त्रम् देत्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् विष्ट्रम् वि रदःवाल्वनः द्योः द्रवो । द्वेवायाः समया उदः स्वावतः सन्भायो समया उदः द्योः देवः दुः वर्षे वि न्नो न तर्ने भेषा श्रुरन् नन्न । न्रोव सकेन न सुस में त्र नुन सुर वया विद्यान्य विद्यान्य स्थान्य । विद्यान्य विद्यान्य । विद्यान्य विद्यान्य । विद्यान्य । विद्यान्य विद्यान्य पर्के क्रिं अध्यायवर प्रमुद्ध द्या प्रयाप द्याप र द्याप गादि है स्रोध स्वाप स् ल्रेन्द्राच्यावयावदेर्द्रावयावदेर्व्याञ्चेत्रायायायाचेत्र क्रुं या खेवा या लेवा हु खेंद्रा तर्वेदि विदायेवा गाुदा ववा व्हा स्वत्य त्या यह त्या यह त्या यह त्या यह त्या व न्वींबाराधिवाही गुवाननाञ्चात्राविष्यात्युरावीतात्वीयानाचेरावतराकेवा व्यक्तियः केषा चेरावतर केषा क्षु देवाचेरावाणर केषायमाया वाराचेराणर केषा योर वया योड्या तर्क्ट क्वा या या या रहें या लेखा वतर हैं व तर्वेद र या तर्दे व व्या या या रा वर्चे र-५८-वरुषायवि:१४षषायो वर्चे प्राप्त वर्वे प्राप्त वर वबर विया सुर वा हुससा से बा हु हु दिर । के स्पर सा सुसा ग्रुट के रासर से विस्तान त्रः व्रीतः क्षेत्रयः तर्ह्याः वेरः क्षेत्रः येत्रः ययातः रेयाः क्षेत्रः यदः येः वर्षः क्षुः विष्यः योतः व्रुषः

ल्रेन्थान् नुरायर विषाये से नुन्याव स्थित स्थानि । वार सूर सुन्य स्थित स्थानि । नञ्जन मुन्दर यत र्येत या श्रेन्य रामें दात्र शत्म प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र यन्तर्भाते प्यत्यकुत्यति द्वीत्रत्त्वयश्चित्र कुन्तर क्षेणाते त्रिक्षेणे प्राधित क्षेणे प्राधित क्षेणे प्राधित विवा विव यदि केन नुः धीव। वी क्रिंस स्पर ने वा बे वा निवाय की होन हैर नयस्य ही निवे ने केंबा रवे वर नु प्रक्षुर वया बेंदा प्राधीवा ने वर्त की रेन प्रवे केन नु स्वाप्तर्ने व की गहराने निरायर कुन गहिराये के लिया गहिया यस नेते वर वस पर वीस द्वीया या र्शेर प्रमाय प्रति द रहें मालुका यदि र्यो रहें दा प्रमाय दे । दे प्रमाय ही कार रहें मा न्गेंब्र अर्क्रेम मसुअन्दर्स यने मने मना सः या मसुस्र । । सः सुर विमायेदे सर चलेत् चुर कुच सेसस्। विराधि स्टापित सुम्रास हेते प्रीधा विषय । चुर क्रुयःक्षेटः येति यरः दुः सुवयः सुः सक्री वियः सेवायः सुवयः तर्वे क्रिया प्रवे वितः देति । नवर मेर प्राप्ति । यर हेर योग्यय न मेर प्राप्ति । वेया गर्य र योग

वे क्रिव: दुवा: पति: केंबा: विद: श्री: वार्क्यवा: ब्रेंड्रिट: ल्या: वाद्यवा

स्त्रः श्रुप्तः वयः यावितः यवतः नृदः याद्यस्य । याद्यः याद्यः यो वयः । याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः । या यरे. ह्र्यायायपुरयर्था क्या क्या क्या क्या क्या विश्व क्या क्या क्या विश्व क्या क्या क्या व्या विश्व क्या क्या न्यायदे र्के या वार्ची १ वर्षा विते देव रहे वाय विते देव वित्वा वित्व वित्व वित्व वित्व वित्व वित्व वित्व वित्व ने: पर धुः नर्वे वः नरः वोः वेदिः नर्तुः ननरः तुः वोः वर्के स्वर्गः वोः नर्तुः वे ने निर्दर त्यवा सुरुष् वर सुरुष केविष स्विवा स्राम्बुर निरुष । वर्ष सर्वे स्राम्बुर स वर्षरायान्द्रक्रित्यावक्कृतावर्षरायां क्षेत्रायर्षा नःश्रेत्वसुत्राच्यायाः स्रो વ્યાં કુદાયુષા માર્કે ષા વચામાં ત્રામાં સુકુદાવેદા દ્વાવા વ્યાના વાદ મારા કો કંચા લેવા લિદ્દા र्शेट्। न्वटःवर्ड्वःधेंश्राधीःवर्त्तीः बेराश्राविन्यःधीःवर्त्व १४४७ सुटःन्यवःधः नुषाव्यायमे विदासीदाया विदेशा की विदास के बाद्या की सुरावर दिवा यरने रेटा ने रेटा बी पटा सृधि हैं बिहेश क्षी वटा वश सृहें बिहे बार वार हुआ र क्रेंब क्री क्री के ता क्री क्रम क्षेत्र क्ष देः पदः वे स्वरः व्याप्त व स्क्रीदः क्रीदः वेदः विष्यः व्यवः स्वरः । देवः दे स्वरः वास्त्रः विष्यः विष्यः बन्दर्भ सुन्न सुन्न वुरुष्य प्रत्य प्रत्य विन्न प्येत्र य रेन्। ये नि प्येत्र प्रत्य स्वरुष् निःशेर्दः नः मरः सदः सदः सेता देः यः सदेवः वेशः स्वः विमः मेशः नसूशः वः द्वेदः वेदः विवाधिवाय। भ्रीम्वाञ्चायदेर्द्रायादेशानेशाविशाविहात्वायीया

चतिः र्क्षन् त्या स्रोधासा उत्तर सीमा मीसा सम्बद्धाः से स्वर्के सार्वेदः चालिमा धीतः मासुद्रसा सीद्रा श्चीर हैं या उद्दीर पद रूर रुवा से पुरा यह प्राया या हो हो वा प्राप्त हैं विवा प्राप्त हैं वा क्या या स्वा म्बर क्रेंब रे नवेंबा बै मर्डम में सेट नु बुद नदे सुवा नस्य नये र वा श्राचीक् कु पपुर र्रेया पर्रेया तीया ह्या थि वीराय ररा रा रा प्रकृति स्वाप्त र्रेया पर्रेया पर्रेया म्बेरक्ष्यर्व्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्या भीत्रावेषायाच्या मान्या मान् विवानमासुरावासुन्त्रवरामे अभागीस्वानम्या नुवानीस्वरानमा यर्गेव येन भीन भीने स्वाने के वानवाय हो रेजिंद के स्वान स्वा युवालिया देवे सूचा प्रसूचा यो दास्य स्थान स्थान मिन्न सामि स्थान स्यान स्थान स न्वीयाययार्यः वाववाविषायादे तके वीकेन्त्र स्थ्रयायदे देयात् सूर्यास्य याक्त्रया रेर ने भूर पीन या वकर पाने वहा पीन पाया विष्र प्रविश्वेयया उत्तर स्था याबयः श्रीता यास्रेया ग्रामः भ्रमा स्त्रीयः हेते प्याया स्त्रीया स्त्रीया प्रवेश विकास स्त्रीया स्त्री वॅर्न वार राउदा केंद्रा या केंद्रा प्यापान हुने या प्रति हो हो साम हो से साम हो से साम हो से साम हो से साम हो स याः वेतिः पुर्वान्यस्य सुः क्रीस्य प्रतिना न्दः सेति प्रवास्य स्वास्य तयम्यायाः श्रुवः रयाः मञ्जिषायाः भ्रीः मद्भाविदः। कुरः ष्यायदेः यदः वया श्रुदः द्वयः ष्याः यान्द्रायाक्षीयाक्ष्यानु त्वर्ने बाले वायती ह्यन् के वायक स्थान विकासीना त्रपुर्यायक्तायः त्रायाः क्रवास्त्रीयाः स्वतः स्वायाः प्रीतः त्रायाः त्र्यायाः त्रायां क्रियाः तर्वो कार्यान् या शुव रयाविवयाधीसु रुषावर्द सुर लेवाया शेलेयावन् सुर हैया से केव

ल्रिव,व.लर.स्वा,र्ट्या,व्रिट,व्रिट,स्वर.क्र.जीयाबा,रट.ट.क्रीजाक्याबा,ख्रेच,ट्रिट,जीर. **৲৶ৣয়৶৻য়৻য়৻য়ড়৸৻য়৻য়৻৸ড়৸৻য়য়৻ৠয়৻য়৻য়ৣঢ়য়৸৻য়৻৸৴৻য়৻য়য়৸৻য়৻য়য়৸** নমমার্র্রানদ্দ ঠোমন ড্যানী ইয়ামা সুমার্ত্রী মাধ্যমান্ত্রী মীর্ত্রা ইর্ন মান্ট র্কী মমমা क्ष्यायाञ्चीराहे: दरानेषा स्वाप्ता क्ष्याया क्ष्याया क्ष्यायाच्या विष्यायाच्या विषया याने र्क्या र र है स्मर है सार्वसा ह्वा के तर्वो किर तर्वो वियावया ने व र हर हो गाणी विन् प्रथन भी से विष्या अध्यय उदा की प्रमे स्थ्रीन भी संग्रीन भी स्थाप विष्या भी स्थाप विषय स्थाप विषय स्थाप व थीः वी: न्दः देवा वावका क्षेत्रें व्यावहें न्यः धीवः वा विदः इत्यः यवा वा यतें केंग्र दर देवा वालुर देव बर ख्वा केंग्र तत्तु रे रे रे दर देव रे रे रे वा वा कोर *ब*रास्ररायम्याग्रारासी (बुवायायी स्थान्। सी मी केवा वी सी से स्थान स्थान किवा शहलः ने में शामान्य स्थान्य स् र्थेर्-यार्ड्याया वर्रानेति विर्क्षुत प्रम् र कुत्रा यमा यो त्येत प्रदेन या सूर्या ग्री यत् रवाःवान्त्रयाः विन् वयान्त्रन् स्रो प्रतः यवाः प्रतः विसानुः स्रो प्रयो प्रसूतः यास्य त्यायः थॅर्न्यते स्नूत्राय स्नुवाय वर्षे त्रस्य दिन्य स्त्राय क्रिया वर्षे त्रस्य है। सर्केन क्षेत्र नकु प्रेम ख़रीन्तर में नकु क्षेत्र की खुम त्र मान मान मान स्वाद न्या मान स्वाद न्या मान स्वाद न दे·ख़ॣढ़ऀॱॸॺॸॱॺऀॱॸॱॺॕॖॿॱॴॸॱॺऀॱॿॖ॓ॸॱॹॖॕॸॱऒ॔ॸॱॺॴॸ॓ॣॴॱॸॿऀॴॸढ़ऀॱक़ॕॱॼॸॱॹॗऀॸॱऄऀॱ न्वींबायायाधीवाहै। कॅटबाहैन्कवाबाद्यायने याद्वेयावबाह्यम् । व्यवस्थेन ये.ल.पेर.केर.केर.केर.ला. वियायायरयायाया । १.क्ट्र्यार्यायी । पति त्युका हेत्र ति देवी विकासका केंका अपार्थित हैं कि त्या कुरुका त्येत परे की प्राप्त की कार्य की कार्य की कार्य ল্পৰ্ব শ্ৰীম্মান্তৰ প্ৰম্মান্তৰ শ্ৰীৰ কৰ্ বেৰিমান্তৰ বিজ্ঞান্তৰ স্থানি নামান্তৰ নামান্তৰ প্ৰ र्ह्रेवायायदेश्यरयाक्चियाग्चीत्वे तयर ह्या श्वयायाने स्वराधिया वययार्से ने स्वरा वहरळें वहे छो वहेब वस्रायवे ह्वाव क्रुट्ट क्री हो साम्रावी वान्य स्वरायस्त प्रेंट या धीवा देव स्टूर देरे सामेया श्रीमा सामिया इसमी हेव खेना युग्रयाययम् क्रिं विगायहरम् स्ट ग्रीयास्ट या वे विया द्यायदे सूत्र वयार्टे के ब्रेन सुरा बुरा खेना ने प्यर न्त्या यें या क्रेन स्या वे या यमायार्थेन् कुरिः नर्भेन् त्रस्यानसम्बन्धान्य स्वस्य न्यात्रः स्वन्ति सुन्ति सु व्ययाद्याः वृत्यायश्चित्रः वत्राः द्वायोदः श्चीः सूयाः यत्राः सुयाः यत्राः सुदः सुदः तव्ययः देवः स्रोदः यालेगायाग्वराकेव रामस्रेषाव्याव्यायाची नियम् विकार्या सुरूपित कुलार्श्चेन विनायेन यान्सुरावयाञ्चर विभानु र्येट न न दर तद नया नुयार व श्चीयायायदेश्यक्त्यायायदेया चार्च्या प्रत्येषा प्रत्येषा स्टार्म्यायायदेया स्टार्म्यायायदेया कुर्-रदःवीयाया श्रुयावदे यो येया रुयावदे रदः वी कुर्-या कुराविवावस्यायया यथयः में विवायहरत्। यदः भ्रविषयः दरः विवाके विवादि स्वायदे के विवादि । गर्नेग्रा वह्त्राचीर बेर्यायान्ग्यापङ्गिर व्यापरंवापर हेर् कुर्पेर याया रेता देनवर्यः रहेर्यः रहेर्यः वाडिवा चस्त्रवा कर्या विवा चस्त्रवा करा विवा चस्त्रवा व वयासी विस्तामी चेरामबीय प्यति। बितार संस्ति के सामित के स हुट:हुट:पीत्र:यात्रवात:रे:हे:सावाडेवा:क:र्कट:या:तनुवा:येट:सेन्:स्वित्। गहत्वस्य सार्विसायस्य सार्वेदायासेदादेना सेदाया स्वेदासासी विसाया स्वेदासु सेदा

ग्रुरःशै'विसःबेरःदेशःयश। सर्देरःवःरदःस्वा'यःकेशःवस्त्रुवःयःयश्रामवदःकेःवः ८८.जमः क्रि.चर्सियः क्रि.योजः कु.याजः प्रत्या त्र्यातः क्रा.याच्यायाच्यात्राच्याः र्कर अञ्चल्या अर्थन होत् या लेवा यञ्जूयाया यञ्जूर व्या श्रृंद ये यलवा श्रे प्याया वर्षेया यःरेदःवर्षे द्येःदःसुःतुःलैवाःयः अर्द्धेन् नःवहेवाःहेनः द्वेर्यः यक्कुदः दगारः नवाः वि गर्यान्य न्याने विषय में निषय में निषय में निषय में निष्य में निष्य में निष्य में निष्य में निष्य में निष्य में न्ग्रा सृत्रें वन्त्र अधि देराया द्या यी पराया केवा पकन छन ने व की पसूत्र याने पसूर वया देवे प्यव यग हु गहें गया या से गहें गया यदे प्रसूद से द से पर यह्मा हेव से क्रिया की तर्जी वर्जी व चिताचित्रामे। गीयामिष्टियायहियामिस्त्रीरामित्राम्यस्यामास्या क्ष्रयायर देवायायदे हिंदा चुर्च देवाये देवाये चुर्या चुर्ये वावयायी हो विकास बियान्नायन्त्रा चन्नाच, प्रविष्ट, प्रेक्ट्रियान्ना प्रयोद्ध, प्रविद्याने, प्रदान प्रविद्याने, प्रविद्याने, प्र क्षेत्रक्र होत्। रदः वीषा ह्युषाया सदः वीषा वीषा यविष्ठः तुः यञ्जेवा स्रोतः त्याषा द्वारा वर्डवः र्येकः देनः यदे कुं अर्ढवः दे खूरः प्येव। प्यनः त्वः कोरः प्येवः रुदः वर्कः वन्वाः वावीवः हेःयः वतुरुषः श्रेः वेत्। वैः वःयः वतुरुषः श्रेः वेत् यः यः वतः देतेः विस्रवः ग्रीकः दगारः वयाची न्द्री या श्री स्वापने स्वयोग्यने न्येरावा ध्यापहर वियापकी वया ब्रुट्या हे त्वद्वायाया विवादिवाया यत्तर यया देवे यर द्वारा द्वारा स्वादी सुन्या देवे भ्रान्याने नुषायर वेवा हु या सुराना सुन्य रेन प्येन प्यान की निषा वितर सुरा सुन्य है। नक्षुः वेदः श्रीदेवा ददे न्या दाद्दः द्या या वाशी वृद्धेवा यदः श्रीविदः वेदः स्रीति व्या या हिवाया र्बो तुर तके वन्ना वा निर्देश सुन सुर तुर तकों न या सूना यर के वा रेना वे विक्रुन र्दर तर्वा सद्य वार्नर या लूर स्रीया तद्य वर्ष वा क्या की वा स्रीवा क्षेत्र हो वी स्रीवर कुर्या

यस्रायात्रसायकीयान्द्रस्थिरावार्द्दासुवानुद्दास्रायोद्दा ने सूरावायन्त्रवार्येदाने ल्रेन् भ्रेन्थ्याया अर्धेन् येन्या स्टार्स्यना र्वेना र्येन्या सुना येना येन र्वेरः नर्सेनाः सुन् विन्याः नेयाः नतेः हरः द्याः सी से हिन्यायाः से स्यासी साहाः यदे तु क्रुन् स्रेट में स्रामें स्रामें स्रामें स्रामें स्टान्म स्टान् में स्टान्म स्ट यायव के क्या की या दिया व त्री प्राप्त के विष्त के त्री हैं के कि त्री के त्री के त्री के त्री के त्री के त्री ह्वा पर्देश या दे 'भीवा देवा 'या या या यह या यर देव देवा 'या प्रकृत या विकास देवा करेंद स्वर्धित र्द्धन स्त्री क्ष्या क् र्कर् से दें ने से र से ति न से न से ति न से न से ति स्वर स्वर स्वर से ति स्वर स्वर से ति स्वर से न से ति से त त्ते स्ट श्री महेब सम् तहत क्षेत्र त्या तहीं महिन्दि सार्वे स्त्री ता सार्वे स्त्री ता सार्वे सार्वे सार्वे सार बूँट.तर.बैंर.वंबा.जु.कैंबाकुं हंबा.चैंवा.बैंट.बोध्या.टे.बैंदातात्तर.यटा त्राटा तर.कूट. तराश्री के विश्वात्यात्रयायायायात्वत् श्रीया श्रीत्याप्यत्यायाया विद्या हेत् श्रीः वुःचलवा वस्रमा उद्दर्शन सेदः स्ट वीमा स्ट त्यः स्ट स्मिन् स्ट की मुक्ति स्थितः संदेत्। दे यदानुपान्य प्रदान्य स्थानिक स् ब्रेट वयानयय ब्रिंग फु र्येट रुट वर्देन विनाट नवे रुया येन दे। नविना पेनि व यक्कैं ख्रम्भायायम्। यक्कैं प्रत्ये प्रत्ये प्रमायम् क्रियाये प्रत्ये प्रस्ति प्रमायम् याने र्ड्यानु क्रमाया लेवा के मा विष्याम क्रिया विषया क्रिया विषया वि वहिना हेत् क्षुः वुः चः वय्यात्रया कर्षरः चः न्दः क्षरः द्यारे हिन्या क्षुतिः न्योः व्यान्या सेन्। त्रदः स्ट्री विष्ठवाकी त्रसे व्याविका पेरिया । द्वी से विष्ठे द्वी प्रत्या विष्ठे विष्ठे विष्ठे विष्ठे विष्ठे व

वयः क्रेंयः वश्च्यान् वृत्यः यः धीव। यदः वर्षावः रेषः दः छैः रेनः ग्रादः रेनः वेदः सुव्यः नुः त्रयाच्ययान्त्रयान्यूरान्या देत्रययाग्रीयाग्रदाद्वित्योत्तर्त्रत्या हेब वर्देर से क्ट्रिंट धर रद सेट होट कुं धेव सर्वे प्यव दर्श वर्षे प्यव प्रेव प्रेव हो रद मैशायर प्रमुद मुर्विच धिर्वा म्वावन श्रीशा सुराया प्रमुद मुर्विच रेदा वि'नर्याद्यन्याक्रम्'विर्मन्विर्मने न्यास्त्रेत्। बेरानासूराधित्राय्याद्वीःहेत्त्वार्विः रटः क्रेंश वर्के बचरा दे 'चरा द्वाव बिवा चर्या देश देद त्या चराया ह्वी दे श्वें वारा व्याव विदेश तर्वो तः रेत्। देवस्य ग्रीदेवः यः येवः तस्य स्यापसायस्य स्यापसाय स्थितः स्थापः रे स्वा स्थापः देः रदः वी अर्वी अवि विष्यात्रवीं अयोद्या अद्या स्था स्थ्रीया या अक्ष्या विष्य विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या द्रम् मेर्या क्रीयायद्र इस श्लीय स्वर्धित स्वर्य स्वर् र् सेर्द्र सैयकार् के सेया बुवा वी क् वर् जीर श्री य वृत्त व र श्री य वृत्त व र श्री य वृत्त व र श्री य वित्त वर्वेदा म्बदायदा र्वेषामुषासेदाविदावरार्देरासहयावा यक्रा वियामस्ट्रयायमा ने:नुयाःभ्रान्टः त्त्रायरः श्वायाः हे:सेन:याः सेवः सेन् न्गायः चानेश्वा श्चिनः सूयाः यहिष्यः गाः यहेः श्रीः हत्। नेः श्रीः यहेः यश्वायः सुनिः श्चीः नुषा । वाडेबा सर्वा द्वीता स्वापन स्व मुक्ता द्वि: नृदः मुक्ता क्ष्मा न्यान्य मुकार्यः विदेशे ने नृक्षी निष्य सम्बन्धाः स्थान योडेका:ग्राट:योडेका:कोर्ना:ग्रीन:ग्राट:देव:व्य:की:यारेव:हे:रट:वरेंन्:स्वाका:यड्वा:वीका:बेंन्: मडेशयासाधीत्यम् विर्मा मडेशयाधीत्। मधित्र उत्सूत्यम् सूर्या

दे। । रदः वर्देन : धेवः द्यां या श्वीरः श्रीवा । वा श्रुद्यः या श्वरः द्रा यदः स्र्रेवः वर्षेषा या लेषा क्रु क्रिंट त्र प्रत्ये स्मानमा वित्र विषय से साम से वा क्रिंच रा त्यातः रेषा स्यान्त्रेया त्र श्रुर हो र तर्नु या स्था तर्ने । खा स्तरे । व्या से स्था स्थिता स्थिता स्था तर्न । वेषा म्रोब मान्यायन द्यायनिता विकिया हिन्या हेया या स्थान स्थान हिन्यो सुमारी स्थान हिन्यो सुमारी स्थान हिन्यो सुमारी स्थान हिन्यो सुमारी सु योड्याययाधीत। यदायरम् दायते दुयायाञ्चेतावयायदे त्याधिर ङ्गेति विदालिया भै'यर्ग'यश्रयार्के'ग्रेशयाय्व'सेर'री भै'म्व'हम्मव'द्विमव'गश्रया हे नियं र व विक्रां के व के कि स्थान हेरः यक्तिये ५ 'तुषायी' वाडेषा यषा भ्रुया वित्यायर तथे दायाया वाहिवाषा देवा के दाये द बेर्यासुमिर्वामीयाप्यम् १५ स्टब्स्यायासी होत्। तेया व स्युत्याप्यमा से मार्था से स मन्नाम्बर्दित्। रे.म.क्रिंग्यम्,र्नाद्विम्मेर्न्यम्,स्त्रेप्ट्रम्मम्बर्धाः त्युवार्थान्तरः स्त्रुः यान्यर्थान्य व्याष्ट्रीयः न्याः स्त्रुव्याः स्त्रियः स्ति स्त्रियः स्ति स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रि त्याया सः ता स्या द्वा द्वा या से के प्रोत्ता विकास से के प्रोत्ता स्था से कि प्राप्त से के के प्राप्त से के प्र से के प्राप्त से के प्राप्त से के प्राप्त से के प्राप्त से के के प्राप्त से के प्राप्त से के प्राप्त से के प्राप्त से के प्राप् देवे के त्यायक्ष में प्यायक्षेत्र होता व्यायक लिया सुरातु हिंद क्रुप्य पेत्र वा प्रायक्षिया स्'र्दर पर्दः न्रुक्षावस्य क्रेंब पर्दे बया पुर व क्रेंचा स्वादन वालव लेवा से न हे साधितः यम्राज्या ररावी केर्रिके यात्र याञ्च ररावी याय बुरा ररायाय वाय केर्या रदःचीयायान्यसूत्रा यमायमीत्ययात्रस्य स्थियायात्रस्य स्थितादास्य स्थितादास्य व्यार्वेदः। दें कें व्यानवयम् कें निहत्वया कें या क्षुना द्वीय। दे निविद्या से निहत्वया कें क्यायक्षेत्र.लट.ब्र्य्यायात्राची.र्यात्राची.र्यात्राची ब्रुट्याचीक्या.लायाची.य.लट.ब्रुट्या यदः सं त्यायम् । यद्यायम् । विष्या व्याप्तम् विषयम् । यद्यायम् । यद्यायम्यम् । यद्यायम् । यद्यायम्यमः । यद्यायम् । यद्यायम् । यद्यायम् । यद्यायम् । यद्यायम् । यद्याय

বার্মর তর মী'भी' ক্রুষ বর্মর দ্বাবা শ্লীবাষ মের দুমান্তী মী'বদীর মী' ক্রুষ মী'শীষ वेंब्र यायर लेंब्रा रह क्रुंबारह वीबा वेंब्र हगात चा धेव हो। यह बोब्र व तरेंद्र र्धेव प्रशु वीन डिया । यद सेव व सूर्या सूर्य प्रहेग्य मशुस्र विया नद प्रस् ने ही येययः व्याप्तः तर्वा विवायते तर र मुश्या सुप्त त्वायायी रेवा केया विवायी वा याम्यान्येमा ष्यायादाची विमास्याप्यम् नेयान् विमाना लर मुर्थात में भारा में भारा में भारा में भारा में भारा में भारत में भारत में भारत में भारत में भारत में भारत में रदःवीःक्रें:रवरुषान्त्रन्त्रुः । तद्तुवः यानक्ष्वाः क्षेवः योदः प्रया से : द्वीवः वीवाः ये : योवः यदःवञ्चुरःवयःक्रेंयःवञ्च्यादर्वोत्य। यदेरःवःश्चेंवःवयःदःवृतेःवरःयःदवःक्रेंदःवयः र्कन् क्षेत्रं व त्र के क्षेत्रं या व विक्रिक्त विक्रा व व विक्र व व विक्र व व विक्र व व व व व व व व व व व व व ইবামান্ডর অমাজার্টার্ সেনাবী শ্রী ঐট্রেবামান্ট্রমাসন বীমান্ত্রমান্ট শ্লীন রমাশ্লীন ইবি ्रेड्रेक्स्यायात्त्रह्वाप्रवायात्ते। कृत्यान्वीकाश्चित्त्वापार्यः न्ये वे से विकास रेकायाने हेंग्रायायकेत ये में र्मेर केत स्नेर विवानी हेंत् तर्वेदि र वा तर्नेत विवाया सुन्यहेता यः इसः सब्रिनः यसः प्रचारः दिन् दिन् प्रविनः प्रविनः प्रवेशः स्मूर्यसः यस्।

व रोग्रयानश्चित्रधित्र

<u> ५८:धे जालुर देव प्यथर या</u>

विस्त्रास्य स्वतः विश्वास्य स्वतः विद्यास्य स्वतः विद्यास्य स्वतः विद्यास्य स्वतः विद्यास्य स्वतः विद्यास्य स्वतः विद्यास्य स्वतः स् बी देव खतर मुद्र सेट सेंद्र सेंद्र तर्वो मुद्र सेद न वी सेंद्र तर्वो चिह्र सेंद्र पर्वे न्दःसंकेदःवया ग्रेक्यःयःवाव्यमःवस्य उदःश्चित्रेदःहेः क्रुवयः सुःवर्शे प्वदे। इं. श्रेश्वरा. ट्रेंस्य. प्रध्य. क्रिय. क्रुंय. क्रुंय. क्रुंय. ययवायायायाया यहेता यरेट. चल्ने देवा कर र न वाहर र पा गा र योद स्थान र या वाहर से वाहर से या र योद स्थान से वाहर से या र योद से वाहर से य यानु नते यस क्री सबर द्वीत यानु सते ह्या तर्ने सन्दर्भ । पर्दे न पर्दे तर देश न र में भ्रीयमारख्रीतः विद्रास्तरम् न निष्यामार्थसमारख्रीत् प्रविद्रास्तरम् स्त्रीयमा यय। ने प्यर मिलुर स न यय। ने यु के विषय यूर मिलु सून रेश न्वैह्रमञ्जूद्रयाम्बर्धित्। विद्रास्त्रित्र विद्रास्त्रमञ्जूद्रभागान्तमञ्जूद्रभागान्यमञ्जूद्रभागान्तमञ्जूद्रभागान्तमञ्ज्ञपत्रभागान्तमञ्ज्ञपत्रभागान्यमञ्जूद्रभागान्तमञ्ज्ञपत्रभागान्तमञ्ज्ञपत्रभागान्तमभागानमभागान्तमभागानमभागान्तमभागानमभागानमभागानमभागानमभागानमभागान्तमभागानमभागानमभागानमभागान्तमभा यदेः विं वें गा गडिया यें तदीय यसूत्र दे पर केंया यी सर्वे तदी व दे । यासुरसायाने दें सर्करायते स्वयाधित हे दें स्वयाया सर्करा वेता यने तायिसा ५८.क्रि.म.५.चन२.व। गीव.ह्र्च.मे.श्राभगःवयः व्याभाःवरः चीः वः श्रीरः विदः कीचाः में वर्गेद्रियदेश्येययादेश्येययादेश्येययाद्रियाद्र्याद्र्याद्र्यायाद्र्यायाद्र्यायाद्र्यायाद्र्यायाद्र्यायाद्र्याय द्वायिते वेद्वावायाया श्रुरिया वद्दे दे अर्द्धर या धेवायश्वर स्थान दे अर्द्धर यदि स्वावीया श्रूर इट्यायाधी देव्यायदेवः स्वाम्यायदेवः स्वाम्यायदेवः स्वाम्यायदेवः स्वाम्यायदेवः यानश्चरानामार विवानश्चरानु विद्यानश्चरान्य । अवानमार धुरान्य । अवानमार धुरान्य । गहेशःग्रीशःग्राटः नुःश्चितः यरः नुः। प्रात्त्र सात्त्र सात्त्र सात्त्र सात्र स २८ क्रुप्ता मालव स्रूप्ता स्रुप्ती सार्या स्रुप्ता प्राप्ती स्रुप्ता स्रुप्ता स्रुप्ता स्रुप्ता स्रुप्ता स्रुप

तिवितात्वरः क्रूबार्योत्र क्ष्यः में वित्र अप्रते में वित्र में वि यदिः देवः द्रायां यो या प्रमुद्धः द्र्यः क्रुद्धः या स्त्रीः वत्र व्यवश्यः दरः देयायः वसूवः या लेवाः या में किया सुर्या वदेते दश्यायायते पुर्याद्य हुमायते हुम्यायते हुम्यायते हुम्यायते हुम्यायाय हुम्यायाय हुम्यायाय याधीत लेखा यहें निवय केंगा स्ट्री निकाया यदि स्थ्या या स्थित लेखा केंगा तथा त्म्र्यार्शक्रायन्तरम् अर्द्धम्यासूरायासुरास्त्रहास्त्रीर्था विर्विरायास्यास् ক্রুদ্-দ্-বেত্রিমম্মের্মের বর্ত্ত্রী বিশ্বমান্তর্মা येन वयान सुति यम तुः यया तम् निम्नी त्यम् त्या विषा ययष्य या सूर्व तुः स्टिन्यतेः शेसरा की इस यर हैं वाया वदी प्यट खूर हैं वाया पुरा की खूर दाय देव खूरा हु से दारे योद्रायाः विद्यायाः विद्यायाः वात्रुद्रायाः विद्यायाः विद्यायः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायाः विद्यायः विद्यायाः विद्यायः विद्यायाः विद्यायः वि ब्रूटप्पटा र्देव यः व्रवा वि यः ब्रूय यो दा या व्रवा वि यर व्यो दे वि प्या स्था वि य यायनुष्यायते स्टानित विवाधित यो ने प्यटा सुवास्त्र क यो ने स्वित्र यो स्टानित चल्रेन व्ययः यात्र याद्याचल्रेन द्या क्रिन् क्री चर्चा क्रम्या यस्य सहस्य स्वरं द्या स्वरं द्या स्वरं द्या स्वरं श्रेन् निष्या मानुमार्था निष्युः स्त्री स्त्रून निष्या स्त्रा मान्या स्त्रून निष्या स्त्री स्त्री स्त्र स्त्री स्त यदःयरे द्वारा स्रुक्ता स्रास्ट्रिया स्राप्त स्रुद्धा यदि स्टार्स स्राप्त स्रुद्धा स् यमःग्रीहेमःसुत्वद्दद्वत्त्रमःर्भार्भितःस्त्रम् सूदःदुःग्व्याय। कुःग्रेगाःयःदुः स्रोसरा इव : श्रीरा से स्वाप्त प्राप्त के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप र्रात्र्र्य्यायित्रात्रित्रात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्या श्रेषाक्ष्र्र्याय्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य याने के अर्थेट सूर बन्द गुरा थुया की सूर वायने वायर मुनाया विवाग्राट सेन श्रेश्रयात्री स्रेट व पट ने प्रविव सार्या प्राप्त स्रूट प्रवे हे शास्त वर्षे हिंग हो न प ने सु तु प्येत प्रयास्त्र हु हु या प्रयाप्त विषा विषा विषा विषा हु या स्वाप्त हु स्वाप हु स्वाप हु स्वाप हु स्वाप हु स्वाप हु स्वाप हु

र्ट्याचर्षः क्रिं आर्क्ट्रेरः वरः चः चे चर्चे या या च्या चा विषाः प्याया यो या विषाः यो विषाः यो विषाः यो विषा षाचीयः ग्रीटः इव ता प्रश्नीयपुः क्रूषा २४ वि श्रीटः पास्री क्रूषा ४५ वि श्रीटः वि श्रीटः स्था स्था स्था स्था स क्रेंबरहेबरव्रवेथर्छेर्न्यर्वेषर्भूर्यः वर्षर्भन्याः बस्यारुन्या व्यव्यव्यक्तिः वर्षेष् तर्ने अ:बर् थ्री:देर क्रे:बूर पः क्रु:अते:ह्रुव स्वावाय: अ:देव:क्री:वर:र्] त्यकाक्षी:न्यन् क्षीकार्भेन् संन्यायदे क्रीन् क्षीका यक्षायक्षण्य स्थितकाक्षीका त्य्यकात् विस्रकाम्बर्धसादिर प्रदेशसूना प्रस्या प्रस्या प्रस्ति हिंदा हुँचा प्यस्ता युः नुः हुँ ५ दिः बेशमञ्जातस्मिन्याचे वाष्ट्रवाचा वारास्या कर्षाय राष्ट्राचा बेवाचा वाच्या वास्तु हुन् सेशमासुर सायसा विरावविषान्यार्थः देशः द्वेतः द्वातः व्यायाञ्च । वायाविषाः वयाः वाद्याः वाद्याः व्यायाः व्याप्तः व्याप्तः व्या कर्यः द्येरव्युम् वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षे वर्यः वर्षे ब्रेंकुतेःवधुनःशें स्र्रात्विरावास्र्वेन्स्रवाष्ट्रस्य वस्त्राच्यात्र्य स्त्रात्विरावा विद्याना विद्याना विद्याना विद्याना विद्यान ययाम्यानम्यानम्याभूताचेयाः स्वारायेतास्य स्वारायस्यान्ति स्वीर्द्दात्वस्य स्वीरा বিদ্রমঝ্যমরি বের্ল্রী নামীমঝ্যভর স্ত্রী ইবাঝাম্য স্ত্রুমানাই রমঝান্তর উঝারইঝাবার यश्चिलाचराची प्रतुर्विराच कुं त्व्यागात्र हूं वाकुं त्व्या ग्रीक कर्मे । रे.क्रेरा यर्नेष.त्रा.भा.भुर्यात्रा.मुम्यात्रात्रा.स्या.स्या.स्या.मुम्यान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तियात्रीयान्तियान्तियान्तियान्तियात्रीयान्तियात्तियात्तियात्रीयात् च्याप्तर्भेत्रत्र्वायोग्यापञ्चीत्र्याः श्चीत्रायाप्त्रम् वित्रायाप्त्रम् वित्राया रवःदेवःद्रसायदेःसेस्रसावश्चेदःकुः वायश्चेदःयःदेःहेदःम्रदःयःगस्स्रायस्य यसूवःहे। ३:सूर:बे:व। रट:रेवा:वेर्ट:वार्यथ:दग्विट्य:सु:टव:वार्य:सुर। बिय:वासुट्य: रदायायोत्रयान्वर्यायदे रेनायानदे न्यानेन्या स्नेदाये दिन्न्यया वर्षे चतः चन्याः क्षेत्रः न्याकेशः शुः ओदः धः दे क्षेत्रः आदेवः तुः श्रुद्धः हो। विश्वशः याशुः अत्याशः विश्वशः विश्वशः

रवालिट द्वाया म्रम्भारहर्। वित्ववा हेवा वा मुद्दार वहें वा मुस्य विद्या वा स्वाय विद्या विद्या वा स्वय विद्या क्रुं तद्यश्रास्त्रवर द्या द्रा द्या हे स्ट्रा हेर्ग्य द्या स्त्रीत क्री स्वेत हि स्वेत स्वा स्वा स्वा स्वा स्व यः म्रम्याः इन् स्राष्ट्रित् प्यते । भी या द्वेषा या प्रते । या त्या क्षु या त्या क्षु या त्या क्षु या त्या वि न्त्राषायद्वीत् क्वीप्रयानाकान्यात् । अर्वोत् यान्तुयायसान्तराये प्रवित्यायसान रवाबिट द्वावया ब्रद्ध कर् व्येत् या दे व्यावया व्यत् द्वावया व्यवस्य व्यावया व्यवस्य व्यावया व्यावया व्यावया व ॔ॱय़ॖॱॻऻॸॖॺॱॻॸ॓ढ़ऀॱॸ॒ॻॖॹॺॱढ़ॻॖऀॺॱॼॖऀॱॸख़ॱॹऻऄ॔ॱॻॖॱॻढ़ऀॱक़॓ॸॱॸॖॺॱॺॗऀ*ॸ*ॱॸॖॖॱढ़ॏॺॱॻऻॶड़ॺऻ क्रुयो.क्रेयो.म.क्र्यं.मुरे.पुषे.ला.स्ट.प्रमा.मुम्या.पुमेंये.मुर्यः क्रिया.मर्यः मुन्यः याधिव हो। वदी वया शुक्र सेंदि साधिव यदी स्रोससाय सुने ही हैं हो हो हो या व्यया <u> बि</u>र्-त्रप्र-रे.'यसब्राबानपुर,'यचेबानी हो.'ताबानी हो.'ताबानी हो.'ताबाना हो. यःभवःरचाः कृषुः भूः यः ५८ः श्रुपः वर्षा विश्वायः त्वर्षः कृषः वर्षाः अर्थः उद्याः म्राम्यायायायद्यायस्यात्रेयात्रम्यात्रेयायायाया ने स्याप्यावित्रात्र्यायात्र्यात्र्या वॅब्र-हे। । वाद-वाश्चेद-दद-शुन्दब-वद्यावर्श्वन। । वियावाशुद्यायय। रदः रैवा देन वार्ययान वाहुवा सदे सेसरा यो दर्य दशुरास होता ना विवास हो। विषान त्व्याय प्रति प्रति । विषान स्वापन में प्रति । विषान स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व द्य.क्षर क्रांचाबुर्र र ब्रि.मायव्यायवि स्मित्यायि भ्रांचाविष्याप्ति स्राप्तायि स्राप्ति स्राप्तायि स्राप्ति स केन यें र्याचनामा साधीन हो। त्रवितामाली न महीयामाली महिरानामा स्वीता है। तर्ने न न विस्रकाम्बुसार्वस्य अस्य उत्ते विष्य वेदकासार ये वुकार्कर प्रति क्रीता त्वारा प्रीत्र योषुर्यातिवात्तः वात्रात्तः वे वार्षात्रः त्यायात्रात्यक्तः त्यात्यात्तर्यः विष्यायः स्युत्रिः स्टामिका ग्रीसेटान्। तत्य्या प्रतिया महीटा वहिता ग्रीपो त्यारा सेवा प्रतिसेटान्। यर्द्रन राज्ञे त न्या श्री राज्ञे राज्ञे राज्ञे त स्वता राज्ये । स्वता राज्ये त स्वता राज्ये त स्वता राज्ये त वःबुःर्द्वेषायःबुदःवःकुः ह्वदे स्वःदेयः देयः वृः तृदेः दिव्यः वदेः विव्युदः वीः स्वयः दे। <u>क्याक्रमान्नान्दामान्वायोश्चित्याचे स्वतीयावितीयेन्याम्ययाने प्रसामित्रा</u> यालव रेंद्र छे वा वार्ष्ठवा रेंद्र बेंद्र क्रुं योद देंग्वाली सूद या विहेंद्र या लुवाया यादी सुद श्रेम्बरायम् वित्रम्थायम् सार्वाययाम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् त्रवुवानि तेन् नामवासीन पान विन् नामवासून मानवित्व विन पेन् माना सेन्। देशक्षाम् मेराप्ता हो सारदेशपर्वा स्मानसारा मासेरासूदानु सार्वा करेता सार्वे सारा मर्थर रहा करा ग्री खुँया दुः भेदा या निरामन निरामन वर्षि रामा या गुः मुद्दा दुः पविषयः भूट प्रियायदुः स्रेयमा ग्रहः प्रच्या सार्श्वेट या भूषः प्रमाद्द्र वाष्याया श्वेषाः यदःश्रेययः देः वः प्रदः देवा देवः वासुद्रयः यथा रदः वः यो त्राचात्रयः यथः वेषः बेरायदे ह्या धेरायसूर द्राया गर्शे प्रदेश स्वाप्त देते स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ক্রমান্ত্রী,সাক্র্রা,মান্ত্রসার হর, ইন্ নির্জা, প্রার্থ প্রার্থ প্রার্থ ক্রিয়ার সার্থ প্রার্থ ক্রিয়ার প্রার্থ नर्हेन्यन्द्रान्त्रवायात्रित्वतुष्रायात्रुवायात्रवायायात्रेत्। नेःसूत्रवात्रायाः न्वा की दें के त्या लेब तहें ब की इस हें वा तबूद वा सीब प्या ने दे हैं स्थान हैं ते प्या वा थयान्य प्रति स्रोधया प्रवाधाया स्रध्या उद्गास्य या प्रति लेव प्रदेश पुरत्य प्रत्या देते। न्वरः वीयातन् होन् श्रीः ध्ययान्या योग्ययान्यः न्यान्यान्यः वर्षे श्रीः वाययान्यः वर्षे श्रीः वाययान्यः वर्षे वी'विद्युत्य'चवे'श्रूर'च'वर्दे'श्रस्रस्य उद्'वश्रूर'च'धेत्र'स्य दे हेद्'वा वि'व्य'विर्वे स् श्री ।

विरःक्षेयः श्रुष्ठाः श्रुष्ठाः श्रुष्ठाः श्रुष्ठाः श्रुष्ठाः श्रुष्ठाः विष्ठाः विष्ठा

गहेशःमःश्चे देवःचन्दःमा

१) रोस्रायस्त्रीत् क्षेत्र स्तर सिर्म स्रीयाया

च्यात्रित्त्वेत् स्त्रीत् क्षेत्र हेया च्यात्रित् त्यस प्यतः त्यात्य क्षेत्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्या त्रि व्यत् स्त्रीत् हेया हत्या प्रत्या प्रत्या स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त र्परः वश्रयः ३५:ग्रीयः यानस्याः व्यवस्य स्थितः प्रस्ताः चर्त्रायः प्रस्ताः चर्त्रायः स्थानस्य स्थानस्य स्थितः स च.पर्ज्ञ.च.श्रध्य.रेचो.म्बर.चर्षुप्रज्ञाका.क्ष्योका.क्ष्योका.पर्वेर.चषु.श्री.पत्तर.चीक्ष्यो.पी.धु.वीर. भुन्तुःबे'व। दर्ने'यः पक्कुर्नः पदिः सिर्द्यः दरः पश्चित यवः प्यवः प्यवः प्रवः पश्चिता चॅ-५८-वासुमा देश-ॐवा-५८-वती ५व्छे-व-५८-छ्। वु८-स्वा-सेमस-र्स्स्र है[,]सूर्रायेब्र'यदिःकुंथान्दानुवा ।नेदेशनङ्ग्रनानुःन्दान्द्र,वेर्गविःननुदाब्यान्वन् वःरवायःरेयःर्दयःहेवायःश्चरःययःरेःययः दःयःवक्कुत्यदेः वित्यःहः सः तुःवः वो व वर्ड्यायुव वित्र केंद्र स्वया ते क्रिया ते क्रिया ते क्रिया ते क्रिया वित्र प्रति क्रिया वित्र प्रति क्रिया ते क्रिय योचेयोयात्राप्त्रेयाक्षेत्राप्त्रेप्त्रास्त्रेयाच्या योभायात्र्यत्राप्त्रेयायात्र्या <u>ॱ</u>ठ५ॱक्षे:देव:दु:बुग्रय:पञ्चेद:य:सूर:दु:पञ्चर्य:य:ग्रद्य:य:ग्रुय:दु:क्रॅग्रय: यसवास्रा देः प्यरः प्रेः वेसः र्केसः सुदिः यद्वाः क्रेतः दुः प्रेः वेसः ग्रीः र्केषासः दरः वा त्वासः भुं द्युव र्कोट का प्येव प्यति प्यत्व प्यत्व प्यत्व प्रकार प्यात्व क्षेत्र क्ष त्त्रेव। विर क्वित श्रेश्वर द्वाय विषय विश्वर विषय विश्वर क्षेत्र विषय विश्वर विश्वर क्षेत्र विषय विश्वर विश्वर विषय विश्वर विश् केत् सुर-दु-वसूर्यायदे क्चेत्र्वरा वाद्यायेद गासुर्याया स्वीत्राया देति दुर्या सेट गासुर साया याचित्रम् अवतः विद्यापुः विद्याः विद्या यदे गु देंग नी नर्य अद्भी निर्देश देंग भी दें देंग की निर्देश की न सर्दः बुदः उदः नषदः प्रवानक्षयः पास्य द्येति स्विषः स्विषः पाद्रः। सः द्वाः षः चर्त्र-द्र-चङ्गाव्य-य-अद-स्ट्र-चश्चाश-क्रुदे-क्रियाश-क्रेत्-स्ट्री द्या-य-श्वाश्वाश-व्य-श्रू र देवा वादेवा वी या ययवा या श्रुवा यर यय व र या युः तुः धेव यय व र वि । ये १ युः तुदे र्ह्र्यय.श्चैय.श्चैर.त.भै.पष्ट्र.पं.यं.यह्र्र.तय.र्घर.कु.ध्यायायश्चेर.र्थर्थःश्चैय.तया

<u> २वादःख्राद्यादायाः न्यादायाः व्यादायाः व्यादायाः व्यादायाः व्यादायाः व्यादायाः व्यादायाः व्यादायाः व्याद्याय</u> इसराक्षीक्षेत्राचक्षिः धेयः तदुः योषसाञ्चीयसायः तद्भाश्चीरः स्वदुः स्ट्रेः यादेश्वरायस्य यश्चेर्रायमाञ्चेषाःश्चमाञ्चराद्धयाम्रममान्यायाः व्याप्तमान्यान्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष यग्रेन् प्रते प्रत्याय प्रति प यहूर् क्री क्रियाक्च प्रविदायम् तीरायक्षेत्र हे विराक्षिया श्रीत्र श्र र्शेवायायरावसूत्रायावाहरायरायर्द्रात्यार्द्धरायर्वेरायर्वेरावीत्सूरार्देरासून्धारतायया यर्यः यपुः क्ष्यः यस्त्रेयः यः दे । विद्याः दरः यो प्रकृषः स्वयः यद्याः यः स्वयाः यः स्वयाः स्वयः स्वयः <u> यात्रकृतिः न्वरः सुवाः क्विताः क्वायाययायया तयवायायाः व्यवायायो न्यायो नः हेयासुः वर्षः न्यायो न</u> युःचःन्तुःअःक्केन्ःचःषरःध्वेतःनुग अःयअःहेरःवहेतःकेन्ःगर्हेनेः ऱ्। ।रट[.]रट[.]वालुट[.]वील[.]सूत्रधीर दे.सूर री ।लेल वासुटल य सूर। श्चितः न्येवः वन्ने वाश्वास्त्रीं वालुनः वायम्बन्धः यदे स्वयः स्वास्त्रे स्वया कुः केवः श्चेनः श्चेवा 'लीका बोड़्या'ला पर्ने काता की चु. समका ३२. मैं. माष्ट्र, में. प्याया ता की पीप, सीबीका की पीका ता मार विद्यार्था में मिट प्येत त्र कुया मर्था युट मसूत गुत्र सिद्ध केंबा हे प्येत। दे प्यट मिजायराजीर हार्जेर प्रसिधारायराजीर प्रसिधाम्य हार्या । र्या प्रीखाला स्रीपर प्रशी दे'नदीव'न्नवेन्नव्यःपःदरक्तुवःर्क्वःयययःयवःयादेद्वःयरःनदेःनवेन्नवःरेःरनः सरसे कुषासर्व, री. बर्था कियातपुर, पर्देश प्रीय, प्रीयोग्य, रीवीर, सह्र्य, तर्री

क्र्यः तर्वेदिः विदः धेया यज्ञदे लया युदः।

१ यन धेन प्रमा

महिश्ययाश्चित्वाचित्वाहेत्याचित्वाधित्वाहेत्याधित्वह्याहे। तेष्याह्मश्चित्वाहित्याधित्वाहेत्याधित्वाहेत्याधित्वाहित्याधित्वाहित्याधित्वाहेत्याहेत्याहित्याधित्वाहेत्याहित्याधित्वाहेत्याहित्याधित्वाहेत्याहित्याधित्वाहेत्याहित्याधित्वाहेत्याहित्याधित्वाहेत्याह

यश्चिर लूचा योशा | यया श्चर क्रिय यश्चर प्रथम सीयाशा | क्रिय शुः क्ष्र प्रथम यश्चर प्रथम

वर्वेर.चर.वर्वेर। विश्वाम्थरश्चार्ते.चेत्री

चलियाद्वार्श्वर्त्वाः श्चीत्वयद्वार्ध्वर्त्वः विष्यं विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः व

क्रीकृत्यम् वित्रवृद्ध्यायायाः क्रीयवर्ष्यम् वित्रवृत्याः वित्रवृत्यः वित्रवित्यः वित्रवृत्यः वित्रवृत्यः वित्रवृत्यः वित्रवित्यः वित्ययः वित्रवित्यः वित्रवित्यः वित्रवित्यः वित्यः वित्रवित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्रवित्यः वित्यः वित्यः वित्रवित्यः वित्यः वित्यः

रो शेस्रश्चित्रुंत्र्यीर्देनी

च्यान्य स्थित्। विश्व स्थान्य स्थान्य

े देशः क्षेत्र

यवीयादेशक्ष्यादी

इंग्रायाये चुन्यस्य क्ष्याये क्ष्यायाये क्ष्याये क्ष्ये क्ष्याये क्ष्ये क्ष्याये क्ष्ये क्ष्ये

ধী স্থ্রীসা

र्जित्तर्य वुष्टिय क्षेत्रत्वर सुष्टिय द्वी सुर्वे व्यवस्य क्षेत्रा सुष्टिय स्वर्वे विद्या स्वर्वे विद्या सुष्टिय स्वर्वे विद्या सुष्टिय स्वर्वे विद्या सुष्टिय सुष्टि वर्त्रःक्षेत्रदःतुःवरःवासुदस्य देःसदःहःसूरःहेःत्रा द्रःयान्वेवाःहः वर्ष्याय सूर्ट हेट स्नेट हेट स्नेट ये खे बट र दिया विश्व स्ताय विश्व स्ताय विश्व स्ताय विश्व स्ताय विश्व स्ताय <u> २८.ल.चुन्यःश्रीकृत्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश्वानाः विश</u>्वानाः विश्वानाः विश्वाना र्वोदः दुःचन्नदः सम्बन्धः प्रदेश्चेत्रं यः ददः वह्वाः यदः द्वेः चः विश्वः स्वे कुः प्येद्। वास्रुसः र्जिय.तपु.चिर.मुश्रमायायीया चर्ष.ये.सु.यी कूय्यमा.सुर.ची.जश्राजायायाया श्चेर् प्रदेश्रेययामञ्चेर प्रमा याद्रवायापत्र स्तु स्तुवायययाद्रवायदेश्येयया वर्सुद्रा द्वायायायायायुरादाद्वयाययाञ्चीदायदेखेययायसुद्रीत् यदयास्थ्रयाचीः याया सुम्राया हे केत में ह्वीयाया गुत्र ह्वारा मी योग योग यही हार हि । व। वर्षाकृत्रम् क्रिया के क्रियायाया क्री सूर्यायाया स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स नश्चेत्। श्चेर्ययमञ्जीन्न्रान्यास्यास्यास्य स्वीत् प्रतीस्य स्वीत्। यर्ह्रर वया क्री स्नित्र र्यु र्क्स क्षेत्र यर्ह्स वदि येयया प्रसुत्। क्षेत्र वया त्रु स्वयायर मुजायदे मुभगयप्रेमें। भ्रास्त्रीयप्रति स्मयम्भित्रायः मुजायर मुजा शेयश्चित्रेन्द्रेन्द्रयश्चीत्रवेषि वित्तुम्हिःहिन्द्रमञ्जीवेषा स्टार्धित्त्वाङ्गी श्चेत्रार्ख्यायवेद्दायस्त्रितायस्रामाहतान्त्रात्वेसार्यास्त्रीत्वायाः स्त्रीतायदेशस्रास्त्रीता र्ने । १५३:श्वें नर्व पार्व सर्व हेंग्य कुव यय। दे पर या ये र ह्वा न यो । गिहेर-५८-देव-केव-वर्जुद-गवयायर्की । दें हे दे श्वव-वर्वयायहेव प्रतामक्ष्रियान् विकासिक्ष्यान् विकासिक्षयान् विकासिक्षयान विकासिक्षयान् विकासिक्षयान विकासिक्य विकासिक्षयान विकासिक्य विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्य विकासिक्षयान विकासिक्षयान विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्षयान विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्य विकासिक्य वि

८] वुरःश्रृंबाहेःसूरःयेवःसुंवा

१ र्क्रेन तर्वे विन यम पति स्वा

त्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वायान्तरः स्वयान्तरः स्वयान्तयः स्वयान्तयः स्वयान्तयः स्वयान्तयः स्वयान्तयः स

येत्र या ने 'सुवा' खेवा प्या प्राची प बुद्दालेया योषा के के वा स्ट्री अर्द्ध हो दार स्थान प्रतिया द्वीया प्राप्त पर हो द्वीया चुट र्श्वेराये व प्यति के वादि र्श्वेयाया यहा विहास के व प्राप्त व विश्वा की स्थापन विश्वा की स्था की स्थापन विश्वा की स्था की स्थापन विश्वा की स्था की स्थापन विश्वा की स्था की स्थापन विश्वा की स्था की स्थापन विश्वा की स्था की स्था की स्थापन विश्व की स्था की स्थापन विश्व की स्थ वतःश्रात्वायान्दरःकुःकेनःश्रुद्धिःयुग्नायानिष्यागाः वद्ददःस्तिःश्रीत्वयः द्वायदेःयुग्नयः ५८ सेम्बर्स्य स्थानिक विषय विषय विषय है स्थानिक स्थानि र्थेन् यास्य राज्य प्रति द्वीत्राय न्दा । विन्य यस्य प्रति प्रति राज्य प्रति द्वीत्रा यः भ्रे से तद् न महिषा प्रेन ने त्या स्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप वरुन्वसुर्या श्री देश वरुन्दर्वे स्ति। स्ति वर्शे न्दे स्वा विदेश श्री देश पर्ते । प्रस्थे कृत तर्वे दे प्रस्था प्रस्थ प्रस्थ प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्थ प्रस्थ प्रस्थ प्रस्य प्रस्थ प् (८५:यर:५८:धेंदि। येब:प्युय:५वो:पदी:पविशःविष्ठ:विष्ठ:८५८:पर:५८:। यः क्वें क्वें र मान्ययः र मा मी खिन यर न र । मार्थ्ययः क्वें या क्वें मार क्वें मार क्वें मार क्वें कें मार कि श्चेंराय विराधरायर वर्षा यहीय श्चेंयायरी साम हेता श्ची विराधर स्वया ध्वेता र्वे। । १८ : ये त्ये त्युय : ५ वो : प्रते : प्रते : या व्यतः । या व्यतः । व्यतः । व्यतः । व्यतः । व्यतः । व्यतः विषयायायायायायाया श्रुवायायायायाया श्रुवायायायायायायायायायायाया र्येतः प्रेंब मुबरम् स्वाद्य स्वादेष स्वाद्य स्वादेष स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स त्रशास्त्रात्त्रात्त्र्यास्त्रराय्याच्यात्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यास्त्र्यास्त्र्या तर्वो नर्वो र्यायते विन यस ने त्यूर प्येन ने । विन यस विने र्या के र्या के र्याय के राय के र्याय विन राय राय वि समयः वालेषः यान्या चुरः कुतः केषः येतिः व्येषः मुषः वान्यसाः स्रोः समयः याने साम्यः

स्रीयश्र वर्ष्ण्यः स्रीयः स्र

१ ५२ ४ विश

याह्रवाहुत्वस्यायाने हिन् त्यावादित त्याँ स्वायस्य स्वायन त्या हिन् स्वायस्य स्वयस्य स

३ हेराग्रीरेयप

हैर त्या श्री रेया पर्वे त्या वित्य त्या श्री रे हे स्थू र ले त्या श्री र श्री

चुन्-तम्मयायात्वेषाः विष्यायात्वेषाः विष्यायाः विष्यायाः विषयायाः विषयायायः विषयायायः विषयायायः विषयायायः विषयायः विषयायायः विषयायः विषयः विषय

ग्रे वश्चवःह्य

१ शूट वन्या

१ नक्ष्मनः चुः द्रेश

१) केया क्षेत्र म्हेत्र म्हेत्र म्हेत्र महित्र महि

मलद्रायाञ्चित्। विदाविदेष्ट्रियाचीयामलद्रायायम्यायर्थेमाचीत् कुप्तरायराणी पतः र्क्ष्यः याध्येषः पत्यः न्यायदे रक्ष्यः न्दः स्रीः यम्बुषः याः रक्ष्यः ग्रीः विषाः श्रीकाः सूषः याः न्दः चलेत्। । स.केंट.चर्र.चक्चेंट.क्चेंट्वंट्ट.देवंशव। वेंट.श्रंशवाक्चेंत.त्.ववेंट.हे. य.की धुर्य.मू.ज.पर्विर.धे.य.कि.ब्री.य्थे.ब्रश्न.ता स्वा.ज.पर्विर.धे.य.पश्चिर.दे. यर्डे यक्किर है। दर्गीव सर्वेवा दर्गीय र दर्शे विष्य श्वेद र यथा । सर्वस्था याश्रुर याने द्वारा में व्याप्त हैं वार्य ने प्राप्त के स्वाप्त के स्रूट चारत्वुर चति कुं चिति देवर दुः स्रूट स्रूते स्रूप में स्रूप मित्र मार्थ स्रूप मित्र स्रूप स्रूप मित्र स्रूप मित्र स्रूप याम्याः हुः पर्केशः द्वींशा देः पर्केशः मयश्यः यादः चयाः रवः धेदः होदः होदः हेर्वायायते सुप्तते प्रप्तात्वा त्या स्था सूर्वा सुर्य प्रप्ता स्था यह वाया प्रस्ता या प्रस्ता या विषय रदःचित्रत्रेत्रःसदेःस्त्राःभेषायाद्गेःवर्श्चेद्रःस्दःचन्यम्यश्यादेःसर्हेणःधेदःयरः योशीरश्रातात्रम्। योर अया वर्ष्येर विया त्रीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स वर्ववयान्वीय। देहिः सूरान्वीयायाध्येवः लेव। हेवः सेविः सूवयास्यावीर्सेहिः २८:कुँर:पञ्जूष:प्रेरा केर्रेट्य:पर्वाकी:पुर:पर्वेद्वेर:प्रेर्ध्वेर:क्वेप्य:र् य<u>भ</u>्यात्रम् द्वीत्रप्राधीत् भ्रात्यस्य श्रीत्रम् व्यायाः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः

शुः भुः रेट्याया वर्षेषा वर्षेया वर्षा स्राप्तिष दुः प्रविष्य प्राप्तिष्य स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्थाप चलेता हेयानुयास्त्रावनीतायते हेवानी हेतानी वाहेतायी वाहेतायी हितानी श्चें द्राप्त स्ट्रें प्रमा स्ट्रें स्ट्रापत स्ट्रें प्रमाद स्ट्रापत स्ट्रें प्रमाद स्ट्रें स्ट्रापत स्ट्रें प्रमाद स्ट्रें स्ट्रापत स्ट्रें स्ट्रें स्ट्रापत स्ट्रें स्ट्रापत स्ट्रें नवींया न:नूर:बुर:कुन:योस्यान्यवी:नवी:वनुव:कैवाय:यवी:नवुय:वय:नर्देय:सु: ब्रेंट्यायान्युवायावया ट्याववाक्षेयावदीत्यानुर्वेराखेटा ब्रेंट्रावदीत्यानु बुदःश्रेदः। वेशायनगर्श्य्र्याचेदःकुद्दःन। सुदःग्रेगासुस्रायदेःसद्देनयः श्रेवार्याक्षेत्रायन्ववार्यायोऽ दिष्या देः प्यरः सुरः धेः वासुरु। यदेः स्रोदेः देः चुरः स्रोर्ध्या मुक्ता । भी प्रस्ति मा स्थानि प्रमानि स्थानि इस्राचारस्य प्रदास्य वास्य इयायागुराषु केयेया उदा वयाया उदाया तस्या दिराया विदेशाया विदेशाया विदेशा दिराया चुर्यायहग्रयास्त्रीदानुधन् द्वर्यास्त्रदास्याचेनान्त्रीया ने प्यत्रकन् हेरासेन स्वर्या यदे:र्कुय:विस्रशःश्री

१ नगे यार्केश सून ग्री र्खुया विस्रमा

 यश्चित्रया स्ट्रीय व्यवस्था व्यवस्यवस्था व्यवस्था व्यवस्

चलियः चुर्स्येय्या श्रुट्या चर्चेत्र यात्री। तदीः यात्र द्राया स्थ्या सुर्या श्रुट्या स्थ्या च्यू प्राची देश्य स्थ्या सुर्या श्रुट्या स्थ्या च्यू प्राचीः या चर्चेत्र यात्री सुर्या सुर्वेत्य सुर्व

मङेम सुमानस्थान्द्रन्ता वित्रस्थान्द्रम् स्वर्णान्द्रम् स्वर्णान्द्रम्यान्द्रम् स्वर्णान्द्रम् स्वर्णान्द्रम्य

यक्षेत्रायाः स्रोत्रायाः स्त्रीयः प्राप्ते स्त्री।

यक्षेत्रायाः स्त्रीयः प्राप्ते स्त्रायः स्त्रीयः स्त्रीयः

यास्त्रयायस्य याद्यस्य स्थायस्य स्यायस्य स्थायस्य स्यायस्य स्थायस्य स्थायस

यने धीता

या न्यायदः भ्रीकान् वा भ्रीन्यत्ने न्याया वर्षे वा क्षेत्राव के वा वर्षे वा क्षेत्राव के वा वर्षे वर्षे वा वर्षे वर्षे

वयत्रात्रीर् क्रियायि पश्चर्या व्याप्त क्ष्या व्याप्त क्ष्या व्याप्त क्ष्या व्याप्त क्ष्या क

३ वेसमञ्ज् देन मुन् क्रिय विसम्

यात्रास्यात्राध्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राध्यात्राध्यात्राच्यात्यात्राच्यात्यात्य

इस्रयान्त्रीत् । निःस्रम्भ्ययास्युत्त्वर्याययान्त्रात्त्रीययाः श्रीयस्यापान्त्रात्त्रात्रात्र्याः क्ची:सर्व.त.रेर.चार्ब्र्ट.त.क्रेंच.चर्जल.घष्ण.करे.चेल.वंशा अधर.धेवा.च्ची.सर्व.त. ययायः यात्रुते सुर्या हेवाया ग्री पेव क्रिया यात्रिया हो। यर यह सम्मान য়য়য়৽ঽঀ৾৾৽য়ড়ৢঀ৾৽য়৾ৼয়য়৽য়ড়৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৽য়ৢ৾৽ড়৻৽য়য়৽য়য়৽৻ড়য়ৣয়৽য়৽ড়ঀ৽ वें। ।दे.क्रंप्रचिरक्तायायाप्रकारमञ्जूताक्षेत्रपर्धेर्पराध्याप्रकार्धेत्रप्रकार्धाः भुक्षेत्राक्षेत्रात्व्रयायायेवायायक्षेत्रायायाये यत्राय्यायायाये विष् रमः कुः विः रदः वीः प्यदः कुः श्मदः येवायः र्यः विवाः श्रेः विवाः यः ददः विः ययदः वेयः ग्रादः ययः क्ष्रयायोव क्षेत्रे से द्वर्या क्षेत्रे सुवा या दे तदा येदा व्यवस्था विकास स्वाप्त दे दे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप केंबा मुख्या केंबा दे जुद कुन क्षेत्र को बोब का निर्मा केंबा में किया मुख्या केंबा मुख्या केंबा में किया मुख्या केंबा में किया मुख्या में किया में में किया नर्गेषाया ह्या क्षेत्र यालव याहे व यादा देव से त्या व देव सुर सुर सुर सुर सुर सुर सुर से व या सुर से पर से से पर से से पर से से पर से क्रियाक्षी केवा प्रमास्कृताया क्षेत्राया क्षेत्रा स्वीता स तपुरमञ्जयन्त्रीयः सुरानविदः सुरानविदः सुरान् स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स वयानवर्वरव्यान्वीयाळेषाः मास्रेरव्याः मुक्तान्त्रः स्थान्ते । योगयाः स्थितः वेया न्गातःतन्वाःचर्यसाक्तुःभःतुःभेत्रःकेरः। विनःयरःनुःवाबुरःख्वाराःक्तेंरःयःवेर्षः यस्रअः ब्रेन् स्राह्में स्थानम् लेवा या विवा स्थेन हो। नवे वस्य इस नवे सम्भित्र र्थेन्। ने प्यट ह्यें स्रायाञ्च त्या क्यायते ह्यें व स्रायान्य प्रयापान्य प्य यार्नेव नसूत्रा नव न क्षेत्रा नव न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

न्तः न्वां नेतः व्यान्तन्त्रः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्त

यश्चाराचिरःश्रेश्रशःश्चीरःजायर्द्धेत्।सरःयोश्चरश्चाराश्चर्। देः 'यशक्रिवायानयवायायात्राक्ष्रवान्दरायदायवानन्द्रदायावाक्षेत्रवायान्द्रद्रवादया क्षरायवृह्ण वहरमेम्यासुहरमायासुर्यासुहरमास्तर्भातासुर्या રાષ્ટ્ર્યું ત્ર વિદ સંગ્રયા શું તે. ત્રા સુંગ્રેયા સુંદ વાસીત વ્યાપ તે શું તે. ત્રા છો. સુંગ્રેયા ત્રા સા कुरायायावीया हुराव वरायायावीया ज्ञेव रियायाया कियाया है सीव वरायदी व्यया ही ब्रुटि चाया प्रस्ति द्वीया या वाहिवाया र्स्टि योद् प्रविदे वीदिन स्थालिवा प्रविद्याप्ति । देःवाः १४ व राज्येदः प्रवाः की स्वतः प्रवा क्ष्यः स्वीदः इत्राः प्रवीदः देवा स्वतः विगान्तेन नर्गेषा श्वीरायर विषाने वायया नयया ने विषया ने विषयानु याबदावर्ययावर्ष्क्षेत्राविष्ठ्रया। व्यव्यव्यावेषाय्यायर स्त्रुं दार्चेवाद्याद्यात्र्या क्रुं देश्चेया यहराधेताय। यराञ्चेत्रासुञ्च्यायाहरायात्रेत्रस्तरायेताचेतायात्रीयाळेत्रा क्ष्या गठिया या गरियाया यो दिर हेयाया या यव पा यो या यो या यव विवास या विवास लातवृद्यम्यम्याम् विविध्यम् द्रम् प्रत्यम् प्रत्यम् प्रमुद्रम्यम् स्रीतविष्यम् स्रीति नर्देशसुङ्घटान्यानञ्जीयानवीया नञ्जीयानः कुः क्षेत्रायाने वित्यानञ्जीयानवीयाया रेता देः पर कॅन् योन पति तदी प्रमान पति स्नाप्य प्राया स्वाप्य नम्दः क्षेत्रया लेया वी देया दुः नच्चादः क्षेत्रा नक्षेत्रया यक्षेत्रया विष्या विषया विषया विषया विषया विषया व अर्चे.चर्चर.क्रे.चर्झे्श.तर.श.चेश.वे.क्षेट.क्रे.ज.ज्याबाता.क्षेंच्या.र्राशक्त.दे.व्यक्तेर.क्षेत्र. व्यन्त्रप्रम्था नेत्यत्वन्त्रीत्रम्भा न्त्रयान्त्रीयान्त्रम् न्त्रयान्त्रीयायः पदः प्युवः श्रेम्राश्चर्या इसः यः द्वीं यहरः श्लेम्राश्चरः स्वरः स्वरः प्रायः नर्सुया हेरा: सुत्र: श्री: यहुवा: हु: न्यीवाय: योन: श्री: सु: नरे: नरे: नरें विवाद के स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स

लट.रेट.तु. ध्रेय.की.कूर्य.पज्या. क्षेत्रायध्रेय.यध्रेय.री.चीत्रायता.यंत्रायंत्र. द्वीयायायंत्रा यम्भार्स् यम्द्रम् द्राष्ट्रियाम् मास्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स् वेंब् ग्राट तर्दे अप्यम्माय त्युव्य यदे माल्ब् प्रयट रु सेंद यय द व्यव्य क्रीब तर्मा यर्ने स्वर-रदार्श्वेयायायाल्य र्श्वेयायायाः कर्यायाः स्वर्णायाः ने स्वर्णायाः स्वर्णायाः स्वर्णायाः स्वर्णायाः यतः क्रुनि रेन तन्त्र तर्ने त्यायम् अर्ज्ञे वियानु यन् र ते श्चेष्ट्र स्थर र श्चेष्ट्र स्थर र श्चेष्ट यक्षेत्रः चुरुष्यक्षेत्रः क्षेत्रः स्ट्रान्य चिरुष्यः यान्य स्ट्रीयः योष्यः यान्य स्ट्रीयः विरुप्त स्वा तरी इसमायापटायर प्रमुदान गाहेन प्रतिन र्तु रुँर यायन वेंगमायापटा श्री र छैटा। गहेत भेत मह्मा मान्य मान यक्षेत्र'न्य'न्र-'नर्केट'त्रय'न्य'र्युद्धरत्र'न्य'र्टे'य'नय'ग्र-'ने'स्वा'य'र्येन्'यय'र्टे' ययानययार्चे निहर्द्वन्या वयानिहेन् निहेन् सहेन् विया क्री से निहेश्न स्थर उत्रः भ्रः के मत्रः हे 'देरः सः यमा केमा या से तर्दे दः या तुरः व 'देवे क्रिक् स्टः मी सेस्रायः ञ्चन नर्यः वुदः प्रयः न्य या स्वाप्त्र व्या स्वाप्तः स्वाप्तः विद्ययः या द्राप्तः द्रयो । या वर्ष्युयः स्वाप्त योग्रथान्द्राच्यात्रकन् द्वार्थान्यात्रवात्र्यात्रवेषायाः वित्रवात्रात्रवेषायाः वित्रवात्रात्रवेषायाः वित्रवात वदिःदेषायोद्दादिः भूरायार्षेद्दार्केषासुः पेद्दायादेः भूरापीदाव। देःवषायोयायायः व म्रम्भारुन्त्यायामान्नान्त्राद्धेते तनुः विमानवनान् मान्नेन त्यान्नातः नानुनान् र्गा.ज.७.कं.र्र्यः यपुःम्.र्थः स्वरः विरः यश्चेरः वश्वायश्चरायश्चरः त्ववः वर्द्वायः यपुः त्वयः सहस्रायालेगानु प्रायम् प्रवीकाप्यस्य प्रवीकाने। वदी व्याद्ये द्वार श्री द्वार स्थाप्य स्थाप्य त्रक्षेत्रप्रास्य त्रुप्तव्या पेत्रप्या देः स्यतः द्वतः द्वीतः वीषा सर्वोदः त्रक्षेत्रप्रास्त्रीया स ख़ॣॖॸॱऄॸॱय़ॸॱक़ॕॸॱॺॱय़ड़ॱढ़ड़ॱक़ॱॺ<u>ॶ</u>ॺॱॻॖॖॺॱढ़ॺॱढ़ॿॖ॓ॸॱय़ॱॸ॓ॱख़ॗॸऻ क्षेत्रयश्चित्र प्रोत् प्राचेत्र प्र यायमायाराष्ट्रियाक्षीस्रोयमाञ्चराव्यमाञ्चराद्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या वर-तृ-वर्श्वेस्या देन्ध्र-तुर्यायहगर्यात्रीद-दश्च-प्रवेद-वर्श्वेस-दर्भगर्याहेस-क्र नश्चेत्रायमार्थमम् वर्षाः कर्ने नार सर्वम् विषायाः इस हिष्रा दर्शे से नमसायाः ने स्य प्रस्कृत्रम् वर्षायते हेषासु से वर्षाय से वर्याय से वर्षाय से नःस्रेते हेवायात्रे से समुन्यमा वरुषा वर्षे से से से संस्थान स्थानिया वहेंगायाने प्रतर क्रेंस्सरा क्री हिराने वहेंत्र पीत्। यर क्रोस्सर वहें प्रस्ते प्रतरेंत्र प्रते हें तवावा निव्वे नववा सेन् पर साम्रम्भ पाया देश में बाद्दर्य व्याप्य नवस्य पर्वे वा सेन् त्र तहूर्य क्रि. पु. अर्थर श्री. पद्माया अर्थ्य हिंगू राय रेता व्याय अर्थ्य या स्वाय अर्थ अर्थ्य या स्वाय अर्थ लर.मुभग.क्ष.क्याय.कॅर.क्य.र्.क्र्य.र्.क्र्याय.कॅर.रेट.चेल.चर.क्वैर.क्र्या.क्षेत्र.तर.क्र्येय. यन्दरावर्षेयाच। व्यावार्षात्रास्यान्दरावर्ष्यान्दरावर्षयाच। व्यावा देवे स्ट्रेट द्या दे स्ट्रा रेवेट चर त्या साद में बार से किया सिक्ष साम के साम के साम के साम के साम के साम के स ५८ तर्वेयाच स्रेत्रवेयाच पति स्व वि ५ ५वे सार्थे।

१ वुस्रयायाळॅन्सेन्।

दे:व्यायिक्वेद्रायायक्ष्यायायक्षेत्रायाये। योभ्यायक्ष्यायायक्षेत्रायक्षेत्रेत्रेत्रायक्षेत्रयक्षेत्रेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्

व्या ब्रियः या विष्टा व न्द्रायुक्त सेंद्राक्ष के स्वाप्त वेंद्र। देविद्रद्रवेंबाचब्रयायायदीविंद्राय्यवाय्ययाकुंव्वद्रयेद्रायम् स्नुव र्येति र वा वी या तर्वे र क्रिया विस्राया र यो स्वर्थ र विस्तु र विस्तु र विस्तु र विस्तु र विस्तु र विस् नर्झेकाञ्गनकान्द्राये प्रदानी सामदेश्यास्य तुलिया वर्षा रेवा द्यीका नर्झेका पदेशवह्या हु। शेयशक्त व्यवशक्त वा नक्षेत्राया ने निर्माणा विषय । विषय विषय विषय विषय । धीव लेखा यदी द्वा क्षे याद्र के रवया ब्रयया उदाद वदे वदी कु दूर दूर देया ववृदःवुदःकुवःग्रीःश्रेश्रश्राद्धःयायाय्युश्राय्यःद्वदःयरःखुरःद्वेव व्यवःदःदेशः स्वायालेगारमान्त्रा स्वायात्रिकेन्द्रान्त्रीवरमकेनार्वेवर्धे केन्द्रमाया मुशुरायाम्बर्यायायदेवया यदेग्वति त्वस्य सुरुद्धि स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्ष देश योग्राश हैं नाश प्रदेश स्वरूष क्रुष क्री नर क्री नरे नदे त्वर त्वर न् नर खूर प्रस्कुर हेग र्जेय.य.लट.कु.थ.र्थेट.। र्जेय.त.बुवा.ट्य.ची टु.जेंर.जेंय.तर.ट्ग्रीय.वाक्र्या.ता. योश्रुज्यः चः तदेवर्याः पः दे इस्रायः दुधुदः वहें वाः देशः स्रीयः ग्रीयः चह्ने स्रायं व्यवस्था वारः वियःग्री:श्रेयश्वराक्ष्यः वयश्वरः दः देवदः सः यः दः विदः योदःग्रीशः यदे । वयशःश्रीदः वयशः यः वर्डेंब्या न्येरव्या अर्था होतु सुवा वार्बेक्य या सुन्दि वर्षे स्वया या न्या सुन्य स्व पदःजर्भान्ते प्राप्तिकः स्वानीयः स्वानीयः स्वान्यः स्वायः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्

व क्षेर हे कॅन येन

मश्रुयायाक्षेटाहे मक्केयायाचे। क्षेटाहेते प्युया ने क्केटाहेते प्युयाय हे क्केटाहेते प्युयाय हे कि व नावका प्रति क्रोक्षका उद्या व्यवका उद्या भी क्रोक्ष क्रा क्रीका क्रोक्ष क्रा व्यवका विकास विकास विकास विकास वर्ष्ट्यः क्रीकेर्रः वः द्वाः ये उठ्यः लेवाः यः द्वेवायः या वा प्रदः देश्च्यः देशेया देः यदः र वी:स्रावदे:यात्रयावर्श्वयायदर्शेवा यदात्रवावेदाययावर्शेदायद्वीदायदेवि बुवात्याचर्झ्यात्मरःक्र्या सरःश्रवःवःवरःयःवीत्यःयःन्त्यायायरःवयेवःक्र्ररःवयेवः व्रेन्यः विषाः यः नक्षेत्रः यदः केषाः यया ने व्रः नुतिः येत्रायः अतः सुषाः नस्याः न विषाः यः न्त्रुः सूना नसूर्य तदी यया बराव के या सुन सूत्रा यदि सूर हे द्वा ये विया यी नर्वे न्या য়৾ঀ৾৽ৢঀয়৽য়ড়৽য়৽ড়৾৾ঢ়৽য়৾ঀয়ৼঢ়ৢ৽ঢ়য়ৣ৾য়৻৾৽৽ঢ়৾৽ঀয়৽য়য়৽য়ড়য়৽ঢ়ঀ৽ড়৾ঢ়৽য়৾য়৽ स्रोयात्राक्ष्यः व्यायाः छन् । न स्रोत्याः प्रकृताः त्र स्रायाः स्रोत्याः स्रोत्याः स्रायाः स्रोत्याः स्रायाः स्रोत्याः स्रोत् न्भेग्रथात्रया विद्रानदेश्ययाञ्च क्रियाञ्च । विद्रानदेश्ययाञ्च । विद्रानदेशयाञ्च । विद्रानदेशयाञ्च । नवीयाधीत्व। न्यापरास्वायस्याह्यात्वर्षात्वे स्वायायात्वात्वरम् चलेत्रायास्यारीहिः सूर्यसे प्रस्यादे वस्य राज्य त्या सूर्य हे चर्चे स्या वस्य स्याप्य यारा वियः श्रेयश्वर क्षेत्र विय। श्रेयश्वर क्षेत्र या मान्य वियः यथः दतः द्वा प्रस्यः क्रिमाचियार्ल्यत्रात्मा वयार्यत्रात्म्या व्यव्यात्र्यात्रात्मात्रात्मात्रात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रा शेसराउन तरी मुसरा मसराउन सीर रेडि। तरी मसराउन रेगारा द्वा से सिंदी त्रश्रस्य प्रमानम् वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर वर्षा पदःस्याम् मार्के अप्रीच्चित्रपरः मृत्यान् द्वारान् द्वारान्यान् द्वारान् द्वारान् द्वारान् द्वारान् द्वारान् द् य.कै.यी.बुब्य.बुब्य.बुंब्य.क्या.त.वया.बुंब्य.कुं.श्रवर.श्र.यश्रव्यात्रात्रद्व.८८.का.श्रथ.तर. क्षेट्र हे सेट्र केट केस कर वा महिट्र वर्टेंद्र नक्षा क्षेट्र कर विमाधित ता क्रुयाग्रीम् पर्देदा केंब्राग्रीम् पर्देव। नगे पर्व श्री विषय पर्देव पर्देव पर्देव म्बर्नित्राचर्त्रः मन्त्राच्या स्वाप्त्रे स्वाप्ता मन्त्राच्या स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व निरः रदः वाल्वनः यः यदः यदेः युः वः लेवाः वश्चा वाय्ययः याव्यनः लेवाः योवः दुयः व्याः ह्मा हु न्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व यत्र है र्वेज्ञ राद्र त्यत्र है रेट वुषाहै। वुराया क्षेट हे तदी जहिषा ये कुर या क्षेत्र देश उन् 'बिया मुखाना वि हिन द्वी 'ब्रीट सोस्य उन मी दिन देने 'वा सेयासाया प्रेर क्रेव्र-श्रीट-ज्ञानाव्य-अव्याद्याचार्याच्याः स्वर् ૄૹૹૹૢઌૡઽૹ૾ૢ૽ઽ૽ૣ૽ઽ૽ૺૹૺૹૹઽઽઽૹૢૣઽ૾ૹ૽૽ઌૢ૱ૹ૾ૺઌૹૹઌૹ૱ૹ૽૾ૢૹૢૣૹૢ वर्ष्यावर्षयावर्द्द्रिं श्चीत्रयस्य प्रदा द्र्यास्य स्थाप्य प्रदान द्र्यास्य स्थाप्य प्रदान द्र्यास्य स्थाप्य यदिः क्वेरिया यमा ये न द्वेर प्रमेशि के अप्यर प्रमायर सूर्य यदि यहे । यहे । अट्याक्चियां स्ट्रांट्रेन्य्यार्क्या अट्याक्चियां प्राचित्रा प्राचित्रा विकास क्ष्यां क्ष्या विकास क्ष्यां क्ष्य यानस्यायरामधीरी । ने याराले वासीराहे केवाधीरी । यारायासीराहे केवाधी लूर्तार्तालाश्वरश्राक्षिशाक्षीक्ष्रां विश्वरावश्वरात्रात्रां त्राचित्रात्र विश्वरावश्वरात्रात्र विश्वरावश्वरा र्रो विश्वाम्युर्यायाद्या वर्षेयार्स्त्रियायात्रीयात्र्याया विवाया ज्ञामपुर्ने वर्षा के सहित् क्षेत्र यत् वा के सहिताया विदानी सामित्र तर्वे त्राचक्कि स्वयाः भराये क्ष्याया श्रीराच विषयः तर्वे या वे श्राव्य स्वयाः भराये विषयः स्वयाः भराये स्वयाः

ने प्यर विश्व प्राप्त विश्व प्रति । विशेषास्य स्तु स्तर् विश्व स्ति । विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य वि विंदः वीयाहेव प्रवेदया विंव यहंद श्रीव प्रद्वा हेया बुयायया दें यहंद के। ने:प्यट:वार्डवा:पीत्र:वास्ट्रह्या तें:त्र:न्वीत:य:वस:र्ड:सर्ह्न:ग्रीत:वन्त्वा:डेस: इैसायम् विंदावीसायञ्जेसायमयः विवासह्य स्थामबुवासायम् वेसाबुसायमः र्ष्ट्र-प्रतिन्या देवरान्यो प्रतिन्यक्षात्रम्याः स्ट्रायाः केस्ट्रिस्य देवरा डेबाड्रेबायम् विंदः मुँगावामे त्यायत्वामान्यान्यात्वातान्यात्वाताः त्रेयाःयावरःयोवः तर्नुयाः छेषः तुष्यः ययाः वर्षेत्रः ययः नृत्यः तुः सुन्। स्वाषः यारः । चयःश्रास्त्रम् सुन्यःकपः सरःद्वापश्चायाया निनःतुःदास्तरः हो हेना से योषया.शी.कैया.यकैजा.कीय.शाष र.तापु.शाषाया.क्षे. वश्या.क्षे. जार यो एया.प्रीटा ईपु. नुवायाग्रीयावनुयायाधीय। व्यययाद्या होत्यदे विष्यागाययावायाके वालेवा मेन्। डेबासरानुःवासुरमाञ्चायम। नेरान्नरामरासमासुवातकवानम। दयानुषायन् व्यापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्यापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्यापन् स्थापन् स्यापन् स्थापन् स्यापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्थापन् स्य श्चरः पर द्वां लु खुर तथा विव हु तवर विव हु तवर विव तथा व्यव वा सुर या रा स्याप्तीया यर स्रितान्येव स्वाया सेन् स्रीया प्राया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व गहिरासु:५गाद:वःसु:५,४रा:वसुव:ग्राट:ल्यास:सहय:वरा:सुग्रारा:कर:पी:सुग्राः४रा: द्येरसेवर्यस्तरं त्यस्तावर्यस्त्रीत्रं वर्षात्रे स्वाप्ति स्वर्षात्रे स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य क्षेर हे द्वा ये न्या की पर्वेद या लेगा क्षेत्र या त्या भू त्युय क्षेत्र पाय द्वा व इट तर्व सिया यीया राया वार्य ट्रायर देवीं ट्या है। सुव राय हैया वया से प्राया योव भ्रीयराः भ्रियायः श्रिकार्यः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः । देरः श्रुकः श्रीकार्थः न्याः

विः वें कोन्यम् हे नर्ड्व वुम्रम्य सर्वे वृत्सु वेंन् वें मे नत्वाम्य पन्ने मास्य नेराद्या ब्रिन् वे त्यारा ये निष्मु तु लेवा वा निष्मुता ग्रादा या यहवा वा सुवा या है से कुट लुया चुरायाः सर्वोत् श्रीया दया हिन् त्यालया या तसूत्र या सीता हिन् न्दः रच्यान र्पेन् सार्श्वेन सेन् हिन् ह्वेन ह्वेन ह्वेन स्रामा सामान स्थान स्थान स्थान ह्या निका याञ्चयायानेशाञ्चेषाञ्चेयाञ्चयाञ्चराञ्चयात्रशाद्धीः स्ट्रास्य स्ट्रास्य देशे स्ट्रास्य प्रमा स्ट्रास्य स्ट्रास्य र्रट क्षेट हे केव ये क्षेत्र यथ क्षेत्र या स्वा यो दा दा त्रा व्या विष्य दिया स्वाय स्वा धीन् या केया वा मा प्राया प्राया प्राया या की वा या केया वा सुन्या या या विकास की विकास की विकास की विकास की व र्न्यन् में मान्याने प्रीक्षानुस्रका सर्वान्य स्वाप्य तर्वा डेब देवा प्राप्त गुर्व क्रिय है प्यार क्री तर्वा हेब प्यापन्त विकास क्रवाबाञ्चर अन् अन्यते क्षेत्र ड्रेश.चन्तरी ट्रे.यंश.चित्रायां याचीय.क्रीय.क्र्यायायोद.रचाय.क्रय.क्रे.लीय.रे.च्रिट.यंथा चित्रयाक्र्याक्रीक्षायायाक्ष्यायायक्ष्यायायाक्ष्यायाच्यायाच्यायाक्ष्यायाक्ष्याया ५२.घर.भर्द्रात्राचेत्रा दे.क्षेत्राच्चेयाः श्चेतः श्चेत्राच्चेत्रः त्याः श्चेतः हे.जश्राक्षेत्राः विक्राः वैवा पेर्र या सरेर। रेसा दार्विस प्रवेश स्रोस स्वर प्रदेश महास स्वर प्रवेश स्वर स्वर्ण प्रवास श्रवतःश्रेन्। यरः श्रुंन्। यद्येष्ठ्या यस्या यद्युः । श्रीः श्रीः श्रीः स्वीः यः श्रुंन्। यद्येन्। य ग्रीयातवीं द्रायात्रायात्रीया पर्वा व्यवस्थात्र स्था प्रकृता क्षुत्र प्रवास्था विष्या विषया विषय भार्दरः। व्यथानरार्वेच वयानात्वेचारबाद्या नेत्वेरावयानाञ्चाबार्यावा सक्ता सिंद्य प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के , প্রবামের্ক্রমমান্ত্রী:শ্লুনমান্ত্রামের স্কর্মার্কর ক্রের্ন্তর ক্রের্নার ক্রিরার ক্রিরার ক্রিরার ক্রিরার ক্রি रोयायाञ्च सीमामीयायर्वेट द देते सूमा नसूया नयाया सू सीमा दयायके या तेट पा दीमा

रेन्त्र। क्षेर्रहेरहेर्द्धर्यदेर्द्धन्थेत्यरम्ब्रह्यस्या

ने वर्षा कर्त्र सेन प्रवेश प्रत्माय प्रवास मही यह दि देश मही स्वास प्रवेश प्रवास स्वास प्रवास स्वास स् वर्ह्मायमायुमानदेःसेसमाक्ष्मुन् श्रीमानदे नासुन् सुसार्क्षेत्रामाक्ष्मुन् यदे प्युयान् श्रीमानदे नासुन् सुसार्क्षित् यदे प्युयान् श्रीमानदे नासुन् सुसार्क्षित् यदे प्युयान् श्रीमानदे । याने इस्राया वर्ते वे निष्माया विष्णुव्या प्रीया के विष्णुव्या प्रीया के विष्णुव्या विष्णुव्या प्रीया विष्णुव्या विष्णुव् व्यट्याङ्ग्रीन् सुत्र सुत्राः सैयायाया त्याया त्याया स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्व वरावस्थायुन क्षीतेरावर्के सेन्। वेषास्या के या वा सेवाषास्थित दिन वि प्रवि प्रवि हर्मा स्थाय स्थाप यरे.य.रर.केंब.पर्रूर.क्रीचित्रकात.रर.। केंब.यक्त.रर.चेत.पर्रूर.क्रीकाक्षेर.हे. ५८.शु.८चाय.अ.वय.पर्वर क्षेप्रश्रेष्ठाश्राक्ष्य क्षित्र क्षेप्र क्षेप्रश्राक्ष क्ष्य क्ष য়ঀ৽য়৾৾৻য়ৢ৾য়য়৽ৼঀ৾৽য়য়৽য়য়য়য়ৣ৾ৼ৸ৼৼ৸ৼ৸ৼ৸ড়ৼয়ৼৼ৾৸ড়ৼ৸ড়ৼ৻ঀ डेवा शेःवज्ञयः वः विवाः दर्गात्वा देःसूरः शेःवज्ञयः चरः ज्ञाः सार्गावः सर्वेवाः वाश्यः में अद्वित प्रथम प्रथम केंद्र सेद प्रदेश मार प्रदेश है। विषय मार प्रथम स्थान रदःचलेवायोदायदे देयानेयाद्वरयाने सुवायक्ययासु योगयाय उत्तासीत् योगयोद्वरावादे

वःस्वादिवादरःवार्वेदःश्रेम्रश्चर्याद्यात्वादादाङ्ग्रीम। व्यदःयरःदःस्रःवः योर्वे र ख्रे र ख्री र ख्रा र र र ये यया या अया र विषय विषय या ख्री ख्री यो या विषय ख्री ख्री र या ख्राय या विषय वर्त्तेर स्वत्र र्क्क्वायाया यो वर्ते द्वार्य देवेर वया सुर स्वेष वर्ते वा दर स्वतः यदे क वयमान्त्रन्थान्त्रात्रात्वात्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्र तुःविवादवीवायरावासुरवाही वेसवाउदार सेंदर् देख्वायर तुःवावरे वासे वया तुःर्वरत्वयञ्चरक्तेन्वयावन्दर्भः यादन्यति न्वादर्श्वेषेन्याः सुः तुः विवायीः श्रेश्रयत्रम् विषयः श्रीयायदे या श्रीतायायादे स्थायायायाया श्रुतायाया श्रीतायायायायायायाया क्र्याची विदेश स्वायाय स्वाया स्वया स्वाया स्वया હિર્પ્યરન્દુઃ શુત્ર શ્રુઃ અદ્વા કંચાવા શ્રેઅઅલ્ફો શ્રુર અલ્ફેર્ન્સન્સેવા અએર શ્રુઃ દરન્દુ सक्रमःयरःचल्याःयर्भःरूद्रःसेदःदेःद्रदःदेवःक्षेदःदेःवद्देवःदरःवद्वेवःचःलेःयाद्रयःवः म्रीयमार्थियाः अर्घरास्त्रीः पद्धार्थेरः येरः रि. प्रवीयः म्रीयः प्राप्तियः प्राप्तियः प्राप्तियः प्राप्तियः प नवर ये त्यातर् अ हे क्रिं ये प्रति ये प्यर नयस्य या नवर येति वर र् तर् स्यापीय प्रा व्याप्तययापायवर में रे यापसूरायसूर् व देया केंगाया भेव है। हे रेव में केया באאיטים ביקיאיקביטאישבים בין ן באאיטיבקיקיאיקביטאישבי रवी विश्वश्चरं प्रवास र्या त्या स्वास्य विश्व स्वास प्रवास वि यातवर्यम् यम् विषावास्ट्रियायदे स्वामित्व विष्टे ने नय स्वायास्य श्रीवः प्यतः वायः वेरिके त्यः ववः हवः प्यवा 🔰 🕏 रुषः वाशुद्यः हे : धुवाः क्षेटः वीः वटः दुः क्षेटः वरः वरुद्दे सेट सेट सेट रेखा वास्ट्रिय पार्थिद रेखा वास्ट्रिय पार्थ से वास्ट्रिय से वास्ट्रिय पार्थ से वास्ट्रिय से वास्ट पवर में मालक त्या तक रहा विच क न्या मालक राजिय प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्

४] यह्यासदिः वर्ष्युवः द्या

पहेंचा.तपु.चर्ययाची.त.रूजा.हीच.सीची । विश्वाचीर्ययाताचीर.वश्वाचीर. नवर् सेर्। रे.जर्म्श्वेरताकें.ये.ज.वर.वर.वी.बीर्या श्रायह्यायायाञ्चीयया क्रिश्चेत्रया केंब्राक्चेश्चेत्रयान्दाम्ब्रुमा न्दायां बदानेदानी श्चेत्रयायामित्रया ५८। गहेंद्राचाळेबायी बीबाहु गहेंद्राचाय्युयायया येयया खेयया व्यवस्था ठन् ग्रीकेन नु वे राह्म्याकवाया लेव योन यर वाहित वावाहित वान्ता हान्ता सुरा से तुः दरः तुः व्याः वेज्ञावायः श्चेत्रः याः व्याः व्यः व्याः व याभी तहेवायाया सुवया ग्री सुव यादी या स्वीव प्योव हो । । यह सुद ग्री हेया सुद रही श्रेयशक्त माल्य या सर पर्देग या दे र्कुय विश्वश्यी सर ध्रीत हों । । केश ध्रीर दगाव श्चिन् पर्वेन् प्या वालव श्ची विवास्त्र प्या के अन्तर होन् वा विवास स्थाप स्था माम्रम्भयायम् नायत्रायम् स्वीत् विष्या विष्याविष्यम् स्वाप्तायम् विष्याविष्या ज्ञियाचीयायवत्रव्यक्रियाक्षेत्राचुन्यकुन्द्रायम् स्थित्यकुः वार्स्याच्यायवान् केटार्सुन्या यर्डेब्रावर्श्वराश्चीत्रप्रदेशि हो। विषयाम्येटाकुर्द्रायस्थायास्यर्थात्रयास्य

श्रेमश्चीश्वादाद्वदःशुक्ति ३.८८. शुक्ति तहित्र तहित्य तहिता यान्यस्यान्त्रम् क्रीत्रम् स्थित् हो । । तदीःसूरःसूदः नतेः स्थान् स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य श्रेन्-प्रविष्यः स्रून्-प्राञ्चीः स्रोतः प्रकृतः या प्रविष्यः स्रोतः स्र র্বা । বি.অমাস্ট্রীব.ম.অ.ম্যাম.ম.র্ম.মারার্থমান্ত্রীম.মর্ম্ব.রমমান্ত্রীস্থ্রামার্ট্রমামা यन्दा वर्षसामाहतः लेखान्यामहिका श्रीका भो लेखा श्री स्वीका स्वीका यान्दान स्वीका त्रव्यायाध्यायाध्याप्रदेश्विवायाधार्वावायाध्यायाध्या नेत्र्यत्याद्वीत्राच्याचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्र <u>พर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हेते क्षेत्र ये क्ष्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष</u> व्याप्त क्षेत्र स्थाने क्षा केत्र स्थेत र्श्वायायाहियायी:क्रेयायी:साचा स्त्रियादेयाच्या स्त्रियाया स्त्रियायायायायाः देशःमदिःर्क्रेशःदेःग्रदःधेदःबेदा क्षेदःहेशःइदशःमदेःमुदःकुमःशेश्रशःसर्केगः वर्सेन्द्रवर्ष्यः देन्द्रवर्षेत्रः वर्सेन्द्रवर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्ते वर्षेत्रः वर्ते वर्षेत्रः वर्ते वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर् चर्त्वेत् श्चित्रार्थेद् रेदेर च ध्येत् यया योद् त्व व्यव्या कवा यदे रेहेत्रा दव्या व्यव्या योद् या यो ५८ के च भू नु प्येषा देवे सूचक सूट हेट हेवाक यदे स्वाक प्यक देव ५ स नु र कुन क्षेत्रों योयाया कुन व्यास्त्रीय है रिया क्षीया दाययर नया ने दाय हिया सुदा सुवाया येते। स्याक्चरा क्षेत्रा क्षेत्र व्यवस्य ने स्त्रुवा क्ष्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स पर्नेज.जर्भ.भूय.त.१४.४८.ची.मुची.त.जर्भ.पत्तचीम.त। रेची.स.भू.म.२१८.एतुज. पश्रम् वस्य क्रिके क्रिया या स्था क्रिया क्री या क्रिया व्यालक विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास ইব-শ্রুবঅর্থক্তিবেল্লুব-ম-অর্থকাঅ-ম-ধর-ঐর-ন্ধবান্দ্র-ঐর-ম-ঐর-মন্সার-শ্লীন-প্রকা यात्रवार्श्वेरान्देवाहेवान्युयार्कंटानवानुयवात्रुयवात्र्यांवान्यानेन्। डेया.

र्केष् त्रमेंदिः विदः भेषा यज्ञते लयः युदः।

নাধ্বংশ-পিং-বাই ক্লির্'ব্রের'ব্বং-বাত্তম'র্ক্তম'রিব'র্ল্রাঅ'র্মি

हैं। वेय प्रत्य प्रतः क्र्या वितः श्री सर्वस्य हैं र विया प्राप्त स्था

हे स्निर्र्। हे त्नु या श्री प्रयायहरू द्वाया कु यर्देया श्री र्या श्री रया श्री रया श्री रया श्री रया श्री रया पविभव्यत्रात्तर्वत् विचासक्त्री स्वाप्त्रियाः में व्याप्त्रियाः विभागाः विभागाः विभागाः विभागाः विभागाः विभागा यमःगस्ट तारमायमः । क्रिंच स्तुतारेष केषात्रमः । विष्यास्तुतारेष केषात्रमः । त्या विमागस्यम्। स्रुन्यस्याम्यायस्यावस्या शुष्ट्र सः श्री श्रद्धः स्त्रेश्वरः स्त्रु स्त्रेन् स्या स्त्रु स्त्रे स्त्रु स्त्रु स्त्रु स्त्रु स्त्रु स्त्र विद्रातित्रीति । वी.क्ष्यावी वि.क्ष्यावी वित्रात्रीत्री वित्राची वित्रात्री वित्रात्री वित्रात्री वित्रात्री वि ब्रियायात्वराष्ट्रीतुताद्युदार्ख्यायदार्दे स्रीक्षायदि क्रुक्तिर्योद्दे त्वद्वात्वा वात्वाववतः यदः बरा सेन् क्वान वर्षे वर्षे केंद्र वर्षे वर्षे केंद्र वर्षे वर्षे केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र मेन्याने तद्व विवायात्वस्य प्रवेश क्षिया यी या या प्रति व विषय या या स्वाप्त य र्गे सेस्राया उत् : श्री देव : दुः श्रुवाया वासुद्धेता वास दुः सेस्राया उत् : श्री देव : दुः स्वेवाया वाहिया वया यवरः यद्वः यरः र्ह्णयः यरः यदयः क्याः यः प्रवः वः प्रदः। क्याः यद्वः सह्र-प्राम्नेम्बर्कः क्रीः मालकः देवः प्रकार्यम्बरः सुः क्रुप्तः प्राम्ने मः प्रेट्। ह्र्यायान्तपुःयत्याक्त्र्यान्। स्वययान्तराङ्ग्रीत्राग्नन्। येत्रान्तराग्नुता सुरः चि.म.जीयातास्रीरमा ह्रेयोमाची.माजीयातामघरात्रीयायमास्रीयमार्थरात्रीयायात्रीया यक्षे.वेंयायोशेयाक्षी.लूच. ऐव. लूट्याओ ह्यायाता चे क्षेयो.लूच. तथा परीटे विषु हुँचेया म्रम् १५८ में द्रम् स्तु पर्देम हिट योग्या पदि पेंद्र मृद्र म्यम् १५८ स्वर् । स्तु । स्तु । स्तु । स्तु । स्तु षरषाक्चित्राचीश्चाचीःश्चेद्राचाश्चेद्रीतिःचित्राचीःविताचीःल्यिःधेवाश्चेराखाःचीःचीराचीहित्ःकीःवीत्राचाः देख्यमु: प्रेंब स्प्रेंच विष्युद्ध स्वर्धे मान्ये स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्व यश्राभुद्रमायरःश्चेत्रायादविरावदेश्वमावस्यास्राद्धेम्यायादेगाद्धेरावदितायादि। मुतः पते द्वर प्रें अ देते सूर्वा वसूर्य दे सुर्वा की यञ्चर अ त्वर वस्य है । वितः वतः गारः वर्षतः वर्षतः वितः वितः श्रीकायदेवः कुः व्येतः यात्राः रेत। वदेवः व्यवः यात्राः र्रेत्। ने'यत्। ध्वाद्वस्यसःश्चेषायाकुःधिराक्षेत्राक्षेत्रहिता विश्वेतित्वेत्स्याः तर्यथः सुना ने अप्ते । विषानि संदर्भः सः निष्यः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्रम्य म् इत्वेषान् । स्रुप्त विषः तर्भः भ्रीत्वी वर्षा वरायशा होताया व्यापादी वर्षा व त्रश्रुत्वे,र्यां क्रें,श्रुष्रश्रव्यक्ष.क्षे,द्रयोशास्त्रीक्षेत्र.ता.चष्रश्रवः व्या चरः यद्यः त्रष्रायक्षेत्र वयाने या लुग्न या सुन्द्ग कुने ग्रास्ट में यह दिन्य द्वीत यथाय पहेत नर्गे या यथा ने या रवा यया प्रति श्वीरा हेन श्वी हेवाया या वाल्य या ह्ये हीय या प्रति । विस्था हेन ही य.यर्षेष.त्राज्ञ्य.यर.प्रज्ञैरा विषय.योश्वरय.तथा ट्रे.यव्षेष.योज्येयायय. यार त्यायार योग तर्नु व्यायते केंग तसूत्रा शेशवा उत्तर हो कुर प्रथम पति देवा वा उत्तर या श्रुभात् कुराद् तेया यस्ता देवा देवा देवा श्रुभा श्री तिवेदाव १ तर् यो में तियम हिन या ता ने दे हैं के या सूत्र। ने प्रया हैं कि प्रदेश होता हेता हो है माया छत्। या म्रेया केत की केंग्र प्रस्ता नेत हैं केंद्र हैं केत द्वार हैं रच त्य म्यूय र स्वाय हैं केंद्र र नसूत्र। देःवर्षाःग्रादःष्यदःस्वाःयो स्वीःस्वेःस्रांगुतःवर्षाः व्यवार्षःस्वेःस्वा

नमून परि क्वें न्यार विरानदेशया उन सूना नमूय क्वें सुर अर्थे या या नमूय न इस्रयान्युवानरासर्दित्याधिवाने। नयवासुवारिवायीकेयासूवायानदेनरा योषुयोषात्राद्यायासुरायातस्याषायायप्रमारास्त्रुवार्यात्या से से से प्रेत्रे प्रेत्र सेव सेव पदःज्ञेषायाम्बर्दःचगाद। । प्रगादःष्यःह्याद्रवेषःस्व दिवायानस्व पर्वेषः मक्त्रां चीयाचीस्या वियाचासुरयाययाची । नेयान्यीयस्याक्रं चीयासीन् याशुः द्याञ्चीः बदाया विस्रयायदे योस्यया उत्ता इस्यया चत्रुः स्रोता यदे स्रापा विस्रया विदेश ययावराहे। वरावाणराद्यायात्वेयाः वृताद्येयात्रायायाः क्रुयाः क्रीयाः क्रीयाः योज्यायायाः व योर्गर यो अह्रे त्या क्रूब प्रस्त विष्य क्रीय प्राप्त क्रिय में क्रिय क्रुब क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय वयन्यमान्त्रम्य वर्षेषा विषयम्य विरस्भान्त्रम्य स्थापराने वर्षा यासुर क्रुं स्रोत् प्रदेश्यासुर यो यास्य प्राचित्र स्रोत्य वित्र यास्य प्राचीते वित्र स्रोत्य प्राचीते वित्र स् र्वोदः दुः द्रध्यः सुवः देवः वे कितः वास्युदः द्वद्यः यः चित्ववः दु। स्वाः यदे वे वास्य वास्युदः वी'नगात'से'बेंर्-'देत'र्ये'के'र्-प्रमात'देते'द्वेंर्य'त्वोव'हेय'त्ह्व'वी'नसूत्र'वर्ष्य' व्यक्ष कर् जूर त. त्रुव तथा क्रिजाय र रूपाय वियोधात र र तर या त्रुव तथा वर विभाग्नेन में ने स्वराय के प्यत् की न्वीं रायया विभाग स्वीं मारा स्वीं राया है या स्वीं स्वराय है या स्वीं के या ब्रैंब यदे यने या महेब या ब्रुया वया नेदी न में र्या नेव वयय उन रहें या यहीव न या ब्रुव श्चित : विन्त्रा ने : विक्रिंश द्धंय : देत : देत : देत न : प्याप : येत : न विकास : या विकास : ने श्रीव प्रति व्यवश्यीका दिविस् प्रति सुवा प्रसूधा था वास्य प्रति व्यवशा दिवेस विका यसः स्युवाः चे विषयः विषयः विष्ठः कुः दरः दवाः यदेः विरः दुः दुः सञ्चेयः दुः हैं विववाः वषः तयर या चलेव तयेव तहें मा कुं लिया प्यें राया श्रीवा याया है है त्यू राकें या वा

मुभग २४ र् सैय पर्वत २४ विष प्रिया । यदम क्रिया या हे विष स्वर् र्थेन। देव ग्राम श्रुव प्रथान श्रेन माने माने प्रथान हैन प्रथान है र्नेट द्रमाञ्जूनमायदे द्रमायद्य यहंद देट दे वे क्रिया कि स्वाप्त हेना महिनामा सैयश्राद्यूर्ययुःश्रुश्राश्राद्धयुर्जेरात्राश्चरात्रात्यात्रात्रात्युर्वे यात्रा म्रोया अथ १८८१ में मार्था की मार्थी म वःक्तियःचःन्देशःशुर्विवःवतदःअद्युस्वायःयतेःक्तुःअर्द्धनःनेःतदःधीवःवे। ।नेःचयावः त्तुः आश्चीः यथाः स्टूरः की या या सुद्रयाः यो : रदः उचा की या रदः १३ स्थायः या यदः विवायः यदेः यर्थन्य स्याम् प्रदेश स्थान्। यन्न स्याम् वित्र स्याम् स्याम् स्याम् स्याम् स्याम् स्याम् स्याम् स्याम् स्याम तुः विषाः धिवा विविदः या विषाः स्रोदः छेषाः वश्यः द्याः सा व्याः वीः यदः या यान्त्रात्त्रयात्रोत्रायदेःस्याप्तस्याप्तदेःयायास्यात्रेत्रित्रहेत्रित्त्र्यायस्य सद्यास्य स्यास्य स्यास्य स्य बर रया शुर्या की बर या द्यो पत्वा व केंवा या या बद्दा सुवा प्रमूथा यदी दुवा या यही सम्यः स्रोदः क्षेताः तुः श्चीः वीः वाहिषाः साम्याः वात्त्र स्त्राः स्त्रीयः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स् वियाः यान्ये मुस्य विवानुः यहार्वे प्योत्। यहीरा याङ्याः छो। स्राम्ययायया चतः ब्रुँदिः ब्रुँवायः सुन्ने वयः शुन्नः यदेः चसूतः व्ययः सुः श्रुवा ५ यः यदेः क्रॅयः श्रुः श्रुं व्या चलेत्र भेर्न त्र भर द्र द्र ची चर्र भेषाया से लिया या तर्से द्र प्रया या साम राभ से लिया । र्भेर्-याम्बिन्नब्यान्या । श्चिर्नेम् मर्भेर् म्यान्यस्यान्याः । बियाया वया दर किर मी सेर क से पंबेचा में पर्नेर ब लार । यस ने या नहें सा सी बिया स पतिः क्वें दिया निया विया विया नियानि क्वें अर्द्ध मिन्यानि क्या नियानि क्या नियानिक क्या निय

नवर-तुःश्रॅद-वशःश्रवःवःदवःयःन्दःग्रहेशःवशःक्रेवःदवःयदेःनवर-तुःश्रॅरःवश 'તુદ'ଊୖ୕ୖ୴ୖୖଌ' ସદ' આ હિંગ 'યदे' द्ये 'सूट' ५८' \ देवे 'सूट' ५' 'वर्दे ५' 'ਘેंब' घरु ५' ग्री घर्सू' बैनन्। यर व कुः ये वन न्यायर व शे ये वन वार यावयविव अवी क्षुर यर्देर्त्र र्वे या वुषाया वा वन् र क्कुं यद खे। दे या रेदाय या दे वुदार्थे दाव या कुं रदःवाल्वतःशुःवाष्पदायदःर्याणीत्। वार्श्वतःवदेःदेवाशावाःवादासूरःववदःग्रादः अम्ब्रान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यां क्रीं क्रीं क्रिंग्यां क् नुषाधीकन्द्राद्यात्रदाराष्ट्रीत्राष्ट्रीया के स्टाया सेन्द्राया सेन्द्र्या से नर्या मुंदि सुरान्तर्व। दार्येष सुरान्ध्वा स्वर्या स्वयं स्वर्या स्वयं स्वयं स्वर्या स त्रचीवा यात्रया द्याचिवा त्याची रेदे देद त्वर्ची वयाया कुरो से देवे । से लेवा वीया दायर कुवा थःश्चेतःतुषःखुतःतेःखुतःतेःकेषाःवश्चेषाःवःकेषेषःबेरःतःसूर। गर्षेवःश्चरःरः विस्रकारम्यास्त्रीत्र विस्रक्रिकार्या है। के स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स् क्रेंग'८र'यदुःर्लाजारीया साम्राज्या साम्राज्यात्र क्षेत्र हो स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स भ्रावानवान में प्रोत्ते व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व <u> ५५'यते' खुयाया ५५' वेचा तदः वेदा वा धीया से द्वी यते खुया वया यह वेचा</u> भ्रुभः रुदः द्वो प्यः प्रथायायाये स्ट्रियाया स्री स्थाया स्थाप्त स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया मदः त्यान् न्यान् स्वान्य स्वा यः वारः वर्ष्युवः द्वा देवः वर्षुवः त्युवाश्वायः राष्ट्रवः विष्यः द्वायः विष्यः द्वायः विष्यः द्वायः विष्यः विषयः ५८ श्री स्वित्राया सुना वर्ते वारेता स्वीत् स्वात् स्वात् स्वर्ते वित्र वाष्ट्र दे वित्र वाष्ट्र दे वित्र विना मी हिन्यर वेर्राणिया ने प्यत् विद्या हेत् प्रसूच राष्ट्रिया त्रा विवा त्रा वालत वेरिन्दु वित्र व र्डमके स्रो देशके व केंग दर वहेग हेव गहेश गा भी सह्व यदि कु सर्व है भेरी बूँव यः वृक्षते कुवः येंवा कुवः बुवः बुदः दुवेंवा देवः बोदः बोदः विद्या केंवा विद्यान्यः वयात्रदः भेदः वृषादः तुषावः वयवा श्चीतः योव। केवादे यदः त्वीवाया वश्चीतः व ब्रैंब् य स्ट्रिंग् कुर्या हुँ व्यवस्था सुवा वीया क्षेत्र या । वर्षे प्रति स्रीया गर्नेषाः ग्रीः देः सार्श्वेतः यया सुष्या यगुः सी श्रुवः यरः ग्रुष्ट्यः यः वदिः वितः प्येतः य। यदेव : प्यत्यदेव : हे : यद्या क्रुय : क्रुय : येया अध्या उव : यः क्रुद : ये : हे : हे : हे : हे : हे : वयय : येद : य क्रुषायातुषायायोदायारेदाचेराक्रुष्यदाक्षेत्रायादी देवाग्रुदाकेषावसूत्रायादेया पङ्क्षितः तः व्यवसः वावतः स्रोदः यः पहिषाः वावतः स्रोतः यावतः स्रोतः वावतः स्रोतः बेर्याम्बर्ग्यम्। देवै।वायायाकृत्यमम्बेनात्रः चुः चनर्याच्यामाने वृत्युः चुः येत्राम्य श्री मुनियमित हेरी सुरायमित स्वापा सुरायमित स्वापा र्थे हुन। सर ये में ना नेते वर वस हीर नेव योव हु येन यस नगेव सर्केण गशुराग्राम् प्रीत्रासी स्वेषाय्या स्तुव्या वर्त्ती वर्त्ते त्रात्वी वा स्रोत् या तृत्त स्वेता स्वारा यायबराम् क्रियाम् अप्रायम्भीता क्रिया व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था श्चेंन'गर्डेन'बेर-नट'धेंग्रथ'गर्डिया'बर्थ'कें' बर-दीन'य'ने 'ਘट'नवी'यर्ड'क्रय'नवा'वी'बट'

नुःवर्रः नगात। नवरः केंबारवारः रेलुबारा स्वरः देवः वारः धेवः नरः नेतः क्वेंबान्यः रदःवीकारदःवाञ्चेकावीवाञ्चेतकाददःवेकावेदःवाधीव। वहिवाहेवाकीप्यावदीरः र्वेदःब्रथःदःख्रेदेःचरःयःदुशःर्केदःवदेःर्ड्यालेषाःध्रेषःय। देदेःयेःरेःददःह्यःरेदेःद्यःवः म्रम्भारुन् ये दिवासेन् स्ट्रेन्यास्य न्यास्य स्ट्रा स्ट्र योर्वेन् याहिकागा योन् प्रति ह्रेन्ट प्राप्पेव व ने र्डका रेन् स्रेन्। वेंब् ग्राम् प्रकार प्रकार व र्द्ध्यासेदाधिता ययार्क्तार्थेत्र में स्थेतायात्रेदाद्वसास्थेदार्या सेतास्थिताया महिम्बारायम् अन्याने स्वानियान्याम् अन्यवित्रम् न्याने स्वानियान्या ने भूरकी व स्परायने भूर से दाव व स्वाया स्वाय स्वय स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वय वर्दम्। नवर सेन् वर देवि सेस्र अस्त वर्षित व्यस हुर दत्र य लिया यी सन्वर योन्द्रनेन्यार्थेन्यून्या वर्श्चेन्यायो वर्श्चेन्यायोन्देन्यायेन्देन्यायेन्याये त्र वृतः दर्शेषः यया वृत्वतः श्रीयः के से सः अस्ति स्त्र विष्यः से सः स्त्र विष्यः से सः स्त्र विष्यः से सः स तर्वा वर्षा वर्षा वर्षा क्षित्र क्षित्र क्षित्र वर्षा श्चित्रासी चेरासु स्रोदादी मालक स्रोस्य स्वर्ग स्वर्ग साले मारेता क्विताया लेकाया ने नया से रदा योगया ने प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त <u> हॅ</u>वार्यायते:श्रॅशन्तुरापदिता ध्रिशतः यट के प्रियायः यने प्रतिनुषा । कर ह्येतः यार्थे नते नुष्य क्षेत्र क्षा क्षेत्र यासुरसाने। यार रेया प्रयुत्र ह्वा हियासारी सेंसा पुरायति । विसासीर देव ही।

चर नदे रेग च त्रिम प्रम स्मानस्थ नदे न त्री महा मस्य की नुस के निर्माण र्बर प्रवया वर्षेर प्रवे रुषावया त्रार्थेषा गा न्य कुः पेर्पा या सूरा क्षेत्राव प्रवर हैं। र्थेवायायदे प्रदेश विषयायय प्रमुद्ध मुन्यस्य सुवाया देवे हेवासु श्रूषात्रात्वराह्यात्वर्ष्याक्कृष्यत्यात्वरा ध्रुषात्रात्रेषात्र्यात्वर्षात्रेषात्र र्बेन्ययार्क्षेत्रेन्स्कुना केंब्रेन्ययार्क्ष्यन्सुना नेययाद्वीयाद्वीन कुं लूर् तालु था बर्डी था लू. युवा तुर्वा विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य द्यायः प्रतक्षे प्रति दुरुष्य सुः धीवा । बिराधारा व सामावितः व सामावितः व सामावितः व सामावितः व सि ग्रापुःदत्तुनानीःगशुरःश्गर्वानायायदेःत्यासुःयाश्वेरःनीः ऋदुःत्नादःवःप्येतःययः नवायः वयः वारः द्वीनः केरः सहवाः स्वरः स्वरः सः नेः सः वरः । केर्यः द्वीनः नवायः वः वक्रेनदीर्श्यासुः भेता विषयम् केर्यास्य निष्ठान्य निष्ठात्य निष्ठान्य निष्ठात्य निष्ठा য়য়য়ৼ हेःश्चितः हेन्द्रभः हेन् गशुरुषायानेषात्रावकी विस्त्रुवा सी नवींषायाने सी प्रीया वर्षिवा तात्र हैं सामी माने हिंदी हैं हैं हैं हैं हैं यः भेत्। यञ्च्याः नेयात्रयायञ्च्याः श्रुयात् । द्राप्ते । स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्राप्ते । स्रोत्यायः स्रोत्यायः स्राप्ते । स्रोत्यायः स्रोत्या यमात्र भेरि दुर्श्यायाम् वत्र हेत् विक्ति से लिया मीर्या महामलित भेरि। दे न्या प्रदा ङ्या यो या क्रुव : नु : प्रत्य यदः केंग्राप्तते वदः वया ते प्रेत्रायत्वा केंग्राप्त या लेवा प्रश्लवा प्रश्लवा प्रश्लवा प्रश्लवा प्रश्लवा प्रश्लवा डेबानबबात्वयानुबारुटाङ्कीरुष्टेव्ययापटापरामन्यम् अगाने राह्या wर:चना:कनाश:दन:पदे:धुनाश:सु:द्ये:वेना:तु:द्वेथ:वश:दु:वेर:व:धूर:वेर:दर्वे। देःसूर्रद्रम्थर्यायाचित्राः विरामिकाः विरामिकाः विरामिकाः विरामिकाः विरामिकाः विरामिकाः विरामिकाः विरामिकाः वि नरकन् क्रीन्नर-नुः विरादर्शेना थित। विषा के भेन् विरादि रामित के समान

न्द्रीयन्द्रियाः याचक्कियः व त्यायाः सः क्रेवः से रः सुषाः नुष्यः से द्वीतः वदिः ही नः स्रोतः स्रोयाः अ.शकु.शरा.वीर.। वी.वेर.रेट.वीयोग.रुट.पर्ट्रेय.शर.श्रीय.श्रीयश.रट.कीयो.र्ट्योग. सूनानिकाना धेर्मा अर्देरात केंबा यना धेराया की बेनबाय दे साम दे सामे विरावरादेशवित्रुरानी ह्वें द्वार्थे लेगानिरावशास्त्रुशासा स्वायस्य विष् ने: यदः देशः त्रवृदः लेशः यः देवः ग्रिशः कॅदः यः यः देशः त्रवृदः बेरः यः प्रेवः हे। त्रवेरः यः तर्ने पर्वेत । यर तर्न प्रतिमार्येन केया स्वार्थ पर्वे प्राप्ति । प्रत्या स्वर्थ । प्रत्या स्वर्थ । ब्रेन्द्रम्भानम्बर्धाः न्द्रमाष्ट्रभाष्ट्रम् न्द्रमाष्ट्रभाष्ट्रम् न्द्रमाष्ट्रम् न्द्रमाष्ट्रम् न्द्रमाष्ट्रम व्यक्षेत्रच्चे नेदे सेन्द्रन्द्रन्द्र केन्वीकाले कन्द्रन्य द्वीका है। न्द्राया सेन्द्र केंबाग्री:वह्नाक्षेंविनान । केबानाब्रुद्वायबा ५८:वर्देद्धीन केबाद्यानीकेंवि रबानाबर नबान्द्र या भेद्र बेर नवस्या व्यास्त्र विक्रित क्षेत्र या बार स्थानाबर विक्रित क्षेत्र या विक्रित विक्रित क्षेत्र या विक्रित व सूर्यार्वेर र्केश लु विया द्वेन याया सूर ये सेना सन्माय या प्याप्य प्रमाया सेना ने। नेशर्टे निवाद बिवा चन्द्र प्रशादवाद चर र श्रुराया नवाद ब्रश्न द्रायाया प्रशास स चत्रमास्यायात्रात्रात्रात्रेत्रक्रमायात्रेत्रात्रेत्रमाय्येता वेषाःयाक्रेत्रमेतिःक्र्यानसूनायात्र लैवा'व्य'क्केट'हे'प्पेन्'न्वींका क्षेट'हे'ने'व्य'नेंब'चाहेक'र्कंट'न्वींब'हो हेंब्य'द्यवा' श्चीर हे प्रयाय परे श्चीर श्चीर हे धीत प्यर। दे त्यय वर्ष वर्ष प्रति प्रयाय या ने स्निम्हें में त्रापीत्। स्निम्हें ने त्या यो याया या विष्या या विष्या या विष्या या विषया विषया विषया विषया न्भेवायायते श्लेट हो न्भेवायाय सेन्यते श्लेट हे सेवाया श्लेन्त्रे न सेन्यत चिर-छेच.क्री-श्राश्राश्रीयाश्राश्चीयाथ.सुरा-चत्रचर-तिर-घर-ताश्राक्ची.सुर्-चारेथ.वंशाश्चीर

त.रूटी टे.क्रूप.जू.ट्यी.ज.राष्ट्राथा.थ्या.क्रूप्यत्य.क्रुप्याचीट्या.क्र्याया.यु.च.रा. न्रज्ञर्यार्थन् दत्रम् गृत्रः द्वीन् स्व न्या सेन् द न्यज्ञर्या स्व न्या स्व न्या स्व न्या स्व न्या स्व न्या स बर यस हेन पर हैं ज्ञार राज्य र दिन होने स्वा होने साम हो से दिन है के राज्य र दिन है के राज्य र दिन है के राज्य इस्रान्ना रनाम्बर वर्षायायार्स्ना प्रति देशे हैं राज्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य त्राचार्यंत्राचर्यात्रचत्राचा र्ट.मू.क्ष्याचातारी.पर्वेच्यात्रप्रच्या यपितः यवतः दरः यथेयः तपुः श्रुयाः वर्षे त्यानर्गोत् त्रयासूया नस्यासू द्वारा न स्वया मान्या विष्या न स्वया मान्या स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स न्वीं बास्त्रुयायदे स्त्रीट हे बार्बयाय उदायान् स्वीवायायदे सुरान्टा वेषार्यय ग्रीबा <u> इ</u>चार्याचिट जार्रभ्राचारात्रु चिराचीक्षेत्रामा स्टर क्षेत्र प्रायु प्रमाया क्षेत्र कुपाचीर क्षेत्र क्षी. श्रीया निर्मा नि त्तर्राच्यायदेर्द्रात्र्याहेर्याद्वीरःश्चेश्वदःश्वेतःश्वेतःश्वेतःस्यायव्यव्यव्याक्षेत्र्योत्त वेर्द्रम्भेग्राम् क्रिंग्युम्यदह्यायाय्डेग्याक्रिंग्यम्के त्विरः वाश्रुअः तद्देवः यः ५८ : व्याः वर्षः हेशः ५वो : वः हेवाशः वुरः ५ ; वर्षे वः से हे हे र ५ देशः हेर्याम्युर्यार्केटात्रान्याम्युर्यान्दरायद्वेयानाधित्रात्ते । ।नेःसून्तुतेःक्क्रीरानायेयया नश्चेत्र दर्भागवित्रभेगभाभेत्। हेशनक्षेत्रास्रेत्रसायाम् अस्टत्याविषाः र्रन्त्र। ने भू नृत्ये के क्रिक्स के क्रिक्स के स्था के निष्ये के स्था केंद्र याद्र यस विवास होत् केवा वी केदादु यहिंद त्रश्रू सावस्र स्रायाद्र स्र न्यायङ्यन्दरः स्वतः ययाः केवाः कृतः नवीं वायाः धीतः वे ।।

म र्हेर श्रेश्रश क्षेत्र मह्मूश ग्री विदा

८८:मुच्यायवि:श्चीरःवसूरःया

ने भ्रान्ति क्षें वर्षानि नाम वर्षा परान्ता निर्देश के स्वार्थ में विष्य पराने निर्देश के स्वार्थ में विष्य पराने के से म्बॅरिक्न क्षेत्र विवानी क्रेंन तर्वेदि रवा तर्नेन विवान सुपर्केय महिन सामित्र सामान तर्ने हेन तकन पते स्मानका स्वा वर्ने ता श्वन स्वा स्वेत स्वेत रहें न रहें स्वा स्वा श्वन श्रीव वर वी र्श्वेव वर्षे दि न्दी नदे वर वर वर ग्राम् सुनया वर्षे क्रिया नस्रीन वाहिया दे कि वया वयायाक्रीव र्ज्या श्वीत र्ज्जीट या त्रास्ट हैं यो अया द्वार स्त्रीय या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स क्रममार्हेग्या वित्यारक्ष विवाक्तित्या वित्या वित्या वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र पदःतवायः क्रेंबः वार्डे विद्वान्यारः लेखः ब्रार्थ्यवाः श्रीवाः विवास्त्रीयः ववाः कवाषः प्रवा श्रीवाः श्रीवाः ववाः क्यां अ. ट्रे. ब्रैंट. यदु. बयका शर. तु. यका श. क्री अ. श्र. वियाता ब्रेया. क्री जाया बयका श्री यका द्याया है प्रश्व प्रयासम्बर्ध प्रति । व्यया सम्बर्ध परि वस्य अप्राप्त । व्यया सम्बर्ध । वस्य । वयायर्केना मु: शुराया दे वादा धेवावी दे हि ये यया दावा दे वादी राष्ट्र शुराया दे वादी राष्ट्र शुराया दे वादी राष्ट्र शुराया दे वादी राष्ट्र शुराया वादी राष्ट्र श्री राष्ट्र शुराया वादी राष्ट्र श्री राष्ट्र श्री राष्ट्र श्री राष्ट्र शुराया वादी राष्ट्र श्री राष्ट्र शुराया राष्ट्र श्री राष्ट्र श्री राष्ट्र राष्ट्र श्री राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट चलचार्याया चार्यार सूचार्या क्षेत्र स्वाक्ष्य स्वति स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वत्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वत्य स्वाक्य स्वाक्य स्वाक्य स्वत्य स्व শ্বীন'ন্নমম'ক্রম'থেম'রম'নম'লুম'ন্টম ই'ই'মামম'ন্থন'বিম'শ্বীন'ন্তর'

देते दूर दुनदुनाद्र अपदेते हे अपया खेळा चर लेना हेना हे आ झूँद 'यसा चहनाया धेद प्यश् ने भुन्ति त्वासार्ने हे स्रोस्रास्य प्राप्त ने हिन गुन्त तन् या र्वे स्तिती त्युग्रास्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त वर्त्तेर-द्वायान्या महेन-यान्त्रीययानिक्र-पतिः भ्रीन्यानन्यान्यान्त्रीन-दर्ग्यानेः याहेद रो हैं यथ यदी याद दे द द रो हेद ही हैं यथ है। हैया य यदी याय यदी खुवा देः थः हेत् : क्री : क्रेंच या लेया नायुदया क्रियः क्रेंच । या प्रत्य न न या या प्रत्य हेत् । त्या या प्रत्य हेत श्रीवरःश्रम्वर्याः स्वितः द्वो तद्वः ददः वरुषः य। वुदः श्रेस्रवः ग्रीः द्वाः यदे । यमेशनाहेत्रप्र भेत्रप्र भेत्रप्र भेत्रप्र भार्य स्थाप्य स्थित्र भार्य स्थाप्य स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्था यनवार्याञ्चीयरायने वानेवार्यात्ये। वरायाकेत्रायेति व्यव्यायात्रेते स्वान्या ग्रयः सृग्रयः श्रीः स्र्ययः स्रायः द्रायः द्रायः विष्यः विष्यः श्रीः स्रायः विष्यः विष्यः श्रीः स्रायः विष्यः भ्रम्यरायदीराद्रभेषायाध्रीयायगाराद्रयाञ्चायादेश्चायोगस्य स्वात्वायादेश्चायायायाया ५८:ये हेव की स्रेंचरा तर्ने या द्वीते हेव की स्रेंचरा ५८ वर वी हेव की स्रेंचरा वाहेरा येंन यर लेखान्वीया धुँदै हे ब छै सूर्व याने स्मान्य वर्ने राम्ना या है है से अखान्य व यश्चेरायाने ध्वेता वरावी हेत् श्ची श्चेराया श्चेराया सुरवर्शी यान्दर श्चिर स्वाय सर्वेता सर्वेता सर्वेता सर्वेता स्वाय स श्रेम्यान विस्तरम् वि दे'भित'यम। ध्रिते'हेत'क्की'स्रेवमाक्कीदें'चें'न्न्'य'भित'यमातन्त्र'य'ने'सूर'द्वेन्'क्कु यात्रः के यः धीतः देशि

यहिमायहेमानुसानुसानुसानुसान् वितायते सूर्यमही। देवित सुर्वा प्रमान सुर्वा सुर्वा प्रमान सुर्वा प्रमान सुर्वा प्रमान सुर्वा प्रमान सुर्वा प्रमान सुर्वा सुर्

मैयार्म् रावहें नावि के दार् में मार्थिया की यात्र यात्र रावह या की स्वीति। दिवर्गान में ना से दिया है से दिया है से स्वाप्त का स्वाप्त से से से से सि सि सि से सि सि सि सि सि सि सि सि सि क्रेंतर्ने त्यापरावे तिर्देश ज्ञान क्रेंया ज्ञारका तर्ने त्या नुविषा त्या बेया पत्या पराया प्राप्त स्वारा वेन्द्रिसंसाक्ष्रीनुषाद्यायाददे द्वाषायाद्येरात्रायस्थाद्यार्यरायस्त्रात्रीस्थायायाददे त्यूरा र्श्वेषाः सुदः देः दृदः दुः तुः तुः तुः तुः तुः त्याः याः हृषाः सुः धीः सदः तुष्याः याः देः तृष्ययः योधाः स्वी यायर। युषाग्रीःक्चेन्वराधीःवक्रवाधीःक्चेन्यरःरवाःवीःक्चेन्वराधवियाःवीःवववाषाः योव। योवेश्वरायाम् क्षेट्रयो क्षेत्रियायाने स्मृत्यात्त्वृत्त्रक्षेत्रयो योवाक्षेत्रया অ: প্রবা: ঐব: মম: ঈর: ঐব মাম: ব্রুবা বাষ্ট্রম: শ্রীম: শূর ব মা নমুম: মা প্রমম: ডব্ বেলুই: ब्रेन्'गुरु'क्सॅर्-'बी'क्सॅन्'व्य'झ्वा'ॲन्'ने । वास्तुस्र'य'त्वीस'यते'क्सॅब्रिस्य'यप्रवास त्रपुर्श्चे र्वे त्रियः स्वाः सूर्यः यार्थेयः यारः प्रेरः यायायायायायायः सपुरः स्वारं सार्येयः रदःचत्रीतः क्षीः स्रीया या सी द्रयो या यसु द्रदारा सर्वस्थाया सी द्राप्ता सी विषया या गाँउ। श्चिमासी प्रती प्रतास के स्वास श्रेम्या यात्रदः प्रताः तहितः सृवात्राः श्रेष्ट्रियः यः प्रदः तवावाः वा सूर्यः वास्रुयः से श्रॅरन्नरश्यदेग्वरः वर्षः विश्वरायायः व हेश्यः यः क्रेवः येरः वश्चरः क्रुः से देग्वहैशः | शृत्याप्य क्षे के कि स्थाप्य का का का कि स्थाप्य के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स क्षेत्रेंदि। भूगासूर देत्रसम्प्रितेर यस गर प्रेत्र त त्रस भ्रेत प्रेर देश स

श्चित्त्वा केंद्रन्धिमहिष्णाय्यस्यायस्यायस्य स्वाप्त्रः स्वित्त्वास्य स्वित्त्वास्य स्वित्त्रः स्वित्वाः स्वित्त्रः स्वतः स्वतः

महिषायाम्बुदार्देवाच्चिमातृ चन्दाया

चलियामानेन संगीन हिंदी पार स्थान स्

यायार्थेषायायायवद्रासी देरायोस्यास्त्रीसायञ्चयायदे भ्रेषा स्रेत्राया श्चैतिःवयायायापीत्।यरः द्युत् सीत्।यायरः श्वयायान्दः तद्येवा यदीः वश्चेनः हेर्वायः श्चीःवयाः धेव:पर्या हेव:क्षे:क्षेत्रयःहेर:बोस्यय:क्षेत्रयःवेह:सूत्रय:क्षेत्रयःक्षेत्रयःवेह:सूत्रयःक्षेत्रयःक्षे तर्गः सूर्यायम् प्रतिः स्रवयाधिन यया यर्गा है र हेयाया स्रुवाया ये प्रतः है र त्या वी য়য়য়ড়৾ঀয়য়ড়ঀৼ৾য়ৼয়ৣড়য়ড়ড়ৼড়ৼড়৾য়য়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড় वर्देवः स्नेचर्यास्य स्वया बेर्यायास्य वर्ष्य स्टान्चर्यस्य स्वर्णाया बेर्यायास्य श्चे में र लेश पार पर हिन सामर्डेश द्वास्त्राय र ख़ें न से मसून पिन पते श्चे में ति माईया मी न्तुया वियाययाश्चिनायायाळग्यायदे यह्रायन्यान्यार ये विन्यायाश्चितः यर्थाक्ये सेटार्। बि.जासाबेरायदे यर्जा मार्चायदे राष्ट्रीयादि वर्षे स्वारायदे यार्ज क्चै'न्त्रुरु'ख्रा दुँ'यस'त् संस्थितेयस्। बिरुप्यस'दुँ'धिम'वर्न्'सुम्।स'र्हे'हे' ष्रपूर्य तपुर ब्राम्य के के ब्राम्य विष्य त्या के क्षेत्र के ब्राम्य विषय के विषय विषय के विषय के विषय के विषय यया वर्ने मञ्जेद मुन्य मुन्ययाय मी दे सूर हुँ भीवा दगर में विद्वा दह्युंबुर चराचा सर्ह्या द्रान्य स्थान विवासिया चित्र स्थान हे। दे प्यूर्य स्थान स्थान यावयाः सुरायायया दे ते यारया मुखागावा तर्या देव केवा सामिता सामिता या इस्रायान्यया दे हे सेस्रान्यत। नगरा न्याया येट्र हे निर्मायायते भ्रा विषयम् भ्रीयामहिषाक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राम्याम् विषयम् स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स ब्रैंनि: ह्रिया यापतः क्या क्या पर्वे या याया क्या प्राचीया प्राची क्वितःक्रमः पञ्चान्त्रुया स्त्री ५२:क्वीःक्रमः वीत्राः स्त्राः स्त्रीः क्वितः प्रकृतः प्रकृतः प्रकृतः प्रकृतः स इस्रयाधिताया न्याक्की क्रयावीयात्यादी वित्तेवास्यादेवितायात्रीहित्यकान्या न्तुः ङ्गुः तकेर द्येन क्षेत्रे विरा न्रान्यार या वाक्षेत्र क्या का क्षेत्र विषय [य:र्नेवा:ब्रू:र्क्रवाव्य:पदे:क्रि:वृदे:क्रून:प्नेवा वार:ब्री:स्:ब्रुट:न्ट:ख्:य:वर्से:पतया यदःवःर्डेदःयह। ब्रेंदःवार्थेवा दरःदश्चरमा श्रुःकेदमा श्रुदःदग्रीमः २८.कि.बुर्यायारीरया त्रारायायाराक्चीर.प्रयापःजयात्रास्त्रप्रम् ह्या द्रयाताया र्कर्राश्चर्ताया चर्त्रीयाय स्थापता व्याप्त स्थापता व्यापता व्यापता व्यापता स्थापता स्यापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स् श्रुश्चर्यत्यः दर्मा क्ष्याचीयाः के व्याचा क्ष्याची क्ष्याची क्ष्याची क्ष्याची क्ष्याची क्ष्याची क्ष्याची क्षय बु.च। र्य.क्रिच। श्रेच.क्रिच। यर्गेज.क्रिच.र्टर.चर्येथ। तुवा । श्रेरः वाद्वः इस्रसः दरः वद्वा ववसः वाद्वः वाहेसः दरः वक्कदः दः यक्षेत्। १२.४४। ह्राह्मेश्रयायह्यस्त्रेश्रयायद्विया विशयस्य देख्यायुरी ज्रायाः श्रुप्तः स्वायाः सुतिः स्वायः क्षयः पठुः वाय्याः श्रीयः यहेषः ययः सुव्यः यतः हे स्वायः न्यतः भुन्ते । लयः मञ्जाः ध्वाः मञ्जाः । ध्वाः मण्याः ययः देवाः सूर्वः मो दे हे स्वायः गारः महिन्यदे र्क्या श्रीया दिवाया ने प्यान हैं हो हो या प्यान मुद्दे से प्यान प्राप्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान न्गुःयामहेवःवयायद्वेवःयावेया नगुःने वे ले यायालुयावः न्ध्रीः ययो प्यवः स्ट्रीः प्यवेः <u> प्यार्दे हे क्षेत्राय क्ष</u>र्या वर्षेत्रा नगर के स्वा नायक यक क्षेत्र के सम्बन्ध न के निर्मा निर्मा के स्वा निर्मा गुनान्दरम्पेन यदे केन सहस्रायर हुँ रायदे यह वा हिन्य यद्द स्रीक्ष महाराय दिन

वयायितः तहतः क्रेंब वयायोः वर्षः वी वा बुवाया यह्न्व त्या त्युं विवा र र वी । व त्युं वी याया बिया सुर्या या त्या विवाया या ने त्या त्या विवाय सुर्या सिन् त्या सुर्या या स्थित स्था स्था स्था स्था स्था स्थ ब्रैंट्रिया विराधमाने सुप्ति द्वी सुरी सुप्ति साम्यानिया मुनी सामित्र स्थानिया स्थानिया सुप्ति स्थानिया सुप्ति स वर्षार्वेर चुदे खुन्न राष्ट्र मर्झे याया देवे। सुन्नो वर्ता नश्र प्राप्त स्था मुम्बर्ग रहित्याद्र पो खेयादहिर सेदायदे यद्या हेदा क्री यत्या मुखाहे। सर्केया यासुस्र स्यासुस्र गाुन्न तर्नु स्याधीस्र दर यन् या हिन् त्या धीन होन् ने स्याधीन न स्याधीन त्या भ्रीयमान्त्रीयम् भ्रीयमान्त्रीयायात्रदेवमायाय्येषाया वद्याः वत्रवाः वत्रमानम् सम्मान उन् ग्रीःश्वेषाः यः सी न्षो नितः यस नितः नितः हुः हेत् सी नित्यानि कष्यास नितः निरुष्या सासाः 'लेश'चेर'जेश'य'श्रेर'तर'झैरश'चेर'यश्रव अश्रेर'तर'शह्रेर'चेश्रव बेश'वः धीर्यायर्देन'यान्दायानुरा धीन् ग्रीयान्यीम्यायान्दायन्त्राचायान्दास्त्री वयायोग्रयाञ्च वयायाञ्च भेरि सुराययार्त्वे सुवा वसूया ववा कवाया स्रया उदा दर चलावया न्यलाङ्ग्रह्म्योग्रयान्यतः वीतायम् विवाधियानयम् स्ति ह्या वह्नानी मुद्दा कुन भी सेसस ५८ ख़्त या दे हेत भी हेन साथ दाते। ।दे तसा स्तु त्रि व प्रते स्वेत्र प्रस्तु प्राधिव है। दे प्यट के लेगा या दर्शे दे से स्राधित न्वींबान्ने न्वांन्त्राच्यान्य स्वारम्बान्य स्वारम्य स्वारम्बान्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्बान्य स्वारम्य <u> २४. चर्मा १२८. ग्रीया याचाया ताच्या १५७ वि. प्राप्त १५० वि.</u> र्थेन्यायात्र मुन्यायात्र विषयायात्र विषयात्र प्रमान्य विषया येन स्वार्मेर मुन्न कुन मले है। ने या वेन परि कुन मली कुरायाते क्षेप्रायाति अप्तायते क्षेप्रायाति अप्तायते क्षेप्रायते क्षेप्रायाति अप्तायते क्षेप्रायाति अप्तायति अप

न्द्री:पःसरःनुःभेन् त्यःने:यस्या स्वायःसदे:ज्ञायःसर्वोरःस्ट्रेन् स्या न्वोःस्ट्रेन् वीः सुगातर्वो व र्स्ट्रेन्य। सुन्य परितः स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स् यदे भुैं न नि लेंबा मान्या ने नि नि त्या मान्या में स्वर्थ में मान्या मा ক্রীব্রিমম:ধমমামা ব্রহ:মমম:গ্রীবস্থাব:মধ্যম:মা বামহ:মূবাম:গ্রীব্রম: क्षेत्रानुस्रस्यायानुस्रस्यात्यानुस्रस्यायानुस्य स्थान्त्रान्यानुस्य स्थान्यानुस्य स्थान्यानुस्य स्थान्यानुस्य श्रॅट वश ब्रेंब यदे शुं या ब्रेंच या ट कुया रह अर्थेट वी नवर वीश स्वायश यदे प्येंब हरायाञ्चर पास्या स्वार्तेवा वार्वेर सेस्र स्वार्थेन प्राप्त स्वार्थे वार्षेत्र स्वार्थेन स्वार्थ या क्यायास्ट सुर्यायारेयाकी नवर वीया स्थायार वाचा सुव से स्था सुर चयु.कु.च.२८.। लट.क्रैंर.नयु.कु.च.चधु.यु। शक्शका.श्रेर.कं.जर्गाचिवा.यद्वीय. ૡૢ૾ૺૺૢૺ૾ૹ૾ૺઽ૽ૣઌ૽ૺ૱૱ઌૹ૽૽ૹ૽૽ૡૢ૿ૡૢ૾ૺૢૺ૾ૹૣૹઌઌ૽૽૱૽૽ૹ૽૽૱ઌ૽૽૱ चबुर-भ्रेन-जावाजायह्वा-क्षी ब्रेशनायायायक्त्रयायोन-ख्राज्यायायचीत्र-ख्री-चार्यः यरे.यर.योवेयोय.तपु.सें.ता.विया.पदीय.ता.यो. रे.रेट.यट.रेट्य.यी.योट. त्तुः अप्तमो प्रतिः प्रतेशमानेत् अप्तशः क्रुशः क्रुशः या प्रतः सुर्वे प्राप्ते प्रश्ना प्रति । या महिन् या श्चरात्र ने रामि के निमान के न <u> २वा. मधु.कृषा. २८. मं. प्रा. जा. कृष्ण मा.कृष्ण मा.कृष</u> क्रिंद्र-वास्रुयात्रद्येयाः कॅद्र-कॅद्र-यायाः हेसायात्रवीं क्रुं उद्गः दे तद्यः पीद्या हस्यस्य दि केंस थःकन्दिन् भ्री वेशयायने यमने वाशयति यगादः यादिवा हेन यदि। यन्येम कुः बर्थार्दे सायाविम्ता सुरसार्वे रासे या द्यीया बुरसे दे स्यापाद द्यापाद द ग्राम् याक्षेया प्रीतः यायाम् त्राया द्वीया स्थानः त्रायम् । यो विद्यास स्थिता विद्यास स्थानः ।

तर्नु नेया विन्यम् नु स्ट क्षेत्राया मेर्नु न केट मानव क्षेत्राया सुन विद्या होन्या वया रदः क्षेत्रः क्षेत्रसुप्रयादा वित्राया सुन्तः तुष्राया क्षेत्रः सुन्तः क्षेत्रः स्वेतः स्वेतः यायदः याया स्वाप वह्वान्ध्री लेशनशास्त्रिंदायान्नेदायान्नवान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्र सुर्वोयः न ने के या नस्द्रमाय ने इसमा भ्रीन निविष्य में निविष्य निविष्य निविष्य निविष्य निविष्य निविष्य निविष्य ने या कुरि वेर्षा या मकुन न्दर त्व्या मुदि वेर्षा या मकुन श्री न्वेर मेरिया ने व्यया श्चार्यान्यायाः । १८१:य:७४:क्री:क्रियायायध्याःया । व्राःयः धी:५४:यक्रेट:ख्रुयः श्चरमा । नृष्णियः विवरं मानुनः संविधाः वर्ते । विषः इसः यः वर्श्वनः नृतः । त्यमानुते वेजाया च 🗗 ५ वेषा व्यापाय प्राप्त । वेषा व्यापाय प्राप्त । वेषा व्यापाय विष्य । वेषा विषय । वेषा विषय । ययाधीन्त्रवायाञ्चीया ।श्चेन्यायेवाययान्त्रत्यम् स्थ्रीया ।श्चेत्राययायेवायया यिष्यः हेरः श्रुका । प्रकेटः ह्याः विषाः प्रकार्या । प्रकार्यकाः विषाः ह्याः विषाः ह्याः विषाः । प्रकार्यकाः प र्या.धे.पश्चरा कियान्न.ज्या.चर.कर.भुन.र.पश्चरा विमान.क्रे.क्यान.क्रे. वेंनाययानित्रं न नरक्त्यीः क्रेन प्र रूप प्र विकास विकास विकास ववियाञ्चार्वे रावरापराकृताकुर्वाकुरायाञ्चात्राधित। वदेवार्देवार्थायायात्रा हरःश्चेश विशयः १ द्वायाः १ त्याः १ त्य न्याः वार्यायाः वार्ते राजान्यायाः विष्याः विष्याः निष्याः निष कॅॱ६८४४'य'य'सेविय'य'सूरानुयासी'नवी'वदे'यय'न्देर्यसुद्धन्य'न्द्रसीद्धन्य। क्र. रचर्या हुची शुरे वे या चर्या या त्राचा या व्याप्त हुन्य हुन्य हुची या स्त्रीयी त्र हुन्

श्रेश्वराद्मार्थित्रः परुषाय्यायां स्थित्य विष्यायां विष्यायां विष्यायां विष्यायां विष्यायां विष्यायां विष्याया प्रशास्त्रासान्द्रम् स्रोत्रस्य निवेष्ट्रस्य स्रोत्ता स्रोत्तर्भात्रा स्रोत्तर्भात्र स्रोत्तर स्रोत्तर स्रोत्तर यदे र्ह्मेचरा धेर हो। १५ वर्षा **द्विर कर होया यायय ग्राट हेस। ।** बेर्यायया हेबार्ड्येन र्र्येयात्तर सूर्यका रामा स्ट्रान्य प्रति सूर्यका यसून पा धीन हो क्या वा सेन यरे क्केंब्राय्य ग्राप्टा ध्रिवाकर क्केंब्रायो अध्यायो द्वारा विवास विवा श्रें माया या ना से प्राप्त में देश या विश्व स्था स्था में स्था स्था महत्व स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स चर्नुदः। विशानासुद्रसासूर। सूराक्की:यश्रायारोदासास्यार्म्याः त्रम् त्रुः त्रुं त्रुं त्रुं त्रुं त्र के दे ते हो त्रुं त्र्यं त्रुं त्रुं त्र्यं त्र्य कुः धीतः बोरः प्यदः। देः क्षुरः सीः ब्रोदः त्यस्य स्यादेः लो परुदः द्रदः द्रसः परुदः प्येदः द्र्यापरुदः प्येदः ब्रैंबर्ड। क्रुर्वेद्यस्य परिवायापर विवायापर विवेर्डस्य विवायापर दिस्त परिवासस्य वेयातर्वे। दे:सूरायववायायानुयाययान्ध्रीराहेयायायोदावायवाया हेबारवायाने न्दाने वस्रवाउदासी होता वस्रा हु लेवा पेदान विवास का से हो दायका কুরি র্ষুম মমম দে র্মুবা অ নন শ্রাদ মী ট্রীন নমম কুরি নম নহর প্রবাম শ্রু বারিম यःरेषः चेतः पञ्जाः नवीं षः यथा न्या चीः स्रेटः त्यः तहें रः चे रः पः त्रूरः स्रेवः यो यथा ने षदःवयःषदःतुःववःहवःवीदःयःदेःहेयःश्चितःश्चेत्रःयदेःश्चेत्रयःधेवःवी ।देःवया वित्रम्भ म् मार्थः मे स्वर्थः मे स्वर्थः मे स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स् पश्चेर। विश्वेशयाक्रियाशाभ्रियास्त्रीय पश्चेर पश्चेर विश्वेर व यक्त्रमावया । पर्नि द्वीय द्वीय स्वया स्वी ह्वीय। |बानुरासुयाधुरावर्द्वाया लुका । वर्वार्ट्यावश्वात्रार्थियामुश्रामुश्रामुक्ता । विद्यार्ट्याभूव । यर्थलाकी विरामार्ट्यक्रीमाश्चिमाक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राचीया । यालीकाचीरावरायहूर्दिः मर्खेय। विश्व विश्व मा श्वेन प्रत्या मा स्वाप्त स्वापत स्व याधेय.त्रायीय.धे.ब्रीट्रायद्व.क्षेत्रयायक्षेय.तालाय.ब्री । हे.लटा ब्रिट्राधियायाञ्चाया क्रियायते स्रेटा वियाययाञ्चा सार्हे हे स्रोसया नियाया प्रसामित स्राह्मे । १९५⁻श्ची:ब्रुम्|अ'ग|र:बुद:ळुव:बोस्यशंग्ची:सर्टेष्,बुद:बुद:बुद:व:१'म|द:वदे:द्ग्चीय:दविंर:५े'ळ' न्याप्त्रां स्यात्रां मृत्या क्रियाया है हिन् ग्राटा प्युट्या नृताया स्थाने सामित्रा विया म्याया । यस्त्रायास्त्रायस्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रस्त्रीस्त्रेरान्त्रा कुःणीवाःस्त्रवः यर र्ष्याय ग्रीय पर्सेर। वियायया ज्ञानदे न्यीय विरादा मारामयया वर्षेराना <u> ५च्च</u>ित्रराष्ट्रराष्ट्रमाराञ्चेतायार्ड्याञ्ची ५च्चीया५तुरुप्रासुः सुः प्रेनाप्तारायाः सुः सुः स्वाप्तायाः र्म्यायाः श्रीयाः प्रस्त्रीयः प्रस्तायायाः वयाः प्रस्तिया स्त्रीयः स्त्रीयः स्तरा स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स સ્ટ્રે'પ્પૈવા'નક્કુતૈ'સૃવાચ'તવું'ક્રુચચ'ન્ધે'-રૂ'ચન'ધ'ભૂર'વાસુન'ધચ'સેચચ'ક્ર્વ'છું'-રૂ'કે' यर्वो यः ब्रोद द्वानस्व दवास्त्रीयायास्य राविष्ठवायाविष्ठवायास्य स्वार्ध्याद्वायायास्त्रीर द पर्सेर पर्वेष भेर पर प्रयाया प्रमुख पर स्वाय स्व ययः रदः वी दवा विवा वयः धी वी चक्का या क्षेत्रा हे या देव दव वार्ये वा वदेव या ग्री कुंवा दु वर्तेन् ययावज्ञ्यायते स्वायादे हित्रीयादे हे येययाद्यते ज्ञाया कुत्वसूयावया यन पुरान ने रेवा हुँ र सर्वस्था न विषय स्था सुन्य गादे हुँ पीना सून शहेर २८.पश्चातात्वात्वीयाङ्गातुषात्वीयानुन्द्वीतिवार्म्यायोषातुन्तात्वयाकुः विवाया

ययः यः प्रतिष्ठः पुर्दे रः स्रोस्रास्य प्राप्ताय पुराय देश्य प्रति । स्री स्रोत्साय स्वाप्ताय । स्वीप्ताय स्वाप चर्न् द्वीर कुन स्रोस्र स्था विषय स्था चर्ने के स्वीर कुन शेसराग्रीनर्र्रिश्चरकुनःशेसराग्रीःश्चेत्रकेत्रांगान्र्राञ्चीर्याः स्राप्तास्यान्या प्रश्नात्रे प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्राप्त का से विष्टा दिस्त प्राञ्च प्रदेश मही मार्थ प्राप्त प्राप्त प्र ययानश्रेयाचेरामानुराद्यीत्यासूरायननायतीत्त्र्यानुनर्गोत्ते। ननुनार्चीत्रा कुन क्षेत्रों सेस्र स्ट्रीत (व देवा द्राप्त प्राप्त व विदेश देव हो। सुरा वाद प्राप्त से स्ट्रीय विद्या विदेश दे स्रायान्यात्रेयात्रेयात्रविष्यायाः स्रायात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्र यर्राष्ट्रे ने हिरास्यान्य महिषा से राग्नी ही के रहेर साम दे त्या वसालु न साहि। यन्त्रान्द्रावस्यात्रास्यस्यस्य स्वर्षाः । व्यस्त्रन्त्रेष्ट्रस्यः स्वर्षाः वस्यः विनः वर्षेत्रः श्रेवाः श्रेवः क्षेत्रः क्षेत्रः श्रेवा । व्यायुष्यः श्रुदः वरः सहैनः तुः योज्या विषायमा यद्यायाञ्चास्यस्यासाधितस्य स्यत्याद्रमाद्रमा বাধ্যুম: ইবাঝ: ব্রুবা: দু: বেরিম: বরি: মারব: আমা: মারাম: কর: রমম: ডব: গ্রী:শ্রুনি, যুম: দ্রা यीन् वासुस्र क्रीस नसम्बन्धः स्वीत्वी नदीः यस न्दा यस ने नवा गास्त स्वर होन वेन कुंक्याय सूर क्वेंट्य या स्या की केंत्र सेंट्य या तव्य तु सूर्या वसूर्य क्वेंट्य य रहीन तदः क्रीं क्रियं देश्वर ता इस्याद्धा वदः वाद्वर क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया या व्री:व्या:व्रि:सुर:अविशःयन:गात्र:व्यःश्रीमाशःतन:व्यास्यः। गार्वेनः व्रेन् क्षेजनें व व्रम्भ उन् र्श्वेन कन्य सुव सुव र्श्वेम स्वर्ण रदानित्र श्री श्रीमायादद हेंत् नेया श्रीश्चीयाया वरुषायती वात्र या सेवित हेवा सुद र्टायङ्गामा ग्रीय ङ्गामा ग्रीय द्वाया ग्रीय स्थापा ग्रीय स्थापा ग्रीय द्वाया प्रति स्थापा ग्रीय द्वाया ग्रीय द्वाय व्याय प्राय प्राय प्राय प्वाय प्राय प्रीय प्राय प हे रेवायाया द्याकर र्या कुर्यया दराय द्योगियाय दि द्योग राय हिरा कुर्यया स्टा वीयाययया

यर्कुवा वया में हि स्रेचि प्रचेव स्री स्थाप वर्षे प्रचाया स्थाव स्थाप स् तविर दुर हेरा वेर पार भूर। द्वापित सुवारा मुन पुर प्रतास की साम हा । सन्धन्यरावर्षरायवार्षरायायवायायायायायायायायायायायाया થીત્ર⁻ૠૢૢ૱'૱'ਘ도'ॸ्गाद'ૠૢૢ૽૱'ૡૺ૱'૱ત્ર'ફ઼૱૱'গ্রীন'গ্রীর'ঌৼ`য়'র র'য়'য়৾ঢ়' दे। शुनः र्वेनः र्षे क्रिनः यथा दशः हमयः श्रीनः स्रीनः स्रीनः स्राप्तः ब्रीटा विविधान्न साधीन सम्बर्धित साधीन विषय मुस्याय स्थान स्थान रदःवीश्राणवाःरित्विवाःयश्रार्थेन् स्नुस्रावःणदः। दवःयदेःवीवःर्वेवायःर्थेन् यशःनेःर्हेः रदःवाल्वनःशुःधीनःष्यरःश्चेदःतुःतेदःश्चेदःचःलीवाःधीनःवादःसदःवीःष्यदःश्चेदःतुःतेदःश्चेदः यःविषाः धेव। देरः कॅरः रुषः १ रुषः ४ रुषः वश्वायः वश्वायः वश्वायः यः वीरः क्रुः रे से ह्युः क्रेंट्यायायाने यया वाल्यायते व्यवस्थाने निष्णा । सात्युया वुटा वरासहेन नुः गर्रेज। विषयम् ने भू नुते भूग भूत हेरा भूर में रेग र मार्थ मार्थ में यक्षियाः श्रान्यस्य प्रत्याः प्रत्याः विद्याः स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य अः
तः
तः यान्द्रात्वाः भ्राचित्राव्यावयाकेषाः श्रीयाश्चीयाधीयः भ्रित्राचेत्राः । स्टाचीः विवानुः यायायायवेः स्रम्बन्यासुर्वित्वात्वात्वयास्त्रीयवित्रहेरवित्रयात्वात्वयास्त्रीत्यावेत्रप्तात्वेत् तुःवेंब् क्वैःवन्वाःवें वन्वाःवें वस्रायाः उन्।वः ववाः स्वरः वास्रुयः वन्नेनः वेन् परिः वदः वन्तुः शेंद द्रश्य दे च्रियश्य दे दे स्थार विद क्षिया यथा यद क्ष्य या दर द्यु ये द से द्रा त्वित्रप्र प्रश्वा श्चीय वस्रम् उप् श्चित्रा यर यस्य सम्बन्धा यस्य स्वीत्र । योचेयोयात्राचयत्राक्ष्यः कर्तः क्रीः स्नुत्राच्युदः स्वयायाः प्रेतः प्रेतः व्ययायायाः यो वियावाः स्वयायाः स्वय

यन्गः क्षेत्रः धेतः ययः अर्थो विदेतः धेत्। विदेशाः **यहाँ याः ग्रायः अर्थः** वियः ययः हे हि स्रोययः न्यतः न्याः क्रिंवाः क्रेषः यः प्येत्। **यातुः यूव्यप्यः** त्रेषः यः न्याः क्रिंवाः नेः क्रेन्। येः क्रिंवाः नेः क्रेन्। योः हेर्यासुर्क्षेट्रायम् सहिन् हेर्यामाधीत्। यह्रास्य मृत्ते स्य मृत्ते स्वर्था हेर्हे स्रोस्य द्यतः हिन् क्षेत्र चत्वा व्यक्ते चरः वाद्या यस्य स्टिन् केश्याद्या **देहि से स्ट**िक्स देश यः यन्याः यः यह्रम् स्यरः यत्युया सः सुः या सेव्यः त्रे सः न्यः सुः हे हिंद्रो स्वः सः त्रे सः सः न्यः सः स्यः स क्षेत्रायर द्वीर या देश विषय प्रति । यदे ते स्वाया विषय विषय है स्वाया है स इस्वेयापन्यायाः वेदातुः न्छेयाने स्थापदे यया श्रयाया स्थापन्य स्थापन्य स्थापन <u> २८.पश्र्रे. वश्रश्राताश्राचीयात्तासीय सीयाञ्चायात्त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या</u> **ড়য়ৢॱৼऄॣॕॱऄॱॾॣॱख़ॱ**ढ़॓ॺॱय़ॱॻॸॖॻॱॴॱॾॖ॓ॺॱॺॖ॔ॱक़ॻॺॱॺॺॱऄॱढ़ॼ॒ॴॱॻॸॱॻॿॖॻऻॺॱॶॱ मर्शेय लेश देव क्षे त्रवेय प्रते द्वार मीश स्मार में दिया प्रसूच स्थाप मुना प्रति । यायमार्वेदार्देवाप्तर्रेमा सुन्ते । स्वार्मा सुन्ते सुन्ते स्वार्मा स्वर्मा स्वार्मा রমমান্তর্ ম্বান্ট্র্মির ইবান্ট্রমান্তর ম্বান্ট্রা**র্মান্ট্রান্ট্রমা**র্ব্ব**র্মা**র্ব্বর্মার রমমান্তর্ त्व्वातायते नर्देशा व्यातानन्वा त्या सुर्थान् वार्षेया स्ट्रिसे पे गाउँ हुँ लेशायशारेश यर येग्रायायदे द्याया अर्केन् हु शुर्या शुन्न्य हैं है चद्रन्न नी खेस्राया श्रीरावर सर्हेर् छेग डेश. ५१ **५.५.५५** बेश. म. म. से स. हे. हे श. कपा श. शी. प्रवर् श्चाधिव सम्यास्त्र व निर्मा स्वाप्त व निर्मा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्य स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत **यायाः याञ्चात्रः** विकासान् निवासायाः वस्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्तरः वितायरासहैर किया केशाद्या विद्वास है है कि विश्व की विश्व तथा है कि स्वराय है है कैवा केष ५८१ **या कुष्य मृष्य या पाया मृष्युः** वै ५ वर्ष कैवा केव में दि खेया था ५ पद गर्दिहें वर्गिति । विशस्याय देव दे सुर ह्या वहुर अहर था

सूररायद नगत महिर शियो क इसमा सुतर सीत हुट वर् रे वृह तर् वा या साव । नमुम् सूर्या ग्री वर् त्या ग्रार कुर वर् तर् सीत पोर् पा पोत सेर् । स्या केत सर के चःक्चुःस्रक्षं, दरः क्षेत्रः सः श्रूचार्याञ्चरः चरः त्रदः श्रीतः खेरः त्रः त्याः स्त्रेतः हो स्रोदः त्रयः चाईवाः सः योत्। स्वायानम्या वनयाक्षीः वन् त्यानह् त्याने रायरा से स्वी निते स्वीत् । त्या श्चित्रास्र हे र लेका ने र प्रवेशित लेका या वाका करि। वित्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् व्रीटः सन्तर्भायम् स्थापन् स्थापने दिन्तर्भात् । स्थापने स्थापने स्थापने स्थापने स्थापने स्थापने स्थापने स्थापन हेरासुन्नवर परिक्षेत्रिक्षां विषय स्थित वा अर्वे स्थर दुस्य ग्रीस परिक्रिय परि विःयः क्रुवाः नविष्यः नेतिः स्रोनः स्रोत्रात्या वनिते वन्तिः स्राप्तात्वनः नवाः स्रोत्रान्यन् नः प्राप्ताः स् यम्यम्य संस्थान्य विषय संस्थान्य विषय स्थान्य विषय स्थान्य विषय स्थान्य स्थान् रेन नम्या तन्त्र ने प्यम श्रीय स्वाम विचायह्वा होन प्रति भ्रम स्वाम विमानविमा वियायह्या होत्याविष्या वियायह्या वियायह्या होत्येत्। तेय्यावियायह्या यीः मिले दे दर में र ने र दे में र ने र में र्म्यायाः क्रीक्षुः प्रीयो निर्मा विकासाः विकासाः विकासाः विकासाः विकासाः विकासाः विकासाः विकासाः विकासाः विकास योद्र-रेद्र-व्य-दे-वास्तुय्र-क्कि:क्किंक्य-प्रमुद्र-वा द्रद्र-क्किंक्य-वाद्र-व थीयो। अर्द्धेन हुन कुष्णे भी यो निरम्पति भी निरम्पति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप व्रेन ङ्मा भी भी को भी के निर्वा कि विकास के निर्वा के निर्वा की कि कि निर्वा की शु. व्रुच्च हो। अंश्रमाञ्च व्यामाञ्च क्ष्माञ्च स्मिन त्यन् भीत् स्मुन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन यहूँ शुरान्यात्रम् वार्यान्यात्रम् वार्यान्यात्रम् स्तर्यात्रम् स्तर्यात्रम् स्तर्यात्रम् स्तर्यात्रम् स्तर्यात्रम् स र्बेगः द्याः द्याः द्याः द्याः द्याः द्याः द्याः द्याः द्याः देः भूरः प्रेवः दुषः श्रः श्लीः हतेः श्रून रेन डेराय मुर्य या री रेर्जा हो। री श्रुम निरम्भन श्री होत तथा सु र्येजा प्यत् या गु'रु'यज्ञ'ववुद्ग्यावव्य'ग्री'श्चेव्यार्ययात्र्यायरः वर्र्यायः क्वियायरः वर्गोद्ग्यालेव्यवदेवः चलेत् भेर्न त्या ने प्यम् सूर्वाका सुर्वित चक्क् चक्काया सेन् स्वाकित्वा के क्वित् ही: स्रेर् . तुर् . तर्य . वृत्य या . वृत्य . तुर् . तुर . त গ্রবাপার। শক্তরে ইন্থেন্ডেন্ডির জীক্ষ্রির জীক্ষ্রির জীক্ষর জীক্ম वेंत् ग्राट प्रायाक के त्राये वा भ्री के या या त्र या ये वा सूत्र प्राया के वि के या 'खेबोर्या क्रीयाच वर्षेत्र'चा वर्षेत्र'च्चा त्रुवे त्रा श्रीया क्रीया क् म्माया प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति माने विषया प्रति सुनि होत दि प्रति सर्वेद केंबा सु बुर या वि विते यम वा के तर् बुर सा बेंद । येम वा ने दे वा र बेंद क येन न् श्रुरपान्य या व्यात्र भ्रोष्ट्रा विषया या विषया या विषया या विषया या विषया विषया विषया विषया विषया विषय नेति धुरस्माय लेयाय वर्षे क्रुयार्केन होन क्रुप्ये भी मो मलिर मनुर दयारे में मुनाया नविःस्वःविषाःभिवःनविषा नेदेःसूनवाःश्चेवायःत्वयान्।त्वयाःसंविषायःसेनःनेदेन्नः धिव। देःयः देनें श्वायः ययते व्यव दे। केंब्रा हेद देनें बाश्या केंब्रा कर रर.पर्षुष.क्रीश.चीय.त। व्रिष.क्रीश.मैयश.क्रीश.चीय.त। वेथ.तपु.शर्धेश.चीय.त. चलुःक्टः द्वेषा देः पटः स्वायाः सुः चैत्रः चैत्रयायः सः भ्रीः प्रदेः स्नदः सेत्रः साराः धिःधीः वो। दर्शे व्हेर वी धी वो। वेद धिवा था श्रेवाश या धेद या द्वेर त्वा सुदिः है। वेद्रायदे सेदाय लेकाय वेद्रास्त्र प्रेवा वेद्रास्त्र व्यवस्त्र सेवाका सुन्दी देशीय वक्तवरानुरा र्केंब हिन दें विवास्तान प्राप्ताने समया उन हिन रक्ते सहसाम हिन सी र्ट्.च्र.चीय। क्र्य.२४.४८.वर्ष्य.क्रीय.वीय.ता.वीय.श्रुय.श्रुय.त्रीय.पद्य.४८.वर्ष्य.वर्षे. योद्दर्भूव। व्रीत्र ब्रीक्षायक्क्ष्मवर्षा ग्रीका ग्रीवाया ग्रास्त्र देव के स्टारिक स्ट तपुर्यं यार्यासीयाः मितात्तपुर अक्ष्यं क्रियायाः सीचित्रः क्रीयायस्यया विष्यः पर्यः साम्रास्य मुन'या श्चेत'दर हें र प्'वलित'र्'तर्दर्भ मुंचिष्रायोद त्यवुर प्रायमिर हेंया यारेत सुर षीत्। ने'नर्यात् 'वेन्'केर्याक्कृयायोर्यान्वेत् त्रयायासुयाकुँत केन्त्रयासुयायदे'वेर त्रिः दर्भावर्था चीतः विदेश खेत की स्रीया क्रेत्र या द्वीत्र दा व्यव्यव्यक्त स्वाप्त १ अयः न वेयः न वरः । वेषः श्रीयः न स्वयः यदः देनः स्वयः श्रीः यस् ग्रीः यस् ग्रीः यस् ग्रीः यस् श्रीचयः ज.ची.सेर.यसीर। की.ज.धे.सेर.यसी चर्चा.ज.चर्चा.सेर.च। रू.चेर्चा. वार्चिम्यास्त्रेन्त्, कुन्तः इस्रयासीयाम्यान्यार्चिनः यदेः सूम्ययाने प्याहेयास्त्रे सी सूम्यायान्य श्रीयायाम्भुवात्वयामञ्जूराश्रीरविषाःस्रुयायाधीव। श्रीराधरार्यराज्यां वीवायाविस् र्द्धवःकन्। प्रदेशः विश्वः विश श्रीयश्चित्र। वृत्रियः श्राय्येत्रास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्र য়য়ৼয়৾৾৻ৡ৾৻ঽয়ড়ৄ৾ৼ৾৻য়ড়৾৻ৼৼ৾ড়য়৻ঢ়ৄৼ৻৸৾৾৽য়য়৻ড়৾য়৻ড়ৼ৻ৼৢৼ৻ড়৾য়৻ৼৼ৽ঽৼ৻ क्रेन महिना ग्रीन हिन दें र मन्यर तहन विन्य सेंद्र विद्या सकेंद्र यदे से क्रुंच सर सें पेंद्र यन् स्रम्येव वी विदेशम्बर्गा विदेशम्यम्बर्गा विदेशम्बर्गा विदेशमा विदेशम्बर्गा विदेशम्बर्गा विदेशम्यम्बर्गा विदेशमा विदेशम म्रो युदेर्त्रस्यायाम्बयाः स्नानस्यामस्यायम् व श्रीक्रिन्यस्य निष्याः वतः र्क्षन्यते प्रदा वह्रवः यदे र्क्षन्यते। प्रदार्थे व्यवस्था वदे र्क्षन्यते र्वे रायायो रोटाटी सूनानी सूटाटे न सून सुनाट न सूर्य प्राप्त होती बूदः कः श्रुवः श्रीः द्रगारः व वाः रहेवः केदः याः तद्देशः यरः चराः याः याः यो रः यो दः याः याः याः याः याः याः वयार्वेयाः साधीवः धरः रेयाः धरेः पर्यः कः प्रायः स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं र्देव प्रदानेया रेति इयायाया धीव यर धो लेया ग्रीया नेव प्रयाधीव प्रवासित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित चदिः खूषा को र प्येन् याने खूर चर्चे ब्यान के ब्या ने खूर प्येष कुरेन खूब यदि हे बर न्यमामी हो हिमार्डमालीमा साधीव यरानु स्थायि धीन देरासदेव सुसानु खूट देरा व्यायार्थेन्यायार्भुः श्रुद्धः श्रीयायायाया व्याययायायायायायायाः श्रीद्धाः व्याययायायायायायायायायायायायायायाया हीं अर भी रत्यू र या । अर्क्स अर रे वा अयः अर्क्स अर रे भी वा अयः वित्र हो वा वी अर भी र यहैं यर है व सक्व वस्य उद्दु स्थित स्था स्था व विद्या यतु व स्था व यह्रवायाक्षे। देख्रराष्ट्रवाययायह्रवाधीळंदायक्कदाद्रवास्यक्केयाद्रवेश यादःब्रुदःवस्रकान्छन् ख्रुते तिर्वेदःवीदः श्रदः स्युदः या ख्रुते तिर्वेदःवी लेका यहतः या विवा पतिः र्ह्यन् प्येत्। तेत् ग्रामः त्यमः न्यः मेरा यात्रः रहेसः मामायः से तुमः नुमः सर्वसम् से सः र्दे हे रोयय द्यंत स्रुप्युय लय सुवा सेवाय या वयय स्रुप्य द्वार प्रक्रिय देर क्वितः कः त्युज्ञात्राः व्यान् विज्ञान्यः जान्त्रा व्यान् व्यान्यः व्यान्यः विज्ञान्यः विज्ञान्यः विज्ञान्यः व न्भेग्रयायाम्ययाउन्यक्षानुः याञ्चेनायराययन् याच्चेनान्ये यानास्त्ररायनः द्युत्र प्रसूर स्तृ सूर्ये राष्ट्र सूर्ये राष्ट्र स्तृ त्युरा सुर विषय स्तृ विषय स्तृ स्तृ स्तर स्तृ सुर स्तृ सक्र हिन्य विश्व विश्व स्थित है यश्चिया ने स्थय क्षेत्र प्रति स्थित विश्व स्थित स्था स्था स्था स्था स्था स्था स

क्षेत्रयात्रक्रुरात्रासृत्र्। सेत्रक्षुयायदेखिरावेदिः स्वित्तर्त्वादुः सावि।वाष्परा शुःच। क्षेट्रां केंब्रा शुःदिवर्षेर विदेश स्वत्य मुन्दि । वास्य स्शुःच। समीदायः व्यट्यार्श्चेत्रित्रित्विरःव्यतिः सः तद्वाच्युः द्वापाण्यरः चसूत्रः या श्चेष्टे चित्रे केत् श्चेः विर्यः विरि: सः वर्वः सुरा दुः सी विष्यः विष्यः । विष्यः विष्यः । विष्यः विष्यः विष्यः । विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः । **इ.** ईश्रश्न. री. पर्टेट, क्रेपु. क्रेप्र. क्रेप्र. प्रेप्त. प्राप्त स्था. स. प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्था स. प्राप्त स. प्त स. प्राप्त स. प्राप्त स. प्राप्त स. प्राप्त स. प्राप्त स. प्राप क्षेप्तीः बर वस्य अरु निर्देश है ते निर्मार क्षेत्र क् न्व न्वातः चार्वितः योः वेषा क्रुन् या क्रुष्या व्याया व्याया विषया । विषया विषया विषया । यरे प्रमाश्चिम हे भू प्रवितः में विषद कुर् याप्तवम्य स्प्रम्य सम्भागति । दे न्या यर्वेद में निर्मादि से से सार्चे स्थाया थिया । निय स्थापित स्याप दिर म्रे। म्रियायाहे केदार्यदे यद्या १९८ छद्। विर्मे यदे यहि यदा मुस्या **यकै। ।**वेशयदिः कैंग म्हा न्या द्वा स्था सुम्बर्ग स्वास स्व यवःवयाचीन्यः द्वयाः १ अरुपः मध्ययः उद्यक्षयः व्यान्यवायः व्या श्चैन य हे य खुर दे यदे र्केन्य मयय उदानुद लिट द्वा यर यहंद द्वा विया बेशन्तर्भविद्यात्र्येत्र्यं स्वाप्त्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यः हेशन्या द्वाप्तर्भव स्वाप्तर्भव स्वाप्तर्य स्वाप्तर्भव स्वाप्तर्भव स्वाप्तर्भव स्वाप्तर्य स्वाप्तर्भव स्व भूरा देहे सेस्यान्यतन् सेसाम्बित वहुँसायन्य प्रस्थाप्या वया देशाया स्थाप्या वया देशाया स्थाप्या स्थाप्या स्थाप मुर्दिन् ग्रीश्रीयाश्चीय होता होता सम्मान्य प्रमान प्रमान के स्वापन के स्वाप ૄ૽ૼૹૺ૱૱ઽૣઌૡ૽ઌ૽૽ઌૢ૿૱ૹ૾ૢ૱ૹૢ૽૱૱ૡ**૽ૼ૾ૼૢૼૢૡૢ૱૱ઽૡ૽૽૱ઌ**૽૽ૺ૽૽ૢૺ૱**ઌ૱ रह** त्युकार्दे द्यार क्वी में दि. तु. कूँ प्येया मीका कार्क्त या विया हु क्वार विवा के कि राज्य है कि राज्य है अन् किया यी वर्ष **हें हे खे अव्यन्द्र यह दे हें के व्यन्द्र के व्यन्द्र के व्यन्त के व**

यदैः भ्रुवाशः श्रेवाः कुँ प्येवाः वी सम्बदः स्र र प्ये वो त्य वु चले चे वाश्य या व्यशः वेदः हो र वर्षेका विस्रकायासुरार्स्ने न्युन न्युन न्युन न्युन स्याम द्वीर स्रोतिका स्थित होता न्यून स्थान पहेत्यदे:रदावित्तुः अदशक्तियायः श्रुर विशाम् श्रुर शायशास्य स्ट हिन हेरा श्रेस्र । सुःवार्ययः प्रते सुवारागार वे दिः प्रते त्रात्वे र त्रात्या प्रति प्रति स्प्रत्या त्रात्या स्त्रात्यः बिनानी न्त्र रु. शुन्य र र्श्वेन रहें प्येन यद्य न द्या द्या यदि सर्देन उद बिना न्दा देवे यद्व दु खूँ द्यार ये। याष्य सुन हैं सेर ये। क्वा हु स द्यर ये। योल्य हियाया स्री में किया है। यो यो प्रकी प्रकी ये विषय प्रमान हिया या प्रकार विषय प्रमान स्थाप प्रकार विषय प्रमान स्थाप प्रमान स्थाप प्रकार विषय प्रमान स्थाप स्थाप प्रमान स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य नर्झेम। भूँनईस्म मुङ्केलेमयदेत्व्युः स्वेदिनेन मदलेम। भूँम् सूर्यः भेषः स्रेन्यमान केमान मान्यमान मान्यमान मान्यमान स्रोत्यमान स्रोत्यम स्रोत्यमान स्रोत्यमान स्रोत्यमान स्रोत्यमान स्रोत्यमान स्रोत्यमान स् त्रमान्यः योष्ट्रमान्ये । यो प्रत्यान्ये मान्यान्यः स्त्रमान्यः यो स्त्रमान्यः स्त्रमान्यः स्त्रमान्यः स्त्रमान ग्रीभादमें दिया भीवा केया प्रति सूर्वाया देव देव देव प्राप्त स्विता प्रीव प्रत्या अंतर्या अंतर्या अंतर्या विवासिया **ॸृॱक़ॗॕ**ॱढ़ॏॺॱॵॱॺॏॱढ़ॺॖॖॱऄ॒ॱऄ॔ॱॺॸॖॱॸॖॹॖॺॱय़ॺॱॵॺऻॱढ़ॺॖॖॱऄ॒ॱ॔॓ॺऒढ़ॕॸ॔ॱॿ॓ॸॱॸॖग़ऻॸॱऄॸॱ न्यरः वृदः अविदः वृदेः अर्देवाः उत्रः प्यरः वादर्शय। वेदः वेरः देः नवाः वक्कः क्रेंदः दुः क्युरः वया दर्भ हेर् हेर प्राया हिर्म क्षेत्र स्याप्त क्षेत्र स्याप्त क्षेत्र स्याप्त क्षेत्र स्याप्त हिर्म स्याप्त क्षेत्र स्याप्त क्षेत्र स्याप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स त्रकृते 'बेट 'विस्रक्ष' रच' त्रचुस्रक्ष' रचन्। स्रोद्दान् 'चबुम्बाकायते 'कुत्य' च 'खुक्ष' या 'खुक्ष' या 'खुक् त्यः अर्क्टर्-यः सुया । क्रेंचाया । क्षेचायः द्वायः हे प्रदः चीतः क्ष्ययः। वययः उर् देर् वेर विर्वेष क्रु र्केष या श्री ह्या यर श्रुर दया रर वा वियायया यर्केन दर्धिय स्त्रित स्त्रित

. लट.लुचे.प्रचे.द्रे अथ.जब.पुरं . चुर.चि.ट्रेचे.कै.जै.अर.पर्ह्यूक.तथ.चिश्रश.चेश्रश. रैवार्यानुवानी सेस्रयाउदा मस्याउदा था भेवा दे मस्ययाउदा की क्रुदाया भेदायते । শ্বীবা শ্বীবা শ্বুবা বশ্বথা ববা ক্রবাঝা ব্রমের বার্ডমারা প্রমার স্থার বার্মার বিশ্বর প্রমার প্রমার প্রমার প্রমার अ८८। ग्रीकान्वावया क्षेत्रें न्ग्रीतिह्या हेवा वस्त्राक्ष्य कर्मा स्वादित्य स्वादानित्र विदाः पिराया वर पर्वेर क्रीशामा अव स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स বাৰমকান্তব্যস্ত্ৰীবিদ্যালকালিদানীকানাৰমকান্তব্যহুৰি দুবি স্ত্ৰী हेवा. बराबा २५८ : ब्रिया व्या की दे चित्र च्रिय श्चेतःस्टुरमा विषागगुरमायः सृत्वेतावव देवाग**ञ्जामाञ्ज्ञेतः हेवा**यद्वेताः वर्चीवायायापीदायारेता देवयाश्चरायञ्चायवाञ्चात्रयाञ्चात्रयायाया वानेन्त्रवाष्ट्रयम् उत्तर्भाश्चिमार्वे न्यान्तर्भात्रम् । यदायदा सम्यान्य में साम्रीय दिन्द्र प्रथा न्या मुनाया निर्देश में प्रीय में स्थाप स्थाप स्थाप सम्बद्ध स्थाप सम्बद्ध स यह्र्यायाष्ट्रिया याप्तृत्याष्ट्रीया पृत्याचेत्रा व्ययाणुः वःकुरःवाधिय। वःकुरःम्विवाःवाधिय। मृविवाःयवीचिवः ह्याः क्रेयाः विया मुर्केषाचेषा यो तू नृते प्रमाने स्थापतित नृचियात्र षातू न प्यान स्थापता स्थापता । ॔ॱऄॣॱॸऄज़ॺॱऄॗ॔ॺॱय़ॱॸॣॸॱॿॖख़ॱॸढ़ऀॱॸॸॱॸॣख़ॱॹऄॹॱय़ॸॱॸॿज़ॱॸॺऀॺ। यया श्रीका या वर्षा विषय स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् वर्चीयः ब्रीयः ब्रीयः वर्ष्याः याद्याः र्वेण हिंहे सेयस द्वाद द्वित सुर्ड वद दरा विदेर दर सुर्डे केंद्र दर दिर विस्तर्भात्रमा । वित्रित्रिसर्व्यस्य सर्वेनाम सम्बद्धाः विद्यस्य । वित्रस्य विद्यस्य । **র্মবামনেক্র্যুস্কান্তর্ভিক্র ।** র্মবামান্ত্রীমানইন্দ্রান্ত্রের মেমান্ত্রীমামরবানক্র্রীর न्वें या ने सूर हैन रे नविन हें हे से समान्यत नहीं साविर धी वो नहीं न है सु स गुरुवा रे प्रज्ञूरु वा न्ये पुर्वे त्या स्त्रुन् गा से प्रहेवा या प्रवेत पुरु प्राप्त स्त्रुव स्त्रुर प्राप्त स यम्पर्यायस्य देव स्ट्रेट दु से त्रवेव य द्वा प्रमायम् त्रवा स्वा विश्व स्वा विश्व स्वा विश्व स्वा विश्व स्वा व क्षेर.च.चत्रम्थ.कर.रेच.उच्च.चर.क्षेर.मू.क्षेय.जम्बरम् वर्ष.केर.ह्र्य.मूम् इयः वर्ते रः गुतः वर्त्यः वे रः चुते व्युवायः ५८ः। ४८ः वे ५ः हे रः से अयः सुः वर्त्ते अः ययः पश्चेर्-रमा सःपव्रिम्मायायान्द्राचित्रः स्वीत्रम्भेर्द्रिम् स्वीत्रम्भाव्याः रेमा वर्षान्त्रिं श्रेवा श्रेवा श्रेवा वस्रा उर्द तके पर्वा वित से देश वर से रावर पश्चिम यादी कें ब्रुवाद्या क्रिका के व्या की व्यक्षित प्राप्त प्रवासीय विश्व वि न्भेग्रथायेन हें यापन्य प्रति रैयायर प्रेवायर मुस्य। दे सुन्तुति यया मुवद प्रेर्ट्य हे मुराक केंद्र प्रदेश न्भेग्रयायात्र्वन् व्यवासीयो स्वर्थायम् कुस्रवायो वृत्यायस्त्रे वृत्यायायाः केष्याया लट कूर्य तर्ग्ने तर्ग्य कंदु नयग्याय श्रुट विट य इसमा ग्रीय श्रुवया दर्गे सेसया नश्रीट ्रेर स्रोसरा क्रेंस पञ्चराया प्रहेत त्रराधीया पक्कि त्रव्याप्ययाया क्रुं प्रट तत्राम्युअन्देनययायासूरयन्दन्द्रीयायन्त्रीभूर्ययायान्त्रीस् धिवःवेँ॥

८ सङ्घयःश्चीः विद्य

५८:म्.अङ्गलाक्ची,रम्भूमान्दरावर्यलाक्ष्याङ्ग्रीरावस्रमाना

पर्वत्ता सम्बन्धः क्रिया क्रिया सम्बन्धः सम्वः सम्बन्धः स र्वा.त.भिर.तथ.कृत्।वात्राक्षेत्राय.कृत्राक्षेत्रा क्षेत्राक्षेत्रा अधिय.भिव.कृत्राक्षात्रायाव्यावात्रार्व्यात्र त्रात्त्रवा वर्शन् वस्रान्द्रायो वेषा श्रीकेषाया विष्याया हैयाया व द्वारा व विषया व विषया व क्री:ब्राट्स क्रिय:क्रिय:व्यव्यव्यव्यव्यव्यः ने:ब्राट्स क्रियः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः नश्रेकाराज्ञारमामे अराधेति नरानु न्यायाया श्रुप्त मार्थे व न्याया विष्या मार्थे व न्याया विष्या मार्थे व न्याया विष्या मार्थे व न्याया विष्या मार्थे व न्याया विषय व न्याया विषय व न्याया विषय व न्याया विषय व न्याया व व न्याया व न्याया व न्याया व न्याया व व व व व व व व व व व व व व व यार्ह्यर व्ययार्क्स्य हिन् श्रीयने दायायार्ह्यर प्रवेश्यायाः सृत्वेदिः वास्यर स्वासार्श्वेदः व्ययाधीदः यया ब्रवया विद्राय राज्या सारा प्रयासा वार्षेत्राया सारा महिना या हिना सारा सिना सारा स्थान स्थान श्चीयःश्चरः दर्गेषाय। देःस्र राज्ञात्रः सर्वेगःस्व स्थाः स्व स्थाः स्व स्थाः स्व स्थाः स्व स्थाः स्व स्थाः स्व यदः देविषाया विष्याया रवा व्यवा व्यवा व्यवा विष्या विषया यार्हेन्ययायम् । ने.श्रीन.श्रेन.श्रेन.प्रयायाने.श्री.हेन्ययाश्रीहोत्। । वेयायाने.श्रून.या जयाविद्यायासूर्या श्वीराव श्वीराव श्वीया श्वीया श्वीय श्चरयायते श्चेत्याकु यर्के स्वादा विवा प्येत् ग्राटा रहेरा वस्य या स्वादा विवा विवा प्येत् ग्राटा रहेरा वस्य स्वीत द्वा वी वता द् त्रा देः भरः सूरः वरुषः वर्षेद् वयषः ग्रीकेषा षाद्र सूरः येदः भेषः वेषः ग्रीकेषा षा यहिषाक्षित्र क्षेत्र प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ क्षेत्र प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ क्षेत्र प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ क्षेत्र क्षेत्र प्रतिष्ठ क्षेत्र क् यदः धुँचित्रान्दा वेत्रान्द्राच्या वेत्रान्त्राचेत्रा क्षेत्राच्या वित्राच्या वित्राच्या वित्राच्या वित्राच्या

বাধ্যম ই'নেইবি,ব্যম শ্রী ইবি ম বি হ'ষ্ট্রী ম বা দ্বিম আই বি ম শ্রী ইবি ম। য়ৼয়য়ৢয়য়ৢয়য়ৢয়য়য়ৢয়য়য়ৣয়য়ৣঢ়ড়৾য়৸ঢ়য়য়য়য়ড়ৼয়য়য়ড়ৼয়ঢ়য়ড়৾য়য়য়য়ৢয়ঢ়য়য়য়য় धीवःपपटः। यसः व्हेंनायान्तियः ग्रीः मुक्तःयायान्त्रेयावः सर्देवः नुः वश्चरः सीः श्वानः याने। न्ये प्रविषा व है स्रित न्यीय प्रविद्धाय विद्धाय देने हो साम स्रित हो पश्चीतः दश्यात्रीः अर्थेदः प्राया श्चीदः अद्भारम् स्वत्याः सुदः सुदः द्वादः दश्यः सुदः सीयः श्चीदः दे सार्हेदः नर्वोबायाधीय। ने या सुनाने होता बोधायती सुन्धीय सामाने वा बाही न सिन्धी सुन यक्ष्यः भेदः याचे वा व्यवेदः वेद्या विष्यः विषयः यादे : भी द्वार की या च क्री दा चु के दु च चे दे या क्री दाया के दाया के ता च क वयायन्द्रयालेषाः भेव। यर्देरावाक्षवारम्याङ्गियायदेः व्यट्टाकेवाकेवायदेः वया बेरकॅन्चें बर्मकारुन्यार्रमा सर्वेत्रासर्वेत्रास्त्रीत्। १५४ स्टाम् १३८ द्वान्येस्य न्यवःगशुर्यः श्रीः र्केवायः गहियः से त्वत् । के त्यूरः से त्वतः व। के त्यययः य। ब्रैं र.च.रश्रेयात्रात्रमा त्वराचः व्यवादः व्यवस्य उत् क्रें क्रें वर्षा वर्षः पर स्वरादः क्रें व धिव। दे प्रतिवर्ष पुरस्य वर्ष के प्रतिवर्ष के प्रतिवर्ण के प्रतिवर्ण के प्रतिवर्ण के प्रतिवर्ण के प्रतिवर्ण क ह्यन्यम् हो दे व वायम् स्वाया वयस उन् वार्ष्या या वे वाया स्वया वि यदः सः प्रीवः हो। स्वायः द्वीः क्वां या स्वायः द्वीः वा स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः

ॴज़ॗॱॴॹॖॱॴॸॖऀॱॻऻॺॖॴऄ॔ॱॴॸॱऄॱढ़ॾॱॺॗ॓ऻ ॴज़ॗॱॵॱॻऻॴॿॻॴॻऄॗऻॖॸॱय़ढ़ऀॱॸऀॴॴ য়য়য়৽ঽঀ৾৽য়ৢৼ৽য়ঽয়৽ৠ৾৽৾য়য়য়ৼঀৼ৾ঀ৾ ५८ हे अ क्षु अदे ख़ु क्षु र ख़्ट च दे के क्षु ट च ड अ च के द व अ अ की के जा अ ५८ T व्ययाने व्यया त्रुर प्रति व्ययया त्रुर प्रवाद प्रतिया प्रतिया प्रतिया स्वया प्रतिया स्वया स्वया स्वया स्वया स्व र्केन्यरस्य प्रस्ति । अ.५.स्. व्याप्ति स्थान्य स्थानिय स.स्. मिन्यर स्थानिय स्थानिय स.स्. स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. र्दे चे सूद प्रदे भे से अप्यो से अप्यो से मार्थ प्रदान के साम कर प्रदान के साम कर प्रदेश से अप पर्याद्रम् वर्षा क्षेत्रम् वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा मान्या स्तर्भ मान्या स्तर्भ मान्या स्तर्भ मान्या स्तर्भ वर्ष व ख़ूव ज्ञूच खूट च चले हे चर्के द वस्त्र गुः र्केवास हर। गार्वा विवास के दि श्रीः न्वेन्यमाधिक्या के स्वार्थ के स्वार्थ न्या के स्वार्थ क्षेत्र स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य त्रयायक्ष्यः भेन् या विवा त्यवायाया योव व तेर्दः नगात। तेर्व ग्रामः सम् उवा त्ययान्यः न ये[.]चर्याः क्रियाचाद्येत्राः चुरायह्याः दे 'द्राराहेत्राः अध्यायः विवादिरः द्रवेत्रा दे 'सूरः यन्द्रप्यम् के निया में कि ज्ञेर के द्वा सदे कि मान के मान चर्यवार्यात्रप्रे श्चे न्द्राच्यवार्या सुर्या श्ची बचर्या श्ची इस्राया स्रदा से स्थिन या ने वस्रया स्वता स्वा ৼৼ৻ৼৼ৾ঀৣ৻ড়য়৻য়ৣ৾৻ৼৣঢ়ৣ৻ৼয়য়য়৻ঽৼ৻ঢ়ৣড়ৣঀয়৻য়য়য়ঀয়৻য়৻য়য়য়৻য়ৣ৻ঀৼ৻ৼ৾৻য়৻ नसूत्र केंग्र नयम्य यादे वन्य वस्य अस्य उत् में ति देते त्र द्रु तर् न प्रेत प्रमा तर्ने ते मुःक्षुः वाकेन के नाधीत व्या विषया वान्य वान्य मान्य वान्य वान् बुद्दानदेःवाबुः बन्यावमानुः व्येषः नदेः नाबुद्दायमञ्जय क्रीःव्ययाध्येषा वयादेः मदः त्रुष व अष्ट्रेय वर्षेय वर्येय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्येय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्येय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्येय यय। व्याप्तायम् वाराप्ताने यायम् स्वीतः त्वार्यम् प्रति हो त्यायम् वाराप्ता विष् है:सूर:तत्याले:ब। प:कु:सु:पठका:सुव:प:से। ।वि:देर:वेद:प:कुंव:विसरा: वर्सेव। ।वश्रयःगहवःदेरःश्रेयशः स्नुदः डेगः स्रो । १२ से व्येवः यः वेशः रवः म् विरामिश्टरात्त्र अष्ट्रियास्य स्रीय स्रीय द्वीय स्ट्रिय स्ट यरः वाश्रुद्रशायते देव प्येव। देप्यदः क्रुः स्टः वी त्वर्द्धे स्वाद्यः स्वशास्य प्येव व रेव ये केदे सक्या वर्षेट या कुं द्वा या लेव वासाया पर हे द्दर विदाया म्राचारात्रः म्रेचारा विर्धः भ्रें स्रायाः भीवा ची स्रोदः पुरायाः यादा स्रायाः चादा स्रोदः । वादा स्रोदः यासुस्रायासुरस्यायाने प्यतात्रीं स्वात्रात्र का सुन्ना विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्या रेत ये के र्यान श्रीय होत द्वीय पर म्यूर्य या या महिन्या इया वहीं राय गुर्य युपु: प्रमेला बियो मार्थ प्रमेश प्रमान स्था प्रमेश हैं हिया. · व्यक्तिंयतुः चर्तेन्द्र स्वरूपकी वाकाया इस्रायमः द्वाप्यादे : द्वीवायाया स्वरूपकी दिवीं चावा व्या रदःस्वामीयासङ्ग्याश्चीमविदेश्चेदायादतुःददःरेवारीकेः इस्रयातुव दे याञ्चवाषार् प्रत्योद् त्रषात्रत्या कुरो कुया वाश्चा वाश्चा विदावस्या की वर्गेद् या नगानितः केन्द्रन्भेग्रायः हेत् ग्रुयः त्याय्यः नः भेत्। ने भ्याः भेराहेन् परिद्रतः हेब'र्'तवात'रेब'याईव'र्ये'वा'याईव'र्सूर्'वहवाबा'या'रे'र्'र्'वद्व'वर'द्वब'र्येब'यदे'र्छेर्' र् प्रवा यन प्रमास्य सङ्ग्रास्य द्रमा स्वीत् त्रमा सुरि न न स्वीति । व स्वीति । व स्वीति । व स्वीति । व स्वीति । यः भ्राचार्यस्य द्याः विदः वी वर्गे दियः वस्य स्वर र र दः वी द्वेः धीरा द्वाद सः वीदः देः प्यदः व्यदः स्वर स्व

८८.२त्तवा.श्रुर.देंश्चिताययात्वतात्व.च.५.वायर.कु.कु.क्या.त्वा हे.त्तर.श्रु.वाय्याक्ची. बुर विश्वराष्ट्री केंद्र सुंवा श्रुव अहुवा वावरा सुंवा वेद्र संसुद सहवा वियः वेदः र्क्स्यः सुदेः सह्या वेसः गसुद्रः सह। सहयः वत्यः पदेः सूत्रः सु मक्रेयाची मक्र्यायवीयामधात्रीयम्भितमायव्युष्टाक्र्यमाख्यायन्यम् र्यातः हेतः प्रेता दे त्या र्क्वेया युः पर्गोद् या स्वयवा उदः स्त्रुप्तवा प्युः स्वेत्ववा युः स्वीत्र व्याप्त नङ्ग्रीयः दयः सर्वेदः पदेः द्वायः सुः पत्वायः सुः प्रवेद्यः द्वायः । प्रायः श्रीदः सङ्घयः यभ्रिमामानदेन, मान्यत्रेयामान्त्रेयामान्यत्यामान्याम् हेन्। हिन्यमान्य वरासुन्युः धेवावा चुः यहरायार्दे त्याविया स्रोवावा यह्या स्था यह या स्था स्थिता स्थिता स्था स्था होता स्था स्था रेन्द्रम्बर्द्रहेवन्द्रहेवायायाळेवन्दित्रक्तुन्स्वेत्रयाक्षेवन्यस्यादेन्स्वन्यारेन्द्रन्यारेन्द्रम्बर् क्ष्रीर वी सः यः रे यतुवा अः सुः वार्ये वः र विष्या स्वा अः हेतः तुः यने यरः वाले वा अः यदिः मकूर हेब हीय ऱ्यायार र जियार मुंदे हे दे समया कूर र र मुंचा र दे समया प्रविधाया ही वार्शेषायदे अनु ब व रासकेंद्र या वार्ड रासा सरा से समार वा या से प्रवास समार वी सा नेप्परामार्डे मिर्दरासेस्राप्तमानामार्डरास्यापीत्। ह्युरापरामानस्यापराद्वी मेरास्त्र व्यया उर्न क्री क्रूं न नृत्वो निते क्रिया प्रदेश । विन्य मन्नु मुन्य स्त्र विवास है न यग्रमस्रे सक्रेन् यायम् सर्याय सम्माना स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

देव्यायकेंद्रायदेश्यक्ष्यायायतुवाधीहेवात्त्रयुयाददेवासुप्रवतुत्त्रयायाद्रा न्य्रीवायाययायन्त्र क्षेत्रयायायम् स्रावाय्याक्षेत्र क्षेत्रया क्षेत्राच्यायाय्यायायायायायायायायायायायायायाया क्रियायालेटायाद्यीयायावया औंख्राः द्वैः क्रिट्यास्यायायादियाहेत् द्वेपायाया मक्कुवै:बैटा ।रैव:केव:ब्रु:मर्व:ब्रु:श्रेवै:वर्चेर:मश्याम्रस्या व्रद्यार्श्वेर पश्यमार्य्यस्य वर्षया श्रीया । व्रिमार्श्वे वर्ष्य व्यवस्थित वर्षे स्थार विषा विषायति विष्यागायिकायीषा सूद सुंया सुवि सह्या यसूत्र या प्रेति है। बेरायदेः भै वो त्र्यु वार्युया दे यह ये क्वारा सुवार्युया की या विदासीदा यर्तेते मुंग्न्युम क्रिम क्रिम प्रमासम्बद्धायायात्त्युया चरि स्वा मी मासू द्रम्या है। बूट्यम्बर्भायदिवाःहेवःद्वेः नःस्वान्यकृतःबेटः। बियाययान्नीटः नविःरेः रवाःभ्रान्यस्यः र्टायक्यायदे क्रेंट्याय्या श्रीक्षिंट क्रेन्ये येदि वहेवा हेन्य श्रीया स्वाप्त श्रीते विराप्यायान देः यदः सूदः वासुरा लेखायः सूदः स्ववा वासुरा त्या वी वासी साही। ৰ্ম'শ্ব্ধুম্মা श्चीर प्रवित्ते राज्य स्थानिक बेर्याम्बुरमा नेत्रान केराया केराया मेराया स्वीता केराया माराया स्वीता स देःसृःतुःसूरःयःसूरःयासुर्याद्यैःसूरःकेवःधेवैःवहवाःहेवःहेःरेःरेःचलेवःचर्यारःवर्यालेरः विस्रयाचु न स्वा नकु र्ये द या दे स्वर्था कुषा सुवा यदि सुवा की वा दुवा लेट र्ये द वें। ।रेव:केव:ब्रू:पर्व,ख्र:केदे:वर्चेर:पर्यामानस्य। ।वेर्य:पर्यादविर:वेरिदेव: यें के दर हैं र तु रेद यें के वा सेंग्रायाय विर वें सा क्षुर विते कुवा यें वा द्वार विते कुवा श्चीत्र देव से कि स्त्रुप्तत्व त्राप्त विषयि । स्वाप्त स्वापक्षित्र व्यापिक स्वापक्षित्र व्यापिक स्वापक स्वापक न्देंबातवुँरक्षिःबर्छेन्यःर्रायः स्टाकीतवुँरःब्रिक्यःन्दानसूत्रःयदेःवाराववरःवारायेवायः

५८। सुथःश्रेवःश्रेषःम्,४४। वर्षाः स्थान्यः स्थान्यः वर्षः वेंद्र प्रवे प्रदेश में पेंद्र केंद्र में क्लिया क्लिया प्रदेश क्लिया केंद्र प्रवेश मुख्य केंद्र प्रवेश प्रदेश देते स्ट्रेट दुः रदः मी खुर्या व्येदया श्चेदित नो ना प्येद रुक्त ना ने स्ट्रीत ना ने नित्र ने स्थानि प्येत रही स्ट्रीत ना स्ट्रीत स्ट् र्क्ष म्हारा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वर क्षेत्र क्षे क्र्यायायायव्ययाचाने सुत्राक्षेट सुवा सुति सह्या धेता स्वा प्रत्या यन्वा युवा विद्या सुनि । वड्यायार्ष्णेर्यातत्वा श्रीयां । क्रियाशी त्विरावेरा व्यापा वश्चीरावदा श्रीरार्श्वेरा र्वेव । डेर्यायया प्रद्याची युर्याये द्या हुँ द्या सेवाया यदें राज वाडेया सु รุมरः मुः श्रेषिशः भीरः ग्रीः भुवारुः देरः वः भेरः क्रेरः वस्यश्यः उरः दवुवाः वः भेरः प्रश्
 द्रायदिः केंब्राणुः दिविरः वेंब्रा दर्शे प्रायं केंब्रा अवस्था उत् स्वायं उत् स्वायं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं उन् अद्वित परि यस नु क्षुर परि केंग्री कुय पेंदि श्रीन न्साय रह परित सुया परि श्री वितायर निर्म डेका ब्लेंब प्रयायहताया पीत्र दे ब्रुव सिर ब्लूवा सुदि स्रुवा सुदि स्रुवा प्रयायस बूट र्कुय सुवा सुवि सह्या विषित्र मा सुव स्वीत स्वीत स्वास सुव स्वीत स्वास सुव स्वास सुव स्वास सुव स्वास सुव स ॔ॶॖॹॺॱॻॖऀॱक़ॕॺॱॠॸॱॸॖॱॹढ़ॺॱक़ॕॖ॔॓॔॓॓ॱऒ॔ॸॺॱक़ॣढ़ॱॺॾॣ॓॓॔॓॓ॿऄॱॹ॒ॸॱॹॶॸॺॱऄ॔ॸॱय़ॱढ़ऀ। र्देना श्रीव नि ने क्षेत्र सुना में निर्मा निर्मा मुख्य स्वाम स्वी स्वी स्वाम स्वी स्वी स्वाम स्वी स्वी स्वी स क्या विदेन स्वरं मार्केन स्वरं हीय स्वरं सम्बन्धा विश्व समा विश्व समा स्वरं सम्बन्धित विराया क्रिंदिय विषया मुद्या है। दे प्यर देवा क्रीव प्यदेश केव सुवा चे यगेरि यदे बिटा बिरायय मेरि मे सुव सुदे बिट विस्वार दे दे सेट मे तस स्वार रुर्तेवा सेव परे केव श्री वाव या लेया वेवा सेव परे श्री र से ते विवा सेव पर यावर्षात्रुयान्याः सूचा यां प्रमीन प्रदे विदायस्य पो मेर्या देव यो केदी यावया सेन विदाय देशायात्रात्र्यत्र देवाशात्र्यते स्टूबा विशायशावात्र शाद्यात्र वी स्टूबा यी यग्रीन् प्यम् भूत्रित्याने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्वायाने स्व श्रीयश्चरत्या क्रेंश्चर्यायाचेषायाकेषायां नुश्चरेश्चराम्बायाच्चुवाचीत्रियः ज्रुंदेशर्यायात्रात्व्य देवायात्वरेत्रचीयात्वर्यः की क्रियात्वरेत्रात्वरेत्रात्वरेत्रात्वरेत्रात्वर्या त्रमायत्म्वीत्मात्म्यम् अत्रम्भात्म्यम् अत्रम् वर्षेत् स्येत् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम्यम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स् यरायायाया । सुरायरायेट्राञ्च्यात्रेतिः विदायाञ्चेतिः धराये । वेरायराञ्चेताः यास्तरमा सुसा गरसायार्सेन्सायार्देन प्रेत् श्रीसूयायदे सुर्से ग्रीस् ग्रीया यर्केन् प्रते श्रीत यो बन् पायर्नेन् नग्ति श्रीत स्व केंग्रिया प्राप्त यया प्रया प्राप्त यो ति यो न प्रशामार विष्युष्या ने भूति ने यो वाष्याप्र सुरा न्या सु मुत्रः भेतः व्येट्यः भुतिः सङ्घाः प्येतः वे । पास्यसः यान्यदः यरः केयः भुतिः सङ्घाः प्यसः रटः युग्रयाम् केरा मूर्ताया विता विता विता केरा मूर्ति सङ्घ्या यह ग्या स्वार स्वार हो स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार इयान्याम्बित्रतुरानुयायदे ह्या । श्रुम्या हे यादम्यम्य केंबा हेन देवा यया चक्किया अभिनेद्रः स्वयान्त्रपुर पहुच्यः सर्वेशान्याः बुद्रः । विशेषान्यवाः सूत्राः अपिन विद्राः वा क्रिंद्रायर सेंग विश्वाना शुरुषा है। दे प्यर श्रूर श्री द इस द्वा न वित्र सु तुस यदि विषयम् वे मेरिन् वेरिष्ठा सुदि विरावस्य प्रवित्य प्रेर मे प्रेर मे प्रवित्य या बूदःबिदःश्चेदःयदेःदर्देशःयें म्रथ्यान्तरः वादेदःयः नेदःवयः म्रथःययः द्वाःय। द्वीदयः वर ग्रायाया वर्षित तु त्याया सु पी ग्रावया युग्या सु से दि न्याया वर्षे ग्रावि दे या श्वायाहे सारवावा केंग्र हेन्द्रिया यथा वर्षेत्र । विषय यथा वर्षेत्र योश्या श्री स्वार्थ संस्था त्यायायायाया है दिन योश्या श्री सूर कार्य ते त्या स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स इल.क्ये.क्र्येयाञ्च्यामान्दराचरमानामान्यसम्बद्धराष्ट्रीत् इमान्यायी देलाचरी क्यान्यसम्बद्धरा

न्याना हो। तर्ने सूरा दूर्या वासूरा प्रते के वास्ता सुन में स्वीत वासूर के वास्ता है। शुः भैं दें चिर्म । बिर्म मासुरम् या प्रवित प्ये तमा रहा सुरायी। ८८. मुया. जुपु. पहुंच. प्राच्या. विष्या. प्राच्या क्रिया. युव्या. मुव्या. युव्या. मुव्या. मुव् र्वेच । डिरायराञ्जादर विवायित केंद्र वा त्वा राष्ट्र राये रावेद विदेश स्वाप्त विवाय इस्रायर द्या यदे विर विस्तरा केंद्रा चुदे कुंया दु चर्गे दिवा विश्वा दिंद की विदेश स योन्यरमिक्रायोन्यः व्याप्त्रम्यात्रम् क्रियाः विष्यामिक्रायाः मिक्रायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः चलेत्र-तृ-सुत्य-चर्यात् गात् -चर्याः क्रीतः लेट ।चर्यायाः चार्ने नः स्वतः चाले निर्देट्याः केत् चे वार्श्वेर्ट्रायर.बुवा डेबार्ट्राक्षराचब्रायाच्चीत्रिवार्च्चेर्ट्यास्त्रुतिःस्रङ्गवायसान्धरायरा क्र्यः सुदिः सह्याधिदादी । दिः षटः सहया द्यीः वित्यवाः सर्या वर्त्वरः स्ववायः दर्देशः नुःहे भूर पर्गेर् त्युम्या सङ्ग्य र्शे पर्नु स्था स्था स्था स्था सुर्य सुर्य । वबरःवयःयुरःकीःवरःयुरःधेवःवे । वारःयुरःसुवः अधरःवर्द्धेःवःक्केवः ययः नरः पश्यामे। ग्रीट (बुर्य स्ट्रेस प्राया ग्रीस श्रीस श्रीस से स से से स्ट्रिस से सामा स्ट्रीस प्राया स्ट्रीस प्राया स्ट्रीस स क्ट.य.बुर्या.रेग्रेश रे.लट.क्र्यायाययायायायययाययाययाययाय्या अर्कुचा मु : शुरूर पर अङ्गवा तर्युवाय तर्युर अर्थे । वर्षु अर्थे अर्थे । वर्षे अर्थे अर्थे । वर्षे वर्षे वर्षे नमन्त्रम् तनुत्राचातन्त्रीन् न्दर्सा भू निमाहेन निह्ना यर्केन् यर श्रुव र्यावाय कुंन्दरेय येया यर्केन्या तत्त्वाय या लेवा न्दर श्रुव या वाहेन्य या विवा पेर्न कॅन में व्य द्वे स्वावासुस न्दर सावदेश य विवा नगाव चर वासुर रा है। ये कु इ ने प्रक्षुत नुष कृषा य न्दर ये वा तर्रे दे हैं या या तर्रे षा या नुगाव। वर नु ॱॸ॔ऀॕॺॱॺऻढ़ॏढ़ऀॱऄॣॸॺॱऄॕॺऻॺॱॸग़ढ़ॱख़ॺॱॿॆॸॱॸऻॾॕॸॱऄॕॺऻॺॱॸढ़ॱॿॖऀॱॸॖऀॱॺॱऄॸॱय़ॱक़ॗॸॱ।

हेशकॅरवात्र दशदेदुशकुदेर्ज्याविषावहरत्त्व ग्रह्मास्त्रयायते सेरसूते देशादराया तदेशयाधराद्रगादार्श्वेषीत्रावास्तुद्रशयम्। र्क्ववायायम्यावात्रयाद्रात्रेर्वेद्येवाया म्मा स्थापन्त्रात्रम् स्थापन्त्रात्रा स्थापन्त्रम् स्थापन्त्रम् स्थापन्त्रम् स्थापन्त्रम् स्थापन्त्रम् स्थापन् क्षाश्चित्रानर्श्वर्यं वेष्ठात्रीः सूच्या क्षेत्रः सूच्या विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठ त्रमा भट्टे.क्रियोजायोजराष्ट्रीट.वश्रमा.क्ट्रीट्यातायोक्ष्या.सर्थर.क्रीयायश्चर वस्रयान्यवायाः वत्रात्रः वास्त्रः स्त्रात्रः स्त्रात्रः स्त्रात्रः स्त्रात्रः स्त्रात्रः स्त्रात्रः स्त्रात्र वर्देरः स्वाःवर्देवः वर्देः दरः वर्द्रोवः दुषः श्रुः वाश्वराः श्रीः यङ्गवः धीवः स्वरा देवेः वरः दुः सः वर्षाया येदाया ५ द्रात्वित्या स्तु वरा मुखरा चित्र सक्ष्या स्तु हो स्थाय देश हो राज्या यार प्रमृत् कुः भेरि दी अङ्गयाय प्रयापाय द्रियाया है वार्तु व्याप है वार्तु व्याप है वार्तु व्याप विश्व विश् श्रेदेःव्राट्यःश्चेर् ५८८ वरुषायाची वास्त्राचायाय स्वास्त्राचायायाया स्वास्त्रे ५५ स्त्रे ५५ स्वास्त्रे ५५ स्वास्त য়ৣয়ৼয়৻ৼৼ৻য়৾৽য়৻য়ৼৢয়ৼয়৻য়ৢয়৻য়ৣ৻ড়ৢৼ৻৸য়য়৻ৼয়৻ৼঀ৾য়য়য়৻ৼ৻ঢ়ৢৼ৸ঢ়ৢ৻য়ড়ৣৼ৻ तपुः इर्या वर्षाया वर् য়ৢ৶৽য়য়য়৽৴ৼয়ৣ৾য়৽য়য়৽য়ঽয়৽য়৽য়৽য়ৢড়৻য়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়য়৽৸ৼৼ৽ तर्रायाधीन,तार्झे हीते अष्टेजार्या वरायी अष्टेजारी अर्थे ही अर्थे ही अर्थे यर्थियः क्री.सै.कूर्याया पर्सेषा प्रयाप्तरा प्रवेश प्रष्टेता क्री.क्षेता ही स्थापनी स्थापनी प्रविद्या ही स्थापनी नविःम्वः स्वायः न्व्यायः श्रीः रे विष्यकेषाः स्वायः सन्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स विगःरुवःयः देवः ब्रेन्-दरः चरुवःयः व्रः श्रेदेः वर्देनः प्येवः दयम् योदः दुः चर्वययः वर्वयः केंग्।याने भूरावर मी अङ्ग्यान्य। यदान्ना अञ्जूषासुरासुरा मुख्यासुरा मुज्यासी भूरा मि रदःशेश्रयः भेनः चलेतः क्षेत्रे त्रं त्रः या नयसात्रयः ने ययः भेनः ग्रीयः सुवानवे सर्वेनः या

यहं मुस्ति स्वर्णा स्वर्णा स्वर्णानिया स्

उ गुःश्रुः येदेः र्द्धेग्यः ययग्यायः ग्रीवित्।

<u> ५८:ये वार्डेन क्री वो देव ही र वस्त्र या</u>

गर्डेन्'ग्री'खुर्याःश्चेत्र'त्रचूर्र'त्रचूर्र'त्र'षेत्। श्रूत्रयात्र'त्रेर'त्रने'र्यात्रस्न् सुरावतेः र्दुवानु वाष्ट्र रायतर व्येन् वा। वन्ने वयाने विश्वीय देवाया वयवाया स्ट युषास्रह्रवाश्ची र्द्धमानुरानमें नियाने दे सुंवायमा वर्षे षायमान । सामनन श्चीन्तरा वीयाधिवायासुप्तववातासुप्रायानतुन्।यविष्ठेवाःकरानुःवार्डेन्।यागुःसू धिदेःस्वायाः ययवायायदेशवायुदया देः पदः याचेवा वी सूत्र पक्कित की वर दी कर्द से देश वर्ति कुन् व्यापत्वम । मानन् स्रोन् स्याप्त विद्यास्य प्राप्त स्रो विद्यास्य योवर दें प्रस्ते पहुर विषयि हो एट या स्थाप विषय विषय विषय न्ध्रमा गर्डेन् डेर्यायायन्या डेलियायार्डेन् याधीयालीया यनुनायली न्दीन्यासु गुर्हेर्-र्र्ग्रेश-य-रेर्। वैवाश-यरुश-यर्र-र्-र्व्याश-सेर्-यर्र्। ।र्गर-वेर्-नर्रः दरः क्षेत्रः द्वेदः नर्द्र। ।देः षदः क्षेत्रः द्वेदः नर्द्रः थः वर्षः । विकास्यस्यः नमास्याचार्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या याः व्यायाः स्त्रायाः स्त्रायः स्त्रायाः स्त्रायः स्त दे। गुर्हेन् हुन् खूर्या वया प्रद्या सेन् हिंगुर्या यहिन स्थ्या स्था प्रदेन स्थ्या स न्द्राचित्रः मनिषाक्षेः मन्त्रान्त्रं याधितः युग्नाषात्र यास्यान्तः युः तुः श्रेषाः न्याः श्रुः नष्यः।

याईन् तन्य। र्क्या सुति प्युसा केवा विषय स्वारी सार्वे याति स्वारी सार्वे स्वारी सार्वे स्वारी सार्वे स्वारी सार्वे स्वारी स्वारी सार्वे स्वारी सार्वे स्वारी सार्वे सार्वे स्वारी सार्वे सार्

महिरायमाबुद देव दरेरा यन्दरया

वर्देर्स्वायरम्बतः डेर्यम्बर्यरम्। देवेर्देव् वेस्ट्रन्तुन् वर्यराष्ट्रीधीयोयः ८८.योट्ट्रिट्रेच्नेश.रच.क्री.ल.योड्य.च्यंत्रचेत्रा.चतु.त्रचेत्रा.चतु.त्रचेत्रा.चतु.त्रचेत्रा.ची.ल.यो.ल.ची हे केत येंबा बोबा उत्र नगर नुः सुन। वेषा रग सूर हेन वग बेंबा रर जावत ही कुन् क्षेत्रचन्ना वहीत नार्केन याने व्हार प्येता ने व्हान्ति हेन हेन न हो नाहिला येन् ग्रीनुद्रस्तुन योययार्वन् योन् निति दे चि उत् श्रीय रदः सुन् व्ययस्तु रुप्य रहेन् ययात्रायतः हेयानहेंद्रायय। रदानी स्नेदान्तियायु येयायात्रा वियायतः यविरादित्राक्षराविरा वाल्याच्याक्षराविष्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या वःसवाःबवाःववाःर्येषः दुरः श्चाःश्चेवाः चलेवः येदः या विः व्यविः कः चुदः उवः वारः स्ववः हे सन्तुः अदे : यस नकुन्ने ने ह्ये वे : क्रम्यायदे नुः वा द्रमा हिन् : वी य वेद : प्रस्ति : यस : स्ट : वी : युस मत्रमान्भेग्रमायान् उरामुरानायीत् त्रा न्रामे व्यान्मान् स्वराम् वयाः सन् द्वा वीयावियायर पश्चेन वतर केवा पर वास्ट्रियाय ने विष्ठे या वारास्त्र स्थान केंग दे तथा तदे र दया तदें त की केंग शुषा यह वा केंग विकास की का तहें ता की यक्ता विश्वसार्यस्यायदेः श्चेत्रस्य स्वित्रसार्या स्वित् । विक्वः यन्यायीः यनुनः वर्डम दियायर शुरा । वाषय हें द सें रया वर्द र वर्डम श्री ग्री ग्री मीया । वाश्चवायासुर विते प्रमुद्दा वित्या । वार्षे वाया वित्य वाया वित्य वाया वित्य वाया वित्य वाया वित्य वाया क्रिया इंद्रू क्रिया अनुमार्थ्य क्रिया श्री मार्थ्य क्रिया श्री मार्थ्य क्रिया श्री मार्थ्य क्रिया श्री मार्थ्य यदःचवःचयःदि। ।अःहरःदरःकुःधेयाःवीयःचर्द्रःकुरःचलु। ।वज्ञ्यासुस्रः **ग्रीतुषायबासुद्रवासेवायसुद्रा ।**बिषायासुद्रवाही देःप्पदा युषायाहेवा तहिंद्र चें र प्रकारभ्रा पर्देश विषय प्रकार र वी खुरा वदी व्यापन वा वहिंद्र श्री योषु रु.योडेश लेव रु.पहेंच पद त्युश ग्री लेव हेंग वस्र शंडर स.य वस चेंट प्रश्न स्था गर्वेन वुरस्य शुवायय क्रेन गर्वेन बुन खुन त्रीत वहन रहा रहा यर केंग्रय निहा स्रोधाराक्तरस्य प्रति: क्रेनिस्य प्राचित्र प्राचित्र । वित्राध्यसः स्टासेस्य प्राचित्र स्रोतः स्रोतः रेवा या ह्ये विराज्य कर या परि तु वा तया सा केता ही हो त्या या या विराज्य हिता था हिता है। न्वैत्रार्भणन्वेरायेन्न्यत्रेयाययाम्गायदेग्यवतन्त्रव्यानन्ता वर्षः यर्वा.ची.यर्रे. प्रकृषा.च्रिंबा अप्रायः च्रीता विषयः प्रष्यः स्त्री. त्वीवाषाः वावयः वाव्यः वाव्यः थःश्वेतःपत्वेतः नुःनेदः सेदः प्रसायकः प्रमायोः प्रनुनः दरः योशः सेस्य सेदः स्वनः प्रदेः सम्प्रदायान्यात्रा रहारीयाः विकासिकः स्राप्ताः स्रीयाः रदावी त्युकार्रे रुप्यदावीकार्केदावकाकार्रेवा हुप्तक्रीया बीदा। रेप्ते प्यदार्केवा सूक्षा त.मूर्य.योश्याक्ची.क्ची.बुर्य.योट.य.बुया.पै.यमूर्या योलम.धुर्य.सूर्यायरीट.यङ्गाज्ञी. ग्वाचाचीया वियासयावियासदास्याचाययात्रास्त्रीयाचाययात्रास्त्रीयाया ৾ढ़ॺऻॴय़ढ़ॱॳ॓ॴॸॻॱॻॖॏॴक़ॺऻॴॷॸॱॷॕॸऒय़ऻॶॴॹॖॱॸॗॕॺऻॱक़ॗॣॺऻॴऄॖॺॱॹॖॸॴॸऻॸॸॱ चल्रेन सेन सम्बद्धार महिन होन हो न्युवा च बुद च न न व बुवाय सुद सेहि ।

यर्द्रायर्ड्याव्यायाः विषा विषयायाः हेत्या व्यवायाः श्रीष्ट्रायेषा यर्द्धेत्या विषया श्रीट प्रविते सुट ये व्याप्त दिव लेव स्रोन प्रकाव सुट ये ते प्रमुन पर्वे साव साम देते विन प्रा चेया यार्ल्य व्ययाचे ५ रहेवा छीया चुङ्ग चेयाया डेयायया सुया यार्ल्य व व्यया चे ५ क्रीर्स्या क्रीया सुङ्कृतया सेन्याया में लेया स्नीयया यने रासेन्य प्रायसीयया यन्यम्य विवादिषान् स्थान् । देशान्य विवादान् । सुर्वे स्थान्य विवादान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य विंगः यदः श्वमः यक्तं न्दः महिषाः सुः येदः यरः रदः मीः वेदः यः वेषाः यः दे हिदः यथः वेदः श्रीः र्वेर् य रे हेर् न ब्रम् यर न स्था वर सेर्ट मस्यापार न दे न स्थापार न दे न स्थापार न दे न स्थापार न दे न स्थाप वलम । भ्रेन भ्रेन वासुमान्य सम्बन्ध सम अर्केन् क्रुव् श्री स्थान् र श्री मानवर्ष अन्य स्थान स्यान स्थान स मीयायनुन् सेरायल्। वियायया मेन्यते तेना मुः सेते रूटा यति व ही छा। सूर न्यराया ने प्यराखा सुरावेषायान्य उत्राख्या प्रयाची सून् क सुरावा सुराखी से । र्वे क्वित या नमूत्र या ने तर्रा प्येता ने त्या नुति प्या सुर मात्र वा या वा वा वा विकास वा वा वा वा वा वा वा व देंगा वर वी नम से ने से से से से लिल र वियान मार्थिया न से वा निवा था तकुःचन्वाःविष्रःहेतः।वरःश्र्राःचरःवश्रयःयःनः। यरःक्रुरश्रःयःयःयःत्रद्धुरःचःनेः ब्रेन् यते स्नेन व के प्रेया नगर ये अर्थे सुर वसूत वर्तुन स्रेते रन वित स्त प्रेन पर र्थेवा वर्षा देश देश है। यद्द सुरे देश क्रुव ही ये वर्षा समामाना वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा र् वियायर प्रयाय में याय प्रया विष्या विष्या मुख्या की स्वाय मुख्या में या नश्चरा विषयम्बस्यास्य स्वाम्यस्य देशो मार्थस श्चर्मा विषयम्बस्य स्वाम्यस्य स्वाम्यस्य स्वाम्यस्य स्वाम्यस्य स्व बुबं ययायत्रें दिन्द्रम् रावस्त्रुर्वयायर्के द्रायते स्यास् विवासीयात्र विवासी क्रीय (य देवा है: रे.ज. ख्र्यायाय प्रहेश्चेय वस्य १३८ ख्रुट्या । ख्रुश्चिय वाद्य सार धेरः श्चेया द्वानीयानादायानादादित् भीत्रदेशाचात्रात्र स्यासूर्वेनायास्य सुन्धुराने वनायो निया की निया की निर्देश करें निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर्म अने निर्म अने निर्मा वस्त्र अने निर वया **क्रायिक्ट्री** ब्रेय.पर्यी.यार्थियाः श्री.पर्यायाः प्रम्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः वैत् क्षीयर पुर्विषायाय प्राप्त स्थानिया वित्र व ह्याक्रीन्रेयायायायाययाउन् वित्रुया यनुत्रक्रीत्रयायायायायायाच्या वयायवेत्यायञ्चेषायाद्रायवयायवे स्ट्रेटात् द्वेत क्रेत् सायवे स्त्रायवे स्त्रायवे स्त्रायवे स्त्रायवे स्त्रायवे भुं अर्देन भुंग देन हैं न देन हैं न है स्वर्थ के स गहेरास्त्रुव नस्त्राप्तर स्वाप्त स्वाप्ताप्य मार्थर स्वीर्भे हे स्वार्थर गार गहेर सदे र्कुयाश्चित्रावहेंत्रायान्दा वार्येत्रायात्रमानवनानी स्ट्रेटानु विकेशो निया चयुः याः याः याः वर्षे याः याः वर्षे याः वर्ये याः वर् याः वर्षे याः वर्षे याः वर्षे याः वर्षे याः वर्षे याः वर्ये य न्यान्दानुषायते क्रितानुषायी न्याया न्याया स्तायानुषाया स्तायानुष्याय स्तायानुष्याय स्तायान्य स्तायान्य स्ताया ৻ঀয়য়ঀৡয়৻য়ৣয়ৼ৾ৼ৾য়য়য়য়ৼৢয়য়ৼৣয়য়ঢ়ৢয়য়ঢ়ৢয়য়ড়৻য়ৢয়য়ড়৻য়ৢয়য়ড়৻য়ৢয়য়ড় क्रशास्त्रा देवे स्ट्रेट वी काया सुराधी स्वराधी स्वराधी द्वारा स्वराधी ક્રેન્'યતે'વતે' કર્ન શ્રીત્રસાસવિત' વા' ખે. બે અ'ન્દ્ર-' વસા વસા શુના યતે ' ક્રેં આ ક્રેનું ન સુદ સ્ત્રેને ' क्रियायापुर्याञ्चायाविष्यम्यान्दरायस्यायास्यस्यस्य स्वर्तेत्रायाः निवर्तेत्रायाः स्वर्तेत्रायाः स्वर्तेत्रायाः म्रेट-दु-वर्गम्य-देग्य-व्यद-क्रम्य-श्री-अर्श्चित्शी-मर्ड-विर-श्रूर-पदि-विस्रय-म्युस-

रेवायानुवा वी योययान्य म्यययान्य है ने रायानुवा विवायाया प्रवित नुवायया वाद्या वया श्रूरः परः स्तुः वेयावा बुदः तहिवः बदः गारः वार्वेदः धतः स्वयः स्वयः वस्त्रायः वया लर.प्रकूर.लेज.प्रजूर.की.धेबोबारेचायश्रेर.। क्रियोबा.ह्यांबार्यवात्रकूर्याः धेव. र्देशः मुप्तः क्रिया । स्रयः वृद्यया विद्या स्रोत्रा स्रोत्रा स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः **रु.यार्वेर्-द्वेर-प्रयोगाय-देवाय-देवा** । बिय-यास्ट्र-य-प्र-दिय-द्वार-प्रस्व-प्र-त्त्रीय. हे त्या निष्यात्राच्याच्यात्र क्षेत्र य्याक्चीं अर्चे दाने प्राप्त अर्केना सेन लुदे अर्चे द न अर्चे द में प्रेद न द की यर्चेद्र-विद्र-क्रियाधीद्या देः प्यदः संस्तृदः स्त्रीत्रः याः याः स्वर्थः स्वरः स्वर कूर्यायाः चर्यायाः इत् क्ष्यायाः इत्हितः स्री. यी. क्ष्यः यी. या. यी. यी. न्याक्नुन् स्रोपित विप्तुवा वी स्रार्केवाया मध्यया उन् ग्रीया स्रुवाया स्रुवा यार्केन स्रोकेवि स्राप्ता ५८। ६५८ वे. भीवय पर्वे. क्रुंश में देश अप क्रुंग मार्थ प्रियोग है. योशूराःचर्या स्वीयाः ग्रीनिक्रीयाः यासीरः बुरः योशूर्याः यम्मा स्वीयः ह्यायाः ह्यायाः स्वीयाः स्वीयाः स्वीयाः सर्केना सुत्र न्द्रेश सुन होन। । डेश स्य रूट हिन श्री न सेन् स्य रूट प्ये ने शशीः र्क्रेवायायाहेयाहेयाया हेर्न् सेन्यायान्दरनेयानुते ह्येनाया हेर्स्यायान्या क्ष्याः १४ या कवा व्याया स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धिया । द्राप्ता स्वर्धिया स्वर्धिय स्वर्धिया स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिया स्वर्धिय स्वर्या स्वर्या स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्धिय स्वर्ध म्यायरायराय स्वायरायम् स्वायः वर्षे स्वार्थः सुदासाद्यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः नश्नदःनशःद्रशःक्ष्यःचिदःक्ष्यःनश्चीयःत्रष्ठःतयायःक्रीतःचरःकदःश्वशःवरः। वश्नदःनशःदशःक्ष्यःचदः। सर्वेर.भुषे.ज्यायातपु.क्र्यायात्रम्थात्वरात्रप्ताः विट.भ्रियात्रप्ताः प्रयास्यात्रा । स्यासः विवर्षरावित्र अर्थेन् अर्थेन्य विवर्ष अर्थेन् विवर्ष अर्थेन् विवर्ष अर्थेन र्-चन्यान्यान्ययान्यस्यान्यस्यान्त्रियान्त्रान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्त्रम् चल्रीत् नु चन्यायात्र क्रीत् नेयाय्य । व्ययया व्ययया व्ययया व्यवस्था विषयस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था विषयस्था विषयस्यस्था विषयस्था विषयस्यस्य स्थयस्य स्यास्य स्थयस्य स्थयस्य स्थयस्य स्यास्य स्थयस्य स्थयस्य स्थयस्य स्यास्य स्या र्चेया.श्चेर.इंपु.श्रम्म्य.रदा विर.तर.र्वेय.युर्च.युर्च.ययायाया.युर्या विरा নপ. ত্রিই.নম. ই. অব্যবাধা, সুবাধা, তার, ক্রবাধা, ক্রী, পার্ট্রার, ইপাধা, ক্রুপা, নম. ক্রীম. অম. অপা यन्। वर्ष्णेन्यन्ग्रान्वर्षेन्न्यरवर्ष्णेन्। व्यवर्षेन्य्यं स्याय्या वर्दे नगर वर्केन प्रेम स्वरंप क्षेत्र या स्वरंप क्षेत्र वर्षे स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप स्वरंप विष्यः मन्यायातक्रीन्याक्षेत्रामानसूत्राहे। यदायनुन्द्वीतियायदासूद्वायाने यसासे निया শ্বীমারমান্সমানীর অামার্কর মামান্সমান্সমান্তর প্রমামান্তর প্রমামানান্তর প্রমামান্তর প্রমামান্তর প্রমামান্তর প্রমাম श्चीय य द्वा य यदः सरासर्थे दः वस्य अराउदः र्वे विष्य यादः य उत्तर्दे दः श्ची यो स्वादः सरा चल्ने द्वायायम् दे या रदा रदा में भार्ये द्या सुद्वायायम् स्वायायम् व्याये द्वाये चुर्येन र्शेन। नायित् श्रुप्या वनायित न्यार्श्वा श्रीय वस्यय उन्तम सर्शेव हो इस्रयाच्ययान्द्रम् स्थान् द्वायान्त्रम् स्थायान्त्रम् स्थायान्त्रम् स्थायान्त्रम् स्थायान्त्रम् स्थायान्त्रम् यग्-क्रग्रथान्दरःयक्ष्यानः व्यायाक्ष्याः वृत्त्र्यायाः वृत्त्र्यायाः वृत्त्र्यायाः वृत्त्र्यायाः वृत्त्र्यायाः ग्रीचेग्रयाद्वर्षात्रम्यात्रम् हेर्प्तर्द्धेत्रः ह्येयायादे मेर्गित्यदाया वर्गे दादे देश्यम् म्यूया विर्म्यति स्रीट र्ड्स प्यट स्रोद प्यर देट वृष्ण श्रुवाषा यर प्यस्य या दे वि विश्वेद प्येत गर्यस्य। दे.लुबार्थ्याचीर क्याचीर क्याचीय प्राप्त प्राप्त स्था कर अधियात होते. क्षित्रीहरू स्थाली क्षेत्र प्रत्य प्र

मुर्यायात्रात्रकरायात्रात्रायात्राहेत् वययात्रत्यात्राह्म याप्यायात्रात्राह्म व्याप्यायात्राह्म स्रो वयान मुया स्वान विवाद निक्र मान्य । अवर अर्देन मुन्द अर्देन सुया अर्थ अर **गुत्र। |गनिकार्ह्स्ग्रामाळेत्रायस्यामञ्जाष्मः |**लेखामाख्रुस्यामयायाम् सुत्रा ५८। अर्केन्यरचेन्यतेःस्रावन्येः इयः तर्चेरः चः रदः हेन्। सर्केन्यते स्पूयः พरः अरः क्वीः अर्क्वोत् र अः शुक्षः यः वस्त्र अः उत् । ज्निकः हें न कः यः केतः वेदः अः पर्डराष्ट्रश्च विषयम्बार्टे विष्ट्रियापायाम्बादायदियाविष्यः श्रीसे से स्वाप्तायाम्बाद्या रदःचलैवःतवावायायोदःशुःखूदःकःयातद्वेयःभेदयासुःहेवायाय। র্থ'ব| श्चाया है गुरा द्विया ग्री देवा या सी वार्य या सम्याय केरा ये स्ट्रिस ख्रीया ग्रीय यादी वार्य युवायाद्वयायायावर्षेयायदेश्चीरानुःखूः वेयायान्येवयायदेशररायायाद्वयाया वलग्यारेत्। श्चेरवार्वेत् बेरावारित्यारेषावत्यासूरामी सावायत्वारहेतः ग्रव, देन श्री प्रव, व्याप्त व्याप्त विष्ठा, व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्ठा, विष्ठा, व्याप्त विष्ठा, विष्ठा, व्याप्त विष्ठा, विष्र विष्ठा, विष गर्डेर्। ।गर्डेर्-रे-गर्अ-र-र्युव-व-इव्य-वर्त्तेर-ध-व्यग्या ।वेश-गर्युर्श-यमा दे न्यासुस्राद्धः स्वादिद्धार्यः विवानी सेट प्यद्वास्या दे प्यदः वर पन्या तहें व की स पार्ट विद्यावया करें व तहे की व पेंद्र स्वर वर वर वर व वी.कॅर.च.पट्टे.दे.चरवयापट्टे.बाट्टवा.ब्रीया.क्रा.क्ट्र.कर.हा.लूट.ता.चवा.ह्येच.ह्य.हा.हा. यायालुबायायाहे पर्युद्धा श्रीकामासुरबायायू प्राप्ता वद्दे खेसवा श्री सामरासा नेवा व। । वर्दे वर्दे रु:वर्द्ध वर्षे वर्षे । वर्दे सेसस सु:वेस वर्धे वर्षे धिव। । तर्रे क्रेंट धर हेवायाव केंद्र धाधिव। । बियादर । वार्देव वार्वेद क्रेंब

क्रेंब तर्वेदि विन धेया यह्न देखा युरा

हैं वित्यक्षित्रपति हें स्वाप्त क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्

अदः द्रदः उवाः शें शेंदिः क्रीं वें हेंद्रः शेंद्रश्रायदे व्दः श्रीश वेवशा अदिवायदे । योर्ट्रेन क्रियाय बेटा क्रिट्याय दे यादा यावन प्राप्त प्राप्त क्रियाय क्रियाय विकास क्रियाय क्रियाय विकास क्रियाय विकास क्रियाय येन्या र्गेययायदेयान्द्युदाक्रकेयादी र्ख्यामदेवायायेन्यदेयीन्छेन् ५८। देवे प्रयाक्रमार्थाप्त प्रति हो राधे वा श्रीरामात्र वा स्वाप्त प्रति । विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व য়ৣ৾য়ৣ৾য়৶৻৵৾ৣঀৄৼ৻ঀ৵৻ ৸ৼ৻৴য়৻৸৻য়ৣ৻৸৻য়৻৸৻য়৻৸৻য়য়ৣ৸৻ৼয়ৣ৾৻ৠ৻৸৸ यालव क्रेंचरा ग्रीय विद्यायव क्रेंद्र द्याय लेट हुया था व्युव चेंदि क्लें खूरा विया वाया दु कुः श्रू वार वित्योव हो। कुःश्रू विश्वर दुर्वर विवाय शुः क्रुवा वरे वा सुर स्यार वितः यावर विवा र्ल्य रूट स्वाय श्रीय देव स्विवाय स्मृत्व वा स्वाय यय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय तर्ज्ञे नुषा क्रीत्र म्दर्भ मान्य में स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् लट.रेचा.तपु.क्रैज.च.रेक्रिश.तपु.जश.बुचा.ज.पहेचा.त.ज.चिर.शचिर.जूट.तुर. हेराया द्वेत्रारायते द्वेत्रीया प्रमाया प्रवास विद्याप्त प्रमाया प्रमाया विद्याप्त विद्याप्त विद्यापत्र विद्यापत्य विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्य विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्र विद्यापत्य विद्या ८८.८.४ प्रमान्त्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र क श्रेयशक्तरः र्र्यः केंश्याविवा वीश्याविवा त्यः केंश्यावन् र्तुश्वा दरः ये त्रवी त्रश वयायितः न्दः यभ्यायते योयया उव वयया उन् श्री नेव या वयया से केया वस्त्रा न्वीं अर्था सेन् देश नहें न्वया नवन् अविव त्याने विन होन होन त्या विन यायम् वायम् वायम् । या वायम् वायम् वायम् वित्रान्ते । यो वायम् वित्रान्ते । यो वायम् वित्रान्ते । यो वायम् वित वाङ्गास्त्रःस्। स्राधवास्त्रःसः व्यावातृवान्यावात्रः देवः वयः विवाः

ग्राम् भी भी भारती सार्केन व्यासमा मालका मन् मालका भन्न सामका कर्म साम्रीय व्यास न्दे न्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत सर्नेजान्तेन्रसार्धेन्साम्या र्वान्द्रम्भानायन्त्रम्भूदायद्वानेन्सस्तर्भावा सुरुष्युः व्यक्तिम् स्ट्रिक्ष्या स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्य स्ट्रिक्ष्य स्ट्रिक्य स केंदी की हवा क्रेंब गादी क्रेंब प्राप्त क्रेंब प्राप्त विश्व त्त्रा विषाम्बर्धस्यामया कुंत्रव्ययाननेवःह्वःकुःकुःव्युरावदेवःयरः द्युगः नुषा भेत्रायदायेत्राभेत्राचीयास्यायानेत्रायामुदाययानेयायाद् यार्थायायायायायायेता देःस्टाचराद्वात्यस्याचेत्रात्यः वेत्रात्यस्य विश्वात्यस्य विश्वात्यस्य विश्वात्यस्य विश्व त्यादि तुषा बुदा देवा बुवा वका तदी क्षेति देव केव क्षी वि यद क्षेत्र वि प्रति वी स्नायक विवाद र विवायावरिया देवासे द्यीतावर हो दार्थे दिया दे प्रीयाव स्वारी ही वारा ञ्जन त्र विषा या केत्र येति केवा पञ्चा पत्र त्या पत्र विष्ठा पत्र वि इंश्राम्युयार्क्टा द्वींश्रा दे या केंद्रा देवा केंद्रा की केंद्रा केंद्र क न्यायाम्बुयान्दाधिवामीवामीवामीवामीवामीवामा नेप्तायामीवामा यदयाक्क्यायी:वी:तयदायी:विवा पदावाबन वी:र्वे:प्रवयावाहन वी:तर्नुन यायी: नम् इस्यायस्त्रित्या स्रायदित्यास्यान्दात्र निर्मा स्रीस्यास्य स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप च्चा.सर. त्या. ज्रार. र्याया विभासकेया स्याया राज्या या साम क्षाया हो साम हो साम हो साम हो साम हो साम हो साम ह दे सामुदान सेस्रा उन ता दसेवायाय दि स्निदाहे से दाया प्रीता व दे पीन न स्निदाहे केन र्थे अन्तर्गेष तद्वीर ये तद्वीर ये अन्तर्गेष कुर कुर र्ड्या प्यर ये दायी वा मी.च.छे.दूर। वीक् किराजानाक श्रीरा है या क्ष्मा वी हैं सम्मायन राष्ट्री है है समरा भैव है। क्रम्यालेव द्राराय हैया प्रतिया हैया से स्थाप क्रम्याले वा प्योप है से सा नवीं या माउतामा वा सुमा से निराया विदेश में सुरार्के वा प्यान पेना या विदाय से ना म् म्यायन्याः सेन्। न्युयः भेराम् न्यया नृः स्याः भ्रमः स्यायाः र्जयायर्जन क्रियायर्जन स्वराज्यात्रीय स्वर्णा र्थेन्त्रा नेःवःक्षेटःहेःवैषाःक्षेर्यातःनेवैःग्रीटःवाःक्षेटःहेःनेरःनर्षेषा क्षेटःहेवैःयः वृष्ट्राच्या क्रिया क्र यान्यायात्वेयाययायायायार्थेवायार्थेन्यया त्वयात्यातन्त्रीयाय्वेवाञ्चेवायाय्वेवा ५ रेश त्युश हेव तदिते होट वशह्म होव होंट हो तह्या हीट त्यश ही रायश हो सार वयाययान्याः क्रेंचयाके नाधीवायया वित्याययान्य क्रीत्य्ययान् । वर्षायाययान्य व्यः श्रुवाः कुं लेवाः पेर्रा देवः ग्रारः कुं वासरः रुः वसवासः विवः यः इसः श्रीवः हीरः कुरः वर्ष्याच्चें र्ड्याप्पटायाविक्राचार्यायविक्राचिक्राचीक्रिक्षाचीक्राचा क्रिक्षेट्रा कुं तें दे र्च सूर्या र्च साधित हो। दश्या न स्था द्वा साधित स्वा स्था न स्था न स्था न स्था साधित साधित स्था स्था साधित स ५८ नष्ट्र म् स्वाप्तस्य की सेट रंग प्यट सेट्रा दे नगर हैं स्वर्ण नम्म निवर यदः यमः श्रेवः यस्तः या विवा सुदेः यमः देमः द्रश्वः यदः श्रृवः यस्यः स्वा स्वरः स्वा श्रेदः 'नवींबा ह्येंर'प्युन'डे'र्ड्यार्रर'। नुबानङ्गवाळेव'यर'र्येदे'नुबाप्युन'ङ्गेर्याचेवा' बर् द्रशायश्चर्येट स्ट्रेन्श ग्रीश बर् यदि त्या नेवा प्पेर् त्युका ग्राट । कुं सम्रद्ध छीः र्यर.ब्रीम.भ्रा.जीय.ब्रुच.ब्रीट.लर.ब्रीच.बाक्ट्र.तपु.जम.ब्रीच.जर.की.वर्षी.वर्षा.चर्चेमा

याच्चित्रायो वर्षा याप्रया हुन। साया क्ष्यासूना न्यायविया यद्भवःश्रेयशा वर्षेद्रःश्रेयशःश्रेविशःदेःहिःश्रयःदेःवर्षःविशःश्रेःश्रदः। दः दुर-दे-द्वरायाः भ्रेया केत्र-रर-येत् हो। यक्त्यया योदः श्रीः यया ययायाया यादर केया ५८ मु अ व्याप्य विष्ठ अ विष्ठ दे के अवस् अने की नुस्राय वा से की विष्ठ व बेयाकें वक्कुवायान्दावरान्यने इस्रयाग्रीया है ग्रेन्न नर्गेयालेयाने सुरावयसार्जे वहरा धिव या गवर्षा युग्राषा दें त्रादे विता वर्षा र तर्से द कुः धेद। द के विषय या र्रो से दि स्रुपे यर्ने व्रीयाया सुर सुर लिया यदा लिया । प्रानुद व्रीयाय ये वर व्यव स्था साम्यया योदा यो. २ ७ ८ ८ वो विया ५ ७ ८ यो वे सू रू ५ ७ ८ वि प्या यो या व विया अक्टेर तपु त्रा मार्ट्य क्रिय तयाय र स्वी मेर ग्रीट त्युम त्युद्ध त्यावी मार्थ मार्स्य स्वान्त्र र प्रा त्या क्षेत्र के देवा के अस्त क्षेत्र के अस्त क हैं सन्भृत्युः वीता मञ्जूना वर्षा मञ्जून सम्बेना प्येव वात्या । वीत्र्वस्वीतः वीत्रस्वा स्वरः वीतः श्रेषाः पश्चितः यः प्रस्था स्या श्रीयः श्री अर्थः यस्त्रेष्टः प्रतिवः स्वी अर्थः यस्त्रेषः यः स्वीतः याधीव रुदावद्य ने इस्राया श्री श्री न स्वाप्या प्रयासिका महिला प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स् यहेन्हेन्हेन् रदावावार्थार्थावार्थार्थावार्थार्थात्रेन्द्रयाविष् यन्तरम् इत्रत्वे त्वादः रे त्या सूनाय पीता दः के वा स्याप्त स्योतः श्रीयशायनदायासूत्र। दुदावर्श्वीस् सेंद्राचीसु चुत्राचत्रस्य ने कें वादावेरः ने केंदि रेवासपानसम् विरानुसायी वसायेदि नराविवा सुरासूवा नर्सवा रवसायेन। ने के नुन तर्यो भीत प्रका सूचा पर्यावा कुं या वाहिवाया ने त्या यत विवाया परि के या प्रसूचा ये थी

वेषा देव ग्राम् भ्राप्य रेम्स्य रेस्स रेस्स हेन्द्र दर्वे देसे हे व्यव ग्राम्स हेन् विषय है। रमःरमायदः भ्राक्तं स्वार्थः व्यवस्थान्य स्वार्थः विष्यस्य स्वार्थः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वर् महिंग्रथःश्रे में कुंदे केंश विदादर विश्वायश्यार्श्वा स्थायहे यर विदाय विश्वायः तुःर्कः कुर् । सुर्वः १९१। सेरः श्रेरः र्कं ल्वरः वीशः वर्वेयः वर्वः श्लेरः रुसरः उत्र नि र्शेट च ने र्रेंदि त्र मी सर के च चवा कवा सर्व यस सर्व सम्बन्ध र हे ने च प्येत ने केंग्र-न ख़ पिराया प्राया में या या विष्या में या विषय विषय में या में या में या में या या या विषय विषय विषय विषय विषय विषय रासेन्। न्रस्यान्स्यायमञ्जीयावरामेन्यान्दरन्दरायायार्थेन् यादारान्ययावार्थेन् यः दः र्के व्या चुन् प्रवितः प्रेन्त्र। दः र्के व्याने द्वायायायायाया चित्रं वित्राः या वित्रं वित्राः या वित्र थेवा यदःश्रेवायादे र्ड्यायाके। द्वो प्रदेश्यायाके। प्रदेश यद्याचेवा प्रदायम् पर्वयाम्भेत्रान्याययाययार्यसारीयसूत्रायदीययास्त्रीप्त्रास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्री श्चीत्युषारे विद्वाचीत् । देरावार्षेद्वाचीत् विद्वाचीत् । देरावार्षेद्वाचीत् विद्वाचीत् । विद्वाचीत् विद के'च'प्रेद'द'से'ख्रा'र्सेच'प्पेद'ग्राद'यशाग्री'यद'कवार्याग्रीस'से'दवाद'स'दीवा'हु'स्र्रीस' र क्रेंश-५-५६-विर क्र- वी मु रे ५ म्याया स्था न मा सुर म র্ডির:পৃষ্য:ক্র:ঘৃষ্যা वेशर्डमायशदेवपुत्रवाशयीक्षेत्रेक्त्रप्तरायधित। देणरायमाक्षेत्रावेश षाः प्रेयः नृदः षाः द्वीः विदेशः ग्रादः यथः द्वेरः श्वीयः विदार्थेद्। पदः प्रेयः नृदः ખદઃ શું: શ્રેંગ શઃ શું: એદ: ર્કસઃ ખદઃ દું: શ્રૂင: શુંદ: તાર શુંદ: તારે શે: અદઃ શેં ઃ ખેંદ: શું: રેદ: તારા સા दे.लय.क्री.श.रचर्यात्रस्यात्तवरात्वेयात्तात्त्रे.श्री ह्.य.चर्वरात्रात्ते.स्यात्रात्तीत्रात्वा

विया ज्या मक्रेन दिन या जीव यया या या निर्देश के जीन । ने स्वर्धन विवर्धन यदि । wयम्बरम्बन्यो सेन्द्रिन्देन्सेन्द्रिया अन्ति स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स वन्दाने वृत्र वक्कृत के बोबाब कर व्यवस्था कर या आपीत यदि ने ता की की की बीव की ता की ता है। रट विंग मृत्तुर्या व योव कु योद यदि कु यर्क्व योवा वीया योवट या व सूवा योव यया য়৾য়য়য়ড়ঀ৾য়য়য়ড়ঀ৻য়য়ৣ৾য়য়৸য়ঢ়ঀৣয়য়৻ৠৢৼঢ়ৄঢ়য়য়য়য়ঀঢ়৻ড়৻ৠৣঢ়ঢ়ৄঢ়ৢঢ়ৼ वुम्रका क्षेत्र हे दुर वर देवा कुर या भेर या लेवा भेर दा रे भर द तथर र र पहुंच श्चेदःवश्चदःवशःश्चेदःहेःकेःर्डयःयःश्चदःदर्वेषःयःधेव। श्चेदःहेःविवाःयेदःवःकेषः पञ्चयः भेः वे स्रि वयः भेदः वः स्रमः यद्ययः स्रमः भेदः यः दरः यद्ययः भेदः यः दरः यद्ययः भेदः केंबायाधिव न्दरकीव क्षेत्रकें किन्त्र वि न्दर न्दर क्षेत्र हे खेंद्र कोद्राया वायु क्कु सेद्रा ५५ - इत्रः क्षेत्रः हे हे के दुःतर्शे नायायदा र्शेषा वार्ये दार्थे दाया के वार्ये का वार्ये का वार्ये का वार्ये का धीव। ५५:५८:क्रीट:हेते:ब्र५:व्या:ब्रॅंट:वाट:प्यट:तयर:क्रुं:ब्रेट:यर। वीट:ब्र५त: क्रें येद द्वाय स्रुवयद या वद लिया यीय या र सेंद या र वक्क व या हैया या सेंद द्वा या बदायुषा द्वार भी त्येव प्यति । यया भी या स्थेता वर्दे वयारयाद्याय से संवर्षा कुरी गर्डेचें कुं त्व्याधीन केषा ग्रीन्न थ ८:उत्र:यं:य:५५:य:ब्रेट्-५वें(य:बे्य:य:ब्रेत्। कुःतज्ञराधीदाकेषाक्षीद्रद्रायाधीद्रा वहिना हेत : धर : द्वा नी : सू : य : बेर : य : दी बुअर्थान्दरक्षेराहेते क्रुवाने न्दरावया योनावा चिर ख्वा यो स्राया श्री या चेत्र लिया च हवा वःश्रुम्भुःशृः द्वरः देवाः विद्युर्वा कुः विदः यः येत्। देवेः तुवा सुः तत्रः द्विः त्वरः वीयावविरायरावेत्रावीयाची देयाववुरास्त्रीया रटार्नेवायाधीवायविःग्वववायवानुटा कुपःक्रीःश्रेश्रश्राद्ययः प्रदेश्चित्र्यः विद्रापः विद्रापः विद्रापः विद्रापः विद्रापः विद्रापः विद्रापः विद्रापः

याययार्ययायरावकुरारे हेंग्यायये यर्थाकुषाग्री में तयर हेंग शुरायाधी । वयायर क्रुव र् र कें यद्या वहें या स्नावया वही प्यव र प्वविव प्यें र र वाव र के प्ववि क्रु यक्षर क्षेत्र प्रेता वि: विन्ने न वि: विन्ने न वि: विन्ने क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत म्बरम्बर्भन् प्यव कर् ग्रीय वर त्यय रेषो नेव व्हेंया वर त्यय मी के वेषि वा नेव वेष्ट १४४१विर सामहेत्वाथ्यात्र मुन्या श्रीत्र मिन्य मीयात्रस्या प्रम् प्रवादित्र स्वाद्या स्वाद् ह्यूर-तु:बर-ब्रुव। वुट-कुव-ग्री:बोश्रवानिय:बेद-व-वे-बे-बे्-बे्ट-वेद-यदी:सुद-याने-सर-येयाञ्चर देवा यायेयाचा युः तुरी द्वेर प्येन्। दे स्रीत रेया यवुर वी र्ह्वे स्रीता स्रीता *ૄે*લિએઅષ્યએન્'કેન્ય કુનસ્કુન'એઅષ્ય:ગ્રીક્રે'કઅપ્યન્'આર્ક્કેન્યનેમ્'લિ'એસ્પ્રે र्शेषायञ्जयात्राज्ञात्राञ्चरात्रा योरीयोषात्रम् क्ष्यां के. क्षेत्राचित्रम् वीत्राज्ञात्रेयात्राज्ञात्र्याः व वक्कीर स्रावन विवा धीन प्यता ने न्युपा नवि से स्रावन विवा वी सु से र हेन स्रा भुःहेशःसरःहेःक्टेंप्ततेः नृश्चायः प्रदेशः सुःसःश्चेशः वीदः पत्रुवासः नवीतः श्ववाः यः उतः न्ययः श्रीयः श्रीदः वर्षेत् होतः यावतः विषाः धेतः यदः। व्याययः सदः श्रीदः श्रीवाः योतः त यवः व्यायाः येता व्याववः के वाः ययाः वर्षे वाः वरुतः सुवाः येवः श्रीः वरुत्वाः र्वेटरायर्र्यं स्रा वक्षाचारस्विष्याम् । या के क्षाचिरायर स्वास्त्रीया स्वास्त्रीय स्वास्त दर्वोबाःसबाः बरः प्रदेः त्यकाः ब्रेः विवाः देवः क्षेः स्रेटः वबाः सः विवाः त्युषः प्रवाः वीः यकाः गाः विवाः धीत्। देः इस्रमानिकेद्राधिदः श्रीत्राचित्राचित्राचित्राचित्राचे स्वात्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच बर पर । वहें अपवा से दान दान स्थान अर्थी स्नुद्र कर र दिये देवा राजा वापाय स्वी ज्ञिकाने से रामेरा क्षेर हे स्वर क्षेर विषय क्षेर क्षेर विषय क्षेर क्षेर विषय क्षेर क् यः सेन्। । इसः क्रेंसः यः हैं सुः चः यसः वास्ट्रसः यः सूरः धेत। यदः तवादः रेः से यर र्शे यर प्रेव प्रया है या करे वा सूर वा खार्स्व द्वार व्यया यसि विर स्वया कुत् न्सू য়ेदॱয়ৄৼॱঀৼ৻৸ৼ৾ঀ ড়৻ড়য়৻ড়৻য়ৢ৾৽য়ৢয়য়য়য়ৣয়৻য়ৢৼ৻য়য়৻ঢ়৾৽ঢ়য়ৣৄৼ৻য়য়৻ वेंद्र य प्रीवा दे प्यद क्षा वा वा वा क्षा क्षा क्षा का का वा विष्यु वा विष्यु वा विष्यु वा विष्यु वा विष्यु व रैट वे न कु ले अ ने र प्रति प्रेंप र के दि । विषय र र त्याय र र त्याय र विषय की व्याय र के का प्रया न्वातः वेटः श्चेनः वेटः यद्दियागाः येन् यरः तक्षः यन्वायोः ववायः यः वेवयः यय। श्चेः बेद लिया यी वद दु प्वस्त्वा वया है सुरास्त्रीय रही विराय प्रविया से के के विराय है। ५८-वुःर्केन्-ग्रीवान्त्रभाग्रीवान्त्रभाग्रीवान्त्रभाग्नीमा श्री श्रुति द्वार । स्रुत् स्ट्रिय स्रुत् स्ट्रिय स्रुत् स्ट्रिय स्रुत् स्ट्रिय स्रुत् स्वा हुःबन्बर्याक्षेटाव्याक्षेप्वतुदावरायाक्षेप्वर्देवायरासुवायादेपदावयादेटाक्षेत्रकाहेप्दे वदःवयः व्याः मृत्रः स्रोतः स्रोतः वीया वुरः वाष्यः वार्षेवः वः स्टः व्याः स्वायः व्याः स्वायः व्याः व्याः व्या याम्बर्धित्राचे वित्राचे वित्र वक्रीयार्थेकार्थेत्। भ्रीलियार्थाभ्रीलियायीर्भे स्नर्यालियार्थात्वयालियायीर्भे लुषा लर.शु.चु.च.वर्.लर.चु.जीयाश्रा.वर्.क्री वयाव.पु.क्रेर.वंश.क्र्य.ज. ब्रॅंबा हेंद ब्रॅंट्स रूट सुवाय ग्रैस हुट चया थू द्रींद सर्वेवा य द्र पा हे वा थमाम्रीन्वो नायानुवा निवेदानु तिहेसास्रावदायमार्थेन्या नेदी होटानु वाटा ववा देशकेंशरें अदे ग्वद देग वेशव। देवद दे वे प्राया भेव दसुर पा भेव।

र्वातर्वेरात्र्वारावेर्यात्र्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्व रेने सूर क्षेत्र पर। वे कुर च च कु च कु केंद्र केंद्र चेंद्र चेंद्र वेंद्र वेंद बूदःवरा वक्कवावावेंबाकुं येदाबूदःवरा याक्केवायावर्षेषाययासुराद् वयवःयरःवययः क्वें वाह्रवःवयःयः यहरःवर। यथः श्रेः द्वें यः यवयः वदिःयः यमयामानमभाराभेर्या हें भ्रें भ्रें मर्के ल्यम भेर् भ्रें मर दुर्वर या भ्रेत्रे स् र्शिकायपुर्धिः प्रत्यूषायस्थितायः स्वार्षित् ताः स्वार्वात्तर्भ्यात्रात्त्रेयाः त्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त र्वेषाः ५८:५:वेषाः चेरः सर्वाः यः प्रेषाः वस्तः स्त्रः स्त्रीः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्र वर्वेद्रायःश्लेष्रवाद्यात्रवाद्यात्र्यात्रव्यात्रव्यात्रव्या श्लेष्यात्रव्यात्रव्यात्रव्यात्रव्यात्रव्यात्रव्या शेस्रा भी श्रीत्र राया हे सुद दु श्रीद । ध्रीते तर्दे द र्थे द र्थे द रा श्री द राया है सुद र प्रति द र्थे द त्रुदःदेःवःह्युद्रःयदेःबुष्यःयःस्दःक्षेदःवःबोदःयःद्रयेसःब। वरुदःववाःह्वेदःयःददः तर्वा ११वा तकवा वार विकाश्वर। व क्रुं कें कुं वा सेवास यदे व्या से यदे प्रदेश इट सञ्जूषार्थेद्। दवद से या हे हैं विद या मु विद सं र दुरा से प्येश বহুম'বর্তুম'র্মুই'ব'ঝ'য়৾য়ৢয়'য়ঽ'য়ৢয়'য়ঽ'য়ৢয়ৢয়'য়য়ৄয়'য়ৢয়'য়য়ঀৢঢ়'য়ৢঢ়'য়ৢঢ়'য়ৢঢ়'য়ৢয়৾য়য় बिवार्थित्। स्निवसन्देरः स्नेर्वान्त्रत्या वित्ववित्राध्यस्य विवाधिकः स्वर्वाः विवाधिकः स्वर्वाः विवाधिकः स्वर देरवर्षात्रविद्धीर्भीत्राची देशीवर्षात्राकृतीः विद्वाराष्ट्रवर्षात्रे विद्वाराष्ट्रवर्षात्रे विद्वाराष्ट्रवर्षा शेसरायानारान्यस्य निर्देशानीत्रायाधीतासुरानेशा देनास्य त्रियानीत्रेयाः निर्देशानीत्राया रे विषायोद्गायदे विषार्श्वे र्स्यान् विद्यान् विद्यान् स्थित् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्

येग्रयाचे त्विग ने देश पेरि क्षेर परि क्षेर परि के स्वार परि के स्वार के स् न्वीयायाकु निविद्याने निक्षुतान स्वीत्री भीना यहान निवासन स्वीता सुनाहे या स क्रिंच(बृ.मू.४) त्या क्रुया तर्यो य शुर १४ शुया यर्श्वेश शास्या क्रिया श्रेश पक्रिट २८ र अमूर्य र्थे दिन् न्यम् येन् ग्रीयावस् याद्वेन् यायेम् त्ययानु त्यस् न्यादावाधीम् व'र्वेक्किकुट्। क्रुकार्वेक्वि क्रुकोर्यकुर्णव'णद' वरं व्यवसम्बन्धिक क्रिकार्वेकि नस्नानदे केन्द्रातन् याद्वेन्द्रविषा ने प्यत्य के वी ना क्ष्मा विषय । हि वींबायाञ्च त्यासुवा विञ्चावीषाळेवा प्रकार्यम्य स्त्रीत्र स्त्राच्य प्रविश्व स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री थःश्चेश्वार्श्वेदःश्वेद्। प्रदान्नेदःवाश्चेत्राः स्वार्श्वेदः स्वार्श्वेदः स्वार्श्वेदः स्वार्शेः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वर वयास्वर प्रते स्थान्य । त्राप्त व्याप्त स्थान त्यवारापदःराज्याचर्चेन् व्ययाचा वाले पन्ने याहेरा बुदः तह्वा या पहेरा न्या त्रयाक्रियायाष्ट्रिया सुद्रात्त्रवा प्रसूता स्ट्रेत्य्यया सुद्रात्त्र मात्रिया स्ट्रिया स्ट्र नक्रेशन्त्रीयात्रा इत्रक्ष्याश्चीर्येययात्र्यात्रात्रीत्र्यात्रात्रीत्रात्रीत्रात्री हैं गुपःकेवःवहेगवाकोनःपसूवःपवेःकेःसवावदेःसूरःग्रहःसू। यसाद्याःस्वार्यः त्तुर सेमरान्सुर स्रेमरा । इ.च.मर्नात्मरात्मरात्मरा । तमाश्चीः श्चेर-धे अन्नर-व्याश्चेर-धे श्चेर या ।श्चेर-धे अन्ययायाया के या सुरा। क्ची:अवर:ब्रुजा:देर्न:जारुव:ह्रेजार:क्रेव:वर्केवा । अवर:ब्रुजा:अ:ह्रेन:रर:व्यस:हेन्छे: य। विश्वास्त्रस्यायात्र्या देवाद्यान्त्रस्यान्त्रस्यायात्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त

 $\vec{A} = \vec{A} \cdot \vec{A} \cdot$ विर क्वा ग्री रोग्रया क्रुंदा था ख्रेंग प्रविषा दे ख्रा चुंदि ख्रेंद्र वह्या वी विर योग्या यश्चित्राः तृः तस्युर्यः तृः तस्युरः द्वेतिः योग्ययः तद्यव्यः योः १९४ : यः विवाः प्येत्र। स्रीरः हेः सर्र्राचर्ष्यस्य । विर्यसायाचरार्यादे त्यास्याप्यं । विर्यसायाच । איקרישאישריחשרין וחאאיטיבקיקיאיקרישאישריבקן ושאאישק. वर्षस्य द्वा त्य रवा त्य प्रस्य । हिना यर वर्षस्य प्रवाद वर त्य द्वा र्य र ह्या विश्वाम्बर्धरमासमा यायास्त्रमा सन्दर्भ स्ट्रम् विसा तमायारे स्त्रमा हुट देव के न धेव प्रशास्त्री यह विशास विशास की साम की साम की का की साम की साम की साम की साम की साम की साम की स क्षेत्रा या केता त्यव या है स्र क्षेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप वयरा उर् ग्रीया केंया त्या है नयसा नवर उत् न सूना हु शुर सेंद त्। स्नीर हेते रोम्रायान्य स्वतः स्वतः स्वायान्य स्वायान्य स्वतः स मयर्था उद् केरा क्षेत्र केरा में कुर देया वद केरा केरा की द्वा केरा कर विद्या देया तन्यः द्युनः व क्षेतः व वेनः क्षेतः यो न्याः वे स्टाः स्वायः यो या यो या स्वायः यो ना याता. हे. देवा. हवा. कुराभीय. ता. शूचीयाता. ता. ही. की. ही. ही. देर. श्रीय. श्रीया. শ্রীম'বর্ন্লী ই'শ্বেম'মী'রমম'স্ডদ্'ম্বীম'ই'শব'মীমম'শ্রী'নমম'শ'নরম'র্ম' *_* ५८.र्जेथ.तथ.यश्चितात्राञ्चेरत्याकी.त्रीची. हे.श्चातीतात्रात्तीयात्रात्तीयात्रीतात्रीतात्रीतात्रीतात्रीतात्री तीयातायाः क्षेत्राः तर्वाः वीदः वीताः त्रवः तान् । सीदः तृदः त्रवः तरावायाः सीवाः त्रवाः त्रवाः त्रवाः त्रवाः

इस्रान्नार्खेन्यसान्दान्यसान्द्रीत्रसान्द्रम् स्रान्नान्त्रम् स्रान्नान्द्रम् स्रान्नान्त्रम् स्रान्नान्त्रम् थॅर्-ब्रॅर्। देख्-तु-द्रॅशन्त्रव्यय्यर्देव-दु-ब्रु-रन्तर्वा दे-द्रगादा दे-द्रगाद यदः हुः अळॅ व छि य द्या द्या द्या है व या अदे सु द या या व ह्रे वा व्यवया से द या रेदा रुषादवः बेरावाक्षीदवः क्षीका क्षुवाविष्ठका वादावका क्षेत्रित्दवः क्षीव्यत् क्षीत्वित्रयादे व्यावेरा हे। ह्येन्-दर्व-स्ट-मीयानुयान्यान्य-दर्वान्य । वियामयुद्य-पदिःयुद्य-प्रस्त र्वेवा हु विया वा धीवा ५ में विया केंद्रा विवा वी वर वया ग्राम या क्रिया केंवा श्रेश्वराष्ट्रीट्रास्यम्बराष्ट्रीत्वराण्यस्य स्त्रीयः स्त यावन क्रु अर्टव वेयायदे नयो क्रुव र्टियाया वयायायाया राजुया वयाया प्रता वयायाया यालव द्वराया ग्रीय में दिवय या थी हो। विवाय या थी विवाय या भी विवाय या प्रायय विवाय या विवाय या प्रायय विवाय य ব্ ক্রুদ রমমান্ত্রবাশ বর্তুবারমানর নার পর প্রবামান্ত্রবামমান্ত্রবা মুবা মুবা বন্ধ্র क्रुं तर्वर्याम्बेर्या मुक्ता या प्रतापता प्रतापता से स्वापता से स्वापता से स्वापता से स्वापता से स्वापता से स यययः वेयः द्वो दे र्ष्ट्रेवा दे विया व्ययः कुः तद्ययः वः वहेया श्रेः सुवायः वः दरः यद्या स्नाम् यायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्र विवायित्वरत्वराषवाःविवारेत्वयाम्। यथः क्रि. युपुः रे. रूरः शुवाः जार्चवाताः क्षेत्रा हिरा क्रि. युः व्रिशः याचेरायासूरत्तेर्त्वोत्येन्सूयायेन्सून्देतेरस्थान्तुः शुर्यायायायेन्तेरते। दे यदः। द्र्योत्रः या नर्षे द्रदः या सुद्रया या प्रसे। । गृत्तु विद्याया या नर्षे प्रवा योदः इस्रयायान्त्रे। । प्यायान्त्रीयात्रवरान्यराज्यास्त्रीराहेर्ना । विवासरास्राहेवः

क सुः अते द्वया वर्द्धे र क्वी विदा

र्रः र्रे केवायालेर वाययात्रेनया

१) र्टेनियालेट म्यायायाय देनयाया दर्देया

न्वायमः स्रेभः वेदः यदेः क्षेत्रम् अन्यमः स्वायमः व्यवसः व्यवसः विः वदेः केरियः स्वा देश पाने हिंगायापान्ने पे त्रीं प्रकेत सी प्रीं प्रकेत सी प्रीं होंगा यो हैं व रखें ति प्रमार केत हो नाया सी पर्ने प यम्बरासिक्षेत्रायस्य प्रमानिक्षेत्रायस्य प्रमानिकायस्य दे प्रमानिकायस्य । विकासिकायस्य प्रमानिकायस्य । वर यो र्श्व तर्वेदि विरम्प हैयाया त्राया स्वायते द्वार विर्मे स्वयत्वे स्वी स्वीयत्वे स्वीय स्वया स्वीय ने प्यर हेवा वायवे पो ने वायर कुन वायर्व न् नुने न्यवे व्यववारी वायर विवास है। यदि इया दर्वे र की विदायदे या वदा वाकोका का वर्ष वाक्षुया की क्षेत्र का वरूदा दर्वे का है। यासुर्या क्री देश तम्भूत। दे त्यया प्रदासियाया लेट यायाया तदे प्रयासि सः खेयार्हे। रदःश्रूदःश्रुवःश्रुवःश्रुवःश्रवःयायः रवःविद्यस्य बिदः। । पर्योद्धः रवार्ह्मेन्या बर्या स्वीता न्याया देवी न्याया विष्यु स्वीता विष्यु स्वीता विष्यु स्वीता विषय स्वाता विषय स्वीता स्वाता स्वीता स या बियाम्डिमासुमामिक्ष्यन्यसम्बयाम् मेन्द्रिता बिन्यममिक्षर्नेस स्रम्यास्त्रुव मास्रुयाद्यायायरमाञ्चमाया । स्रुग्नेर्यरमञ्जूव पत्याप्यस्य है स्रुदे

श्रेटा भ्रित्ययावयागुवावद्यास्यविद्वासाद्या ।द्वेरसेद्यासिस्य इंस्व्ययदिस्ता । वियाग्रीकासुगाग्रीकासुवार्यरेकार्यदेस्वय याल्या में हे याल्य प्रमा में प्राप्त में प्रमा में प्राप्त प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रम में बाबुत्ता विषक्त्य.विर.बातूव.व.चर्.क्रॅर.लिश.बाकुवा.का क्रिका.तदु.क्र्र्ज.क्रिका. वित्रेष्ठिष्युर्ध्यमञ्जूषा विह्वचेर्ष्ठिषा विदेवेद् सुर्ग्ने दिन् विष्यूष्य विष्रः दूर् विद्ये दे वश्या शहूश्रा तद्य शुर्रा । विष्या वद्य है विषय शहे सी से वि ५८। भिन्नेन्त्रमध्यीयद्वातह्वत्त्रम्भित्राक्षी न्रायत्त्वत्त्व्यक्षिर्ध्यक्षेत्र् श्चित्र सूर्या निषय सूर्ट सहस्रायात्र संदेश स्ट्रिंग स्ट्रिंग विष्य र्वे वे गाः भः नरकेवा मिराविषा वीषा वसूत्रा ने प्यराखे या है विषाया है रे यह रा यायार्ट्स्यक्र्यायाधी ब्रिटावसमार्ख्येटायादी स्रोसमार्थेत्या केत्रां विर्देश्वेत्या **षेत्रःमबःबुदःश्चेदःदगःमः रवःवद्युमबःषेत्रःमःयःदेःखुरःषेत्रःमदेःदेशःवेबःददः** याया सूर सुन् दर्वाया हुँ र दर्गया दुवा खेसय उत् हुँ सूर दें या वेवा नेयात्व्यानते सूरानायान्या र्सूनाच्छुन् क्षीत्व्यासूरातर्वे नार्सी संदिसूरार्स्या कुर्वेरः व वादः वार्रवायातुवाः वे वेदिः बूदः कुंवाः वीत्वतः वारे रे बूदः वात्वरः पीदा वें या ग्री हों दि प्युवाया सूद हो दि सुन्दर पो वे या ग्री देवा या स्वराया प्रवा देवा विस्तर व वेंना हेंना तिव्यान ते सूर न न र हे व ति वेथ ह्या स्वर सूर न न हे या न र न षदःद्वाःषोःवेषःश्चेःसूदःचःवावषाःर्ह्वःषोवःभेतःभःरेद्। देःसूरःदेःसर्वरःस्वाः

वीयाञ्चाद्वरयाने। ययाद्वराचे प्रमान्य वयाञ्चरायाद्वरायाद्वर्या सुरावकरा सी सुरा यार व्रिंग पर्डे मान्या प्राप्त मुद्दे पर्दे मान्य प्राप्त क्षेत्र मुद्दे मान्य प्राप्त क्षेत्र मान्य प्राप्त क्षेत्र मान्य <u> ५८ : भे अः सुः ज्ञायायः विदेश्वात्र या सुज्ञायः देश्यः या विदेशः या विदेशः या विदेशः या विदेशः या विदेशः या व</u> ररःब्रूरःख्रुवःश्च्यायःद्यायःयःव्यव्यव्यव्येदः। विष्यायास्ट्रयःहे। रदःवीःब्रूदः यय। ब्रूट र्सुय रच तिव्यय सम्बद प्यापा हे स्रूट या मस्य वर्ट श्री बैट[,][यस्रय:यमेंद्र:य:र्य:ह्याय:बद्य:सदेव:द्यथ:देव:द्युय। |बेय:यय। यग्रेन्'य'न्राय्यंत्रेन्'हेन्'ब्रथ्यंत्रेन्'र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र सर्वान्ययारेते संविदानु वार्ययायते न्युर्यास्य रदा हेन् वार्वा त्युर्या हे हि इया वर्चेराया विषाययापर हिन्नियर वी ब्रेनिनु उत्तान्त यने ब्रेनिवी पो विषा वश्चेर्यते हेर्यत्वेया हेर्यासुरिहेर्याये र्वोत्यन्तर विर्यय स्वा यिष्ठिः मृत्याययः वर्षे त्याः विश्वायार्ष्टे क्याः येष्ठाः यायाः स्था यश्चितः यायाः याव्याः याव्या हे'नईं तर्ई तर्दे हे' द्वया तर्दे हे राया विया मुक्ता सुना महिषा न्यारामा या मिन वह्रिया विशायशक्त्राश्चिमायो हमामिश्चा महिमामी सर्वेद हो दार विषा यक्रिया । व्ययमान्दरः वेषा स्वान्तः नुष्या स्वान्यः विष्या यहिष्या । वर्दे निः क्रया भारतः नुष्या । न्वा श्रें र हें वा प्ये खेशन्द र वर्शे विश्व सहेश शुलहें द्वा यदे वह व्य क्षु ने वा न्यार वा श्राय स्रिया योज्य राम्य द्या या स्राम्य स्पर्ध द्या योज्य राम्य योज्य राम्य र पर्यान्त्री हेर् स्थेयया स्मान्यान्द्रा चित्राचा स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थान ता ब्यक्ष.यष्ट्रिक.ट्रेट.क्षेयक.क्षेष.यश्वेष.यशायर.यात्र्यका विकासका য়ৢ৴৻৴ৼড়৻য়৻য়ৡ৵৻য়৻য়ৢ৻য়ঀয়য়য়য়ৢ৻ড়য়য়৻য়ৡ৵৻য়ড়য়৻য়ড়ৼৢ৾য়৻ড়ৢয়ড়য়৻ৠ৻ यार्यायाः वार्यायाः विष्यान्त्रायाः विष्यान्त्रायाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषयः गारःग्राचेनाया भ्राम्बेरःग्रार्याय्या क्राम्बारा यो हेनायह न्गार र्येते स्तुन तसुर मी या नक्कि प्यया सूर व्या स्टानित स्रोत् या वहत स्त्रीत व्या प्र हु नर्झे स दर्शे सा हु ने र प्रमुख नि स्वर्थ है ने स्वर्ध है ने स्वर्थ है ने स्वर्य है ने स्वर्य है ने स्वर्थ है ने स्वर्थ है ने स्वर्य म्लूब्रस्य हुन प्रयान स्थान । । । निर्यात प्रयान स्थान स्थान हुन । चार्जुला । प्रक्य-विर-चालुय-य-चर्-ह्रीर-लिय-प्रक्र्य-या । म्रीय-तपु-क्र्या-क्रीय-वित्रतेन् स्वेतेन् न्यायहेषायते स्वारा । । श्रुवायते हे वयर ष हे सु साम ५८। क्वि.चूर्र.त्रेश्चीय.द्रवा.यहूर्य.लु.र्चा.डी विषयय.यज्ञू.कुरा.सीट.र्या.कर् ह्यैव सूर वाहित्या वायाय हेंद्र सहस्र वावया हेव संदेश हर है वाया विया यदेः परः केषा व्यविदः वा व्यवः परं देवः प्यवः हो। देः परः परः हो दः हेः पर्वुवः हें हिः इत्यः वर्त्तेरःसरःग्रम्थयः वदेः स्ट्रेरः मी सर्तः स्त्रिंग्याः ग्रीत्रसः स्त्रिः वत्रसः वस्यः है ह्यदेः ৽য়ৢ৾৴৽৾৾৻৵য়য়৽৾৾ঽয়৽য়৾৽য়ৢ৽য়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়৽৸ঽ৽য়৾৽ঢ়য়ৼঢ়ৣ৽য়য়৽য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়৽ঢ় यर्थः बुटः वियाय। बेतुः वर्षुदः र्क्यायदेः कुः ह्वादे वाद्यः कुः होटः द्या योष्यात्रायः वर्षासः यदः सः यदः सः । । विष्यः यथः सः सः सः सः सः विष्यः याप्यः वर्षः । क्रीटें वें हैं सूर पीत सूराता दे प्यर सु रावें सू द्वी वर्ता वासुर द्वा केंगा द्यायायरयामुयाधीता धुःसूरत्रात्रीत्रायर्केषाः वासुयान्त्रायाः वर्षा वरः

ॱॹज़ॹॶऒढ़ॱज़॔ॱॴॸॱक़ॖॱॴऄढ़ॱॸ॓ऻॱॱॿॖऀढ़ॱक़ॖॖॸॴॶऀॹॱॻॱक़ॖॱॴऄढ़ॱय़ॱॴढ़ॕढ़ॱॿॖॱ र्नेन क्षे पो नेय केन ये बार्केन होन हमाय क्षेत्र वान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क द्रेश्यासुन्वतुष्यभादीरेद्रा द्रेश्यानुनानीः सामानिकायाद्वासामी द्राप्तीत्रामानिकायाद्वासामी केंबा हैन हें त की ज्ञा आरी खुषाया है प्ये में बार केंद्र हों पीत त्या केंबा उत्तर हे पाया की पी ह्या त्ते[.]वि.र्यः प्रयासाम् स्थान् । स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्य क्रूबाक्षेत्रक्षीः स्रावतः या स्रुवासा हेते स्या स्या स्या विया तवा वासा स्रोता स्या स्या स्या स्या स्या स्या वर्वोद्। वि.शदुःश्वीयाः कृषः श्री वर्षिरः जूर्यः श्री श्रेश्वेतः श्री हरा हो से अंतर के अंतर ब्रेन चेत्रमः सुनयान्वर्यानु तन्या सर्देन्या सेन सुन्या सेते वाहेन संस्ति न्या स्वर स्यतिन्न्यान्दा न्वेरयोन्यर्भेषुयार्देह्स्ययायतिष्म् । वियासुनयान्यया तर्षायते देनित्तु यादे केन न्दा ब्रायी न्द्र केर द्वी र योदाया कुया न्वर यार्के क्री या है। · अंकिय. कुर मुर्थ । कुर्यं यात्र्य का की कि अपूर्ण का का की कि जा प्राप्त की की अपूर्ण का का की की जा का की की याणी क्रेत्र व्यवाया मुनायर यह नो व्यर क्री क्रेंट चेंर रेना या वेंवा क्रेका सुना विद्या विदा विद्यो अर्द्ध्यायार्के यथा स्रोत्या स्रोत्याया स्रोत्या स्रोत्या विद्या चलेट्यास् हें न्यायया देव द्याकेंया हेट् भी हैं है यया या नायेया यया हु। तसुया है हिते भ्रापहेरामराहेही अर्क्यामी सुवायदे भ्राक्वापायर प्राप्त स्वर्म क्रियामा यार हेरा नगर नगर स्थर स्थर स्थर महित सुरि स स्वाय स्था । वियासया महे ब्रेंद बुद दु तह्वा यय श्रुवादियाद गार या द्रायर विदेश दर्श दर खुद या गर्वेद सुर्ये यक्किनः व्यवस्थान्तः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्थानः स्थानः स्थान्तः स्थानः स्थान

सर्दः सः वार्रावा विषः प्रवासः भूत्यः वाष्टः स्वाषः श्रीः भ्रेवा पः स्वाषः परिः वदः हवाषः सुर्वेद्रावाम्बेया ६५ वें में स्वेर्या कें स्वेर्या में मान मान स्वाप्त मान स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व महेबःश्चेरावावाधेव। वस्रवाउदाश्चेत्रदान्यवरार्मेवादानाविवावा चलैत् हिन् नु रें विष्ठवा या सर्वेद होन् लया विषया । व्यव निर्म स्वाय होया यश्चियाः यभ्निया । रदः देवः श्चीः अह्दः यः ह्यायाः वयः यालवः देवः यः लुयायायदेः यहः ऱुःल्वरुषात्रिक्षःक्वियायार्देश्च्यायात् । सुन्नायायकार्द्वेह्यायावि त्रया. मृत्या. युष्या. यरयाक्चियाञ्चा त्रेत्र दे. त्रेत्र चीया रुवा पहुर्य क्ची व्यापता त्या प्रविध्या त्रापता स्वीया या स्वीया स्वीया क्षियाः याप्तराया स्त्रीः हे हे हे हे स्थाप्त स्त्रुयाया स्त्रुया है त्या स्त्रुया स्त्रुया स्त्रिया स्त्रुया स स्रक्षायवयाः वी स्रेट त्र स्रे त्रके स्रेट पा से प्या त्री त्र स्य स्था विषय स्था विषय स्था विषय स्था विषय स्थ <u>चुःहेर्यःसुःद्रहेर्यःयदेःह्रम्यरासुःद्रकेःसेन् ःयोःश्रेराःग्रीर्यःमन्यदेःसेःयोः चुस्रायःन्यमः</u> यश्रमः भेटः मी । वः क्रुवः चर्ष्यस्य या न्तुः यः तद्वः स्वतः यद्वते स्रम्भेवः लुः यार्श्या विषयम्बर्ग्, र. देव में किये न्त्रालु वर्षे व्यापद स्थित स्था के विषयम्बर् वर्तेम यज्ञासर्वेट र्वोचायसम्बद्धारास्त्रेत स्तुनार्वेचाया सस्त्र विट वार्येत त यरे.क्ट्रेंट.लीय.प्रकृत्य.या विषय.तपु.क्ष्य.क्वीय.वि.पु.सु.योशीय.पहूरी त्रयाज्ञ्याः प्रेयाः अवः वायायाः द्रायाः स्वयः पदिः दरः स्वयः श्रीयः वित्रः वायायः वायायस्ययाः निरा तहतः बेर विवा योदे तेर सुर त्रीं र व पत्वाया विवायया वहत स्वी सूर खूते तेन बेर क्वी बेर क्वा तर्से नते क्वा तो तेन सुर वी त्रीं र त नत्तुवारा पा श्ची:वर्षरः [यर्नेज][,]शृःधी:र्नु:प:रे:श्रेंशिज]:सर:रेश:ग्री:न्दीरशःसु:वर:पशःसरंशःसर:युशःपदे:वर: विर में में र न तहत देर ज्ञुयाविय छी र त्या या ज्ञुया पति हे तयर या है स्वार या छी. ८८। बियामयायरयाक्चयानुरायेरायेयानुष्यायेत्वस्यार्देवाकुण्याराक्चीरियाः वहिंत केत से विक्ता वेंद्र श्री हे विषय है। सु सु से विक्र से के वेंद्र व्या हैंत वयःयोबरःक्र्योबःश्चित्रंत्रंत्रःचक्र्रेरःचदःयोवबःश्चेत्रवाश्चित्रःचतःविदः रमायान्य स्वाका श्री द्रीया विक्राचित्र विक्राची द्रमायते हो स्वाप्तु हे विवर्ष ही वाका याश्वासी इ.क्र्याक्यात्वास्त्रार केंद्रायक्षी ययर या. क्रुयाक्षी मुच्यारा याचर तम् ता से या या है मिला है है तम दया मुच्या या सुया मी साम है में मिला यदे हैं त्वर्या नेह्र्य मुन नहें या है श्रु सु से प्यान माने प्राप्त माने स्थान स्था र्चीयः रुचाः यहूर्यः सार्वः राज्ञा । बिद्याः तद्याः विषयः साराः द्याः विषयः प्राप्तः विषयः । *য়ৢ*ॱवार-५८-वेर-,लेज.बाधुब्र.बा.ज.बुव्य.सद्य.बायब्य.कॅ.५वा.सब्य.बाङ्क्.वीब्य.सद्य.चुब्य.वी. र्वेद मी मुन या महेरा यदि रेगा दहित है। अर्केग मी दिरा मुन रेगा दित है ता है वा पर्वे यवर द्वित बुर वह्ण हें हे वकर में में विषर प्रश्नुव य पर हो। देवे लें र पु. बुत र्योर ग्रीच्चारार्यार्थीःश्रेषाञ्चरम्दार्यक्षेष्राष्ट्रायार्थेष्ययार्थाय्यायार्थः स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् यम्बर्यान्ता श्रुरावार्रमात्रहेवालेषायदेश्चात्रवाना रेवायदेः यो विषा मुः समाहिः सूरारे सूर्या परिषेत्र स्री त्वया वरति हैं न परि वायर सूर्वा साम्री समाहित्य । यतः वार व्यवालिया त्यारेया त्यहें व लेखा यासुर खायतर प्येन हे दा ने द्वा वीखा क्रयार्थं, जुष्र-पद्यः क्र्रीक्ट्र-जार्ययाः पर्ह्यः पद्यः क्रीक्ट्रियः व्यव्यायाः व्हर्यः

म्रे म्रें र् प्रते प्राया प्रदेश रे प्रायु रे प्रयाय त्या विषय प्रते वार वार्या की साथ सा ही । यार्ट्य हेवायान्द्राचसूत्र त्यारेवा तहें त्र स्याया चित्र हेवाया रेवाया की क्षेत्र या पदी चार्छ । यदः स्रीयराधिन् छेटः। नेदेः स्रीयराश्चित्रः सेवाः वहित्। सेन्यरः सेवाः वहित्। क्षया के बर्ग विद्या क्ष्रवाया ने प्राप्त कि विद्या के बर्ग के बर्ग के विद्या के बर्ग के विद्या के बर्ग के बरा के बर्ग क શ્રેયશ. છુંટ. જૈવુ. શ્રે. રે. શ્રુંય. વ. તારા કેશ. શ્રુંય. તીયા શ્રી. તાયા રે. રે. ર. શ્રું તાયા કેશ. भ्रीतः रेगा तहेता वेशा गर्युर या पान्या भ्रीतिक स्रोन् पति नर्देश मुना महेया या सा नवर रेवा वहेंब नरा ध्वा कु केव ये ख़ेरे कु रे खुर खेर व व ख हुवा केव रेवा বাধ্বের মার্মার প্রার্থ প্রার্থ বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর প্রার্থ বিশ্বর यव्र्य: क्री: क्रीं क्रीं या यावय: वर्क्ने: क्रिय: क्रीं क्रिय: क्रीं क्रिय: व्राव्य व्याव व्राव्य व्याव व्राव्य व्रावय व्याव व्राव्य व्राव्य व्राव्य व्राव्य व्राव्य व्याव मर्था लेखान्दा त्यरात्यरा मुनायते स्वावतात्र मार्या स्वावता ह्येन प्रमान्य स्वावता ह्येन प्रमान्य स्वावता ह्ये विश्वश्वास्त्रियाचतः वर्षे दिरास्त्रियायायम् क्रियासुद्रियाया विश्वास्त्रियाया विश्वास्त्रास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्ति विश्वास्त विष्य विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विष्त विष्त वि चगायः हवायाः श्रीः श्रुवाः क्रुः श्रीः चरः चरोति । वयः द्वयः चरिः यो। यव तयः स्वरः वर्षः स्वरः यदः स्वरः याः दयः क्ष्या उत्राच राज्या या अर्दे र त स या सुरा द्या उत्र का अर्दे ते के वा सार प्राचित्र स्वा स्व पदि वर्षे दिवर क्षे स्राक्षेत्र का का कर वा को दार स्रोक्ष स्र मा की वा को की स्रोक्ष की स्राक्ष वा का वा विकास चर्त्वत्र-दुःचलुवायाया देःसदः श्चीरः र्क्वेवाया लेटः वदी श्चीचया वर्षेदेः र्क्वेवाया लेटः भैपया.मृ.पद्मेयाया.यी.पट्मेया.त.रटा ह्रा. श्रेयाया.मी.सेपया.पीय.पर्येया.मू.प्रीय जीया यः त्रपुर्वे तायवुर्वे स्क्रीयमावुर्यास्त्री वार्ये वार्ये सामाने विष्यासा धेव। वाययःभ्रेटःसहस्रावादयःकेवःभेतेःस्टःनुःवायय। वियाययःकेवायः बिर म्बायाय मित्र प्राप्त । इस्र माम्बायाय स्टिनिया केर केर से रासे व्यूट्यं व्यूच्यं व्य युवायातेन् वायायाकेन येति रहानु रेवाकेवा यस्यायाया प्रविधायया वस्तुन रेवा र्देरःबोस्रयःक्षेत्रान्त्र्यःस्नन्यान्त्रन्ति। बोस्रयःयःदेवाध्वरःष्यदःवाद्ववान्त्रन्तः व। गमयाप्रतिः र्क्नप्रति स्रेष्ट्रामययायी सरारे। स्रुमामी स्रूप्तरे चलेवें। । ने पर ख़ु न र चर्चे या पर सुदे सूर क द्वुव की नगर व न र्ह्व के न या भे ने या क्रीया ने व त्या न्या ने व त्या ने या ने य वलुवार्यायाने वा खेवा वो वा लेखा वासुरस्य। ने खेर वुति क्षु ने प्यर ने वदा लेवा प्येन न्य ने भ्रान् विवाधित नवीं वा कुरेन नवाया यदि हेवा नयवा वी में हिंवा खंया विवास लुष्टान्त्रा अरूष्याबिकात्राचित्राच्यात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचा नेविकायम्बर्यते केन्यविषे भेषाणि भेष्यमुरा अरेवियर भेष्यमुरा डिरायदावश्चरातुः यतुवायाददाविष्येदाते। देयदावहेदादवायावेषावायदेः श्चेदेः क्रेव क्रीय से निष्टा के देन होट द्वाय स्वाय प्राय दर में क्रेव क्रीय से विष्टा य। र्या. ध्रेय. अष्य. क्रिय. टी. क्रिय. व्या. हेर्चा. स्या. याच्या. याच. याच्या. याच्या. याच्या. याच्य यरः श्रे त्र शुरावा भ्रु सर्वा द्र द्र प्राया स्थापनि ययायार्थेन्यायान्यान् निः स्नान्यासुः यदा स्वायाः है स्वरानक्षेत्रायदाने स्वरानक्षुरातुः वहुवायास्त्री देख्रावाययावहुवासी क्रिंदावस्त्राच्ये वायाया देशा

श्चित्राययन्य स्त्रीत्र ने देश्वर श्वरायर न् वेत्राय स्त्रेत्र स्त्रीत्राय स्त्रेत्र स्त्रीत्राय स्त्रेत्र स्त्रीत्राय स्त्रेत्र स्त्रीत्राय स्त्रेत्र स्त्रीत्राय स्त्रेत्र स्त्रीत्र स्त्रेत्र स्त्र स्त्रेत्र स्त्र स्त्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्र स्त याल्य प्यट खेँग खेँख या बेर प्रलेदि स्रव प्रया या प्रहेव व्या खेँ र प्रया पेंग प्रवृत स्रे रेग विद्वा इस्राया चित्रवेशया या क्वें रान्वीयाया स्वीवाया विदेश क्वें रावा चन्द्राया चन्द्राया स्वीवा तुःसराचया य्यायाः स्वरः स्वरः प्रायः व्यायाः स्वरः स्व रैयायास्त्रुदानवींयाययानस्त्रुदारेयास्त्रीस्यस्वानुत्तस्य देयास्त्रीदानवींया नयोदिवासी त्र्राचार्याः वार क्रिंट ता क्रीयाना खेवा त्राचे तत्र त्यार क्षेत्र वार्याया व्याप्त क्रिया हेन ह्येंबाय न्दर <u>च</u>या नदे पो नेबा तकर नदे स्नानबाय सुन सेन सी हेन बाब देया हुए से साम हो से साम हो से साम हो स र्देन वार्ष्याया सहित देवेन प्रयापा स्थित प्रयापा वार्ष्या क्षेत्र स्था होता है वार्षेत्र प्रयापा होता है वार्षेत्र प्रयापा हिता होता होता है वार्षेत्र प्रयापा होता है वार्षेत्र प्रयापा है वार्षेत्र प्रयाप है वार्षेत्र प्रयापा है वार्पेत्र प्रयापा है वार्षेत्र प्रयापा है वार्य है वार्य प्रयापा है वार्य प्रयापा है वार्य है वार्य प्रयापा है व त्रपु: ब्रुट्र त्रह्मा मी व्युः स्नुर्या वर्षे द्रया ययस्य यावस्य । यदः त्रः स्रवरः स्वुमः स्राप्ता वर्षाः क्रम्याश्ची:भीन् त्युयाः च्यान्य स्वार्थाः द्वेत्रान्यते : बुद्दात् ह्याः अदेवः नुः चुद्दान्ययाः यान्दः। षरः ज्ञायः हे : क्रें विदेरः ज्ञें वा या श्रुवाव । षरः वरः दें दिरः वेदिः वेदः ज्ञायवा क्रें या श्रुविः न्वेर्यायायायात्रम्यायायात्रवायायायात्र्यात्र्यात्र्यायायायाया र्शेवाशवादाधीतायदा। हैंवाशक्रियावसुवावायाकेवाधीताती । अदिरादादिती सैचर्यासीयोजाना होत् प्रथमायोष्ट्राच्या क्षेत्र होत्या स्थान हो सेत्र प्राप्त प्रयोग्यासी स्थान होत्या विवा क्षेत्रा देव तद्वेवा कवाका यर वाकावा वाद्वा दवे का या धीत्रा

१) र्रेहिते क्षेत्रा यतुत्र श्रीका श्रुवाका क्रुत यञ्जीवा या

नेशर्क्वेष्यश्विरः वाश्वयः तद्देनश्चरः द्वेषः श्वरः त्व्यः स्व वाः स्व वाः स्व वाः व्यक्षः वाः विवाः विवाः विव वत्वः वाश्वेष्यः तद्देनश्चरः तद्देनश्चरः द्वेषः श्वरः त्व्यः स्व वाः स्व वाः स्व वाः विवाः विवाः विवाः विवाः व गर्रकायते हें हिते केंग वित्र क्राया कर पीत है। कुँ के क्राया की तुन वुर यक्ष्यकाः यह्नायो स्वराष्ट्रियः यायक्ष्यायो प्रदेशायुना प्रहेकाः क्रीहेशस्य प्राप्त न्या सुप्त क्षीय क्षीय सुप्त स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् यद्वार्थिद्वे दुं लेखान्य सुद्र या है। दे प्यदाद्र देश त्र विष्य न्य सुद्र या स्वर ড়য়৽৻য়য়ৢ৽৻ঽঀ৾৽৽৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়য়য়৽ঽৼৠ৽য়ৢয়য়য়ৠ৽ৼ৾৽য়৾য়য়৾য়৽য়ৢৼ৽ড়৾য়৽ঢ়ৢ৾৽ मुग्राय निर्देश रेग निर्देश यो निर्देश यो निर्देश स्था के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष क शुक्षार्क्षेष्रभायाः स्थान्दरावद्येवायवे वाष्ट्रपुर्वे द्याके विविद्यान्यवाद्ये स्थानवाद्ये क्रिस् क्रूयोग्नाटेट.पञ्चाताः श्रीय.पर्रेय.योटेट.पञ्चात्राचा श्रीयोग्नाङ्गात्राचात्राचात्राः ব্রমষান্ত্র অবেষ্ট্র নাঞ্চান্ত্র বিষ্ট্র রাজ্য র্মন মর্মিনামকার সামান্ত্র বিষয় প্রতিষ্ঠিনা দী ইন্সাম স্ট্রু म् मुं मुं हे दे र र मुं चार्यायाया स्विता प्येता अं क्रिन् प्याया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यो.श्रम.क्रूम.त्रा. विश्वायशायात्रशास्त्र श्रुम.क्रूयाशायात्रस्त्र पाणीव है। यक्त्रया द्वे.मुन्यर्ट्यात्त्रवे.चीयतातात्वादेर्याचयुः मुन्यक्तुः वर्षाचयाच्याचेतुः रेवाबाग्री से हेवा न्यर में तिवुद्यायायाय इ.वो बर श्रीया सहैवायते यद्वते श्रूद में केव ये त्या पायक्व यकेवा वी प्रदेश चुपाय है यह वेषायय के या सुव सुवा र्केन्यरायम्बर् हो देः यदः या के सुरायके दा सुरायके वा या या के सुरायके वा सु ग्रम्थानक्कित्ते। भ्रुप्तर्वत्त्रवित्रम्भित्त्रम्भावत्त्रः तर्भः क्रीयः मूर्यः स्त्रीतः स्वययः ग्रीयः स्वरयः ययः यः स्वययः तर्भयः तर्भयः वर्षय्यः स्वर्षः स्वरं सह्र व्याम्यर स्मिन्य मिन्न प्रामिन्न प्रामिन्न प्रामिन प्रामि

ताश्चयः रे.ह्रीयः तात्रस्यः भू। संज्ञात्वा स्थितायः स्वीयः तयुः र्ययः स्थ्रारः लयः सुवि याः संयि है। यह्म नर्भेन्नात्म स्वानी में भारतीय राष्ट्रिय स्वानित्र में भारतीय स्वानित्र स्वानित्र स्वानित्र स्वानित्र स्व तर्से. पर्वेर. योथे था वर्टर. रेट. श्री. झेया श्री. मूजा. ट्या व्यवश्चर ही. पर्वेजा. कुये. मूजा. श्च पर्योद पर मुर्ग रे के द में श्री श्री मित्र में मित्र मित्र में मित्र में मित्र मि षेत्रयाविट क्वियावदे तसूत्र यास्रेयात्रयात्री साधीत दिट सूर्वीत सार् द्राया समया उदा <u> न्यायायम्बर्भितायम्यायस्य विषयायम् राष्ट्रियायम् राष्ट्रियायम् राष्ट्रियायम् राष्ट्रियायम् राष्ट्रियाय</u> पतः यायर यास्या क्री याहेर प्रया सर देव सुरया हेवाया या वस ध्रीत त्रया सूर से द म्बर्गायबेर्यास्त्रित्र्यायते त्रुरावह्या सर्वेया मी प्रदेशम् म्याय स्त्रेयायते स्त्री द्रया য়ঀঀ৽ৼ৾ঀ৾৽য়ৢয়য়৽৾ঌ৾ঀ৾৽ৠৣ৾ৼৢ৾৽য়৽য়ৢড়৽য়৽য়য়য়৽ড়ৼ৽ৠৢ৽য়য়ৢ৻ঀৢ৾য়৽য়ৢয়ৼয়য়য়৽ড়ৼ৽ गठिग 'तु 'पर्श्वेरा'यदे 'त्रुया वर 'भेंट्या हें ग्राया केंग 'दिया पर्श्वेरा पर्श्वेरा पर्श्वेरा पर्श्वेरा पर्शेरा हों त्युद्गान्यात्रात्रेयायायाः वेयाययास्त्रेत्याय्त्रम् स्वायायायस्व ने प्यतः सर्वतः वसूत्रात्रः वात्रादः सूवात्रः श्रीः सूत्राः यो त्राः यो सार्वाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः यःस्यानक्ष्यायः स्ट्रायः हिःस्रेन् वयायायया वियायदे तहेवा हेवा क्षेत्रावया वया स्या नर्भेरः वेषायषाविरासुन्युमार्सेनाषायानसून्याधेन। नेष्पराम्। र्रापराम्। र् र्ग.कुपुःसुग्ग्याशुःदःसुग्र्याश्चायाः वाचाः स्रोतिः द्यीयः दिष्टः स्रीः इस्यः स्वायस्य उद्यायः है^ॱस'त्र'देत्'बेर'क्केंद्रंय'तु। वार्डेंद्विर'बक्षे'त्र्प्यदे'सूर'कर'वर'त्रवे'रेवा' यहूर्यः रत्तवः मृत्रः व्यविष्यः पर्मीः मिः यष्ट्रः यद्यः विष्यः मित्रः विष्यः मित्रः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य अर्क्या मश्रु अस मश्रु अम्म स्वाप्त स् ग्रीयः वेयापदः सुन्नयायः पुरास्त्रास्त्रयः स्वायायस्त्रयः दे। हे सूरायस्त्रयः वे व। रुषायासुर्यानुषायोन्।यान्यायोन्तुषाकेवाधेरान्योन्षायायाधायोन्।योःकेषा भुँदे कुण सर सरद निर निश्च होत होत हो हो सार्य निष्य भूय खून हो साय देत हो सा ध्वेरायुःतब्रदायायलेवातु। रुषायदीःवषाब्रित्योः प्रवेदिषाय्वेदार्यः प्रवेद्याये र्श्वर श्रीयर या वित्र श्रीहेश श्री यह वा व्या वित्र प्रवित्र प्रश्चीय प्रयास्त्र स्वीत प्रयास्त्र स्वीत प्रायस *ब्रुव*.त.ध्या.च्रेट.जयात्र.क्री व्रिथ.क्रीत्र.क्र्य.क्षेट्र.याच्यात्र.क्षेत्र.वाज्यः खेत्र. तर्भा ब्रिन् क्रियोश्वरः यायास्याक्षेत्रः क्रीस्त्रं वर्भायन्याः यो स्थितः स्याः स्थिनः यास्याः स्थितः स्थितः त्रम्चरुष्यत्रे स्वत्वाक्ष्याः स्वत्वाक्ष्याः व्यव्यान्त्रे व्यव्यान्त्रे व्यव्यान्त्रे व्यव्यान्त्रे व्यव्यान्त सुःमार्सेव्यःबेरुःपदिःवर्देनःदेवःमारुमाःमुःदेवःपदिः श्रुमार्थः क्रुनःमातुरः द्वारुरः या मैयानसुवानाधितार्वे । यह्यानु। मुन्दुमङ्गार्वेहुःहुँ लेयायदेः द्वेवावदी। शैगी हते सूर रु स्वावत वर्षे सावतुस क्षेत्र है सूर वर्ष्मु सावसूय वर्षे गु रु रेव में केरी: याक्तं न्दर त्रह्मेया नारी निर्देश मुना सुवा किंगा किया प्येता ने प्यट सुन् गावन न्दर गल्य यात्रा न्यू रायदे हें हे दे किया बदा गार के रायल्या सहदाय प्येता या सुर लेका यः ङ्मा बद्गाराव ङ्मुराव द्भी वदे देव त्या वह्या से प्येव हव श्रीरायकेंग हु द्भी वास्य यदि देव भीव यादरा यज्ञ वे सर्वे द्वारा यदा होर ययादा हुर या परि होता द्वीर केवा र्येतिः सर्वत्रः स्वायायद्वतिः रेवायायीः वार्वे विरायस्त्र । यो ह्वे लेयाया नरेयाः

मुःसदेः इताः तर्धेर।

यष्ट्रियायाप्यत्यम्यत्यत्याया

देव्यायायक्र महियायायवायम् वर्षायायम् वर्षायायम् वर्षायायम् वर्षा न्रञ्जून पति नर्भमा महामा प्रत्या पालिया यी वा सी विद्या या वा वा विद्या प्रत्या वा वा विद्या प्रत्या प्रत्या प क्षेत्र[ः] क्षुत्र्यः क्रेंग्रयः ग्रीः प्रेत्रः प्रवरः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व यम्यायान्त्रीयाययायान्त्रात्यवार्याः विष्यायाः ने सु त्रुति याव्यान्त्रेत् स्त्र्ययाः क्रेव प्रसूतः धेवा अर्रेन्थ्रग्रयान्याहेत्राचीत्र दर्दुकेंग्रयान्यग्रयात्र स्वत्यास्य सर्वेता सर्रे ययात्रयानञ्जयायायाराचेरानयवायाकुतिः वैवायाने स्वायाययात्रयाञ्जन् सेनारे रे तपुरिविट्रात्तरात्रुप्ते। यायराक्रयायात्रीःश्रीययात्राक्ष्यायाययायात्रात्रात्रात्र्या ८८.श्वियः वर्ग्ने इस्रमः वर्षे व्राप्तः स्थान्त्रः स्थान्तः स्थान्त्रः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्य शुरुयायावर्रीयमाबिदाद्वायाद्वा वर्षम्यायाद्वायावर्षात्वायीः केन्-न्-कें-व्युक्षः मञ्ज्ञा-चें-विनेदिः व्यान् वर्षः बुदः वह्या दे हिः वक्षरः मी में विषयः स्त्रुपः याधीवः व। नमन्यायादीः र्र्वे वस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् प्रमानान्त्रम् श्री वर्षः तु नेरः अः वनः नरेर्वः ये निवायः भ्रः सूचायः हैरः विद्वारी अः सूच्यः नविः अर्केनः ययः अर्केनः यः त्त्रेया नेयात्र स्ट्रियाया ययाया सम्यया सार स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रियाया । प्रयापा यर्त्त, यं त्र त्राय्यायर्थं व्याययाया श्रुष्टः वी केट् : पुः प्यतः त्यवा यर्त्त्वः यः यस्त्र । ष्पत्र. विवादित से दे प्राप्त प्रमुख द प्रमाय सुर सेवा वास्त्र स्त्री विदार द दि से প্রিমা.

तक्यायाद्या भूवायायम्बायायात्रीयासुदायदेः प्यतापातुः तद्य थी:रूटः ८८.पर्के.प.चे.१४.अंज.पपु.लय.जय.पे.प्र.च्ये.क्या यावय.यार्थे.प्र.च्याया. चर्यवाद्यात्रये,त्वयं,त्वया,त्वयं,त्वराचर्ययाद्यां श्रीतः स्त्रीता,याद्यीया,याद्यीया,याद्यीया, देः यश्राद्र द्यार कुषा क्षेत्र विद्या वर्ष या **युम्म बिर्म मिन्न मिन्** नमूत्राने। ने प्यमः क्षेत्रा तर्शे हुँ । धैषान त्री हु । धैषाने हु । धैषाने हु । याश्रुद्रायाः कवायाः याङ्गदेः देवायाः ग्रीः क्षेद्रायाः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व तर्ने न्नेन्यान्दर न्नेन्या सुरायर पेर न्युवा नते सार्वे स्पर प्येत प्रयात्। क्री ध्येता मीयातर्गिः सुर्यात्रयान्याः युया लिर्द्याः सेन्द्र्याः सेन्द्र्याः । विषयप्यान्यन्याः देश्चिः इत्याः उर्वेरः अरः व्यायाः वर्षः श्रुवायाः गावया रदः हेदः श्रयः व्याः क्रुं द्वायकः व्यादः मीयात्रीयारायात्वेरावययात्रयात्रयात्र्यात्र्यात्वारयाहीः स्नेत्रयान्यात्रयात्रयात्वेरा विराधार्थः स्वार्थः मेरियो स्वार्थः स्वार्थः विराधितः स्वार्थः विराधितः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वरं स्वर विषायमाने सूरायदार्ये नम्मा श्रीमा स्वीतायर सुवा लिटा सुवा है। स्रोयान्त्र व्यायान्त्र प्रत्यान्त्र क्षेत्र क यास्त्रान् सुरान्या युराग्रीयायृत्री ययास्त्रियायिया पुरार्थीयित्री र्तायायार्ट्याक्राम्यायाययाय्यास्यायस्याक्ष्यात्रात्त्रेष्यात्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्र्यायम् भ्रम्यायद्भरम् स्वाप्तक्यान्वीय। नेयान् स्वापन्यत् स्वापन्यते स्वापन्यते स्वापन्यते स्वापन्यते स्व ह्रिरःश्रेअशःश्चेत्राः पञ्चित्रः दृष्टा । स्वार्याः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार तक्यायति क्रिनाद्र सुनायात स्त्रीनासुमायह्नायान् केनायाधित ययादे योगया लरःक्रेयश्चर्नः यदुःक्रेरं रे क्रियश्चर्याः रेटः क्रियश्चरात्रेयाः वक्षाः श्वाप्तरः लटः लूटः लुयानक्कि:रूट:र्स्च्यात्रात्रावयःलट:लूट्रत्यात्यरं शुर्वःर्टे श्रालूट्रा क्र्यारेन्द्रमुद्रासुन्नारेन्स्रुनायात्रान्नीययात्र्यान्तरेत्रीत्युन्त्रान्त्रीत्रम्यत्रस्ययात्रीत्रीत् रट.रट.मी.सैचर्यरेट.चर्सेय.मैं.रुटी सैच.एक्जाच.एट्टी.विट्य.मुश्या.मैंटि. यार नदीर मुखा दर्शेषा नदीर के दार प्रेया विषय प्रेया प्रेय वयाञ्चीवार्याम् श्रीवार्याञ्चीवार्याः श्रीवार्याः स्वारायाम् स्वरायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वारायाम् स्वरायाम् स्वराय यदैःवयान्दुःवर्चोः दुः वर्षे व ब्रिंद : पेंद : द्र अव : या चेंच या विषय : व के। । रदः वर्दरः वाङ्गवाः यहः स्रोदः यीकाः क्वाः वेर्ज्ञाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व ब्रम्थान्त्र-वृद्दः त्रुप्तार-दर्ग्या देवः ग्रादः प्रस्तानः स्कृतः स्वानितः वर्षाः स्वानितः । वःरःक्तृथःश्चीःगुवःक्षेरःवीवाञ्चयःवर्वो स्टेन्द्रोःकृवःवेन। व्युःवःवेरःवेर्वाःविवाःधीवःवः विभायाम् अवायवान्यम् वायायन् वायायन् वायायम् वायायम् वायायम् वायायम् वायायम् वायायम् वायायम् वायायम् वायायम् व यान्यायदे द्वीरावानक्ष्मत क्षेत्रायायक्षित्रयव विवाद्धव केन् त्रीयाय है कुंवाया केवारेन श्र्रा रटक्रुन्श्चितस्यायायान्यस्य स्वीत्रान्त्रायास्य स्वीत्रान्त्रायास्य स्वीत्रान्त्रायास्य स्वीत्रान्त्रायास्य स्वीत्राप्तायास्य स्वीत्र स्वीत्राप्तायास्य स्वीत्र स्वीत ५८.२.जोब.क्र्याःक्रुं.२८.५.क्षेत्र.२र्ज्ञायः स्ट्रेब.त.यः यर्षाःक्र्यःक्रीयावायः यरः योवः वें। । माहेश्यायासे रासूदी माहेदायी सकेंद्रायात त्यापती या प्राप्त । दिसा वन्ययाधिनः सूवाकिरावहितायश्या । सूरास्त्रीनायकेनाविष्युवाक्तरा वर्षेत्रा विश्वात्रमा रहूमायनमाक्कीमकूराताररायी वर्षेत्रामा वर्षेत्रा

पद्यः अष्ट्र-इषा द्र्म् क्रिया २८ अ तर्ह्या प्रमास्त्र म्या स्थापास्त्र मा येवायाययावार्ड्यत्वेदायादेवा । पर्वोद्धायायेवायाययाय्येदादुः द्रित्यः विवाश्यः नुभीवायः हेत् : श्रुयः तथा धीनः श्रुवः वयः याववः यः वाविः वयः सूनः वीः ট্রির রমম্যত্র প্রোব্র মৌ আইর স্থাম মৌ দ্রির বর্ষা শ্রীম্য মম মৌ দ্রী করা আর্মিরা মারা र्राविट प्रत्यावय प्रवास्य विकास्य प्राविद्या गुवि प्रवास या श्चेर सेंबर केंवा न्वत पर नग्ने बार नक्षा क्या शेर स्वाप राम चग्राक्षेत्रायदेः ह्याचक्कित्। हे हे खे खे चक्कित् न्द्रा च च खु चु व व बे च व व च च च च च च च च च च च च च च च वयः ब्रेट स्वायर रेवि त्या वर रेवि र्या वर रेवि र्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष चुट कुव सेस्र द्यात गुत हु व बट में दि सकेंद्र श्रीत की हे सारा त की पह श्रुय है। हिट*प्ट*िंद्र व्यवःस्रेतिःसम्रुप्पेराःसूटःबेटःस्रीट्रायतेःस्रेराःमस्यायःस्ट्रासस्य स्रीताःस्रुपाःसूटः सुवावकान्दर्भासुन्ववस्यान्दराधेन् ग्रीकाङ्कुवायाञ्चावाधेन्यान्दरञ्चावासेन्यान यर्क्ट्रप्रामु यर्क्क्षा व्यविष्य लेट मी ख्रुक्किया या देश मार्के मुख्य या देश मार्के मुख्य या देश मार्के मुख्य चर्रुते कुणाच श्रुषाचरुषात्त्रा स्रोते स्राप्ते स्राप्ते । यहेते कुणाच श्रुषे । स्राप्ते । यहेते । स्राप्ते । वा रुषाक्कुव रेट विक्राच साम्नेट मी चरारु सकेंद्र यदे वर्त या हो दाद में बा ঀৢঢ়ৢঢ়য়ৼঢ়ৢ৻ড়ঢ়ৣৠয়য়ৄয়য়ঽয়ঌ৾ঢ়য়ঢ়৾ঢ়য়য়য়ড়ঢ়ঢ়ড়ঢ়ঢ়ড়ঢ়য়ঀয়য়য়য়য়য় क्ष्याचेरायाधेदायमा विदादु तयमायालेयामासुरयाओं । । मासुस्रायाले सूरामी याहेत दें भूया यायन्य याया याया या वि क्षेत्र स्थान स्थाप **गुद्रा विद्याययाळें समुद्रीय स्वाया ।** बिर्याययाळें विद्यायां विवाया योद्रायात्रवादे दिरायाया शुकाकी वराद्यत्रायाद्यर योद्यत्यादे स्थेवा सुदार्श्वे त्युवाद्यार वा प्येदा यश्याश्चिम। श्वराद्धार्यायदेश्चर्यायदेश्चर्यायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेश्वरायदेशय

यक्ष्यश्चार्यात्रम् देन्द्रहेन्यास्य भ्रीतायति। वैज्ञायायक्ष्य ব্সু न्गेंद्रि सकेवा वी न्गेंद्र या तववा या या सेवासाया दा दा दा से विदेश समावस्था से दास खुर्यायागुर्वा यहेराये वेहेन्यायत्वे करावते क्वेंत्रयावन्यायाप्ता यवर् र्कुयः देः प्यदः। देद् वाष्ययः क्रेंबः श्रुदिः दरः दुः यववाषा लेषः यषः देद् वाषयः क्र्यःस्रीयुः देग्रीत्यायात्रयायात्रयात्राचयात्राची हैःस्रेत्राचनवायात्राचीः चनवार्याचीत्रप्रचारायात्रवार्यात्रवार्याचेत्रप्रचार्याः विवाद्याः चित्रप्रचार्याः चनवार्याः चन्त्रप्रचार्याः चनवार्याः चन्त्रप्रचार्याः चनवार्याः चन्त्रप्रचार्याः चनवार्याः चनव्यायः चनव्यायः चनव्यायः चनव्यायः चयायः चलाचरु:८८:४४:चनवार्यायाचे चनवार्यायदे:प्यत्राची वित्रेयाञ्चा विवर्षायाची महेत्र से हिरासु भी रदा मदि प्यमादी मदेत्यमहैर स्थान हैरा महेत्र सम्बद्ध स्था **था । प्रवोळेंग्रवायात्रावायाहेकाथान्यम् ।** विषयम्ययानस्वाते । गावायाह्येवा यह्रवाराम्चीर वोत्रा वाल्याचितः र्र्यान्य सम्बन्धान्य स्त्राम् । विक्व र मिन्न र मिन्न र मिन्न र मिन्न र मिन्न ब्रेंट म्यूर या अवतः नवा नेवा विवा हेव गुव हेव या नट नेव नवा हो। त्राचिष्ठभाव्यक्षाचार्यात्रास्त्रक्षेत्राच्या । विष्यायकासम्बदायकास्रोसकास्त्रस्य विषयात्त. प्रदःक्रियः क्री. रीयाः यशिषात्य रीताः वात्ते श्राय्य साह्य हियः क्री. स्री. स्री. यीयाः क्रेंशः श्चे निक्क निव्या स्ट्रेंद्र मार्युद्र राजेंद्र ने स्प्रमा सूदः ख्रमार्था मार्ये स्ट्रिया द्राप्त स्ट्रिया द्राप्त स् 'ॶॖॺऻॺॱॸॆ॔क़ॱॸॖॺॱय़ढ़ऀॱॻॸॖ॓क़ॱय़ॱढ़ॸऀॱॺऻढ़ॖ॓ॺॱय़ॱॹॱॿॱह॓क़ॱय़ॱढ़ॎॏॺऻॱऄॸॱॱय़ॺॱॺऻॺॖख़ॱय़ॱय़ॱ तवावाः श्रुः श्रुः राज्येत। देः सृः तुतैः वदेतः या विदेशः ग्रीकाः वश्रुकाः यदेः रदः वावतः श्रीः न्वो र्क्वेष्य प्राप्त विष्टेष्य विष्टा विष् वयान्वातानः केवार्ये वाह्यासुर्धाः स्टान्य स्वात्वाः विषयान्यस्य स्वात्वाः विषयान्यस्य स्वात्वाः विषयान्यस्य स यङ्गान्दरः चर्याः सेन् रङ्गायाः विद्याः के स्त्रेष्ट्री विद्याः सेन् दिन स्त्रे स्त्रेष्ट्रीयाः स्त्रे स्त्रेष

यार्टे विदे द्वर दुवुषाव। गुवार्टेव क्षेत्र वसूषायदे द्वो सः वस्र षाउदा वर्षा ५८। र्नेन-न्याश्चित्रान्यसूत्रापदी-न्यो साम्राज्यान्यन् । चयान्यो न्यान्यन् । चयान्यन् । चयान्यन्यन् । चिराया क्रियाराक्षेत्रकी:रवी:सःवययाक्तः वर्यातक्यादरः। यवेदःक्षेत्राक्षी:रवी: इ. चम्रमा २२ । चम्रा मृत्या क्षेत्रा म्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्य पश्री-विश्वराश्ची:क्रियायाः मध्ययाः उद्वाचयाः परुषाद्वाच्याः प्राची विश्वराश्ची:क्रियायाः मध्ययाः उद्वा बर्याः सेन्द्रम् । स्वर्धाः हेर्याः चित्रम् । त्यवार्याः स्वर्धः सव्याः वर्षाः वर्षाः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं योदःददः। हेर्यःव्रेचःश्चीःद्रवोःसः सम्ययः उदः त्रवाः चरुर्यः सुः दहिन देः योदः यदः র্মুনাম:শ্রী-বেদ:দ্র'শ্রিমার। র্মুনাম:প্রম:দ্রম:শ্রীমান্ত্রর'মার:দ্রমাস:স্তদ:রুমা र्ने । व्यायामि स्रुमामी महिन् ये व्याकेंसाव विस्त्र में स्वराम स्रुप्या नदी प्यमानी वर्देव रवा वर्दे व की त्यो रवा रा विवा वा श्रुम केंग विवे र व क्रें र वर पश्चिता विद्यासायाम्यियायो पर्नाता वर्नातामुवास्ययावदास्य सम् त्तरा क्रीया विषय प्रमाद प्रमा रुष् ना शुक्ष र श्री ना नुष्य । । । विमाना शुक्ष र किंद्र न क्रेंद्र न केंद्र नश्चेता बिश्रायदेः स्वाभिरायहेशास्य ग्वीयायादे देते प्यता या स्वाप्य स पर्श्वेर प्रस्तर प्रश्नुवाय प्रमुद्धार प्रश्नेवा प्रत्नेवा प्रवेव प्रत्नेवा प्रत्नेवा प्रत्नेवा प्रत्नेवा प्रत्नेवा प्रत्नेवा १९४. <u>व</u>्या-२८. ४८. श्राच्या क्रिया चीटा खेवा श्रीश्राया निष्ठु, द्वाया १९४. व्याया स्थाया । यय.लट.य.भ्रेका.च.केट.वट्टीट.कु.चर्याया इचा.क्र्य.ता.यार्ट्.कॅचाय.चाध्यायाही. चर्तः रेवा यात्रहें वा प्राप्त प्रकास विष्य मुखा मुखा स्वापाय सुमा स्वी के सा विष्ट्राचर्स्स्रेरःचरःचस्रुवाचर्दरः। अद्याक्क्ष्याचुदःखेस्रयात्स्यः साद्वो चदिःचनेया गहेत्र क्रम्य केत्र गल्त् देत् श्री त्रः पर्वेद् या दे के त्र्वे प्रते वेत्र विष्णा ह्यू पर्द श्री द्रया श्री या *चु*वार्यःसुत्रःक्कुः ५८ । स्रोयाराज्यः प्रसेटः त्रयायायायायायायायः के ५ : ५ : केंस्रायीः वास्पुटः यदे र्कुव वसूत्र य सेवाया र द त्युय वक्क सेंद्र श्राद्य से से य स्था सेवाय सेव योश्रेरक्वीतिर्द्रत्यः क्षेत्रयः क्षेत्रत्र दिर द्राप्तर्या योष्या सुत्रत्वीया वात्या क्षेत्रा सुत्रा <u>ૢ૽ૺ</u>ફ્સપ્યર:ઽૄૹૄઽૡ૽૽ૺૡૢૹૄૹ૱૱૱૱૱૱૱૱૱ૡૹ૽૽૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱૽૽૱૽ૺ૽ૼ ने छैन तहेवा हेव न क्रींवा यदे केन न सेवा वार्य अधि केंया दिया वर्षेर में प्राया ल की निर्मा वेवायावासुरादी वीट वन् भूम म्यापटा वी वी गात त्वुट वहेत यदी वेवाया बर्-न्यादःश्चनःद्रवाःचेन्ःक्चेन्नवाः वाबर-व-न्वनःश्चुन्रवायःक्चेत्रः यश्रासु नते सेमा नग्ति इस नविमासु स्टार हेमा सूर्ण सुरात्र त्युर विस्ति स्टीर विस्ति स्टीर विस्ति स्टीर विस्ति यः ६४ : रटः चुटः रोययः वास्युया वटः नगदः श्चरः रेवा चुनः ग्रीः श्वेवा यः ग्रीः प्या । । । । । । । । या भेरितायासुस्रा गुर्सार प्राप्त प्रमानित स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व યર્જી वर्ववर्यायाधीतार्वे । द्वायायीवायुविवादेवायेत्राय्यायायीयाया च'वरेचर्यायावी **देशेन्'वर्विरामसम्बद्धार मरा स्थार्व से'वर्व प्राप्त प्राप्त से वर्ष से वर्ष प्राप्त से वर्ष से वर्य से वर्य से वर्य से वर्ष से वर्य से वर्ष से वर्य से वर्ष से वर्य से वर्य से वर्य से वर्ष से वर्य से वर्ष से वर्य से वर्य** मर्बेज्यत्वदेवमा विराधमानसूत्राही विराधमानदे दरामान्यात्रास्यात्र दरः यह या क्विया द्वीरा यो या या प्राप्त विष्टा दे त्र या तर्तु या स्रीता यो दे यो यो या या या या या या या या *૾૽ૢ૿*૽ઽૣૺૺ૱ૢ૾ૢૼ૱ૺૹ.ઌૡૹ.ૹૢૢૢૢૢૢૢઌ૾ૺ૱૽૾ૺૹ૾ૺ૱ૢૢૢૢૢૢૣઌૺ૱ૹૢ૽ૢ૿૽ૺૺ૾ઌ૱૱ૢૹ.૱ૺઌ૿૱૿ૺૹૺઌ૽૽ૹૺૹ૿ૢૺૺૺૺૺ૾ૺ૾ दह्यान्वनान्वमा भ्रम्भाक्षेत्रे विद्यानस्य नावन्तु नान्द्रामा ने के निष्या ने विद्यान चर्सेष:र्श्वेह्र्य:यट्य:क्रुय:य:वार्यय:वार्वाय:वार्व:य:सूर:वर्वावी:य्युय:यट्यंवाट्य:योट् र् सूयावया हे सूर विस्रयाम्युसाविद्यायादि सूर धर सुर स्राम्युस्य विस्राम्य

यश्चित्राः ग्राटः स्रोदः यत्रः स्राञ्चारः त्रत्रः स्रोत्याः स्रोत् सव न्द्राचे निवेश्यवीं व स्मुन्यान्द्रान्त्र्रा विष्ठेव विष्ठेव स्त्रान्त्र निवेश्यान तदेवराद्वीरायाधेदायाञ्च राज्ञास्र स्वराष्ट्रीत्वयरायह्दायाद्वीर्यायाञ्चीत्वयरायह्दायाद्वीर्यायाधेदायाञ्चीत्वयरा यर्तेते चार्यास्य त्याँते । वर्त्य या चे के या द्या या वर्ष्य या वर्षेत्र या वर्येत्र या वर्षेत्र या वर्येत्र या वर्येत्र या वर्येत्र या वर्येत्र या वर्येत्र या व বর্ষু । বিষয়ের বিষয় वर्क्ट्रें कुंदे दर्श में रद हेट ग्रीय दुय व्याय युय दु वयवाय यदे द्वी व वयय उद्दर् देवे स्ट्रेट द्या कुला व ख्राका वरुषा की साम की द्या है स्ट्रा की साम की क्रींचया.यक्रम.रेयो.स.सम्राम.करो वीर.क्य.क्र्य.तूपु.क्रीं.ये.यर्कु.ख्रा.तमा.बीर.यष्ट्रिम. षयादेव महिषाये स्ट्रांचित्र प्रति प्रतान स्ट्रांचित्र प्राप्ति हो वित्र प्रतान सुरा स्ट्री स नेयः रवः ग्रीयः हेर्गयः वुदः दुः द्रयेगयः यः येययः उदः वययः उदः व्रः वः येदः यदः द्रयः यविषः ह्र्यायायपुरीटः क्याक्ष्यः मुह्यायपुरक्षे देवक्रूर्यक्रायायाया सूर्यक्रिं व विवरं मासुसार् सीमायासे र भी पर्के पासके व हिन्या है मासिमा स्थापन यारेन् ग्राम् हेयायव्य रंगालेगा होन् नर्गेया वित्रं ग्रास्य रंगास्य राज्य राज् नर्भेशयानिवन्द्रान्त्रे नर्भे श्चिमातर्त्र, मात्रामञ्जी मार्था, मेर्या, मार्था, मार्या, मार्था, मार्था, मार्था, मार्था, मार्था, मार्था, मार्था, मार्था, मार् शें। ।दे'प्यद'कद'ग्रीय'प्यद'यया'यद्द्द्द्र्य'य'सेंद'द्रया

योशीयात्तीयःश्चेयोश्चार्यायात्राचार्यात्राच्यात्रीयश्चार्यात्रीयश्चितः

ट्र.चूर.चर्सेच.त्री

१) सुरार्सुग्रामार्थायार्थायायात्रेत्रमायान्देश

१ न्द्रमाम्यानामस्यानामान्यानामान्यानामान्यानामान्यान्या

<u>२</u>ॱॺॱॻड़ॸॱॻऻॺॖॴॱय़ॱय़ॖ॔ॸऻक़॔ॴॺॱॺॖॱॻऻऄ॔॔॔॔॔ॻॸॱॻॸॖॻॱॺॺॱॾॗॕॗॸॱॾॆऀॱॾऀढ़ॎ॓ढ़ऀॱॸऀॱॸऀॸॱ वश्चवायाने या नरें अञ्चवावश्चवायते नुषा श्ची वर्षे वा वर्षे वर्षा विवादने वर्षा विवादने वर्षा विवादने वर्षा व नुःवर्द्रेषःयवैःगर्वेवःवर्देवषः इयःयः गशुयः श्रुषः म्रुषः हो। नुदः ये निर्देषः श्रुवः प्रश्नुप्राप्तरे स्नुप्रका ग्री मार्के वा के प्रश्नुप्र स्नुप्त स्नुप <u>शरशक्रियास्थ्रयान्त्रन्त्री सिवोबाई वुष प्रैयवापर्यं यात्र्यं राजा । ब्रुथया</u> क्वाप्रेंद्रमाध्याच्याच्याच्या विकाद्यः व्येंद्रमाङ्ग्रीत् क्वींद्रमाङ्ग्रीत् क्वींद्रमा श्रेन्यरहिन्यावव्या विन्त्रवराष्ट्रम्याह्मायम् ।श्चिन्स्यायेषायः **हेश्वास्त्र्वेन्स्यवृत्त्र्व्वा ।हेन्दर्ब्वःस्टेवःयान्निव्याम्यदिः**स्वित् ।विश्वासदिःस्वाः इस्रयाधियानसूत्राहे। देः पदः द्याया सर्वे दात्ताः साम्या द्याया दे । द्यीया दिवे रा व्ययः उर् क्रियोर्डे विरः हे रु गादि र्वर हेवाया यहर हेवय द्वर रेवा वीयः वर वदिः चर्षिया रूट ट्रेंश दश से विस्वा युरा विद्या या सुद में विया स्वा से विस्ता स्वा स्वा स्व <u>ૄ૽ૼ૽૽ૢ૿૱૱ઌૹ૽૽ૢૺૹ૽૽૽૽ૣૼ૽ૄૺૡૹઌઌ૽૽ૺૹઌઌ૱ૡ૱૱ૹ૽૽ૢૹઌઌ૽૽ૢ૽ૼઌૹઌઌઌૡ૽</u> <u>शर्थाः क्रीश्राज्याः ग्रीयाः यो</u> स्त्रीः हुश्राद्याः व्यावताः वर्गेर्याः यथाः

र्मायय से मार्चे के प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित से प्र सुर सुर कुर रेट बिट स्वाय द्वाया रट विवर रे कुरा सुर सुवाय वहत हेट पर्केर पा दर्वे पाष्ठमण उर्दे त्यायायाया स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत ळव्यावय्यात्त्रीं वहरव्यापराद्मवायायराधी तुषाया दे त्यावी प्येत छेरा । ह्यारायारा मर्थेयः चःच प्रचः दः देन् दः श्रीः नर्दे यः श्रुचः यचनः योनः नुः वद्युनः चः योनः चले दः श्रीः वे रः नुः रेव ये के त्यु तु प्येव प्या बिन त्या पहेवा बिन त्या रेवे प्येवा बिन केवा ह्यून बिका है नर्युक् बिकाया हेत्र महित्या हित्य मित्र न्युक्त मित्र न्युक्त सार्वेका ही । वदिःदेवःचेंकिःलेश्वान्तःसद्दःगुःदुःद्वेरःसेदःयःचेंश्वर्या द्वेदःवेःश्वर्यान्त्रस्यः म्रथा ७५ क्षे । मुप्ताया हे मुन्न स्वयाय दुवायाया । विवयाया स्वयायाया ট্রিন্'র'অনমাক্রম'রমম'ডন্'শ্রী'মনে'বন্বা'র্ম্বুর্বাম'বর্ত্ত'নুম'বার্ম্বুম'শ্রী'মনম' मुराम्यययः उन् ग्रीः यद्वितः पदः पोः नेया नर्रः पदः सुग्यायः हे। यहनः पदः दर्धितः यम। श्रुविप्यते तुषा सञ्चाद्वाद प्रचीत्र स्वत्य दिषा ग्रुवा सम्रम् या सम्रम् । तपुरन्तरात्रा श्रेभमात्रम् स्रोत्रमात्री विभागमात्रमा युषाया येदायदे येयाषा उत्राचेदियाची सुवयायदे यावेदि द्राद्ये स्वीतायदे द्राद्ये प्राप्ते द्रा यश्चित्रस्य क्षेत्रस्य भित्रस्य स्था स्थाप्तरः स्थापत्रः स्यापत्रः स्थापत्रः स्यापत्रः स्यापत्रः स्यापत्रः स्थापत्रः स्थापत्रः स्थापत्रः यन्वाःस्टःवाः भेन् विकासवेः व्युक्षा ने वाः क्षित्रं क्षित्रं क्षिः यन्वाः हुः यन्वाः ह वदिःवेद्रशःश्चेद्राश्चिः द्रेशःवेष्ठिःवेद्राद्राद्रवेष्ठेष्विष्ठात्रः द्रवेष्ठेष्ठिष्ठात्रः विष्ठात्रः विष्ठात

योन्यर-नर-वार्थ-नर-श्रुप्तेन्यम्। व्रेश्यायायोन्यमः व्रिनःवात्वत्य। विष्यः योबीट्यात्रया क्योयालेष क्योत्राचे स्थाप कुराया यर्द्धेय.क्रुय.मू.राचीर.मिष्टिया विभात्रभार्थे.यदी.यंभायवीर.क्री.हा.सूर.यर्था. मैराञ्च त्र येद यदे वुद कुव या विवाय रहा श्रीद सूर्वा यो वाया हेया वाद पिट दा युषायेयया ग्रीकेरावावदे लिटा श्रीदाया सुरायदाद्वारायदा स्वीदा सिदा श्रीया विवास न्ययः योन् त्यरः ख्रीतः ख्रीत् स्तरः श्रीतयान् रः रं या विनः या विने या विने या यो ने विषयः योन् या विने या वि क्रेव दि या या मुखा गुव तर् या मुखा नवर यह त्वीर वावया वित या विव से सूत्रा यदि हों गहर्येट पश्चिर श्चिर श्चिर श्चिर श्चर श्चर श्चर श्चर विषय । देव राज्येय तर्वयश्च्यायां न्याक्त्र्रायां क्रिया क्ष्रीया क्षीत्रह्वा न्युत्या ने वाता ध्येत्राया वाता व्याप्ता स्वाप्ता स वर्चाट द्रवीया शहू वाट त्रक्य रेते अर्क्यया द्रया पट वार्येवा वरेवया सुवाया द्रया कुन्-पञ्चिताक्र्यः रेपार्ट्रेवःहे। स्रायदेश्वयः दर्द्वेरः न्दः दर्द्वेयः पदेशह्रैं तत्या पक्षः तर्वे निर्वा शुन्न रे रेते स्नानका सुनस्ने न य के र्डम न हा निते सुमान हिका र्डम न का

१ द्रिमः गुनः न सुवः न सेवः न सेवः व देनमा

यहिश्यः प्रदेशः गुवः वङ्गुवः वविः गर्शवः वविः विश्वः वदेवशः श्रुवः गर्शवः वर्शिशः वर्शेशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शेशः वर्शिशः वर्शिशः वर्शेशः वर्येशः वर्शेशः वर्येशः वर्शेशः वर्येशः वर्येशः वर्येशः वर्येशः वर्

म्रुवा प्रमृत्य प्रद्रमा प्रदेश वा अर्थे वा स्वर्म वा स्वर्म वा स्वर्म विवर प्रवेश श्चुर देवा द्वित द्ववशद्या । हेवाशय श्चेर देवा ख्वाश हे द्या । श्चिव वाहेश **र्बेट्स नेग तुस सहस्ता ।** विष गस्दर्भ हो। वन्य थ रेस मावदादा योत्। विशानन्त्रानुसान्त्र क्षीयो स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र स्वराष्ट्र श्रृंशःक्रेयःश्रुःयःत्रः श्रुवयः योषयः योष्ठेयः गाः व्रिटः ययः यालवः योदः यया ५० दः र्थात्यः श्रीम्थायाये वर्षे । वर्षात्य वर्षे वर्षात्य वर्या वर्षात्य वर्या वर्षात्य वर्षात्य वर्षात्य वर्षात्य वर्षात्य वर्या वर्षात्य वर्या वर्या वर्षात्य वर्षात्य वर्षात्य वर्या वर्या वर्षात्य वर्षात श्चैयायाया विसायतः नवाः विवायाम् नयः विद्यायाः विसायतः स्वीयाया स्वाविदः श्रेषायायायश्चित्रवय्यान्यवायवे स्नेषायायवे वर्षे चायायाया स्वराप्तः स्वराप्तः वर्तेन्यरःन्यादः लेटः स्रोः वर्तेन्यदेः स्वाः वस्यः स्वाः स्वीकः वर्त्वादः वीकः स्रोः वरः या यश्चित्राची वट वया वर्ष वाश्चित्रा वया यो वया यो वर्ष राय विष्ठा या विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा व बुदिःयम्बर्धायम्। ददैःयबःक्क्ष्रीनबःविमासःद्वःम्।स्। विषयमबःस्रीःम ॥ विषयः । श्रुवा वस्य द्वा ये तदी क्षेत्र यश सुर दु हे वर्ड्द सा दू व्यु र हिन स्था व सुव व सा न्यर पति सुर देवा द्वित स्वयं द्वता । विषय सं क्रुन स्वेत पर द्वेन पदे न्यर पति वतःश्रीष्ट्री तुअःग्रयदःभ्रेरःद्वदःक्ष्यःद्वदःद्वदःवस्थःयःदःभ्रुःवद्याःयःसुरःयः यन्नानी कुन श्चीत यम अहिन रेना अधित या विनाया केना यो दीता स्वत्र या स्वत्र या विनाया सेना या स्वत्र या स्वत्र यार्श्वेर डिमा श्वम्यार हे उद्या । विषय यथा महारा यात्राया वाया होती है निषया या विदायर उत्रावद्या यी कुँदाया क्षेराया क्यायर स्रोहेंदि देवा वसे वदे सुवाया है उत्रा लेश'रदी'इसस्य सिंदे, युर्य मिसुस्य दिस्य क्षेत्र सिंद्र सि यश्चम् । बियाहेर् से स्वार्य प्रत्य प्रत्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व यद्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स

३ व्याय भेर रहीर सेर की गरेवा वरेतया

देख्या **दस्य देखा देखा दुष्य दुष्य देखा । यह स्थूद स्थाय द्याय देदी** बुरः। । बरः वहवाः श्रुवः पदे बुरः विश्वश्रः श्रु। । वाबि व्युश्वः हे हे इवः वर्द्धेरः या विश्वयावर्ष्ट्रपूर्वर्श्वीर्वरातुर्य विष्टुरावश्वरं यर्वद्वरा ५८। ।५व्रेर्ये, केर्यंर सरमा क्रमा । । वर्रे ५८ खूँर पर्वे के व्युवा क्रीया जि.मेब.क्रेय.त्र्र्य.त्र्यतातावा विषयात्रायीश्वरायोग्यात्र्यात्र्या या विदेव यदे ने न ने विदेव प्राप्त । हे पर्श्व यद्व यन् या निवास निवास मर्बेवा । मर्बेवानः श्लेदः मी द्रीवाद्यायदेनया । मर्वेदाः स्वादंद्याः स्वादेवा वैं। वित्रक्ष्यश्चायाधीर्येर्द्रवयार्थ्य। विषयार्देवाययार्थर्द्रद् मर्वेषा विश्वात्त्रेव केट श्रेष्ट्री प्रमाट या वया विषा के प्री श्रेषा श्री है व विषा वयातविरायाक्षेत्रार्त्रा विद्वातीयात्रायवारायदास्त्रीययासीद्वीत्रात्रीयात्रायाः त्रव्यत्रुः महिराया लेगा भेराया तर्ने दे रेगा तहिरा भेराया होगा स्वाराधिराया यदः यार्डः स्यायः ध्रेता देः प्यरः **खेँ ज्यूः दुँ यहं याः रायहः विहे दूँ।** वेयः यास्यरः वः **अ**च्चियाञ्चितः क्षेटाचे | **जा** वेट्याञ्चतः क्षेटाचे | क्रुंकेयाञ्चतः क्षेटाचे हो | ष्युः हुँ ते सुनासुरा तन् रायते स्नेट ये नायद नासुरा नार्रे ना तन् रायी र्रोना सूनाया धेता

मह्न् मु, दुं लेश यश्चाह्य हैं विद्याप्त हैं हैं हैं दें हैं हैं दें हैं स्थान हैं स्

रे वे क्रियान्दायम् विष्यान्द्राचित्रम्

१ वर्कुन्:भवे:बार्श्वायःवनेवयःन्देश

 ष्णेयाकेलियारे व्यक्त सन् नुस्तिय देव प्रति स्वर्ता स्वर्ता हो। कुः कर सुविष्य सूर चिलायपुः बुदायम्बरास्या विद्यायमा मुन्यायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वा क्रूर नदे हुँ रायदे अवद वस्र राउद दि नदे विष्य रेट नदे हैं वा वस्र मार्थ रायदे स्टा स्ट चलेव से द स्पर्द : लेद : विस्राया स्तु। दर से दि : यद य : क्रुय : के य : सु : गुव : तुः वबरा विवासवामित्रमित्रायो मेर्गित्रा प्रतित्वा विवासित्रम् यक्त्रिंश्यु न्वीरमान्दायो मेमामहिमासुरमेदायो वित्रक्त्रिंस्यु मामीमान्दा यायायावित तु तु यु यायदे सु र प्रलेट यायाया गात हु प्रवाद प्रित्या विषा सदी समेति प्री बेरामसुरस्य प्रोता वेरसम्भुकु ह्वित रेवा स्वारे हे सेसस्य विस्थास्य रहा बूट वेटिक र्श्वेट हेवाका यदे सुन्दर हे वका स्वी वाकाय है स्ट प्रति सुवाय यदे सुन्दर स्वी के स्वी के स्वी के स्वी यानुवाबायह्रव सु:पु:पो:वेबा:कु:र्रेश:स्वान्धवार्देह:बोसवान्धवःवान्दराविव:क्रीका ব্রীর স্থীমানর্ নমান্ট শাষ্ট্রমোনাক্রি আনার বর্গির মানক্রির আইর ক্রি ক্রিয়া ক্রিয়া ক্রিয়ার ক্রিয়ার করি করি **र्ह्मियानम्बद्धरम् हिया वि**यायातम् तर्नातन्त्र सुरायति सुराम्बद्धारम् स्वीत् स्वास्त्र स्वीत् स्वास्त्र स्वीति स्वास्त्र स्वास्त्र स्वीति स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वीति स्वास्त्र स्वास्त्र स्वीति स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वीति स्वास्त्र स्व ल्ट्रा श्रृहिवाका प्रति श्लेय द्वीत दिव केव से द्वाय राय है है त्य वे श्लिय क्लिय द्वीत द्वीत द्वाय र्यः हे हिंग हे नाया केत्र येदिः क्षेता हे क्षेत्रा खेटा खेट्टर योग्यायादी खेट्टयाया भीत्। **गर्सेयायायदेवसार्वित्रह्मयसाद्यदासुरार्द्धेया ।**लेसायसादेख्या भुग्नस्स्राञ्च सम्मायान्यस्य वार्षेयाचायदेवसायाधितायसाञ्चितः श्रीसावञ्च वसायितः वि पश्चर वर्षा पर्वा वर्षा वरा वर्षा वर्या वर्षा वर्या वर्षा व शहूरी विष्ट्यत्रतात्रक्ष्यक्ष्यक्षेत्रःक्ष्यात्रविद्वत्त्र्य्यात्रक्ष्यत्र । विद्वत्यात्रक्षेत्रः । प्रहार के स्वाप्त विषय के स्वाप्त के स्वाप् ब्रैं बोट फ़ देव द्या केंबा ग्री याहेंद्र। विषय या ह्यें प्राप्त ह्यें केंद्र ये देवा वहीं व ब्रैं कोट

५'यार्श्वेर्यान्यायार्क्रमायी हेर्ग्यायायार्वे (नु:श्वुर:शेंट:नदे:नव:सेंदि:सेंग्याय्यायन्:ग्री: यहिंद्रायायदवःद्वदःवस्त्रुप्रःवदेःद्ववदःदवदःहेदेतेःस्वेवायःदेवावहिंदःश्रेयोवहिंदः यहम्मन्यान्येकामित्रेन् सेवान्यादित्विर्योक्षस्भूम् विवायस्यावा यातहरान्ययार्द्वेत् येदिः श्रुवायार्द्वेतान्येत् केत् येतिहरान्ययायने यात्राहेत् लेयायाया तदेश स्ट्रिया स्वाया केव सेवि देव स्वादेव दि श्रुरायया क्षेत्रा या देश दिया स्वादि केवा श्री तिविर व्यास्त्रुरावावर्वे गुद्धावावे क्षेत्र दुर्सुरावरासहित्याचे देवे दित्र दित्र हित्र हा केत्र में या या विषाययायकेंग् मी नहें या मुना महेयाय में केता हुं ता सु हान न तहतः त्युकातर्थे च क्रेत्र चेतिः सुरः चलेरका चतिः च रु क्रेत् च सामी क्रियाः वयागठेगायानकुन्ने छो क्वा केवाचे प्यव केन् देशावहेव नम् प्यानकुन्य प्यापेव। ने भुन्तुते तयम् वास्ते देवा तहें व स्वास्य स् तर्वयर्था मुर्वा विद्याया । विद्यायया विद्याया विद्याया । यक्र्याः हे तयर या व्याया । व्याया वित्र में प्रकृत्य क्रिया वित्र ब्वया । अविवःवर्ग्वेदैः द्वीद्रयः अर्द्धेन् चगवः चवयः वर्धेगयः येदः श्चीरा |ग्रार्थेयायायदेवसार्थेयवसार्थेयाय्येयार्थेया |वियाययायदंशात् म्रीर मी मुन महिमायहा तत्तुर । विषय य ने तर्ह्या मुन्नीर तर्देश सुर्वे र स्वर्था मुका ग्री श्चेंश्वायायर स्वायाग्री प्रसूत्र या द्रम्य स्वीद्र यादे यादे वादेवा यद्या क्रुयाम् हेयायम् । यहुराम् वयादे । द्यायम् सुम्या छी स्यायस्य ययर्था. मुर्याया विषयः यथा यथः रया. चयः शुः रुषः स्मेतः स्मेतः स्मेतः स्मेतः स्मेतः स्मेतः स्मेतः स्मेतः स्मेत বস:মার্ছ্র-মেরে: ধ্রুবাঝা শ্রী:শ্রুঝা মার্করা ই রেবদ ঝার্ক্রাবাঝা বাঝ্র মার্ন হৈ বি। देन् वेर विषय भीव हो। विषय हिष्या श्री मित्र मित्र की सकेंद्र पर मित्र म <u> हे केंबाबदाग्रीद्वीदबासुकेंबासूदीवर्ड्यायां वे या वे गुवायां वे स्तारीक्यां केंबाग्री</u> येन्दिन् चेर्धेव् वे । यावदःदर्वेदिः न्वीत्यः यहेन् नगादः ननयः दहेन्यायः येन् म्निरः। विषयः यस्यागुत्रः सित्रः मित्रः स्वेतः स्वायन्त्रस्यः स्वीयः सीर्यः विषयः सीर्यः सीर्यः सीर्यः सीर्यः स हेरासुपन्तर्ति। यो वेरास्रायतः तर्वेति प्रीट्रसाम्रीमिने रासहितः वया सेति प्राप्तातः ववर्षायार्रेषावर्षेत्राकेत्रायावर्षेषायाः स्वारायान्या विशेषायाः यर्नेयम्भू त्यम् त्रुंच र्चेच र्चेच र्चेच । विमायमायस्व प्रते प्रत्यामायः वहें व न्वातः रवः न्यतः वे रन्दः विष्ठेषः सुः स्रोन् । यदे : ज्ञाः स्राधिनः द्वसः यः यः वार्षेयः वः स्रीनः द्वसः वर्नवर्षास्यात्रम् व्यवस्त्रम् वी विद्यस्त्रम् सुर्वा स्वयः विद्ययः विद्यस्य स्वयः स्वयः विद्यस्य स्वयः विद्यस्य स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स र्शे। विदेवसायकूर्यस्थित्यस्य के के स्था स्थानिक स्था स्थानिक स्था स्थानिक स् **बनमा ।**बेरायायहेग्रायायेन्यं स्वरायस्ति । व्यापादेन्यं स्वरायस्ति । व्यापादेन्यं स्वरायस्य । **योदःक्रिजानदःश्रीबीदरः। ।**खेरानाहासिःश्रदेःसःत्रान्यातः **श्रीजानदःश्रीश्रक्यः श्रे वश्चर त्रायिक्यर्यं।** विषय या हैं वाषा केत्र पति या श्चे वश्चर त्रायिक हैं हैं ५८। **कुथानदेश्वर्यम्बदायदायवदायवाया ।** बिर्वासादवीयहास ५८ में हो दे ५ मा वा वार्ष्य मा वार्षेय मा वार्येय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्येय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्षेय मा वार्येय मा वार्षेय मा वार्येय मा **क्रैंबा ।**बेर्यान्या **नेरामान्यया सेर्याहे न्या ।**बेर्याया सर्वे स्रिक्षेत्रा यर्रे:प्रमा **ऑक्तुव वर्द्धनायाञ्चयार्द्धयाग्रीप्रवरायेवित्वयया ।**वियायाप्रस्था श्रुवार्क्टर्दरा **गुवायदीन्वर्युगायद्वावर्दया ।** विवायायदार्वेर

द्रा अर्द्ध श्रुम् स्राया अर्द्ध श्रुम स्राया श्रुम प्रस्ति प्रायम स्राया स्रा

१ वर् मुर क्रेंब यम

५८:यें कें तद्देर:यें वायति क्रेंब वाया

नमृत्य उत्र भीत या ने या त्रा दे त्या वर्षा वर्षेत्र परिष्य प्रमान त्तुहः नते ह्वे ह्ये अप्यते अशु ने प्यया प्ययाप्य के द्वा नय्यय स्ट त्व्वियानते । |पर्यथार्ट्रव् र्व्वा हि.श्री विवार्क्वा वार्यु राप्तय के वि विद्या स्था वि बेब पते ह्याँ । प्रथम् या स्ट्रिं सुया दुः युया पते स्तुया या से सा । बेब सम्बर्ध स्था । बेब सम्बर्ध स्था । न्त्रमा वार प्यर दर्वोबा से देव विवासी दिन्द से साम हिन्द से साम हिन्द से साम हिन्द से साम साम से सा श्रीयाः प्रबेद । प्रवेशः प्रवास्त्र व्यापा स्ति हो स्वापा स्ति हो स्वापा स्ति हो स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स ५८ व्योत्य ब्रोन व्योत्तर्भाषा स्रोत प्राये प्रायाय द्वेत उत्तर व्यवेत्य क्रिन देत ५८ व्यव प्रायन ५ ५८ मुर्याया केत्र विकार राजी क्षेत्रा प्रवित पुरानगुरा है। के मासुरानगाया पश्चान वा हे वे पानम्बेर्या संस्थान्य विषय में व्याप्त स्थान न्रञ्जन। विन्यम् नु वन संदि स्य भी ने व व सम्य हो निष्य मार्थे व स्य केव संय विन ब्रेंन् सेन् पर १९ समा खुः वेद पाय। व्रेस क्रुन् सेन् पर्द श्रुन रहेंग्य ले रुष क्षेत्रा विषयम् द्वेत्रःक्षरः विषयः प्रत्यः विषयः प्रतिष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः व न्ञभुरः वर्हेना या सैन्या ने वर्ष का सामित्र या सीता या स्त्री नाया ने स्तर्भ नाया न्दें या ग्रावयान्या परता लेगा द्वाया र्क्ष्या हो या जीता ग्राव्या पर प्राप्त पर प्राप्त पर प्राप्त पर प्राप्त नर्ज्ञेन'यतम्य न्युः स्री श्रुवःयर ले स्रीट तुर रुषःयदे नि हैट त्रा त्युः रच से द्या ष्ठी:देर:ब्रॅट:रुब:पंबर:खुनवा:ब्रुट:डेब:य:क्रु:तुदे:ब्र्नेट:रुब:ग्रीवा व्रुनवा:क्रुट: नवीं स्थायते द्वीत स्वयाय विषय । देशाय शास्त्र स्वया शास्त्र स्वया शास्त्र स्वया शास्त्र स्वया शास्त्र स्वया श ॔ख़ॖॺॱॸॖॴॱऄॗॖॺॱय़ढ़ॱऒॱढ़ऻॺॱॻॖऀॱॿॻॱऒ॔ॱॸऒ॔॔ॸऒढ़ॻऀॿॖॺॱक़ॖय़ॺॱऒॴॺॱॴढ़ॎय़ऀॱॻ**ॸॱॶऀ**ॴॱ

উমালাম্যুদ্রমা অদ্যা **মুদ্রমীন্দ্রিক্তনেন্মা আরম্বর্কারীর বিদ্যা** यक्षे भिष्ठाभ्रयसभीन्द्रीन्यसन्दर्भन्तेषायदेषान्द्रम् ।र्हेसभेनः श्रेव लिटा विशस्त्र म्हिट श्रेन मदि तिर्वर तिर्वर तिर्वर तिर्वर विश्व श्री श्रेष श्रिक श्री विश्व श ড়৾৽য়য়৽৴য়৽য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ড়য়ৼয়ৣড়ঢ়৽৻য়য়য়৽য়ৢঢ়য়ড়য়৽ঢ়ৢ৾৽৽৽য়ৢ৽য়য়য়ঌ৾য়৽ श्चर्रात्राः ह्वायः श्चीत्रायदेः तद्यय। विषायया श्वरः विषाः श्चरः ह्वाय। श्च च्यवायः स्वायः सु: ५वा ६वः हेवा र्क्रयः सुरः स्वीयः प्रते: ५वा र्ह्यवायः स्वीयः वास्यः यावारः ब्रीय.तपु.पर्चेश.पी.थ्री सेर.सेर.वी.क्र्र्जा.श्रेर.तपु.क्र्योश.ता.क्री विश्वात्तवासीर. वुदै: प्युत्य: ब्रम्भाः अदः क्रुं। योदः द्वाः विदेशः विदेश <u>५८.चल.५े.चे.चे.दे.के.देल.के.चल.चल.चल.चल.चल.चल.चल.</u> ययातन्यारेषा पतिःषान्यया । वियाययानेयान्ययान्ते पीतिह्यायापीनान्धिन् श्री भः ब्रेंब्रान्ब्रीम्बायान्दान्वस्थायाय्यायन्यस्थान्त्रास्यान्त्रस्या क्र्यान्नेन सर्व सुराहेव यर सर्वेद यर स्वेत । डेयाययात्र वया सूर यविते व्याया र्क्र-१८ म्बर्भुव वया ग्रमुद्दया यय। दे भ्रमु त्रुदे रेगा यदे रदा ग्रम्द्र या स्विदे यर्देव द् श्चुरपार्केष क्षेत्र यर्देव सुयायायर्देवा याधीव व दे क्षेत्र हेव परायर्धेट परा र्व्या डेया थे। । **यद्ध्य यद्ध्य म्यद्यम् व्यव्यक्त व्यव्यक्त म्यद्भयम् । अपूर्य व्यव्य** जुदुःश्रेष्टाश्रूदःबूट्रिंदन्त्रा । र्याञ्चलःबूट्यःश्रुदेःबुट्रियश्र्यःक्र्र्रावः

म्रेयमा व्रिमः वर्षः वर्षः क्षेत्रः वर्षः क्षेत्रः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः **गहतःश्चेन वेतः प्रत्येग ।** हेर्या ग्रुट्या हे। ने प्यतः सर्वतः स्रेतः हेर्गा पा द्वयः ग्रिंग तहतः वेर सूर्या । सुर् र द्विया योदे हमसः सूर ग्रेंट र तसेया । विसः प्रशासक्ष्यायाः हेता पाय्या इसाय र में या प्रति यहता ने र में सुप्राया सुप्ता प्राया विषा येदिः हम्माश्चीः सूरः चः वेदः दुः तथेया चः वे हम्मावेदः तथेया दरः देवा स्यायेद्याः सूदिः बैट (यस्रमः कॅट्रायायमा । बिमायमारीम् स्यापेटमासु <u>क</u>्षिमारा हे उत्तर सूट व्रिट्याञ्जूतिः विदा्वस्यायसाञ्चर पुरांतुः व्यायेवसाय दे वि देवाया कर्षेत्रया क्र्याचर ह्यें तर्य क्रुये में रायरया क्या यया वियायया क्र्या खे स्रूर पा स्यया उन्दर्केशक्षेन् क्रुोत्यः योन्यादेः क्रोंन्यन् न्याते क्रोंन्य विश्वास्त्र क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि धीन निर्देशन निर्मालक मानिक के निर्मालक मानिक मा नुअः सुरः वाह्रवः श्रीरः चेवः यरः वेवा । डेयः ययः वार्वेवः तुः नुयः सुः वेयः यः सृः वश्चरः चदः शुर्वे स्रॉट साधित सदे स्ट्रिंग स्रीत स्रिवा स्रीत मर्बिन सुःबेशयन्दा धुःमार्थायाधीःस्यानुःश्रीः स्रोदेन यसमानितः मार्थायाधीःस्यानुः यावयायवयावर यायव्यास्य नविष्णे वेयाध्येव सविक्व वया देव द्वा क्या क्री सुवि सासूद श्चरत्र्यात्र्याञ्चालेयाम्बर्या देखात्र्वेतात्र्वेतात्र्यः श्चर्यात्रात्त्रेत्रः विकास्यात्रः व्यान्ना तुस्र सुदि न्वावया सुनाया सर्वे न् नु श्चुर वया निव सीन विव पर सेना हेया योशीरकात्त्रकानुः त्राविष्ट्रम् अत्तर्भात्रम् अत्याचार्यात्रम् अत्यान्त्रम् विष्ट्रम्

मिर्देशायायम् दूराज्ञीयायदः श्चेत्रायसा

ने विष्ण्य स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वित्र स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत

यसुरशयदेशें विकेय देन्यायय गान्या रेंग सुर वरा विर देवे सूर क ज्रूरअ.श्रुर.र्द्र्यश्रश्चर.ग्रुज। विग्रश्चर्र.ग्रूर.येज.जश्ची.र्रज्या वया । अयम् तुःवह्वाः भ्रुः तुः राष्ट्रीयः वरः विवा । वेवाः वाव्युः वाव इयायम्बर्भारतम् यास्त्राचा । वियाययानीय मुत्रायम् वियायाणा मे ह्याया त.कुर्न.त्त.जार्शिट्यात्रा ट्रे.किं.चेंयु.ह्र्यायाकुर.ट्रेय.क्वी.याय्यात्रीयायायाया हु सार्द्धन यत्र भुराया यो न स्व न स्व मा स्व म सुः सः म्वायात्वा विषायस्य त्वुदः प्रवित्तर्स्य प्रतिः इसः श्चीतः श्चीः सुदः से प्रवासः वार्षान्य वार्षाः বর্ষ্ণীরমান্ত্রীর্মান্ত্রমান্ত श्चरः प्रबेदयावया तेर्दा युया यु कें तिर्देर में विषय या श्वपावी वया विषय कें प्यी त्र दु में दि यर्सेट्यायपु.मू। विद्यात्रयार्थयार्थयात्र्यापम्प्रायप्राययाय्याम्मूल्याय बुद्दिन सुद्द्या हे त्वके विदेशें द्वा विकास विद्वाल विद्याल व न्या विषयम्बर्धितः न्यान्यः विषयः विषय त्ते बूट प्राप्त मुग्न सुमासुस हिट खेर प्राप्त मामया या स्वापाय सिंद क्चै:वय:स्रायत:प्रविवा ।सूर्रः वार्याय:सूर्यायार्थवा:य्यापते:८८:यावावया ।देः क्रॅंन्'सूदे'ग्'न्ग्'र्त्तें न्य'न्द्वैत्या । वययःवेय'य'वर्याकु'यद्या यःह्नेदःदेःसहस्ययःयद्यायदेःसहस्य। ।यदिदःसदेःयविःद्वीदस्यदःयासयः ग्रथर प्रते सुप्रथा । वित्र केंश दुग स्व ग्राव प्रवाद प्रवेद शपदे ग्राँद । डेवा छेत् या वर्डद् या बेद्राय सर्वेव । डेका वासुरकाया सु त्ते स्नावका ने सर्वेवा वरा विवाडेश वासुर्यायया भ्रावया देश विवाडेश विवास اسح.

देश्यम् विदेश्यम् त्रायक्ष्यम् स्वार्थन्त्र स्वार्यन्त्र स्वार्यन्त्य स्वार्यन्त्र स्वार्यन्त्य स्वार्यन्त्र स्वार्यन्त्र स्वार्यन्त्र स्वार्यन्त्र स्वार्यन्त्य

गर्यायाधीयम्ब्रीयानदे ह्रीत यस

 हेरवर्द्धरम्बन्धरर्वेष । डेशम्बर्धर्थाने । देणराम्बरकेरवर्दिः यार्था होया प्राप्त कर्ष्या मी से । विराध्य यात्र केत देन यार्था में हैं हैं से देवि होया । यामळेनानी हे से रामुराया यह या मुयान विवाद या से तर्से या के या सूदी बिया । यद्रेव श्रुर यद्रेन स्वेर या या या या वियायया यद्या स्विय या वियायया या वियायया या वियायया या वियायया य वयावर्द्धयाम्नीयायरास्टाम्वयाग्चीत्रेयास्त्रवित्रदाल्यामदेवाद्वानुम् गर्नेन् अदेःग्रव्याय्यायात्र्याव न्यादः मी याने हेन् नर्गेन् या सुनः से यानर्गेन् वा यश्चेत्रायरमाक्चित्राक्त्राव्यत्वायमात्रक्ताता । विहेव वया सरावित श्चेतायति विरा र्जिट्टा व्रियामयायायश्चित्रयामरामटायट्याम्ययायद्भुयात्राच्याम्यया व अहर ज्ञा है का ज्ञा है का ज्ञा है का ज्ञा का प्रयापुर्यान्दानाव्यायातह्यापितान्ययापायार्थेन्ययापितायान्त्रा वयारदाविव सुवायति विदायस्य वर्षेष्वयास्य देवायास्य वर्षेष्वया न्तुषार्द्धेग्राषात्रोः रेत्वरः वः श्लेष्ठ्रस्य र्श्वोत्यः नृतुष्याक्षः केषः विद्वौषः यदे विदः विस्रवार्थः वृत बिर्नायरायक्वार्यर्न् ग्री:स्राचरारी विश्वायशाविरायरार्द्धावरश्रास्त्रीं प्राप्ता श्री:री.म्रा रैवा'वर्द्धेव'वर्तुष'यवे'बैद'विस्रायाम् वेद्र'ग्री'ये व्यट्टित्। रेवा'वर्द्धेव'क्कु'सर्वेदे वार्टे अर्क्रम्'र्ख्यः क्रियः । विष्यः यषः देवा वहें व व त्युषः यः क्रुः अर्क्रेते रक्षेत्रं व व व व व व व व व व व व व शुरायाला क्रिक् के या शिहेया नियदा के क्रिक शी दिवादा है के तरी दिया है अर। बिरुप्यस्याम्बर्धः म्यास्याम्बर्धः म्यास्यास्य स्थान्यः स्थान् । विरुप्यस्य म्यास्य स्थान् । विरुप्यस्य स्थान् । विरुप मुंजाकुर्याम्भीत्राच्यात्राक्षेत्राज्यात्रम् लूट्याजात्वम् । त्राच्याम् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थ श्चैभाषभारचीयोषारचीर स्रो । भाष्यय ताषायम् प्रयु प्रवेश र त्यू र पर्या प्रश्ने र ।

র্বিল । উমানমার্জাক্রির ক্রর র্মির প্রবামাস্থ্রমান্ত্রী প্রতি ক্রির মার্র ক্রির মান্ত্রী মার্বামান্ত্রমান্ত্রী 'यय'हेंब'सूवा'नसूय'अवद'नवा'यय'न्तुवाय'न्तुन्सूं'रर'नेंब'अवद'रु'हुंबा यालव देव अञ्चत प्रमा विमाया या सुमा वर्षी प्रदेश स्त्रे अञ्चर मा से या का सी है र प्रसेति । यन्नाःभेनःन्यःन्धयःनुःवश्च्राःयरःवेनाःकेषःनेःख्ररःवनेःन्दःयरःनेःख्वेः स्वरःक्षेत्रःनेनः यदे स्वापि तर्यायाया देवा वहें विषया के अवेदे ही व स्वाप हरा विषय न्वीरमानम्बर्धाः विवायदे यने वायेषा । न्यावर्वे राहे वाया हेवा सङ्ग्री वा श्रुव **गर्युयाधी हित्रत्वेवासदेत् धुरस्याक्क्यार्वेतायरःर्वेग ।**३र्याम्युद्या रेवा'वहेंब'कुव्य'च'कु'अर्देवे'चुव'त्वच्य'दर'। व्रिंब'द्वीद्य'चय्य'ये वियायद्यायनेषायाच्या विषायषान्त्रयात्रह्याक्यायाक्यायह्याक्षाया केंग्रा मुन्दीरमानम्मारी विनायते निन्ना केंत्र मेंति समुधिमा न्या तर्वे सहेत्र या ह्र्यायाश्चिष श्चिर यार्थेयाश्चिया । हेष परंग्रेया यार्ष्य श्चिर यर या श्चिया सर स्व्य डेबायबादवात्त्र्विरःश्चीत्युबाहेबावदीते र्वेषात्या हैवाबाङ्गीबाङ्चीदासुबालेबा दे डेबानसुरबायाधीतायबादे स्मानुति द्वेनादेव सुरानुति स्वेचायबायब सिंधेन यमास्मित वयार्थेयान्ययान्दरःवृत्ययाद्वनार्थयान्ययान्यविष्यानावदेनयाद्वीयायाध्येवार्वे॥

र्भे नगर पति यो तथा

नेत्र पर्देश मुं पेता पर्वे प्राप्त के प्रा

देव श्रा त्रुंदि श्री वा स्वर्ध श्री वा स्वर्य श्री वा स्वर्य श्री वा स्वर्ध श्री वा स्वर्ध श्री वा स्वर्ध श्र

वयर र्वेत प्रते स्नुवा मुनु वा प्रवित्त हेया या अवर व्या स्नुवा स्नुवा स्नुवा स्नुवा स्नुवा स्नुवा स्नुवा स्नुवे षदः गुः रुद्धे **अभीत यात्र शाख्रुः धैमायह्व रागुः सूरा तमरामा वार्यादेन ने रा**र्भेमा न्यार ृञ्च तुः विवा वर्षे अपि हे रूट की अधीव या व्यवा खुवाया रवा की व्यवा सुवाया राज्य वा वा विवाय स्वाया स्वाया स्व प्रवेश प्रतेश प्रतेश के प्रति प **बैक् क्रुवब्य लुवाब्या व्याव्य प्रदेश्य प्रदर्श क्रिया व्याप्त क्रिया विश्वा** क्रून वासीया सुर विद्रावह्या यावया यायुरा स्वाया यायुरा स्वाया स् **बेंद्र-द्राधुरा** देवा तहीं दाया केंद्र दावी विश्व केंद्र दिवा विश्व केंद्र की किंद्र अधर ध्रुवा **ॲटश क्रुँट व्हेंबाश** यदे **क्रुदै वें दयद वी क्रुवान क्रुट वा नलग** यते । प्यरः **ह्यायावि कुँ धीया वयायावि यदि यदि वास्त वयायावि यदि ।** नुन्यान्थ्रात् लेवा विद्यास्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्थान्य यत्र्यारोग्रायाः विष्यायाः वास्तुमा द्वार प्रीतः स्त्रीतः स्तिः स्त्रीतः स न्य श्रुवाश दें देव द्वीत द्वावश लुवाश नेश रवा थे नेश की नवर दिया हेंवार्क्विवायायने क्षेत्रकी रूटा नुर्वोवावया **ध्वाक्वित रेवावहेंव क्षेत्र पर्वेत** कुनावा क्षेत्रया अध्य ध्रिया **देश सुदे में दयर में स्नयान सुर या नतमा** डेश म्यूर्य स्नरणट क्षायानिः कुँ व्ययः कुँ प्येवा याष्ट्रियाया विवा स्नूयः यद्यद्यद्य यद्यदः यद्यविव दुः कद्। **बेंग्रब्य म्हर्म् अन्य स्था मुह्याहित यस म्हर्म् विकास है।** जी की स्थार स्थार है। जी की स्थार स्थार है। जी की स्थार स्था स्थार स्थ *য়*ৣॱॾॖ॓ॺॱॻऻॳॖॱॺॖॱॻऻॳॖॶॱज़ऻॳॶढ़ॱॻऻॳॖॶॱॹॹॹॹॹॹॹॹ

नेयाई हिन द्वीत द्वायय लुग्या देया मीया यदेव या देव द्वा ही द्वार हिन। ननर नेव र र जुर वी पो वेश कुर वा क्षेषा गानवा हैवाय य देव वेरे केन तु कुर श्चें वास्त्राय वर्षा मुन्द्र वर्षे के प्रति हें वा पार्के राष्ट्र के प्रति वर्षा सुन्द्र वा स्वापन के प्रति क च्र्याम्बर्गा अधराध्याम्बर्गान्यः व्यवसान् द्रान्त्रः सुद्रास्त्रयः वास्त्रम् में विषाम्बर्धायम्बर्धिः स्वर्मायम्बर्धिः स्वर्मायम्बर्धः स्वर्मायस्य स्वर्मायस्य स्वर्मायस्य स्वर्माः स्वर्मा मशुस्रानु सार्रे महिमानु तद्देश यदे प्रताय सुप्तदे प्रतास्म प्रतीय स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व तदेवराद्रदावर्षेष्यायायवर्द्धियाते। दद्यायाक्रियास्त्रेष्यास्त्रेष्यास्त्रेष्यास्त्रेष्यास्त्रेष्या बेरायाधित यया रदा मी कुनाया देश हैं विविदेश में त्रा मिन विया विदासीय स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स म्बर्या मिन्न निर्देश मिन्न न्ग्रीयाविरानु प्रमुवाविषाञ्चीवायरा मुकायावीया विरोधन प्रमुवाया । सुः स्रितास्या उत्तर्भात्रम् स्वात्रम् न्वर धिव प्यथा वर्षे स्वर स्वर थाया ने त्या न्वा हेवा या श्वेव वा श्वेया ही धिव एत हैं। यर्देदिः यार्चे व : बेनयाः क्रुं दे : वाव ५ : के : नयाः ययाः ५ नदः ने : नुयाः क्रुं व : नुः योव : नर्वे याः विद यक्षेत्रयदेः म्हार्यास्त्रं न्युराने न्दायक्षुत्र त्यादर्मे हिषाया मुन्तु विस्वा योता प्येता अधरः ध्रुवा तद्ययः नुषाः क्षेत्र्यायाः सुष्यरः । तेन् : चेरः क्रेव : देवि : न्वरः लेवा चवा वायवाः ग्रेशयोर्भीर्नर्न्यस्यूर्मेन्यस्य अर्देन्यरः हेन्यायः यर्षास्य सुर्ने त्रव्यः नुते न्यर धेर य ने सुनुते में यते क्वेरिया

चर्षि.म.र्ख्य.चर्चे.क्र्या

सवरः ब्रुवः तसुः तदेः श्लोतयः याययः दुषा वसः क्रेवाः क्रें स्पेः दुषः ग्रुयः क्र्यायक्चिर तर्रुष्ठः स्वयाः क्रुजाः स्वरायन्त्राच्याः स्वरायन्त्रायस्यायः स्वरायन्त्राच्याः स्वरायन्त्राच्याः स्वरायन्त्राच्याः स्वरायन्त्राच्याः स्वरायन्त्राच्याः स्वरायन्त्रायः स्वरायन्त्रायस्यायः स्वरायन्त्रायः स्वरायन्त्रायः स्वरायन्त्रायः स्वरायन्त्र **क्षा । म्हारू स्थान्य स्थिति । ।** विष्य म्यूर्य स्थाने । तुष्य व्याविमः तकैनिते कें भी नुषा तुषा है तके ने विवा हुन निवा निवा के की । रहा वी सूरा ना वस्रा रहन क्रेंब्र्यः स्प्याक्षः क्रीरः बद्यायद्वाः द्वयः देवे विदाययया विदायहणः स्वयः विदायहणः स्वयः विदायहणः स्वयः विदायहणः **बुद्र-विश्वराश्ची** बिश्वरायश्चर हुँद् नुद्र-तह्या हुँयायते बुद्र-विश्वराशी नुव्यराशी **गबै'युषाई'हे'ह्रय'यर्द्धेर'या** बिषायया रूट'हेट'ग्री'गबि'युषाई'हे'ह्रय' त्वें र सर वार्यया न दे हेता वार्यया वर्डे र वें द्या वी विवाद स्वार्थ । विवाद स्वार्थ स्वार् **ग्रुरव्या हे पर्वेद**के के दिस्म प्रमुद्धा प्रविद्धा प्रमुद्धा प्रविद्धा प्रमुद्धा प् **यदयःकुषःहै। ।**बेर्याययः यदः देवा द्वेरायेदः वदे वा केदः येरायद्या कुषः है। **यदेन्द्रः क्रेंद्रः यदे केंद्रयुवा छै।** । बेर्याययात सुराया सेद्रायदे यदे या केद्रार्थान्द्रः रदःचलेत् स्ट्रेंदःहेदःतुः तह्या यदेः रदः स्या कें तस्या भी **येनेषा केत्रा यदिः र्याः** यायमा वेषायषाभी मान्या भूषाया न्याया प्रति भी वेषा केत्र मेरि मेर्या पाने हिन थया **विराम में स्थान में स्थान स्था री ड्रिन्य्य प्रध्य प्रध्य प्रध्य प्रध्य प्रध्य ।** ब्रिय प्रथा प्रथ्य प्रध्य स्थित स्या स्थित क्रा वर्ष्य न्द्रम् माधिव क्री माथ त्रदेव प्रति देन प्रति द्रम् माथ क्रिया मी सूथ यतः श्रू र हे नर्ड्व केव चे यह ततुर मावका वित क्रीका मन्मा बुका सम्राह्म र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स

पदि:न्तुग्रयादिवेतःग्रयायरःग्रवरःत्रयःन्तुग्रयःववेतःयरःसहनःनुःग्रयेय। मर्शेयानक्ष्रीरामीन्ग्रीयाद्रशायदेवस्य । विस्ट्रियार्ट्यास्य स्वी यशःबोर्श्वायःयःवर्तेवशःकुःदेःददःयःसेदःयवेःवाचेरःस्याविषाःसःधीदःयरःददःस्या यानुर पान्नवा से बार्श्वेर वी न् श्रीया वका वाके या पान प्रति प्रवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास **द्यायाधीर्येद्धरम् । प्रयम्भेद्धम् । प्रयम्भेद्धरम् । प्रयम्भेद्धरम्** दे सूर वर्ष्य केंग्र केंग्र का या पीत पर मुर्गिया या क्षेत्र त्र वर्ष वर्षे प्रया पीत त्र মন্ত্ৰির' বস্তু:বুষ:বাষ্য়ম:গ্রী:ব্রীব:ক্রবম:রবামটা:র্রাম:গ্রী:র্রাম:শ্রীম:বা देव गाुव केंग सह्य भी द नवीव द रख्या न सर सहद द न में शिव लेग दे स्ट्रा सदेव हो स **बुर-नु-वह्या-प्रयाद्या-प्रवाद-व्यव्य-प्रवाद-व्यक्त-प्रवाद-व्य-प्रवाद-व्यक्त-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक्त-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प्रवाद-व्यक-प** दुर-दुर-व-विवा-ग्रुय-धया **श्वर-प्यर-श्व-यदि-श्ववाय-गा-दय-देर-वेर-द्यर-धेर्दिन** कॅ.जम.बीकारवयराय.**५८.यक्षाम.बीबा.सचा.बीका.**ब्रेच.बुट.**या यनवा.केन.ड्रे. हेन्द्रवादर्वेरःसरः**क्टेंबन्द्रस्या**ग्रम्थवाद्यदेन्द्रीरःग्ररःदेग्।यार्ज्याक्वीसः**ने प्येर्केन्।वार्यरः हेन् **देन् न्यर क्वेचें र तु**श्व या र्यया **देग हि क्यूर दया** ये सूग प्यर व वदिव वग्या सूज् न<u>ञ</u>्चा**प्रसान्त्रीरकोन्दिग्दिग्दिन्। त**्रेर्वाच्यारम् स्वात्रा स्वात्र म्बर्गियायदेवकायोतुःवर्तुवास्तरा यदेःसूरास्रीमानीःसुयार्तुःसूरावासी स्विःवरः र्बेर्नायकुन्नर्देषायाः मध्यमा । सूरायरायन्याः वर्देषायोन्यवेर्दायाः चलम । मार्चर तहूर रमा मार्गामा मार्ग होर हो हो। । पर्टर क्यामा र हो या ही। म्रासायाम्बर्धयानायदेवस्य । विदेशसूरा इति पुरा दुः च्या सामा । सूत्रा दूर

शुःश्लेषः यहूषः तपुः श्लीः प्रथाः विष्यायाः श्लेषः तथाः यषुः विषाः यपुः स्टारायाः ब्रुच । चार्चायाः सूर्रः स्त्रुः तयाचाः सेर्-यः स्तुः याः चत्रः वास्तुरः। । वार्चायाः सूरः स्तुः याः वार्वः । मसुर या मर्सेया न तर्देनसा निर्दे सुर भेर कुः सुया दुः तकुः न भे। श्रीम्यानुषा स्वीति स्वाप्त स्वाप्त । विश्व प्रस्ति स्वीति यिथे । यश्चीयः प्रस्थायवयाः प्रश्नास्त्राक्ष्यः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः यायान्यस्यानात्रदेनस्य विसानासुरस्यानासुरस्य सुराहेरासुराहेरान्यस्य निसानास्य र्क्षेत्रभाद्ग्वाची रेशाय के लेगा न्या स्थाप में स्थाप राया स्थाप से साथ है राया यानसून्यते म्बुदावहित स्त्रित्य केत् येति दर्शया या मधेरया द्वायते स्त्री नया वश्चुदर्श्वर्शकेन्द्र्भे वहेंद्रयम्बद्ग्यक्त्र्यक्त्र्यक्त्र्यक्त्र्यक्त्र्यक्त्र्यक्त्र्यक्त्र्या विद र्केन् त्रेंद्व त्रुदे क्रू र मीया श्री मार्थे न्यर त्रु माया देश मात्र या न्या के क्रिमा न्या यो अस्य ग्री ग्वर्यायदे न्द्र्याकः व्यक्ति ने त्या भ्रुवा सर्वेदः स्रो ने भ्रुप्तुदे ले भ्रुवा सुदः नु त्र्र्वेया यदः यश्रमः मृत्रः यः स्राध्यायः यत्वा यश्रा श्रीरः यत्र द्वाः यश्राम् विः यत्र द्वाः ब्रैं र कुं ने ने कुं र खें श्वे विन य जेंद्र र सुं ग्रामाय य लेगा जेता विन जेंद्र ग्राट र द न लेता योद्रायार्थेयान्य्यात्र्यात्र्यात्रेयाद्वात्र्यात्रेत्रेत्र्यात्र्यात्रेत्रेत्र्यात्रात्रेत्र्यात्रात्रेत्र्यात्रात्र अर्वेट कु देते दें या मार्या दे या क्षेत्र वे राया प्रेता दे प्रमुद्ध प्रमु नदेः दें ने भे में व्यक्ति हैन दु मुद्दार प्रविषान पुष्टी के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप

हैन् वाडिवा वी सेंट न् सु र्ह्हे वा र्ह्हेन् त्व्या म्याया उन् प्यो मेया सु रे वाडिवा या ने त्व्या मेर्-ह्यायाक्रेव् श्रीःवायानायः पीव्यायरेत्। स्नाययायर् सन्त्रायरे स्वायर्शेकाः धीव। ने स्रोबेर प्रति ह्वाय है धीन हैं साहवाय हैं व स्रोर या वेया त्र हुं ये याता विराधर १४ श्रीयाय १३ में या या श्रीय भ्राय है। ये पा श्रीय श्रीय श्रीय श्रीय श्रीय श्रीय श्रीय ५५.२८.५४.५वीर.क्र्य.४व.४४.५वीर.क्री.५४.४व.श्रीय.व्रूर.व.लूपी ह्याया. बिर्यम्बर् श्रुवायान्य अध्यानु न्येम्ब ही यावार्वेन् बेम्पेन्याम्बित नु पेत् एत ने के रूट भुवाया ग्रीया द्वुट पा धीव वे । । दे व्यया सूट द्वया बेया वासुट या या सहस्रा चलवा ने त्याया त्यान्य स्वरं हेया हो चाया सूर हो न हा स्वरं हा स्वरं है सारे ता नु वाया व नेविःदरःनेःन्दःसःव्यान्यःनस्यक्षांनःन्दःक्षेत्रःयसाद्यन्यसःस्व ह्याःक्ष्यः ययायवर ध्रित्त त नर्देश मृति वेरान तिमा येमिश सुराय नर्देश मृति । नर्देश मृति विस्रकार्त्रे विकारिया विदेव देशाय विविश्वसार्त्रे हे द्वित पर्वेत् मायका ग्राम सुरावका गृव है। यवर रेवि राजा द्वित यर वशुर लेका र्को।

मस्य द्वी य सह्या वी देवा

८८:र्याम्बुट:मी:सह्मार्देन।

৾৾ঀ৾৾৻৸৾৾ঀ৾৽য়ৼ৾৾ৼ৾ঀ৾৽য়৾৽য়৾৽ঀ৾ঀ৾৽ঀ৾৾৽য়য়৾ৼ৽ঀ৾য়৽য়ৢয়৽য়ৢ৻য়ঀঀৼয়৾ৼ৽ঀয়<u>ৢ</u> नःवास्त्रान्वोःवासह्याःवीःनेवःसहनःव्यहःवीःक्षेवःन्। वनेवस्यावक्षेवःन्नःक्षेवः त्रयात्रवात्रव्येत्रासुः हेर्वा द्विवायासहेदः सेद्दाः यदिः इस्ययाः स्वयः हेरः सहस् द्युर्यः सुः र्द्धन्यान्दात्वरात्रकाकेलेटा वादासूत्रानेदाकाटावीत्वर्नेवात्युवाकाकेदाव्यविद्यात्या र्थेन्यने प्रेत्यम् नर्वेषय् मुन्यर्क्ष्यम् प्रेत्यते सुन्यते सुन्यते सुन्यते सुन्यते सुन्यते सुन्यते सुन्यते स यदेवः द्वेषाः मुद्रान्यतेः द्वेवि त्यस्य स्वीयाः यादः द्वेषाः । वस्यसः ददः सुर्यः यादः स्टः सदः सदः स्वीः यवयानुषासुनिक्षुतावयाम् सुनासुनिक्षुत्रे निवालवेथाके वारेन्। वयालवेषास्त्री वर्षे क्केंब ने निवासी निवास स्वास मह्नदे मान्व मलुगाया । प्रमाद हैव केव मेंदि ह्वे वया हैय महूर हो। यश्रिरः स्वाकाग्रीन्देशः य्यानः स्रुधः तुः यार्थिय। । निययः स्व स्वास्य स्वरः सरायः या । श्रून देवा द्यापर व्यवा युः श्रे श्रुवितः। । दे सहन् व्यवायाय सहित्य वे श्रुमामुकाग्रीका म्रियदिन्द्वीत् क्ष्यायाकाकाकाका व्यह्माय स्मिनागुन म्रिनागुन म्रि यरन्याञ्च यन्दा विद्यायायेन् र्केश श्चीन्ययायायेन्या स्थित्ते । । यन्दा वयःश्चीः वेद 'इद 'दव हिंग्य दया | हिंहे 'दकर मी में 'दयर सुर हैंन'

र्वेग ।पङ्ग्यापर्द्येपादी **प्रमोध्यादि धेराक्ष्रेप्रमादी ।प्रदेप्ययाधाः** नेषार्द्ववाषार्द्ववाषानितः। ।वर्षेद्वव्ययाधानेषात्वयाचुद्ववि। ।द्रयायाञ्ज ग्रिक्ष वित्र प्रस्ति । वर्शे ग्राह्म वित्र प्रमान । व्याप्ति । व्यापति वशुरने पर्वत भीता । पान दिस्य प्रमाना । पान दिस्य प्रमाना । पान प्रमान । पान प्रमान । पान प्रमान । पान प्रमान । ५८। ।गुत्र कुन्वहर्ये ने प्यम् ने नवित्र हे। ।ने न्या गुत्र की हे बर्ख्य वन्या क्षेत्र क्रियायाद्मअकारुन् ग्रीका विर्के याचाराया अर्केवा मुत्र विर्वाची विरांग विर्वाची विरांग विर्वाची विरांग व **५वो नवी साम विद्यास्य । । नवा मार्ग क्ष्री मार्ग मार** रैश पेंद फ़्द चर्द ख़्द ख़्द ख़्द स्वापर स्वा । श्रुश्य या ख्या कु र्केश द्र द द्र्य द्र्य स्थू र करा व्हियाम्बिनामञ्जूनामदीस्रास्त्रमारार्थेन्यस्त्रिमा विष्यसञ्ज्ञासाम् यहेश दीन करें । वित्र ने रायस्य मुर्केश या हुनि यर स्वा वित्र हिंगाया वर्ष वैःक्षेरः चेंदे देव चक्षुवःक्षे। विंदेरःश्चेन पदे क्वा यह विष्या विष्या विषया यरद्यायदे के यार्य के वार्षेत्र मेर्टिं के वार्षेत्र स्वरं स र्नेन । क्रुन्य क्रेन्याल्य देव द्वेनाय देश यो द्राया । विस्थय उदासुया महिना **यदयाक्तुयार्थिय ।** डेयायासुद्या देवयासह्यार्देव सहद्यहिन्दी डेका र्रेचाकाया केवा ये हिंदी र केवा की केवा वर्षी केवा वर्षी केवा कर की वर्षी केवा का कार्या केवा का कार्या क इस्रासिक् त्याचा ना त्या होते । देश त्या विद्या याविद्वन्ध्रीयाम्ब्रुट्यानेट द्यास्त्राचार्यस्य महित्यति स्वार्थान्त्रस्य पाविद्वारा

योद्री डियार्या। विस्रक्षः स्वर्धः विद्यार्थे। विस्रक्षः स्वर्धः विद्यार्थे स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स

याहेश्यःयावित्रश्चीःसह्यार्देव।

यस्य क्षित्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत् स्वीत्

यार वी द्याद प्रसुषा द्या के द द्वा प्रथा है के बादा या बाद है द केंद्र स्था दे हुस वा प्रया प्रदेश यदैःवर्त्तयानेःवान्तर्वशक्ष्रिंतःवर्षेदैःदनाःवर्नेतःवनैःनःवेष्वनःयानेत। नेः षर:र:र्के.ज:श्रर:बोर:कोर:वियायायारः। श्रे:वर्र:श्रव:श्रेश:कीश:केंज:बोर:कीर: चर्मेश्र-प्रता रेवीचर्यायन्त्राकुरद्रावुवारिःश्रव्यत्तात्। र्र्यकीःमेरव्यास्य त.शरश.भैश.ग्री.इंश.यह्या.श्र.वैर.क्याश.याश्रीश.क्री.क्रंश.त.यायर.श्रायय.ध्या.लुय. व। न्यायदे केंबा दहिन कुं न्दर न्यायदे केंबा ग्रीया येयायव त्यायव रे छो हेंबा था यमभाराक्ष्माम्बर्गार्भेन् से से से स्वरं सर्वेश स्वरं स क्ष क्षे देव यश मालव लिया से दाया र के देव है से स् स् तह मा सामव के साम्या वैंग मुः ननः यदे यश्रा तुरः दे या ग्राचन कुं में दे या रहा ग्राबद रहे कुँदे देंद वस्र श्रास्त तर् क्षेत्रायाधेत। देव ग्राट ग्रुपायार प्रकृति क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हेब कि त्वीय त्वीर मी क्रियाय विया या या महेब व तर्य या मी क्रियाय प्राप्त स्था त्र्युत्र भ्रीः भ्रुतः है। यगः यापाया पार्थे व गार्थे व ग वन्दर। इन्दर्वुत्तुः निष्ठेषः गान्दरः क्रुं विदेश्यनः यदः क्रें यः वन्दरः निष्ठुयः ये य वर्ह्म्यश्चरम् स्रम् न्य्याया या व्यवस्य स्रोत् स्याने विषय म्यान्य स्थानित्र । स्राध्यस्य स्थानित्र । श्चें प्राथ्य श्वें या चीया चीया चित्र स्ट्रें प्राय्ये प्राय्ये स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स वर्ष्म् वायते मुवावव्यक्ष स्वेता स्वते स्वत्य स्यत्य स्वत्य स्वत् शुरंपदेवर्त्राध्याध्याधिर्वो सः स्वायाययाया श्वीतः श्वराया नहेत्रत्या देत्रात्या यदेव.त.घवयाचीर.री.क्री.तपु.क्र्य.धेर.याचक्र्य.तपु.यावयाजीय याक्री.र्र्य हेयाया वया यनेव.यष्ट्रिय.वहवा.ब्रीय.वजावयायायत्त्रे.यंयु.रव्योट्यायक्रीर्यीवयः म्चित्रकार्यस् स्वारान्ते त्यारान्ते त्यारान्ते वारान्येत् । तर्दे राज्ये राक्ष्याया रेदा हेरा

बेर-दर्गेषा श्वीर-व-र्क्षाबेर-व-श्वान्डं र्व्या श्वीः विवान वर्षावर-य-प्येव-य-व्यक्ति-द्रगाद-वः रेत्। धुःयतःर्क्रेशःयुष्पशःग्रादःयदःद्वरःश्चेःयदःसदःर्धःर्षेत्य। देदःसदःर्क्रेशः योड्यो.ज.लट.शु.रेरे.तपु.शुरायह्याधीट.श्री.ला.शु.योट्याग्री.पश्चि.क.श्रट.तु.ध्याप्रचीट. थेन्याक्षेत्र सेन्। रार्के विन्यारमान्त्र सुराया पुरानु सुराया देशी विन्या प्राप्त स्थापन वित्र स्थापन अर्क्या मश्रुया या ५५ द्राप्ये द्राप्ये या या क्रुं त्र च्राया यो वा या स्माप्ये वा या स्माप्ये वा या विकास वा यदे नवर नु चहर हो। के कुर मृत गर्बित कर या तर या रेन केंगा कु उत्त बिया ही र यहर बीय धीव या या बद्रा केया रही वर दि यय या प्रविव केया तु र हिर पा क्रया है। वदःयदेः क्रेंबः दृदः यः धेवः दृषे वः क्रुः उवः धेवः ब्रेंद्। वेवः ग्रुदः दृदः यः देः वः देषा वः गर्छेयाधेर् हो। हेरियावयार्रा ह्या अर्थ्य वियाप्तरा ह्या अर्थ्य वियाप्तरा वियाप्तरा यावतः विवा स्रे वाहेरा भेटा दे प्यट से ट्रायट ने स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत क्र्यायाञ्चरायायदेवयाचेदाक्षेत्रेचाक्चरायावेषायारेदा वावदाक्चायक्षेत्रा यान्त्रात्र्याः भेषायदेः श्रीरायार्श्चेर्यान्द्राचेरार्केयाः यात्र्रायायाये विदा वःलरःरेवरःभेजःरेरःत्रपुः हेब्रःयवरःरेरः। रेवरः हेव्रःक्र्यः क्रीःहेब्रःयवरः लेब्रः गर्यस्यार्थेन्य। न्येरावद्यान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्रीत्यायायस्य स्रीत्यायायस्य स्रीत्यायायस्य नित्रम् इत्रह्मा इत्रह्मा देवा ने निवर्षा नित्रमा ने निवर्षा निवर्ष वन्ता नेवयःहःवर्श्वेवःवयःद्यःवःनेवःवर्श्वःवयः रेवःवयःवः नेवःववाःवयः ८८। रे.जराके.बुवा.ज.रम्.सर्थात्र.पत्र्या.मर्थास्वायाः पर्यूयायाः सुवायः चेतुः त्युवाः वीः तसेवाः विवा । पार्वेनः नगरः येतिः व्येष्टः स्ट्रीतिः केनः नुः रेन। नयेः नेः पार्वेनः सर्बुट्यायर रेट्रायय बिटा ह्येयात्। न्धिन् गाया चेत्रयाया चार्वात्यात्र स्ट्रित् गायो हिंगा

र्कुर प्रसु कु र्प्येत प्रति द्वापित देवा सम्बन्ध प्रस्त प्रसुरा प्रेत्र प्राप्त देवा मि केरा प्रसूत क्रुं ने : व्यत्र वित्र : वित्र : अवतः यर या सुरा : वित्र : य क्रुं न : न वित्र : य : येन् । <u>५:५५:केंब्र</u> यश्चितः श्रुः ने द्याया ने स्कूर्या स्वर्धाया विद्या हेव श्री से द्याया स्वर्धाया स्वरं स्वर्धाया स्वर्धाया स्वरं स् न्त्वार्थाक्र्याः क्रन् रस्यावन स्रोधरा उन् वस्य राजन्ति ने निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश यः वैवाः भेवा देवः ग्राटः केंबा न्यूना याववः यटः सुदः ग्राचवः दर्गोवः यथा वदेः पर्सेत्रक्षेत्रा क्रिकुर्धरा ह्या शहर्षर्थरात्राहर्षेत्राचे स्वर्थः विद्यास नेयाद्यात्री पर्देव त्यात्राक्षीर दुकाके कुर वी प्यवर दव विवका विदायर ने राया पेरी ने धीव व विकास में के बाजा विवाद विकास मुद्दा व बाजी का बाद में व विवाद केप्परः भेर्नेष्ठाते। वन्नायद्वेत् वरः वयः सर्वेत्। देवायवुरः क्षेरः वयः सः श्चेराम। रे. यर्गेषायार्केन प्यतः यर्गेर तर्गेषार्थेत प्यतः। नेर सेंद प्ययायम्या केप्परः सेन्द्री । वुःरेन्वायार्केविकात्यः रेत्वप्पेन्याः सुः तुःप्पेवः ययान्येरः व। ८ वर् भीषाव प्रवास अवदे कु अर्द्धेदे यार्रे या मुंचें बादर्शे पार्थे वे वे विष् विवान पेर्न प्रकार्वेकायका वर प्रता की विवास प्रकार प्रकार के कि विवास की व ર્શેદશ:દ્વા:સઃદ્વા:વાસુરા:શુરા:વક્ષુદ:યदे:45:એ5:ય:5; ક્રુચશ:ર્કેશ:શુ:ક્ષુઠ:શુરા:અર્વે: विषाः वर्षिवः व्यवसः स्टः वीसः स्टः व्याद्वीनः नवीसा वसः न्यः नवसः स्टः वीसी स्वीतिः र्रट मुद्दार या स्ट्रेंट् से अर्र से केंद्रा वाया है। तस्य या मुन्दा मेंद्रा प्रवास से अर्थ प्राप्त स्ट्री स्ट्री स्ट्रा प्राप्त से स्ट्री स्ट बिवार्च्चेर्यान्दा दार्बेर्वार्क्षेत्रायाययायान्यान्त्रेयात्व्युवात्वर्व दायवाळ्डा कुर्वा या निष्या निषय के त्रिया इत्र त्र्यों क्षे वि क्षे वि वि वि वि वि वि वि वि

विया । श्चिरः भ्रे प्येतः यः ५८ : देवे : त्र रः त्र राः क्षेत्रः यः प्येतः यदे : ख्वरः क्षेत्रः त्र अः न्ये दः खे *ने* अःरवःक्षेः स्वाविषाः वर्दे बः केः सुवः कुरः सुवः द्वे दः यदेः नु अः खुः ववः यः प्ये बः यथा बेर्यामहिषापीत्राचा देव्याम्यम्यत्यत्यत्यस्ति हेव्यस्मारेषाम्यस्यो सेतियस्य यक्कै.यह्रभभाराषु:यर्देर.क्कै.वैभार्यश्चर कुर्ये विष्टे कुर्या की है। हे किलायषु:यर्थर वी श्रिव त्य व्या देन देन देन देन के निर्मा के निर्माण ५८। विक्रम्यात्रम् सिन्द्रभेराचेदिः क्यार्थः स्विषा विरामीस्यान्यः तर्वसानेः लु.सेट.रे.ही विषाताव्यकात्रराष्ट्रियातु.यार्थराजवादीरा विषा योशीरयात्रया कुँच नुरानेराश्रयास्थयात्राश्चायात्रात्रयात्रु स्थायात्र्यात्रास्थास्थास्य स्तर्भा र्भाष्यित्रम् स्वाराम् स्वाराम् स्वार्थितः स्वर्थितः स्वार्थितः स्वर्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्ये स्वर्ये स्वार्थितः स्वार्थितः स्वर्ये स्वर्थितः स्वर्थितः स्वर्ये स्वर्य क्चितानद्यत्त्रेष्ट्रेष्ट्राच्या अस्त्रेद्वे द्वेद्वेद्वाच्या स्ट्रेष्ट्राच्या स्ट्रेष्ट्राच्या स्ट्रेष्ट्राच्य यवात्रेष द्वीत्र सर्वोत् न्द्र तद्वीत्र स्वायाक्ष्यायाः स्वत्र तद्वेत्य सर्वे स्व ने न्द्र ने न्द्र त्येवायाः याधीव हो। अर्केव कार्य हो वियान्या या स्वार् कार्य ने हें हुन ने विकास निवासी व ययान्याःवाः श्रुवाःनुषाःववाः कःस्वाःनुः व्युषाः वर्षेत्राः विवाः धीवः वः नेः वाः उदः स्रोनः यः धीवा दे प्रविद केंबा वी प्राप्त दे प्रमा की दे कि प्राप्त के प्राप्त की অবান্ত্রীর ব্রুমার্ক রাজ্য ক্রুর ক্রিনের ক্রির্মার প্রার্মার ক্রিমার ক্রিনের ক্রুমার ক্রুর কা नद्रन्युष्य य देवा सेदा सेदा सेदा सेदा सेदा महत्र महत्र की दिया है व महत्र की दिया है व से स्था चक्कियाः यश्च र्राञ्च र स्त्रे स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान केंबा की द्वताया तदा विवासेता तदु तिही द्वया वायोद वी पद दि विदान वा प्रतासी विवास व र्वेच.त.पर्रःश्रेश र्वेच.४.क्र्यार्थक्त्रार्थिय.हो पर्वर्यः पर्वर्यः विचायर्जेतात्वः देशः योहेरायारे साम्रीययायायया विवासी विवासी विवासी साम्रीयाया विवासी साम्रीयाया विवासी साम्रीयाया विवासी साम्रीयाय वस्रवर्दे हुं कुष्यायाष्प्रवायाय्येव वित्रेता अर्दे रवि के वित्रेष्ठी विष्यायात्र वित्रेष्ठी विष्यायात्र वित्र यरे क्षु क्षुर प्रमासम्बन्धिया में भाष्यस्था या वा वा विष्या विषया विष लट.क्यायास्टर्सेट्यायासुसार्ययार्थ्यार्थ्यन्स्रीतिस्रीतिःस्रीतिःस्रीतिः रेत्। तेत्रःग्रदःकेत्रसेदशद्वाःचाःक्षुश्यःयतेःश्लवशयःवःदेतेःवाक्षेत्रःचार्यस्यःस्यःवीःह्येः ब्रैंवर्यान्दावसूत्र्यारे स्टास्टामीयावहेत्रत्यायमी तेत्राव्ययास्। व्रायानमित्रा श्रुर्थः वीयोग्नार्यः स्रोत्र स्रोत्याताः कुर्सेयो श्रीरः जन्नाः स्रीत्यत्यः स्रीत्र श्रीरः रहे स्रायेशः पक्किंट.त.केंट.वृट्। क्किंट.लट.ट्रेंब.चे.च.ब्रेंच.ब्रेंच.ब्रेंच.ब्रेंट.केंट.कंट.कंट. विवान्त्रयात्रवीत् स्रोत् रे होत् रत्वीयाते। वर्षस्र हो विवान्तर्यायम् स्रोत् वर्क्चित्रयाहेराव्याक्षुरावात्त्व्वयायीया वेराययायादिवानेयायीत्रायीयाया द्रस्यायद्रःक्रमात्वरःम्बिःक्र्रःयात्रीमानीयामस्यायास्यात्रःम्बिमात्यसार्वेनाः र्येन्। क्षेट्रहेयद्रायेयया क्षेत्रहेय्वद्रया देवा द्रया येयया कुन् केयान्य तदेवा हे व्याप्त विषया म्रे दें साबिया बेदा बद्य राष्ट्रीय द्रा क्या दे ध्येया विवा धेदा व्याप्त ह्या स्रो क्षेत्र चत्रुषाक्षात्रीन्व्याप्रवानितः क्रीं राष्ट्री रा <u>२८.स.म.५.कृष्वतार्रम्भभीतम्भागम्भरःम्</u>राचर्ट्रे,कुर् यासारेत्। देवसार्क्टासमार्थसमार्थसमार्थनातास्त्रीत्स्त्रीत्स्त्रीत्रः र्शरः। मुःह्रियेरःदेग्। तर्वे तरायायाय्यूष्ये । यर्थाः मुयायस्व प्रते मिलायाः रेना वश्चवःयदेःवालेःखःयानेःश्चवाःवीःवज्ञषःत्यःवलेबःनुःश्चूदःनवींशा नुषः वित्रः भ्रेति यः नदः वसूत यः विशेषः गवि वन्वा हिनः ने न्या केषा वनुवा वा धीतः वा देवै:वर्हेद्व:व्यूट:धेव:व्यूव:व्यूव:व्यूव:य:धेव:व्यूट: चर्षयामा दे.चर्षयामानमान्ध्रीयायापमान्त्रमान्दराचमान्त्रम् सम्भानातान्त्रीयान यम्भून प्रति नक्ष्मन प्रति के क्रिया मान्य स्थान मान्य स्थान त्तराश्वरश्चित्राश्चीत्रवेत्रायार वया यी क्षूर्य स्वर्धर यथा अर्थुरश्चा सेर्वित्यः ने भी हे य लुग्य के । । शुन यदे ये ग्या ग्युर विस्व य य य से दिग्य । यर। विरूप रें हुँ प्यर द्वा हूँ या यदे स्नुया य उठ्या विषय स्वा दे प्यर स्नुया पर्वे श्रेव यय ध्येव। विया वास्ट्रायय। ध्येव मुव श्रीय श्री वालि मेव स्तुय श्रिययः यार्बर अप्तेया प्रतः क्रुन् वा व्यवस्त्रे प्रतः स्रोन् ग्राहः वर्को वा व्यवस्त्रे वा व्यवस्त्रे वा व्यवस्त्रे व यदे यर्केन मान्या रेन प्येन युः यान्यात नया है सुर सून सुन सी हुन सी हुन श्रेवाः प्रदः क्षेत्रः सङ्ग्रस्य । । सः ध्येषः स्वत्यः वाः वः स्वतः । इत्रः यः सुरः सुरः नम्भान्नी विषयः विषय यः भूषे त्रमा भरः तृः कूर्ये भारतुः षेरः षे विष्ठा किंदि भारति प्रमाणिकः त्रमा कुंयाविस्रयार्षेत्वार्वेषाकुराक्के त्रस्य स्थाना । विदायहेवारीया स्वायक्केताया नावा यः सेदा । डेरा म्यूर्यायाः सूराधिया र्द्ध्यः विस्रयाः सामार्डदः वः प्रविः प्रवास्त्र इस्रायर द्वाया वित्र द्वीया दे साद्वाय द्वीर व र्स्ट्रेट से विश्वेश प्रति वे विद्वार

येन्द्रवर्षात्रुं येन्। १ने सून्यया श्री हेन्द्रवेषा दर्शे व्या सूनिया विषा योरीरका विरातरारी, र्राटार्य की यर्षेषाता भेषाया रेषाया भेषा विराय राष्ट्री प्रकार हो। पश्चित्र पार्श्व मिर्देश हित्र हो नित्र स्वापार्थ स्वापार्य स्वापा रयान्यापरायुराद्गरयाकुतेयार्दे हिरावहैन क्यायेतियुरा वस्र्यापायाङ्गतेः सुर में हो क्षेत्र है। । १८० नदे के सब छिष व र ८ क्षे स कर २८। विर्वासन्दर्भः स्थान्त्रेयः स्थान्त्रेयः विष् विवारियाक्तिवा । वार विवार्य क्षेत्राक्ष्य स्थान स्वार्थ । विदे योर्चयायायम्भवःतायह्याःत्रमञ्जूमःयदेःह्याः । १३वःवयाः १, वे प्रमूचःयः यार्व्याः वहेवः या विशेद्वस्थाने दे दे प्रसाहित्यम् या विश्वानस्म स्था यर्वताचित्रमानुमानकुः सामञ्जामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान रुषायद्भरमञ्जूदाद्भावामारेद। मञ्जूदाहिःसूराद्भावालेष। द्रयायास्रीदायया विवः हुः चशुरः द्रगावः दरः। । द्रशः धरः श्रुरः धश्वः ववः श्रीशः श्रेवः द्वेविः या विश्वयायातवादराखां के विदेशका विद्या विद् याच्चेत्राखरा। वियायहेवायायेत्रायसूत्रं हैयावासूत्र्यायासूत्र। विययासूत्र हैवः बेंदिः ब्रामः सामविवः मृगिवः यदेः मुखः वदिम्। सः मेः में में स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः सम्बन्धः स यः भेतः प्रथा रदः कुन् त्या यलुग्राया ये अदयः कुरा यसूत्रः या सदः ग्रीया द्वी दे राह्ये न कुंदेवायको अतदीविष्ट्रातकुरत्रत्यामस्य दर्गन्यते मस्य परिकुत्वी प्येत यय। इरक्यान सुदे पर या कुरवर्गे सुवा वार्डर सम्मद वया सहिवा या धीव वा रेशःशुः सक्दः पदे दर्शेदः श्रुं सुः सुः रूपेदः शुदे श्रुः देवायः धीदः पदः। वर्षे देवे द्विसयः श्रीः

नञ्जनम्पते सामानहत प्रमेशमाया यह नम्भान में स्वापते हो स्वरापते हो द्युपः प्रते: हे सः त्युरः स्ट्री । । त्युः प्रते: स्र्योतः पुना सः स्वादः स्रीतः । यम विविद्यानदे श्रीमानदे निष्या विकास के स्वर्थन विकास के सम्बर्धन विकास के समित्र क पर्टर्जीयाप्रश्चेयापायाया विषयायाय्रियापया श्चित्रं विषयायायाः विं तथायन्यः स्वान्यः भरायन् स्वान्यः चसूत्रः पर्वे न्वोः क्वें राये वान्यः क्वां सा यक्तिम् विसायते या बताया प्रिया ने त्या कि रामे कि सी सी कि सी में कि सी मार्थ कि मार्थ कि सी मार्थ कि मार्थ कि सी मार्थ कि मा याचयः क्र्यः वरः अधिव क्रिया श्राक्षयः याचितः स्वरः यः रेता याक्षयः क्राः वाक्षयः वाकष्यः वाक्षयः वाक् योद्राययानी दुर्या सूचा पर्योग पाने देन योद्रायी से प्राया प्राया से प्राया प्राया से यश्वर द्रम्या मे प्रतास्त्र स्त्र स् यिन सन् स्वार में त्र क्षेत्रिया । यहान से में प्रायम के के वार साम हो । ॔ॳॣॸॱॻॖॴढ़ॱॸॸॱऄॗऀॸ॔ॱॸ॓॔ज़ॴॹॸॱऄॗऀॸऻॗॱऻऄॴक़ॖॱॴऄॱॳॴक़ॕॸॱॺॏॴॹड़ॴ र्विया.पर्वर.पर। विश्वरा.बर्र.सुँगित.र्ट्य.र्रे.सुँगःत.पर्वथ। विश्वरा.करःश्रः युषाद्वीः यदैः ययः दह्याः स्ट्राः । क्विं वषायीः क्वें ह्याः दहितः क्वृतः स्थि पर्सेया विमायमिरमाराज्ञेरा महात्रिः ह्या. मी. रत्त्रेय. त्राय करे. रेशय हीर. र्गे-दिवीयानर्दितालयःकर्वत्वार्थाकर्वत्वार्थाः हेष्यात्रेत्त्रेत्व्यात्वार्म्स्येतात्वार् रेन डेंग म्यूर्य प्रयास्त्र रेन्ट्र विन् क्षेत्र रानु । वुः पर्वः सह्याः स्र्याः स्वा व्रेन्ट्रियाक्षी क्रियाम्य सह्यायी यया गान्ट्रियाचे निर्मा क्रियान या यया व्यया यात्रमार्नेताको प्येना स्ट्रेंकानमा व्यवसारी सुविधिता कुरि नेता क्या प्येना स्वया स्ट्रेंचिती वर-रु:प्येव प्यर-वर्षा श्रेन्वेव या प्यया विस्व के कुर वार वी वर वया प्येव रुरा

रदः व्यकाप्यतः विवा द्वुदः तः देः वा स्ववा देवा ददः दत्र को स्रका स्वेदा व व व दः वे स्ववा वे यिष्ठेशः गाःशः स्रस्यः विः दर्वुदः चः सः अन्तरः स्टः स्तुशः चर्त्वः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स यम्बर्यात्याचर्द्व्यान्दर्व्यान्दर्व्यान्दरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स यर प्रयासुरा सुरा रे प्रवेशिया से स्रीत । प्रवेशिया पर प्रयास । स्रीत ह्रवार्याची व्राचीत्राच्याः स्वार्यात्राच्याः व्राचीत्राच्याः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ता व्यावर्हेवान्तर्वोद्या ने प्यमायमा क्षेत्रीत्रायमा विषयमा श्रुपु:पन्नर्द्रप्तं स्वापन्य त्याप्त्रे स्वापन्य त्यापन्य त्यापन्य त्यापन्य त्यापन्य स्वापन्य त्यापन्य त्यापन येत्। वर पर क्रुत्या पहण्या वया पर जी भी भें कुराया पश्चर वया पक्षा या विष्र नदानेतीवदानुवदानेवाळेदात्रावनुवाववानमून्योत्। नेवावानयानेवाहेवाहेन्या न्गातः सुनाया हेन्द्रायदाया के सुया के स्था ह्या या के पा पर्ज्ञेन्। व्यवस्थान्यत्रं व निः दुषः द्रयः यदिः खुः केवास्यः व किन्यः रे वः सुवसः वादसः म्बर्भित्र येन यने के बिर्म्य याचे राज्य में सूर्य ने न्याय के के यहि म्याय में निर्मान र क्रिन क्षिकेयार्हेन्ययाकुः येदायाबेगाय राकुः येदायायेदा देयावा प्रवास्त्र संदेशे सार्वेः तर्ने यः म्रम्या उत्राचितः वितः क्षेप्तित्व द्रम्पा प्रति क्ष्यः स्त्रूत्य या प्रति क्ष्यः स्त्रूत्य वितः द्रम् वार्षेत् ग्राम्माम् वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे याद्यास्त्रप्रास्त्रप्रास्त्रपास्त्रीया स्त्रीयाद्यास्त्रपास्त्रपास्त्रपास्त्रपास्त्रपास्त्रपास्त्रपास्त्रपास् रेत्। ब्रीकेंकेंबायाञ्चेतात्रम्इवायाबादाद्वेवायवावाबितायाधीव। तुःकंक्कुताया ववग्यायवादार्थिते। केंन्नेदाययाकेंन्नेदान्नेदा केंन्नेदाययाकेंन्नुदान

देशव बेरशवदेव वेद्र असे ब्रुट मी मुक्य वे विदेश के श्विद द्र हिन्य र दुः बेट মর্ছ্র-কুর্-র্য্-বেই-২৮-বেইঅ-বর্ণ-প্রি-নের্মুব-শ্রীক্র্ম-ব্রি-সেই্ল্-বর্ম-বর্ম-বর্মুর-वयात्व्यात्राः के प्रते दुर्वायात्राः स्त्रीय प्रया त्रा त्र्या व्यव्या क्षेत्रः व्यव्यव्यव्या स्त्रा केंत्राञ्ज विवाधित या वदी प्यताक्षी हवा सम्रवासम्बद्धाय विवेश त्रात्मी विचाधित हे गाुत सम्रिता क्रमाहेमा वनर येदिः वादमास्यायदिः दरः दुमाहवा हा । स्री तद्वया दर्वीवा यरः वर्देन्:ग्राम्:वर्द्यवाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्द्यवाः वर्दः न्तरः नुषाः हु। वचलावज्ञीनायरावर्तेन ग्रामावज्ञानरायेषा । वचरार्वविञ्चासावर्ते प्राप्ति स्वा विभागस्य स्थानिय विभागस्य विभा वबर रेदि: मुः अर्के अरेद सेद्। वामद से्व द्याय मेरिस अवस्य मुवामिर्व स्थाय र्देतिः ल्वरुषः यन् भेत्रा वास्तुरः यो । यन्तुरः स्रेषः यञ्जीरुषः ययते । ने पुरुषः यो स्रेवः या । यो प्र क्रिट र्सुया ख्रेया ख्रेट च र्सुया रेट्रा विद्यायर पुराहियाया विद्यायर विद्याय विद्यायर विद्यायर विद्यायर विद्यायर विद्यायर विद्यायर विद्यायर विद्यायर विद्याय लयः केस्रयः क्षेत्रं त्रयः ध्रीयः तत्तुरः तसूत्रः यः गा ५५ कुतः श्रुग्यः रेः केतः ये गात्र रः स्रो · स्यान्द्रः दः द्वादिः दुषा दश्चरः श्चीः दुषा व्यदः दः व्यवदः व्यः स्थेः द्वोदेः देन् सः विदः दुः नेन प्रवास्त्र अविव केव श्वा वसूव स्नव वायाय नि प्रवास केव प्रवास केव से के'यरुषाविंदः इसाया वासुसायेषादः या कें'द्यदः यो ज्ञाद्या भीवा स्यदः वर्जे वात्रदः वर्जे । यर तर्ने र वावर तर्ने र श्री तृषा सु प्रसूप सु से के ति वा साम स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप नक्षेत्राक्षरःक्ष्रत्रायःक्ष्रन्तःविषाःभित्। भेत्रत्रःभरःनक्ष्रत्यःयःत्ररःक्तृतःभ्रीःत्र्योःभेषाः र्थातक्ष्रात्त्र्यः देरावी विवार्श्यक्षाः सूचा सराध्याः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः व। दुषादवःक्षेत्राषात्राःभूगवर्षाः भूगवराद्दः क्षेत्रायदः क्षेत्रायदः क्षेत्रायदः व व व व व व व व व व व व व व व वित्रायाधीत्रायम् वारात्रायसूत्रायात्रस्यायदे केषादे सालेवा प्रस्ताचीत् प्रलेवा र्थेन। सुरुक्तियानदेग्नसून्यासीतुनायदेःश्चित्रां देनादिन्यानानुन्यीनार्थेनासी देःवायत्त्रःक्षेःवरःकतःक्षेत्राद्ररःवाधित। यदःक्षेत्रश्चेत्राक्षेत्रःकदःवीःवसूत्रःवाः वर्ने न्रसङ्ग्राच चरळ न् के च मङ्ग्रिया गाम्मल्य मङ्गि न्रस्की वर्ष च विषा ध्येय च वर्ने। N'न्र'यात्र N'र्री' N'न्ये' लिया वी राधित त्र या विया अदि अहेन् यदि हेत 'दह्नेया' त्रवीयायात्रायायात्रीयायीयाय्येत। यारासूरायसूत्रायान्ररास्त्रात्यायनुन्धीयराकन्तेः यन्तर्दित्रीम्बायस्य प्रतिष्येष् नेदिः स्ट्रेट्न्यः स्वायस्य मिषाः मेरिः योडेकायति की को प्राप्त वर्षेया यदि होता करीया यदि स्वाप्त स्वीप स र्केन् डेवा या स्वाप्त ने दे ते या वर्न सुराया उरा योदा वर्न वार्या उदा श्री श्री देवा या केया वसूत्रः या वादः त्रवा देः देः वाहिषः देवे क्रुंदः या के वतुवाषः भ्रेवा क्रुंदः धीतः यथः देः सुषः श्रीः वेशयन् अयार्वेषाया केंग्रयस्य कुर्या चित्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व क्चिंद्रायाध्येत्। यहेषाः हेत्रा क्षेत्राचे स्यादेशाधीः विषाः प्रदान्त्रीयः विषाः या से स्वातिष् यक्रकात्रम् रदःयीः बुकायकाम् दः स्रष्ठेवाः याः वायुंवाः यदेः वद्रदः देः सायक्क्ष्यः क्ष्यराप्पेन्त्रा कुक्षुन्त्रविवाना नःक्षुन्वीन्या वीप्रदानेयाने यबारदाबोब्रबाददा। हाब्चीवीदादराबारदाखुवाद्यबादबा द्वारीवायास्त्र चर्चा राष्ट्रिय कु महिषा सूर ची से सूर रे रे महिषा रे पित्र या इसाय महिषा से र महिषा श्रेंट वीश्वाया से विश्वाया स्त्राचित्राया स्त्राचित्राया से वार्यम् संस्थात से स्त्राया स्त्राया स्त्राया स्त रेने बर या केर के छत्य स्त्रीर या चडर या दया हैं वा या केदा केर वी मुस्युया कादाया र चलुग्राश्चिरः इस्रमः नृतुः यः चलुग्रामः सम्रा केराः चसूनः यदेः चुः चल्याः योः दर्शेः त्रभावया वियादायात्विराधुम्याधीयमा भ्रीत्राध्ये रे ह्ये या विराधीया विवासि हिस्सिरा ही तर्के सम् धेन बेर सन्तु कर्न व बेर सन्तु सहन हो। धर सबत न्तु नहु वी योड्या.जा दे.इट.विर.श्रट.चीय.टेवट.ह्याश्राक्ष्य.क्ष्ट.शर्ट्र.विश्वश्र श्रीट.की.की. वशुरक्षरम्भद्राचन्द्रभूवाशुप्तसूत्रमदेश्या द्याक्रेंबावद्यावदेखायदेवः ঀ৾য়ৼ৾য়৽ৄ৾য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়ৼয়য়৽ড়৽য়৽য়ৼঀ৾য়৽ড়৾৾ঀ৽য়৾ঀৼয়৾ঀৼয়৽য়ঀ৽য়ৢ৽য়ৼ৾৾৻য়য়৽ৼ वर्सेन् निवेष भेन् सेन्। विषय वाष्य विषय मेन्न निवेष न त्रवा द्वार्ट्रव क्रीका ग्राट है। या वराय तर तर राय वर से क्रीं वा वका हो राप व्याप प्राप्त वर्षा कुंदे वे कुंबद्दाववेया नदे नुदार नवा मी दे के के के दे दुवा के दि दूर विवेया नवा स वेंद्र अञ्ची रवर भी केंद्र भूद कें वा वश्चर श्रीत भेंद्र। के लिया भेत तर के विं रद यी वें चरमान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्यदेशयमान्यम् स्वाप्तान्त्रा न्यान्यम् स्वाप्तान्यस्य क्षेत्रवारा क्षेत्रवारा के कार्या के स्वतारा के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के का

वर्ष्युवन्तुवन्त्राक्षीः हवा क्रुन्या क्रुन्या क्रिन्या प्याप्येव प्यवाहवा वर्ष्टिव क्षि क्षेत्रा क्षी ते हिन्यो वित्र होत्। पसूत्र होत् केत् येति त्या क्वित्य क्षित्र या हो विराम स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स त्करःम्बिः दिमान् में रायाधीवाव। प्रस्वायाने प्युवाधी प्युवायाम्बरः निर्मेशाव। बुकायाबुकातुः धेकावबुदः रेकान् विका क्वितायाधुवातुः वेकावनवाकारेकान्विका तर्गा शुःरयराय्यायारात्रःस्वयाःजः हूर्याराःकृषःष्ट्ररः यो यसूर्वः सुरादर्भेत् वर्षायरः कर्नन्दुर्न्द्रवर्द्ध्याः में राष्ट्रव्यक्षित्रः प्राथाः स्त्रोत्रः प्रवर्धाः स्त्रीत्रः प्रवर्धाः स्त्रीतः थें निस्त्रुया चित्र वित्र वित बिया श्रेषः प्यद्रा वहेवा हेषः वहेरः श्रूदः वी द्याः विवा केषा वक्का द्वारा वहेदः श्रुप्त विद्रा विवार तर्ने यः देशत्वुदः क्र्रेकायः के छो प्येदः प्यदः नुसुषः सुद्रः क्र्रेकायः स्राधिदः दस्राधाया ग्निम् मिन्दे के कि प्रमान के कि र्थेतः दुषः स्नुवषः वः स्नुवः दुषः श्रेः स्रोदः द्वेतः यदेः रेः सिंदः दुः स्रोत्वाषः सुः दृदः रेः दृवाषः स्नुद यदैःदर्वःयःवरुद्याव्यक्षःभैःभैःमृद्याःमान्ववःभैदःवःभीवःव। यदःसर्वस्ययःरेरः ब्रेन्सरमञ्जुः बोरः योन् धरः वर्ने ख़रः केंब्रः ग्रीत्वेषः चः रे व्रेन् कुं व्रुटः चः वर्ने धरः क्वयः वितः श्रेषः विषाः प्रेषाः । ५ रोषाः श्रेष्मविषः वितः स्टार्मः एषाः प्रवास्ति । वितः स्वास्ति । वर्क्वेष्ययाम्बर्धाः क्रियान्द्रात्यान्त्रः विष्यान्त्रः विष्यान्त्रः विष्यान्त्रः विष्यान्त्रः विष्यान्त्रः व वर्ने भूर वर्ळेग्र व मुक्ते वर कर छुट बर उंग्र प्यार या बुट वर्षे व वर्षिया व रेंग्र व रेंग्र वितः क्षत्रभाद्या महिषात् विदः इस्रायः ग्रीः ख्रुवाः वस्रायः श्रीः स्रेविषः रेदा वयान्यायार्वोद्रायात्रास्त्रवायात्रसुद्राचीयात्रेत्रयास्यायेवासुद्रित्रेत्रा विंद्राचिनाः हुः स्वाचान्त्राची विंद्राची विंद

कुंदेः क्रेंब्रावाययान्द्रायस्याने। स्टायासे देदायासी न्योंब्यायस्यायस्या श्चिराः भ्रुतिय। लेयायदेः स्विताः यस्ययाः तया देः देदः मी स्वितः देः दिदः यस्ययाः वहेंग्याधीता देख्राकेंशावकदान्न्याच्यायते द्यो वते सावादिशायकेंद्राही रट रुवा वीय द रेय ग्री स्नेवय सुर्केय (तुय या स्त वर्ष वर्ष प्राप्त स्नेर व मुर्य वियय। चक्चरः सुगान्ववग्या सुगानी ख्रान्यो ख्रान्यो स्वाप्य स सुवान। मर्केन् से वालयातने नया मुक्तान ब्रॅ्यानसुन्ध्याय। न्योसुनास्यास्यास्यात्रेयास्यात्रेयास्यात्रेयास्यात्रेयास्यात्रेयास्या र्यासुग्रया वर्षे भीगान्द से निहासी सेस्रावर्षेत्र तत्सा सकेंद्र केव सेंदि पक्षेव प्राप्त राया मुरायु परिवासी वादव क्रा क्रिया रेवासी र्केन्स्याववुर्भेषाया वार्ययार्वेषायायायाया विन्यम् न्यासे चर्चा चैत्रात्तवः इत्युवा विः दरस्ये चिः दरस्ये विः दर्वा विः वे विवा वीः स्रे स्टरस्य व्यवा चित्रस्य इस्रान्ना नीया केंनाया नयमाया सेना होया से रामा नाल्य पर हेता साकेया हेन'चलेट्यानुष्याय। अर्देरान केयाराहेचाययानह्याक्ताक्तायाह्यास्यास्याह्यास्यास्याह्यास्यास्याह्यास्यास्याह्या चरुषायषाप्रदाचाव्रत्रः श्रीकात्रुषाचाश्रुष्ठान्तु चर्षावाषायापाद्रदः प्येत्।यदीः द्रवीः चरीः स्वाः ষপ্রমার্থ নার্থা টি. এর্বিরান্ত্র বর্ষা প্রমার্থা ক্রীমার্থমান্ত্রী এর্বিরাম্বর चें के खुर दर हें निया परी पदमा होता प्रमुत खुर दिर वें महिया खुर हो हो दिया क्रें विचयायन प्युव स्टर्नु चहुवा न्यो तन्तुव तन्तुय पति स्ट्रो समया स्टर् स्याया सम्

विस्रयाम्बर्टा वस्त्रवायामस्स्राक्षेत्राक्षेत्राम्बर्ध्यस्य स्वर्था विस्रयाम्बर्धाः पह्या. हेत् क्री विश्वश्वा व्याया अर्थ ५५ क्रा क्रा क्री विश्वश्वा व्या क्षी विश्वश्वा विश्व विष्य विश्व विष येग्रया भेरदन्दर्धुगयादन्द्रव्या सेन्य्ययास्त्रम् मुद्रास्त्रा यदेः श्चीनः ह्र्यायात्रेय क्षेत्रप्रायात्रा क्षेत्रप्रायते क्षेत्रप्रायत् । वित्रप्रायत् वित्रप्रायत् वास्याया क्षेत्र तर्देते या सामे तहीया या सेवासा महत्त्रहोया न्दार होया हेवा प्रति हैं यस तद्साया वन्यायावर्ष्याञ्चीरायावित्वनेविः विवान्या न्यवात्ववावीयाव्यायायाया येन्ज्यन्यस्यक्ष्यः व्याप्तात्रा वन्यस्य श्रीया वन्यस्य श्रीयात्रस्य विष्टिक्षः केंग्राप्तितेत्वरायायम् ज्ञारमासराये राकेंग्रानुषान्यातर्वा हीरावते ५५ यन्त्रत्याक्ष्याकायतः स्रेतिका यम् स्वाकान्त्रीयन्वार्यः यन्त्राक्षात्राया योन् ग्रीत्रे ता रोज्ञायायया वार्डे व्ययायदे सम्रतायया यादे रोस्या स्वराम्या सम् र्रीया. में भारता. संभाषा २२ . भाष्ट्रिय. ता. लट. ट्रिया. तारा. क्रिया या. तारा. में भारती. यो. यो. या. तारा. क्रिया. यन्दा देः यां वित्राची नरानु यां विदेश ची भेव निवान नरानु वा नरानु यर उत्र क्रेन् ने वेषा य केत् येदि केंबा या कुंवा चित्र नु क्रेन् यदि स्नूया च न्र यदि । ब्रीमा हे:पर्कुत तहस्र न्यय न्यान्य स्यान्य त्या स्यान्य स्थान्य स्थान यमारखीं प्रदेश देश देश मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ प्रदेश प्रद यभ्यान्यास्ट प्रमास्

বার্মসানাবর্ষুনার্মুর থেমা

यर्शन्त्रस्य स्ट्रिया स्ट्रिया प्रमानित्र स्ट्रिया स्ट्र

র্জন ক্র্নানহ্ন আন দ্বি নার্নার বিদ্যান্তর্বার বিদ্যান্তর বিদ্যান বিদ্যান্তর বিদ্যান্তর বিদ্যান বিদ্যান্তর বিদ্যান্তর বিদ্যান বিদ্যান্তর বিদ্যান্তর বিদ্যান বিদ্যান বিদ্যান বিদ্যান্তর বিদ্যান্তর বিদ্যান বি

न्ययाः भूतः क्षुत्रः चित्रः च्यूतः चयः च्यूतः च्यू

यक्षेत्रः मृत्यः भूष्यः स्ट्राचीयः भूषः भूष्यः। प्रस्त्राच्यः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः प्रस्त्राच्यः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः प्रस्त्राच्यः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः प्रस्त्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राचः स्ट्राचः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्ट्राच्याः स्

र्वे.श्रट.क्श.चेयु.चर्षेष.ताःक्षेशःकीरःक्ष्य। यह्याश्वात्ताःकीरःकीरःकीतःचःह्याशःक्ष्यःत।। यह्याश्वात्ताःकीरःक्षेशःतयःक्ष्यःत्यःक्ष्यःत।। रत्तत्यःक्ष्यःश्वात्त्रःचीयःचीःचयःचीरःक्ष्याःचीःक्ष्य।।

श्वानसूत्र सहस्य प्रते क्वतं नाडियाः स्ट्रिंग स्ट्रिंग सहस्य प्रते स्ट्रिंग स्ट्रिं

 ब्रेस ने स्ट्रास्त्र स्ट्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्